B3-10-263

Digitized by the Internet Archive
in 2016 with funding from
Getty Research Institute

https://archive.org/details/russkiianarodnyi02rovi

ПОСТОЯНАЯ ДАМА ВАРВАРА: СПОВОЛОВОЮ ГЛАЗА ВАСИЛИСА. КИСЛОЙ КВАСЪ МАРЬЯ: ВЕСЕЛОЙ РАЗГОВОРЪ АГРАФЕНА. ВЕЛИКОЕ ЛЕБЕДСТВО ЕЛЕНА: НАГЛАЯ СПЕСЬ МАРЄМНА. ЕРЕДНА УПРАВА УСТИНЬЯ: ТОЛСТА ДАПРОСТА АѲРОСИНЬЯ. ПЕСНИ СПЕТЬ ДАРЬЯ: ХОРОШЕЙ ГОЛОСЪ ДОМНА. ХУДОЕ СОБРАТЬ АГАѲЬЯ: ВПРОЛОМЪ СХОДИТЬ УЛИТА. УМИЛЬНОЙ ВЗГЛАДЪ ВЕКЛА: НИТУДЫ НИСУДЫ ФЕТИНЬЯ. БЕЛЬЯ БЕЛИЛЫ АВДО. ТЬЯ: СКОРАЯ ПОХОТКА АКУЛИНА. ВЗГЛАНЕТЪ УТЕШИТЪ АРИНА: ПРОМОЛВИТЪ НАКОРМИТЪ МАРИНА. СМИРЕННАЯ БЕСЕДА ПЕЛАГЕЯ: ВЕГДАШНАЯ СУЕТА КРЕСТИНА. ВПРА ВДЕ УСТОИТЪ ЗИНОНА: ОБЕЧАТЬ НЕСОЛГАТЬ СОФЬЯ. ЧЕРНЫЯ ГЛАЗА УЛИАНА: ВОРОВСКОЙ ВЗГЛАДЪ ХОВРОНА. ПОСКАКАТЬ ДАПОПАСАТЬ ЛѲИМЬЯ: КРАСНЫЯ РУМАНЫ МАМАНЬЯ. ХОРОШАЯ ПОХОДКА НАСТАСЬЯ: ПРИЯТНА ВЛЮБВИ НАТАЛЬЯ. ПИРОЖНАЯ МАСТЕРИЦА ФЕДО РА: ГОРШЕШНАЯ ПАГУБНИЦАМИНОДОРА. КРИНАШНАЯ БЛУДНИЦА НИМѲОДОРА: ЛУБАВОЙ РАЗГО ВОРЪ ТАТИАНА. ВЕСЕЛАЯ БЕСЕДА ѲЕОСИЯ: ВЛЮБВИ ПОЖИТЬ НАДЕЖДА. ВСЕХЪ ОБМАНУТЬ. КЛЕОПАТРА: СТАТНА ХОРОША МАРГАРИДА. ВКРАСНЕ ПОХОДИТЬ ПРАСКОВЬЯ: ЧЕЛЫ ИЛОМЫМ КРИДА НИСКИЯ ПОКЛОНЫ ВЕРА: ПРОСТА БЕЗЛУКАВСТВА МАВРА. НАВАРНЬЯ ЧЮ АНИСЬЯ. ЛЕН ВАЯ ПОХОТКА НЕНИЛА. НАСМЕХЪ ПОДНАТЬ КАПТЕЛИНА: ВХОРОШЕЙ ЮПВЕ АНТОНИДА. ХВ СТЪ ПОДЬІАТЬ МАРѲА: ВИНЦА ИСПИТЬ АКСИНЬЯ. СМОЛОЦАМИ ПОГУЛЯТЬ МАТРЕНА. ДО СОДЕРЖАТЬ ЛУКЕРЬЯ. ВЗНУТЬ ИПЕРНУТЬ СТАРАЯ ДАМА СОЛОМОНИДА...

IK
15
P58

РУССКІЯ

НАРОДНЫЯ КАРТИНКИ

СОБРАЛЪ И ОПИСАЛЪ

Д. РОВИНСКІЙ.

Книга II.

ЛИСТЫ ИСТОРИЧЕСКІЕ, КАЛЕНДАРИ И БУКВАРИ.

САНКТПЕТЕРБУРГЪ.
ТИПОГРАФІЯ ИМПЕРАТОРСКОЙ АКАДЕМІИ НАУКЪ.
(Вас. Остр., 9 лин., № 12.)
1881.

9660
П

Напечатано по распоряженію Императорской Академіи Наукъ.
Санктпетербургъ. Февраль 1881 г.

Непремѣнный Секретарь, Академикъ *К. Веселовскій.*

Гос. Историч. Научн. Б-ка
НИЛ РСФСР
Инв. № 323214

293. Монархическій Колоссъ.

Онъ изображенъ въ видѣ воина: на его шлемѣ, на латахъ и ногахъ помѣщено перечисленіе государей, царствовавшихъ въ древнихъ и новыхъ монархіяхъ.

По сторонамъ находятся слѣдующія изображенія: слѣва, — крылатый левъ, подъ нимъ подпись:

«въ первой Монархіи Ассирійское, Вавилонское, Мидское. Левъ, Злато, Глава».

Пониже медвѣдь; подъ нимъ подпись:

«Вторая Монархіа а въ ней Государство Персидское. Медвѣдь, Сребро, Грудь».

Справа,—четырехглавый леопардъ; подъ нимъ подпись:

«Третія Монархіа. Содержитъ Греческую Имперію въ Европѣ и Азіи. Леопардъ о четырехъ головахъ, Мѣдь, Чрево».

Пониже,—десятирогій звѣрь; подъ нимъ подпись:

«Въ четвертой Монархіи Римская Имперія. Звѣрь съ десятью рогами, какъ частьми сего Государства. Ноги отчасти желѣзны, отчасти скуделны (глиняны)».

Текстъ внизу картинки:

«Монархической Колоссъ то есть Самимъ Богомъ Пророку Даніилу въ видѣніи, подъ образомъ страшной великости исполина показанное тѣло содержащее всебѣ цѣлого свѣта царствъ и Монархіи. Но отъ горы безъ рукъ, собою

отторгшенся Камень, все сіе ужаснаго взора тѣло, впрахъ разсыпалъ. желающему сію глубокими тайнами судебъ божіихъ наполненную картину яснѣе разумѣть; Должно читать пророчество данiилова гл. 2 нч. Сей особливаго любопытства въ древности достойной листъ, стараніемъ надворнаго совѣтника г. Волчкова съ Латинск. на Россійской. языкъ переведенъ. А первымъ тисненіемъ изданъ въ С. Петербургѣ при Имп: Акад. Наукъ и Художествъ. М. Махаевымъ. 1761 году».

Подлинникъ латинс. печат. Римс. Имперіи въ городѣ Ауг-сбургѣ.

Вверху, въ лѣвомъ углѣ:

«Ключъ на Литеры къ показанію Владѣтелей и потомковъ ихъ».

☼ Солнце, значитъ славнѣйшаго Монарха, совершенной добродѣтели.

♃ Юпитеръ; являетъ богатаго щедраго и своему народу любезнаго владѣтеля.

♂ Марсъ; значитъ великодушнаго, храбраго [а ежели лучами украшенъ] то побѣдоноснаго Монарха являетъ. ‡

☿ Меркурій имѣетъ въ себѣ три знака 1 [♀ Миролюбивой] 2 [☿ Ученой] 3 [♋ Политикъ].

♄ Сатурнъ значитъ злаго, жестокосердаго и мучительнаго.... подданымъ своимъ ненавистнаго владѣтеля.

◡ Рогами къ верьху стоящая луна, знакъ великой надежды ◠ Рогами въ низъ обратившаяся луна, ни единымъ дѣломъ неславнаго, на лѣво повороченная луна) знакъ нездороваго; а (направо смотрящая луна, знакъ безщастнаго владѣтеля.

♀ Венера; знакъ женолюбиваго нѣжнаго и Роскошнаго принца.

m. Естественною смертію умеръ

M. Убитъ отъ кого.

M♂. на войнѣ убитъ

d. Съ престола низверженъ.

С. Вновъ, [вдругоредъ] коронованъ.

♀ Царства самъ отрекся.

Надписи на колоссѣ, на перьяхъ шлема:

«Первая монархїа ассирійская началась лѣта отсотвор. свѣта 1789».

На самомъ шлемѣ:

«1. От Сотвор. Свѣта 1789. 1. Немродъ ♂ ♄ m. 2. Вилъ. 1845. m. 3. Нинъ. 1907. ⁑ m. 4. Семирамида. 1959. ⁑ M. 5. Замансъ. 2001. ♀ m. 6. Аріи. 2039. 7. Аралїи. 2069. 8. Балей. 2109. 9. Арматритъ. 2139. 10. Велахъ. 2177. 11. Балей. 2212. 12. Алтадъ. 2264. 13. Мамитъ. 2296. Стояніе (долгота времени) 1630. 14. Манкалей. 2320. 15. Сферъ. 2356. 16. Мамимъ. 2376. 17. Спаретъ. 2408. 18. Аскадатъ. 2446. 19. Амунтъ. 2486. 20. Велохъ. 2511. 21. Белепаресъ. 2558. 22. Ламридъ. 2586. 23. Созаръ. 2616. 24. Лампаресъ. 2638. 25. Памнасъ. 2668. 26. Созармъ. 2717. 27. Мнорей. 28. Тантанеc. 2759. 29. Тантесъ. 2791. 30. Тыней. 2832. 31. Дерциллъ. 2761. 32. Эвналъ. 2901. 33. Лаостенъ. 2939. 34. Тиритіадъ. 2984. 35. Офратей. 3014. 36. Офратанъ. 3034. 37. Акрацанъ. 3084. 38. Сарданапалъ. 3226. ♀ 39. Залъ Велохъ. 3146. ♂ 40. Фулъ-Ассаръ. 3194. ☍. 41. Салманассаръ. 3217. 42. Сеннахеріи 3227. M. 43. Ассаръ-Гадданъ. 3327. 44. Мередахъ Валадонъ. 3243. 45. Венъ Мерода. ☍. 46. Навходоносъ. 3304. 47. Навходоносоръ. 3339. ⁑ d.) M. 48. Евклъ-Мередахъ. 3381. M. 49. Регассаръ. 3412. 50. Ланвассардѣхъ. 51. Валтазаръ. M. 3425».

На латахъ:

«2. Монархіа. Мидская и Персидская. 1. Киръ. 3421. ✳. ♂. M♂. 2. Камбизъ. 3435. ☍. ♄. M. 3. Дарїи Гистаспъ. 3443. ♃. ☍. m. 4. Ксерксъ. 3479. ☍. ♃. ☾. M. 5. Артаксерксъ Лонгоманъ [Долгая Рука]. 3500. ♃. m. Стояніе 208 лѣтъ. 6. Дарїи Нотъ. 3544. ♃. m. 7. Артаксерксъ. Мнемонъ. 3563. ☍. ♃. m. 8. Артаксерксъ Охъ. 3599. ♄. M. 9. Арзанъ. 3625

*

М. 10. Дарїи Кодоман при немъ паденіе Персидс. Монархїи. 3629. ♃. ♂. М. 3. Монархіа Греческая. Началась въ 3629 году. Египетъ. Александръ Великій. ✳. ♂. ♃. М. Птоломеи. Лаги. ♂. т. Филадельфъ. ♉. ♃. ♂. т. Эвергетъ. ♂. М. Филопаторъ. ♄. ♂. ♀. т. Епифанъ. т. Фїлометоръ. ♄. М♂. Евергетъ II. т. Сотеръ. т. Латуръ d. С. ♄. т. Александръ. ♄. d. т. Латуръ. т. Авлетъ. d. С. М. Сирія. Селевкъ Никаноръ. ♂. ♃. М. Антїохъ Сотеръ. ♂. т. Антіохъ Θεός. ♃. т. Селевкъ Каллиникъ. ♄. ☾. М. Селевкъ Керавнъ. ♂. ☾. М. Антіохъ Великій. ♂. ♄. ☾. М. Селевкъ. Фїлопаторъ ∴ ⁀. М. Антіохъ Епїфанъ. ♄. ♂. т. Антіохъ Евпаторъ. ♄. М. Дїмитрїи Сотеръ. ♄. ∴ d. т. Александръ ♂. d. т. Димїтрїи Нїканоръ ♂. М. Антіохъ Сидетъ ♄. ♂. М. Трифонъ ♄. М. Антіохъ Пїусъ. ♂. т. Дїмїтрїи Нїканоръ. ♄. ∴ ♂. М. Александръ Протархъ ♄. ∴ ♂. М. Антіохъ. Гриппъ. ♂. т. Селевкъ Гриповъ. ♂. d. М. Азіа Меншая. Антігонъ. ♂. М. Димитрїи Покорнетъ. ‡. d. т. Македонїа. Фїлїппъ. Аредей. ⁀. М. Кассандръ. ♂. т. Александръ М. Антипатръ. М. Димитрїи. ‡. d. т. Пирръ. ‡. d. М. Лисимахъ. ♂. т. Птоломей Керавнъ. ♄. ‡. М. Антигонъ. Кенотъ. ☾. ‡. т. Димитрїи ♂. т. Антигонъ Газо. ♂. т. Филиппъ II. ♂. т. Персей. ♂. ☾. d. т. 4 Монархіа Римская началась 3921 года.

Надпись на юбкѣ:

1. Іюлій Кесарь. ♃. ‡. ♉. М. 2. Августъ. ☆. ‡. ♃. ♉. т. Во дни (влѣта) Христовы. 3. Тиверїи 15. ♄. ♉. М. 4. Калигулъ 38. ♂. ∴. ☽. М. 5. Клавдїй 43. ♂ ∴ ☽. М. 6. Неронъ 55. ♄ ∴ ☽. М. 7. Сергїи Галба. ∴ М. 8. Оттонъ. М. 9. Вителлїй. ♄. ∴ М. 10. Веспазіанъ 70. ♃. ♂. т. 11. Титъ Веспазіанъ. 80. ♃. ♂. т. 12. Домитїанъ 86. ♄. ♂. ☽. М. 13. Нерва 97. ♃. ♀. т. 14. Траянъ 99. ♃. ♉. ♄. ♂. т. 15. Адрїанъ 118. ♉. ♃. т. 16. Антонинъ Пїусъ [Благочестивый]. 147. ♃. ☿. т. 17. Антонїнъ Фил. 162. ♉. т 18. Комодъ. ♄. ♀ ∴ ☽. М. 19. Элїй Пертинокъ 197 ∴ М. 20. Дидїи

Іуліа^{н}. ∴☋. М. 21. Северъ. ♄. ♂. m. 22. Вассіанъ Каракалла. ♄. ♀. М. 23. Попилій Макринъ. 218. ♄. М. 24. Геліогабалъ. ♀. ☿ ∴ М. 25. Александръ Севе^{р} 223. ♃. ☿. М. 26. Максиминъ 236. ♄. ∴ М. 27. Гордіанъ Отецъ М. сы^{н}. 238. ⚹. М. 28. Филиппъ Аравесъ 245. М. 29. Декій 350. ♄ ∴ М. 30. Галлъ 252. М. 31. Валеріанъ. ♂. ☽. М. 32. Галліенъ. ☊. М. 33. Флавіи Кла^{в}дій 271. ⚹. m. 34. Авреліанъ. 271. ⚹. М. 35. Таціт̀ъ. 277. М. 36. Флоріанъ. М. 37. Аврелій Пробузъ. ♃. ⚹. М. 38. Карлъ Карусъ Нарвоненскій 280. ♃. ♂. М. 39. Діоклитіа^{н} 303. ⚹. ♄. ♀. М. 40. Константинъ Хлоръ. ♃. ♂. М.

На правой ногѣ:

Царство Восточное. 41. Константи^{н}. Великій 312. ✻. ♃. ⚹. m. 42. Константи^{н}. II. 350. ♂. М. 43. Іуліа^{н} Апостатъ [Отступилъ] 362. ♂. ♄. М♂. 44. Іовиніанъ 363. ♃. m. 45. Валентиніанъ 364. m.

46. Уолентъ } 369. ♄. М.
47. Граціанъ } ♃. ⚹. М.

48. Ѳеодосіи 1. 379. ⚹. ☿. ♃. m. 49. Аркадій. 395. m. 50. Онорій. ♂. m. 51. Ѳеодосіи II. 423. ♃. ☿. m. 52. Валентиніанъ 425. ♂. ☾. ♄. М. 53. Мартіанъ 450. ♃. ♂. m. 54. Левъ 457. ♃. ☿. m. 55. Зенонъ 474. ☊. d. С. М. 56. Анастасіи I. 491 ∴ ☊ М. 57. Юстинъ I. 518. m. 58. Юстиніанъ 527. ⚹. ☿. m. 59. Юстинъ II. 575 ∴ ☾. m. 60. Тиверіи Конста^{н}тинъ III. 578. ⚹. ♃. m. 61. Маврицій 883. ⚹. С. М. 62. Фока 602. ♄. ∴. М. 63. Ираклій 615. ♂. М. 64. Константинъ IV. 642. М. 65. Ираклѣевъ Вну^{к} Констанъ 647. ♄. М. 66. Константинъ Бородатый V. 669. ♄. ♂. m. 67. Юстиніанъ II. 686. ♄ ∴ d. С. М. 68. Леонтій 695. d. m. 69. Тиверій Авсимаръ 698. d. m. 70. Юлиніанъ. 761. М. 71. Анастасіи 713. ♀. М. 72. Ѳеодосіи 715. ♀. m. 73. Левъ Исаврянинъ 717. ♂. m. 74. Константинъ Копронимъ VI. 741. m. 75. Левъ IV. 775. ☊. m. 76. Константи^{н} VII. 790. d. m. Слѣдую-

щіе съ Карломъ II. послѣ ево Царствовали 1. Никифоръ 801. ☾. М. Михаилъ I. 811. ☾. ♀. т. Левъ Армени". V. 813. ♂. М. Мїхаилъ Бальѣ II. 820. ♂. т. Вотїи. т. Феофилъ 829. ☿. ☾. Мїхаилъ III. 841. ☋. ♄. М. Васїлїи Велик. 867. ♃. т. Левъ Филосовъ VI. 889. ☿. т. Александръ 911. ♄. т. Конст. VIII. 912. т. Романъ ☊. d. т. Никифоръ Ф. 963. ♂. ∴. М. Іоантеринсъ. ⚹. М. Василїи 975. ♂. ∴ т. Романъ Араг. 1018. М. Міх. пафл: IV. 1034. ♀. т. Міх. Калап. V. 1041. ∴ d. т. Конст. Мон. 1052. ♀. т. Міх. стратегъ. 56. ♀. т. Ісаак. Комн. 57. т. Констъ Діог. 59. ⚹. т. Романъ Діогъ. 68. М. Міха Паста. d. т. Ник. Ботонъ. d. т. Алекс. Комнинъ 1081. т. Кало Іоаннъ 1118. ♂. т. Еммануилъ 1143. ♄. т. Алексѣй 1181. М. Адроникъ 83. ♄. М. Ісаакъ Анг. 85. d. т. Алекс. Анг. 95. М. Алексїи Младш. 1263. т. Балдуинъ 64. d. т. Генрикъ 1206. т. Пет. Алоисъ III. М♂. Робертъ 1221. т. Балдуинъ. d. т. Мих. Палеолъ. т. Андроникъ. М. Андроникъ т. Іоаннъ Палео. т. Андронъ. т. Еман. 84. т. Іог. 1417. т. Константинъ. 1444. ♂. М. Имп. Тур. Оттоманъ 1300. ♂. т. Орханесъ 18. ♄. ♂. т. Амуратъ 50. ♄. ⚹. Бояцетъ 80. ♄. ⚹. М. Калапинъ 1400. т. Мопсей 10. т. Махометъ 12. ♄. ⚹. т. Амуратъ 22. ♄. ⚹. ♂. т. Махометъ 51. ♄. ⚹. т. Баяцетъ 81. М. Селимъ 1512. т. Солиманъ 13. ♄. ⚹. т. Селимъ 63. ♄. ⚹. т. Амуратъ 1375. ⚹. т. Имп. Тур: Махометъ 95. ♂. т. Султанъ Ахметъ 1604. ♄. ♂. т. Мустафа 1617. d. т. Османнъ 1618. d. т. Амуратъ 23. ♄. ♂. т. Селимъ Ібраг. 1640. ♄. ♂. М. Махометъ 1649. ♄. ♂. d. т. Солиманнъ 1687. ♂. т. Ахметъ II. 1691. ♂. т. Мустава II. 1695. ♄. ♂. т. Ахметъ III. 1700. Махометъ V. 1730. Османъ II. 1754. Мустафа II. 1757.

На лѣвой ногѣ:

Западное Государство Поубіенїи Валентина III разнымъ Премѣнамъ и Варварскимъ народамъ подвержено было. Въ Равеннѣ Продолжалось владѣніе 184 го. Імператоры Нѣмецкіе

Лѣта отъ Христа 800. 1. Карлъ Великіи ☆. ⚸. ♃. m. 2. Людовикъ Кроткіи 814. ♃. ☾. d. C. m. 3. Лотаріи 840. ♂. ♀. m. 4. Лудовикъ II. 855. ♃. ♂. m. 5. Карлъ Калвус [Плѣшивой] 875. M. 6. Лудовикъ III. 877. ♠. m. 7. Карлъ Крассусь [Дебелый] 880. ☾. d. m. 8. Арнольфъ 887. ♂. m. 9. Лудовикъ IV. 899. ☾. m. 10. Конрадъ 912. ♃. m. 11. Генрикъ I. 926. ♃. ⚸. m. 12. Оттонъ I. 936. ♃. ⚸. m. 13. Оттонъ II. 973. ♃. ⚸. m. 14. Оттонъ III. 983. 15. Генрикъ II. 1002. ♃. ⚸. m. 16. Конрадъ II. 1024. ♃. ♂. m. 17. Генрикъ III. 1050. ♃. ♂. m. 18. Генрикъ IV. 1056. ♂. ☾. d. m. 19. Генрикъ V. 1106. ♂. m.»

Правый столбецъ:

«20. Лотаріи Саксонскіи 1125. ♃. ♂. m. 21. Конрадъ III. 1138. ♃. ♂. m. 22. Фридерикъ барбаросъ [Рыжебородый] 1152. ♃. M. 23. Генрикъ VI. 1190. ♂. M. 24. Филиппъ 1199. M. 25. Оттонъ IV. 1208. ♂. m. 26. Фридерикъ II. 1218. ♂. m. 27. Вильгельмъ 1247. ☾. d. m. 28. Конрадъ IV. 1250. ♂. M. 29. Рудольфъ I. 1273. ♃. ♂. m. 30. Адолфъ 1292. ♂. M♂. 31. Албертъ 1299, ♂. M. 32. Генрикъ VII. 1308. ♂. M. 33. Людовикъ V. 1314. ♂. m. 34. Карлъ IV. 1347. ♂. m. 35. Венцеславъ 1379. ♠ ☽ ∴ d. m. 36. Рупертъ 1400 ♠. m. 37. Евдонъ барбатусъ барадатыи 1410. ♠. m. 38. Сигизмундъ 1411. ♃. ☾. m. іс Австрійскаго дома. 39. Албертъ II. 1438. m. 40. Фридерикъ III. 1440. ♃. ☿. ♂. m. 41. Максїмилїанъ 1493. ♃. ♂. m. 42. Карлъ V. 1519. ♃. ⚸. ♀. m. 43. Фердїнандъ I. 1558. ♃. ♂. m. 44. Максимиліанъ II. 1564. ♃. ♂. m. 45. Рудолфъ II. 1576. ♃. ♂. m. 46. Фатїасъ I. 1612. ♃. m. 47. Фердинанъ II. 1619. ♂. m. 48. Фердинандъ III. 1637. ♃. ♂. m. 49. Леополдъ. 1658. 50. Іосифъ I. 1690. ♃. ⚸. m. 51. Карлъ VI. 1711. ✳. ♃. ⚸. 52. Карлъ VII. 1742. Францисъ I. 1745. Герц. Лотарин. Тосканс.

На пальцахъ правой ноги:

«Азїа, Грецїа, Египетъ, Сїрїа, Африка».

На пальцахъ лѣвой ноги:

«Германїа, Гишпанїа, Италїа, Англїа, Галлїа».

Подлинникъ находится въ моемъ собраніи. Картинка гравирована на мѣди, какъ видно изъ подписи, М. Махаевымъ.

Въ моемъ собраніи есть другое изданіе (*б*) этого Колосса, гравированное тоже на мѣди, на Ахметьевской фабрикѣ, и отпечатанное на четырехъ склеенныхъ листахъ бумаги; въ этомъ изданіи надпись: «Монархической Колоссъ то есть Сами — мъ богомъ.....» и т. д. находится съ правой стороны, вверху картинки (а не внизу, какъ въ первомъ изданіи).

Въ Олсуфьевскомъ собраніи есть два экземпляра этого послѣдняго изданія; одинъ (*б*) неправленной доски (VII. 1319), другой (*в*) доски вновь пройденной рѣзцемъ (VII. 1320). Въ первомъ экземплярѣ доска покрыта царапинами, которыя еще не зашлифованы; во второмъ доска уже совершенно отчищена.

---

294. Славное побоище царя Александра Македонскаго съ Поромъ царемъ Индѣйскимъ.

Большая картинка на четырехъ листахъ, склеенныхъ вдлинну; гравирована на деревѣ. Единственно извѣстный экземпляръ ея находится въ Публичной Библіотекѣ, куда поступилъ изъ собранія академика Штелина (Погодина), купившаго этотъ листъ, въ числѣ прочихъ, въ 1766 году въ Москвѣ, «подъ воротами».

Картинка изображаетъ Александра Македонскаго (слѣва) и Пора, царя Индѣйскаго (справа), на коняхъ, другъ противъ друга; позади каждаго изъ нихъ стоитъ конное войско; воины Александра трубятъ побѣду.

Между Александромъ и Поромъ поставленъ щитъ съ надписью: «и̑ речѐ къ пору ѡ по́ре царю́, такова́ли е̑сть вѣра індій-ская и̑ пра́вда во́йско твоѐ йдетъ на по́мощ къ тебе по́ръже ѡз-

рѣвся назадъ хотя́ войску запретить». Надпись надъ Александромъ: «царя́ алеѯа́ндра макѣдонскаго воиско смело выступаетъ».

Надпись вверху картинки: «славное побо́ище, царя алекса́ндра македонскаго съ царе́мъ по́ромъ індійскимъ. и сяде алеѯандръ на своего коня́ дочупала и вземъ въ руку копіе́ и щитъ и збрую возложи́ на главу́ свою́ шело́м и выехалъ на поединокъ и̑ воззва́ ве́лiимъ гласомъ ѡ по́ре царю́ пди̑ противу меня́, или покоря́йся и̑ а̏зъ тебя́ помилую и съехашася о̏ба и̑ оу̑да́ри а̏лекса́ндръ по́ра въ гру́ди и̑ сши́бъ его съ коня́ и войско его̀ взя́лъ подсвою вла́сть».

---

295. Царь Александръ Македонскій.

Листовая картинка, гравированная на деревѣ. На ней представленъ: «ц̄рь алеѯандръ македонскнi», на конѣ, съ копьемъ въ рукѣ. Фигура Александра скопирована съ № 294. Единственно извѣстный экземпляръ этого листа находится въ Олсуфьевскомъ собранiи и принадлежитъ, по работѣ, къ разряду «Штелиновскихъ» (VI. 1206).

---

296. Поръ царь Индѣйскій.

Дружка предыдущему листу. Листовая картинка, гравированная на деревѣ; Поръ представленъ на конѣ съ копьемъ въ рукѣ; надъ нимъ надпись: «царь Поръ индески.»

Фигура Пора копирована съ № 294.

Единственно извѣстный экземпляръ этой картинки находится въ Олсуфьевскомъ собранiи (VI. 1207).

---

297. Бой царя Александра Македонскаго съ Поромъ царемъ Индѣйскимъ.

Двухлистовая картинка, гравированная на мѣди, на Ахметьевской фабрикѣ, въ первой половинѣ XVII вѣка. Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

Переводъ сходенъ съ переводомъ трехлистовой картинки № 294.

Текстъ внизу:

«Алеѯандръ Македонскіи родися 5168го мца марта 12 день вчасъ 9 (.) поживе всего 32 лета (.) от 20ти летъ нача царствовати и царствовалъ 12 летъ (.) воевалъ по всеи земли одолелъ и покорилъ варварскихъ языкъ 22 еллинскихъ коленъ 14 (.) создаже градовъ 17 алеѯандрию воегипте алеѯандрию вообстехъ[1]) алеѯандрию державную алеѯандрию въ скифе алеѯандрию нарскунице[2]) рече алеѯандрию на остраде алеѯандрию въ вавілоне на тигре рече алеѯандрию на амянудисте алеѯандрию на питереи алеѯандрию на конскихъ водахъ алеѯандрию у ѳарисіи (.) алеѯандръ храбръ зело бысть и сотвори алеѯандрию великую воегипте и царствовавъ вшеи и победи дария мѣдянина и протчихъ цареи не покаряющихся ему.

Алеѯандръ же іныя многия страны победил и воедино совокупилъ даже до солнечнаго града и виде тамо нечистыя чл҃вки Афетовы внуки иже ядяху всякую нечістоту и мертвечину[3]) и чл҃вческия телеса неногребохуся но ядяху да не ізыдутъ сіи осквернііти с҃тую землю і изгна ихъ отъ лица своего мимо севера и погна ихъ въ горы севѣрныя иже суть зело высоки и соступившися горы точію 12 локоть несоступилася онже утверди то место враты железными и замаза сулчитомъ[4]) (.) впоследняяже дни по поп҃рочеству езекіилеву испущены будутъ і ізыдутъ вконъчине мира і осквернятъ землю с҃тую сняжъ нечистыя языки нарицаются

---

[1]) Въ прочихъ изданіяхъ: «во областехъ».

[2]) Тамъ же: «на скупице».

[3]) Тамъ же: «мертвину».

[4]) Тамъ же: «суглитомъ».

гогъ и магогъ (.) по смертиже Алеξандра воеводы его царствоваша 1 филонъ въ Македоніи 2 анътиохъ въ европе».

Вверху картинки:

«О бою александрове споромъ индеискимъ царемъ

І како уби его (.) Алеξандъ цр̃ь македонскіи споромъ [5]) утвердили на договоръ чтобъ имъ самъ на самъ битіся а воіском ихъ стояти і ніхкоторому на помощъ неходити (.) и сие рекъ александръ вседъ на великаго своего коня вземъ копие свое вруку і извоіска своего прямо поѣде ісъехався александръ споромъ и по трижды ударішися и сокрушиша мечи своя і александръ кпору рече (:) тали есть у тебя вера і правда твоя пременіся воінство бо твое ідутъ на помощъ ктебе (.) порже озревся назадъ хотя воевъ своихъ установити (.) александръже темъ словом прельстилъ его и коня своего пола острогами велми ударивъ [6]) і кпору подехавъ блиско вскоре і подъ десную пазуху удари крепко копіем конже александровъ пора ухвати зубами и ногами кземли прідави (.) поръже зле животъ свои идушу предаде (.) Індеянежъ начаша бегати александръ же своими гнаша за ними и 400 живых у нихъ ухвати и многое множество побиша (.) теложе порово вземше і положіша на одръ златы и встолны градъ лиупусъ прінесоша (.) царіцаже его темишра распростерши власы главы своея и ризу многоценную на себе раздра издесятію тысящи индеискихъ владыкъ сплачемъ великим и срыданиемъ тело порово сретоша (.) Александръ же повеле поставити златы одръ и корону велику на главу его возложити и тако его вси оплакоша исчестию велікою погребоша и стоя александръ за градомъ 12 днеи а въ градъ невніде и по дванадесятыхъ днехъ влиупусъ градъ вниде и внидоша вцарския полаты иже красно и дивно сотворены начетыре перестрела долгота ихъ такожде стены ихъ златомъ покровены а столпы ихъ все златые бисеромъ и каменіемъ

[5]) Тамъ же: «споросомъ».
[6]) Тамъ же: «пора острыми ударивъ».

украшены и всехъ великихъ ѿре богове написаны а 12 мцовъ вчлвчскіхъ образахъ зделаны вси златомъ и женские образы і всякая поподобію своему часы і имено лунные (.) и пріведоша ко лександру 1000 конеи борзыхъ поровыхъ 100000 фарижеи индеискихъ подпокровцы 20000 слонов 1000 львовъ ловныхъ 1000000 оружія отъкамени самфира і перстень поровъ многоценноі отъ амптиста камени блюдъ златых настолныхъ велікихъ 100000 роговъ слоновых 10000 і потиръ настолных откамени многоценного ізбісером драгимъ 30000 і протчихъ іныхъ вещеи множество ихже немощно ісповедати(.) александръже совсеми силами своими поиде и постави во индеи наместніка любимаго своего антіоха и повелѣ всемъ слушати его во въсѣмъ».

Въ этомъ изданіи первая строка текста вверху (послѣ заголовка) заканчивается словами: «битіся а воіско[м]».

Мнѣ извѣстны еще три изданія этой картинки, всѣ 1830—40 годовъ; въ нихъ первая строка текста заканчивается словами: въ изданіи *б*: «а воі»; въ изданіи *в*: «а воіско»; въ изданіи *г*: «а воискому».

---

298. «Люди дивія найденыя царемъ александромъ македонскимъ».

Надпись эта находится вверху листовой картинки, гравированной на мѣди, въ началѣ XVIII вѣка, на Ахметьевской фабрикѣ. Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

Слѣва представленъ Александръ Македонскій съ своими воинами; всѣ они на коняхъ; остальную часть картинки занимаютъ «люди дивыя».

Подпись внизу:

«Егда царь александръ македонсскіи [1]) своими грады плениша

[1]) Въ изд. *г*: «Макиданскіи».

тогда царствы мнози побираша востокъ и западъ прохождаша сицевыхъ дивихъ людеи вгорахъ вкутухтовыхъ нахождашѣ многихъ живущихъ страшныхъ пужасныхъ взимаше Тщашеся ихъ вцр҃тво свое привести нониединаго отнихъ могъ произвести соудивленйемъ люди нанихъ взираху ипищу имъ подаваху ноѡни неприемше піщу гладомъ поміраху Тогда ноедіномъ[2]) глазе единаго поїма нотои его[3]) обманом обнима кдивимъ людѣмъ ідяше самъже далеча отънихъ убѣгаше»[4]).

Мнѣ извѣстны слѣдующія повторенія этой картинки:

б) изданіе второй половины XVIII вѣка; первая строка текста заканчивается въ немъ словомъ: «проїзвести».

в) Таже самая доска, перегравированная вновь. Оба изданія находятся въ Олсуфьевскомъ собраніи (VI. 1128 и 1135).

г) Изданіе 1820—30 годовъ. Послѣднія слова первой строки текста: «могъ проїзве».

д) Изданіе того же времени. Послѣднія слова первой строки текста: «могъ проїзвести».

е) Изданіе того же времени. Послѣднія слова: «нонеедина».

Въ Олсуфьевскомъ собраніи (Т. XI) есть еще изданіе (*ж*), отличное отъ предыдущихъ.

Вверху его надпись:

«Люди дивіи наиденыя, ц҃ремъ александро^м^ Македонскимъ»

Александръ Македонскій представленъ пѣшимъ, съ копьемъ въ рукѣ, всадниковъ подлѣ него нѣтъ. Текстъ тотъ же, съ незначительными измѣненіями. Картинка листовая, гравированная на мѣди (XI).

---

[2]) Въ изд. *д:* «и объ едіномъ».

[3]) Въ изд. *г:* «но тои потри его»; въ изд. *д:* «но тои но тои его».

[4]) Въ изд. *д* и *г:* «обгаше»; въ изд. *е:* «отбежа».

299. Смотрины греческихъ царицъ.

Грубая крѣпкая водка, въ листъ, работы А. Зубова или Ив. Любецкаго. Подлинникъ находится въ Публичной Библіотекѣ. Содержаніе картинки объясняется текстомъ:

«Ельленя въ̾ фабулахъ писали,
Что ихъ т҃ри такъ женъ бирали
И се избранна о̾т̾ дѣвъ дѣво
Кажетъ всенародно свое тѣло
Единому ихъ на мысль пала,
Чтобъ красна девица пре̾стала
Ненага ниже во одеждѣ
Нобыть королева въ̾ надѣждѣ
В̾семъ норядке гдѣ нивзялася,
Златою сѣткою облеклася
Ни пѣша ниже какъ наконѣхъ
Явися в королевскихъ дворѣхъ
Страхъ и тревогу напускаетъ,
Любовь и серд҃це пре̾являетъ
Ногу свою поднявъ на козла
Значитъ вхо̾д̾ свои бе̾зъ̾всякаго зла».

---

300. Изображенія четырехъ древнихъ царей.

Четыре картинки въ 8-ю долю листа; повидимому они были награвированы на одной доскѣ, а разрѣзаны на четверо уже по отпечатаніи. Цари изображены на коняхъ:

1) «храбрый царь алеѯандръ македонскїй юже вруку его вся царствия покорившася:»

2) «царь дарїй нерскїй слиша яко идетъ воинство македонское смутися:»

3) «силный ц҃рь екторъ трянскїй безчисленное воинство греческое поразилъ:»

4) «мудрый ц҃ръ ахилла греческїй трїехъ убилъ троянскихъ цареи ектора троила деѡоїба».

Подлинники, работы второй половины XVIII вѣка, находятся въ Олсуфьевскомъ собраніи (VIII: 1509, 1510, 1512 и 1513).

---

301. Освобожденіе Бѣлграда отъ осады Печенеговъ.

Листовая картинка, гравированная на Ахметьевской фабрикѣ въ первой половинѣ XVIII вѣка.

Текстъ:

«Описаніе о беле градѣ како киселемъ ѡт осады печенежъския свободися синопсисъ глава 10 листъ 70 книга 2.

Сущу владимеру навоине приїдоша печенѣзи іобступиша белъ градъ киевски идеже наложницы владимеровы бяжу и утвердиша слово свое подградомъ стояти дондеже гладомъ изморятъ ихъ. ноегда уже гражданѣ хотяху печенѣгомъ. здатися. неки чл҃вкъ удержа ихъ и обравъ идеже можаше обрести брашно отпшенїцы овса и отрубеи. повеле две кади киселя развести а третию сыты медовы. княжия медвеицы. їископати три кладези повелѣ итри кади вкиждо кладезь вставити. особь скиселѣм особже ссытою. на утриже призва некихъ отпеченѣговъ началныхъ людѣи. во градъ и показа имъ кладези скиселемъ иссытою. а граждане предними черпающе. и варяху кисель. и растворяюще сытою. сами ядоша и печенеговъ кормиша. потомъ и всосуды имъ киселя и сыты доволно давше. отпустиша ихъ изграда. и реша аще вамъ недостанѣтъ наполѣ корму п(о)ѵградомъ. се гражданѣ вамъ посылаютъ. печенѣзиже

видеще чудно изобилие брашна и мняху гладомъ неуморити ихъ. ѡтступиша отграда. белъже градъ сицевымъ хітростным промыслом ѡтосады печенежныя свободися. чл҃вкаже того прозваша кисель. который хитрость сию изобретѣ. глаголютъже его быти отплѣмени и колѣна свендѣлда. нарочито совѣтника святославля ї влодїмерова».

На картинкѣ представлено, описанное въ текстѣ, угощеніе Печенѣговъ киселемъ съ сытою. Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

---

302. Русскія сказанія.

Шестнадцать листковъ въ четвертку, отпечатанныхъ съ одной стороны.

На первомъ листкѣ изображенъ: «Великій Князь Рюрикъ Княжилъ отъ 862. до 879 года. по Рождествѣ Христовомъ.» Подъ портретомъ: «Гравированы А. Афонасьевымъ». Пунктиромъ.

Внизу текстъ:

«Русскія сказанія. Первое О славномъ и великомъ Князѣ Рюрикѣ. — Москва, у Книгопродавца Василья Логинова, на Никольской улицѣ. 1824».

За тѣмъ слѣдуютъ листы 2 — 16; на каждомъ изъ нихъ, вверху, картинка, гравированная пунктиромъ, а подъ нею гравированный же текстъ, а именно:

«2. О любезные друзья мои!
Жители простые красныхъ селъ,
Любите вы сказки рускія
Слушать въ вечера осенніе,
Скучны, длинные, ненастные.

Соберитеси вокругъ меня,
Сядьте чинно за дубовый столъ;
Съ вами я хочу бесѣдовать
О любимой сторонѣ родной:
Знаю я съ какой охотою
Слушаете вы, гдѣ рускоe
Имя только вспоминается.—
Какъ же намъ и нелюбить того?
Кто нелюбитъ стороны родной,
Тотъ не есть сынъ отцу, матери,
Тотъ не кровной роду, племени.—

разскащикъ.

3. За тысячу почти лѣтъ до насъ въ славномъ и великомъ Новѣ-городѣ жилъ мудрый Гостомыслъ. Не былъ онъ Княземъ рускимъ; но имѣлъ такую власть надъ Новогородцами, какую отецъ имѣетъ надъ дѣтьми своими. Однимъ словомъ рѣшилъ всѣ споры; однимъ взглядомъ заставлялъ всякаго говтрить правду. Долго Новогородцы жили щастливы; но пришло время кончины Гостомысла Онъ призвалъ къ себѣ почетныхъ людей и говорилъ имъ таковы слова: Любезные друзья мои! Вижу, что мнѣ не долго жить на бѣломъ свѣтѣ. Поѣзжайте за море рускоe. Тамъ Княжатъ три брата: Рюрикъ, Синавъ и Труворъ. Проспте ихъ къ себѣ. Они храбры, и не дадутъ васъ врагамъ; мудры и устроятъ въ васъ порядокъ. Иначе, молодые люди вольны.— Они не захотятъ никому изъ васъ повиноваться, а безъ власти жить худо. Онъ едва могъ говорить послѣднія слова. Старцы рыдали надъ умирающимъ своимъ другомъ.—

4. Сбылисъ слова Гостомысловы. Еще высокій курганъ не обросъ зѣленою травою надъ его могилою, а въ Новѣгородѣ все пришло въ безпорядокъ. Старики не усмотрѣли за молодыми людьми; молодые люди не уважали стариковъ: не было власти а всякой хотѣлъ владѣть другими. Но друзья мои! умные и честные люди не умираютъ; они изъ темной могилы научаютъ насъ

добру. Новогородцы вспомнили совѣтъ Гостомысла и на вечѣ, то есть, на мірской сходкѣ сказали въ одинъ голосъ: хотимъ имѣть Князя; пошлемъ за море.—Самой вкусной хлѣбъ, соболи и другіе дорогіе мѣхи, лучшіе соты меда въ знакъ обилія земли руской отобраны въ подарокъ.

Щастливо миновало посольство Новогородское лѣса дремучіе, топи зыбкія, каменистые берега моря Варяжскаго, и благополучно дошло до озера рускаго и до горы руской. Скоро молва о прибытіи Новогородцевъ достигла до чертоговъ Княжескихъ. —

5. Три вѣнценосные брата, середи витязей и бояръ своихъ, приняли пословъ отъ великаго города, и говорили имъ такія слова: добрые наши сосѣды! что заставило васъ пройти лѣса дремучіе, топи зыбкія, берега каменистые. Миръ или войну принесли къ намъ? Послы Новогородскіе поклонились имъ низко, поднесли дары свои и отвѣчали: Князья мудрые! витязи могучіе! вотъ хлѣбъ съ полей нашихъ; вотъ мѣхи со звѣрей; вотъ медъ отъ пчелъ; всего у насъ много, но только нѣтъ одной правды. Мы хотимъ Князя; пріидите, владѣйте и правите нами по закону.—

Долго Рюрикъ, Синавъ и Труворъ не соглашались на прозьбу Новогородцевъ. — Родная сторона мила всякому; на-послѣдокъ съ совѣта своихъ вельможей согласились ѣхать въ землю рускую, и взяли съ собою лучшихъ вошовъ бояръ своихъ. Три дни сряду Новогородцы выходили на дорогу, и смотрѣли къ сторонѣ Варягорусской;

6. А въ четвертый по густой пыли и топоту коней узнали они о прибытіи Князей. Старики и молодые, жены и дѣти, всѣ вышли къ нимъ на встрѣчу. На бѣломъ конѣ, въ свѣтлыхъ, какъ жаръ, стальныхъ доспѣхахъ ѣхалъ Рюрикъ среди своихъ братьевъ, а заними бояре и воины.—Ласково приняли Князья хлѣбъ и соль, ласковѣе кланялись народу. — При радостныхъ крикахъ въѣхали они въ городъ, держали совѣтъ на вечѣ; раздѣлили по себѣ зѣмлю рускую, и принесли съ собою согласіе къ Новогородцамъ. Два года Рюрикъ благополучно Княжилъ въ старой Ладогѣ, а на третій получилъ онъ печальную вѣсть о смерти своихъ братьевъ, Синава

на Бѣлѣ озерѣ, а Трувора въ Изборскѣ. Долго крушился онъ о смерти своихъ кровныхъ; но мертвыхъ не можно воскресить изъ могилы; соединилъ три Княжества, Новогородское Бѣлоозерское и Изборское воедино; и изъ Старой Ладоги въ Новгородъ перенесъ престолъ свой.—

7. Велико было Рюриково стараніе о щастіи своихъ подданныхъ. Онъ послалъ въ разные города вѣрныхъ бояръ своихъ, а что бы они наблюдали въ нихъ правду, давалъ имъ волости во владѣніе. Но какой мудрецъ можетъ сдѣлать всѣхъ довольными? Оскольдъ и Диръ, бояре и рыцари Варяжскіе не получили никакого удѣла; приступили къ Князю съ таковою прозьбою: Государь! тебѣ извѣстно, что мы возросли на ратномъ полѣ. Нынѣ руская земля со всѣми въ мирѣ, а храбрымъ витязямъ жить скучно въ городскихъ стѣнахъ. Отпусти насъ поискать щастія въ другихъ Государствахъ. Рюрику не противна была ихъ прозьба. Онъ отпустилъ на чужую сторону, и позволилъ взять съ собою охотниковъ до дѣлъ рыцарскихъ.

На другой день еще довосхода солнечнаго Оскольдъ и Диръ выѣхали изъ Новагорода, и пустились прямо на полдень.—Много припятствій встрѣчалось имъ въ лѣсахъ дремучихъ,

8. много опасностей въ сторонѣ невѣдомой; но они одолѣли все, и прибыли къ высокой горѣ, на которой стоялъ небольшой городъ. — Что это за городъ, и кто владѣетъ имъ? спросили у поселянъ, которые работали въ полѣ.—Кіевъ отвѣчалъ имъ старшій изъ всѣхъ. — Онъ построенъ тремя братьями, Кіемъ, Щекомъ и Хоревомъ. Долго прадѣды наши были щастливы; но намъ досталась участь самая горькая. Лютой народъ, Козары, побѣдилъ насъ и наложилъ дань тяжкую, — радостно забилось сердце витязей. Они молча поднимались на гору, и тихимъ шагомъ въѣзжали въ городъ. Со всѣхъ сторонъ стекались жители къ иноземцамъ. Остановился Оскольдъ; остановились всѣ. Добрые Кіевляне! потомки храбрыхъ Словянъ! сказалъ онъ громкимъ голосомъ Стыдно быть вамъ подъ властію народа дикаго.

Соберите свои силы! мы поведемъ васъ и прогонимъ вашихъ непріятелей въ ихъ стени.

9. Сильное дѣйствіе имѣли слова его. Старцы ободрились; молодые люди почувствовали неодолимую храбрость. Кіевляне, и Поляне собрались къ витязямъ Новогородскимъ. Грозное ополченіе двигнулось отъ Кіева. Козары узнали о походѣ Славянъ; оставили свои бѣлыя вежи (палатки,) и шли на встрѣчу. Два воинства, какъ двѣ грозныя тучи, приближались другъ къ другу. Засвистали стрѣлы мѣткія, затрещали копья длинныя, заблистали сабли острыя, полилася кровь багровая. Страшно было сраженіе. Одни бились за свободу; другіе за корысть. Уже Кіевляне начинали отступать, какъ Оскольдъ и Диръ ударили на враговъ съ своею дружиною; всѣ бросились за ними и закипѣла страшная сѣча. Смутились Козары, подались назадъ, побѣжали и покрыли своими трупами ратное поле. Они ушли къ Дону, и больше не показывались передъ Кіевомъ. —

Скорые гонцы дали знать въ Кіевѣ о славной побѣдѣ. Вездѣ закурились жертвы, и старцы готовились къ принятію побѣдителей.

10. Между тѣмъ войско переправлялось черезъ Днѣпръ съ радостными криками, и входило въ городъ съ великою добычаю: Всѣ выступили ему на встрѣчу. — Да здраствуютъ сильные Князья наши, Оскольдъ и Диръ! воскликнули старцы. Да здраствуютъ! вскричали юноши. Да здраствуютъ! повторили тысячи голосовъ въ городѣ.—Оскольдъ и Диръ сошли съ коней своихъ, благодарили народъ Кіевскій и невидѣли бѣды, которая какъ мы увидимъ въ слѣдующемъ сказаніи, разразится надъ ихъ головою; вошли во дворецъ Княжескій и возложили на себя Княжескія украшенія: Друзья мои! не полагайтесь никогда на щастіе. оно ласкаетъ, портитъ сердце, и оставляетъ послѣ себя горечь лютую. — Такимъ образомъ Оскольдъ и Диръ возгордились побѣдою, возгордились своимъ достоинствомъ. — Пойдемъ на Царьградъ: сразимся съ Греками. —

11. Земля ихъ богата золотомъ и серебромъ. Пусть отдадутъ они намъ половину своихъ сокровищь, или узнаютъ силу

руки нашей! Сказали они въ думѣ — Корысть ослѣпляетъ всякаго_ Боярамъ понравилось такое слово-Двѣсти судовъ сомногими воинами покрыли волны Днѣпра быстраго, и двигнулись внизъ по его теченію. — Трудно было имъ миновать высокіе пороги; но чего не дѣлаетъ желаніе славы и прибытка? Частію по бѣрегу, частію между острыхъ камней, несмотря на сильное стремленіе воды, проведены они были благополучно; миновали всѣ опаспости; переплыли море Черное, и окружили Царь-градъ. Застонала земля Греческая, затрепетали жители Цареградскіе. Скорый гонецъ стрѣлой быстрою; полетѣлъ изъ града съ вѣстію къ Михаилу Царю на рѣку чорную, гдѣ онъ бился съ Агарянами. Михаилъ оставилъ поле ратное, и спѣшилъ спасти отечество. Но что представилось очамъ его? Пылали села красныя; опусташались монастыри

12. Божіи; ограбленные жители бродили по полямъ потоптаннымъ. — Столько-то злы были Кіевляне, когда поклонялись идоламъ. — Михаилъ не находилъ никакихъ способовъ отразить лютыхъ враговъ своихъ. — Оставалась единая надежда на-Всевышняго. Онъ призвалъ къ себѣ Патріарха Фотія. Святый отецъ! сказалъ онъ ему. Врагъ лютъ и силенъ, а избавиться отъ него средствъ не имѣю.—Казна наша истощена, а войска въ сторонѣ отдаленной.— Соберн воиновъ Христовыхъ; пойдемъ во храмъ Пресвятыя Богородицы Влахернской; вознесемъ къ ней молитвы теплыя. Она осѣнила нѣкогда покровомъ своимъ сей градъ; пзнесемъ ризу ея па край моря; омочимъ ее, и будемъ ожидать помощи свыше. Угодна была рѣчь сія предъ Патріархомъ. Онъ всталъ съ своего мѣста; укрѣплялъ въ Государѣ таковую благочестивую надежду, и обѣщалъ пророчески помощь неменуемую, поклонился пизко, и оставилъ дворецъ Императорскій.—

13. Солнце достигало уже высоты полуденной. Лучи его были кровавы отъ дыма, который съ полуночной и западной стороны поднимался прямымъ столбомъ отъ горящихъ городовъ и селъ. Небыло на небѣ ни единаго облака; вѣтерокъ не прохлаждалъ утомленныхъ нещастливцевъ и ни волновалъ морской по-

верхности. Вдругъ раздался унылый звонъ колоколовъ; въ Царѣградѣ; слышно было протяжное пѣніе, и показалось изъ воротъ съ хоругвями и со крестами священное шествіе; весь почти народъ слѣдовалъ за нимъ изъ града. — Оскольдъ и Диръ, стояли на высокомъ холмѣ, слышали и видѣли все сіе; велѣли собраться и строиться своему войску; ожидали нападенія; не примѣчали въ противникахъ своихъ воинскихъ пріуготовленій; и не могли понять: какое оружіе хотѣли обратить на нихъ Греки? — Они не знали сколь крѣпко оружіе христіанское.

14. Священный полкъ тихо подходилъ къ морю; остановился на берегу его. Патріархъ съ умиленною молитвою вознесъ честную ризу къ небу, и потомъ едва коснулся краетъ ея морской поверхности, какъ вдругъ, о чудо! съ востока зашумѣла страшная буря; небо покрылось чорными тучами; молніи полились ручьями на землю; ударили ужасные громы, и тихое море покрылось пѣнистыми валами.—Съ нами Богъ! воскликнули Греки.—Горе, горе намъ! кричали Кіевляне; бросались на суда свои, и погибали вмѣстѣ съ ними. Оскольдъ упалъ на колѣна, и познался силу Бога Христіанскаго.—Онъ просилъ крещенія, получилъ его, и нареченный Николаемъ возвратился въ Кіевъ съ малою дружиною, безъ корысти; но съ миромъ и душевными сокровищами, которыя доставляетъ намъ въ сей жизни и въ будущемъ вѣкѣ Христіанская вѣра.—

15. Между тѣмъ щастливо Княжилъ Рюрикъ въ Новѣгородѣ; всячески старался ввести порядокъ и правосудіе въ землѣ русской, и распространилъ владѣніе свое на Западъ до моря Варяжскаго, а на Востокъ до рѣки Оки. Наконецъ, какъ бы утомясь отъ трудовъ и чувствуя приближеніе вѣчнаго покоя, призвалъ къ себѣ сродника своего Олега. — Другъ мой сказалъ онъ ему, я умираю; сынъ мой еще малъ, а править Государствомъ трудно.—Ты былъ всегда правою моею рукою; поддержи честь моего дома. — Прими насебя правленіе. — Воспитывай Юнаго Игоря въ страхѣ къ Богамъ, въ любви къ славѣ и подданнымъ;

такъ чтобы онъ былъ достоинъ носить на себѣ вѣнецъ Княжескій, когда придетъ въ совершенный возрастъ. —

16. Послѣ такого распоряженія не долго жилъ Рюрикъ; скончался и былъ погребенъ на Волотовомъ полѣ, близь Новагорода съ идолопоклонническими обрядами. Шлемъ, щитъ и мечь его были повѣшены подлѣ высокаго кургана на ближнемъ деревѣ. —

Мамаево побоище.

Огромная картина, награвированная въ первой половинѣ прошедшаго столѣтія.

Подлинникъ (изданіе Ахметьевской фабрики), отпечатанный на листѣ, склеенномъ изъ двѣнадцати мелкихъ кусковъ бумаги разнаго формата, единственный извѣстный мнѣ полный экземпляръ, находится въ моемъ собраніи.

Вверху картинки представленъ городъ Москва; Митрополитъ съ соборомъ выходитъ подать русскому войску благословеніе. Правѣе представлена Троицко-Сергіева Лавра. Препод. Сергій благословляетъ Великаго Князя.

На правой половинѣ картинки послы Великаго князя приносятъ дары Мамаю.

Всредниѣ изображено единоборство инока Пересвѣта съ татариномъ Челубеемъ; на всемъ остальномъ пространствѣ представлена битва русскаго воинства, съ войсками Мамая.

Надъ отрядами русскаго воинства поставлены надписи: «князи ярославсти — князи белоезерсти».

Кромѣ того, въ разныхъ мѣстахъ картины, поставлены нумера, «1—28» (ссылка на текстъ), для объясненія изображеній.

Надпись вверху картинки:

«Ѡполчение и походъ великаго князя димитрия иоанновича самодѣржца всероссискаго противу ѕлочестиваго и безбожнаго цр҃я татарскаго мамая егоже бж҃иею помощію доконца победи.

Текстъ:

«Синопсисъ листъ 121.

Ѡ извещеніи великому князю димитрию яко нечестивыи мамаи идетъ воиною на россию.

Глава ї.

Велики бл҃говерныи Князь Димитрии иоанѡвичь московски услышавъ яко їдет на него безбожны цр҃ь татарски мамаи со многими силами неуклонно яряся наверу хр҃стову инародъ христїанскїи ревнуя погибшему батыю скверному прародителю своему опечалися велми и воставъ иде предъ икону хр҃та спасителя миру и падъ на колена нача со слезами молитися да проститъ милостивыи Бг҃ъ грехи его и їзбавитъ землю россискую ѿ безбожнаго мамая по молитвеже воздвигся скоро посла по брата своего Князя владимера кборовску и по вся князи ибояре и воеводы Князь же владимерь приїде вмоскву вскоре и видевъ велики князь димитрии брата своего и҆звести ему скорбь свою ѿ нахождения поганыхъ Князьже владимерь соболезнуя толикои скорби ѿвеща Великому Князю утешая его гл҃гля на гд҃а возверзи печаль твою ито тя препитаѐ намъже государю лутше есть честную смерть подъяти нежели срамотенъ животъ видити (.) тогда князь велики димитрии поемъ брата своего поиде киреосвещенному митрополиту киприану извести ему настоящую беду яко безбожны цр҃ь маман идетъ нароссию (.) митрополи҃же ѿвеща ему гл҃голя божїимъ то пупущениеᵐ грѣˣ ради нашихъ воста на ны нечестивы онъ цр҃ь тыже государю поᵈщися прежде послати кнему дары и теми

гневъ его укроти негли смирится и непонд҃е земли п҃шея пустошити ащеже того ради не смирится то самъ гдь имїже весть судбами см҃ритъ его яко гдь гордымъ противится смир҃нымже даетъ бл҃годать тако бо и ст҃ыі василїй велики сотвори иногда пославъ дары законопреступнику иулиану хотящему градъ его разорити да утолится о҃ярости своея но егда о҃ступникъ онъ непреста о҃погибелныя ярости своея абие самъ гдь бг҃ъ на о҃мщение толикаго неблгодарения посла воина своего ст҃аго мч҃ника меркурия да убіе҃ гонителя невидимо еже избысться.

2.

Ѡ послании о҃великаго князя димитрия даровъ къ мамаю.

Велики Князь димитрии повинуяся совету митрополітову избраннаго и благоразумнаго предъстоящи^х^ своихъ именемъ Захарию тутчева или тушнїна посла со многими дарами кмамаю придавъ ему и два толмача (.) захария же донде земли рѣзанскія, и слышевъ яко олегъ резанъски и о^т^градъ литовски приложилися кмамаю посла таино квеликому князю извещая ѡ толикомъ свои^х^ друговъ неприятестве (.) князьже велики слышавъ то нача сер҃цемъ двизатися іисполнися печали помолися г҃двн гл҃голя гд҃и б҃же мои на единаго тебе надеюся правду любящаго аще бы врагъ пакости дѣялъ претерпелъ быхъ яко бо искони врагъ есть роду хр҃стианскому сиїже друзи искренни мои тако на мя умыслыша суди убо гд҃и поправде между ими имежду мною да скончается злоба грешны^х^(.) по молитвеже понде великіи Князь съ братомъ своимъ кпреосвященому митрополиту и поведа ему о приложении олга резанскаго и олгерда литовскаго кмамаю глаголя сплачемъ согрѣшихъ о҃че ст҃ыи пребогомъ но и^м^ никоея обиды не сотворихъ доволенъ бо есть своимъ княжениемъ невемъ же чесо ради умножишася стужающими (.) о҃вещаже митрополитъ яко суетная ихъ вражда инеправедное востание натя княже велики сего ради нескорби но просветися светомъ веселися о бозе помощникѣ своемъ тои тя

избавитъ и прославитъ ащебо государю чл҃вка хрнн҃ бг҃ъ то неможетъ его весь миръ убити о҃крепкия же руки его по҃всевидящаго око владычняго где мощно укрытися ї избыти(.) итеми словесы архїерескими укрепися велики Князь димитрїи їна гд҃а печаль свою возложи

о первои стражи посланнои о великаго князя

3

Князь велики димитрїи иваповичь сбратомъ своимъ и совсеми советники посоветовавъ посла на стражу противъ мамая крепкиx своихъ празумны ѡружниковъ иоанна ржевскаго пякова усатов ивасилия тупника имногихъ сними богатыревъ и повеле имъ ехати со всякимъ опасеннемъ подорду языка достати и правды о мамаеве намиренїи доведатися потомже повеле велики Князъ грамоты разослати повсемъ градомъ да вси будутъ готови на брань сбезбожными агаряны и да собираются вси поколомне вдень успенія пр҃свтыя бц҃ы

ѡ послании вторыя с҃тражи

4

Видя велики Князь димитрїи яко первая стража замедли паки посовето҃в собратомъ своимъ изболяры умысли послати вторую стражу и заповеда имъ вскоре во҃звратитися(.) на стражу же посланни бяху климентъ полянинъ иванъ свясловъ григорїи судокъ иши мнози сними сїиже пошедши срѣтоша на пути василия тупнїка съ языкомъ которыи поведа великому Князю Димитрїю яко неложно идетъ п҃рь мамаи на русь ихако обослася съ нимъ Олегъ резанскїи Олгердъ литовски їнеспешитъ ноздс҃ осени(.) услышавъ то слово Велики Князь нача молитися вл҃ко гд҃и пи҃се хр҃сте воплотивыся о҃чистыя д҃вы марїи нашего ради спасения їзбавлеи насъ ѡработы вражия призри нынѣ пре҃стыи на смирение п҃ше и смири г҃ди гордое сер҃це окаяннаго мамая(.) посемъ обращся къ

брату своему и ковсемъ княземъ ивоеводамъ глаголаше укрепляя ихъ гнездо есть мы братие великаго князя Владимера Киевскаго їже насъ извелъ о҃мы идолослужения и просветилъ истиною вб҃га истинаго вѣрою поревнуїмже убо пбиемся до смерти заверу с҃тую споганымп татарыми г҃дь намъ помощни҃к неубоимся что сотворитъ чл҃вкъ аще о҃насъ кто иум҃ретъ заверу то со св҃тыми мученики внебе венецъ воспрїиметъ(.) о҃вещаже Князь владимеръ братъ великаго князя и вси сими князи реша праведно сие есть яко заверу с҃тую умирающіи о҃б҃га воздаяние прпемлютъ вечное имы готов есмы вси навоине статарами главы своя за веру с҃тую положити(.) то услышавъ велики Князь димитрии яко вси дер҃новенно тща тоя кбрани зело утешися

5.

о приездѣ руски҂х князеи ивоеводъ многихъ воискъ кмосквѣ.

По повелению Великаго Князя димитрия приспеша руские князи ї воеводы и многая воинъства во уреченое время на дѣнь успения пре҃стыя бц҃ы кмоскве и вси радующися о великомъ князе своемъ димитриі едиными усты глаголаху соверши бже҃ течение наше имене ради с҃таго твоего(.) прппошаже и князи белозерсти сомногими силами велми чинно кбою устроенными князь ѳедоръ суміоновичь Князь сумионъ михаиловичь Князь андреи скимски Князь глебъ коргополски и князи ярославсти своими силами Князь анъдреи ярославскїи Князь романъ прозоровски Князь левъ курскїи Князь димитрии ростовски и їниї Князи и сними мнози боляры и дѣти боляр҃ти

6

о прихождѣнии захарии воѡрду кмамаю

Захария приїде во ѡрду, ппоемше его темнии Князи поставиша пре҃д҃премъ своимъ мамаемъ Захарияже все посланы дары о҃великаго Князя димитриія положивъ преднечестивымъ мамаемъ

рече государь нашъ велїкіи Князь димитріи ивановичь всея россїи во ѡтечествіи своемъ здравствуетъ и твоего государскаго з҃равія посла мя вопросити и сия дары посла цр҃ския ради почести(.) нечестивыиже ц҃рь во³ярився паче исполнися ярости и гордости окаянныи абие свергъ башмакъ справыя ноги и рече (:) захария се ти дарую о великия славы твоея пришедшу о҃ ноги моея о҃падшее такова бо есть наша ц҃рская почесть аще кого хощемъ жаловати (.) захария же воздаде честь мудре нечестивому ц҃рю (.) ц҃рьже подивися мудрымъ о҃ветомъ захаринымъ и повеле присланныя дары воиномъ взяти гл҃гла возмїте себе сие и купите плети па кони своя (;) злато бо и сребро Князя димитрия все будѣтъ вруку моею землю же его ра³дѣлю служащимъ мнѣ асамого приставлю стадо пасти верблюжие (.) тогда захария ревностию ра³жегся огосподѣ своемъ рече мамаю что глаголаши сие таковому великому государь бг҃ъ елико хощетъ то ї сотвори҃ а не якоже ты хощеши (.) престоящіиже хотяху захарию убити но запрети имъ мамаи и нача прелщати захарию мягкими словесы обещая его властителя в росии сотворити (.) Захария такожде лѣ҃ть восприемъ въ ср҃дцѣ своемъ да о҃руку его скорее свободїтся рече кц҃рю (:) поподобаетъ послу несовершивъ посолства государя своего ко иному ц҃рю пристати непреждѣ повели ми книги дати посолныя и егда посолства совершу паки ктебе возращуся ц҃рю да тако и тебе веренъ буду яко первому государю несолгахъ (.) нечестивыиже ц҃рь уловленъ бысть мудрыми словесы захариными о҃пусти его списаниемъ квеликому князю димитрию посла же захарию и четыре^х^ князеи честныхъ и любимыхъ своихъ постелника своего да дьяка да конюшего и клюшника исними нѣкихъ татарь

7. о грамоте мамаевѣ квѣликому князю димитрію.

Грамота же мамая сицѣвымъ образомъ написана бяше (:) ѿ восточнаго ц҃ря о҃болшия ѡрды о҃широки^х^ польносилныхъ татаръ ц҃рь ц҃реи мамаи и многимъ ордамъ государь рука моя мно-

гими цр҃ствы обладаетъ и десница моя на многихъ цр҃ствахъ облежитъ ратою н҃шему димитрїю московскому ведомо ты есть яко улусы нашими обладаеши а н҃шему цр҃ству пришедъ не поклонишися да есть ти ведомо будѣтъ днесь рука моя хощетъ тя казнити аще есп мл҃дъ то пріиди ко мне и поклонися ми да помилую тя и втое место о҃пущу тя цр҃ствовати ащѣли сего несотвориши вскоре вся грады твоя имамъ разорити и огню предати и самаго тя велицѣи казни предамъ

8. ѡ о҃шествѝ захарїи ѻ҃ мамая.

о҃шедъ же захария о҃проклятаго мамая благодареніе во҃сылаше бг҃у яко о҃пусти его мамаи и неразъмысливъ послати окаянных своихъ любимых снимъ и егда приближився крецѣ оке и четыре татарина снимъ нарочитыя и прочіі посланніі татарове нарусь посла съ дороги захария тайно квеликому князю вестника чтобы посла в҃рѣтение ему татаромъ рече уже насъ чес҃но сретятъ о҃великаго князя (.) вилики же князь скоро посла вср҃тение захарино триста чл҃вкъ избранныхъ двора своего и сретоша захарию недалече ѿреки оки захария же дождався своихъ абие повеле. хватати татаръ и везати и вземъ грамоту мамаеву посланную Квеликому Князю предра ю надвое и выбравъ худшаго татарина даде ему ра҃дранную грамоту и ѡпусъти его кмамаю гл҃голя (:) рцы безумному цр҃ю яко не обрето҃ вчеловецѣ҃ безумнеіша его и грамоту его безумія пре҃ пресветлыя очи государя своего великаго Князя непринесохъ ипрочто҃ азъ самъ ю и видевъ безумие мамаево посмеяхся (.) прїдеже татаринъ иповеда сия вся мамаю играмоту раздранную даде ему (.) цр҃ь же нечестивыи вскочи и нача яритися ї повеле всячески подвизатис вс҃мъ своимъ на россию.

9. ѡ пришѣствѝ захарїи спосольства на москву.

Захария же прїдѣ благополучно вславныи градъ москву и поклонися своему государю великому Князю димитрию ївановичу

и всехъ татаръ связанныхъ приведоша ту (.) князьже велики радостенъ бяше вельми о возвращении захарїинѣ и о умномъ посольстве его уведавъше і҃вестно ѿ҃ захарїи о неложномъ востании безбожнаго мамая і яко скоро грядѣтъ нача радоватися наипаче веселити обозе укрепляя брата своего ивсехъ князѣи рускихъ противу безбожнаго мамая (.) готовящися же набрань умысли ити вмонасътырь с҃тыя живоначалныя троицы на поклоне единому Б҃гу втроицѣ святои славимому и на восприятие благословения о҃преподобнаго о҃ц҃а сергия чудотворца.

10. о походѣ великаго князя димитрия вмонастырь с҃тыя троицы.

Велики Князь димитрии поемъ брата своего и вся православныя князи поѣдѣ кмн҃стырю с҃тыя живоначалныя троицы ко святому игумену оц҃у сергию и тамо шедъ вмонастырь поклонися иблг҃ословения получилъ о҃ всея с҃тыя обители имолилъ его пр҃бныи старецъ дабы слушалъ с҃тыя литургїи (.) бяшеже тогда день неделныи инамять с҃тыхъ мч҃никъ Флора плавра (.) политургїи молилъ его пр҃ибныи сергїи совсею братиею дабы вкусилъ хлеба с҃тыя обители (.) Князьже великии препятие велие имеї яко придоша вестницы возвещающе ему о приближении татаровъ имолилъ пр҃ибнаго дабы ослабилъ ему (.) и рече ему с҃тыи старецъ (:) обетъ тебе вполспешество будѣ҃ венецъ же тебе еще не готовъ по инымъ многимъ венцы плетутся мчнические (.) Князьже великиі димитрии совсеми православными князи вкуси хлеба а҃с҃тыи сергии вто время повеле воду освятити о҃ мощеи с҃тыхъ мученикъ Флора и лавра ихъ же того днѣ память совершашеся ино трапезѣ пр҃ибныи сергии окропи освященною водою великаго Князя ивсе христолюбивое воинство и даде великому князю знамение начеле крестъ хр҃товъ ирече ему (:) поиди г҃не б҃гъ тебѣ да поможетъ на враги твоя победиши (.) посемъ тапно ему рече (:) победиши супо҃таты своя (.) Князьже велики прослезися ипроси о҃ него дара (.) о҃вещa старецъ с҃тыи (:) елико довлѣетъ твоемъ государству (.) и рече ему Князь (:) велики даими с҃тыи о҃че два воина о҃ полка своего ино-

ческаго пересвета и брата его ослебя то и ты самъ поможешь намъ (.) прѣпбныи же старецъ скоро повеле има яко ведомымъ ратникомъ ихрабрымъ богатыремъ готовитися а место тленнаго щита или шлема схиму скрестомъ на главу возложити и предаде ихъ вруце великому Князю глгола (:) се ктебе мои оружницы а твои изволницы ірече имъ стыи старецъ миръ вамъ братия моя страждите яко доблии воіны хртовы (.) ивсему православному воинству дадѣ миръ иблагословение нѣпусти ихъ (.) Князьже велики обвеселися сердцемъ иноиде ко граду своему москве благословение старца аки некое некрадимое сокровище несыи достигъже града москвы иде киреосвященному митрополиту и сказа ему еже рече стыи старецъ икако даде ему блгословение стыи и всему воинству (.) митрополиѣже повеле все то ему хранити и неповедати никомуже таинаго сергіево пророчества о победе сбится имевшеи над погаными дондеже время славы победителныя приідѣтъ

11. ѡ походѣ великаго князя димитрна смосквы противу безбожныхъ агарянъ.

Месица Августа вдванадесѧ седми день напамять препбнаго ѡца нашего пимена великаго князь великии димитріи хотя ітти на безбожнаго мамая поиде прежде вркковъ прѣтыя бцы иставъ прѣ иконою хрта спасителя согнувъ руцѣ кперсемъ и нача молитися со слезами глаголя (:) молюся ти Бже чудныи вдко страшныи и превысоки воистинну ты еси чрь славы помилуи насъ грешныx егда впечалеx ктебе прибегаемъ яко късвоему владыцы иблгодѣтелю суди Гди обидящимъ мя изобранн борющихся со мною прими оружия ищить и востани вномощъ мнѣ и даждьми победу напротивныя да ити познаютъ славу твою (.) потомъ ста прѣобразомъ чудотворныM престыя бцы ѡлуки свтаго Евглиста написанаго инача умиілнымъ сердцемъ вещати глголя (:) о госпоже црцѣ бдце всего мира заступницѣ недаждь вразорение града сего поганому мамаю и молн сна своего гда нашего творца исо-

детеля да дастъ намъ руку помощи и да смиритъ сер҃ца гордыхъ враговъ нашихъ можеши бо о владычице елико хощеши мыже на твою помощъ надѣющися подвизаемся противу безбожныхъ татаръ (.) такожде шедъ и ко гробу блаженнаго чудотворца петра митрополита киевскаго припаде и моли его да помолится ко архиерею хр҃ту гд҃у о словесны^х овцахъ паствы своя еже сохранитися имъ невреждѣннымъ ида проженетъ ипогуби҃ волковъ безбожны^х варваръ хотящихъ овцы его поглотити (.) скончавъже молитву поклонися митрополиту (.) митрополи҃же бл҃гослови его идаде ему знамения победы кре҃тъ ст҃ыи по҃пусти его (.) ипосла митрополитъ освященныи соборъ склиромъ во флоровския врата вконстантиновския и вниколския со крестами св҃тыми пчудотворными їконами да всехъ воиновъ благословитъ на бранъ (.) Князьже велики димитрии иде вц҃рковъ небеснаго воеводы ст҃аго Архистратига михаила воиномъ скораго пособника ипомолися ст҃ому его образу потомъ приступи ко гробомъ правосласныхъ князеи прародителеи своихъ прече (:) истинныи хранителие веры ст҃ыя православныя поборницы ащѣ имате дерзновение ко гд҃у того молите о наследникахъ нашихъ идаподастъ намъ Бг҃ъ на҃погаными победу (.) ипо молитве изыдѣ изцркви и се Княгиня великая еудокия иїныхъ многихъ князеи княгини и воеводския жены и многое множество народа мужеи и женъ изыдоша провождати великаго князя ипрочи^х со слезами и совосклицаниемъ сердца едва можаху слово изрещи подавающѣ всякъ другъ своему другу конечное целование (.) Князь же велики мало удѣржася о҃слезъ недая себѣ плакати народа ради сердцѣмъже горко слезящася глголя ко своей княгинѣ утешая (:) жено неплачи бг҃ъ но насъ то кто на ны (.) итако сотворь цѣлование вседѣ насвои браныи конь иснимъ вси князи внарочискомъ воинскомъ нарядѣ белоезерсти князи особоно выехали своими полки зело пристроенными. Князь же велики димитрии о҃пусти брата своего владимера дорогою на брашево яко невместися все воинство единымъ путемъ А князи белоезерсти деревескою дорогою самъ же велики князь поидѣ на котѣлъ дорогою (.) А княгиня великая еудокия исnохою своею испрочими княгинями

изыдѣ взлатоверхни свои теремъ набережныи смотрити накнязя ипрїгнивъ руцѣ кперсем своимъ нача молитися и Бгу прося помощи на поганых татаръ идабы два сына Василіи и Юріи неосиротели.

12. **О пришестви Великаго Князя Димитрія на коломну и оустроеніи полковъ.** Великіи Князь Димитріи пришелъ всуботу наколомну напамять стаго моѵсея мурина Августа двадесятъ осмаго дне идеже сретоша его многия воеводы своинствомъ Архиерепжи Еѵфиміи со ѡсвященнымъ собромъ и сокресты срете его вбашне городово и благослови его Вѣликаго Князя ивсехъ снимъ (.) воутрие великіи Князь повеле всемъ воеводамъ своисками вполе дѣвича выехати ибяше толико великое воинство на поляхъ коломенскихъ яко ѡчима созрити всего воинства немощно бяше ипостави велики Князь надполками воеводъ себе вполкъ приялъ князеи белоезерскїихъ правую руку себе содѣлалъ брата Князя Владимера давъ ему Ярославскикъ князеи алевую руку себе устроилъ Князя Глѣба Брянскаго передоваго полку воеводу Димитріи всевожъ коломенскаго полку Микита Васильевичь володимерскои воевода Юрьевски Тимофеи Волуевичь костромскои воевода иванъ родионовичь переяславскіи воевода Андреи серкозовскіи А укнязя Владимера воеводы Данило велиушъ или белеутевъ Князь Ѳеодоръ Елѣцкіи Князь Юріи мещѣрскіи Князь Андрѣи Муромскіи.

13. **О посланіи стражевъ отъ великаго князя Димитрія ї о скорби олега резанскаго иолгерда литовскаго.** Великїи Князь Димитріи устроилъ ирозрядилъ воинство перевозитися повеле оку реку и закрепи всемъ крепко дабы идуще чрезрезанскую землю иниединому власу некоснулися а самъ вземъ благословение отъ Епископа коломескаго превозеся оку потуду пустіи предсобою на трое стражевъ противу татарских стражеи Сѵмеона мелекї игнатия креня Ѳому тину Петра Юрскаго Карпа алеѯина Петра Чирікова иныхъ многих ведомцовъ а заними исамъ спешилъ съ братомъ своимъ и совсеми вои (.) услышавъ о семъ Олегъ Князь резанскіи яко великім князь Димитріи идѣтъ свели-

кими силами противу нечестиваго Мамая нача боятися помышляше послати ко Князю Литовскому Олгерду но невозможно яко весть путъ заступиша вои дивисяже откуду Князю Димитрию помощъ вдерзновение на мамая (.) и возвестиша ему боляре его яко калугеръ именемъ сергии во отечестви его сущи прозорливъ сыи вооружисю идаде ему на помощъ двухъ калугеровъ своихъ(.) тогда Олегъ раскаяся яко воева на великаго князя Димитрия и рече (:) горе мнѣ погубихъ умъ свои неразумея грядущаго времени Бг̃ъ взыщетъ вины моея великому Князю боюся предатися акмамаю приставъ буду гоиптеле[м] на вѣру православную пнабратию яко святополкъ имене яко Святополка земля пожретъ живаго мл̃тваже прозорливаго Сергия поможе̃ князю Димитрію обаче тако сотворю кому Бг̃ъ поможе̃ тому обещание утверждy (.) олгердъже собравъ литвы много варягъ и жмоти пошелъ на помощь мамаю (.) пріпедже ко Одуеву егда услышалъ яко велики князь Димитрии свеликими силами пошелъ на Мамая и яко Олегъ рѣзански убоися сталъ вудержася у одуева рече (:) прелстився чуждаго разума послушавъ никогда литва не бяше учена князьми резанскими анынѣ князь резански и мене обезумилъ и самъ погибе зде нынѣ пребудемъ дондеже улышимъ победу князя московскаго.

14. **О пришествии дву братовъ Олгердовичевъ напомощъ великому князю Димитрію.** Вторе время сыны Олгердовы Андреи князь полоцкои и Димитрии князь Брянскіи суще окрещены вправославную веру чрезмачеху свою княгиню Анну чего ради о̃цъ ихъ олгердъ погапъ ненавиделъ но Богъ любилъ ихъ услышавше яковъ велицеи нечали великіи князь Московскіи ради устремления безбожнаго мамая соболезнавахъ ему пони о томъ старешиже братъ князь Андреи посла кме̃шему брату своему Димитрию таковую грамоту внеиже тако бяше написано (:) весп братъ яко насъ отрпнулъ о̃себе о̃ц̃ъ п̃шъ олгердъ того ради яко прияхъ веру православную но Бг̃ъ прилялъ насъ подвизаемся же и до смерти за ст̃ую веру и поїдемъ на помощъ великому Князю Димитрию пвсему Христианскому народу противъ поганаго ц̃р̃я

Мамая (.) прочетъ то Князь Димитри отъ рата своего умилися исослезами рече всебе даждь намъ Гдй благое нугодное тебе хотение совершити ипосла кбрату отвѣтъ таковъ (:) готовъ естьмъ брате стобою ити свои своими їхже имамы всобрани ради дунаскихъ татаръ ипуть намъ предлежит брате удобныи на северъ кдону даи о̃ца своего утаимся ежебы невозбранилъ намъ намеренія п̃шего иблаговременно снидемся собою икупно поидемъ квеликому Князю Димитрію (.) помалеже днехъ сп̃дошася желанно два брата и якоже иногда иосифъ съвениаминомъ лобза̃шася любезно ипо^т^щашася совсеми своимъ воинствы итти квеликому Князю Димитрию снимже соединишися вскорѣ не далече дону на месте нарицаемо^м^ березуе (.) Великиже Князь Димитри видя нечаемую помощь возрадовася благодаря Бг̃а о чудномъ его промышленіи яко дети оставишѣ о̃ца своего придоша ему на помощь иприемъ ихъ че̃сно многими доволствова дарами рече имъ (:) не мене ради придосте комне но Гд̃ь Бг̃ъ посла васъ кнамъ впомощь христианомъ противъ поганыхъ яко иногда Авраама лоту ему же вы истинни ревнителие есте аньнѣ (.) посемъ великии князь посла вестники кпреосвещѣнному Митрополиту Киприану яко князи Олгердовичи оставиша о̃ц̃а своего придоша напомощь со многими силами (.) Митрополитъ же слышавъ то прослезися благодарение воздадѣ Бг̃у глаголя (:) Гд̃и вл̃дко ч̃лвколюбче благодарим тя о толикои твоеи милости яко твоимъ промышленіемъ и силою сопротивнії наши ветры на тїхость прелагаются (.) и повеле вц̃квахъ божественныхъ везде молитвы творити дѣнь инощъ о великомъ князѣ иозсемъ православномъ воинствѣ наипаче вообители сергиеве ст̃ыя живоначалныя троицы чая изрядныя вм̃лтвахъ помощї о̃туду великая же княгиня Еvдокия слыша какъ то великое милосердие Бж̃ие многимъ убогимъ милостыню сотвори и сама хождаше всегда вц̃квь Бж̃ию на молитву.

15. О прехождѣнии дону и овзятии языка мамаева. Великому Князю Димитрию приспевшу наместо рекомое Березуи яко задвадесятъ поприщь о̃дону месица Сентемьріа внятое чис̃ло на память ст̃аго пророка Захарии напамять убиения сродника

своего ст҃аго Глѣба Владимировича Князя россиискаго приехаша отъ стражеи его Петръ горскии икарпъ Алеѯинъ иприведоша языка нарочитова о҃ мамая (.) Тои языкъ поведаша яко мамаи уже на кузмине гати и не спешитъ того ради яко ожидаетъ олгерда иолгга атвоего рече собрания не весть и срѣтенія стобою нечаетъ (.) Князьже велики вопроси его о силѣ мамаевои (.) и о҃вещаетъ языкъ рече (:) не возможно есть никому силы его изчести (.) Князьже великии нача советовати ссоветники своими глаголя (:) здели пребудѣмъ или донъ превозити ся имамы (.) ирекоша ему Олгердовичи аїщѣ хощѣши княже воиска крепка вели чрезъ донъ реку возитися то никто нипомыслитъ назатъ о силеже велицеи мамаеве неимамы устрашатися яко Бг҃ъ невсилѣ человеческой новправде благоволитъ Ярославъ бо превезеся чрезъ реку Святополка победи прадедъ твои Князь великии Алѣѯандръ невскии реку неву прешедъ короля неметцаго победи такожде подобаетъ итебе творити Гд҃а Бг҃а напомощъ призыва ащеже умремъ заверу ст҃ую идостоя Бж҃ие то воздаяние о҃Бг҃а вечное приїмѣмъ сице и воиство свое укрепляи їсамъ мужанся витязеи бо имаши много храбрыхъ (.) Князьже великии повеле воиску своему за донъ рѣку возитися (.) автомъ времѣнии начаша вестники пребегати извещающе яко уже блисско бегаютъ татарове мнози (.) русти сынове мужаїтѣся икрепитеся радостно ожидающе подвига своего желающѣ видѣти (.) здѣже внезапу начаша являтися волки стадами выюще безпрестанно мнози враны не обычно слѣташася и галки такожде иорл҃ы о҃устия дону вомножестве многомъ прилетаху иту аки воры играюще клицаху илисицы спротчими зверми собирахуся кликущѣ иждуще грознаго дне Бг҃омъ изволенаго натруны (.) тогда стареїши вои рускии радовахуся неприятелеі блїско слышащѣ совершеннаго же обетования ипрекрасны^х^ венцѣвъ о҃ пр҃бнаго Сергия предреченыхъ чающе а юнеїши инии унываху видящи смерть предочима ихъже стареїши укрепляху давсяческии дерзаютъ предлагаюче имъ засмерть временную вечныи животъ и затленныя почести венцы неувядаемы небесныя славы (.) итако другъ друга утверждающѣ и всячески ср҃дце избрани ис-

правляюще дерꙁновено сномощію Бж҃іею устремляхуся противу нечестивы[x].

16. **О устроеніи воинствъ ко брани оукрепленіи всехъ полковъ о҃ великаго князя Димитрия и о мл҃тве его.** Шестаго часа вдень прибеже Семенъ меликъ сдружиною своею по немже гнаша татарове даже до полковъ русскихъ пувидѣвше великое воинство князя великаго Димитрия возратишася иповедаша ц҃рю своему нечестивому мамаю яко россіиски князие ополчишася противу вомногомъ множестве воинствъ (.) онже богопротивникъ раꙁжегія діаволомъ свеликою яростию впогибель себе крикнулъ гласомъ страшнымъ (:) таковая то моя сила аще симъ непобежду то тако имамъ возратитися во свояси (.) и повеле всему своему поганому воиску вооружатися (.) меликже прибегшь поведа великому князю яко русинъ бродъ преидоша уже погани едину точию нощь имамы между собою аутро имутъ пріити на непрядву тебеже рече великому князю подобаетъ днесь ополчитися да неускорятъ заутро татарове (.) набие великіи князь Димитріи сбратомъ своимъ ислитовскими князи олгердовичами нача полки уряжати (.) наипаче о҃литовския страны воевода Димитріи Бобровъ родомъ волынецъ велми своихъ устроилъ чинно и благолепно (.) уставленнымъ же бывшимъ всемъ полкамъ почину елико гдѣ подобаетъ кому стояти выехалъ великіи князь спротчими князми на место высоко пувидѣ вся хоруг҃ви воинства христианскаго яко вси полки ихъ строино вобраняхъ и шлемехъ о҃злата ясно свѣтящися чинно уряжены і уставлены и вси воины и богатыри рустіи і ея чл҃ски головы и охочи на брань г҃ду Бг҃у молятся о победе на врага сего ради удивися и возрадовася о томъ (.) князи литовстіи почудишася и глаголаху подобно сие воинство ц҃ря македонскаго воинству толіко бо велико есть елико преже насъ небяше (.) абие великіи князь слезъ сконя паде на колена предобразомъ христовы[м] написаннымъ на хоругвѣ чернои большаго полка инача изглубины сердца молитися зовыи велегласно (:) о владыко вседержителю г҃ди вїждь смиренѣе и҃ше и призри милосердымъ окомъ на люди своя иже твоею десницѣю сотворены

суть ї кровію твоею искуплены о҃работы діаволи внуши г҃ди гласъ мл҃твы моея и обрати лицѣ свое на нечестивыя варвары и даруи намъ на нихъ победу м҃лтвами пречистыя твоея матери и всехъ с҃тыхъ о҃века тебе бл҃го угодившихъ (.) помолитве же вседѣ великіи князь на коня своего и нача спротчими князи по полкамъ ездяти коемуждо полку самъ своими усты глаголя (:) братия моя милая сынове христіасти омала и до велика днесь нощь приспе а день грозныи приближися всю нощь бодрствуите мужаитеся и крепитеся укрепляющемъ васъ г҃дѣ исусе х҃рте пришелбо уже часъ нашаго подвига станите крепко противу непріятеля иже близь уже насъ на непрядве рецѣ г҃дь силенъ вбрани г҃дь заступникъ н҃шъ Богъ ияковлевъ уповаите на Бг҃а жива да миръ ввасъ будетъ братие возритѣ на(д)ревнія роды и видїте кто убо верова г҃дѣви їпостыдѣся или кто призва его и презрен зане щедръ и милостивъ г҃дь спасетъ во время скорби азъ же заутра еще желаю свами видѣтися (.) и спя рекъ о҃пустилъ брата князя владимера въ верхъ по дону вдубраву зелену яко даназасаде снимъ утаися полкъ его дадѣ же ему и храбрыхъ много двора своего и о҃пустилъ снимъ изостанаго воеводу дімитрія волыскаго противу всечестнаго праздника рождѣства прес҃тыя богородицы (.) есень же бе тогда долга дніе бяху еще летни и нощи светлы своздушною теплотою (.) по о҃ездѣ же великаго князя вси вои укрепишася во всякомъ единодушіи и дѣрзновеніи единъ за другаго умрети обѣщашеся и вси единогласно горе сердечніи очи возводяще зовяху Бж҃е с҃тыи призри наны пдаруи православному князю нашему победу яко великому ц҃рю константину и покори подноэи его врага того мамая якоже иногда кроткому давиду на галиоѳа и научаи руцѣ наши на ополчения и персты наша на брань бл҃аго словенныи Бж҃е вовеки.

О примета[x] димитріа волынскаго предъувѣщаніе: 17: Здѣ читая о примета[x] да не помыслиши любезны читателю оныя воинныя приметы быти вражбитства некая или волшебство Бг҃у иверс христіанстіи противная инабо есть примета їино волшеб-

ство (.) волшебство бо ивраждебство есть о̑ диавола злобе всегда ходатаиственно (.) приметаже о̑ искуства чл̑ку бываетъ втаковыхъ случаяхъ прилучившуся многажды же и о̑ самаго Бг̑а вползы или наказание хотящаго быти чл̑камъ предобявляются различна предзнаменования нетокмо на земли но і на воздусе яко рещи кометы и различныя портенты и читаяи исторіи многа таковая обрящ̑тъ якоже изд̑ (.) того ради напредр̑ченныи димитріи ненаинаго кого но насамаго Бг̑а и на угодниковъ его ц̑ря уповати и молитися увещеваетъ яко же речется впоследующихъ (.) пришедъ димитріи волынецъ и рече великому князю (:) хощу искусити приметы своя точию изыде самъ со мною на пол̑ куликово (.) и послуша ево великіи князь (.) димитріи же волынецъ ста внощи посред̑ обоихъ воискъ своихъ и татарскихъ и обратився услыша о̑страны татарскія стукъ великъ аки торгъ н̑кіі собираемыи или аки градъ зиждущся созадиже волцы выюще велми а по правой стороне орлы кличуще и бысть трепетъ различныхъ птицъ великъ зело противъ же имъ враны аки гора играющи по рещ̑ же непрядве гуси лебеди крылами пл̑щущ̑ необычныи страхъ подаваху (.) рече же волынецъ великому князю (:) слышишили княже что возв̑щаему (?) слышу брате гроза есть велика (.) рече же волынецъ великому князю (:) обратися на полки свои и глаголи что есть (.) и бысть тихость велия и рече волынецъ (:) что слышелъ еси княже (.) и о̑вещ̑а князь (:) ничтожъ точию виделъ много зареи огненныхъ снимающихся (.) и рече волынецъ: огни.

Доброе знамение призываи Бг̑а неоскудною верою р̑че же паки волынецъ еще ми примета есть княже и слезше сконя паде на десное ухо приникъ кземл̑ и лежаша надолги часъ ивоставъ абие поніче ирече великіи князь (:) что есть братъ (?) онже нехотяше поведати ему принужд̑нъ же бысть сказа ему гл̑голя (:) едино есть наползу а другое скорбше слышахъ бо господине княже землю на двое плачущися едина страна поганыхъ языкъ плакася горь чадъ своихъ аки вдова некая друга же страна аки некая д̑вица жалос̑ію плачевныї гласъ аки о̑свирели испущаше

азъ же великіи княже множество техъ приметъ ісвыше сего ради надѣюся на Бг҃а жива яко силою его ипомощию с҃тыхъ м҃чникъ Бориса и Глѣба сродниковъ н҃шихъ буде^т^ победа тебе на^д^погаными по ивоиску христианскому многое надѣніе будѣтъ (.) слышавъ же то князь великіи прослезися велми и рече (:) да будѣтъ побежденіе г҃дне (.) волынецъ же рече (:) государю княже не подобае^т^ вполкахъ сего поведати но токмо Бг҃у молитися и святы^х^ его призывати ирано заутро вели всемъ подвизатися на кони своя ивсякому воину крестомъ христовымъ вооружатися то бо есть непобедимое оружие на враги видимыя и невидимыя.

О явленіи святыхъ мученикъ Бориса и Глѣба. 18. Въ ту же нощь егда приметы слышашася некто мужъ именемъ Ѳома Халцибеевъ ради известнаго своего мужества поставленъ бяше отъ великаго князя направо стражи о҃поганыхъ і откры ему Бг҃ъ видети видѣніе на высоте облакъ изрядѣнъ и се аки полки некия зело великия отвостока исходяху отъ западныя же страны придїоша два юноша свѣтлы имущи въ рука^х^ своихъ свещи и мечи остры сіи же бяху с҃тіи мученицы Борисъ и Глѣбъ ирекоша полковникомъ татарскимъ (:) кто вамъ повеле отечество нашѣ отъ г҃да намъ дарованное потребляти и начаша сещиі яко ни единъ о҃ нихъ неизбысть цѣль (.) и воутрие поведа оныи стражъ нощное видѣние великому Князю (.) Князьже великіи запрети ему да никому сего неповедаетъ самже великіи князь воздѣвъ руцѣ на небо иподневъ очи горе нача со слезами молитися гл҃голя (:) г҃ди человеколюбче молитвами с҃тыхъ м҃чникъ бориса иглѣба помози ми яко же моисею на амалика яко давиду на галиаѳа яко ярославу на святополка и яко прадѣду моему великому Князю Алеѯандру на хвалящаго короля немецкаго ра^з^зорити отечество его помози намъ г҃ди рабомъ твоимъ христианомъ имя твое святое нарицающимъ на поганыхъ укоряющихъ ихулящихъ тя и противищихся непобедимѣй силѣ креста твоего.

О исходѣ обоихъ воиска на брань о устроени о҃ князя дімитриа вмѣсто себя михаила о посланіи сергиевѣ ио храбрости чер^нца.

16. Вдень великаго празника спасения хр҃стианскаго рождества пресвятыя Бц҃ы втрети часъ устроившеся начаша обои воиска трубіти на брань рускіи наипаче утверждашеся въ гласехъ татарскїя же аки онемеша сами же еще ссобою неснидошася яко мгла бяше (.) великїиже Князъ дімири на своемъ бранио^м конѣ ездя по полкамъ укрепляше воинство свое со слезамї глг҃ля (:) о҃цы и братия моя г҃да ради подвизатися пс҃ты^х ради церкве веры хрїстианской иотечества своего сия бо смерть не смерть но животъ вечныи ничтоже земнаго всебе помышляите но на предлежащи подвигъ взираите во всякои надеждѣ и дерзновенїи на поганыя тщашеся яко да победимы венцы увяземся о҃ Христа Бг҃а и спаса душамъ нашимъ (.) тако утвердивъ полки приидѣ паки подсвое чермное знамя и слезь сконя совлече ссебя приволку царскую и воинную облечеся инаинаго коня вседѣ тогоже коня дадѣ подмихаила андреевича любимаго своего иту приволку царскую нанего возложи повеле же и знамя свое рытелю наднимъ возити ипо^дтемъ знаменемъ убиенъ бысть Михаилъ закнязя своего самъ же великіи князь ста на месте своемъ ивынувъ изнедри свои^х честныи крестъ внемъже бяше часть животворящаго древа и воздѣвъ снимъ руцы свои на небо рече со слезами втебе уже кресте святы конечная моя надѣжда яко пом҃глъ еси великому Костянтину победити враги христиаския тако инамъ помози победіти поганаго мамая и всю силу его (.) послание о^т игумена Сергія (.) сия ему глаголющу се принесено бысть послание кнему о҃ преподобнаго сергия игумена внемже бе писано сице (:) великому князю димитрію иоанновичу и всемъ княземъ росеискімъ и всему православному воїнству миръ и благословение ещеже посланикъ даде великому князю хлебъ пресвятыя бг҃оматере о^тигумена сергия присланы (.) князьже велики о писани томъ совсеми вои обра-

довася и темъ аки некими тверды бронями набрань вооружися посланикиже целова любезнымъ целованиемъ а хлебъ ст҃ый приемъ воздевъ сними руцѣ на небо и велегласно возопи (:) о велико имя престыя троицы престая госпоже Бца помогаи намъ на сопротивныхъ молитвами преподобнаго Сергия испаси насъ (.) вседшъ же на коня своего ивземъ палицу железную подвіжеся исполка вонъ хотя самъ пре^{д}начатї бои о҃ великия ревности своея заверу христианскую за церкви ст҃ыя за землю росискую и засвою великую обиду (.) нароссиски князы и боляры удержая его гл҃голюще (:) неподобаетъ великому князю самому наиередъ битися по особою стояти анабитву полковъ смотрити ирасуждати где показатися егда ты где подѣши так то ивнасъ будѣтъ ипре^{д}кѣмъ намъ явитися мы все готовы естьмы главы своя положити затебя великаго государя изаотечество свое тыжс понасъ память творити будеши ивкниги соборныя впишеши ниамять будущимъ родомъ (.) князь же велики прослезися ирече (:) братия моя добри гл҃голы ваши по понеже на земли почтенъ есмь предвсеми вами честию болшею сего ради подобаетъ ми преждевасъ завсехъ васъ главу положити дапрежде васъ венецъ о҃христа восприму благая бо прія^{х} о҃ г҃да злыхъ ли немогу терпети міне ради единаго воздвигошася врази какжемогу видити васъ побиваемы^{х} общую паче подобае^{т} ми ныне свами чашу пити аще смерть ащели живо^{т} (.) втомже времени начаша передовыя полки сходится статарскими первы полкъ поведѣ димитріи всеволодъ ї владиміръ братъ его правою рукою шелъ микула василевичь сколомны соустроеными ратми поганїиже татарове идоша оба полка яко небяше места имъ раступитися а безбожныї цр҃ь мамаи стреми своими князми выехалъ на место высокое смотрети на кровопролитие человеческое (.) и егда близъ собою воиска схождахуся абие выеде татаринъ единъ исполка татарскаго именемъ челубеи предвсеми хваляся мужественъ яко древниї онъ галиаоъ сего видевъ чернецъ сергиевъ пересветъ абие по^{д}вїжеся изсиолка владимера всеволода ирече (:) сеи татаринъ ище^{т} подобнаго себе витязя азъ же хощу съсимъ во имя г҃да саваооа дратися ивосиріять венецъ цр҃ствія

небеснаго бяшеже на немъ шлемъ ангельскаго ѡбраза воображенъ схимою со крестомъ и паки рече ковсемъ своимъ (:) ѿцы и братия простите мя грѣшнаго (.) ѿвещаша вси (:) Бг҃ъ тебе проститъ иблагословитъ и поможе^{т} тебе мл҃твами ст҃аго Сергия (.) и напусти на татарина того татаринъ же устремися противу ему наси хр҃стиане кликнуша Бж҃е помозирабу своему иударишася оба вітязи чернецъ статариномъ крепко копиями едва место непроложишася ї падша оба на землю тамо ско^{п}чашася.

о горкомъ и страшно^{м} часѣ внемже множество создания Бжия смертную исни на бранї чашу 20.

Поскончани теченія пересветова абие удариша киждо по своимъ конемъ ивсѣ христиансти вои единогласно кликнуша съ нами Бг҃ъ ипаки Бж҃е христианскіи помози намъ на враги татаровеже кликнуша ксвоимъ Бг҃омъ Бг҃ъ Магметь исошедшеся сообоихъ странъ начаша крепко битися (.) лиется кровь богатырская подседлами катятся шлемы златыя подноги конския а зашлемами иглавы богатырскіи татаровеже падаютъ вдвое того на поле куликове коль место велико и простра҃по меж до(но)мъ и мечею на то место еще бяше тесно отъ толикаго множества воинствъ инеточию ѿоружия падаху но ѿсамехъ себе разбивахуся и ѿвеликия тесноты инїи задыхахуся инїи подконскими ногами умираху (.) ареки кровыя теку^{т} мѣчи блещахуся аки молния копия сокрушахуся аки громъ трещаху (.) о^{т} третиева часа даже до шестаго биющися силою ѿгрознаго времени ѿгоркаго часа втрехъбо часехъ безчисленая множество побито создания Бж҃ія (.) часъ четверты и пятыи биющися неослабеваю^{т} христиане ниже татаре (.) наставшуже часу шестому начаша Бж҃іимъ попущениемъ грехъ ради нашихъ погани одолевати а христиане изнемогати ужебо мнози ѿ сановитыхъ побиеніи сутъ мнози храбры богатыри росеиски юноши на рочитіи аки древа дубравная поклонишася на землю мнози сынове росскиі сотрошася копытами конеи татарски^{х} исамаго великаго князя уязвиша велми дондеже нуждею склонився сконя пои-

де спобоища яко уже немощно бе ему битися знамена же великаго князя многожды татарове секоша но бжию силою невозмогоша ихъ до конца истребити.

Овидѣніи о҃ версты^х небе҃ 21.

Единъ чл҃къ веренъ ѿ полка князя Владимера самовидецъ видѣния поведа самъ яко шеста часа иде великимъ княземъ н҃бо отверсто изнегоже изыде облакъ аки багряная заря ниско держашеся тоиже облакъ исполненъ бяше рукъ человеческіхъ иніи руцѣ держаху оружие иніи венцы иніи цветы многи прекрасныя наставшу же седмому часу абие мнози венцы отрукъ оныхъ полка облачнава о҃нустишася на полки христиа҃ския уже бо погани о҃всюду обступша а хрістиансти полки оскудеша аки класы пшеничии подавляеми терниемъ (.) блговерныиже князь владимеръ андреевичь видевъ издубравы внеиже назасадѣ седяше яко много христиане побито а татарове преспеваютъ немогш стерпѣти толикия победы рече димитрію волынскому (:) брате димитріи что убо пользуетъ н҃ше стояние и что за успѣхъ будѣтъ кому имамы пособити аще до конца наши погибну^т дадимъ имъ помощь аще и сами сними главы своя положимъ (.) о҃вещавъ волынски (:) вижду княже яко велика есть победа но непришло наше время кто невремя начинаетъ себе примаетъ вредь претернимъ еще мало до времени бл҃гополучнаго всиїже часъ призываи Бг҃а напомощь и вси ему единому силному во брани гд҃у молимся во ѡсмую бо годину будетъ бл҃гдать Бж҃ия и помощь хрістиано^м яко поженутъ враговъ своихъ їностигнутъ дондеже скончаются и невозмогутъ стати (.) Князьже владимеръ во^здевъ руцѣ на небо нача молитися (:) Бж҃е о҃цъ нашихъ сотворивыи небо и землю недаждь врагу нашему диаволу до конца порадоватися но помилуи насъ по велицѣі твоеи милости (.) сынове же русски вполку его плакахуся видящѣ друговъ своїхъ погибающи^х о҃ татаръ инепрестан҃о і порывахуся на помощь имъ аки звани на брань слаткаго вина

пити (.) волынецъ же еще возбраняше имъ гл҃гля (:) пождите мало будетъ и ваше время.

О исходѣ таинаго съ засады полка набрань и о преславнои победѣ надъ татарами. 22.

Приспевшу же часу шестому абие дх҃ъ южны или полудены повея сзади христианскому засаднаго полка воинству тогда волынецъ велики^м^ гласо^м^ возопи (:) кн҃же владимире часъ пришде ивремя приближися (;) и паки рече (:) братия идрузи нынѣ дерзаїте сила бж҃ия помогае^т^ намъ (.) богатыриже ивси витязи русски единомышленно выехали издубравы пустишася во имя гд҃нѣ на татаровъ аки искусни соколы на журавлеи иударишася крепко (.) татарове же увидивше внезапу много полковъ росеі^с^кихъ, и толикое дерзновение къ брани смятошася икрикнуша гл҃голюще (:) увы намъ русь умудрися худшихъ исправиша преждѣ сними на бои а самые богатыри скрышася н҃нѣ зъзасады идутъ нанасъ (.) и обратившеся начаша уступати идавше плещи своя побегоша русскіи же полки силою Бж҃іею ипомощию ст҃ыхъ мученикъ бориса и глѣба погнаша нечестивы^х^ иже о҃меча христианскаго аки лесъ на землю кланяхуся иаки трава о҃ косы постилахуся (.) абежащи погане горцѣ во^с^клицаху беда беда тебѣ мамаю нечестивыи а стобою инамъ пагуба конечная христианстіи же вои г҃да бга призывающе нещадно татаровъ секоша яко едва кому о҃рукъ христианскихъ бяше возмощи убежати наїпаче яко и сами нечестивыи о҃ великаго бою утомишася и кони ихъ бяху уже зело истомленіи (.) тогда мамаи видѣвъ погибѣль свою нача призывати суетная бги своя перуна савата праклия и гурка имнимаго великаго пособника своего магомета неимеяжъ помощи себе о҃ нихъ нача свою главу уносити їабие силою Бж҃іею одоленъ побеже счетырми князи своими (.) мнозиже русти воины гониша по немъ но нево^з^могоша постигнути яко мамаевы кони бяху неистомленіи (.) итако силою всесилнаго бг҃а ипомощию св҃тыхъ му҃чикъ бориса иглѣба яко въ видени видѣ вышереченны ѳома халцыбеевъ

по обе страны реки непрядвь безчисленное множество побито татаровъ лежащихъ.

О собраніи воискъ христиански^х подзнамения своя и овзысканіи и обретеніи великаго князя димитріа и овеликои радости спобеды над татаромъ. 23.

Россіиския воинства победивше татаровъ возвратишася киждо подсвое знамена (.) князьже владимеръ ста подсвоемъ чернымъ знаменемъ и необрете вполку брата своего великаго князя димитрія точію литовския князи едины повеле же вболшую трубу трубити да соберутся всѣ пождавъ же часъ ї яко недождався брата своего нача сплачемъ гл҃глати (:) братия моя милыя кто видѣ или кто слыша своего пастыря великаго князя и непрестанно по полкамъ ездя рыдаше кри(ча)щъ нынѣ впораженіи пастырь такому сия честь будѣтъ и кто победы победитель явится (.) прекоша ему литовскіи князи олгердовичіи (:) мы чаемъ яко живъ есть ноуязвленъ велми егда между мертвыми трупы обрящется (.) иныиже некто рече (:) азъ пятаго часа видѣхъ его крепко биющагося статарами палицею своею (.) иныи рече (:) азъ видѣхъ его поздѣя того биющагося счетырми печенеги ижъ належаху панего зело (.) потомъ юноша князь юрьевскіи стефанъ новосилскіи рече (:) азъ видѣхъ его предсамимъ твоимъ княже приходомъ пеша идуща спобоища велми уязвленнаго по помощи ему не возмогохъ яко я самъ гонимъ бяше тремя татарины и едва отъ нихъ спасохся (.) князьже владиміръ рече (:) ізвестно всемъ буди братия идрузи аще кто обрящетъ жива брата моего великаго князя и поистинне первыи унего рачитель буде^т (.) празсунушася отроцы по побоищу ищуще победителя инаидоша михаила бреника убиеннаго вприволоцѣ великаго князя потомъ ѳеодора семеноновича белоезерскаго чающи великаго князя яко приличенъ бяше два же воина ѳеодоръ сабор и григоріи хлапищевъ родомъ оба костромичи мало выехавши спобоища наехали великаго князя димитриа

велми уязвленнаго о^{т}дыхающа подсѣнию древа березаваго изшедше свои^{х} конеи поклонишася ему иабне саборъ тако въ воиска побеже и возвести князю владимеру гл҃глющи (:) князь великии димитрии ивановичь живъ ицарствуетъ (.) сия же вси князи ивоеводы слышавше возрадовашеся искоро побегоша къ нему и прибегоша падоша на ногу его гл҃голюще (:) радуися княже нашъ радуися древни ярославе радуися новыи александръ радуися светило земли росииския радуися утехо наша радуися победителю враговъ(.) князьже великии едва прогл҃гла воискамъ (:) братия что дается (.) и о҃ввеща князь владимеръ (:) помплости бо҃же^{п} государь ипречистыя бго҃мтери и сугубымъ мл҃твамъ сродниковъ наши^{х} ст҃ыхъ мч҃никъ бориса иглеба заступленнемъже росеисскаго святителя петра и прочихъ чудотворцевъ и пособиемъ потружителя нше҃го преподобнаго сергиа игумена ивсехъ ст҃ыхъ ходатаиствомъ побеждени судь врази наши а мы спасохся (.) тогда князь великии радости исполнися рече (:) сеи день егоже сотвори г҃дь возрадуемся ивозвеселимся вонь (.) инаки рече (:) вели еси г҃ди ичудни судь дѣла твоя вечеръ водворится плачь заутро радость хвалютя г҃ди бо҃же и почитаю имя твое свете егоже ради не предалъ еси насъ врагомъ нашимъ и непопустилъ еси похвалѣтися наднами иному языку сего ради уповаю на тя вовеки.

О поездѣ великаго князя димитрия между трупами 24.

Пріведошаже коня великому князю ивыехалъ напобоище и видехъ множество мертвыхъ любимыхъ своихъ витязе^{п} нача горко плакатися по семъ увидевъ татаровъ четверицѣю втрупие падшихъ мало утешися и обращеся рече волынцу (:) воистину неложна есть примета твоя достойно есть всѣгда тебѣ быти воеводою (.) и нача князь великии совсеми князми и воеводы ездити по всему побоищу сердцѣмже клицаше слезами умываяся и наехавъ место на немъ же лежаша князи белоезерсти вкупе побіенніи иже толма бишася крепко яко единъ другаго ради умре здѣ же

близко лѣжаше и микула васильевичь (.) наднимпже ставъ великіи князь нача плакатися иглгати (:) братия моя милая князи и сынове рускіи положивше заверу стую главы своя аще имате дѣрзновение у бга молитися заны (.) шедъже на ино место и се обреті наперстника своего михаила андреевича бренника и близь его лежаща семена мелика и тимоѳея волуевича убиенныхъ (.) ставъ наднимъ великіи князь восплакася иречe (:) братия моя возлюбленная кто тако можетъ за государя умрети яко любимецъ мои бренникъ вмоемъ нарядѣ вместо мене выехавъ до смерти убиенъ есть (.) и паки рече (:) о бодрыи пшъ страже мелику твоею стражею многожды спасохомся ты же здравия нашего стрегущь за насъ главу свою положилъ еси (.) приидѣ же на ино место и сеи лежаше храбрыи витязь пересветъ чернецъ иблизь его татарскіи галиаоъ отъ пересвета побеждѣнныи восплакася же итамо великіи князь побращся глагола къ своимъ (:) смотрите братия начинателя своего пересвета сеибо победи подобна себе багатыря татарина онегоже многимъ было пити горкую чашу (.) и паки ста на месте своемъ повеле трубити втрубу собирателную насобрани всехъ воискъ (.) добриеже друзи ихрабри витязи совсехъ странъ на трубныи гласъ идяху всобрание весело ликоствующе и песни воспевающѣ ово крестныя ово бгородичныя ово мученическия и протчиа боголѣпныя благодарныя о толикои преславнои победѣ (.) собравшужеся воинству ста великіи князь нача срадостию и сплачемъ глглати (:) братия моя возлюбленая князи руски и бояря местныя воеводы силныя и вси спове всея земли рускіи вамъ подобаетъ такожде ивпредь служити а мне службаю вашею тешется и подостоянию хвалити васъ внегда упасетъ мене бгъ я буду на своемъ столе навеликомъ княжении московскомъ имамъ васъ изобилно дарити нынѣ же сия убавимъ каждо похоронимъ ближнего своего да(не)будутъ зверемъ питицѣмъ в(с)педь тѣлеса христанския (.) и стояше великіи князь задономъ осмь днеи доколь разобрапая телеса христиаская отноганыхъ ипохорониши хрістианъ сколко успеша (.) нечестиви осташася зверѣмъ питицемъ нарасхищения.

О рассмотреніи полковъ исчитаніи убіенныхъ 25.

Посемъ великіи князь димитріи рече (:) считаитеся братия колїко князеи несть молодыˣ (.) ѿвеща Михаилъ Алеѯандровичь бояринъ московскіи (:) нетъ государю у насъ 40: бояриновъ московскихъ до 20 князеи белоезерскихъ до 30 посадниковъ новогородскихъ до 20 бояриновъ коломенскихъ до 40 бояриновъ серпуховскихъ до 20 бояриновъ переславскихъ до 25 бояриновъ костромскихъ до 35 бояриновъ владимерскиˣ до 8 бояриновъ суздальскихъ до 40 бояриновъ муромскиˣ до 23 боярина дімитровскихъ до 30 бояриновъ ростовскиˣ до 60 бояриновъ можаскихъ до 30 бояриновъ звенігородцкиˣ до 15 бояриновъ углецкиˣ до 70 бояриновъ ярославскихъ до 15 бояриновъ тверскихъ до 30 началниковъ лїтовскихъ а отвсехъ полковъ всеи дружины воинской положившихъ главы своя завѣ҃сть Бж҃ію идостояніе государское двестѣ пяᵗдесяᵗ итри тысящи (.) тогда великіи князь димитріи изглубины сер҃дца воᶻдохну иубращся погробомъ убіенныхъ россіскихъ воевоᵈ свеликімъ умілениемъ и слезами рече (:) братія моя вселюбезнеішая князи бояре воеводы и всиі витязи и всиі старіи и молоди сынове рускиі вамъ брати Бг҃омъ суждѣно место сие между дономъ и мечею реками на поли кулікове нарецѣ непрядвѣ гдѣ положили есте богатырския своя главы заверу хрістианскую и за землю росеискую вамъ дабудеᵗ вечная память съ полученіемъ почестеи венцевъ небесныхъ за доблия подвиги ваша амнѣ грѣшнаго совсеми оставшими со мною братиями со сродниками идруги вашими простите иблагословите всемъ веце ивбудущемъ себо здѣ васъ оставлша ѿхожду же имеаше вгоркое н҃ше разлучение съ вами всеи временнеи жѣлаюже усердие случится свами въ жизни вечнѣи преслени Бг҃омъ назнаменаиного мнѣ идѣже есть всехъ веселящехся обиталище.

О возвращеніи великаго князя Димитрія сторжественою побѣдою кмосквѣ 26.

Давъ великій князь димитрій последнея целование телѣсамъ побіе҃наго воинства христіаскаго на поли куликове рече ковсемъ своимъ княземъ бояромъ и воеводамъ и всему воинству (:) братія моя милая уже есмы по милости Бжіи сп҃а здѣли имя себе славное нынѣ же часъ намъ возвратитися въ свою землю время бо пенію и молитве часъ пра҃зникъ всемирнаго воздвиженія начнемъ чрезъ донъ возитїся (.) и тако первеся донъ попдѣ великій князь совсеми кмоскве напрестолъ свои и егда приближися кмоскве во время праздника покрова. пре҃стыя Бц҃ы се преосвященныи митрополи҃т Кипріанъ совсемъ освещеннымъ соборомъ срете великаго князя въ андроникомъ монастыре счестными кресты и сосвятыми иконами и огради его крестомъ ирече (.) радуїся княже нашъ. великій дїмитріе ивановичь преславныи победителю (.) и окропи его ст҃ою водою иту великій князь восхоте вмонастыре святыя литургіи слышети и внидѣ вц҃ковь пача молитися со слезами взирая панерукотвореныи образъ хр҃та спасителя и гл҃гла (:) вл҃дко г҃ди Бя҃же мои бл҃годареніе тебе воздаю яко непредалъ еси рабовъ своихъ враго҃м нашіи҃м впокорѣніе и непопустилъ еси порадоватися имъ о насъ незабуди нищихъ своихъ до конца (.) по цѣрковномъ же правилѣ пдѣ князь великій сбратомъ своимъ и слитовскими князми и совсѣми своими доброхоты вторжественноі победѣ на москву митрополитъ же повеле впоходѣ пети с стихи богородичны имученичны (.) Княгиня же великая Евдокія со двема сынами и сомногими нарочитыми женами срете государя своего во фроловскихъ врате҃х сплачемъ и радостію (.) а князь великій видѣвъ свою княгиню идве свои отросли Князя Василія и князя юрія возрадовася и поиде вц҃рковь небеснаго воеводы архистратига Михаила ипоклонися святому образу его гл҃голя (:) заступникъ нашъ еси во векі (.) по семъ пдѣ по гробомъ сродниковъ своихъ и рече со слезами вы есте пособницы наши ва-

шими молитвами спасохомся о̃ супостатовъ нашихъ (.) изшедъ же истоя цр̃кви поиде паки вц̃рковь пречистыя Бг̃оматере и ставъ предчудотворною ея лукою ст̃ымъ евангелистомъ написаною иконою возре на ню абіе надъ нищъ нача благодарения воздевати гл̃гля (:) госпоже ц̃рце ты еси христианская заступница тобою избавлшеся о̃злыхъ благодарственная воспиcуемти рабы твоя Бц̃е (.) по семъ иде ко гробу преблаженнаго Петра митрополита иpотчпx чудотворцевъ по семъ изыдѣ їсцк̃ви и поиде всвое место въ набережныя сѣни и седе на престоле своемъ радуяся и торжествуя о г̃дѣ.

о походѣ великаго князя димитрна ко обители ст̃ыя тр̃ицы

27. Пребывъ великіи князь дімитрій на москве четыре дни поиде къ святои живоначальнои троицы къ преподобному о̃цу сергию съ братомъ ислитовскими князми (.) преподобныи же о̃цъ Сергїи срете его со кресты близъ монастыря и знаменовъ его крестомъ рече (:) радуися княже великіи ивеселися всвое христолюбивое воинство (.) и попроси его преподобныи о своихъ изволникахъ (.) пpече ему великіи князь тако (:) ст̃ыи о̃че пресвятыми твоими молитвами победихомъ своя враги твои бо изрядныи вооружитель пресветъ рекомы тои бо победитъ подобна себе богатыря о̃варварския страны ащебы о̃че ст̃ыи нетвои крепкіи вооружитель пересветъ было бы многимъ христіаномъ о̃того побеждѣнаго имъ татарина горкую пити чашу (.) потомъ великіи князь помолися во обители святои и слушавъ божественныя литургіи вкуси хлеба о̃ трапезы тоя святыя обители по прошенію пр̃иднаго о̃ц̃а сергіа во^{з}давъ же благодарение поиде вмоскву (.) и ту литовстіи князи начаша проситися восвосы (,) князьже вѣликіи нача ихъ чтити и дарми утоляти глаголя пребудите здѣ дамъ бо вамъ лишше вашея о̃чины но невозмне удержати ихъ о^{т}пустиже ихъ исамъ проводилъ ихъ съ братомъ своимъ до можаиска врастояниже сними рече ихъ со слезами (:) братия моя милая и способники наши г̃дь да сохранитъ восхождѣние ваше о^{т}нынѣ и довека (.) по^{т}пусти ихъ и самъ во^{з}вратися во свою о̃чину вградъ москву иседѣ на своемъ княжени во всякомъ благополучи (.) услышавъ о

*

семъ олгдъ князь литовски яко великии князь димитріи победи мамая возратися свеликимъ студомъ вспять а олегъ резанскіи такождѣ впадѣ вскорбь великую ипонекоемъ времени живота своего лишихся.

О погибели мамаево 28.

Побеждѣну же сущу воинству татарскому вконецъ его же бяше съ дванадесятъ сотъ тысящь яко последждѣ нарочитыя языки татарския о томъ поведаху самъ поганныи ц҃рь Мамаи счетырми князми своими вмаломъ числе побеже спобоища изабеже ѿ великаго страха даже до града лелащаго надморемъ кафы идѣже имя свое утаи новсоре познанный убиенъ бысть отъ врагъ ияко злыи зле погибе оставивъ по себе вечныи студъ и поношение наследникомъ своимъ поганнымъ бесурманомъ народуже христианскому въ вечныя роды торжествѣнную победу надсобою и надсвоими погаными воинствы дарованную ѿвседержителя Бг҃а гд҃емъ нашимъ іи҃сусъ христомъ и силою ст҃аго дх҃а (.) потомъ князь литовскіи олгердъ татар победивъ все поля до киева отъ древнихъ летъ прислушающия ѿпоганския лютости очисти ипостави на подоли коряговичевъ алеѯандра констаͭтина ѳеодора и юрна и все имъ приличныя страны россиския сподобиемъ вручи и воѡбласᵀ подадѣ сстрик(?)листь 4 17 3.»

---

304. «История О походѣ великаго князя димитрия иоанновича донскаго противъ Мамая царя татарскова егоже божіею помощию накуликовомъ поле доконца побѣдиша».

Тетрадь, состоящая изъ 24-хъ картинокъ съ текстомъ, въ четвертую долю листа, гравированныхъ на мѣди, въ началѣ ны-

нѣшняго столѣтія. Второе изданіе этой исторіи съ помѣтой цензора: «Печ. Поз. Іюня 23. д. 1839 г. Ценз. Кавалеръ Снегиревъ».

Содержаніе картинокъ слѣдующее:

1) Великій Князь и Патріархъ получаютъ извѣщеніе о приближеніи Мамая.

2) Приготовленіе даровъ Мамаю.

3) Совѣтъ В. Князя.

4) Послы В. Князя передъ Мамаемъ.

5) В. Князь выступаетъ въ походъ.

6) Побіеніеословъ Мамая.

7) В. Князь, приходящій къ: «Пр Сер(гію)».

8) Разговоръ В. Князя съ митрополитомъ.

9) Прощаніе Великаго Князя съ Великой Княгиней.

10) Братья Ольгердовы приходятъ къ В. К. Димитрію на помощь.

11) Великая Княгиня раздаетъ милостыню нищимъ.

12) Появленіе орловъ и волковъ передъ воинствомъ Великаго Князя.

13) Поклоненіе хоругви.

14) Бесѣда Великаго Князя съ Волынцемъ.

15) Битва небесныхъ воинствъ.

16) Приготовленіе къ битвѣ съ Мамаемъ.

17) Иноки приносятъ Великому Князю хлѣбъ отъ игумена Сергія.

18) Бой татарина Челубея съ инокомъ Пересвѣтомъ.

19) Общая битва.

20) Русскіе одолѣваютъ татаръ.

21) Преслѣдованіе татаръ.

22) Русскіе воины находятъ В. К. Димитрія на полѣ битвы, подъ дубомъ.

23) Куликово поле покрытое тѣлами убитыхъ.

24) Умерщвленіе Мамая.

Текстъ тотъ же, съ незначительными пропусками и ошибками; глава 24-я выпущена цѣликомъ; конецъ текста на 28-й картинкѣ, со словъ: «и силою с̑таго д̑ха.... лість 4 17 3», тоже выпущенъ.

---

305. Описаніе Россійской Имперіи 1794 года.

Четырехлистовая картинка съ надписью:

«Краткое описаніе Россійской Имперіи съ показаніемъ числа жителей и съ означеніемъ растояніевъ каждаго города отъ Москвы Петербурга и отъ губернскихъ городовъ—1794 года».

Вверху вензель Екатерины II и видъ Петербурга; пониже видъ Москвы.

Каждое намѣстничество обозначено большимъ кругомъ, съ названіемъ главнаго города; около этаго круга, въ малыхъ кружечкахъ, размѣщены названія городовъ уѣздныхъ.

Вверху каждаго намѣстничества находится изображеніе герба; а внизу, изображеніе мѣстнаго дворянскаго мундира.

Подлинникъ находится въ Черковской библіотекѣ.

---

306. «Картина или краткое изображеніе Россійской Имперіи 1831 года».

Четырехлистовая картина. скопированная (на мѣди рѣзцомъ) съ предыдущаго номера (305): «съ показаніемъ числа жителей и съ означеніемъ растояніевъ каждаго города отъ Москвы Петербурха и отъ губернскїхъ городовъ 1817 года».

Внизу: «Грав. Позв. Ценз. С. Глинка. Москва 1829 года Іюля 15 дня».

Подлинникъ находится въ Публичн. библіот. (въ собраніи Даля).

---

307. «Анегдотъ ПЕТРА Великаго».

«Одинъ Стольникъ Петра Великаго, сдѣлалъ преступленіе, и подвергнулся суду которой опредѣлилъ, лишивъ его чиновъ и дворянства, сослать въ Сибирь. Сей приговоръ былъ уже утвержденъ Государемъ, но сынъ приступника узнавши объ етомъ, пошелъ къ Царю, повергшись къ ногамъ его просилъ о помилованіи отца, «Знаю, сказалъ онъ, что отецъ мой заслужилъ сіе наказаніе, но прошу Ваше Величество! объ одной милости опредѣленное наказаніе исполнить на мнѣ. Родитель мой по старости и дряхлости своей не можетъ перенести его, но я молодъ и здоровъ, могу выдержать и самую тяжкую работу, а родительница моя притомъ никакъ не перенесетъ нещастіе отца моего, она погибнетъ въ мѣстѣ съ малолѣтными моими братіями и сестрами». Монархъ тронутый сею дѣтскую нѣжностію, обнялъ и поцѣловалъ добраго юношу, воскликнувъ. «Я прощаю отца твоего зато только, что онъ имѣетъ такого сына, возвращаю его семейству атебѣ назначаю то мѣсто, которое занималъ отецъ твой, увѣренъ что ты лучше его будешъ исполнять свои обязанности.

Листовая картинка, изданная въ 1820—30 годахъ. Подлинникъ находится въ Спб. публичной библіотекѣ.

Содержаніе картинки видно изъ текста.

---

308. Изображеніе мужика съ птичьей головой, пойманнаго въ Испаніи, въ 1721 году.

«Фигура онаго чюда которое обрѣли в'Гишпаніи салдаты, ходя на охотѣ влѣсу і онымъ чюдомъ подарили они вицероа вїндни которой его посадилъ на такой голіотъ ѡт флота которой сребромъ нагруженъ в'гишпанїю и недавно прибылъ туда благополучно, і сіе чудо посылается нынѣ чрезъ голїотъ в Мадритъ

которомъ весь народъ удивляется в городе соломонке і повелѣ его гишпанскій король окрестить і привесть вкаталицкую вѣру 1721 году».

Листовая картинка, гравированная на мѣди. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VI—1131).

---

309. Извѣстіе 1739 года о двухъ чудахъ, лѣсномъ и морскомъ, пойманныхъ въ Испаніи.

Листовая картинка на мѣди, раздѣленная на двѣ половины. Въ лѣвой изображенъ мужикъ съ птичьей головой; повтореніе № 308, съ тѣмъ же текстомъ и надписью: «чудо лѣсное поимано вѣсною:» Въ правой половинѣ представленъ безобразный человѣкъ, покрытый шерстью; слѣва видно какъ два рыбака тащутъ его изъ невода.

Надпись:

«Копия изгишпанскаго местечка вигоса от 6 апрѣля. Өустинскаго села рыбаки поимали чюдища морское или такъ называемаго водянаго мужика свелїкимъ трудомъ наспилу ево вневодѣ наберегъ вытащили сие удивїтельно еще мало и видимое монструмъ или морское чюдо имѣетъ ѿ головы до ногъ пол 6 ѳута длїны. голова у него наколье похожа и такъ глатка что наверху ниодного волоса нет токмо внизу борода здолгими маненамї (.) кожа на головѣ и на всемъ теле черна и местами тонкие волосы на неи есть (.) шея у него водянаго дедушкї безмерно долго а туловище необыкновенно длины и толщины. толко во многом члвчскому подобно (.) плеча и локти очень короткї руки весма короткимъ персты у рукъ через меру долги и до перваго згїба такъ какъ у гуся поги вместе срослисъ. а ѿтуды уже наподобие члвчскїхъ перстовъ пошли чрез обычаино долгї ево ногти подобны звериным а хотя сеї уродъ. писковисящія груди имѣет

толко онъ подвсем знаком мужеска полу (.) ледвї у него коротки и посамыя колени у него срослись берцы также неочень долги толко разно идутъ ноги унего хотя и всемъ на чѣлвѣчьи похожи толко болшие палцы весма блиско одинъ подле другаго какъ утечьи лапки висят на петахъ имѣет рыбьи перья накоже спинои всамомъ низу кость выросла у него поперечное перо власно такъ какъ женское (о)пахало около 12ти дюимовъ длины а когда распустится то и болше 12ти дюимовъ бываетъ. оное выписано испечатныхъ санктпитеръ бурскихъ вѣдомостеи, полученныхъ маия 20 дня. сего. 1739. года которыя вѣдомости состоялись подномеромъ. 41.»

Картинка работана на Ахметьевской фабрикѣ. Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

Въ Олсуфьевскомъ собраніи есть другое изданіе (б) этой картинки, съ тѣмъ же текстомъ; чудо лѣсное находится въ немъ въ правой половинѣ картинки, а чудо морское въ лѣвой. (VI. 1137 и 1138).

---

310. О рожденіи урода въ Нижнемъ Новгородѣ, въ 1730 г.

Полулистовая картинка, гравированная на мѣди. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VI. 1230).

Текстъ:

«Урожденні ѡ уродѣ которой роділся внижномъ новѣ городѣ въ 1730го.. дѣкабря въ 15 денъ.

Сицѣвымъ образомъ родился у розночинца Федора Котелникова имуще мужеское естество да четыре руки да двѣ головы болшая по рожденіи была мертва а меншая немного имѣла дыхания великостию ѡнои младенецъ неменше ѡбыкновенно рождающихся посланъ вмоскву тогожъ декабря въ 16. дѣнь въ двоиномъ винѣ».

На картинкѣ помѣщено изображеніе урода и его матери и отца; по сторонамъ стоятъ зрители.

311. О знаменіи, бывшемъ надъ градомъ Шлонскимъ въ 1736 году.

Листовая картинка, гравированная на мѣди на Ахметьевской фабрикѣ. Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

Текстъ:

«Сие знаменіе стояще на нѣбеси надградомъ шлонскімъ чрезъ цѣлую нощъ образомъ подобно яко чл҃вкъ власы женскія наглавѣ корона на коронѣ четыре креста церковныя ізголовы две шпаги изоустъ мечь наплече три знамя человеческая глава на хребте пушка при боку мечь подмечемъ месецъ изгруди семь шпагъ взаду десять стрелъ на преди нога птичья и назади нога птичья(.) явися сие знаменіе 1736 году».

Первая строка текста въ этомъ изданіи заканчивается словами: «чл҃вкъ власы».

Мнѣ извѣстны еще слѣдующія изданія этой картинки:

б) Листовое, первой половины XVIII вѣка, послѣднія слова первой строки текста: «яко чело»; находится въ Олсуфьевскомъ собраніи. (VI. 1213).

в) Изданіе 1830—40 годовъ; послѣднія слова первой строки текста: «яко человекъ».

г) Изданіе того же времени; послѣднія слова этой строки: «яко че».

(Оба изданія, *в* и *г*, въ моемъ собраніи).

---

312. Явленіе, видѣнное въ Картагенѣ 6 Января 1744 года.

Текстъ:

«Вчетвертокъ февраля 16 дня 1744 года. измандрита отъ 6: генваря.

Изъ Картагены увѣдомляютъ что декабря 28 дня поутру вначалѣ 6 часа усмотрѣно на воздухъ весьма чрезвычайное явление крольдовои горѣ. которая лѣжитъ на нѣсколько миль отъ помянутаго города къ западу (.) оно представляло огонь на подобие рѣки внемалои широтѣ разливающеися. которои распространялся къ востоку. и производилъ такую ясность. что глаза едва того терпѣть могли. Послѣ сего перемѣнилась оная рѣка вгорящеи шаръ которои на нѣкоторое растоянїе по воздуху катавшїсь. вдругъ раздѣлїлся на 4 разныя огня изкоторыхъ одинъ свеликою силою обратился къ сѣвѣру другои къ югу третеи къ востоку. а четвертой кзападу. и притомъ здѣлался такои жестокои громъ что всѣ жители нанѣсколко миль вкругъ одного услышавши устрашились. послѣ сего слышни былї еще 4 другие такие удара. но нетакъ сїлны какъ первои. и чрезъ все сие время небо было весма я ясно. также и звезды силно свѣтили».

Листовая картинка, работы Ахметьевской фабрики; подлинникъ находится въ моемъ собранїи. Содержаніе картинки видно изъ текста.

---

313. Разговоръ прусскаго короля съ фельдмаршаломъ Венделемъ 30 Іюля 1759 года.

Двухлистовая картинка, гравированная на мѣди, на Акметьевской фабрикѣ. Подлинникъ паходится въ моемъ собранїи.

На картинкѣ представленъ прусскій король, сидящій за столомъ, въ палаткѣ. Передъ нимъ стоятъ фельдмаршалъ Вендель и еще какой то офицеръ. По бокамъ и внизу происходитъ ожесточенное сраженіе между пруссаками и русскими.

Текстъ, вверху картинки:

«Разговоры прускаго короля сфелтъмаршеломъ своимъ венделѣмъ июля 30 дня 1759 году».

Внизу картинки:

«Король

Знаешли ты вендель я завтре рускую армїю буду отоковать нуповаю что разобью толко надо^{б}но о^{т}дели^{т} корпусъ надругую сторону ӧдра реки которыбы ретїрующихся руски^{х} вполонъ брали їнмъ боле ретїрова^{т}ца некуды толко кцесарскӧ арми. Фелтмаршелъ. даи бг̄ъ вашему велїчеству такое щастие. Королъ. я снїмї поступлю нетакъ какъ ты поступалъ при полцыговскої батал^{і} слаба я ихъ ни ӧднаго чл̄вка неопущу толко поди ты о^{т}да^{і} прїказъ вармі что^{б} полковыя командеры салдатъ обучїли говори^{т} поруске когда рускїя буду^{т} вполонъ о^{т}дается что^{б} їмъ сказывалї порускї брось палашъ положи ружъе. Фелтмаршалъ. ваше величество я вамъ ополцыговско^{і} баталї донесу что я такъ стоялъ сїлно какъ надлеж^{іт} вашему велїчеству їверному рабу чтожъ немогъя тої вы^{і}гра^{т} баталі завпсіло нео^{т}меня ноо^{т}всевышне^{і} властї. Королъ. добро мой другъ подиты ваше обӧявленної приказъ варми о^{т}дан что завтре баталия буде^{т} всемъ по^{л}тверди которы^{м} шкв^{н}дромъ вкоторы^{х} линее^{х} быть о^{т}даї расписанїя копїю. поутру августа ї д̄ня Фелтьмаршалъ ваше велїчество прїказъ обатали о^{т}далъ їкоторы^{м} полка^{м} їшквандрона^{м} вкоторы^{х} линея^{х} быть расписанїе обӧявлено їсалдаты порускї говори^{т} выучены їармия вся уже впорат̄ стоитъ. Королъ. очень хорошо отакуя буду дела^{т} налевое непрїятелское крыло їпервою линею поведу самъ а другую поведи ты. какъ двенатцата часъ наступи^{л} то Король сперво^{и} батаре^{і} каннанеро^{м} прїказа^{л} пали^{т} нуребята зачина^{і}. Фелтьмаршалъ. ваше величество баталия начеласъ счеслива даи бг̄ъ оную конецъ бл̄гополучно. Король. вїдешли вендель какъ руские їсшанцовъ побежали вели вести артерелию вруския шанцы пчтобь кананеры какъ можно стреляли скорея мы ихъ теперь нподного чл̄вка неӧпустї^{м}. Фелтъмаршалъ. ваше велпчество изволите видать армия нш̄а наза^{т} бежить что прикажите дела^{т}. Король. постоп вендель я самъ возму знамя истану ихъ ӧдерживан какъ можно

Король слесъ слошади и взявъ знамя исталъ салдатъ угова-

рівать чтобъ они стояли побеща^{л} їмъ певзаче^{т} жалованїя загот^{т} салдаты говоря^{т} хотя жало: летъ запя^{т} толко стоят^{т} болше неможно їбо болшая половїна арми побито. Король. вендель бга̑ради какъ можно берегї артирелию їзнамень чтобъ непрїятель невзя^{л} хотябъ мало намъ осталось. Фелтьмаршелъ. ваше величество поздо уже оное дело^{т} ибо армия наша вся ра^{з}бита іартп^{рб}лїя вся неприятелю вполонъ попаласъ. Король. вендель пожалуи вковалерію пое^{з}жаи поскорея скажи чтобъ оне какъ можно артилерїю о̑бпли. Фелтьмäшелъ. ваше величество даковалерия вся бежїтъ закоторою руская ковалерия їказаки гоня^{т} ирубїя^{т} испасти артилерїю имъ неможно. Король. такъ поетому уже п̄ша армия вся ра^{з}бита. Фелтъмаршалъ. заподлино ваше велїчество остатку мало надлежї^{т} вашему велїчеству спасать свою персону чтобъ непопасть казако^{м} очень недалеко гонятся. Король. вендель баталїю я проигра^{л} іартїлерїю потерялъ. Фелтьмаршалъ. всконечно ваше величество проиграли даболшую. Король. осведомся пожалуи многоль пуше^{к} изпаменъ їборобановъ неприятеле^{м} обито їчто арми побито їранено ивполонъ взято. Фелтьмаршалъ. Ваша велїчество артїлерия почти вся пропала толко унасъ 20 полковы^{х} пушекъ осталосъ 30 боробановъ неприятеле^{м} побито арми ивполонъ взято 25 тысячь. Король. чтожъ мы теперь будемъ дела^{т} когда насъ неприятель отакуе^{т} сего дня можноли дать баталию. Фелтьмаршалъ. одно спасение вашему величеству осталось вкистринъ ретправатца а батали дать некемъ ибо армия наша вкра^{і}немъ непорятке и великом^{м} страхѣ. Король. стыдно мне буде^{т} что я о^{т}руски^{х} буду бегать я ихъ всегда салдатами не называлъ икраине пренебрегалъ ихъ. Фелтьмаршалъ. ваше велїчство хотя їсты^{л}но даинаго ко спасению способу нетъ. Королъ. нумо^{і} другъ вендель вели арми машировать хкїстрину какъ бы руския дороги незахватили итакъ остатки ео^{т}били и тамъ мы стобою подумае^{м} какъ намъ написа^{т}

вгазета^{х} обатали. Фелтьмаршалъ. проздравляю ваше величество сприбытиемъ вкистрїнъ блгополучно издесь можете несколко время пребыть спокое^{м}. Король. Чтожъ втомъ покоі мнѣ ползы будетъ ибо неприятель кберлину замашируе^{т} него во^{з}метъ. Фелть-

маршелъ. неприкажетель ваше величество в берлинъ посла^{т} курера чтобъ Ея величества королевна ивсе мїнистерство выехали впоздо^{м} вкрепкое место где може^{т} пробы^{т} безопасения. Король. пожалуї другъ мои посыла^{і} поскоряе чтобъ непріятель незахватилъ вберлїне. Фелтьмаршелъ. ваше величество неприятель надругую сторону реки одра перебирается знать кберлину итихощетъ. Король. нумои другъ теперь уже делать нечева осталосъ взять п̃шеи армиї остатки ити^{т} взащищщенїе берлина. Фелтьмаршалъ. когда опроїграше тако^{і} великои батали цесарцы услыша^{т} то они его прінца Іандрика отакую. Король. пожалу^{і} вендель о^{т}дан приказъ что^{б} никто здешно^{і} армиї вармию братню опроиграши батали подсмертнымъ страхомъ пеписали очемъ тамошнея армия непришлабъ встрахъ. Фелтьмаршалъ. даруския командиры цесарскои арми овыиграше тако^{і} великои батали дадутъ знать почему вцесарскои армиї викторию будутъ делатъ пчрезъ вармиї вашего величества все услышатъ. Король. бг̃а ради какъ можно поскорея пошли ты повсемъ дорогамъ водну пошли полковника вдругую порутчика ивели имъ какъ можно рускихъ кулеров вцесарскую армию недопущатъ зачто будутъ оные много награждены. Фелтьмаршалъ. ваше величество полковникъ которои посланъ пиорутчикъ скомандїрами руски^{м} казака^{м} вполопъ попал^{і}съ. Король. нумої другъ пышешнеї годъ нещесли^{в} я їчто мы п̃нѣ будемъ делатъ не^{з}наю. Фелтьмаршель. ваше велїчество нелу^{т}чели вамъ ^{к}миру склонїтца дабы остатки вотечски^{х} владеиехъ. Королъ. нумои другъ омїре мы стобою подумаемъ какъ бы намъ лутче накакихъ кандицыя^{х} положитъ итакъ натомъ утвердитца».

---

314. Еще разговоръ прусскаго короля съ фельдмаршаломъ Венделемъ 30 Іюля 1759 года.

Другое изданіе той же картинки, листовое, работы Ахметьевской фабрики. Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

Первая строка текста въ этомъ изданіи заканчивается словами: «1759 год». Текстъ напечатанъ въ два столбца.

Въ Олсуфьевскомъ собраніи (VIII. 9309) есть другое, листовое, изданіе этой картинки; текстъ напечатанъ въ одинъ столбецъ; первая строка его заканчивается словами: «которыи бы ретирующих».

Варіанты, по ихъ незначительности, не приводятся.

---

315. Побѣда генералъ-фельдмаршала графа Солтыкова надъ пруссаками при Франкфуртѣ, 12 Августа 1759 года.

Большая картинка, гравированная на мѣди и отпечатанная на листѣ, склеенномъ изъ четырехъ листовъ, двухъ полулистовъ и двухъ четвертушекъ.

Подлинникъ, изданія Ахметьевской фабрики, находится въ моемъ собраніи.

Вверху, слѣва, видѣнъ фельдмаршалъ Солтыковъ съ своимъ адъютантомъ; справа, въ палаткѣ, прусскій король *).

Все остальное пространство картинки занято сражающимися войсками, русскими и пруссаками.

Текстъ подъ картинкой, въ два столбца:

«Описаніе баталіи і о полученном щастіи россійскаго імператорскаго ицѣсарскаго воиска подкомандою генералъ фелтмаршела Салтыкова подфранфортом прирекѣ Одеръ надпрускимъ королевскимъ воискимъ которая імѣлась подкомандою самого Короля:

1759 году августа 12 чїсла кроль маршировалъ соучрежденою своею армиею і сфелтмаршелъ своимъ венделѣмъ такъ же-

---

*) Первоначально надъ фигурами были цифры съ подписями. Въ моемъ экземплярѣ подписи эти и самыя цифры стерты.

стоко наступали какъ гладныя звери нароссїйское їмператорское войска при реке ѡдеръ то есть августа 12 числа поутру 9 чесу подфранфуртъ пруская армия находилась подкамандою самого короля ароссїйское Імператорская армия подкомандою Генералъ фелтмаршала графа Салтыкова испимъ цесарскои Генера фонъ лауданъ каторын комплетъ викторїю надпрускою армїею выиграли споказаннаго числа мс̄ца августа пополуночи 12 часу зачиналъ непрнятель испушекъ палить їготчасъ выступила дївизия ево їзлесу їспротчихъ местъ на армию россїискую налѣвои флангъ итакъ собеихъ сторонъ вдругъ сраженне пзружен ѡгонь происходилъ безпрестанно свеликою сплою и такъ крепко что собоихъ сторонъ никто немогъ вробость прийнить потомъ непрнятель ѡступалъ їприступалъ семь расъ, ихотелъ еще прступить осмои расъ ежелибъ нестаяла россїнская нцесарская армия такъ какъ каменная стена но такъ мужественно и храбро наступилї какъ лвы кнеприятельскои армїи итакъ разбили и привели ихъ ввеликои ст(р)ахъ ибольшую канфузию їначели бегать яко овцы ѡ дивїихъзверей ненадеяся своего спасення а другия ѡдавались безвсякаго сопротивленія (.) щисляетъся притой батали побитыхъ и ранено собоихъ сторонъ не малое число анменно непрнятелскои армии 17000 тысечь в̄поп̄ъ взято 6000 тысечь, дезетировъ 7000 тысечь, пушекъ взято 201, знаменъ и стандартовъ 33, ружей 20000 тысечь, барабановъ ипполитавровъ безмала 300, напротивъ того россїнской їранено ї побито 10000 тысяч. цесарскои армїи побито ї ранено 3000 тысячї (.) ипослѣ того великаго сраженпя съехавшись вышепомянутый Генералъ фелтмаршалъ Графъ Салтыковъ и цесарской Генералъ Лаудонъ поздравїли другъ друга свїкторнею и между собою целовались и более между собою никто не могъ похвалїться кто боле получить могъ выїграшъ по заедино щитали что стояли единодушно вразнѣ итого ради несебѣ славу при пїсывали по запомощъ вышнему Богу славу иблагодарение и молебное совѣршающе пенпя А состоявшися при сей баталиї поднумерами 1 Графъ россїнскои Імператорской Генералъ фелтмаршалъ Графъ Салтыковъ Сроссїскїми кавалеры, 2. цесарской

генералъ порутчикъ Баронъ фонъ Лауданъ, 3. Генералъ карамелїи 4. подполковнїкъ карафа, 5 пруской король, 6 Генералъ вендрль полею раненъ 7 принцъ Евгенїи смертно раненъ 8 Генералъ Фонниценплисъ раненъ, 9 Генералъ пудкамеръ умеръ, 10 (.) франфортъ при рекѣ одеръ (.) ωпись бывшихъ прї баталїи россїиских полковъ. 1. Гранадерскихъ пять полковъ. 2. белоезерскои. 3. нижегородской, 4. новгородской, 5 апшеронской. 6. ростовской. 7. псковской. 8. саннитербургск. 9 вологодской 10 кіевской. 31. углецкой. 21 вяцкои 31 Сибїрскої 41 нїзовскої. 51 вторы московскї. 61 на нарвскої. 71 выборскої. 81 архангїгороцкої 91 черниговкї, 20 воронїжскої 21 казанскої 22 невской, 23 пермскої, Легулярная конїца, 1 его Высочества три керасирскїя полки, 2 новогороцкої, 3 киевскої 4. Казанскої, 5 каргаполскої, 6 резанской 7 Саннитербурскай 8 три Ескадрона таболскаго инїжегороцкаго полковъ, 9 разныхъ полковъ керасирскїя гескадроны Счисленїя легкїхъ войскъ 1 донския казакї, 2 чугуевския. 3 новосрбской гуской, 4, славено сербскої, 5, венгерскої 6 Сербскої (.) ацесарскои а(р)мїи было 10 полковъ пехоты да 4 конніцы.

---

316. Пруссаки дерутся съ русскими козаками.

Плохая листовая картинка, гравированная крѣпкой водкой. Надпись вверху:

«прусакп говорятъ худо попасть вруки росискимъ казакамъ».

Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собранiи. (XI 2251).

---

317. «груснои драгунъ»

Картинка на деревѣ, на большомъ листѣ; грубой работы; на ней представленъ прусскій драгунъ верхомъ, онъ поднялъ надъ

головой саблю. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи. (т. XI).

---

318. Стычка прусскихъ драгунъ съ русскими козаками.

«Пруской драгунъ», и: «росискои казакъ» съѣзжаются драться».
Внизу: «казакъ драгуна пруского рубитъ»
Правѣе, раненый прусскій драгунъ падаетъ съ лошади.

Листовая картинка, изданіе Ахметьевской фабрики; подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

---

319. Еще стычка прусскихъ драгунъ съ русскими козаками.

Двухлистовая картинка, гравированная на мѣди, повтореніе предыдущей картинки; послѣдняя сцена: «казакъ драгуна рубитъ», выпущена; «прускои драгунъ» стрѣляетъ въ козака изъ мушкета. Козакъ замахнулся на него шашкою, правою рукою, и въ тоже время лѣвою рукою прикалываетъ копьемъ другого драгуна, упавшаго съ лошади.

Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 1301).

---

320. Извѣстіе о пойманіи кита въ бѣломъ морѣ въ Іюнѣ 1760 года.

Листовая картинка, гравированная на мѣди, на Ахметьевской фабрикѣ. Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

На картинкѣ представлено множество народа. Рыбаки вытягиваютъ неводами, на берегъ, огромнаго кита. Слѣва видѣнъ городъ Архангельскъ.

Текстъ:

«Московскія вѣдомости **№ 58 впятницу іюля 21 дня 1760 Года.**

Отъ города архапелскаго отъ 16 іюня Сочиправленными исколы поморскому берегу сюда пришедшими салдатами получено извѣстїе о такомъ приключеніи которому подобнаго никто втамошнихъ местахъ неслыхалъ и напаметуетъ а именно что вбеломъ морѣ видели кита потому извѣстію несколко моржовых промышлениковъ пошли въ 4^{х} карбузах и мудюгѣ за 50 верстъ отсюда его искать котораго весма по многим и великим трудностям наконецъ удалосъ им наитїть ї опутвъ многими белужими неводами ї отняли у него силу а потом острогами убили і недалеко от мудюги кбереги притащить(.)сеи кітъ длиною 12 сажень а толщиною вдиаметре до трех сажень на одной головѣ 26 челвкъ свободно стояли и надѣются достать изнего до 700 пуд. сала і до 60 пуд. усовъ».

Въ этомъ изданіи первая строка текста (послѣ заголовка) заканчивается словами: «приключеніи ко»

Мнѣ извѣстно еще два изданія этой картинки (оба находятся въ моемъ собраніи):

б) Полуторалистовое, работы той же, Ахметьевской фабрики. Первая строка текста заканчивается въ немъ словами:

приключеній»

в) Новое, 1830—40 годовъ, листовое. Первая строка текста заканчивается въ немъ словами: «о таковомъ»

---

321. Изображеніе сатира, показывавшагося въ Испаніи, въ 1760 году.

Листовая картинка, гравированая на мѣди. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VI. 1136).

*

На картинкѣ изображенъ человѣкъ съ огромнымъ ртомъ и ушами, весь покрытый шерстью.

Надпись, вверху картинки:

«Московскія вѣдомости вовторникъ іюля 11 дня 1760 года № 55».

Внизу картинки:

«Изъ Гишпани газѣтою уведамляетъ осеи фигуре всемъ объявляетъ некоторын иностраннои человекъ привесъ съ собою въ барцелону градъ сатира которая уродливая фигура привлекаетъ много зретелеи (.) сие животное имѣетъ голову лобъ глаза и брови человечьи уши тигровы щоки красныя кошечьи усы козью бороду львинои ротъ вкоемъ мѣсто зубовъ видна костѣнои обадъ и руки подобныя человекомъ только посамую пясть покрытыя волосьемъ разныхъ цвѣтовъ такъ какъ и повсему телу (.) онъ величиною будетъ пяти футовъ и трехъ дюнмовъ а естъ только хлѣбъ и молоко: 1760».

---

322. Извѣстіе о бѣдствіяхъ, постигшихъ Македонію въ 1761 году.

«Московскія вѣдомости № 62 изъ Марселя отъ 23 Іюня 1761 года

Съ прябывшимъ сюда 16 числа сего мѣсяца съ востока кораблемъ, получено писмо, от находящагося въ македоніи миссіонаріемъ, капуцинскаго ордена монаха патера Леонарда де монтъ реалъ, которое писано въ салоникѣ 9 числа прошедшего апрѣля и есть слѣдующаго содержанія: кажется, что съ двухъ лѣтъ бг̃ъ отяготилъ руку мщенія на сіи нещастныя страны. сперва моровая язва похитила здѣсь больше двухъ сотъ тысячь душъ и между прочими моего товарища Потра Хризостома де Гранте и

двухъ нашихъ братов Лаиковъ. Послѣдовавшій потомъ семь землетрясенїи, одно за другимъ, почти всѣ городы сея провинціи разорили. Столица, въ которой теперь я нахожусь не что иное есть, какъ куча оставшїхся отъ разваленнаго строенія Каменеи. вмѣсто плодородія для котораго сіе мѣсто приятнѣишимъ въ свѣтѣ почиталися жилищемъ обитаемъ здѣсь опустошающее безплодїе. И какъ здѣшняя земля не имѣетъ еще и понынѣ прежнеи своеи твердости то всѣ жители выбираются, и никто неотважится воити всвое имѣние, или тамъ погрести своего отца, мать и дѣтеи убитыхъ развалившимися строеніями отъ землетрясенія или чтобъ оттуда взять какия домашнія уборы или что нибудь изъ пожитковъ.

Ещежъ вдополненіе несчастія въ самое то время, какъ всѣхъ духи колебались отъ толь ужасныхъ зрѣлищъ, 8 число сего мѣсяца для умноженїя нашего страха, видны были ужасные на небѣ знаки. вся атмосфера казалась быть въ огнѣ при захожденїи солнца безчисленныя молніи. огненныя полосы. и заразителнои духъ селитры и смолы, казалось предвѣщали намъ разрушеніе всея земли. 20. ужасных громовых ударов, которым нѣсколько тысячь разрывающихся надъ головами бомбъ могутъ ли уподобиться а окончили наконецъ около полуночи сіе ужасное небесное явление».

Листовая картинка на мѣди. Въ ней изображены всѣ описываемыя въ письмѣ бѣдствія. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собранїи (VI. 1122).

---

323. Извѣстіе о землетрясенїи, бывшемъ на островѣ Терцерѣ 9 октября 1761 года.

«Во вторникъ октября. 9. дня 1761 году

Америка

Тамегры на острове терцера от 22 іюня Прошедшаго марта 31 числа вода вморе подънялась весьма высоко около сего острова

и тотъчасъ опять стала она такъ прибывала и убывала. 3. часа вереду. 14. апреля мы чуствовали 3. малыхъ потрясени земли четвертоежъ 15 числа было силно и земля калебалосъ до. 17. числа вкоторое время мы имели еще два силныхъ землетрясени надругой денъ мы уведомилисъ что втрехъ миляхъ отгорода на северозападнои стороне показалъся густои дымъ и сие известие вскоромъ времяни подъ твердилось подъ земелъпымъ стукомъ которои уподоблялся громовымъ ударомъ что продолжалосъ целыя три дни (.) вто время мы оставили свои домы твердо думая что оныя совсемъ нашимъ имениемъ поглощены будутъ засимъ. 20. числа последовало еще десять. меръ жесточайшее прежди бывшихъ зетлетрясение (.) земля отверзился и три горы мечущих огненное пламя разженыя глыбы каменыя и другия горящия матери появилисъ на восточнои стороне города втомъ месте где. 18. числа былъ виденъ дымъ изоныхъ горъ протекли огненыя реки на северозападъ искоихъ одна прошла растояниемъ на две мили и обратила вепелъ почти всю деревню называемою бискутокъ а другия две впали вморе и си горы и реки безъпрестанно тревожили насъ чрезъ нятьнацеть днеи наблагодаренія вышнему наконецъ мы отсего свободились а какъ уже тому несколько недель какъ кажеца что земля опять принела прежъпюю свою твердость то мы напоследокъ возвратились свои жилища»

Листовая картинка вдлину, гравированная на мѣди; на ней изображенъ «градъ амегра» и описываемое въ текстѣ землетрясеніе. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VI. 1213).

---

324. Великанъ Бернардъ Жили (1765 г.).

Онъ изображенъ въ ростъ, со шляпой въ рукѣ, кругомъ подмостковъ, на которыхъ онъ стоитъ, зрители.

Текстъ:

«Симъ объявляется что великанъ имелъ быть надевичьемъ

поле именемъ Бернардъ Жили уроженецъ города тридента ростамъ въ т(р)и аршина споловиною вовсемъ съ пропорциональными члеными и такои величины что не пайдено еще человѣка которои бы ему свободно не могъ проходить подруку (.) достопамятно что онъ надесятомъ году небылъ ростомъ болше какъ прочие въ его мѣстахъ отроки а послѣ того началъ столь чрезвычаино расти да и нынѣ къ удивлению техъ людеи кои принемъ неотлучно находятся все еще его росту прибавляется (.) по отъездѣ изъ своего отечеста имелъ и онъ честь преставленъ быть. 13. Государямъ а именно. іюня 13. дня 1763 году обоимъ римско Императорскомъ величествамъ и всему двору въ лаксенбургѣ потомъ ихъ величествамъ королю сардинскому французскому великобританскому гишпанскомъ фердинанду и карлу. III королевскогишпанскому инбра(н)ту донъ Филипу (.) февраля 6. дня папѣ римскому Клименту XIII (.) Маия 5. дня королю обенхъ сицилій (.) апреля 21 дня курфисту санксонскому въ дрездене (.) его величеству королю Прускому въ потстдаме его величеству королю полскому въ варшавѣ (.) 21 апреля сего 1765 году удостоился щастиемъ представленъ быть **Ея Императорскэму Величеству** въ сарскомъ селе (.) не упоминая многихъ другихъ въ европе владеющихъ князеи и знатныхъ особъ всякъ уверенъ быть можетъ что никто еще невидывалъ человѣка такого чрезвычанаго росту и что такого здесъ еще никогда небывало».

Картинка листовая, гравированная на Ахметьевской фабрикѣ. Подлинникъ находится въ моемъ собранiи.

Въ Олсуфьевскомъ собранiи есть изданiе (б) этой картинки, другаго перевода. Жили представленъ па сценѣ; его осматриваютъ зрители.

Въ текстѣ, вверху, пропущены слова: «имелъ быт надевичьемъ поле» а въ концѣ прибавлено:

«никогда, что великанъ стояль внемецко слободе имелъ быть надевичьемъ полѣ на тиатре множеству народа видимъ былъ (VI. 1194)».

325. Объявленіе о прибытіи англійской компаніи комедіантовъ.

Текстъ:

«Смилостивымъ позволенїемъ здѣшнихъ высокихъ Командующихъ

Будетъ

сюды прибывшаїа

Аглинская Компанія

Котораіа высокую Милость имѣла нетокмо предъ его Королевскимъ величествомъ Францускимъ иЕго свѣтлостїю Курфирстомъ Беперскимъ и другими Великими Князями и знатными персонами, по такожде Прїего Цесарскомъ величествѣ римскомъ Карлусомъ шестымъ дѣйствовать удостоена Была

Удивленїю достоиныя дѣиствїи

увидѣти

Во первыхъ начинаетъ младая женская персона Болше Какъ здватцетью позитурами якоже здѣсь показаны, чего никогда вовсемъ свѣтѣ подобнаго небывало, потомъ шутливая толстая мужеская персона такїя диковинныя скоки, Которыя противъ натуры являются быти дѣлаетъ; Апослѣ паки женская персона танецъ здесятью обнаженными шпагами наодномъ мѣстѣ величиною старѣлку, болши двухъ тысячь разъ искорѣя колеса кругомъ вертится, акаденцїю и втое время содержитъ шпаги болши какъ 40 разъ переменяетъ ставя наносъ наглаза, Губы и Грудь безъ остановки втожъ время когда вертится, первая фигура вверху показываетъ напринципала, Которой наскрыпкѣ играетъ и купно танцуетъ такъ дивно и штучно что всякъ удоволствованъ быть имѣетъ, инавсякой день всегда новыми празными манерами показываетъ мѣсто накоторомъ дѣйствуютъ.

Der Schau Platz ist

der Anfang ist um 6 uhr Aben».

Кругомъ этого объявленія представлены, въ тринадцати отдѣленіяхъ, комедіанты, въ разныхъ позахъ.

Картинка листовая, гравированная на Ахметьевской фабрикѣ. Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

---

326. Англійскій мясникъ Бернардъ.

Онъ сидитъ справа, въ креслахъ, въ серединѣ, въ кафтанъ его, застегиваютъ семь человѣкъ. Слѣва зрители.

Листовая картинка, работы Ахметьевской фабрики; подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

Текстъ:

«Аглецки месникъ

Именемъ Бернардъ былъ славны ѡбъявилъ житья своихъ 66 лѣтъ а ростомъ 2 аршина девяти вершковъ весу внемъ 35 пудъ 6 ѳунтовъ сполови́ною (:) приходя кнему на ево доротства дивятся что онъ неможетъ кземле паклонятся для нужнаго случая неможетъ руками банта растѣгати нежели башмаки на ноги надѣвати такъ былъ дороди́нъ что парами семь человекъ въево кавтанъ становйлїсъ вровень такъ ихъ пугавицами застегали еще свободны стали. Ѿтягости дородства своего меснаго ряду ѡтъсталъ торговать мясомъ пѣресталъ завсегда вдомѣ своемъ пребывалъ (.) Испрочихъ странъ вдомъ комне зрители приежали намое доротства смотря расуждали я зрителеı плату получалъ темъ себя и пожизъ свою питалъ».

Четвертая строка текста въ правомъ столбцѣ въ этомъ изданіи заканчивается словами: «я зрите».

Въ Олсуфьевскомъ собраніи есть другое изданіе (б) этой картинки, въ которой четвертая строка праваго столбца заканчивается словами: «я зрителеи» (VI т.).

---

327. Изверженіе огнедышащей горы близь города Тукстлы, въ Америкѣ, въ 1765 году.

Листовая картинка, гравированная на мѣди, изданіе Ахметьевской фабрики; подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

Текстъ:

«Московскія вѣдомости въ пятницу марта 18 дня 1765 года. Америка изъ лежащаго въ Америкѣ въ 50 миляхъ отъ верокрукса города Тукстлы

Вчера въ половинѣ 12 часа почи какъ всѣ здѣшніе обыватели погружены были въ глубокомъ снѣ привелъ оныхъ учинившіся внезапно сильныи стукъ въ великіи страхъ такъ что скочивъ съ постелеи выбѣжали наулицу и надворы еще пуще объяты были они ужасомъ увидя по всему небу пламя и облака съ блещащимъ пепломъ которой падая на нихъ на подобія сильнаго дождя обжегъ у нихъ лица руки и другія непокрытыя части тѣла отвсюду слышанъ былъ крикъ и вопль ребята малые скотъ и птицы бегали взадъ и впередъ по улицамъ гдѣ разныя какъ индѣйскія такъ и гишпанскія жены прежде временно разрѣшались отъ бремени которыя нималѣйшей неможно было учинить помощи однимъ словомъ всѣ думали что наступилъ уже конецъ свѣту тѣмъ наипаче что причины чрезвычайнаго сего явленія отгодать было неможно (.) надругои день поутру усмотрели, что огонь выходитъ изъ верьшины близъ лежащеи горы (.) нѣсколько времени спустя послѣ того онои утихъ а около половины 9 часа тогожъ дня помянутая гора разсѣлась съ великимъ трескомъ и учинилась на неи пропасть въ округъ на 100 сажень откуда выбрасывало великое множество каменныхъ отломковъ чернаго цвѣта вѣсомъ отъ 2 до 26 фунтовъ отъ которыхъ много людеи и скота погибло также 118 шалашеи принадлежащихъ бѣдным индѣицамъ побило и во всемъ городѣ учинилось великое раззореніе (.) сей каменнои градъ продолжался ровно 3 часа и нѣсколько минутъ а въ исходе

12 часа выбрасывало еще въ великомъ множествѣ пламя смѣшенное съ густымъ и чернымъ дымомъ отчего здѣлался несносной зной несмотря что сія гора находится отсюда разстояніемъ наодну съ половиною мили сіе продолжалось четверть часа и гора наконецъ произвела изъ себя два протока горючей матеріи кои протекая по обѣимъ оныя сторонамъ не только попадающія имъ на дорогѣ деревья въ пепелъ обращали но и самые каменья растопляли сей протоки шириною простиралися на 30 сажень и текли по западной сторонѣ въ здѣшнюю реку готорую вмѣсто того чтобъ водою отъ оной погаситься или удержаться въ своемъ стремленї совсѣмъ высушили а находящихся въ неи въ великомъ изобилїи рыбъ сожгли изжарили неще далѣе проходили на 5 съ половиною миль покамѣстъ гора. Не перестала выбрасывать горючеи матеріи и такъ огненныя сіи рѣки нестали гаснуть прежде какъ въ половинѣ 6 часа превеликое множество львовъ тигровъ мараловъ оленеивъ коровъ быковъ кроликовъ заицовъ и прочи прибѣжали въ городъ въ первомъ страхѣ искали они такъ какъ и люди спасти токмо себя отъ пламени а хотя они тогда еще людямъ недѣлали никакого вреда и только рыкая взадъ и впередъ бѣгали однако опасались чтобы оправившись отъ страху не стали нападать на народъ и такъ полицїимеистеръ приказалъ стрѣлять по нихъ изъ мѣлкаго ружья и убито оныхъ 63 (.) въ туже самую ночь какъ сія приключеніе происходило въ тукстлѣ была въ веракрусѣ сильная буря причемъ сіе особливаго примѣчанія достоино что слышанъ былъ притомъ громовои ударъ которои почти цѣло часъ безпрерывно продолжался».

Изображеніе соотвѣтствуетъ тексту.

---

328. Изверженіе огнедышащей горы близь города Тукстлы въ Америкѣ въ 1765 году.

Картинка въ листъ, работы Ахметьевской фабрики. Подлинникъ находится въ моемъ собранїи.

Картинка раздѣлена на четыре отдѣленія; посреди двухъ верхнихъ, въ клеймѣ, надпись:

«**Америка** изъ лежащаго въ Америкѣ въ 50 миляхъ отъ веракукса города Тукстлы отъ... 28 Іюля 1764 года № 22»

Текстъ, размѣщенный подъ всѣми четырьмя отдѣленіями, вполнѣ сходенъ съ текстомъ картинки, описанной подъ предыдущимъ номеромъ, начиная со словъ: «Вчера въ половинѣ.....» и до конца *).

---

329. Небесное явленіе въ Вейсенбургѣ 20 Іюня 1765 года.

Листовая картинка, гравированная на мѣди. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи. (VII. 1398).

Содержаніе картинки видно изъ текста:

«1765 Году. № 57. Изъ веиссенбурга отъ 20 іюня. Прошедшею ночью во 2 часу имѣли мы слѣдующее весьма Рѣдкое воздушное явленіе. а именно: при ясномъ и звѣздами наполненомъ небѣ спустился на нашъ городъ перпендикулярної огненной шаръ величиною съ тарелку или болше которой, по приближеніи къ намъ гораздо, вдругъ разсѣлся съ ужаснымъ блистаніемъ и трескомъ подобнымъ выстрѣлу изъ самой большей пушки оставя послѣ себя долгои свѣтлои хвостъ которои видѣнъ былъ чрезъ несколько минутъ:.»

---

330. Извѣстіе объ изверженіи Везувія 4 Апрѣля 1766 года.

Полулистовая картинка вдлину, гравированная крѣпкой водкой. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VI. 1121).

---

*) Заголовка: «Московскія вѣдомости.... Тукстлы»,—здѣсь не помѣщено.

Текстъ:

«Изъ Московскія вѣдомости № 40 въ пятницу Маия 19 дня 1766 года Италія изъ Неаполя отъ 4 Апрѣля.

Въ Четвертогъ около вечера гора Везувїи начала выбрасывать изъ себя сильной огонь. Извергнутая изъ оной горючая матерїя потекла наподобїе огненной реки въ долину Оттоянскую а вчера прямо къ портичи хотя гора сегодня неменѣе уже извергаетъ огня однако Его Величество Король намереніе свое чтобъ въ понеделникъ возвратиться къ Портичи навремя отмѣнилъ».

---

331. О томъ же изверженіи Везувія.

Повтореніе предыдущей картинки (съ небольшою разницею), въ листъ, тоже на мѣди (въ моемъ собраніи).

Текстъ внизу, въ два столбца. Въ лѣвомъ столбцѣ онъ перепечатанъ безъ измѣненій съ предыдущаго номера; въ правомъ столбцѣ прибавленъ новый текстъ:

«№ 42 въ пятницу Маія 26 дня. Италія изъ Неаполя отъ 12 апреля. Съ 27 числа марта понынѣшней день гора везувіи горитъ безпрестанно. Выброшенная изъ нея горючая материя протекла уже надве италианскія мили и простирается шириною въ въ иныхъ мѣстахъ па 30. а глубины имеетъ девять футовъ изнутри горы пылаетъ иногда пламя также выбрасываетъ она отъ времени до времени каленыя каменья выше двухъ сотъ футовъ вверхъ невзирая что между оными иные чрезвычайной величины сїе выбрасываніе всегда соединено бываетъ съ жестокими землятрясеніями и съ громом подобнымъ пушечному однако они небезпрерывны ибо иногда па горе чрезъ долгое время все тихо».

---

332. «Изображенія обряда всенароднаго покаянія, приносимаго убійцами Жуковыми (въ Маѣ 1766 года)».

Преступники, мужъ и жена, проходятъ мимо Успенскаго собора и Ивана великаго, сопровождаемые стражею и народомъ. Они несутъ зажженныя свѣчи; босыя ноги ихъ, закованы въ кандалы: лице жены Жуковой закрыто спущенными внизъ волосами.

Картинка листовая, гравированная на мѣди крѣпкой водкой и съ довольно хорошаго рисунка. Подлинникъ находится въ моемъ собраніи (и въ Олсуфьевскомъ: VIII. 1490).

Текстъ:

«Обрядъ
По которому осужденыхъ къ смерти убицъ Алексѣя жукова и жену его варъвару всенародно вести на покаяние,

1.

Церкви въ которыхъ отправляца будетъ публичное сихъ злодеевъ покаяние назначивается следующия: 1. успенъскои соборъ. 2. петропавловская въ басманной. 3. святыя параскевы на пятницкой. 4. с̃таго николая на арбатскои улице.

2.

Исправлятъ оное покаяние четверократно, а именно: въ два воскресные дни сего великаго поста четвертое и пятое. 3.) въ четвертокъ пятые недѣли то есть: въ день великаго Конона. 4) въ лазареву субботу.

3.

Повестить за сутки во всемъ городѣ отъ полиціи въ которой день, какого часа и въ которой церькви сиї злодѣи исповѣдать будутъ всенародно свое покаяние.

4.

Въ день назначенный покаяния, въ. 9. часу поутру предъ

литургіею. нарядить пристоиную военную команду для препровожденія сихъ осужденныхъ, ихъже самихъ убіицъ одѣть въ посконныя свиты съ разпущенными волосами босыхъ и въ оковахъ, давъ имъ въ руки зажженныя восковыя свѣчи и приставить къ нимъ къ каждому по священнику. вести чрезъ Ивановскую площадь въ успенской соборъ такъ какъ въ перьвое мѣсто покаянія подъ охраненіемъ помянутыхъ командъ тѣмъ точно порядкомъ какъ осужденные водимы бываютъ на смертную казнь.

5.

По приведеніи ихъ кпритвору церьковному невпуская въ церьковъ поставить ихъ у двереи церьковныхъ и окружа командою прочитать сперьва Манифестъ а потомъ поставить обоихъ убицъ наколѣни каждому велетъ молитву при семъ приложенную подъ литерою (А) изъ устно и въ слухъ всего народа прочитать а за тѣмъ стояже на колѣняхъ неоднократно говорить пришедшему и входящему въ церьковь народу приложенныя слова подъ литерою (б) и ектенію читать діякону такъ какъ здѣсь приложено подъ литерою (В).

6.

Въ обыкновенное время литургі поставить для проповѣдника особливою амвонъ при дверяхъ внутрь церькви на которомъ говорить имеетъ проповѣдь протопопъ церькви Николая Галстунскаго постниковъ присемъ приложенную подъ литерою (Г)

7.

Поокончаніи литургіи убіицы вторично ставъ на колени въ техъ же словахъ какъ прежде должны просить неоднократно о молитвѣ объ нихъ выходящій народъ изъ церькви.

8.

Исполненіе сего церьковнаго обряда опредѣляется пропзвесть по самой точности знаменскаго монастыря Архимандриту и си-

нодской канторы члену варѳоломею а къ свѣтскому отправленію нарядить особливаго судью.

Таковымъ же порядкомъ отправлено имеетъ быть покаянїе и въ прочие назначенные три дни при другихъ церьквахъ».

---

333. Явленіе на небѣ, бывшее въ Турціи въ 1768 году.

Листовая картинка на мѣди. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VI. 1200).

«Въ 1768 году втурецкои ѡбласти было явление следующѣе. 1. м҃цъ окруженнои звездами между онымп восемь крестовъ (.) 2 чесы песочные (.) 3 поѡбеемъ сторонамъ сабли накресте подъ теми четырмп саблями мертвые главы (.) 4 столпъ объвитои змиеѥ изпущающъ жало пзсебя. 5 по ѡдну сторону столба гробъ ивнемъ воткнут мечъ искотораго буттобы кровь пстекала (.) 6 подругую сторону пушка настанку стояща (.) 7 потом окружающия синія облака кое авление явилось а каждое явленіе почетверти часа продолжалосъ».

---

334. Отвѣтъ турецкаго дивана Султану относительно объявленія войны Россіи въ 1768 году.

Листовая картинка, гравированная на мѣди, на Ахметьевской фабрикѣ; подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

На картинкѣ, въ срединѣ, представленъ Султанъ, сидящій за круглымъ столомъ. Передъ нимъ стоятъ «арабской господарь», и два министра; по бокамъ видны чины, засѣдающіе въ диванѣ.

Надпись вверху, съ боковъ:

«Диванъ турецъкои—тоесь сенатъ»

Текстъ, внизу картинки:

«Мустафа III султанъ ивеликіи цр҃ь турецкіи родился 1715 году декабря 29 дня напресто^{л} возведенъ 1757го году. Во^{з}муценъ будучи ѡ полскаго бунтовщика потоцкаго во^{з}намерился итти войною нароссїю обьявїлъ своему · дивану тое(.)с(ен)тату 1768го (.) на сие предложенїе духовныи чинъ и арабскои господарь представъ преднимъ отвечали слѣдующе (.) духовенство (:) Великїи государь нароссїю намъ иттить щастїя ненайтить толко вечный мїръ прежнїхъ государеи безчестно нарушить(.) Султанъ обратясъ къ сена^{то}ромъ сказалъ(:) а вы господа что соблаговолитѣ воеть съ россіею или нетъ(.) Сенатъ(:) власть вашего велїчества Султа и^{з}вестна ва^{м} громкая отечества слава имогущественна^{я} наша власть словомъ сказать весьсвѣтъ нашего трепещетъ оружия. А ужъ россїя въ воинныя дѣйствия вступить снами хощетъ неведая много численны^{х} собранны^{х} наши^{х} воіискъ. їи^{з}вестны^{х} рыцареи храбры^{х} наши^{х} янычаръ(.) сена^{т}(:) Ваше Величество россїя и^{з}древлѣ ввоинны^{х} дѣла^{х} по всему свету славою сияю^{т} на сухо^{м} пути инамори ве^{з}дѣ побеждаютъ амногочислѣнное собранне воискъ ихбрость янычаръ россїскому оружию истрахъ но они обратятъ всехъ ихъ впрахъ впрочемъ на вашего величества отдаемся созволеніе»,

---

335. Изображеніе кометы 16 августа 1769 года.

Листовая картинка, гравированная на мѣди, на Ахметьевской фабрикѣ; подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

Текстъ:

«Сего 1769 Года Августа 31 числа внощи усмотрена была нанебеси сия чудная звезда Свосточнои стороны продчия звезды восходили і ѡная звезда между ими входитъ и ѡная имеетъ лучъ ѡтсредины своего вида протяженны светъ иметъ белы исквозъ луча видимыя блистающия звезды а теченне имеетъ спротчими

звездами а продолжается какъ и протн(ч)ия звезды а видомъ наподобие сего изображения и вкаждую нощъ видима бываетъ».

Въ Олсуфьевскомъ собраніи есть повтореніе этой картинки, въ уменьшенномъ видѣ (въ полъ листа); текстъ тотъ же; но вмѣсто послѣднихъ пяти словъ, въ концѣ, прибавлено: «и оная звезда августа 22-го вночи разныя виды предъставляла и описать невозможно было. А сентября .1. числа невидима стала и поднѣсь». (VI. 1271).

---

336. «Воскресшій Бонневалъ или новая воинская школа турокъ».

«Der Wieder auflebende Bonneval oder die neueste Kriegsschule der Turken».

Европейскіе офицеры обучаютъ турокъ маршировкѣ. Карикатура второй половины XIX вѣка.

Хорошая крѣпкая водка, въ листъ, вдлину; подлинникъ находится въ Публичной библіотекѣ.

---

337. Описаніе торжественныхъ процессій, бывшихъ въ Турціи 9 Іюня 1770 года.

Двухлистовая картинка, гравированная на мѣди, на Ахметьевской фабрикѣ; подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

На картинкѣ представлена торжественная процессія описанная въ текстѣ.

Текстъ:

«Описаніе о^{т} 9го іюня 1770 году бывшей торжественної

процесїи которая учреждена была султанскимъ повелениемъ всеи їмперїи отаманскої перевѣдена їзнемецкои нафранцускую италианскую медиому (.) махаметъ III

Імператоръ востока їзапада г҃динъ г҃дъ истиннои происходитель отвелнкаго пророка махомета признавая гневъ неба противъ назатъ возвращающихъ нашеи їмперїи отаманскои покуда дозволитъ небо что быть освобождѣннымъ отутеснѣния непріятелеи нашихъ христіанъ которыя нетолко одержали победу моремъ иземлею иобладелї многїми препадлежащими кнамъ областьми то мы должны признавать засправедливое наказание которое посланно нанасъ отбг҃а понеже мосулманъ недумая іне стараяся ниочемъ нядеющися точию насвою силу чрезъ что остались подвержены беднеишему состоянию покоторои притчине мы осмелились просить бг҃а їнашего пророка махамета оотвращении гнева того ради повелеваемъ умышлено чтобы следующую пятницу поваго месица 5 6 17 числъ каждои бы наблюдалъ строгои постъ что бы иесть нипить даже довечернеи звезды началники духовенства псвещѣнноі ученноі чинъ одетъ былъ впечалномъ одеяніїи подъ поясавшись веревкою три дни иходили вулицахъ публичныхъ спотупленными ивнизъ смотряющеми глазами внечесаныхъ бородахъ кричали плачевнымъ гласомъ предъ отверстыми дверми мечета много кратно повторяли сїи слова (:) самоліансъгъ губуалъ гергла (,) что значитъ господнїя дверь нашихъ благополучїи яви свое милосердие наднами (.) 2 наострове называемомъ мека выставленъ былъ наоныя три дни второи ящикъ гроба махометова которои поставленъ былъ напяти стахъ ношкахъ зделанныхъ излитнаго серебра онои ящикъ наполненъ былъ техъ убитыхъ впыпешнеи батали что бы онаго гроба отакихъ сметелныхъ сраженїи средства употребилъ пророкъ махаметъ своими молитвами старался утолить гневъ бжїи (.) всеи полигрины жители города имужики деревенскія обходя семъ разъ вкругъ онаго ящика поющия плачевнымъ гласомъ прося помилования что бы избавитися бедъства пзлощастїи прикоторомъ пенїи ниодного бы небыло ниструмента асостоялобъ впечалныхъ пслезныхъ голосахъ ипоследни оны день учреждена

была торжественная процѣсия пожеланію следующему которая простираласъ въ 25 милявъ

3. о^{т}кроется одинъ гробъ которои наполненъ былъ костьми умерщвленны^{х} внынешне^{і} батали о^{т}непріятеля огнемъ мече^{м} сплнеіши^{м} набего^{м} птоптаніемъ которои гробъ несли 600 человекъ оныя одеты были воодежды покаянія їттить воо^{з}наченної путь босыми ногами опоясавши^{с} веревкою бе^{з}челмовъ їбе^{з} всяко^{го} прикрытія своихъ головъ

4. 300 мусулманъ одеты воодежды обагряпои кровию исверхъ присыпана пепеломъ которыя скрикомъ плачевнымъ били себя вгруди (.) 5 600 человекъ допо^{л}овины раздеты которыя имели дициплины врукахъ ибили себя оными вгруди и поплечамъ неоптирая текущиї крови сранъ своихъ (.) 6300 янчаръ безъружеи толко одну палку белую каждои имеетъ врукѣ влекущую поземли пкричали громкимъ голосомъ аллахъ гастифа гафури то есть бже мои поткрепи техъ которыя онасъ будутъ милосердии икои насъ помилуютъ (.) 7 гробъ пророка махомета под^{л}ерженъ былъ 30 персонами безчелмовъ которои былъ окруженъ числомъ 300 пашеи сообпаженными покровленными саблями для случая еже либы паче чаяния кто нибудь изрителеи осмелился взглянуть дерзновен^{н}о нагробъ то отоныхъ пашеи изрубленъ будетъ вкускіи а голова о^{т}дана сабакомъ напоругания (.) 8 попрошестви каждыхъ пяти миль убитъ былъ оселъ индѣискои петухъ которыя остались напути втекущеи крови 30 пашеи сооколныхъ местъ приезжали одѣты вчерное одѣяние счелмами окрововленны кровию осла їиндѣ^{і}скаго питуха укоторого правая рука перевязана между плечь безсабель наместо оныхъ имели лошѣдиныя хвосты влекущия поземли чтобы о^{т}нихъ пыль подымасъ (.) 9 велики визирь седящеи на хромомъ осле вчалме голубаго цвету весь окрововленъ бющися поголове тростию оплакивая свои прошедшия злополучїи кричалъ великимъ гласомъ (:) лесахма улаванъ глафи (;) ачто значитъ гди прости меня неблагодарнаго (.) 10 одинъ сундукъ наполне^{н} манетами сребреными которои разбросанъ будетъ на землю между беднаго народа толко непрежебъ подобрана была оная монета

какъ нозахождени сонца актобы осмелилса подобрать прежде то жестоко палкою поподошвамъ наказанъ будѣтъ (.) 11 ївсемъ прежде означенныхъ следоют последнія 100 чл҃вкъ колющися запреступления своихъ законовъ оныя резали тело рукъ своихъ ножами ибрюхо чтобы їзооных проливалася кровь поземле ручьями для чести помилования чрезъ чтобы могли утолит бж҃и гневъ и пророка махомета (;) оная працесия простиралась въ 25 миляхъ (;) попрошестви каждыхъ пяти миль кричали великимъ гласомъ (:) иалъахъ сифли кадѣе аданаи (,) что значит призываю о господи всемъ голосомъ ивсемъ духом моимъ чтобы мне далъ силу противъ непріятелеї моихъ

---

338. «Конечное истребленіе турецкаго флота при Чесмѣ».

Трехлистовая картинка, гравированная на мѣди; подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи.

Текстъ:

«Санктпитербурскія ведомости впятницу сентября 17 дня 1770го года о совершенномъ истребленїи турецкаго флота вмореї при берегахъ асїйскихъ.

Сего Сентября 13 дня получено отгенерала графа Алексѣя григорьевича Орлова скуриеромъ изиталіи кодвору **Ея Императорскаго Величества** донесеніе о совершенномъ истребленї турецкаго флота при берегахъ асїйскихъ которое состоитъ вследующемъ. когда контръ адмиралъ елфинстонъ сзвоею ескадрою соединился при берегѣ мереиском сескадрою подкомандою адмирала спиридова и получено было извѣстіе отъ упомянутаго контръ Адмирала, что онъ на пути своемъ ... сподкреплениемъ нескольких кораблеи отъ адмиралской ескадры гнал непріятеля которой для соединения съ остающимися позади его кораблями бежалъ къ

стороне Асіи то въ то время генералъ графъ орловъ прибывъ измореи съ двумя кораблями по соединеніи всего флота взялъ главную команду надъ опымъ (.) первое его попечение было запасътись провиантомъ и водои что исполнивъ опасались одного толко того дабы непріятеля не опустить за дарданеллы чего для съ благополучнымъ ветромъ и отправилисъ искать онаго. Подъезжая къ острову хпо у ведомились что турецкой флотъ находится въ каналѣ за онымъ осътровомъ. Отряженъ былъ тутъ для получения точнаго известия корабль ростиславъ на которомъ посланъ былъ отъ главнокомандующаго контръ адмиралъ Грейгъ. Сеи по возвращеніи объявилъ что непъриятелскои флотъ усмотрелъ ходящій подъ парусами въ девяти болшихъ корабляхъ : но какъ уже было подвечеръ. то положено лавировать во всю ночь въ устьи онаго Канала а па разсвете вошли туда. исполнивъ сие въ назначенны часъ и увидевъ стоящаго непріятеля вбоевомъ порядке убавили парусовъ. чтобъ дождаться отставшихъ судовъ по приближеніі которыхъ главные командиры съехавшисъ вместе сделали разиоряжение къ отакѣ следующимъ образомъ (:) Кораблямъ команды адмирала спиридова сочинять передовыи строи боя а кораблямъ графа орлова среднїи. елфинстоновымъже делать сторожевыи строи. какъ разехались началники по своимъ местамъ поданъ былъ сигналъ скорабля трехъ нерарховъ дабы строится къ бою по вышеположенному расписанию итъти къ атакѣ. Первымъ былъ корабль Европа, вторымъ Евстафїи. третьимъ три светителя, четвертымъ Іонуарїи. пятымъ три нерарха. шестымъ ростиславъ. седмимъ нетронь меня. осмымъ светославъ, девятымъ саратовъ, и два фрегата которымъ должно было быть тутъ же къ тому времени не подоспели, всемъ порядке 24 дня Іюня вполовине двенатцатаго часа подошли къ турецкому флоту оныи стоялъ однимъ крыломъ примкнувшисъ къ мельли и къ небольшему каменному осътрову другимъ протянулся къ порту называемому чесма находясь весма выгоднымъ положеніи. вдругъ началась стурецкаго флота по нашему жестокая пальба. Европа вступила въ бои который въ половине перваго часа сделался об-

щимъ. Евстафіи на которомъ былъ заслуженный Адмиралъ Спиридовъ несказаннымъ терпеніемъ и мужествомъ выдерживалъ все непріятелскіе выстрѣлы. подходя книмъ ближе а пришедъ въ меру зачалъ производить свои огонь безъумолка съ такою жестокостію что непріятель отъ того великіи вредъ почувствовалъ однакожъ ядра нериятелская съ разныхъ кораблеи противу его устремляющихся непреставали осыпать его. тутъ въступилъ въ сражение п корабль трехъ светителеи. такъже и іануаріи выдвинувшись впередъ изъсвоихъ местъ. Посемъ сталъ сражаться и корабль главнокомандующаго называемыго трехъ їерарховъ за которымъ последовалъ ростиславъ на коемъ находился князь юреи долгоруковъ. кораближе команды елфинстоновои по положенію своему были внекоторомъ отдаленіи. Ударъ за ударомъ выстреловъ пушечныхъ сливался. безпрерывны громъ производили. воздухъ наполненъ будучи дымомъ скрывалъ корабли отъ вида другъ у друга такъ что и лучи солнца померкли свистъ ядеръ летающихъ и разныя опасности представляющияся. и самая смерть смертная ужасающая небыли доволно силны произвести робости въ сердцахъ сражавшихся со врагомъ имени христова россиянъ истинныхъ сыновъ отечества и достоиныхъ подданныхъ: Великия **Екатерины**.

Въ самомъ жесточаишемъ сраженіи были четыре корабля: Ефстафіи три светителя. Іануаріи и три перарха, напоследокъ корабль Евстафіи сцепясь съ кораблемъ главнокомандующимъ надъ непріятелскимъ флотомъ производилъ и всамое то время пушечную и оружеиную пальбу: отъчего оныи и загорелся. корабль же трехъ перарховъ лежа на якоре и сражаясь съ двумя непріятелскими увиделъ въ опасности адмирала и тотчасъ отрубя якорь изготовился къ абордажу. но приметя что непріятелскои корабль горитъ принужденъ былъ принятое намерение оставить давъ сигналъ чтобы все военные шлюпки поспешали къ ефстафию. Подгоревшая у турокъ мачта упала поперегъ на нашъ корабль сцепившіися и почти уже завладевши онымъ и темъ вламень привелъ и нашъ всамомъ скоромъ времени после того корабль

нашъ взорвало за которымъ слѣдовалъ ї непріятелскїи. Сіе произшествїе и то что турки не могли уже более терпѣть зря столь жестокую и неустрашимую съ нашеи стороны атаку пришелъ флотъ оттоманскїи въ трепетъ которой отрубя якори и поднявъ парусы бежать началъ въ великомъ смятенїи въ портъ подзащищение крѣпости чесме. графъ орловъ подпявъ всѣ парусы на корабле трех їерарховъ стремился въ самыи нутръ непріятелскаго флота но небылъ въ силахъ догнать оныи за легкостию турецкихъ судовъ. скоро после того обрадованъ онъ былъ извесътиемъ полученнымъ о спасшихся скорабля евстафия между которымї Адмиралъ капитанъ и братъ его графъ Ѳедоръ орловъ находился. После сего сделано распоряжяние запереть непрнятелскїи флотъ со всехъ сторонъ въ гавани, служившеи ему убежищемъ что вскоре і исполнено. нареженъ для бомбардирования непріятеля однн бомбардирскїи корабль которыи чрезъ целые сутки и причинялъ ему великїи вредъ и безпокоиство. непріятель съ своеи стороны изготовилъ на берегу болшую батарею и поставилъ тамъ болѣе дватцатї пушекъ. между темъ наши приготовляли четыре брандера. на другїй день по собранїи совета положено было производїть атаку ночью къ коеи наряжены были четыре корабля: петронь меня ростиславъ Саратовъ и Европа и два Фрегата подкомандою контръ адмирала Грейга. Подсимъ прикрытиемъ следующую ночь призвавъ господа силъ вномощь брандеры и отправлены на которыхъ посланы были явившиеся къ тому охотники двое изъ росснанъ нашеи службы двое англичанъ. протчимъ же кораблямъ велено быть вготовности для подкрепления. непріятель приметя идущихъ началъ производить преужаснои огонь со всехъ кораблеи и съ берега. наши неупустили ничего чтобы равномерно имъ ответствовать. начали оттоманские корабли загараться. но скороностижно пожары сїи ими утушаемы былї пока наконецъ загорелся на одномъ ихъ корабле марсель что контръ адмиралъ Грейгъ приметя самъ пересталъ производить стрелбу и велелъ итти брандерамъ. опые нимало мешковъ исполнили съвою должность съ великимъ терпениемъ и неустрашимостию

по данному имъ наставленію съ желаемымъ успехомъ въ немъ отменно отличился господинъ ильинъ: который подошелъ къ турецкому кораблю сполнымъ екипажемъ: находящемуся вглазахъ ихъ положилъ брандкугель вкорабль и зажегши брандеръ возвратился безо всякой торопливости спрїсутствіемъ духа какъ и прочие назадъ, тутъ уже увидели вдругъ въ разныхъ местахъ загоревшїися флотъ непріятелскїи, узрели и победу свою совершенну. восхищенные симъ зрелищемъ изъявляли они другъ другу радостное сердецъ свойхъ чувство и каждый изнихъ ощущая веселие своиственное победителямъ возсылалъ всевышнему хвалу о томъ что могъ подать неложный опытъ усердия къ своей государыне и отечеству въ самое сие время скораблеи нашихъ у прикрытия бывшихъ началась паки палба напжесточайшая втомъ намереніи дабы непріятелю ни гасить ни спастися недать времени. въ чрезвычайное явление толь ужасно было что и берега стонали: и по исътечѣніи малаго времени весь непріятелскїи флотъ обращенъ вспелъ изключая одинъ корабль о шестидесяти пушкахъ и пять галеръ: которыя нашимъ достались вдобычю снесколькими малыми судами. по семъ высадили нашихъ людеи на берегъ кои взяли непріятелскую батарею и тогоже дня самъ главнокомандующїи съ братомъ своимъ графомъ ѳедоромъ орловымъ и снаходящимся принемъ лейбгвардїи маіоромъ княземъ долгоруковъ и контръ адмиралъ Греигъ ездили на анатолиїскїи берегъ нашедши тамъ при многомъ числе мертвыхъ телъ и множество раненыхъ и утопающихъ непріятелеи изчеловеколюбия спасали жизнь оныхъ. аболшему числу изнихъ отвысочайшаго имени ея императорскаго величества дана была свобода,

Впорте сочтено огнемъ истребленнаго турецкаго флота 15 линеиныхъ кораблеи изкоихъ шесть отъ 80 до 90 пушекъ прочие были отъ 70 до 60 : 6 фрегатовъ. несколко шебекъ и бригантинъ. множество полугалеръ фелукъ и другихъ судовъ малыхъ. а всехъ вообще около ста судовъ:

Взаключеніи главнокомандующїи флотомъ генералъ графъ орловъ принося **ея имъператорскому величеству** всеподданнеи-

шее поздравленіе съ сею знаменитою побѣдою подвергаетъ себя со всеми вкоманде его находящїмися ко стопамъ самодержїцы і предаетъ ввысочаїшую мїлость ї блг҃оволеніе ея особлїво рекомендуетъ контръ адмирала греіга какъ храбраго їскуснаго усерднаго ї неутомїмаго офїцера».

На картинкѣ представлена битва 24-го Іюня: «турецкіи портъ Чесме», и: «турецкои лагирь». Линейные корабли, вошедшіе первые въ бой, занумерованы: «1—9».

---

339. Реляція о взятіи Бендеръ.

Листовая картинка, гравированная на мѣди. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 1330).

Текстъ:

Краткое описаніе о взятіи города бендѣръ вмосковскихъ ведомостяхъ напечатано ѡктября 15 дня 1770 года. Вследствие всеподданнеиши реляціи о взяти города бендеръ ѡтправленной къ **Ея Императорскому Величеству** ѡт главнокомандующаго второи армиею генерала графа панина скоро потомъ собстоятелнымъ описаниемъ сего славнаго прошествия исключами завоеваннаго города присланъ ѡтнѣго къ высочаишему двору господинъ камеръ юнкеръ а нынѣ всемилостивеишѣ пожалованы камеръ геромъ але҃андръ талызинъ подробности осады и взятие сего весма укрепленаго и ѡтчаеннаго защищаемаго города состоять вніжеследующимъ (.) надлежитъ ѡтдать непрятелю ту справедливость что храбрости росискихъ воискъ достоино. отвечали отчаянная его оборона ибо и взошедъ на главнои валъ надлежало всякои шагъ прiобресть кровию ѡтвсюда должно было выгонять его пулями и штыками непрятельже несколько разъ мужествомъ нанасъ обращался какъ отъвсехъ бастионовъ такъ

изъ улицъ и ѡсоженныхъ избъ (.) для приодолѣныя сего несколько вышепомянутыхъ срезервамї полковники и генералъ мойоры не опоздали своихъ усилить но всѣ прикрытие ихъ траншеи и такъ сказать вся пехота безостатка скомандирами и официрами своими приїти подоспела и всякои послѣ пришедшеи рвался первыхъ превзоити мужествомъ и поспешалъ победою (.) между темъ главнокомандующи причемъ за нужное поставить впаралелли спешенные карабинерные гусарские и пикинерные эскадроны на закрытие своего зада симъ образомъ. кровопролитие продолжалось до 8 часа утра и. всамое то время когда уже победа кнашеи сторонѣ склонялась сполторы тысячи ѡтборной неприятел(с)кой коницы и до пяти сотъ пехоты вышедъ искрепости набережною стороною стали низомъ пробираться (.) случившеся тутъ извнутренняго резерва датцкои службы подполковнікъ дирнигъ снеболшим числомъ ескадрона повстречавшисъ снеприятелемъ по всеи своеи силѣ понудилъ ево с тои стороны поворотїтся левѣе (.) потомъ сталъ неприятель стремится на высоты кнашему лагирю заграждѣнному токмо болными и слабыми(.)ѡпасность сию усмотревъ тотъ часъ самъ предводитель и мужественные генералъ порутчики реннепкамфъ и елмпъ ѡбратились на отраженіе грозяща удара взявъ всякои ѡтсвоего места сколко наитї могъ безвступления еще вштурмъ изпехоты прикоеи тогда волонтеръ тализинъ находился а более пзвышеозначенных спешенныхъ конныхъ эскадроновъ сюдаже устремилъся своими храбрыми егерами полъковнїкъ фелкерзамъ. обросившись скрѣпостнаго уже валу всеупотребляемые ктому чины стали ѡтбивать неприятеля равномерно и казаки тогда по форштатамъ на разныя части отделенные искоихъ донскои полковникъ иловаискои смалым числомъ своихъ людеи прежде всехъ и свеликою ѡтвагою перескакалъ неприятеля (.) а откавалери достоинои генералъ порутчикъ вернѣсъ и генералъ маиоръ зоричъ изсвоего бывшаго расположения коѡблажению всего города стали свеликою и беспримерною храбростию поспешать и совсехъ сторонъ обнимать и поражать неприятеля на котораго и взаднеи паралелли обратили пушкї скартеч-

ными выстрелами препохвалные артиллериские офицѣры подсобствѣннымъ распоряженіемъ храбраго генералъ маіора вульфа. тогда неминуемо уже было совершенное сокрушеніе ѡтчаяннаго непріятеля кто испехоты его неубитъ тотъ взятъ вполонъ ѡстатокже ковалери хотя и стремился какимъ нибудь способомъ пробится надорогу къ акерману но все доѡдного побиты прεслѣдовавшею нашею ковалерїею а особливо зпохвалными изюмскаго полку гусарамїи и пикинерами и проворными донскими казаками вприсудстви заслуженнаго ихъ походнаго атамана грекова вполонъ приведѣны два непріятелскіе офицѣра (.) преодоленіи сеи опасно̄сти решило и самое взятие нетолко крепости но изамка предводителствомъ отсего полеваго дѣствия кстенамъ города возвратившись встретилъ высланаго спрошеніем капитуляци ѡт сероскѣра махомета елина укрывшагося внебольшеи замокъ здвумя пашемъ и протчими чиновными осталными гарнизономъ и жителеми но какъ всеи прозбе отказано сераскеру то и принужденъ онъ былъ свсемъ впленъ отдаться, всеи ужаснои день полѣ и крепость все улицы и домы покрыты были непріятелскими телами конхъ число безувелїчивания полагать можно до пяти тысячь (.) нашъ уронъ помере трудных преградъ и ѡтчаяннаго отнеприятеля супротівленія несколко по благости г̄днеп великъ сколкобы ожидать должно ибо всехъ чиновъ убито шесть сотъ восемьдесять семь и ранено тысяча восемь сотъ семьдѣсят два какъ то из прїложеннои здѣсь ведомостеи усмотреть можно.

Ведомост сколко найдѣно вбендѣрах оружїи и протчаго.

пушакъ медных 203. чугунных 59. морътиръ медныхъ 85. чугуннаі всехъ орудїи 354. бомбъ гранадъ и ядеръ до 30.000. пороху 21.000 пудъ. снарядовъ вдвухъ цепхгаузахъ великое число. сухареи пшеничныхъ 50.000. муки пшеничнои 400 четвертеи и столкожъ пшенїцы да просы 5000 четвертеї.

Списокъ взятымъ вбендѣрах военнопленными пашам і другим,

командовшѣи воискомъ сераскеръ паша менперъ еминъ бывшеи тамъ камендантомъ. двубунчужнои паша абдула ефенди мехмет паша дву бунчюжны мустафа огачоръ паша таїбъ тефтердарь ефенди алеѯ ефтердарь ефенда деалбекїръ алабеи осмонага бинъ баша омеръ ага топчи паша мізюрь ѧпабінъ баша муфти норе ефенди бендюръ агаси аджи али ага одабыша ибрагимъ ардаагаси гамиль ага (.) янычары ефенди мустафа ефенди тюрмадши ибрагимъ ага асенки ибрагимъ ага асенки могомѣдъ ага бакши алзенди махометъ ефенді чоръ башѣи (.) пятдѣсят два пикареи пять серденъ демы агофъ тритдат четыре боирохтаровъ 23 аговъ 177 спаговъ 297 янычаръ 4756 другихъ разнаго звания людеи ітого адинатцать тысячь 794 — 6240».

На картинкѣ изображенъ штурмъ Бендерской крѣпости.

---

340. Извѣстіе о бунтѣ янычаръ въ турціи и о постановленіи дивана.

Листовая картинка вдлинну, гравированная на мѣди; подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VI. 1203).

На картинкѣ представлено: слѣва бунтующіе янычары; справа, Султанъ, принимающій ихъ прошенія.

Текстъ:

Московския вѣдомости по 93 впятницу ноября 19 дня 1770 года Турция изъ Константинаполя о̃ 17 Сентября.

Отробости всехъ турокъ нетокмо ввоіске ноі всамом вздѣшнем главном городѣ говорят о россианах свеликим почтением і кveликому н̃шему вреду нетолко осталное воіско пои янычары

неимеют со всемъ охоты бится сроссианами некоторые изнихъ говорятъ что немогут стоять противъ россискаго огня а другие искреннѣе признаваются чтоони немогутъ почитать засвоихъ непріятелеи столь великодушных людѣи которые без всякаго сумленія моглибы после сраженія истребить всю турецкую силу(.) и такъ обстоятелства тамъ отчасу хуже стоновятся стурецкои границы от 30 сентября въ скоре после одержаннои россиянами і числа августа совершеннои победы накоторои потеряли турки до 60000 чл҃вкъ убитыхъ рапеныхъ пленныхъ утопшихъ и разбежавшихъся произошелъ между янычарами смятение коихъ осталось еще въ воиске 35000 чл҃вкъ (.) они овладевъ магометовымъ знаменем санджакъ шерифъ называемымъ явно начали кричать что немогутъ более терпеть вида своихъ товарищеи всеи неправедноп воине столь неблагополучно погибающихъ послѣ чего бросівъ свое оружие объявили что они нехотят более употреблят оное противъ таковаго народа которои признавают они за великих своихъ приятелеи. онибыло все восприяли намѣрение немедлено. итти вконстантинъ поль чтобы султана свергнуть и возвести на престолъ брата его боязета (.) верховноп визирь вїдя сие ихъ намѣрение прїшелъ впревеликои страхъ искалъ помощи у руцнамедги ефенди которыи имея всвоем назпранїи военную казну находился у янычаръ ввеликомъ подчтенїи (.) онъ просплъ его употребит всевозможныя средства чтобы отвратит ихъ оттакого пагубнаго предпрпятія(.) руцнамедги ефенди представлялъ предводителем янычаръ сколко несправедливо ѡставитъ воиско при сих обстоятельсвам ибо россиане втакомъ случае несумненно устремятся на константинополь истребятъ вконецъ самихъ янычаръ и все государство (.) сіи прптчины хотя несколко укротили ихъ жаръ но ѡни единогласно требовалї чтобы руцнамедги самъ отправясь вконстантинополь объявилъ дивану желание ихъ і прівезъ бы имъ чрезъ три недели определенно и съихъ волею сходственноі ответъ а впротивномъ случае ѡни сами туда пондутъ (.) требование ихъ состояло вследующихъ пунктахъ(:) все янычера едїнодушно желаютъ чтобы султанъ употребилъ все свои силы къ окончанїю сеи

несправедлївои воины которая поихъ мнению начата протнвъ воли бжіи чтобы муссуну оглу бывшему верховнымъ визиромъ предначатиемъ воины и осману рекъ ефендию возвратить прежния ихъ достоинства которыя оба за то сосланны были всылку что благоразумно противились объявлению воины чтобы россискаго министра господина обрескова выпустить наволю и соказанием должнаго поего чину почтения перевести въ его домъ чтобы россианъ впредъ почитат за наілучших приятелеи оттоманскои порте и напоследокъ всамои скорости заключит миръ (.) после чего руцнамегди ефенди дествително принужденъ былъ отправітся вконтантинополь и верховны визирь между темъ обещалъ янычарамъ іменем султана пенсию посмерть каждому на день по 30 каспе-ровъ какъ таким которые необязанны болѣе служить навоине (.) султанъ уведомясь напередъ о семъ деле чрезъ вестипковъ собралъ по прибытіи руцнамедги польной диванъ въ которомъ было до 1500 знатнеишихъ чиновъ государства (.) по выслушани присланнаго от янычаръ представления все собранне недумая нимало согласилосъ на заключение мира но султанъ говорилъ что при нынешних обстоятелствах гораздо лутчше продолжать воину нежели заключит миръ которыи будет безчестенъ для государства (.) члены собранныя невзірая научиненное от султана противное представление вторично кричали кто они желают мира и хотя потомъ. искусныя вправых хотели было защищать мнения султана о продолжени воины. однако все согласно требовали мира угрожая что они почтут ихъ неприятелеми отечеству которые протпвятся ихъ желанию предадутъ ихъ на казнь и всѣ поднявшися ужасно.. крикъ принудилъ первыхъ кмолчанию (.) султанъ впдя что невозможно премепить ихъ намерения обещалъ исполнить по ихъ воли стемъ договоромъ чтобы они после не возлагали на него вины (;) на что ѡтветствовали они (:) пребывалбы султанъ спокоино на престоле своем а договоры зделат берут они на себя (.) после чего султанъ требовалъ писменаго свидетелства что онъ пребудетъ свободен от всякои укоризны которое и было сочінено подписано и укрѣплено печатию».

341. Взятіе крѣпости Журжи въ февралѣ 1771 года.

Листовая картинка, гравированная на мѣди; изданіе Ахметьевской фабрики; подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

На картинкѣ представлено бомбардированіе крѣпости. Справа турки выносятъ на блюдѣ ключи крѣпости.

Текстъ подъ картинкою:

Описаніе краткое о взятіи города і замка журжи ізмосковскіхъ ведомостеі марта 22 дня. 1771 года. Вминувшую среду пріехалъ сюда ко Двору **Ея императорскаго Величества** изпервой арміи отъ Генерала Фелдмаршала Графа Румянцова присланной къ нему отъ Генерала олица съ извѣстіемъ о покореніи оружію **ея императорскаго Величества** Города изамка журжу. Генералъ маіоръ Князь трубецкой изнимъ получены ключи сего замъка и слѣдующее о томъ описаніе: Генералъ олицъ получа повелѣніе отъ Генералъ Фелдмаршала о учиненіи предпріятия на городъ и замокъ журжу отправился туда счастію порученнаго ему и предводителство корпуса избухореста 15 февраля передовыя его воиска встречали напоходе своемъ непріятелскія партіи и поражая ихъ прогоняли къ городу. 18 числа встрѣчены были они сами непріятелскою конницею кою они такжеразбили обратили вбегство игнали до самаго предместія полковникъ пищевичь заслужилъ по свидетелству генерала олица всемъ случае имя мужественнаго ихрабраго офицера иподполковникъ мищревъ былъ такжъ втомъ участникъ побито тутъ не мало турковъ и взято вполонъ 23 человека когда наши воиска приближились къ первому ретрашаменту непріятель оставилъ они претировалса кпоследнему 19 покусился непріятель зделать вылазку но оная прогнана свеликимъ урономъ (.) на 21 штурмовали наши тотъ послѣдній ретрашаментъ и не смотря на силную непріятелскую канонаду упорное сопротивление также нанеобычайную глубину рва и ненасътливую погоду завладели онымъ сие сражение продолжалось болѣе трехъ часовъ и остатокъ непріятелскихъ силъ

ушолъ взамокъ и поднялъ мостъ (.) по завладенїи такимъ образомъ Города непріятель стрелялъ весь слѣдующїи день изъзамка по оному безмалѣишаго намъ урона инаши съделали между темъ противъ него батарею напистолетної выстрелъ (.) Генералъ олицъ посылалъ взамокъ стребованіемъ осдаче онаго на договоръ и турки упросили сперва сроку на сутки апотомъ хотели чтобъ онои продолженъ былъ еще пять днеи но генералъ олицъ велѣлъ тогда стрелять съ батареи по замку исдѣлать тотчасъ другую направомъ нашемъ Фланге чтобъ деиствіемъ ея отрезать у нихъ мостъ (.) турки увидя гибелное свое состояние выслали сказать что намерены они сдаться.

Почему пучинѣнъ сними о сѣмъ договоръ и наши заняли заняли замокъ выпустя ихъ отътуда вчислѣ трехъ тысячь и получивъ притомъ отъ нихъ 18 знаменъ между коими одно городовое 62 медные пушки 2 мортиры идругие артиллерискпе спаряды также магазеины смукою ячменемъ сухарями ипеченымъ хлебомъ по объявлению пленныхъ исамыхъ отъпущенныхъ на договоръ началниковъ бывшѣе всемъ городе турецкое воиско состояло вдесяти тысячахъ изкоихъ две тысячи были взамке побито ихъ было. при взятїи города до четырехъ тысячь великое множество, спасая себя въводу побросались и потонули и самая малая часть успела уїти взамокъ: изнашихъ же побиты четвертаго Гранодерскаго полку прапорщикъ гаврила блумовъ, апшеронскаго адьютантъ петръ ушаковъ копорскаго порутчикъ яковъ горенкинъ втораго московскаго секундъ маіоръ крестьянъ таборъ егерскаго баталиона апшеренскаго полку капитанъ петръ кутузовъ Генералъ маіора гротенгелма Адъютантъ петръ кастарнои и нижнихъ чиновъ срядовыми 173 (.) Аранены Генералъ маіоры Баронъ демолина и гротенгелмъ, полковникъ Графъ динаталїи, копорскаго примиеръ маіоръ андреи Либголтъ, четвертаго Гранодерскаго прапорщикъ иванъ макаровъ Апшеронскаго полковникъ иванъ дурново, порутчики петръ перепечинъ иванъ машкинъ квартермистръ иванъ орда мурамскаго капитанъ Андреи Гулицъ порутчикъ Данило Флентъ адьютанты левъ шеншинъ иванъ Белковъ

перваго московскаго петръ васильевъ втораго московскаго капитаны александръ пузыревскои отто дерфелдъ адъютантъ иванъ даровскои Баталионовъ толстова перваго Гранодерскаго капитанъ криштофовичь подпорутчикъ Будберхъ колюпанова новогородскаго премиеръ маіоръ князь гагаринъ ширванскаго подпорутчикъ алексѣи крыловъ въегерскомъ Смоленскаго подпорутчикъ петръ касалаповъ прапорщики третьяго Гранодерскаго илья раутеръ киевскаго иванъ меи курпиского Филиппъ Соловцовъ нижъпихъже чиновъ прядовыхъ 794.

Генералъ Фелдмаршалъ отъдаетъ съправедливость Генералу олицу коего искуснымъ разъпоряженіемъ полученъ сеи успехъ.

А сеи Генералъ похваляетъ бывшихъ принемъ Генералъ маіоровъ демолина запорядочное его дополученія раны предводителство, Гротенгелма какъ участника всеи победе, Князя трубецкаго бывшаго принемъ дежурнымъ и способствовавшаго ему всемъ успехе, Гудовича и Бригадира Графа Салтыкова какъ главныхъ виновниковъ одержаннои победы такъ же полковниковъ Колюбакина которои первои съсекундъ маіоромъ ребиндеромъ и капитаномъ аплечѣевымъ въ скочилъ въ ровъ иперешелъ ретрашатентъ подавая примеръ съвоимъ подчиненнымъ, Графа динатоли многожъ въ томъ усердствовавшаго подполковника толстова и преміеръ маіора любивова коп первыежъ были изъ вступившихъ вретрашаментъ и подавшихъ ктому примеръ съвоимъ солдатамъ коп были всегда предколонъною и своими руками поражали непріятеля премиеръ же маіоровъ предводителствовавшихъ особливою колонною Аршеневскаго и Баталионовъ князя гагарина какъ храбрыхъ имужественныхъ офицеровъ пъ копхъ попоследнеи праненъ въ обе ноги, паходящагося волонтеромъ порутчика Графа Салтыкова бывшаго самопроизволно на штурме и отъличившагося тутъ храбросьтию причемъ праненъ онъ контузиею, капитана Артиллерїи караулова какъ виновника завладения замъкомъ и артиллерїнжъ порутчика лопатина какъ искуснаго въ своемъ ремесле офицера такъ же пиженѣрнаго порутчика ковалера фере подпоручиковъ Густава Кпоринга ивана колюбакина и

прапорщика Федора буксевдена показавшихъ путь колоннамъ и безъ отълучно при нихъ въсраженіи бывшихъ опъ рекомендовалъ при томъ еще находящихся при его корпусе волонтерами двухъ братьевъ кизлярскихъ дворянъ иваповъ Горичевъ коп при многихъ случаяхъ ипри журже случшими турецкими наездниками сражались пїхъ побивали да донскихъ козацкихъ полковниковъ Янова и Поздѣева содержавшихъ передовыя посты имногократножъ снепрпятелемъ тамъ и при журже съ отъличною храбростію сражавшихся».

Въ этомъ изданіи первая строка текста, внизу, заканчивается словами: «принемъ Генералъ». Текстъ въ четыре столбца. Въ Олсуфьевскомъ собраніи есть другое изданіе (*б*) въ которомъ строка эта заканчивается словами: «демолина запо». Текстъ въ три столбца (VII. 1328).

---

342. Извѣстіе о взятіи Перекопской крѣпости.

Двухлистовая картинка, гравпрованная на мѣди, на Ахметьевской фабрикѣ; подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

Текстъ:

Краткое описаніе о взятіи перекопской крепости и о прогнаніи самого хана крымскаго со всеми силами избольшимъ уронмъ сего 1771 году іюля 12 дня.

Въ прошедшей вторникъ ввечеру.. пріехалъ ко двору Ея пмператорскаго Величества ☞ предводителя второи Ея арміи Генерала Князя Василія Михаиловича долгорукова куріеромъ полковникъ Грушецкои какъ съ ноподнителнымъ известіемъ прежде полученнаго краткаго о овладеніи крымскою линіею, такъ исъключами перекопскои крепости которая повступленіи воискъ Ея Император-

скаго Величества въ крымъ сдана отъ непріятеля на дискрецію донесеніяжъ онаго состоятъ въ следующемъ: 12 сего месяца прибывъ онъ со вверенною ему армиею въ лагерь занятой предъ самою перекопскою крепостїю употребилъ тотъ день и следующій наобозреніе общѣ съ командующимъ передовыми войсками Генераломъ маіоромъ княземъ прозоровскимъ какъ перекопской линїи такъ и назначиваемаго для особаго корпуса чрезъ сивашъ переходу и къ сочиненію къ атаке линїи и къ перенесенію оружія Ея Императорскаго Величества въ крымъ надлежащей диспозиціи между темъ непріятели видя прибытіе всей арміи къ перекопи тотчасъ порасположенїи оной в лагерь покусился сделать нападение, Выславъ лучшей и отборной своей конницы болѣе 3000 человекъ наездниковъ Генералъ квартермистръ Каховской находящейся всегда впереди отправилъ напротиву ихъ тотчасъ все для закрытія его бывшія при немъ легкія войска къ которымъ присовокупились нетолко стоящія на правомъ фланге но попрказанію его Генералъ Аншефа изъ корпуса Генералъ маіора Князя Прозоровскаго отряжено было некоторое число легкихъ же войскъ подкрепляемы будучи егерскимъ корпусомъ подъ командою Подполковника Князя Долгорукова сколь сія толпа ни устремлялась въ своемъ нападенїи со храбростію помянутыхъ легкихъ войскъ егерскаго корпуса съкоторымъ Подполковникъ Князь Долгоруковъ занялъ вершину горы. Будучи опрокинута принуждена отступить такъ что паконецъ къ воспрепятствованию ихъ набеговъ оставленъ ужебылъ на занятой вышине одинъ толко егерской баталионъ и две пушки а легкія войска возвратилпсь все влагерь. Непріятель отважился было наступление свое возобновить но пушечною поруженною стрелбою стакою храбростию сделанъ былъ ему отпоръ что онъ въвеликомъ безпорятке назадъ побежалъ вгородъ. Съ 13 на 14 число вночи произведена дѣйствителная атака линїи посланной уже главнокомандующимъ диспозиціи отряженными ктому Генералъ маіоромъ Графомъ Мусинымъ Пушкинымъ и Генералъ Квартермистромъ Каховскимъ первому поручено было атаковать оную съ правой стороны отъ

чернаго моря сдевятью Гранодерскими и двумяегерскими баталіонами при Бригадире Князе Голицыне исчетырмя стами пикинеровъ для дѣлания чрезъ ровъ по фашинамъ переправы: а Генералъ Квартермистру Каховскому велено было съ некоторымъ числомъ воиска сълевой стороны вести фалшивую толко атаку Генералъже маіоръ Князь Прозоровскои съ его корпусомъ передовыхъ воискъ съ состоящею при ономъ легкою артиллерїею съ прибавкою къ тому одного карабинернаго полку четырехъ баталіоновъ пехоты съ ихъ пушками да Генералъ Маіоровъ къ инфантерїи Князя Алексея Голицына А къ кавалеріи Князь Петра Голицынажъ ωтряженъ былъ ко вступлению чрезъ Сивашъ. Все сїи три командира имели повеление къ назначеннымъ мостамъ итти въ 11 часовъ безъ маленшаго шуму ползуясь темнотою ночи первые два следовать къ стенамъ линїи истать втакую позицию чтобъ неприятелския пушки нестоль сильно вредить ихъ могли последнемужъ взять свои походъ чрезъ Сивашъ ранѣе дабы онъ ко времени атаки линїи неприятелю втылъ посиеть могъ въ два часа съ половиною данъ былъ сигналъ двумя пушечными выстрелами къфалшивой атаке и тотчасъ начался снашеи стороны огонь какъ оруженнои такъ псъ поставленнои противу крепости батареи изъ пушекъ иединороговъ ибросаниемъ бомбъ деиствовавшихъ сжелаемым успехомъ искуствомъ артиллерїи Маіора и кавалера зембулатова. А втри часа пнастоящая съиравои стороны атака. Неприятель сиерва только нанашу фалшивую атаку ·пбатарею обратилъ пушечную съвою пальбу: но припроизведенїи настоящеи атаки какъ съкрепости такъ и совсехъ батареи открыли сплную канонаду одиакожа воиска Ея Императорскаго Величества были уже столь близки подстенами что те выстрелы ихъ вредить не могли съ обоихъ сторонъ безпрерывнои огонь продолжался болѣ полутора часа пока деиствие нашеи артиллерши неприятелская батареи принудило къмолчанию ипродолжениемъ сплнаго оруженнаго огня неприятелская оборона гораздо прервана тогда неустрашимые Ея имиераторскаго Величества воиска съ неописанною храбростїю спустяся вровъ и не смотря навышину

вала которои отъ подошвы рва до поверхности былъ 13 саженъ инато что сделанныя штурмовыя лесницы доставали толко дополовины сеи вышины ободрясь мужеством ипризвавъ имя Господне впомощъ удивителнымъ ипочти и невероятнымъ образомъ помогая другъ другу втыканиемъ в валъ штыкъ взошли наонои и овладевъ батареями привели защищающаго линию и крепость подпредводителствомъ самаго хана многочисленнаго неприятеля втакую робость что онъ съ великимъ стремлениемъ въ бегъ обратился егерская колонна нетолко успела вътожъ самое время съ прочїмї воисками павалъ възоити но имевши съсобою два единорога съ неописанною скоростию на канатахъ тудажь втащить произведено изъ оныхъ обще съ обращенными наиеприятеля егожъ набатареяхъ взятыми пушками силною стрелбою немалои ему уронъ нанесенъ. Генералъ Маиоръ Князь Прозоровскои хотя по отменному знанию военнаго искуства всевозможнеишия къ скорому переходу чрезъ сивашъ распоряжения сделавъ съ краинимъ поснешениемъ путь свои продолжалъ но по ночному времени и по некоторои отъ провожатыхъ ошибке немогъ подоспеть къ предписанному месту что и подало хану время по силномъ его пораженїи своискомъ своимъ восползоватся уходомъ отделивши несколко тысячь противъ Генералъ маиора Князя Прозоровскаго. Генералъ маиоръ Князь Петръ Голицынъ встретилъ оныя съ перешедшими уже чрезъ сивашъ гусарами эскадронами и Генералъ маиоръ Князь Алексеи Голицынъ подосневъ потомъ съ пехотою занялъ берегъ (.) неприятель атаковалъ передовыя сего корпуса казачьи полъки ипринудилъ ихъ отъступить къ левому флангу пехоты отъ котораго картечною поруженною стрелбою такъ былъ пораженъ что сколь нисилно было его на онои стремление немогъ онъ однакожъ протувостоять мужественнои и отличнои храбрости воискъ предводительствуемыхъ расторопнымъ полковникомъ Грушецкимъ и Премиеръ маиоромъ шрандманомъ исвеликою скоропостижностию побежалъ будучи провождаемъ нашими казаками соединясь потомъ съ болшею толпою тысячь до 12 татаръ намерился онъ опять конницу нашу атаковать но произведенными по

немъ пушечными выстрелами паки приведенъ възамешателство гусары наши съ пикинерами преследовали его късоленымъ озерамъ где онъ внекоторомъ отъ нихъ разстоянїи остановился Генералъ маноръ Князь Прозоровскои недавъ ему времени исъправится всею своею конницею ударя на онаго гналъ уже его обще изъбегущимъ от поражения налиніи далее 20 верстъ пока заусталью лошадеи боле преследовать возможности небыло Главнокомандующіи оставя на прежнемъ лагере по сю сторону линїи часть армїи поручредя оную такимъ образомъ чтобъ затворившемуся въ крепости непрїятелю все способы къ какимъ либо покушениемъ пресечены были самъ переправился на ту сторону линїи ввиду самои же крепости съ которои безпрестанная пушечная палба до 11 часовъ продолжалась. Где и расположился но едва толко навечеръ сделаны были все приуготовление къ бомбардированию крепости то явились къ нему из онои три депутата серденъ гепшти агаси алшага османъ ага каймаконъ перекопскои эмпръ ханъ съ писменнымъ отъ всего города прошениемъ пощады нчто они доброволно крепость совсею артиллерїею снарядами провиантскимъ магазиномъ иротчими казенными припасами сдаютъ оставляя себе толко собственное ихъ имущество поружие ичтобъ ихъ всехъ уволить заморе но какъ имъ втомъ отказано было то они отдавшись совсемъ вволю его подписали обязателство что имъ сдавъ крепость отправится въ варну и вовсе время нынешнеи воины противу войскъ Ея Императорскаго Величества не служить: почему 16 сего месеца помянутая крепость войсками Ея императорскаго Величества занята, гарнизонъ изъ онои выведенъ ипредглавнокомандующимъ положилъ ружье свое ачиноначалники въ провожанїи всѣхъ янычарскихъ и комендантскихъ знаменъ вышедъ изъ-онои поднесли главнокомандующему ключи сеи крепости: Гарнизону въ онои находилось чиновных 90 простыхъ турокъ 781 авсехъ 871 человекъ пушекъ взято медныхъ 74 чугунныхъ 58 гоубицъ 3 мортиръ 10. урону съ нашеи стороны какъ ипервомъ по прибытїи кълїнїи съ неприятелскою конницею сраженїи такъ и при штурме линїи и переходе чрезъ сиваш

убитыхъ пехотныхъ сержантъ 1 рядовыхъ 8 конныхъ гусаръ 1 пикинеръ 2, казаковъ 6 итого 25 ранено пехотныхъ полковъ капитанъ 1 порутчикъ 1 подпорутчиковъ 2 егерскои сержантъ 1 капраловъ 2 цирюлникъ 1 барабанщикъ 1 рядовыхъ 50 гусарскихъ полковъ вахмистра... 1. квартермистръ 1 ряловыхъ 9. пикинеръ 16. казачеи есаулъ 1. сотникъ 1. хорунжикъ 2. козаковъ 44 итого 135 дабезвести пропало мушкатеръ 2 гусаръ 1 казаковъ 3. напротивужъ того непріятелскаго уропу считается более 1200 человекъ. да вполонъ взято 23 вдобычю получено взятыхъ налиніи пушек.. медныхъ 12 чюгунныхъ 23. знаменъ 10. по известиямъ же какъ отъ взятыхъ вплънъ такъ и отъставшихся въ перекопской крепости узащищения линіи находился самъ крымской ханъ селимъ гиреи съ прибывшимъ снимъ турецкимъ воискомъ сосътоящимъ въ 7000 да татаръ 55.000. Отменно выхваляя главнокомандующіи храбрость и неустрашимость всего подъ предводителствомъ его состоящаго воиска особливо отдаетъ справедливость мужественному и благоразумному предводителству командовавшихъ атаками генералъ маіоровъ. Графа Мусина Пушкина. Князя Прозоровскаго и генералъ квартермистра Каховскаго а по засвидѣтелствованию оныхъ бывшихъ при атаке линіи командеровъ колоннъ подполковниковъ михелсона князя Василия Долгорукова Ганбаума и Филисова которые при завладеніи линіи и при силном непріятелской обороне оказали бодрость духа и искусное порученныхъ имъ колоннъ предводителство. бывшихъ за тремя колоннами въ подкрепленіи лейб.-гвардіи капитана князь павла Гагарина подъполковника ступишина и маиора блихера кои следуя каждой въ своемъ мѣсте къ завладению линіи дѣлали своими баталионами спомоществование съ отменным усердиемъ. бригадира князь Голицына бывшаго на штурме съ генералъ маіоромъ Графомъ мусинымъ пушкинымъ и посланнаго къ сему последнему на подкрепленіе Генералъ маиора Черторыжскаго. изъ бывшихъ же прикорпусе перешедшихъ чрезъ сивашъ Генералъ Маіоровъ князь петра и князь алексея Голицыныхъ о которыхъ князь Прозоровскои свидетелствуетъ что

естьлибъ онъ такихъ помощниковъ неимелъ то трудно бы ему было съ такимъ успехомъ исъправиться. изъ нихъже командовавшеи всемъ корпусе пехотою отлично противу прочихъ выхваляетъ мужественноu и храброи поступокъ полковника грушецкаго оказаннои при нападенїи непріятеля налевои флангъ пехоты где онъ обще съ маіоромъ штрандманомъ несмотря на гораздо превосходное число обратилъ его въбегъ. да волонтеровъ леибъ гвардіи Секундъ ротмистра князя Одоевскаго и потпорутчика щербина, которые съ крайнею усердностию при гусарскихъ полкахъ находяся желали быть вовсе употреблены и должность свою спохвалою отправлялп. секундъ маіора Синелникова командовавшаго донецкїхъ пикинерныхъ полковъ яко отличившагося присемъ случае храбростию предъ прочими тамъ офицерами артиллерискихъ порутчиковъ дурново и семенова. квартермистра Баратаева и подпорутчиковъ Нефедьева и геринга которые взошедши на валъ и по овладенїи батареями обратя непріятелския пушки понемъже стреляли а последнеи бывшеи вкорпусе Князя прозоровскаго при нападѣніи на лѣвой флангъ пехоты оказалъ доволную расторопность. должнымъ же онъ себя признаваетъ препоручить въ высочайшее **Ея Императорскаго Величества** благоволеніе Генералъ Поручика Беръга. Элмпта и ралеопуса содеиствовавшихъ ему во всехъ его разпоряженияхъ съ крайнимъ усердіемъ и артиллерїи Генералъ Маіоровъ вулфа и турснева да инженернаго сентъмарка которые такъ какъ и весь генералитетъ и Штабъ офицеры всякои жертвуя жизнию своею всюду употреблены быть охотно желали. и наконецъ рекомендуетъ и находящагося при немъ бунчюковаго товарища зипковскаго неоднократно посыланнаго отъ него всамонужнеишия и опасныи места съ прїказанїями которои и о всходе нашихъ войскъ на линию первое привезъ ему изъвестие».

На картинкѣ представлено взятіе Перекопской крепости. Слѣва турецкіе послы выносятъ Князю В. М. Долгорукову крѣпостные ключи.

Такой же экземпляръ находится въ Олсуфьевскомъ собранїи (VII. 1329).

343. Побѣды Гр. Румянцова надъ Турками.

Большая картинка, составленная изъ четырехъ листовъ и четырехъ полулистовъ, склееныхъ въ длину. Подлинникъ, изданіе Ахметьевской фабрики, находится въ моемъ собраніи.

Вверху представленъ рядъ побѣдъ, одержанныхъ надъ Турками русскими войсками, подъ командою Гр. Румянцова.

Подписи надъ этими изображеніями слѣдующія:

«взятіе столичнаго города бухареста вволохш подполковнико^{м} Каразинымъ споручанными его предводителство арнаутами причемъ исам господарь взятъ вполонъ 1769 году вноябре

Взятіе города журжи генералъ порутчиком штофелно^{м} 1770 году 13 генваря

Россіїскои Флотъ подпредводителствомъ главнокомандующаго алексея григорьевич орлова одерживаетъ надтурками совершенную победу при чесме 1770 году 2 іюня

Сраженїе паморе съ однимъ малымъ россїискимъ судномъ и непрїятелскою галерою четырми полугалерами ивеликое множество дулцыгнотскихъ судовъ свеликимъ уроно^{м} турокъ 1771 году 17 сентября.

Генералъ порутчикъ князь репънинъ одерживаетъ надтурками знатную победу близь бухареста 1771 году 10 їюля

Генералъ маїоръ потемкинъ побиваетъ турокъ насраженїи прирекe Олте 1774 году 17 маія

взятїе города бендеръ подорванїемъ подкопа графомъ петро^{м} ивановичемъ папинымъ 1770 году їюля 19

взятїе крепости хотино Генералъ фелдмаршаломъ княземъ голицинымъ 1769 го^{д} сентебря 9 чи^{с}.

Завоеваніе города кафы второи Армїею подъ предводителствомъ главнокомандующаго генерала князя долгорукова 1771 году 29 іюня

Главнокомандующїи Генералъ Графъ петръ александровичь румянцовъ прїобретаетъ славную победу приларге 1770 7 їюля».

Подъ этими изображеніями находится одна большая картина, представляющая сраженіе при Кагулѣ. Вверху, слѣва: «Россїискои Фелдмаршалъ», и: «Генералскои Одъютантъ», справа: «Полскои бунтовъщикъ потоцкои», и: «Верховнои Визирь». Еще правѣе, на самомъ краю картины, надпись: «Река Бугъ».

Надъ картиною, въ самой серединѣ, надпись:

«Описанїе славнои победы прїустье реки кагулъ подпредводителствомъ генералъ фердмаршала иразны орденовъ кавалера графа петра александровича румянцова.

Внизу, въ самой серединѣ:

«Стихи

Его сїятельству генералъ фелдьмаршалъ графу румянцову и опричине двухъ победъ бывшихъ 17 їюня и славнои победы іюля 7 дня 1770 году прирекe ларго Россіискои громъ въ рукахъ румянцовъ ты имея героя вдеиствіи враги уразумея оружїю росскому несмели противъ стать какъ буръныи вихрь когда громады тяжкїи ломитъ колеблетъ воздухомъ крушитъ водою прахъ тонитъ и тучеи грозною приводитъ въ страхъ такъ росскіе мечи врагомъ блеснули два раза чрезъ тебя неверныхъ ужаснули сразили тысящи и тмы повергли въ прахъ. со о҃чаянїе^{м} они обращаютъ стопы о҃ужаса бежитъ нещастны крымски ханъ оставя намъ богатство пушки станъ и кровїю своею все поле обагряютъ грядї герои днесь вновь победы простирая монархиня дела героиски ободритъ ты россовъ ныне сталъ непобедимыи щитъ они натя вси надеются и твое искуство зрятъ Когда оружїя гро^{м} на визиря грянетъ противныхъ агарянъ троекратно поразитъ когда твои мечь вконецъ неверны^{х} їстребитъ и день преславныи монархине предстанетъ

«Продолженїе дѣиствїи Ея Императорскаго Величества арміи Противъ Турокъ Подъ предводителствомъ Главнокомандующаго Генералъ Фелдмаршала графа румянцова.

Третьяго дни въ 11 часу полученъ изъ первои армиї курьеромъ и тутже отъ Ея Императорскаго Величества всемилостивѣише пожалованныи генералъ маіоромъ бригадиромъ бригадиръ озеровъ совторителною паизнаменитеишею победою надсамимъ верховнымъ визиремъ которои спремногочисленною армїею насеи берегъ дупая перешелъ, имея присебе изъ первыхъ изнаменитеишихъ отаманскихъ чиновъ янычаръ агу капи Киранъ топчи пашу абазу пашу абди пашу игистапли пашу сїе торжествуемое сраженіе происходило прїустье реки кагулъ 21го числа минувшаго июля очемъ главнокомандующеи Ея Императорскаго величества победоносною армиею генералъ фельдмаршалъ Графъ румянцовъ следующимъ образомъ доноситъ что достигаетъ поспешность и копецъ того час. сраженія дозволяютъ ему толко учинить кратчаишее уведомленіе осемъ славномъ произшествіи что после батали 7го числа минувшаго месеца зарекою ларгою бегущаго ӧнего не пріятеля удостоверился онъ что оныи присоединился къ многочисленнои Арміи турецкои скоторою перешелъ чрезъ дунаи самъ верховныи визирь сто пятдесять тысячь было ихъ воиска все пленныя показываютъ скакимъ сеи гордящіися глава могометанъ накануне навечеръ всеми верстахъ въ виду нашеи арміи взялъ свои лагерь прireке кагулъ налевомъ берегу пониже озера вкоторое сія река вливается какъ оная вдунаи внамереніи будучи того дня насъ атаковать для чего ханъ крымскои совсеми своими татар ми ордами несовокуплялся стурками но первее стоялъ нареке салче противъ леваго нашего фланга апотомъ потянулся намъ вспину и хотя всіе время ӧарміи для прикрытія пра[в]янтскаго транспорта идущаго отъ фалчи ӧделенa была знатная часть пехоты и кавалеріи коп ивели уже тогда дело съ обшедшимъ армию нашу втылъ не

пріятелемъ и покушающимся нападаютъ на обозы привсемъ томъ графъ румянцовъ решился недожидать на себя атаки не пріятелскои но оную предупредилъ его вопреки псъ воеи стороны презирая великость визирскихъ силъ предъ усердіемъ ихрабростію воискъ коими щастіе имеетъ онъ предводителствовать что вначале потому 5го часа пополуночи приступилъ онъ къ визирскому лагерю которыи нашелъ къудивленію въ одну ночь тремя ретраншаментами иболше
укрепленнои чемъ прежде завоеваннои изкоего выбитъ былъ ханъ крымскои инаши абаза абды и измаилъ толь жестокои на такъ въ малыхъ силахъ навела еще армія Ея императорскаго величества битвы стурками какова вътотъ день произходила пришедшіе свизпремъ янычары совершенно были остатотъ техъ славныхъ вовсю селенную рыцареи которые воужасъ приводили снимъ бющихъ своею опромечивостію Генералъ фельдмаршалъ продолжаетъ что подлежало арміи Ея императорскаго величества ӧверсти себе путь боемъ ктурецкому ретраншаменту сквозь величаишіе таковыхъ храбрецовъ толпы которыми встретилъ и окружилъ его не пріятеля версты за три предсвопмъ лагеремъ спомоществуя своею пресилнеишею кападою которая неумолкно продолжаласъ слишкомъ 5т чесовъ аонъ фельдь маршалъ деиствіемъ своеи артиллеріи и оруженнаго огня анапначе дружнымъ пріемомъ храбрыхъ нашихъ салдатъ въ штыки пробился вдевять чесовъ къ турецкому ретраншаменту невидя еще того что непріятель сробкимъ лицемъ противился покудова последнюю пехоты его выласку пзретраншаменту неопровергнули наши воиски храбрымъ ӧпоромъ что тутъ призвавъ впомощь гда̄ силъ благословящаго оружіе Ея императорскаго величества ударили наши во всю мочь намечь и огнь турецкои иодержали надъ онымъ верхъ взошедъ вр̄еншаментъ где и немогъ более держатся но совсеми силами своими между коими былъ и полскои бунтовщикъ потоцкои ссвопми мятежниками обращенъ вбегъ къ дунаю отстоящему ӧместа сраженія въ 25 верстахъ армія Ея императорскаго величества завладела полнымъ его лагеремъ и сполатками обозомъ

испеисчетнымъ богажемъ и получила въ добычу всю его артиллерію коеи по первому щету сто тритца[т] хорошихъ пушекъ слафетами и со всеми книмъ припасами что такимъ образомъ въ другои разъ всевышнему хвалу и благодареніе торжественно приноситъ спушечною палбою внепріятелскомъ лагере победоносная армія ея императорскаго величества нашь уронъ влюдехъ весма невеликъ анепріятелскими телами покрывается вся акрестность во окончаніи сего доношенія главнокомандующіи арміею граѳъ румянцовъ испрашиваетъ увсемилостивеишеи государыни дозволенія уподоблятся древни[м] римляно[м] Ея величества ему указала подражать ихъ примеру вто[м] что ихрабрыя воиски Ея императорскаго величества неспрашиваю[т] уже Более какъ великъ и[х] не пріяте[л] по ищу[т] где толко онаго наити[т] подносите[л] сеи торжественно[и] ведомости Ея императорскому величеству вышеупомянутыя генера[л] маіоръ озеровъ какъ последнее на паденіе янычаръ нату часть где графъ румянцовъ самъ надзира[л] ипредъ его глазам первы[м] гранодерскомъ полкомъ опрокину[л] свеликою храбростію на нихъ ударомъ начало падалъ къ одержанію славнои нашеи победе».

---

344. Животное, найденное въ Испаніи 27 Января 1775 года.

Текстъ:

«Сие животное найдѣно въ ішпаніи наберегу реки улеръ 27 генваря 1775 году въ 25 аршинъ длїною вышиною въ 20 аршинъ толщиною въ 16 аршинъ борода длинною въ 3 аршина хвостъ длиною въ 20 аршінъ преждѣ нежели оно найдѣно было то ревело оно такъ громко какъ бутто нѣколко сотъ воловъ ревело».

Пониже: «сия онгура переведѣна спемецкой на россіискои 1779 году».

Листовая картинка, гравированная на мѣди, на Ахметьевской

фабрикѣ; на ней представлено какое то чудище, въ родѣ львицы, съ четырьмя сосцами, воловьимц рогами, усами и длинной бородой.

На спинѣ чудища представленъ ящикъ съ изображеніемъ двухъ, на крестъ сложенныхъ, сабель и адамовой головы. На ребрахъ чудища размѣщены разные знаки: двѣ шпаги, якорь, два рога, луна и буква «Р (четыре раза)».

Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

---

345. Народный праздникъ, бывшій на Ходынкѣ 19 Іюля 1775 года.

Двухлистовая картинка, гравированная на мѣди, на Ахметьевской фабрикѣ. Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

Текстъ, вверху картинки:

«Описаніе Дѣйствій бывшихъ въ Москве находынке 1775 Году июля 19 дня».

«Въ пятыи день торжества 21 Іюля во вторникъ поутру въ 10 часовъ къ **Ея Императорскому Величеству** во внутреннія комнаты прибылъ Его Императорское Высочество и спустя немного времени Ея **Императорское Величество** съ Его Императорскимъ Высочествомъ съ фрейлинами и придворными Кавалѣрами соизволила шествовать въ парадномъ екипаже на ходынку слѣдующимъ порядкомъ. 1. Полицѣйскои Оберъ офицеръ верхомъ и принѣмъ четыри козака верхами. 2. Дворцовыя кареты цугами въ которыхъ сидѣли дежурные Кавалеры **Ея Величества** и Его Высочества. 3. сорокъ пикшперовъ верхами по сторонам дороги. 4. Сталмеистеръ **Ея Императорскаго Величества** верхомъ: 5. карета **Ея Императорскаго величества** въ которою **Ее Величество** съ Его Императорскимъ Высочествомъ сидеть изво-

лѣли подлѣ кареты ѣхали верхами дежурныи Генералъ Адъютантъ два Камеръ пажа и одинъ Гофъ фурїеръ. 6. конноі лейбъ Гусаръ подкомандою ихъ офицеровъ. 7. Дворцовыя кареты цугами въ которыхъ сидели фреїлины **Ея Величества.** по Высочаишемъ прибытіи **Ея Императ. Величества** на ходынку привъезде отъ стоящихъ въ строю лейбъ гранодерскаго и третьяго гранодѣрскаго полку отъдана была честь ружьемъ съ приклонѣниемъ знаменъ съ музыкою и барабанным боемъ (.) А какъ **Ея Императорское Величество** и его Императорское Высочество изволили прибыть къ крылцу средняго зала тогда началась пушечная палба і играние на трубахъ и литаврахъ привыходе изъ кареты въстретили **Ея Императорское величество** и его Императорское высочество члены Святѣишаго Синода и прочее духовенство и первыхъ пяти классовъ обоего пола персоны. и чюжестранные Министры и принѣсши поздравление слѣдовали за **Ея Величествомъ** въ заллу потомъ поучиненному изъ двухъ пушекъ сигналу даны были народу жареные быки на устроенныхъ для сего пирамидахъ и изъ фонтановъ пущено виноградное вино въ то время начались разныя народныя игры съ правои стороны предъ галлереею въ недалномъ разстоянїи четырмя человеками бухарцовъ представлено было хождение по канату сделанному на немалои высоте противъ заллы и галлереи на поставленныхъ театрахъ представлялисъ изъ людеи пирамиды такъже разное балансирование и прочие народные увеселения. Все сие представление **Ея Императорское Величество** и Его Императорское высочество съ знатными персонами смотрѣть изволили съ крылца среднеи заллы. Между темъ въ построенной такъ называемои Азовскои крепости приготовлялся обеденныи столъ состоящїи въ пяти разныхъ столахъ и когда кушанье поставлено было то дано знать какъ духовнымъ такъ і первых пяти классовъ обоего пола. персонамъ и чюжестранным министрам кои имели входъ въ означенную крепость. а по прибытїи туда **Ея Императорскаго Величества** сѣли за столъ по билетамъ и **Ея Величество** со изволила сѣсть въ 1мъ № съ Генераломъ Фелдмаршаломъ Графомъ Пе-

тромъ Александровичемъ Румянцовымъ за Дунаискимъ, а во 2мъ Его Императорское высочество съ Статсъ Дамою Графинею Марьею Андреевною Румянцовою. а за оным столомъ было по билетамъ соракъ пять паръ. а за всеми пятью столами кушало какъ первыхъ пяти классовъ обоего пола, такожъ и Духовныхъ 319 персонъ, въ продолженіи стола їграла посредине крѣпости италианская инъструменталная музыка».

На картинкѣ представлены всрединѣ: «Черъное море» и: «Азовское море», покрытыя кораблями, въ числѣ которыхъ находятся «корабли для смотрѣния Θеэрверка». Противъ, справа, изображенъ и самый «Θеэрверкъ», съ вензелемъ: «Е. II.»

Слѣва, за загородями: «Нагаиския орды», «быки и Θонтаны».

Пониже ихъ, на полуостровѣ, съ надписью: «Таманъ», натянутъ, черезъ мачты, канатъ, по которому ходятъ Бухарцы; далѣе три сцены для представленій; надъ одной изъ нихъ надпись: «театръ для балансеровъ».

Ниже Тамани другой полуостровъ, на которомъ выстроена крѣпость «Азовъ», а подлѣ—«Службы»; тутъ же вливается въ азовское море «река донъ»,—а справа островъ, на которомъ: «Каланчи» и «залъ для стола».

Вверху, надъ чернымъ моремъ, представлена: «Иллюминація обѣихъ Импер.»

Въ черное море вливается «Днепръ».

Подлѣ зданіе, съ подписью: «Кинбурнъ — Театръ».

Пониже, другое зданіе: «Иллюменация Россїис. Импер».

Всрединѣ, подъ чернымъ моремъ, зданія съ надписями:

«Керчь—Ениколь—Галлереи и залъ для собрания—Бердинская линия для должностеи—Таганъ Рогъ—Ярмонка»

Внизу стихи:

«Мѣста гдѣ пролилъ Марсъ людеи ручьи кровавы
Когда свѣрѣпствовалъ во браняхъ острыи мѣчь
Азовъ и Таганрогъ Ениколь, Кинбурнъ. **Керчь**
Ликуютъ частью ставъ Россїйския Державы,

Екатерининои покрыты Днесь Рукою,
Вкушаютъ Тишину доволство и Покои,
То рѣки черныи Понтъ и флотъ собой являетъ,
Какую **Та** чрезъ миръ намъ ползу доставляетъ».

Въ Олсуфьевскомъ собраніи есть другое изданіе этой картинки, въ которомъ весь приведенный выше текстъ помѣщенъ внизу картинки (XI. 2259).

---

346. Заключеніе Мира съ Турціею 13 Января 1775 года.

Двухлистовая картинка, гравированная на мѣди, на Ахметьевской фабрикѣ; подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

Картинку раздѣляетъ на двое: «река дунаи».

Справа представлена палатка, въ которой ведутъ переговоры фельдмаршалъ Румянцевъ и Муссунъ Заде Мегметъ Паша; вдали видно русское войско, подъ ружьемъ. Въ лѣвой половинѣ, въ другой палаткѣ, Султанъ утверждаетъ мирный трактатъ; вдали видѣнъ турецкій лагерь.

Текстъ подъ картинкою:

«**Трактатъ вѣчнаго мира и дружбы заключенныи между Имперіею Всероссіискою и Оттоманскою Портою въ ставкѣ Главнокомандующаго Генерала Фелдмаршала Графа Румянцова при деревнѣ кючюкъ** Капарьжѣ направомъ берегу реки Дуная чрезъ уполномоченныхъ отъ него и отъ Верховнаго Визиря въ 10-е Іюля и ими обоими въ 15 день тогожь Іюля утвержденны а съ стороны его Султанова Величества подтвержденный і ратификованныи въ Константинополлѣ въ 13 день Генваря 1775 года.

Обѣихъ воюющихъ сторонъ Имперіи Всероссіискои и Порты Оттоманскои Государи и Самодержцы имѣя взаимное желание

исклонностъ къ прекращѣнію настоящей между обоюдными Государствами ихъ продолжающеїся войны и къ возстановлѣнію мира чрезъ уполномочиваемыхъ собѣихъ сторонъ повѣренныхъ особъ дѣйствително опредѣлїли и уполномочили къ соглашенію постановленію заключенію и подписанію мирнаго трактата между обоюдными высокими имперіями **ея величество императрица** Всероссїская Графа Петра Румянцова Генерала Фельдмаршала, предводящаго армиею, Малороссїйскаго Генерала Губернатора, Коллегіи Малороссїйскои Президента и Орденовъ Святаго Апостола Андрея, святаго Георгия, Святаго Александра Невскаго и Святыя Анны кавалера; а его Султаново Величество верховнаго блистателнои Порты Визиря Муссунъ Заде Мегметъ Пашу.

Посему оба Главнокомандующіе армиями Генералъ Фелдмаршалъ Графъ Петръ Румянцовъ и Верховныи Визирь Муссунъ Заде Мегметъ Паша. Слѣдуя предположеніямъ ихъ высокихъ дворовъ, употребили о томъ своп попечения и отъ верховнаго Визиря съ стороны блистателной Порты присланные 5 Іюля 1774 года въ станъ Генерала Фелдмаршала уполномоченные Иншанджи Реемп Ахметъ Эфендїи и Ибраимъ Мюнибъ Рензъ Эфендїи съ избраннымъ и уполномоченнымъ отъ упомянутаго Генерала Фелдмаршала Княземъ Николаемъ Репнинымъ. Генераломъ порутчикомъ, орденовъ святаго Георгия болшаго креста, Александра Невскаго, Полскаго бѣлаго орла и Голштинсъскаго святыя Анны Кавалеромъ, въ присудствїи его самаго Генерала Фелдмаршала Графа Румянцова согласили, постановили, заключили подписали и печатми утвердили для вѣчнаго мира между Имперіею Всероссїскою и Портою Оттоманскою нижеслѣдующіе артикулы.»

За симъ слѣдуетъ изложеніе двадцати восьми артикуловъ мирнаго договора.

---

347. Описаніе торжественнаго въѣзда въ Москву турецкаго посла Беглербея въ 1775 году.

Двухлистовая картинка, гравированная на мѣди, на Ахметьевской фабрикѣ; подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

На картинкѣ представлена, вверху, Москва, и торжественное шествіе посла Беглербея, тянущееся въ шесть продольныхъ полосъ, снизу вверхъ, въ томъ порядкѣ, въ какомъ оно описано въ текстѣ.

Надъ шествіемъ разставлены (начиная сверху) слѣдующія надписи:

«1. рота конной гвардіи

2. свиты посолской разныхъ чиновъ люди верхами подва въ рядъ — янычары съ копьями —

3. заводныя посолскія лошади —

4. 10 колясокъ дворцовыхъ цугами съ султанскими подарками —

5. Унтеръ шталмейстеръ и два конюшенныхъ офицеровъ верхами —

6. 12 заводныхъ дворцовыхъ лошадей въ богатомъ уборе —

7. карета Его сіятелства Графа Якова александровича брюса —

8. Штабъ и оберъ офицеры —

9. Чиновные люди посолской свиты —

10. Семь лошадей присланныхъ отъ Султана въ подарки.

11. Секретарь Посолской съ Султанскою грамотою.

12. 6 конюховъ дворцовыхъ — 4 скорохода — 2 камеръ лакея — 24 лакѣя пешія — секретарь Муратовъ для перевода — 4 гвардіи офицера для разъсыловъ — 2 пажа — 10 человекъ чегодареи —

13. Карета дворцовая цугомъ въ которой сидели посолъ а напротивъ его предводитель.

14. 12 человекъ чиновныхъ людей Посолской свиты.

15. Посолской переводчикъ Карадже.

16. въ замке 40 человекъ гвардіи подкомандою одного офицера».

Текстъ подъ картинкой:

Описаніе публичнаго въѣзда въ Москву присланнаго къ здешнему Императорскому двору отъ порты Оттоманской чрезвычаинаго и полномочнаго Посла Абдулъ Керима Беглербея Румелінскаго его публичной Аудиенціи 1775 году Октября 7 дня въ 12 часу Шествие въ кремлѣвской дворецъ происходило слѣдующимъ порядкомъ.

По пріезде посла во Дворецъ былъ отъ Двора **ея императорскаго величества** на то опредѣленными Кавалерами препровождѣнъ въ камеръ ожидания, где разъпоряжалъ Султанския подарки: а какъ скоро объявилъ что онъ готввъ. то. оберъ шталмеистеръ пошелъ всеподъданнеише донесьти **ея императорскому Величеству** о прибытіи посла то **ея императорское Величество** изъволила шествовать съ придворнымъ Штатомъ изъ своихъ внутреннихъ покоевъ въ Грановитую палату во всемъ **императорскомъ** уборе имѣя на главе меншую корону и тамо сѣсть на троне подъ балдахиномъ накресла (.) тогда оберъ шталмеистеръ получа высочайшее повелѣние. одапущеніи посла на удиенцию возвратился въ камеру ожидания и объявя ему высочаншее **ея Величества** соизволение повелъ его, Посолъ въведенъ въ грановитую палату держимъ подруки Тапнымъ Совѣтникомъ Алексиемъ Михаиловичемъ обрѣсковымъ и оберъ Церемониместеромъ. занимъ слѣдовало его свиты чиновныхъ 36 человекъ которыя несли Султанския подарки на золотыхъ блюдахъ, удвереи грановитои палаты встретилъ Посла за оберъ маршала **ея Императорскаго Величества** Гофъ Маршалъ и Кавалеръ Его Превосходительство Григореи Никитичь Орловъ (.) по вступлѣніи въ оную палату сдѣзалъ Посолъ, **ея императорскому Величеству** съ великимъ благоговѣниемъ первыи покълонъ, посреди залла другои, и при-

ступя на нѣкоторое разъстояніе отъ Трона, третіи поклонъ и остановясь тутъ говорилъ на Турецкомъ языке Речь по окончаніи которой Генералъ Рекетмеистеръ Николаи Ивановичь Масловъ. которои стоялъ слѣвои стороны близь трона читалъ предъ **ея императорскимъ Величествомъ** переводъ на россіискомъ языке слѣдующаго содержанія

Чюдовторныя Мекки Святозарныя Медины і святаго Іерусалима Повелитель и Служитель, Государь въ славе Александру ровный. Правосудненшіи Императоръ, светлѣшіи Великомочненшіи Великознаменитеншіи Милостивеншіи мои Государь Султанъ Абдулъ Хамиль Ханъ отъ Великомочнаго и Превѣчнаго своего двора къ Вамъ нынѣ въ Россіискои имперіи Государствующеи Всепресвѣтлѣшіеи Великомочненшеи. Великои Государыне Императрице Пречестнѣшіеи Препрославненшеи и Великопящненшеи приятельнице искренняго дружества блюстителнице и непоколебимои правду и истинну хранителнице ныне для утвержденія ново заключеннаго дружественнаго трактата съ ратификацпею и съ Монаршими приятелскими своими дарами къ Вашему Высочаншему престолу меня раба своего отъправилъ великимъ посломъ и при томъ препоручилъ мнѣ обстоятелнѣе облагосостоянїи Вашего **Императорскаго Величества** получить извѣстие идонѣсть о такомъ дражаишемъ здравіи къ Его монаршему Султанскому Величеству.

По прочтеніи того перевода Посолъ взявъ у своего Кегая Султанскую грамоту поднесъ оную приступя къ Трону **Ея императорскаго Величества**, где по **ея** повелѣнію вице канцлеръ оную принялъ и положа на поставленной на Тронѣ съ правои отъ **ея Величества** стороны. покрытои золотою парьчею столъ отъветствовалъ послу высочаншимъ **ея Величества** именемъ на россіискомъ языке слѣдующее **Ея императорское Величество** изволитъ съ особливымъ удовольствіемъ слышать подаваемыя **ея Величеству** новыя увѣренія отъ Его Султанскаго величества о его намереніи ненарушимо содержать заключенныи вечныи миръ и дружбу между обѣими имперіями и признавая сие торже-

ственное посолство съ представленными здесь дарами явнымъ доказателствомъ такого Его Султанскаго величества намѣренія съ своей Высочайшей стороны конѣчно ничево упустить не изъволитъ что къ лучшему сохранѣнію того священнаго вѣчнаго мира доброи дружбы и приращенію ползы и благоденствія въ заимныхъ подъданныхъ служить можетъ въ чемъ время иповедения двора **Еяимператорскаго Величества** во всехъ въпредь общественныхъ делахъ онаго съ портою Оттоманскою Его Величества Султана точно и совершенно удостовѣрить имѣютъ въпрочемъ **ея Величество** възирая съ приятностию на выборъ Господина Посла Всемилостивеише повелеваетъ обнадежить и его о высочаишемъ **ея** благоволѣніи. Сеи отъветъ прочтенъ Послу на Турецкомъ языке надворнымъ Совѣтникомъ Крутою. Потомъ Посолъ поднесъ **ея императорскому Величеству** реэстръ Султанскихъ подарковъ которые Таинын дѣиствителныи Совѣтникъ и Кавалеръ Его превосходительство Адамъ васильевичь Олъсуфьевъ и правящеи должность церемоніимеистерскую принимали и ставили на приуготовленнои для того столъ близь трона покрытои бархатомъ: По окончаніи Аудиенціи Посолъ отъступя назадъ сделалъ три поклона на тѣхже местахъ какъ и привходе не обарачиваяся спиною и держимъ будучи подъ руки выше объявленными Таинымъ Совѣтникомъ и оберъ церемоніимеистеромъ кои во время Аудиенціи возле его стояли и провожденъ былъ всеми въстретившими его особами до техъ местъ где кто въстретилъ а отъ предводителя до его квартиры тѣмъ же порядкомъ какъ кодворцу привезенъ былъ съ отъданиемъ ему отъ стоящихъ въ строю гвардіи ружьемъ чести.

въсеи день ивъ послѣдующие 4 дня Посолъ потчиванъ былъ въ своемъ доме отъ выше означеннаго Камеръ Гера Степана Степановича Лопухина **Императорскимъ** столомъ при которомъ придворная вакалная и инструметалная музыка играла.»

348. Дивная птица, прилетавшая въ Парижъ 6 апрѣля 1776 года.

Листовая картинка, гравированная на мѣди; подлинникъ изданія нынѣшняго вѣка (со старой доски) находится въ библіотекѣ Акад. наукъ.

Надпись вверху картинки:

«**Описание птицы дивной** Которои еще никто невидалъ (.) она прилетела встоличнои градъ парижъ апреля 6 дня 1776 года вечеру въ 4 часу вокно града началнїку (.) сию неинако считаютъ какъ за послание божие которая вскоромъ времени поимана и хкоролю представлена».

Текстъ внизу картинки:

«Примечание птицы (.) она величиною какъ фазанъ носъ ея какъ у инденскаго петуха голова и уши наподобие мышеи наголове корона глаза черныя шея толстая и короткая на носу горбъ корпусомъ неполісренои (?) величины (.) 4 имѣетъ крыла на спине гробница вкоеи две мертвыя кости съголовою всѣ тело ея какъ бархатъ перьевъ кромѣ крылъ неимѣетъ а нахвосте перья какъ у утки сверху до низу ровны ибархату подобны перѣдние высокие и толстыя средния покороче а задние и тех короче (.) на теле ея приятнѣе всехъ смешенныхъ цветовъ (.) она естъ мясо и все что люди едят (.) крикъ ея попугаев а выговор турецкоі пеніе ея весма приятное и пленяет слухъ и так что неможно думат чтоб ото птица пела попримеру інструмента фляшент (.) повторяетъ вден концерт (:) пора ужѣ сѣбя кстраженію приуготовляті»

349 — 352. Описаніе путешествія В. К. Павла Петровича.

Четыре листовыя картинки. Подлинники находятся въ Олсуфьевскомъ собраніи. (XII. 2498 — 2501).

349. Текстъ:

«Московскія вѣдомости. № 74. вовторникъ Сентября 13 дня. 1776 года изъ санктпетербурга отъ **30 Августа.**

По благополучном возвращеніи вросспю Его Императорскаго Высочества Государя Цесаревича и Великаго Князя Павла Петровича получили мы обстоятелное известие техъ обрядовъ употребленныхъ со стороы Его Королевскаго Прусъскаго Величества для принятия и угощения вожделѣннѣишаго своего Гостя будучи предуверены сколь приятны обществу таковыя извѣстия намерены мы сообщать оныя по частямъ въ следующемъ журналѣ путешествїе Его Императорскаго Высочества въ Берлинъ которыя въ настоящихъ ведомостяхъ и начинаемъ.

Шестого числа прошедшаго июля прибылъ Его Королевское Высочество Принцъ Генрахъ совсею своею свитою въ лежащую на полмили отъ мемеля дворянскую вотчину называемую бомелсъ.

На другои день то есть. 7. числа поутру въ 9 часовъ отправился Его Королевское Высочество на встречу Его Императорскому высочеству Государю Цесаревичу и Великому Князю Павлу Петровичу до Бомелса и прибылъ туда въ 11 часовъ.

По прошествїи четверти часа началось шествіе Его Императорскаго Высочества въ мебель слѣдующим порядком, 1. въ переди ѣхало 14 трубящих почталионовъ подпредводителством двухъ почтовыхъ секретареи. 2. Заними слѣдовала карета въ которои сидѣли Графъ Денгофъ и Дона. 3. потомъ 40 человекъ молодаго воинства подпредводителствомъ г. Рейленбаха. 4. Гусарская команда препровождавшая Его Императорское Высочество отъ

самои границы. 5. за нею слѣдовала великолѣпная шестернею заложенная карета въ которой изволилъ сидеть Его Императорское Высочество обще съ Его Королѣвскимъ Высочествомъ принцом Генрихом съ его сіятелствомъ Графомъ Петромъ Александровичемъ Румянцовымъ задунаискимъ и съ его Сиятелствомъ Графомъ Николаемъ Ивановичемъ Солтыковымъ, за сею-же каретою ѣхало двенатцать каретъ. Какъ скоро ихъ Высочества къ мемелю прибыть изволили то встречены 108 пушечными выстрелами съ городскихъ валовъ и радостнымъ многократно повтореннымъ возклицаниемъ ура съ Аглинскихъ Голландских Дацкихъ Шведских и Прусскихъ кораблеи. Потомъ стеклось несколко тысячь народа, которыи слѣдовалъ за Ихъ Высочествами до самаго дома купца Симисона. После обеденнаго стола изволили Ихъ Высочества прогуливатся водою: къ чему приготовлено было пятьдесятъ шлюбокъ и ботовъ. Сие шествие поводе было чрезвычаино великолѣпно. пушечная палба. музыка литавры. трубы и народное восклицание ура наполняли воздухъ повсюду. Г. Симисонъ имѣлъ честь сидѣть съ Ихъ Высочествами въ одной шлюбке и ответствовать на разныя милостивыя вопросы (.) после сего шествія по воде изволили Ихъ Высочества осматривать крепость и иметь потомъ вечернїи столъ. Осмагоже числа поутру въ 7 часовъ отправились Ихъ Высочества далѣ въ свои путь и препровождены были столь же торжественно и стаковыми-же потриотическими чувствованіями преданностию, любовию и радостию какъ и приняты отздешняго городода. Жители мемеля будутъ воспоминать врода родовъ изъявленныя нимъ Его Императорскимъ Высочествомъ милости и снисхождения».

На картинкѣ изображено торжественное шествіе.

350.

Надпись вверху картинки:

«Его Императорское Высочество продолжая благополучно

путь свои изволилъ 10 числа іюля прибыть въ Кенибергъ обще съ Его Королевскимъ Высочествомъ Принцомъ Прусскимъ Генрихомъ (.) По данному заранѣе отъ Его Величества Короля Прусскаго повелѣнію Его Императорское Высочество встрѣченъ при границе въ поланге Генераломъ порутчикомъ Лентулусомъ а состороны Прусскихъ земскихъ чиновъ Графами Денгофами и Бургграфомъ Доною. откохъ именемъ Его Королевскаго Величества поздравленъ съ благополучнымъ приездомъ. Отсюда во весь путь представляемъ былъ какъ столъ такъ и напитки присланные отъ Короля изъ Подсдама.

Внизу: «№ 75. въ Пятницу Сентября 16 дня 1776 года. Изъ Санктпетербурга отъ 2 Сентября Продолжение описанія путешествія въ Берлинъ Его Императорскаго Высочества и Великаго Князя Павла Петровича.

Девятого числа Его Императорское Высочество изволилъ имѣть обѣденный столъ въ сандиттенѣ замке принадлежащемъ Графу Шлебену отътуда прибылъ въ. 6. часу. въ лежащее отъ Кенигсберха на полмили увесслителное мѣсто называемое мостбудъ. Гдѣ привыходе изъ Кареты Его Императорское Высочество отъ 50 девицъ знатнѣйшихъ Кенигсбергскихъ фамилїи обвитъ былъ цветочными венками. Путь преднимъ усыпаем былъ такъже цветами и такимъ образомъ препровожденъ былъ до устроеннаго нарочно на сеи случаи особого Шатра и наметовъ где изволилъ принять поздравленіе отъ всего Прусскаго Генералитета знатнаго дворянства и Кепигсбергскаго городоваго магистрата и благоволилъ обще съ Принцомъ Прусскимъ пересѣсть впорадную карету. Шествіе началось чрезъ Сокгеймскія ворота въ городъ слѣдующимъ порядкомъ. 1. впереди ѣхало двадцат трубящих врошки почталионовъ подпредводителствомъ двухъ королевскихъ почтовыхъ Секретареи. 2. засими слѣдовало все мещанское воиско трехъ главныхъ Кенигсбергскихъ городовъ въ новыхъ мундирахъ. 3. а напоследокъ 100 человекъ молодыхъ Кенигсбергскихъ купцовъ которые для засвидетелствования своеи преданности и радости сдѣлали себе на сеи день одинакие кафта-

ны алые съ палевыми подкладками. 4 потомъ ѣхали находящияся въсвите Его Императорскаго Высочества особы а именно Его Сіятелство Графъ Петръ Александровичь Румянцовъ задунайскои. 5. Его Превосходителство Генералъ Аншефъ Николаи Ивановичь Солтыковъ. 6. Дежурной Камергеръ и Псковскои Губернаторъ Алексѣй Васильевичь Нарышкинъ. 7 и дѣжурнои Камеръ Юнкеръ Князь Александръ Борисовичь Куракинъ. 8. передъ каретою Его Императорскаго Высочества ѣхалъ верхомъ Кенигсбергскои Губернаторъ Порутчикъ Штуттергеимъ впрепровожденіи съѣхавшихся Генераловъ стоящихъ въ Пруссіи полковъ и многихъ Штабъ Офицеровъ. вдва эскадрона Мейерскаго драгунскаго полку служили прикрытиемъ (.) неподалѣку от городскихъ воротъ сооружены были весма великолѣпныя и прекрасныя триумфальныя ворота. и когда Его Императорское Высочество изволилъ къ онымъ приближится то произведена съ городскихъ валовъ пушечная палба. никакъ описать неможно чрезвычайного снисхождѣнія и милости какие Его Императорское Высочество оказать изволилъ сътекшемуся народу».

На картинкѣ впереди, слѣва, представлены Кенигсбергскія дѣвицы знатнаго рода, усыпающія цвѣтами дорогу Вел. Князю. Справа тянется, въ три полосы, поѣздъ въ каретахъ.

351.

Надпись вверху картинки:

«№ 76 Вовторникъ Сентября 30 дня 1776 года изъ Санктпетербурга отъ 6 Сентября. Продолжение описания путешествия въ Берлинъ Его Императорскаго Высочества Государя Цесаревича и Великаго Князя Павла Петровича.»

Внизу:

«Его Императорское Высочество Государь Цесаревичь и Ве-

ликій Князь Павелъ Петровичь во время пребыванія своего въ Кенигсбергѣ изволилъ 11 числа Іюля обще съ Принцомъ Генрихомъ и знатнѣйшимъ дворянствомъ обоего пола кушать въ тамошнемъ дворце, по окончаніи стола былъ куртогъ: а после онаго приуготовленный Генераломъ Порутчикомъ Лентулусомъ для Ихъ Высочествъ въ саду Совѣтника Коммерціи Сатургуса вечерній великолѣпный столъ 6) Его Императорское Высочество изволилъ смотреть какъ садъ такъ и находящіяся въ ономъ фонтаны а наипаче презрядный Натуральный кабинетъ. для изъявленія же милостивейшаго своего благоволенія изволилъ своеручно написать въ хранимой втомъ кабинете для въ писывания именъ смотрителей особливой книге (.) молодое купечество служило и тутъ Его Императорскому Высочеству вместо гвардіи и Государь Великій Князь изволилъ принять милостиво поднесенную Ему черезъ Г. Самуеля Маркуса Оду отживущихъ здесь по торговымъ деламъ магилевскихъ жидовъ. Хозяинъ сада непреминулъ сколко краткость времени дозволила иллуминовать оной несколкими тысячами плошекъ А особливо высочайшее имя **Ея Императорскаго Величества** и вензловыя имена Его Императорскаго Высочества и Принца Прусскаго изображѣнныя вразныхъ нишахъ и разноцветными плошками освещенныя весма великолѣпно представлялись взору Его Императорскому Высочеству и сей знакъ усердія хозяйскаго толико былъ угоденъ что онъ изволилъ отбыть изъ саду въ исходе уже одинатцатаго часа пополудни въ тамошней Дворецъ. Втораго надесять числа поутру въ 7 часовъ Его Императорское Высочество обще съ принцомъ Генрихомъ смотрелъ воинскія ученія стоящихъ въ Кенигсберге гарнизономъ четырехъ полковъ ї изъявилъ свое удовольствіе: А потомъ третьяго надесять числа поутру въ 7 часовъ Его Императорское Высочество обще съ принцемъ Генрихомъ изволилъ отправитьсяи изъ Кенигсберга дале впуть свои при пушечной палбе съ городскихъ валовъ и при играніи на трубахъ и биеніи въ литавры на башняхъ. Всякой Кенигсбергской гражданинъ преисполненныи слезъ очами въ коихъ радость и пе-

чаль совокупно видны были съмотрелъ во слѣдъ за ихъ Высочествами какъ можно было ихъ постигнуть.»

На картинкѣ представленъ парадный столъ въ саду коммерціи совѣтника Сатургуса. Трое жидовъ подносятъ Великому Князю бумагу съ надписью: «Ода».

352.

«№ 77 въ пятницу Сентября 23 дня 1776 года, изъ Санктпетербурга отъ 9 Сентября. Описанія путешествія въ Берлинъ Его Императорскаго Высочества Государя Цесаревича и Великаго Князя Павла Петровича.

Его Императорское Высочество Государь Цесаревичъ продолжая изъ Кенигсберга благополучно путь свои обще съ Принцомъ прусскимъ изволилъ прибыть 14 числа Іюля въ 8 часу пополудни въ городъ Ельбингъ въ полумили отсего города вдеревне граніове отдана Ихъ Высочествамъ честь и учинена встреча двумя конными корпусами молодыхъ гражданъ изкоихъ на одномъ было зеленое а на другомъ голубое было платье (.) передъ такъ называемыми голландскими воротами сооружены были по древнему вкусу украшенныя гирляндами и трофеями триумфалныя ворота у которыхъ поздравлены Ихъ Высочества съ благополучнымъ прибытнемъ отъ Г. Генералъ Маіора пелковскаго и всехъ вообще въ полку его состоящихъ Штабъ Офицеровъ и отчленовъ находящагося тамъ магистрата въ городе (.) для отдохновѣнія Ихъ Высочествъ приготовлены были комнаты въ Доме купца Грубнау (.) Тутъ приняты Ихъ Высочества шестьюдесятью девицами въ беломъ одеяніи съалыми лентами на которыхъ изображенъ былъ сей девизъ (:) Vivent les Grands Princes. P. P. et. F. H. L. Elbing 1776го. то есть: да здравствуютъ Высочаишие Принцы П. П. и Ф. Г. Л. Елбингъ 1776. Две изъ сихъ девицъ поднесли одна Его Импера-

торскому Высочеству а другая Принцу Генриху сочиненную насеи торжественнои день и набеломъ атласе напечатанную Оду причемъ говори они краткия речи. Ихъ Высочества отдохнув несколко въ приуготовленныхъ для нихъ комнатахъ изволили продолжать путь свои дале утакъ называемаго высокаго мосту черезъ которои Ихъ Высочества изъ города ѣхать изволили. Корабелные служители стоящихъ на реке Елбинге по обѣимъ сторонамъ моста судовъ изъявили отменную свою радость поднявъ флаги и вымпелы ставъ все на корабелныхъ крышкахъ въ беломъ платьѣ и перевязавъ шляпы и руки лентами. и когда Ихъ Высочества ѣхали помосту то заводили они пляски отчасти накрышкахъ а отчасти на топштангахъ и при биенїи влитавры і играніи на трубахъ и производимои изъ оружия ихъ палбе. Стечение народа въ сем случаѣ было столь велико что все улицы отвыезда изъ города были онымъ покрыты и толпы людеи теснявшихся вкругъ кареты ихъ высочествъ замедлили путь все знатныя особы имели щастие нарочно въ устроенныхъ местахъ смотреть за драгость цены (.) о всеиже радости тамошнихъ жителеи и удоволствия ихъ очеи зрѣниемъ Его Императорскаго Высочества въ роды ихъ описать никакъ неможно.»

На картинкѣ представлено, какъ двѣ дѣвицы говорятъ принцамъ: «краткія рѣчи».

---

353. Поступокъ дровосѣка съ докторомъ.

Листовая картинка, гравированная на мѣди, на Ахметьевской фабрикѣ; подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

Текстъ:

«Московск(і)я вѣдомости № 87 впятницу Октября 28 дня 1776 года. съ нижнеи реки Елбы изъ Санктпетербурга отъ 11 октября.

Недавно переднимъ водномъ известномъ месте случилось такое произшествіе—которое съодной стороны примеромъ жесточаишаго безчеловечія. а съ другой примѣромъ прямаго чл҃вколюбія почесть можно. некто врачь какъ по совершенному своему їсъкувству вновпвалномъ деле такъ и по неслыханной скупости весма извѣстный. позванъ былъ къ одному бедному дровосеку для подаиія помощи мучившейся родами его жене. которой по труднымъ ея припадкамъ пособить недоставало искусства бабкина. и которая отъ ужасной втакомъ случаѣ боли была уже присмерти. врачь пришедъ къ родилницѣ и посмотря на оную схолоднымъ духомъ сказалъ. Да женщине пособить еще можно. и я толко одинъ сдѣлать сне всостоянїи. но зато нелзя взять меньше Луи-д-ора. бѣдной мужикъ обещалъ ему заплатить онои. толко чтобъ онъ помогъ его жене; хорошо сказалъ жадной скупяга. по дѣнги напередъ. Талеръ и 8 грошеи составляли все богатство бедиаго сего мужика. которыя онъ ему и принѣсъ : а осталныя дѣнги обещалъ заплатить всѣ сполна хотябъ и помиру принужденъ былъ ихъ собрать повторя при томъ свою прозбу, чтобъ онъ теперь толко не оставилъ безъ помощи умирающеи его жены. Нѣтъ сказалъ врачь, мнѣ вить мое искуство досталосъ недаромъ. Прощаи; Приведѣнной симъ въ отъчаяние бедной мужикъ бросился къ ногамъ безъ человечнаго сего врача и съ пролитиемъ горчаишихъ слѣзъ. имѣнемъ божіимъ просилъ подать помощь страдавшеи его женѣ, которая уже боролася съ смертию. Но какъ и сне не привело въ жалость жестокосѣрдаго скупяги, и онъ сказавъ: полно братъ мнѣ вить изъ твоихъ поклоновъ не шубу шить, хотелъ было итти вонъ: но наконецъ унижение въ дровосѣке преобратилось въ ярость; и онъ схватилъ правою рукою свои топоръ, а лѣвою доктора, и взглянувъ на него и на свою жену съ отъчаяннаю свирепостию вскричалъ: слушаи ты никъ чему годныи скотъ, или помоги моеи женѣ или я тебе, какъ бешеной собаке раскрою голову на двое а потомъ и себе тожъ. жадныи сребролюбецъ приметя изъ пылающихъ яростию глазъ сего мужика не минуемую свою смерть, неотърицаясь болѣе ни-

мало пошелъ къ родильницѣ и подалъ ей скорую помочь. Какъ сущій педантъ въ своемъ искусстве не проронилъ онъ ничего всѣи операціи, что иначе можетъ быть учинилъ бы по злости. но благороднаго духа дровосекъ какъ скоро увиделъ что жене ево спасена жизнь. передъ доктора бросилъ на полъ все свое помянутое имущество. т. е. талеръ съ 8 грошами, и сказалъ. но: возми и коль допуститъ до того тебя твоя скупость, сожри мзу трудовъ моихъ, смытыхъ горкимъ потомъ. или запри ихъ и стереги смучительнеишѣю робостию дабы собранную тобою бездну пожрать после твоимъ наслѣдникамъ. я сегодня сварю моей жене супъ изъ одной воды. которой обратитъ ей богъ вболшее здоровье нежели бы вепнъ супъ, изготовленный на такия денги крови. обруганной толко скупяга не смотря на все сие подобралъ брошенныя съ полу денги до послѣдняго гроша и пошелъ домой».

На картинкѣ представлено: справа родильница съ бабкой, — слѣва, дровосѣкъ на колѣнахъ передъ докторомъ, а въ срединѣ дровосѣкъ, грозящій доктору топоромъ, и докторъ, подбирающій съ полу грошп дровосѣка.

---

354. Изверженіе Везувія 8 августа 1779 года.

«Изображеніе страшнаго изверженія горы везувія, бывшаго 8 числа Августа въ вечеру, 1779 года. Представленный здѣсь огненный столбъ въ три минуты поднялся въ вышину на три Италіанскія мили.—Грав. Н. Саблинъ».

Крѣпкая водка въ листъ, вдлину. Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

---

355. Взятіе Очакова, и солдатская пѣсня на этотъ случай.

Картинка, отпечатанная на двухъ съ половиною листахъ синеватой бумаги; вверху ея надпись:

«Краткое описаніе о взятіи Города Очакова».

На картинкѣ представлено бомбардированіе Очакова; изъ городскихъ воротъ турки выносятъ на блюдѣ ключи отъ крѣпости.

Вверху изображены: «Кинбургъ — Прогонои или соляные озера — Тарканскоц кутъ — дорога кберезанскому ретраншменту — днепровскіи лиманъ — часть чернаго моря — и островъ березань»; а внизу лиманъ березанскіи — часть степи очаковской — река бугъ — и Семеновъ мысъ.»

Подъ картинкою, по нижнему полю, подписано перомъ: «позволяитца продавать сей листъ московской палицмейстеръ и кавалеръ Петръ Годеинъ 1789 года. Мая ...го дня».

Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

Текстъ подъ картинкой:

«Пѣсня салдатская про **очаковъ** паголосъ небушуите ветры буиныя. не спеши ты зима сморозами, не бурлите вы ветры холодные, не защита вы очакову, неспасепье вы врагомъ нашимъ, сыны храбрые россиския, прїзираютъ все ваши лютости, въ нїхъ серца горятъ любовію, ко премудреишей своеи матери, у нихъ кровь кипитъ у сердіемъ, ко прехраброму началнику, на заре то было на утреннеи, навосходе было краснова солнушка, какъ возговорїтъ потемкїнъ князь, ой вы гои еси солдатушки, намъ пришла пора очаковъ взять, часъ прїбліжился намъ луну сорвать, соокоповъ белокаменныхъ, разметать башнї турецкія, покорить враговъ мечю рускому, скїпетру мудрыя государыни, ои ты гои еси батюшка, ой прехраброй предводитель нашъ, лишъ рукои махнї такъ очаковъ нашъ, слово вымолвї мы стамбулъ возмемъ, мы попдемъ вогонь ивполымя, пропдемъ пропасти подводныя, лишь успелї такъ храбрыя воины, речь окончить героискую, засверкали тамъ штыкї рускія, загремела вдругъ артїлерїя, полилась рекои кровь турецкая, повалїлїсь тутъ башни городовыя, где луна была тамъ орлы нарятъ, где бунчугъ стоялъ тамъ штандартъ блїстїтъ, сераскїръ упалъ предпотемкинымъ, прїкло-

няючї свою голову, покоряясь со всемъ городомъ, умоляя жїзнь янычара мї, тутъ воскрїкнулї победителї, ой ты гоп єсї неверноі царь посмотрї ты здесь на нашеи своихъ, ты взгляни на кровь турецкую, покарїсь нашеи монархїнї, нетебе царь воевать снамї, ужь луна твоя затмилася, круты рогі все прїтупїлїся, и грозитъ тебе погибелью.

Краткое описание овзятїи Города Очакова.

Отъ главнокомандующаго генерала Ѳелдмаршала князя грїгорія александровїча потемкїна таврическаго сдежурнымъ прїнемъ генераломъ маіоромъ рахмановымъ прїсланы къ **ея Імператорскому величеству** ключї города очакова икрепости березанской планъ атакї очакова и обстоятелныя донесенія: 6-го декабря въ 7 часовъ утра началасъ атака не пріятель открылъ жестокоі огонь наколонны между темъ генералъ маїоръ баронъ паленъ встретїлъ толпу непрїятелскую стакою неустрашимостію что по претерпенїю болшаго урона вчисле 1500 человекъ оставшие отдалисъ въ пленъ, подполковникъ марковъ положа самъ первую лесницу взошелъ егерї за нїмъ, турки защищались стрелбою и саблями генералъ-маїоръ князь волконской кїнулся на помощь но тутже ксожаленїю былъ убитъ, подполковникъ голдевскии лишь поставїлъ лесницу брїгадїръ горичь сневероятною храбростию вступилъ на бїстионъ ибылъ убитъ: главнокомандующїи заключаетъ донесеніе: добыча взятая многочисленна разнаго хорошаго оружія салдаты продавали его возами, сверхъ того множество жемчугу уборовъ золотыхъ исеребреныхъ одеждъ и самыхъ денегъ о количестве коихъ можно судить потому что цена голанскихъ червонныхъ упала на несколко временї на рынке въ два рубли именше а турецкии левъ въ 30 копеекъ. пушекъ и мортиръ взято 310 знаменъ 180. непріятеля побито на месте 8370. ивтомъ числе чїновныхъ 283 (.) отранъ померло 1140 человекъ (.) виолонъ взято 4000 (.) всего жителеи въ очакове 25.000. снашеи стороны убиты генералъ 1. Бригадиръ 1. штабъ офицеровъ 3.

*

оберъ офицеровъ 25. нижнихъ чиновъ 926. стихи навзятие очакова: поспешно въ россискую державу, струбои я зрю летящу славу, уста ея сквозь мразъ гремятъ, очаковъ непрїступныи взятъ, возрадуитеся невскї воды, ликуите роския народы петровъ возвеселїся градъ, очаковъ неприступныи взятъ, сыновъ отечества котраде врагомъ кпечалї идосаде. весть радостна твердїсъ стократъ, очаковъ неприступныи взятъ, путї россіаномъ отверсты, грызи завистнїкъ свои персты, нитаи во серце лютыи адъ, очаковъ непрїступныи взятъ: соседни стены разрушенны, ты мещишь взоры устрашенны, европа удївляи твои взглядъ, очаковъ непрїступныи взятъ: твоя надежда не напрасна, рассія на прехрабрыхъ чадъ, покоися буди безопасна, очаковъ непрїступныи взятъ. чтобъ росска слава загремела, **Екатерїна** повелела, о гласъ **Екатерїны** святъ, очаковъ непріступнои взятъ, нїогнь нїсїлна оборона сынамъ россїскїмъ непрепона, очаковъ непрїступныи взятъ. ихъ руки вбрани замерзаютъ, нохрабростью серца горятъ, на стены протївъ ядръ дерзаютъ, игрудью россовъ городъ взятъ, ставъ росскои радости виною, вкушаи потемкїнъ тму отрадъ твоеи храброю рукою, очаковъ неприступныи взятъ. **Екатеріны** гласъ гласъ Бога, **ея уста** коль повелятъ, какова не сотремъ мы рога, речемъ и царь градъ будетъ взятъ. Ода на взятие очакова: взїраюшїи снебесъ помощнїкъ всевышнои, помогъ онъ взять градъ очаковъ градъ пышнои, радуися россовъ мать наша **Императріца,** божественнои твои гласъ твоя помощь ідеспїца, бесисъ рвїсъ, рушїтель права и законовъ падешь ты инетакъ отпашихъ колонновъ, хотя вбунстве вы все духомъ торжествовалї, а герои нашї очаковъ храбро взялї, гремї потемкїнъ всемъ, что ты взятїю прїгчїна, твоеи молитвои вследъ свершїлася пучїна вы победоносцы героискїе серца, здравствуите снабедои сокрушивъ до конца, а непріятель нашъ отъ васъ ужъ совредомъ онъ прогнатъ какъ лвами, свелїкїмъ стыдомъ, терзаиса вероломъ ты мучся день и ночь, а мы безторжества непондемъ отвасъ прочь, мы громы смолнїеи ввеселость чтемъ сеи бои, нехвастаися ивпредь тревожїть насъ ссабои, салдатамъ нетъ нужды

хоть заморе уидешъ итамъ тебя наидутъ изчезнешъ пропадешъ, угоднїкъ николаи заступикъ всехъ салдатъ, такъ можноль вамъ врагї протїву насъ стоять. »

---

356. «Слонъ Персидскій».

Двухлистовая картинка, гравированная на мѣди. Подлинникъ находится въ библіотекѣ Академіи Наукъ. Подписей, кромѣ выше приведенной, нѣтъ.

Впереди конюхъ ведетъ осѣдланную лошадь, за нимъ скачетъ персіянинъ на какомъ то крапчатомъ звѣрѣ (должно быть тигрѣ); сзади слѣдуетъ слонъ.

Внизу шесть персіянъ, а именно: два верхами (послы), барабанщикъ и трубачь, верховой и персіянинъ, закутанный въ длинное платье. Шествіе замыкаютъ, кавалеръ съ тростью и удивляющаяся дама.

---

357. Персидскій слонъ, приведенный въ Москву въ 1796 году.

Листовая картинка, гравированная на мѣди.

Вверху ея надпись: «**персидскіи слонъ**

Слѣва, вверху же: «**Краткое описанїе слоновои жизни**

слонъ есть самои болшои и примечания достоиныи земныи зверъ ибо онъ вышиною въ 4 аршина да притомъ чрезвычаино толстъ весу внемъ около 14000 фунтовъ. а обитаетъ онъ вжаркихъ азия и африки питается травою и древесными листїями кожа на немъ цветомъ темноватая и седая притомъ голая морщеватая и жеская онъ послушнея лошади верности ровняется собаки хитрея обезьянъ также уменъ какъ добръ силенъ какъ

левъ а сердитъ какъ тигръ сколко онъ простъ а более переїмчивъ и послушенъ посредствомъ своего хобота вырываетъ деревья людеи и звереи повергаетъ имъ наземлю да притомъ и делаетъ разные дела какъ то вытаскиваетъ пробки изъ бутылки развязываетъ узлы и кладетъ тяжести на свою спину и тому подобное а живетъ до 200 летъ и более».

Внизу, подъ картинкой:

«Стихи слону которои былъ привѣденъ въ москву въ 1796 году.

что вмоскве заудивленіе
что зановое явленье
что дивится такъ она
привели внее слона
множество бежитъ народу
къ страшному сему уроду
все торопятся спешатъ
все смотрить ево хатятъ
мысли взялъ и я такие
побывалъ бы какъ другие
позївалъбы на слона
толко дорого цена
денги для ково неважны
золотые и бумажны
и серебрены рубли те
одни къ слону пошли
яжъ туда незагуляю
кпужде рубли оставляю
а животнымъ и скотамъ
отъ бухарска государства
до преславна росїиска царства
столко денегъ собралъ слонъ
что и самъ не стоитъ онъ

долго я мыслями смущался
долго къ слону собирался
напоследокъ все решилъ
я смотрить слона ходилъ (.)
при моемъ тогда вступленїе
поразило удивленпе
страшенъ былъ слона мне видъ
хоть коврами онъ покрытъ
все тогда слона познали
все разныя и онъ стояли
особливо мужики
удивлялисъ на клыки
слонъ всюду хоботомъ поводитъ
въ тусость зрителеи приводятъ
зная внемъ веліку мочъ
пятилисъ какъ раки прочъ
мне вздумалосъ сопти пониже
подоити къ слону побліже
яблокъ калачеи давалъ
слонъ какъ крошки ихъ глаталъ
яжъ недолго удивлялся
вскоре и растался
кодвору поворотилъ
и себе проговорилъ.

для чего за ту скотину рубли платитъ и полтину неза что и гривны принесъ (:) слонъ родїлся слонъ ї естъ»

Есть другое изданіе этой картинки (*б*) въ которомъ: «краткое описаніе слоновой жизни» помѣщено внизу, подъ картинкой.

358. Подвигъ гренадера Фанагорійскаго полка въ 1805 году.

Текстъ:

«Московскія Ведомости 1805 Году № 97 декабря 6 дня.

Одинъ анегдотъ достоинъ любопытства гренадиръ Фанагорїискаго полку проснисъ суворовъ оставши отъ своихъ товарищеи увидѣлъ себя окруженнымъ четырмя французомп вътомъ числе былъ одинъ офицеръ которыи закричалъ ему пардонъ ишли прямо нанего но онъ въ мѣсто пардона прицѣлясь хороше^{п}ко о͡вечалъ имъ пулею двухъ повалилъ однимъ выстреломъ одного штыкомъ ачетвертыи бѣжалъ (.) государь Императоръ приказалъ отыскать сего неизвестнаго рыцар^{я} которыи безъ хвастаства сталъ врядъ съ другими иедумалъ чтобъ онъ о͡личился (.) россіискои гранадеръ Отсталъ и начетырехъ французофъ попалъ одноп пулею двоихъ прострелилъ атретьяго наштыкъ посадилъ ачетверта^{и} убежалъ ифранцозамъ такъ сказалъ лутчи намъ братцы отъстать чемъ наштыкахъ о͡рускихъ умирать.

Песня

1. Нутко рускія салдаты станемъ немцофъ выручать
   Они не много трусоваты Мы станемъ за нихъ отвечать
2. Неробеемъ мы французофъ всегда героп есть унасъ,
   Лишъ бы батюшка кутузовъ отдалъ намъ приказъ
3. разщелкаемъ Эту сволочь за воюемъ ихъ полкїи
   намъ неочень нужна помочь не очень нужны прусаки
4. По полдюжины на брата мы къ себе ихъ поведемъ
   вить для рускаго салдата воевать славно мечемъ
5. Банопартъ. хотя храбрится но на пляшется и онъ
   какъ удастся намъ сразится где нашъ князь багратїонъ
6. Онъ суворова римнинска ученикъ достоиныи былъ
   подоидитка къ нему блиска такъ узнаешъ каковъ былъ.
7. Будь хотя онъ насъ силнея мы не станемъ отъ ступать
   тутъ гораздо мы смелѣя где намъ трудно побеждать

8. Мы сражаемся за веру бъемъ невѣрныхъ за любовь
но завздорную химеру проливаемъ мы ихъ кровь
9. Волности мы не желаемъ Императора любимъ какъ отца
всѣи душеи къ нему пылаемъ знаетъ наши онъ сердца
10. Такъ мудреное ли дело намъ французофъ истребить
Царь велитъ идемъ мы смело всю вселенную победимъ».

Картинка листовая, гравированная на мѣди; подлинникъ находится въ Спб. Публичной Библіотекѣ (изъ собранія Даля).

---

359. Поединокъ волонтера Веделя съ антлійскимъ офицеромъ, 11 Января 1808 года.

Двухлистовая картинка, гравированная рѣзцомъ.

Вверху представлены: «воиско дацкое», и: «воиско аглинское»; пониже дерутся на поединкѣ: «ведель», и: «аглицкой офицеръ». Внизу обозначенъ проходъ: «въ клогской заливъ.»

Подлинникъ находится въ библіотекѣ Академіи Наукъ.

Текстъ внизу картинки:

«И(з)ъ № 4го Московскихъ ведомостеи 1808го года генваря — 11 дня Между протчимъ припечатано (:) при высадки агличанъ наостровъ Зееландъ произошло сраженіе въ клогскомъ заливе, и датчане похрабромъ сопротивленіи, принуждены было уступить превосходству Непріятелской силы И ритировались, одинъ молодой храбрый волантеръ баронъ веделя расбергъ, защищиался съ саблею въ врукахъ противъ четверыхъ непріятельскихъ гусаръ (.) все товарищи оставили Его, И онъ скоро былъ бы убитъ Естьлибъ Неподоспелъ къ сраженію аглицкои офицеръ тогоже полку, перестанте; закричалъ онъ гусарамъ четверо дерутся съ однимъ разве это храбрость! подите прочь (.) потомъ обратился онъ кведелю И сказалъ (:) Государь мои здаитесь (.)

нетъ отвечалъ пылкій и храбры ведель (.) такъ деритесь самною, отвечалъ гапповерецъ, соскачилъ слошади, одалъ Ее одному из своихъ гусаръ и сталъ противъ него въ позитуру. бои начался (.) по отраженій Многихъ ударевъ ведель получилъ наконецъ рану вруку. которая воспрепятствовала Ему Сражаться долее после чего онъ отдалъ свою Саблю аглинскому офицеру (.) принимая оную офицеръ немогъ удержатся чтобъ не обнять храбраго Своего Сопротивника».

---

360. Взятіе крѣпости Свеаборга.

Двухлистовая картинка, гравированная на мѣди. Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

Впереди, справа, представлена битва; слѣва шведское войско кладетъ оружіе и граждане стоятъ на колѣнахъ, держа городскіе ключи на блюдѣ.

Вдали: «Крепость Свеоборгъ», и: «Местечко оклюки».

Надпись вверху картинки:

«**Краткое описаніе о взятіи крепости Свеоборга. 27 марта 9 часовъ утра по заключенні** Конвенцыи покореная росписку орудію крепость свеаборгъ которая по собственнои ея обороне и по защите сдругихъ крепостеи щиталась неприступнои занета нашими воисками всту(п)ая въ оною какъ въ преддверіе къ обладанію всемъ свеаборскихъ укрепленіемъ воиско исполнено было увѣренностію и предчуствіемъ (.) вкрепости сеи приобретено пушекъ 62 ядеръ разнаго калибра 1600.»

Текстъ внизу:

«**Донесеніе Его Императорскому величеству отъ главнокомандующего генерала графа Буксгевдена продолженіе журнала** военыхъ дѣйствій (.) отсутствіе Главнокомандующаго

въ Ловизу и обширное растоянїе на коемъ воиска въ Финляндїй въ разныхъ пунктахъ действуютъ замедлїли составленїе полнаго журнала. 1го по 6е марта 1 до сего года между воисками осождающимї свеаборгъ и горнизономъ быть перемирїю безъ снятїя блокады ежели въ полдень означеннаго числа крепость не получитъ вспоможенїе покрайнеи мере 5 линеиныхъ кораблеи тогда сдастся воискамъ **Его Императорскаго Величества** разумея что вспомоществованїе сїе въ показанное время точно прибудетъ въ свеаборскои портъ (;) естьли же оное будетъ толко въ виду крѣпости тогда признается неприбывшимъ. 2 изъ числа укрѣпленныхъ свеаборскихъ острововъ крепость лонгернъ въ 24 часа по утвержденїи конвенцы со всею артиллерїею сдана будетъ навсегда Россїи а вестеръ сварте остеръ лилла сварте и лове въ теченїи последующихъ двухъ днеи отъ гарнизона очистится займутся росїискими воисками и оставятся въ виде залога на верность постановленныхъ условїи (.) Отъ 16 апреля генералъ графъ Буксгевденъ донесъ что 5 дивизїя 2 раза поражала непрятеля при сближенїи къ олеборгу шведскои арїергардъ былъ разбитъ при пихаїоне прнследованъ до брагенштата несмотря на усилїя его удержать крепкїя позицїи выгода наша была знаменитеп (.) въ семъ деле взятъ королевскїи генералъ адъютантъ левенгель котораго власть. въ армїи непрїятелскои (;) сверхъ того взято вленъ несколко офицеровъ и до 50 редовыхъ (;) 16 числа авангардъ генералъ лейтенантъ тучковъ подкомандою подполковника кулнева снова атаковали непрятеля занимавшаго прп оклиокиа крепкую позицїю (;) упорное сопротивленїе принудило подъкрѣпить оныи баталїонъ севскаго мушкатерскаго и 24 егерскимъ полкомъ подкомандою полковника трученинав(а) кровопролитная битва продолжалась до 4-х чесовъ (;) непрятель съ великимъ урономъ сбитъ и преслѣдованъ 15 верстъ до селенїн сикаїоки (.) генералъ леитенантъ тучковъ 1й донесъ что по уверенію пленныхъ всемъ последнемъ дѣлѣ неприятель потерялъ болїе 500 человекъ (.) въ пленъ взято (:) полковнпки шефъ абовскаго полку аронъ Флемингъ которои отъ ранъ умеръ и ниланскаго драгун-

скаго полку вригтъ. оберъ офицеровъ 13 изъ коихъ 2 отранъ умерло рядовыхъ 87 также оруденнаго припасу впленъ взяты (.) снашеи стороны уронъ мпогочисленности непрїятеля. невелико важенъ (:) убпто и ранено до 300 человекъ всехъ (.)»

---

361. Битва подъ мѣстечкомъ Либштадтъ и дер. Лангеніе.

Текстъ:

Сверхъ трехъ реляцій о сраженіях происходившихъ 11 и 13 и 14 числа декабря сіе 7го генваря вразныхъ числах следующее пзвестіе надъ непріятелемъ победы.

7го генваря посланъ былъ отрядъ отполковника ростовскаго состоявшій изъ двухъ ротъ 24го егерскаго и двух сотъ казаковъ въ селеніи суркпте которые окруживъ непріятеля вночное время там пзрубили протчпх вплен взяли (.) 8го Генерал Лейтенантъ князь Голицынъ. узнавъ о непріятеле находится по близости деревпп ланге пме послал казачью партію которая окружила целон эскадрон французских гусаръ положа часть на месте а копітана сенть обен лебрена 2-х офицеровъ и 59 рядовых взято вплен (.) 9то сего числа армія въступила вте квартерыи непріятел отступпл (.) тогожь числа захвачено авлигардомъ генералъ маіора маркова франц. офицеръ 1. и 7 рядовых также генералъ маіора барклая детолли партія казаковъ нандя непріятелскои разъездъ при деревне близевъ въ 50тп человеках положило изоных на месте 90 взято впленъ 1 упдер офицер и 61 рядовых (.)

А сего генваря 21 получены вновь донесенія пзъ главной квартиры въ Липстате отъ 14го генваря следующаго содержанія (.) 11 поданным накануне сего дня отъ главнокомандующаго повеленіям генералъ маіору маркову и генерал лейтенанту графу остерману о следованіи первому со авангордом ксторопе гепльсбурга и гутштта та а второму со 2ю дпвизіею и отрядомъ гене-

рал маіора багговута къ зебургу для обеспокоінія непріятеля вночное время и сорванія пикетовъ от генерал маіора барклая де толли что онъ отрядя изюмскаго гусарскаго полку эскадронъ и 60 козаковъ подкоманду маіора веригина наидя вместечке пангеимъ французскои конницы 2 эскадрона ударивъ на оную опрокинула и положа болшую часть на местѣ взято пленъ 2 капитановъ и 25 редовых (.) а генералъ М. марковъ поприбытіи вселе шесльдитенъ осведомился что либштате непріятел и что проведал о приближеніи наших воискъ готовился коіступленію собирая великое число подводъ для своза пехоты почему генерал марков немедленно поспешил къ либштату недоходя встретя непріятелскія посты подкрепленные силною пехотою взявши оны вытеснил непріятеля вместечко зашищающагося (.) при сем взято вплен 18 офицеров 1 подполковник 291 редовых положено на месте 300 (.) 13 сего числа генерал марковъ съ авангордом выступил из лиштата для преследованія непріятеля въ 4000 въ морунчен (.) подходя ко опому встретил аріергардъ непріятелскои вступил враженіе со оным подпредводителством фелдмаршала бернадота находившагося (.) невзирая на сіе неприятел былъ 2 раза опрокинутъ 2 полка французских шли на штыки противу нашего екатеринославскаго которои стакою твердостію их ожидали что недоходя на 20 шаговъ оба непріятелскія отступіли (.) по притчине усилившаго чрезмерно непріятеля нашь авангордъ решился несколко уступит но вскоре соединя счастію кавалеріи генерал Анрепа услыша пушечную палбу поспешил на помош вновь атаковал непріятеля и отразилъ онаго отбилъ знамя у французов и взяли вплевъ двух офицер 59 редовых побито на месте до полуторы тысячи (.) при сем случае ко общему сожеленію сеи арміи лишилась искуснаго генерала анрепа которо соединяс съ Г. Марковым поехал съ 2 офицерами для обозренія непріятеля и по нещастію приближился к скрытым вкустах французским тиаръерам был убит пулею въ лобъ (.) адъютантъ его императорскаго величества флигель князь долгорукій узнавъ вместечке моругмене ссилою фелдмаршала бернадота разбили 1060 его захватили и

людей вплѣнъ (.) того 14? донскаго воискавои старшина греков 418 вдеревне ліока нашел непріятеля разбил всеи тут победѣ до 6000 тыс.

Картинка листовая гравированная рѣзцомъ. На ней представлены разныя перестрѣлки; вверху: «м либштатъ» и «д. лангеліе» а внизу казакъ срываетъ арканомъ часоваго»; подъ которымъ надпись: «спекету сорванъ».

Подлинникъ находится въ библіотекѣ Академіи Наукъ.

---

362. Битва у мѣстечка Пултуска.

Двухлистовая картинка, гравированная на мѣди; подлинникъ находится въ Публичной библіотекѣ.

Надпись, вверху картинки: «местечко пултускъ».

Текстъ подъ картинкою:

«1 сего декабря 23 и 24 числъ получены къ его императорскому Величеству съ прибывшами изъарміи и куръерами слѣдующія донесенія.

После безпрерывныхъ почти съ 11 числа сего месеца напередовыхъ нашихъ постахъ съ непріятелемъ встречь изъ которыхъ при каждои былъ онъ опрокинутъ какъ скоро Генералъ отъ Кавалеріи баронъ беннигсенъ счастію ввѣренныхъ ему воискъ взялъ позицію при местѣчкѣ Пулстускѣ то въ то же самое время атакованъ былъ непріятельскимъ корпусомъ подъ командою Генерала Сушета дело продолжалось три часа и непріятель прогнанъ съ чуствительнымъ уроном 2. 14 Числа преждѣ нежели присоединїлись къ Генералу Беннигсену большая часть 4[и] девизіи подъ командою Генерала Лентенанта Князя Голицына атаковалъ его непріятель въ 11 часовъ поутру многочисленными силами конми. командовали подъ предводительствомъ самаго Бонапарте Фелдмаршалы его д Аву и Ланъ да особымъ отрядомъ Генералъ

Сушетъ сраженіе было кровопролитнеишее и продолжалосъ даже въ самои темнотѣ ночи прі началѣ онаго Фелдмаршалъ д Ау съ корпусомъ состоящимъ въ 15 тысячахъ ударилъ на лѣвое наше крыло съ темъ чтобъ занять местечко Пультускъ 3 позади находящеися Генералъ Маіоръ Баггевутъ защищавшіи оное съ четырьмя тысячми человѣкъ принужденъ былъ уступить превосходству силъ не пріятельскихъ но какъ скоро Генералъ Беннигсенъ сіе примети то въ тотже самыи часъ приказалъ съ праваго крыла своего подкрепить сеи отрядъ другимъ подъ командою Генералъ Леитенанта Графа Остермана и непріятель остановленъ Атака на правое наше крыло была гораздо силнѣе большои корпусъ пѣхоты при Фелдмаршалѣ Ланѣ коимъ командовалъ самъ Бонапартѣ двинулся по кустарникамъ на нашъ авангардъ для прикрытія того крыла тамъ оставленыи и такое стремительное сделалъ на оное нападеніе что Генералъ Маіоръ Барклаи де толли авангардомъ командовавшіи не нашелся въ возможности отразить его 6 но какъ скоро далъ мѣсто дѣиствовать устроеннои позади его и кустарникомъ маскированнои батареѣ то 7 несколько картечныхъ залповъ положа на мѣстѣ немалое число непріятеля остановили его Онъ предпринялъ однакожь обоитить сію батарею и Барклаи детолли принужденъ былъ еще отступить тогда Генералъ Беннигсенъ приказалъ перемѣнить фронтъ всему правому крылу своему: анаподкрепленіе къ барклаю де толли послалъ въ два раза потри баталіона пѣхоты удержавъ такимъ образомъ непріятельское стремленіе икакъ артилерія и мушкетнои огонь дѣиствовали безпрерывно рѣшился Генералъ беннигсенъ самъ атковать непріятеля на сеи конецъ далъ онъ приказъ Генералъ Леитенанта Графу Остерману и велѣлъ подвинуться достальнои своеи пѣхотѣ на правое крыло подкреня его сильными батареями и дватцатью ескадронами кавалеріи всей прочей кавалеріи приказалъ онъ построиться на центрѣ фронта своего 8 и тѣмъ поставить въ почтеніе къ себѣ непріятельскую Французы защищались отчаянно но наконецъ принуждены были уступить храбрости воискъ Его Императорскаго Величества они разбиты совершенно

и прогнаны отъ мѣста сраженія (.) пленныя утверждаютъ что потеряли они тутъ убитыми болѣе шести тысячь человѣкъ что принадлежитъ до потери нашей то хотя по скорости не возможно еще ограничить оной но конечно не превосходитъ она полуторы или покрайней мѣрѣ двухъ тысячь Генералъ Беннигсенъ предоставляя себѣ . . . . . засимъ донести о всемъ подробно при совокупляетъ только что не можетъ онъ довольно изъяснить до какой степени мужественный духъ и храбрости воискъ Его Императорскаго Величества простирается между другими говоритъ онъ Генералъ Маіоръ Кожинъ съ лейбъ Карасирскимъ Его Величества полкомъ и двумя ескадронами Каргопольскаго драгунскаго ударилъ на пѣхотную трехъ тысячную непрїятельскую колонну 9 которая готова уже была отрезать Генералъ Маіора Баггевута и не взирая на сильное дѣйствіе ихъ батареи подъ коимъ она сдѣлать . . . . . предпринимала истребилъ ее до остатка . . . . . Такимъ образомъ неспровержено покушеніе Бонапарте на корпусъ воискъ командуемой Генераломъ Беннигсеномъ и одержана совершенная надъ непріятелемъ победа,»

---

363. «Сраженіе при Бородинѣ».

«26 августа 1812 года Армія россійская вменшѣмъ несравненно количествѣ непріятельской сражалась съ героическою храбростію противу отборныхъ воискъ всехъ народовъ европы сдѣсь видны князь Кутузовъ среди своего штаба впереди Генералъ Барклай де толли далие князь Багратіонъ раненый и поддерживаемый солдатами непріятель всеи достопамятный день потерялъ убитымп 18.000 человекъ пленными 1 Генералъ. 35 афицеровъ 1140 нижнихъ Чиновъ 5 пушекъ».

Грубая крѣпкая водка въ малый листъ, вдлинну.

---

364. «Сраженіе при Кулме».

«Корпусъ Генерала вандама истребленъ Совершенно. Самъ онъ съ 4[м] прочими Генералами взятъ въ пленъ а два другіе Генерала пали въ сраженіи (.) изъ войскъ его досталосъ намъ въ пленъ Насамомъ Месте сраженія до 17 да после приведено до 6 тысячь человѣкъ. а прочіе или убиты или рассеялисъ по лесамъ и ущеліямъ. горъ Богемскихъ но и сихъ последнихъ приводили ежечастно кнамъ вомножестве вся непріятелская артелерія Состоящая изъ 64 орудій съ ея зарядными ящиками фурами .... два почетные орла и 2 знямя остались въ рукахъ нашихъ».

Грубая крѣпкая водка, въ малый листъ вдлину, дружна предыдущему номеру.

---

365. «Песня

1. Нутко рускія салдаты, —
Станемъ не мцофъ выручать, —
Они немного трусоваты, —
Мы станемъ занихъ отвечать.

2. Не робеемъ мы французофъ, —
Всегда геров есть унасъ, —
Лишь бы батюшка кутузофъ, —
отдалъ намъ приказъ.

3. Разщелкаемъ эту сволочь, —
За воюемъ ихъ полкіи, —
намъ не очень нужна помочь, —
не очень нужны прусаки.

4. По полдюжины на брата, —

Мы къ себе ихъ поведемъ, —
вить для рускаго салдата, —
воевать славно мечемъ.

5. Банопартъ хотя храбрится, —
Но на пляшется и онъ, —
Какъ удастся намъ зразится, —
Где нашь князь багратїонъ.

6. Онъ суворова римнинска, —
Ученикъ достойныи Былъ, —
Подопдитка къ нему Блиска; —
такъ узнаетъ какоѵъ Былъ.

7. Будь хотя онъ насъ силнея, —
Мы не станемъ отъ ступать, —
тутъ гораздо мы смелѣя, —
Где намъ трудно побеждать.

8. Мы сражаемся за веру, —
Бьемъ не вѣрныхъ за любовь
Но завздорную химеру, —
Проливаемъ мы ихъ кровь.

9. Волности Мы не желаемъ, —
Императора любимъ какъ отца, —
всѣй душеи къ нему пылаемъ, —
знаетъ наши онъ сердца.

10. Такъ мудреное ли дело, —
Намъ французофъ истребить,
Царь велитъ идемъ мы смело, —
всю вселенную победить».

Листовая картинка, гравированная рѣзцемъ, въ началѣ XVIII вѣка; подлинникъ находится въ Публичной библіотекѣ.

Вверху маршируютъ: офицеръ, барабанщикъ, флейтщикъ, музыкантъ съ бубнами, два съ трубами и четыре рядовыхъ, съ ружьями на плечо».

---

366. «Земской съ Дядею Отецъ съ Матерью Терентій съ женой».

«Пѣсня (.) Издаваемая мною песня сочинена въ то время, когда одинъ молодой рекрутъ передъ отправленіемъ въ походъ разставался съ родственниками и возхищалъ ихъ великодушіемъ и умомъ своимъ. Сочинилъ ее дядя его, земской того селенія, за которое помянутой рекрутъ отданъ. сіе случилося недавно и именно въ михайловкѣ, что видно изъ приложеннаго письма при которомъ сія песня прислана сюда. жаль что не означено: мѣстечко ли ето, село ли или слобода: потому, что на Руси Святой есть Михаиловка мѣстечко въ Кіевской Губерніи; Михаиловка село въ Лебединскомъ уѣздѣ, Губерніи Харьковской, Михаиловка слобода въ Губерніи Курской (.) однако не смотря на то и отрывокъ изъ письма, и пѣсню почитаю я дѣломъ позволеннымъ и пристойнымъ, надѣяся, что сочинитель оныхъ проситъ на меня за то не будетъ. а охотники до новостей, на старинной ладъ состроенныхъ, прочтутъ и то и другое съ удовольствіемъ Господа издатели вѣдомостей, Журналовъ, и всѣ тѣ особы которы[м] онѣ понравятся, могутъ смѣло печатать ихъ и особенно и въ періодическихъ изданіяхъ. ответствовать сочинителю, естьли доведется беру на себя

Отрывокъ изъ упомянутаго письма. Вотъ, дорогой братаничь, и еще граматка, для святаго праздника—Богоявленія Господня! — тереха нашъ пошелъ отъ насъ—во чужую дальню сторону: салдатъ бравой будетъ. дай ему Богъ быть полковникомъ: грамоте знаетъ, не хуже меня. пишешь: жаль его. Очемъ жалеть не лихіе люди съѣли, чередъ пришелъ. кабы виделъ ты разстань наша кабы слышалъ, что самъ терентій говорилъ тогда отцу и матери

*

и женѣ своей!. не моги, пракофьевичь, горевать объ немъ! Посылаю тебѣ пѣсню; я самъ старинной песенникъ сложилъ ее. прочитай, и увидишь въ ней слова терентьевы и узнаешъ что во всеи Михаиловкѣ краше и разумнѣй нашего терентья нетъ и небыло... Трудно будетъ мне на старости безъ терентья править дѣло земское: племянникъ былъ уменя правая рука; но на все воля Божія!....

Пѣсня на голосъ изъ подъ камышка изъ подъ белаго.

Ахъ не ласточка, не ясенъ соколъ
Вкругъ тепла гнѣзда увиваются,
Увиваются старъ—матерой мужъ
Съ женой вѣрною, доброй матерью,
Со хозяикою домовитою,
Вкругъ надежды ихъ—сына милаго:
Онъ идетъ отъ нихъ въ дальню сторону,
Опоясавшись саблеи вострою:

Ахъ, неборъ шумитъ, не рѣка льется
Обливается горючми слезми
Возрыдаючи молода жена,
Разставаяся съ краснымъ солнышкомъ,
Провожаючи друга милаго:
Онъ идетъ отъ неи въ дальню сторону,
Опоясавшись саблеи вострою.

Нетруба трубитъ и не мѣдь звенитъ,
Раздается рѣчь добра молодца:
Ахъ тебель вздыхать, роднои батюшка,
Перестань тужить, ты роднмая,
Не крушись, не плачь, молода жена,
Береги себя, сердцу милая!

Ахъ не ужели вы не знаете,
Что на матушку нашу Родину

Православную землю Рускую,
Идутъ варвары непотребные? —
Кровожадные—какъ змеи шипятъ,
Храмы Божіи разорять хотятъ,
Города привесть въ запустеніе,
Селы красные все огнемъ пожечь,
Стариковъ сѣдыхъ всѣхъ мечу предать,
Молодыхъ дѣвицъ всѣхъ въ полонъ побрать,
Ахъ, не ужели вы запомнили,
Что за васъ же я и за родину,
За святую Русь православную,
Полечу теперь въ поле ратное?

Всѣ удалые и могучіе
Дѣти вѣрные Царства Рускаго,
На враговъ итти приготовились;
Ужъ осѣдланы кони борзые,
Ужъ отпущены сабли Тульскія,
Ужъ отточены копья мѣткія,
Рать усердная лишъ приказу ждетъ
Чтобъ пуститься ей въ путь назначенной:
Яль останусь здѣсь какъ разслабленной.

Ахъ утѣшьтеся и порадуйтесь:
Не наемникъ васъ защищать идетъ;
Не прельстятъ меня яркимъ золотомъ,
Ни каменьями самоцвѣтными:
Не продамъ зашихъ милой родины:
Отца матери молодой женой
Не ударюся я въ постыдной бѣгъ,
Ни отъ тучи стрѣлъ, ни отъ полымя: я на все пойду
съ Божьей помощью
Вы помолитесь Спасу Чудному
Онъ услышитъ васъ и поможетъ намъ
Иразсыплются злые варвары,

Не осмелются нападать опять, уничтожится сила
вражія,
И окончатся брани лютыя —
И родимои вашъ возвратится къ вамъ!

Листовая картинка, гравированная на мѣди, въ началѣ нынѣшняго столѣтія. Подлинникъ находится въ публичной библіотекѣ.

---

367. «Торжественной въ Эздъ въ Парижъ.

Императора Александра Перваго, и Великаго Князя Константина Павловича, и Короля Прускаго Вильгелма, III. и Союзныхъ Воискъ».

Крѣпкая водка въ листъ; повтореніе въ уменьшенномъ размѣрѣ большой гравюры Югеля, съ оригинала Вольфа.

---

368. «Торжественное Вшествіе Всеавгустѣйшаго Государя Императора Александра Перваго въ Парижъ.

Плещите дланми всѣ народы:
Гласъ радости Царя хвали:
Шуми восторгъ какъ въ бурѣ воды:
Великъ Царь Сѣверной земли:
Гремите нѣснопѣвцовъ лики:
Онъ силны усмирилъ языки,
Вселенной возвратилъ покой:
Гремите онъ могущъ всесиленъ,
Дарами мудрыми обиленъ
И кротокъ какъ самъ богъ душой:
Царь вшелъ во градъ градовъ и звуки

Торжественны какъ громъ гремятъ
Къ нему всѣ простираютъ руки,
Враги Его боготворятъ:
Хвалите всѣ Царя хвалите
Какъ божество превозносите:
Онъ Царь достоиный алтарей:
Престолъ его всѣхъ выше троновъ,
И спросятъ отъ него законовъ
Народы всѣ и сонмъ Царей».

Крѣпкая водка въ листъ, копированная съ нѣмецкаго оригинала.

Пять побѣдъ надъ французами 1812—1815 гг.

369. Взятіе Полоцка 6 октября 1812 г. (Генераломъ Виттенштейномъ).

370. Побѣда при Маломъ Ярославцѣ, 12 октября 1812 г.

371. Разбитіе маршала Виктора при Старомъ Борисовѣ 15 и 16 ноября 1812 г.

372. «Принцъ Шварценбергъ репортуетъ побѣду ... подъ Лейпцигомъ. Октября дня 1813 года».

373. Разбитіе Наполеона при Парижѣ 18 марта 1814 г.

Пять очень плохихъ картинокъ въ большой листъ, вдлину, гравированныхъ на мѣди, мастерами въ родѣ Грачова.

Подлинники находятся въ Чертковской библіотекѣ.

---

374. Въѣздъ Императора Александра I въ Лондонъ.

Большая крѣпкая водка, грубой работы. Подпись внизу:

«Въ Англіи въ Лондонѣ Россійскій Императоръ Александръ I, Король Прусскій Вильгельмъ III, фельдмаршалы Графъ Барклай де толли Князь Блюхеръ и Графъ Платовъ они шествуютъ къ Принцу Регенту».

---

375. «Кончина Государя Императора Александра Благословеннаго. въ Таганрогѣ 19 Ноября 1825го года».

Копія пунктитомъ съ гравюры Аоанасьева (см. мой: Словарь Русскихъ портретовъ, № 248).

Внизу стихи:

«Нашъ Ангелъ въ небесахъ—Спаситель миліоновъ!
Оставилъ дольній Міръ, возстановитель троновъ! —
Въ селенья райскія Онъ духомъ воспарилъ,
И жизнь безсмертную въ награду получилъ.

Къ печали Россіянъ,—Монархъ Благословенный! —
Отечества Отецъ!—болѣзнію сраженный, —
Съ надеждой твердою на милости Творца,
Ты мирно ожидалъ и смерти и конца.

Въ объятьяхъ горестныхъ Супруги безотрадной,
Ты нову жизнь узрѣлъ,—о Благодатной!.....
И тихъ Его конецъ, и кротокъ смертный сонъ! —
Лишъ вѣрныхъ Россіянъ по всюду слышенъ стонъ».

КАРРИКАТУРЫ 1812 ГОДА.

376. «Казакъ вручаетъ Наполеону визитной билетъ на взаимное посѣщеніе.»

Наполеонъ съ Маршаломъ сидятъ застоломъ, на которомъ разложены: «предложеніе сенату всеобщаго вооруженія — Новыя налоги — проэктъ реорганизаціи Арміи — Замѣщеніе вакаціи большой Арміи.»

Козакъ только что вошелъ въ дверь; онъ подаетъ Наполеону карточку, съ надписью: «Москва».

Въ первомъ изданіи этой картинки, внизу находится подпись мастера: «И: Теребеневъ»; Во второмъ изданіи доска пройдена рѣзцемъ, и подпись Теребенева стерта.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

377. «Наполеонъ съ С..... послѣ Созженія Москвы».

Справа представленъ адъ; къ нему подходитъ Наполеонъ, съ котораго слетѣла корона.

Слѣва видѣнъ храмъ и подъ нимъ надпись: «Жиздитель вѣкъ его хранитъ доселѣ самъ, стр. 21.»

Внизу стихи:

«Всѣ треснули теперь предположенны планы;
Всѣ угрожаютъ мнѣ, мной покоренны страны;
Все взяло ходъ иной, — всё стало измѣнять;
Тиранить всё меня, — пропала я; — что начать!

Изъ Разг. Н.... съ С..... страница 20ая».

Картинка гравирована крѣпкой водкой; судя по работѣ, должна быть руки Теребеньева.

---

378. «Угощеніе Наполеону въ Россіи.

Свое добро тебѣ пришлось
Гостинцовъ Русскихъ захотѣлось;
Вотъ сласти Русскія! поѣшь не подавись!
Вотъ сперцемъ сбитенёкъ, по пей, не обожгись!
И. Теребеневъ».

Наполеонъ провалился въ кадку, въ которой: «Калужское тѣсто». На головѣ у него вѣнокъ изъ колачей, нанизанныхъ на веревочкѣ; солдатъ засовываетъ ему въ ротъ огромную коврижку, съ надписью «вязьма»; другой солдатъ наливаетъ ему въ стаканъ сбитню, который: «вскипяченъ на Московскомъ Пожарищѣ»; казакъ подсыпаетъ въ стаканъ перцу.

Хорошая крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

379. «Полезная операція».

Солдатъ обрѣзываетъ Наполеону ногти (саблей); ратникъ держитъ Наполеона за руки. Слѣва изумленный Маршалъ.

Внизу подпись:

«Маршалъ: Я Вамъ говорилъ В: В: остригите ногти; больно велики выросли. Нѣтъ неслушались, такъ вотъ и поневолѣ обрубятъ. — Нап: Ай ай ай помилуйте. оставте мнѣ хоть два ноготка, чемъ бы колупать послѣдніе доходишки. — Солдатъ: Нѣтъ оцарапаешь!»

Крѣпкая водка, въ листъ, вдлинну. Внизу подпись мастера «И: Теребеневъ».

Во второмъ изданіи этой картинки, доска пройдена рѣзцемъ и подпись Теребенева стерта.

---

380. «Русская баня.

Н: Эдакаго мученья я съ роду не терпѣлъ! меня скоблютъ и жарятъ какъ въ аду....

Ратн: Отдувайся, коли самъ полѣзъ въ Русскую баню; попотѣй хорошенько, а мы неустанемъ поддавать пару.

Солд. Натремъ тебѣ и затылокъ и спину, и бока; будешь помнить легкую нашу руку.

Коз: Побрѣемъ тебя погладимъ, молодцомъ поставимъ.

Иванъ теребеневъ.»

Очень хорошо выполненная и забавная картинка, награвированная крѣпкой водкой, въ листъ, вдлинну.

---

381. Поплящи подъ нашу дудку.

Наполеонъ съ Маршаломъ пляшутъ въ присядку. Крестьянинъ подстегиваетъ Наполеона кнутомъ, говоря:

«И мы братъ слышали погудку
въ присядку попляши теперь подъ нашу дудку!»

Другой крестьянинъ подгоняетъ маршала розгами: «Ну братъ не отставай и знай!

Изъ рода въ родъ —
Каковъ русской народъ!»

Сзади всѣхъ крестьянскій парень наигрываетъ на дудкѣ:

«Ахъ скучно мнѣ
На чужой сторонѣ».

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну; судя по работѣ, руки Теребенева; но безъ его подписи.

---

382. Наполеонова пляска.

«Не удалось тебѣ насъ переладить на свою погудку:
Попляши же Босурманъ, подъ нашу дудку!
Иванъ Теребеневъ.»

Наполеонъ пляшетъ въ присядку; одинъ мужикъ подстегиваетъ его кнутомъ; другой наигрываетъ на дудкѣ.

Хорошая крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

383. «Пастухъ и волкъ».

«Радуйтесь пастухи добрые! Уже вы больше не потерпите недочету въ вашихъ овечькахъ; зверь обнаруженъ. Онъ былъ страшенъ только тѣмъ, которые не умѣли за него взяться. Ая попросту, какъ въ старину бывало: примаровилъ, схватилъ, и какъ хочу, такъ теперь его и поворочу.

Иванъ Теребеневъ».

Пастухъ держитъ волчью шкуру, у которой, вмѣсто морды, приставлена голова Наполеона, въ триуголкѣ.

Три маршала, въ ужасѣ, спасаются бѣгствомъ.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

384. «Обратный путь, или дѣйствіе русскаго слабительнаго порошка.»

«Казакъ: Ступай неси скорѣе по старой дорогѣ домой и скажи всѣмъ своимъ, что наспу могъ донести собранную съ Русскихъ контрибуцію.

Крестьянинъ: Ачего въ ** не унесёшъ такъ инъ въ шляпу покладёшъ».

Крестьянинъ напяливаетъ Наполеону на голову шляпу, а казакъ подстегиваетъ нагайкой.

Наполеонъ поправляетъ штаны, въ которые онъ сильно наложилъ русской контрибуціи.

Очень выразительная крѣпкая водка, въ листъ, вдлинну, несомнѣнно работы Ивана Теребенева, хотя и безъ его подписи.

---

385. «Проѣздъ высокаго Путешественника отъ Варшавы до Парижа, подъ именемъ своего Шталмейстера, съ ощипаннымъ орломъ и ознобленнымъ Мамелюкомъ.

Иванъ Теребеневъ».

Наполеонъ ѣдетъ въ кибиткѣ, въ одну лошадь; на плечахъ его сидитъ шталмейстеръ, который правитъ и погоняетъ лошадь кнутомъ. Сзади, въ крошенкѣ, привязанной къ кибиткѣ, тащится «ознобленный мамелюкъ; за поѣздомъ летитъ орелъ; онъ привя-

занъ, веревочкой за лапу, къ поясу Наполеона. На дорогѣ стоитъ верстовой столбъ, съ надписью: «6 миля»; на столбѣ каркаетъ ворона.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

386. «Французскій вояжёръ въ 1812^мъ году.»

Наполеонъ въ огромныхъ валенкахъ, и скорчившись отъ холода, ѣдетъ, въ салазкахъ, на свиньѣ, въ одиночку. Волосы у него встали дыбомъ; онъ говоритъ: «на парижъ прохладна, на Москвѣ очинь жарка»; свинья отвѣчаетъ ему: «уій, уій, уій Мосіе»,

Хорошая крѣпкая водка въ листъ, вдлинну; внизу подпись мастера: «И Теребеневъ.»

---

387. «Ретирада французскихъ Генераловъ».

«Иванъ Теребеневъ».

Генералы улепетываютъ въ простыхъ дровняхъ, на парѣ клячь. Они въ разныхъ костюмахъ, — кто въ салопѣ, кто въ дамской шляпкѣ, — и сидятъ, скорчившись отъ холода.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

388. «Ретирада французской конницы, которая съѣла своихъ лошадей въ Россіи.

1) Маршалъ на конькахъ. 2) Трубачь. 3) Кирасиръ потерявшій свою каску. 4) Польскій Уланъ потерявшій мундиръ.

5) Гусаръ. 6) Драгунъ. 7) Конный Артиллеристъ. 8) Мамелюкъ, который всѣхъ теплѣе одѣлся салопомъ женскимъ; и всѣхъ запасливѣе, несетъ съ собою домой лошадиной окорокъ.

Иванъ Теребеневъ».

Всѣ эти воины скачутъ верхомъ, кто на палочкѣ, кто на трубѣ, кто на саблѣ.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

389. «Чемъ онъ побѣдилъ врага своего? нагайкою! Изъ журн. Сынъ Отечества кни: 7 стр. 43.» Внизу: «И. Т».

Казакъ колотитъ нагайкой французскаго кавалериста, который, вмѣстѣ съ лошадью, упалъ наземлю. (Пуб. биб.).

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

390. «Крестьянинъ увозитъ у французовъ пушку въ Русской лагерь, между тѣмъ какъ они, оставивши оную на полѣ, бросились въ деревню за контрибуціею. См. Журн. Сынъ Отечества 1812. № 5, стр. 216. Иванъ Теребеневъ».

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

391. «Французскіе мародеры испугавшіеся козы. Изъ журн: Сынъ Отечества кн: 9. стр. 128. Иванъ Теребеневъ».

На картинкѣ представлено пятеро французскихъ мародеровъ, перепугавшихся на смерть отъ словъ Старухи. Мародеры спрашивали ее, кто кричитъ на дворѣ; она отвѣтила имъ, что коза; а имъ, со страху, послышался «казакъ».

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

392. «Русскои Геркулесъ Города Сычевки.» Душитъ направо и налѣво обтрепанныхъ французскихъ мародеровъ.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну; внизу монограмма мастера: «И. Т. (Иванъ Теребеневъ).»

---

393. «Руской Сцевола. Изъ журн. Сынъ Отечества: Кни. 4. стр. 168.» Этотъ Сцевола отрубаетъ себѣ топоромъ руку.

По бокамъ корчатся отъ удивленія два французскіе солдата.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну; внизу монограмма мастера: «И: Т: (Иванъ Теребеневъ).»

---

394. «Твердость Рускаго Крестьянина.»

Къ нему пристали съ угрозами, полякъ и два французскіе мародера:

«Гдѣ крестьяне, куды дѣвали свои пожитки?» Спрашивали они его.

«Ась неслышу говори громче.» Отвѣчаетъ онъ.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну; несомнѣнно работы Теребенева, хотя и безъ его подписи.

---

395. «Французской вороній супъ.

Бѣда намъ съ великимъ нашимъ Наполеономъ!
Кормилъ насъ въ походѣ изъ костей бульономъ:
Въ Москвѣ попировать свистѣлъ у насъ зубъ;
Ни тутъ-то! похлебаемъ же хоть вороній супъ!

Иванъ Теребеневъ.»

Картинка представляетъ четырехъ голодныхъ и оборванныхъ французовъ; одинъ изъ нихъ разрываетъ на части ворону (въ перьяхъ), другой справа, на колѣнахъ, тащитъ ворону къ себѣ за лапку; третій посылаетъ, на пальцахъ, воронѣ поцѣлуй, а четвертый вылизываетъ котелъ, въ которомъ варилась ворона.

Хорошая крѣпкая водка, въ листъ, вдлинну.

---

396. «Торжественный въѣздъ въ Парижъ, непобѣдимой французской Арміи».

Крѣпкая водка, въ листъ, вдлинну, судя по работѣ, руки Теребенева.

Въ первый разъ эта картинка была помѣщена при книгѣ: «Записки о Спб. ополченіи, барона Штейнгеля. С-.Петербургъ. 1814.» 2 части. За тѣмъ, вторымъ изданіемъ она отпечатана отдѣльно, и продавалась вмѣстѣ съ Теребеньевскими гравюрами.

Шествіе начинается съ русскаго мужика, верхомъ на клячѣ, которую ведетъ церемонимейстеръ. У мужика на плечѣ, на палкѣ, и въ рукѣ, московскіе калачи; за нимъ, два околѣченные офицера несутъ, на подушкахъ, двухъ кошекъ.

Далѣе слѣдуетъ, посреди двухъ трубачей, камеръ фурьеръ, съ орломъ на палкѣ, на которой повѣшена:

«La Culotte de Charle XII».

Тамбуръ мажоръ съ трубкой въ рукѣ.

Два гусара съ бунчуками.

Четыре околѣченые гренадера несутъ, на носилкахъ, замороженнаго товарища своего. У покойнаго, на брюхѣ, треуголка и на палкѣ билетъ, съ надписью:

«Grenadier gélé parfaitem.

Conservé.»

Кибитка парой.

Два музыканта, флейтщикъ и барабанщикъ.

Еще какойто экипажъ парой.

Все это шествіе проходитъ сквозь тріумфальныя ворота, надъ которыми побѣда трубитъ въ двѣ трубы; на воротахъ надпись: «Arc de Triomphe erige à la gr.»

Справа видна арка, увѣнчанная орломъ и побѣдой, съ надписью: «S. P. Q. G.» (Senat. pop. que Gal.).

Вдали видна третья арка, а справа большой трехъэтажный домъ, съ вывѣской: «Au Grand Conqueran».

На улицѣ, по которой проходитъ процессія, множество зѣвакъ; но устроенныя для зрителей мѣста: «bancs à louer» («10 s., 5 s., 2 s., и 1 s.») почти пусты; на нихъ размѣщено нѣсколько оркестровъ музыки.

На домахъ развѣшены вывѣски:

«Cosmetique Au Artistes reúnis — Jci on decrotte à 5. sous — Nouveauté Variete M. de M. — Peinte de Portrait (на самой крышкѣ). Jci l'on fait des Vers (тоже). Poéte (тамъ же) Mr. Gigot apprend à Danser e à faire des sout — Nouvelle Reste: Boudins. Pat. Cottelet. Boulion à (надпись вывѣски приходится надъ трофеемъ «La culotte de charles XII»).

Pomade Poudr. à la Ganboje.

Boudins frés de tout jen

Artiste Oculiste Peruquier Dentiste».

Внизу прибитъ неизмѣнный: «bulletin».

---

397. «Носъ привезенный Нмъ съ собою изъ Россіи въ Парижъ.»

«Н: Вотъ какой, носъ приставили мнѣ Русскіе! незнаю какъ мнѣ съ нимъ показаться Парижской Публикѣ. Нѣтъ ли средства укоротить его?

1. Докт: Надобно его отрѣзать.

2. Докт: Въ такомъ случаѣ я неотвѣчаю за жизнь Его Вел[а]— Берт: Не зачѣмъ его укорачивать; показывайтесь съ нимъ смѣло Парижанамъ. Мы напишемъ что онъ у васъ выросъ отъ раннихъ морозовъ и гололедицы!

Иванъ Теребеневъ.»

Наполеонъ съ огромнымъ носомъ, покрытымъ бородавками, сидитъ въ креслахъ; на колѣнахъ его изорванный: «Планъ Кампаніи 1812».

Бертье и два доктора разсматриваютъ носъ.

Крѣпкая водка, въ листъ, вдлинну.

---

398. «Карантинъ для Н... по возвращеніи его изъ Россіи».

«Завоевалъ бы Россію; да моръ на мои войска. Чуть было и меня не сразилъ! принужденъ окуриваться.

Иванъ Теребеневъ.»

Наполеонъ сидитъ подлѣ дерева; два доктора окуриваютъ его; третій стаскиваетъ съ него мундиръ, клещами за рукавъ.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

399. «Консиліумъ».

«Докторъ» Языкъ бѣлехонекъ (въ наказаніе за то что много лгалъ въ бюллетеняхъ.) — Пульсъ едва бьется! (отъ чрезмѣрнаго кровопусканія) — Голова въ страшномъ жару (отъ того что неудались сумасбродные планы.)...

Н: Надобно скорѣе убираться въ Парижъ, видно въ Россіи клыматъ мнѣ не благопріятствуетъ! — Сынъ От. 1812 г. № 10. стр. 182.

Иванъ Теребеневъ».

*

На картинкѣ Наполеона осматриваютъ два доктора; одному изъ нихъ Наполеонъ высунулъ языкъ.

Справа стоитъ огромная ступка.

Крѣпкая водка, въ листъ, вдлинну.

---

400. «Н. Занимается прожектами снарядовъ для будущей кампаніи своей противу Русскихъ.»

«1) Верфь для строенія коньковъ. 2) Верфь для строенія салазокъ. 3) Премудро изобрѣтенная Нмъ кишка водопроводная для доставленія войскамъ воды за милю разстоянія. 4) Чертежъ коньковъ и салазокъ, т: е: удобнѣйшихъ военныхъ повозокъ для Наполеоновой арміи, предлагаемый ему на высочайшее его разсмотрѣніе. 5) Слава сего великаго завоевателя и прожектёра, увѣнчавающая его дурацкимъ колпакомъ.

Иванъ Теребеневъ.»

Постройка салазокъ и коньковъ въ полномъ ходу. Слава Наполеонова представлена въ видѣ черта въ саванѣ, на четырехъ костыляхъ. Другой чертъ сзади ея трубитъ въ огромную трубу.

Крѣпкая водка, въ листъ, вдлинну.

---

401. «Мыльные пузыри».

«Секретарь: Прикажете все это записать въ бюллетенѣ? Н: Постой дай мнѣ надуть еще этотъ.»

Вредине стоитъ телѣжка на четырехъ колесахъ, которые на половину ушли отъ тяжести въ землю.

На сукнѣ, которымъ телѣжка прикрыта сверху, надпись: «Recettes exterieures. Награбленныя въ Россіи сокровища, или внѣшніе доходы Франціи.»

Наполеонъ сидитъ слѣва, на барабанѣ; онъ пускаетъ мыльные пузыри; на спущенныхъ шести пузыряхъ надписи: «порабощеніе Англіи — присвоеніе всемірной торговли — походъ въ Индію — взятіе Петербурга — взятіе Риги — взятіе Калуги.»

На пузырѣ, который еще виситъ у Наполеона на соломенкѣ и больше всѣхъ: «завоеваніе всѣхъ четырехъ частей Свѣта.»

Справа Секретарь въ мундирѣ; онъ даже выпустилъ перо изъ рукъ отъ удивленія, при видѣ послѣдняго пузыря.

Вдали видно нѣсколько зѣвакъ, глазѣющихъ на пузыри въ лорнетки.

Крѣпкая водка, въ листъ вдлинну. Внизу подпись мастера:

«Иванъ Теребеневъ.»

---

402. «Наполеонъ въ намѣреніи своемъ уничтожить Пруссію — грибъ съѣлъ».

Наполеонъ, обхвативъ обѣими руками огромный грибъ, силится его съѣсть. Слѣва Прусскій солдатъ, со смѣхомъ смотритъ на его старанія.

Изъ кармана у Наполеона высунулись двѣ бумаги: «Маршрутъ въ Берлинъ,» и: Мирныя условія которые предпишу союзнымъ Державамъ».

Грибъ выросъ на скалѣ, составленной изъ камней, съ надписями: «домъ Гогенцолернскій пересталъ царствовать, каждая Пруская область будетъ принадлежать тому французскому Маршалу, которой покоритъ ее.

Австрія въ наилучшемъ согласіи со мною.

Мы прогонимъ сѣверныхъ варваровъ въ ужасный ихъ климатъ.

Продолженіе перемирія на 6 мѣсяцовъ.»

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну. Внизу подпись мастера:

«Иванъ Теребеневъ».

---

403. «Наполеонъ спускаетъ змѣя.»

«Нап: Тяните. тяните! отдавайте нитку! Ахъ! да она и отрѣзана? а змѣй мой не подымается. Рейнской Союзъ: Вольно тебѣ было склеить такой страшный змѣище. ворочайся съ нимъ какъ хочешь, а я тебѣ покорный слуга: Нап: Я надѣялся на способный вѣтеръ, да на большой клубокъ нитокъ, да на васъ, мои вѣрные помощники. Старая Гвардія: Охти мнѣ! долго ли буду служить твоимъ дурачествамъ! Молодая Гвардія: И насъ ты обманулъ; посуливши змѣемъ позабавить: да какая игра? Это сущая каторга!»

На змѣѣ надпись; «Бюллетень, — затѣи великаго Генія»; рука съ надписью «1813 годъ,» прорываетъ змѣй стрѣлою; другая рука: «1812 годъ» перерѣзала ножницами, снурокъ, на которомъ долженъ подняться змѣй.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну. Внизу подпись мастера: «И. Теребеневъ».

Во второмъ изданіи доска пройдена рѣзцемъ и подпись Теребенева стерта.

---

404. «Усердная и добровольная поставка рекрутъ отъ французскаго народа.»

«Они поддержатъ честь великой Націи.

Иванъ Теребеневъ.»

Наполеонъ стоитъ слѣва; отдатчикъ представляетъ ему: «Отъ двухъ Департаментовъ три рекруты, и двѣ лошади. Изъ рекрутъ одинъ беззубый старикъ, другой, безногій, на деревяшкѣ, и третій полуодѣтый дурачокъ.

Крѣпкая водка, въ листъ, вдлинну.

405. «Наполеонъ продастъ съ молотка похищенные имъ антики.»

Наполеонъ, приподнявъ молотокъ, кричитъ: «никто больше? тре-тій раааа».

Слѣва входитъ казакъ; онъ кладетъ на столъ свою нагайку, и говоритъ: «за мной покупка! у меня никто не перебьетъ ее!»

Три секретаря въ ужасѣ; одинъ прилегъ настолъ, другой спрятался подъ столъ, третій стоитъ, опустивъ руки.

Вдали видна статуя Лаокона, а на стѣнѣ «трофеи Египетской Компаніи», въ видѣ дѣтской муміи и сушенаго крокодила, и: «трофеи Россійской Кампаніи», — три колача на веревочкѣ и: «вяземская ковришка».

Хорошая крѣпкая водка въ листъ.

Внизу подпись мастера: «И. Теребеневъ».

---

406. «Наполеонъ посреди приближенныхъ своихъ Маршаловъ и Принцовъ учитъ сына своего бѣгать.

«Сынъ. Папенька, я усталъ. Нап: Привыкай сынъ мой Наука бѣганья нужнѣе для Династіи Наполеоновой, нежели наука Царствованія.»

Заяцъ тянетъ маленькаго Наполеона впередъ (на возжахъ); большой Наполеонъ поддерживаетъ сына полотенцемъ подъ брюхо. Три Маршала смотрятъ на эту сцену съ удивленіемъ.

Хорошая крѣпкая водка въ листъ, вдлинну. Внизу подпись мастера: «Иванъ Теребеневъ».

---

407. Наполеонъ убаюкиваетъ Францію.

«Наполеонъ и его сообщники убаюкиваютъ разными игрушками и побасенками Францію, стараясь закрыть отъ нее настоящее ея положеніе. Между тѣмъ какъ она держа въ рукѣ граненое разноцвѣтное стекло, видитъ въ ономъ красоту свою стократно помноженную, Наполеонъ прилежно занимается укачиваніемъ люльки, заставляя Бертье держать ширму; чтобъ отъ несносныхъ лучей восходящей въ видѣ солнца истины, не заболѣли глазочки у дитяти, и чтобъ она никакими непріятными видами не тревожилась.»

Франція, въ видѣ хорошенькой дѣвочки, въ пеленкахъ, лежитъ въ люлькѣ; Наполеонъ качаетъ люльку; одинъ изъ Маршаловъ подергиваетъ передъ Франціей бумажнаго паясика, другой дѣлаетъ пальцами агуськи; Бертье загораживаетъ ей свѣтъ ширмой, склеенною изъ листовъ: «Moniteur universel» и: «Bulletin».

Вдали солнце освѣщаетъ перестрѣлку козаковъ съ французскими кавалеристами.

Картинка въ листъ, вдлинну; гравирована на мѣди, крѣпкой водкой. Внизу, справа, подпись мастера: «Иванъ Теребеневъ».

---

408. «Карнавалъ или Парижское игрище на Масленицѣ.»

«Наполеонъ Народу: Пожалуйте сюда Господа! здѣсь показываютъ самыя лучшія Комедіи и Китайскія тѣни».

Справа представленъ балаганъ, передъ которымъ стоитъ множество зѣвакъ, въ томъ числѣ мальчишка съ: «Moniteur universel» въ рукахъ.

Вверху, на балконѣ, Наполеонъ, одѣтый арлекиномъ, зазываетъ народъ; подлѣ него трубитъ гвардеецъ.

Къ балагану привѣшены: «Bulletin» и «Moniteur universel». На балконѣ вывѣшены двѣ картины; на одной изъ нихъ представленъ Наполеонъ, показывающій фокусы съ монетами, которые онъ накрываетъ стаканомъ; надъ нимъ надпись: «фигляръ забавляетъ и обморачиваетъ Народъ разными фокусами, или французскія Государственныя финансы».

На другой картинѣ представлена гимнастическая группа: Бертье держитъ на плечахъ Наполеона, который, въ свою очередь, держитъ на каждой рукѣ по два маршала (на лѣвой, Іеронима и Іосифа). Маршалы представлены внизъ головою.

Хорошая крѣпкая водка въ листъ. Внизу подпись мастера:

«И: Теребеневъ».

---

409. Кукольная комедія, или Проходящіе чрезъ Франкфуртъ плѣнные Русскіе казаки, подъ конвоемъ Французскимъ.

См. Сынъ Отеч. 1813. № 18. стр. 300.

Иванъ Теребеневъ».

Два французскіе солдата везутъ шесть чучелъ, одѣтыхъ казаками, и уставленныхъ на доскѣ. Съ одной изъ чучелъ свалилась шапка, другая чучела повалилась совсѣмъ на бокъ; два солдата, сзади поправляютъ ее.

Очень забавная крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

410. «Собранная на Эльбѣ обсерваціонная армія Французская къ которой Главнокомандующій ея говоритъ рѣчь.»

«Солдаты! Вашъ Генералъ чтитъ и Уважаетъ васъ. Вы должны послужить образцами народамъ, которыхъ будете защищать

и покровительствовать.» «Сынъ Отеч. № 10. 1813. стр. 193. Иванъ Теребеневъ.»

Армія эта нарисована на огромномъ столбцѣ бумаги, склеенномъ изъ: «moniteur» и: «correspondent». Столбецъ этотъ поддерживаетъ секретарь; Наполеонъ продолжаетъ чертить пушки. Слѣва маршалъ говоритъ бумажной арміи рѣчь.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

411. «Наполеонъ разбитый на равнинахъ при Люценѣ прикладываетъ себѣ пластыри.»

«Ней: Пуще всего пятки да спина требуютъ пластыря; онѣ всего долѣе были въ виду у непріятеля. Наполеонъ: Увы еще и съ прошлогодняго походу не зажили; А теперь имъ досталось съ изнова. Иванъ Теребеневъ».

Ней прикладываетъ къ пяткамъ Наполеона листъ бумаги, съ надписью: «Moniteur universel. Bataille de Lutzen»; самъ Наполеонъ прижимаетъ къ груди: «Bulletin»; въ головахъ у него воткнута палка, на которой повѣшены его ботфорта и треуголка. Вдали видна фортуна, летящая вверхъ тармашками, съ разбитой въ дребезги, колесницы.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

412. «Вывозъ рѣдкостей изъ Парижскаго Музея, по случаю приближенія Союзныхъ Армій.

И. Теребеневъ.»

На первомъ планѣ два рабочихъ тащатъ мраморную статую Наполеона, въ ростъ. Надпись на пьедесталѣ статуи: «Монументъ

Наполеону». На разныхъ частяхъ статуи надписи: «человѣчество (на подножіи статуи), Конскрипція — налоги и подати (на ногахъ) — насильство (на шпагѣ) — контрибуціи (на животѣ) присвоенїе — грабительство (на рукахъ) — ядъ (на груди) — щастіе (на шеѣ) — лицемѣріе (на шляпѣ) — высокомеріе (около лба) — честолюбіе и безбожіе (около носа) — ложь лесть и клевета (около рта) — мѣра пріобрѣтенныхъ завоеваній (у разставленныхъ пальцевъ лѣвой руки)». У ногъ статуи представленъ бѣгущій заяцъ, съ надписью:» надежное средства въ неудачахъ».

Изъ другихъ рѣдкостей въ музеѣ находятся бюсты: «Неронъ, Кромвель, Махїавель» и «Пугачевъ»; этого послѣдняго консерваторъ снимаетъ съ шкафа.

Далѣе: «отмороженныя въ Россіи носы и уши непобѣдимой армїи», и «привезенныя изъ Египта остатки «Французской Арміи (кости).»

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

413. «Наполеонова Слава».

«Попалась въ просакъ! Руской солдатъ штыкомъ снялъ съ нее маску, Казакъ Нагайкою всѣ вѣнцы ея лавровые охлесталъ, а Вавилка Морозъ и громкую трубу ея заткнулъ снѣгомъ!

Иванъ Теребеневъ.»

Слава стоитъ на человѣческихъ костяхъ; подъ маской у ней чертова харя.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

414. «Наполеонъ претерпѣваетъ Кораблекрушеніе.»

«Зевесъ изрекъ: сія скала есть щитъ невинныхъ.
Да будетъ алчности и буйству здѣсь предѣлъ! —

И въ дребезги разбивъ корабль враговъ всемірныхъ,
Свирѣпымъ онъ волнамъ ихъ поглотить велѣлъ.
Иванъ Теребеневъ».

На скалѣ, находящейся слѣва, надписи:

«Россія — Москва». На парусахъ погибающаго въ волнахъ корабля: «Голландія — Рейпской Союзъ — Франція — Италія — Баварія — Саксонія — Щвейцарія».

Наполеонъ спасается, самъ другъ, въ небольшой лодкѣ.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

415. «Разрушеніе всемірной Монархіи»

Монархія эта въ видѣ бочки, которую разрушаетъ штыкомъ русскій солдатъ; изъ бочки вылѣзаетъ чертъ, — а Наполеонъ, сидѣвшій на бочкѣ, на скамеечкѣ, летитъ вверхъ тармашками, шляпа долой.

Слѣва козакъ прокалываетъ копьемъ мѣшекъ, изъ котораго сыпятся: «контрибуціи».

На доскахъ, изъ которыхъ была сколочена бочка, поставлены надписи: «Вестфалія — Голландія — Швейцарія — Виртембергъ — Гессенъ — Италія».

На обручѣ: «Континентальная система».

Слѣва три камня, въ видѣ ступенекъ, съ надписями: «Подлость — Шарлатанство — Полыганье т: е: Монитеръ — Подкупы и Интриги».

Въ первомъ изданіи этой картинки, внизу находится подпись мастера: «И: Теребеневъ».

Во второмъ изданіи подпись эта стерта; доска поновлена.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

416. «Освобожденіе Европы».

Содержаніе картинки объясняется подписью:

«Аполлонъ богъ свѣта и изящности поразивъ стрѣлою своего чудовищнаго гиганта [1]), наложившаго цѣпи на Европу, освобождаетъ ее отъ оковъ и отъ ига, и вручаетъ ей кадуцей, жезлъ мира, торговли, и свободныхъ искуствъ, онъ показываетъ ей на якорь, на которой опирается неразлучная сопутница Его Паллада богиня воинскихъ добродѣтелей знаменующая Россію — сей якорь есть надежда, которую Европа полагать должна на Россію, виновницу освобожденія ея отъ лютаго врага, Въ освобожденія семъ содѣйствуютъ также Марсъ (Австрія), Геркулесъ (Пруссія), и Нептунъ (Англія). Но всѣми ими управляетъ: богъ гармоніи Аполлонъ, время диктуетъ Его дѣла, а слава увенчиваетъ Его вѣнцомъ безмертія.

Иванъ Теребеневъ».

Аллегорическая картинка, гравированная рѣзцемъ и акватинтой, въ листъ, вдлинну.

---

417. «Изображеніе человѣколюбивыхъ дѣяній Наполеона».

Два черта держатъ щитъ, раздѣленный на восемь квадратовъ, въ которыхъ изображены разные ужасы войны. Вверху объятый пламенемъ земной шаръ, въ который воткнуты четыре знамя съ надписями: «варварство — тиранство — подлость и лицемѣріе».

Картинка въ листъ, гравированная на мѣди, несомнѣнно Ив. Теребеневымъ, хотя и безъ его имени. Единственно извѣстный

[1]) Съ лицемъ Наполеона.

мнѣ экземпляръ ея, изорванный и неполный [1]), находится въ моемъ собраніи.

Внизу текстъ, напечатанный типографскимъ шрифтомъ:

«Объясненіе Герба съ принадлежностями Наполеона Бонапарта, Корсиканскаго уроженца.

Верхъ Герба представляетъ земной шаръ, которой, изключая нѣкоторыхъ частей онаго, поверженъ въ пламя сожигателемъ Корсиканцемъ; рука съ кинжаломъ вторженная въ сердце Гишпаніи, изображаетъ кровожаждущее его желаніе и дѣйствіе; тиранство, варварство, подлость и лицемѣріе, суть его знамена, кои распространяясь на большой части земнаго шара, повсюду производили опустошеніе голодъ и пламя.

Дьяволъ Франціи или хромоногой бѣсъ.

1) Мухоморъ, представляетъ его происхожденіе; Крокодилъ, изъясняетъ его надмѣнный переходъ въ Египетъ, его отреченіе отъ вѣры и бѣгство отъ своей арміи; кровавая перчатка, Гіольотины, и черный кол..... суть принадлежности изверга.....

2) Представляетъ разстрѣливаніе 800 не..... Турецкихъ плѣнныхъ близь..... по приказанію Бонапарта.....

3) . . . . . .

4) . . . . . .

5) Здѣсь Извергъ доказываетъ свои злодѣянія, призываетъ Папу въ Парижъ на поносное свое коронованіе, гдѣ возлагаетъ на себя одною рукою желѣзную Корону а другою изторгаетъ власть у Главы Католической Церкви.

6) Ужасное изображеніе пытки Англинскаго Патріота Капитана Райта, и мучительное его умерщвленіе за то, что онъ не согласился быть измѣнникомъ своему Отечеству и Государю.....

Дьяволъ Корсики..... Упоенный безпредѣльною надмѣнностію, имѣя на головѣ желѣзную корону съ терновникомъ, уничтожаетъ бытіе свободы, иго тиранство. . . . . .

---

[1]) Недостающія мѣста текста обозначены точками.

418. «Казацкая шутка».

«Въ Берлинѣ прогуливался по липовой алеѣ французскій плѣнный, въ прежнемъ своемъ мундирѣ, у котораго онъ наотворотахъ не догадался отпороть пришитой литеры № съ короною на верьху, Встрѣчается съ нимъ Казакъ: махомъ повалилъ его, притиснулъ колѣномъ, вынулъ большой ножъ, и — отпоровъ ненавистное изображеніе, поднялъ опять на ноги испугавшагося француза, поцѣловалъ его, и взявъ за руку пріятельски, пошелъ съ нимъ въ ближайшій питейной домъ.

Иванъ Теребеневъ».

На картинкѣ представленъ козакъ, срѣзывающій ножомъ пуговицу съ фалды, поваленнаго имъ на землю, французскаго солдата.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

419. Французское воспитаніе.

Гувернеръ надѣваетъ на мальчика колпакъ съ бубенчикомъ и съ надписью:

«Названія всехъ наукъ, познанія о удовольствіяхъ Парижа».

Сзади гувернантка надуваетъ ему въ голову, ливеромъ (съ надписью: «постоянство»): «французской языкъ (,) безстыдство (,) егои(з)мъ (,) вольнодумство»

Мальчикъ бьетъ въ барабанъ, и шествуетъ въ: «храмъ почестей».

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

420. Еще французское воспитаніе.

«1) Мамзель, изглаживаетъ предками боготворимые правила*) показывая что они не приличны французскому вкусу. — 2) Мосіе, очистя отъ низости заниматься хозяйствомъ Господина, усыпляетъ его опаражнивая карманъ. 3) Мосіе, усыпя на французскихъ розахъ Госпожу, отравляетъ ея сердце разруша обязанности супруги и матери.»

Все это представлено въ лицахъ. Крѣпкая водка, въ листъ, вдлинну.

---

421. «1. Жидъ обманываетъ вещами, 2. Цыганъ лошадьми. 3 Французъ воспитаніемъ 4—Которой вреднѣе?»

Все это представлено въ лицахъ; французскій гувернеръ держитъ въ рукѣ билетъ, съ надписью: «10 Рубл. зачасъ». За столомъ учится мальчикъ; подлѣ него лежатъ книги: «le itateur (?) par Pigault le Brun, nonny (?) soit qui mal y pense—oeuvre de Voltaire — La france».— На полу разбросаны: «законы—сочиненія Россійскихъ авторовъ, россійская грамматика, катихизисъ».

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

422. Французскій парикмахеръ».

Онъ сдѣлалъ мужу прическу съ высокими рогами. Справа (3) жена причесаннаго и (4) ея мать. Подписи: «1. Что ето значитъ? 2. Мосіе!—ето неперемѣняемый въ Парижѣ фасонъ.— » — 3. Что же дѣлатъ м'ами коли законъ вкуса таковъ! 4. Ахъ какъ это нежно!!...»

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

*) Раскалываетъ стрѣлою десять заповѣдей.

---

423. «Дѣятельность француженки въ магазинѣ».

На постелѣ лежитъ толстая мадамъ, передъ нею двое ухаживателей; одному изъ нихъ, который читаетъ письмо, она подаетъ цвѣточекъ; въ растворенную дверь видны, въ другой комнатѣ, три швеи и двое ухаживателей. Внизу подпись: «1) завтра здесь у Мадамъ въ 2. часа я буду. — и увенчаетъ насъ любовь» и «2) каковъ мой пароль д'онеръ — ?»

Плохая крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

424. «Мадамовъ изъ Москвы вить выгнали».

Модныя торговки бѣгутъ вонъ изъ Москвы.

Вереднѣ стоитъ верстовой столбъ съ надписью: «дорога въ Парижъ».

Внизу подпись: «Ни гдѣ по дорогамъ не задержали, а съ честью крестьянки провожали.»

Двѣ крестьянки и мальчишка бѣгутъ за мадамами съ ухватомъ, плетью и метлой; сзади стоитъ крестьянинъ съ граблями.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

425. «Учителя и артисты французскіе оставляютъ Москву.»

Поваръ, кучеръ, виноторговецъ, музыкантъ и модная торговка.

«Прощай Москва! есть чѣмъ насъ вспомнить!»

Довольно плохая картинка крѣпкой водкой.

426. Изгнаніе изъ Москвы французскихъ актрисъ.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну, безъ всякихъ подписей.

Двѣ актрисы и два актера ѣдутъ на дрогахъ, наполненныхъ разными костюмами, масками и декораціоннымъ хламомъ. Впереди пляшетъ балетмейстеръ; шествіе заключается тремя актрисами, идущими въ ногу, въ бѣлыхъ платьяхъ и цвѣточныхъ гирляндахъ.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

427. «Ополченіе 1812 года.»

Крѣпкая водка въ малый листъ.

Старикъ крестьянинъ благословляетъ образомъ богоматери своего сына, идущаго въ ратники. Сзади мать жена и дочь ратникъ и солдатъ ружьемъ.

---

428. Возвращеніе изъ ополченія въ 1815 году.

Отецъ, мать и жена, встрѣчающіе возвратившагося изъ ратниковъ крестьянина.

Дружка предущей картинкѣ.

Во второмъ изданіи этаже доска отпечатана съ другой подписью: «возвращеніе Ополченныхъ». Въ библ. Акад. Наукъ.

---

429. «Наполеонъ размышляющій послѣ сраженія при Краснымъ.»

«Гдѣ моя Слава которая сопутствовала сомною во всѣхъ моихъ дѣлахъ.
Гдѣ мои Лавры которыми я украшался, Гдѣ мои воины, которыя раздѣляли сомною труды и славу.
Гдѣ моя Артиллерія, которой трепетали, всѣ народы Европы.
Р. В. Л.

Всрединѣ стоитъ Наполеонъ, съ ослиными ушами. Слава отлетаетъ отъ него прочь: «я оставляю тебя Наполеонъ».

Внизу, слѣва, козакъ увозитъ пушку: «. . . нагайками отбили».

Справа, изъ земли, выглядываютъ воины Наполеона, обращаясь къ нему съ слѣдующими словами: «мы здѣсь В. В.» — Вы въ Россіи получили себѣ новыя лавры — «. . . мы здѣсь Ваше Величество».

Справа же видѣнъ: «Городъ Красной».

---

430. Наполеонъ послѣ сраженія подъ Малоярославцемъ.

Его рветъ; маршалъ поддерживаетъ ему голову: «Не мудрено, лѣкарство руское»; другой маршалъ подтягиваетъ ему животъ ремнемъ: «Смотри, Чтобъ нелопнулъ!»

Внизу валяются разные стклянки съ лекарствомъ и рецепты: «Dessanteen Angletevre — Eoquí uduio angucit d'Auiminn (sic). — Plan de bataille — 1813 года — Proget de la conquete de petersbourg et de la Finlande. Paris. № 12 — Pour M Napol. рвотное аптека подъ малоярославцемъ.»

Картинка грубо гравированная крѣпкой водкой.

---

*

431. «Русская старуха изъясняетъ Наполеону видѣнный имъ въ Москвѣ сонъ о трехъ стаканахъ».

Наполеонъ сидитъ за столомъ. Подлѣ стоитъ Маршалъ. Старуха указываетъ имъ на драку двухъ пѣтуховъ, изъ которыхъ одинъ, съ надписью: «Россія», заклевалъ другаго, съ надписью: «Франція».

Подъ картинкой подпись:

«Нап. Что значитъ три стакана, виденные Мною въ Москвѣ, изъ коихъ! одинъ былъ пустой, другой съ водою, а третій съ кровью.

Стар. Пустой стаканъ означаетъ, что сія война начата тобою изъ пустаго тщеславія и гордости; Стаканъ съ водою значитъ слёзы бѣдныхъ невинныхъ и раззоренныхъ войною людей, а послѣдній, наполненный кровію, изображаетъ человѣческую кровь пролитую въ сію ужаснѣйшую войну».

Довольно хорошо выполненная, крѣпкая водка.

---

432. «Духъ неустрашимости Русскихъ.»

«Примѣрная твердость духа въ двадцати Русскихъ Крестьянахъ, коихъ Наполеонъ въ Москвѣ безчеловѣчно осудилъ разстрелять за ихъ любовь къ вѣрѣ, Государю и Отечеству. Сынъ Отеч. 1812 г. № 6. стр. 244.»

Разстрѣливаніе происходитъ у кремлевской стѣны, въ виду успенскаго собора. Стрянчій держитъ въ рукахъ: «приговоръ».

Надъ разстрѣливаемымъ крестьяниномъ надпись:

«Помилуй меня, Господи! Прощайте, добрые люди!»

---

433. «Наполеонъ съ Принцами своими и Маршалами занимается въ Москвѣ выжигою и переплавливаніемъ награбленнаго ими серебра и золота изъ утварей и другихъ вещей. Правда сущая.»

«Евгеній — Ней и Мюратъ» хлопочутъ около лабораторной печи; «Удино и Даву» разбираютъ вещи; справа сидитъ съ вѣсами «Наполеонъ», на столѣ лежитъ «Бюллютень».

На верху надпись: «Наполеонъ сидитъ за столомъ и взвѣшиваетъ награбленныя вещи; передъ нимъ лежитъ бюллетень, въ которомъ извѣщаетъ онъ своихъ подданныхъ, что участь Россіи уже кончена. Удино побѣжденный и раненой стоитъ на деревяшкѣ передъ великимъ Героемъ и держа въ рукахъ женскую парчевую юбку спрашиваетъ куда ее дѣть? Хорошо для выжиги отвѣчаетъ Наполеонъ. Мюратъ стоитъ у очага и держитъ на огнѣ кастрюлю съ выжигою; Евгеній поддуваетъ мехомъ, Ней подкладываетъ угольи, а Даву изъ разбросанной по полу утварей и другихъ вещей выбираетъ лучшее для Наполеонова Музеума».

Плохая гравюра очеркомъ.

---

434. «Кухня главной квартиры, въ послѣднее время пребыванія въ Москвѣ».

Стряпня въ полномъ ходу; одинъ поваръ жаритъ на вертелѣ кошку; вертелъ вертитъ гвардеецъ; надъ нимъ надпись: «Tout les bons Citoyens So(n)ut inocite (invité) d'apporter leurs Chats au Quartier Général» и «Pour 100 Grenouilles noublessi (?) la crois de la legion d'honneur»,

Другой поваръ жаритъ на вертелѣже лягушекъ; третій мѣситъ тѣсто на столѣ, на которомъ разложены лягушки, крысы и вороны.

Впереди, на полу, пять мышеловокъ, съ вензелемъ Наполеона: «N». Гвардеецъ, ставши на колѣно разсматриваетъ ихъ; другой гвардеецъ разсматриваетъ въ лорнетъ, прибитое къ стѣнѣ меню:

«Ordre du jour».

1

Souppe au Corbeaux

2

Compotte d'Anguille
et de bétes raues.

3

petit paté'au Grenouilles

4

fris Cassé de Cheual au pomes de terres

5

Boef à la mode (comme on manque de Boef on se servira du Cheval)

6

un chat et une douzaine de Grenouilles rotti

7

Gigot de cheval

Déssert

1

du fromage auec des Grenouilles fumé

2

des Gateaux à la crême au Souris.

Подъ картинкой: «рисовано съ Натуры, Самовидцомъ.»

435. «Бонапартъ валяется въ снѣгу».

«Съ досады и узнавъ, что близко казаки, кричитъ: я пропалъ! и чиновники его утѣшаютъ и сземи подымаютъ.»*)

Вдали видѣнъ: «Городъ Вильна».

Очень плохая крѣпкая водка, въ листъ, которая, какъ видно изъ надписи (вверху, справа) была приложена къ: «№ 6, Москов. ведомостях.»

Подъ картинкой напечатаны, типографскимъ шрифтомъ, слѣдующіе стихи:

«Эй Бонапартъ убирайся,
И на снѣгу неваляйся,
Скоро казаки нагрянутъ,
Долгимъ орканомъ притянутъ,
И тебѣ адскому сыну
Вздуютъ нагайками спину.
Встань, поскорѣй убирайся,
Бѣгствомъ постыднымъ спасайся;
Иначе здѣсь ты погибнешь
И свои кости покинешь.
Жаль! угорѣлъ ты бѣжавши,
И свою честь потерявши.
Гонятъ въ Парижъ тебя къ дому,
Точно изъ рая къ Содому.
Рускихъ теперь ты знать будешь,
Ранъ и стыда не забудешь.
Видно, что ты Бонапартъ
Гришкѣ Отрепьеву братъ.

Рисов. и стихи соч. Александръ Смирновъ».

*) Эта подпись отпечатана типографскимъ шрифтомъ.

436. «Смотръ Французскимъ войскамъ на обратномъ ихъ походѣ чрезъ Смоленскъ.»

«Хотя одеты некрасиво да тепло: а это главное дѣло!»

Гамбургск. корресп. Gazette du Dep. des Bouches de l'Elbe, 1812. № 780. письмо изъ Варшавы отъ 15. ноября.»

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

437. Бѣгство Наполеона.

Онъ бѣжитъ съ непокрытой головой, съ «бюллетенемъ» подъ мышкой и штофомъ, съ надписью: «рвотное», въ рукѣ. Его рветъ обломками якорей и разными бумагами («le progrès № 10.000»—«le projet № 10.000»).

Ратникъ, съ вилами и крестьянинъ, съ топоромъ, кланяются ему, съ словами: «прощай братъ! Кланяися своимъ да незабывай и нашихъ».

Надпись на ярлыкѣ, привязанномъ къ штофу съ рвотнымъ: «Аптекарь руской солдатъ. Pour M Napoleon. душа мѣра принимать лишъ бы почаще По повеленію Рускаго воинства.

Аптека подъ Малымъ Ярославцемъ.»

Плохая крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

438. «Рыцарская поѣздка Наполеона изъ Варшавы, съ Коленкуромъ и Дюрокомъ.»

Наполеонъ сидитъ по шею въ боченкѣ: съ боку воткнуто знамя, съ надписью: «Napoleon». Надъ Наполеономъ, кромѣ того, надпись: «Ни одинъ Императоръ нѣезжалъ такъ великолѣпно».

Везутъ Наполеона на дровняхъ, въ одиночку. Сзади сидитъ Дюрокъ въ чепчикѣ, надувая въ кулаки: «Какъ мнѣ писать бюллетени о побѣдахъ нашихъ! руки у мени окостенели». Далѣе, верхомъ на клячѣ, сидитъ Коленкуръ, съ орломъ на рукѣ. Надъ нимъ надпись: «1819», «Что можетъ быть хуже должности шталмейстера.» Слѣва стоитъ верстовой столбъ, съ надписью: «въ парижъ»; впереди бѣжитъ заяцъ; надъ нимъ надпись: «Наполеонъ мнѣ ни въ чемъ не уступаетъ».

Картинка гравирована крѣпкою водкой на мѣди.

---

439. «Побѣдитель мира выѣзжаетъ изъ Россіи въ лубковомъ ящикѣ.»

«Сынъ Отеч. 1813 года № 4. стр. 193.»

Наполеонъ ѣдетъ въ польской телегѣ, запряженной парой, въ дышло; на козлахъ правитъ полякъ.

Плохая крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

440. «Благоразумная ретирада доставляетъ мнѣ спокойствіе».

Наполеонъ скачетъ въ дровняхъ, въ одиночку. На козлахъ правитъ польскій уланъ*); на запяткахъ стоятъ два маршала. Въ рукахъ Наполеона бумага, съ надписью: «Grand projet de perdre l'Angleterre».

Вдали видно поле съ бѣгущимъ войскомъ; пополю разбросаны: «Noble et grand Projet de ruiner la Russie « — Chine — projet pour une fête à Petersburg.» На брошеномъ зарядномъ ящикѣ надпись: «Caison. Gardes Imp. Elites il». —

Хорошая крѣпкая водка.

*) Самъ Наполеонъ погоняетъ лошадей кнутомъ.

---

441. «Retirade en bon Ordre.

Отступленіе въ полномъ порядкѣ».

Въ воздухѣ два воздушныхъ шара. На среднемъ, съ надписью: «Quartier Général—главная квартира», сидитъ Наполеонъ и пишетъ: «Nous avons decreté — Мы повѣлели».

Книзу отъ негоже подпись: «Adieu mes braves — Прощайте храбрые». Камердинеръ Наполеона обшитый, весь мѣхомъ, выставилъ градусникъ; на бумагѣ, которую онъ держитъ въ рукѣ, написано: «22 Gd. d'aprés Reaum — 22 Градуса мороза.»

На этомъ шарѣ сидитъ дьяволъ, который держитъ на возжахъ двухъ летящихъ орловъ, въ коронахъ. У одного изъ нихъ листъ съ надписью: «Mon 29 me Bulletin — 29-ой бюллетень»; у другаго листъ, съ надписью: «au Duc de Bassano — Герцогу Бассану».

Пониже летитъ, верхомъ на знамѣ, «Grand Ecuyer — Оберъ Шталмейстеръ»; онъ кричитъ: «Chevaux de Poste, l'empereur avance — Почтовыхъ лошадей Императоръ впереди».

На второмъ воздушномъ шарѣ, слѣва, сидятъ: «Маршалы франціи въ дѣйствіи — Les Meréchaux de France en Activite.»

Съ Наполеонова шара ихъ спрашиваютъ: «Que faites vous la? Что вы тамъ дѣлаете?»

Они отвѣчаютъ на это: «Nous jouons à la grande patience!— Играемъ въ Грандъ Пасіансъ!»

Между двумя шарами протянута веревка, по которой перебирается «Macdonald — Макдональдъ».

Насчетъ этой переправы Маршалы замѣчаютъ: «Bonne mine à mauvais jeu — Хорошъ видъ но дурна Игра».

Внизу, слѣва, представлено обширное кладбище. Посреди его черное знамя съ мертвой головой вверху, и надписью: «Quartier d'hiver de la grande Nation.—Зимняя квартира великой націи». На памятникахъ кладбища надписи: «Invicibles — Непобѣдимые» «Elites — Избранные»; «Храбрые — Les Braves.»

Вредине поле битвы, покрытое убитыми, ранеными и замерзшими. Справа верстовой столбъ, съ рукою указывающею: «à Varsovie! — въ Варшаву!»

Подъ картинкой подписано: «достатъ въ б. Мешанскоя Н° 88.»

Картинка гравирована крѣпкой водкой, въ листъ, вдлинну. Въ моемъ собраніи находится экземпляръ другаго изданія этой картинки. Въ немъ подпись вверху слѣдующая: «Retirade en bonne Ordre». Затѣмъ всѣ прочія подписи тѣже, за исключеніемъ подписей: «Отступленіе въ полномъ порядкѣ» и: «достатъ въ б. Мешанской Н° 88», которыхъ во 2-мъ изданіи нѣтъ.

---

442. «Чтожъ, батюшка, бѣжишъ — вотъ хлѣбъ соль для твоей милости — али не слюбилася?

Два мужика подносятъ Наполеону на блюдѣ солонку, дубину, топоръ и гранату.

Наполеонъ бѣжитъ отъ нихъ всторону.

Плохая картинка въ листъ, вдлинну; гравирована карандашнымъ манеромъ.

---

443. «Наполеонова Ретирада изъ Россіи съ Французскими Генералами».

Плохое подраженіе Теребеневской гравюрѣ (№ 387). Генералы въ разныхъ костюмахъ. Лошади разбили ихъ, и они незнаютъ, что дѣлать.

---

444. «Когорты (Посольство отъ ополченій и Наполеоново бѣгство изъ Россіи со Славою.»

«Сынъ Отеч. 1813. № 6. стр. 301.» Наполеонъ бѣжитъ влѣво, занимъ летитъ, вверхъ ногами, трубящая слава; навстрѣчу

ему выступаетъ свинья, съ ружьемъ на плечо, и конвертомъ въ зубахъ; на конвертѣ надпись: «Когорта 1. Конскрипція»—«вашу вашу славу увеличимъ». Изъ облаковъ высовывается козакъ, съ нагайкой въ рукѣ.

Плохая крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

445. «Не все коту Масленица».

Наполеонъ, скатившись, съ своимъ орломъ, съ ледяной горы, лежитъ вверхъ тармашками. Сверху съ горы смотрятъ на него козакъ и калмыкъ.

Плохая крѣпкая водка, въ листъ, вдлинну.

---

446. «И на нашей улицѣ праздникъ кричитъ прусакъ.»

Прусскій солдатъ, козакъ и калмыкъ вертятъ качели, съ которыхъ летитъ Наполеонъ, растерявъ шляпу и шпагу; Слѣва видна группа танцующихъ. Дѣло происходитъ въ публичномъ саду.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

447. Бѣгство Наполеона.

«Постойко, не въ свои ты сани братъ садишься!
Ты править нашею лошадкой не годишься.
Вонъ у тебя и четверня,
Не стоитъ одного ретиваго коня!

И. И. (Иванъ Ивановъ).»

Наполеонъ сидитъ на салазкахъ, запряженныхъ въ одиночку, и замахивается на лошадь саблей; лошадь брыкается; крестьянинъ останавливаетъ ее за возжу. Вдали видны сани, заложенныя четверней клячь. На козлахъ сидитъ: «мин. полиц.», на запяткахъ стоитъ: «хран. сенатъ», а на задкѣ саней орелъ и надпись: «Импя Фра — я».

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

448. «Зимнія Наполеоновы квартиры.»

Наполеонъ и его армія сидятъ по шею въ снѣгу. Одинъ изъ маршаловъ: «ай, ай, ай, онъ чуть не погибаетъ.» Другой: «что повелите возвѣстить въ Парижскомъ Бюллетенѣ?»

Наполеонъ: «провалъ бы тебя взялъ! — Ну скажи, что въ зимнихъ мы квартирахъ, и теплыхъ и просторныхъ: (гдѣ снѣжной студени хотя не объѣдайся). Скажи, что въ Троицынъ я день обѣдать буду дома. — Скажи, что для сынка я своего другой престолъ изъ Льдовъ сооружаю. Да всевозможно постарайся скрыть отъ Англичанъ, что Русскіе чортъ знаетъ насъ куда загнали. Прибавь еще, что Козаки.... Постой! объ нихъ изъ всей ты мочи лги. — короче! говори ты всё кромѣ правды.»

Плоxая крѣпкая водка въ листъ вдлинну.

---

449. Зимнія квартиры.

Наполеонъ погрудь въ снѣгу; два маршала спрашиваютъ его: «Какъ прикажите написать въ Бюллетенѣ? Пишите: — остановились на зимнихъ квартирахъ.»

Картинка гравирована карандашной манерой, въ малый листъ.

---

450. «Зимнія квартиры французской арміи».

Люди и лошади, кто попоясъ, кто пошею въ снѣгу. Внизу подпись: «Бертье. Что прикажете написать въ бюллетенѣ Ваше Величество? Наполеонъ, напишите что армія наконецъ расположилась на покойныхъ и теплыхъ зимнихъ квартирахъ.»

Плохая гравюра крѣпкой водкой и пунктиромъ въ 4-ю долю, вдлинну.

---

451. «Ретирада Наполеона изъ Москвы на зимнія квартиры.»

Наполеонъ, маршалы и воины по поясъ въ снѣгу.

Наполеонъ: «скажите что я скоро со славою расположусь на зимнихъ квартирахъ.»

Трубачь: «Какъ прикажите вострубить вашу славу въ бюллетенѣ?»

Надписи подъ маршалами: «Это Молодецъ викторъ, является вездѣ а не видно нигдѣ то подъ Осташковымъ то подъ Торопцомъ то подъ Новымъ городомъ. —

Мужественный Даву, потерялъ булаву. —

Храбрый Ней, побѣжалъ отъ Краснаго гонять голубей.»

Плохая гравюра на мѣди.

---

452. Ночной Кошемаръ.

Картинка, гравированная крѣпкой водкой извѣстнымъ граверомъ нашимъ К. Я. Аоонасьевымъ; въ моемъ собраніи экземпляръ безъ всякихъ подписей *).

*) Сзади сдѣланы перомъ слѣдующія помѣтки Константину Яковлевичу превождаю три картины для раскраски одна въ цензуру другая для меня третія сія для васъ (.) рослешовъ.

Другихъ экземпляровъ я не видалъ. Наполеонъ лежитъ въ кошемарѣ; на груди его сидитъ толстый Нѣмецъ (Блюхеръ), запустивъ руки въ штаны; онъ куритъ изъ коротенькой трубочки и пускаетъ дымъ огромными клубами, прямо въ лицо Наполеону.

---

453. Неправильная ретирада.

Три солдата, полуодѣтые въ разное отребье, идутъ влѣво; у середняго изъ нихъ вмѣсто волосъ на головѣ змѣи; онъ держитъ маску и опорожненную бутылку, съ надписью: «Рейнской союзъ».

Справа рыбакъ въ лодкѣ; онъ спрашиваетъ удаляющихся: «Да что-же недолго въ Россіи погостили?....»

Крайній солдатъ отвѣчаетъ: «Столько было въ планѣ!»

Слѣва, какой то господинъ, съ длинной косичкой, забравшись на лѣстницу, смотритъ въ зрительную трубу и говоритъ: «какая неправильная ретирада».

Внизу подъ ямъ стоитъ человѣкъ съ волчьей головою, въ крылатой шапкѣ (сборщикъ податей); онъ держитъ за ноги французскихъ крестьянъ, надъ которыми надписано: «Конскрипція» и «Контрибуція».

Плохая крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

454. «Обратный проходъ Наполеоновой гвардіи чрезъ Вильну.»

Офицеръ и солдаты одѣты въ разное отребье; кто въ женскомъ салопѣ, кто въ поповской рясѣ.

Картинка въ листъ вдлинну, гравирована карандашнымъ манеромъ.

---

455. Ретирада французской арміи.

«Военное одѣяніе французской Гвардіи, во время какъ большая армія **свободно** производила **попятное** движеніе свое отъ Москвы къ Вильнѣ, за Вислу, Одеръ, Ельбу, и проч: и проч; рисовано съ натуры, въ концѣ 1812 года подъ Вильною. —

Costume militaire des gardes, Francaises, au moment ou la grande armée operoit **librement** son **mouvement retrograde**, de Moscou à Wilna, et de la, à la Vistule, l'Oder, l'Elbe, etc, etc, dessiné daprès nature à la fin de 1812, près de Wilna. Грав. М. Богучаровъ.»

Восемь (I — VIII) французскихъ воиновъ, одѣтые въ разное награбленное ими отребье.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну. (Въ биб. Академіи Наукъ).

456. «Французы въ Россіи.»

«Постой бусурманъ! я и тебя накормлю». Французскій солдатъ гложетъ кобылью кость; слѣва, ратникъ прикалываетъ другаго француза, штыкомъ въ горло; третій французъ проситъ у него пощады.

Плохая картинка въ малый листъ; гравированная карандашной манерой. (Въ биб. акад. наукъ).

---

457. «Переодетыя французы катаются на рѣкѣ Днѣпрѣ.»

Они катаются на конькахъ; двое изъ нихъ (впереди) упали; одинъ другому выкололъ палкой глазъ.

Картинка хорошо выгравированная на мѣди, крѣпкой водкой.

---

458. «Чрезвычайная французская почта въ Парижъ.»

Восемь генераловъ, верхомъ на одномъ ослѣ. Надъ ними знамя съ вензелемъ Наполеона «N» и надписью: «La Grande Nation». — «Вотъ что! seht da!». — «Со Славою — лыжи навастриваю!!!» Mit Ruhm geb'ich das Fersengeld!!!»

Впереди летятъ два гвардейца, верхомъ на орлахъ: «Идетъ великій, Er kommt der Grosse».

Сзади почты летятъ два поляка: «помилуйте возмите насъ собой — Erbarmt Euch nehmt uns mit».

Подъ хвостомъ у осла виситъ крошня, въ которой сидитъ барыня, съ подписью: «бодры господа! Courage meine Herrn!»

Внизу: «Ausserordentliche französische Reitpost von Moscau nach Paris.»

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

459. «Завтракъ воиновъ французской побѣдоносной арміи.»

Двое французовъ въ отребьяхъ; у каждаго одна нога въ сапогѣ, другая въ лаптѣ. Одинъ другому предлагаетъ кусокъ конины: «voulez vous du caniak (*)»

«(*) Извѣстно, что французы называли конукомъ, кобылятину отъ слова конёкъ».

Плохая крѣпкая водка, въ 4^{-10} долю листа.

---

460. «Не знали мы мыслей французскихъ, а имъ хотѣлось только воронъ русскихъ.»

Два француза дерутся изъ за вороны: «Подѣлись, mon comarade, дай крылошки» — Ну быть такъ возьми піорошки». Сзади двое другихъ оборванцевъ; одинъ стрѣляетъ въ ворону, другой бѣжитъ ловить ее.

Плохая крѣпкая водка.

---

461. «Французы голодные волки терзаютъ барана.»

На французскихъ мародеровъ напали козаки, и отбиваютъ у нихъ барана:

«Этотъ кусъ, не для вашихъ устъ.

Негодные басурманы Ступайтеко сами на Пики и Арканы. Произшествіе Описан. въ Сыне Отеч. 1812 г. № 3. стр. 115.— Издано 1813. г. Генваря 28 дня.»

Плохая крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

462. «Хлѣбосольство отличная черта въ характерѣ народа Рускаго.»

«Великодушные воины Графа Витгенштейна отдаютъ свою порцію голоднымъ плѣнникамъ французскимъ Журн. Сынъ Отеч. 1813. г. № 6. стр. 295. Издана Февр. 14. И. И. (гравировалъ Ив. Ивановъ).»

Русскіе солдаты угощаютъ оборванныхъ французовъ хлѣбомъ и щами.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

463. «Французы испугавшіеся козы.»

«Сынъ Отечества 1812. г. № 9. стр. 128.» Четыре француза бѣгутъ опрометью вонъ изъ избы, опрокинувъ столъ и все что на немъ было. На дворѣ заблѣяла коза,—на вопросъ ихъ, кто это кричитъ? старуха отвѣчаетъ: «Тамъ родные въ Клѣву (коза)». Французы, первый: «Куда Коза?»; второй: «Надворъ Козакъ»; третій: «А что Куда Козакъ»?

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну (См. Теребеневъ, № 391).

---

464. Еще французы, испугавшіеся козы.

Тоже происшествіе, другой рисунокъ. Старуха говоритъ: «тамъ въ хлеву родные Коза».

Одинъ изъ мародеровъ стоитъ передъ нею на колѣнахъ: «Ахъ! пардонъ мадамъ! Двое другихъ бѣгутъ вправо: «Куды! Козака?»— «Козакъ! Козакъ!»

Плохая крѣпкая водка въ большой листъ, вдлинну.

---

465. «Худо въ карты играть а козырей не знать.»

На картинкѣ представлены французскіе мародеры, пировавшіе въ барскомъ домѣ и всполошившіеся пріѣздомъ козаковъ. Они прячутся въ разныя стороны; пятеро изъ нихъ тащутъ своего генерала кверху, на веревкахъ. Подъ однимъ изъ подымающихъ подпись: «Господа — эта ворона намъ не оборона». Подъ картинкой: «Убирайтесь скорѣе, а не (то) Рускіе примутъ васъ за хохолъ изъ жур. сын. отеч. но. 4. 1813-го стр.»

Картинка гравирована на мѣди крѣпкой водкой. (Въ Пуб. биб.)

---

*

466. «Французская отака руской бани». «Пугапая ворона и куста боится.»

Двое французовъ летятъ съ лѣстницы, по которой они взбирались на банный чердакъ, къ спрятавшейся въ снопахъ крестьянкѣ. На вышкѣ сидитъ ворона. Справа видны бѣгущіе въ сторону отъ бани французы.

Картинка плохой работы крѣпкой водкой.

---

467. «Сѣверный Амуръ.»

Калмыкъ, стрѣляющій изъ лука въ французскихъ мародеровъ.

Картинка въ листъ, вдлинну, гравирована карандашной манерой.

---

468. «Чемъ Победилъ его Нагайкой.»

Казакъ гонится, съ поднятой ногайкой, за французскимъ кавалеристомъ.

Плохая картинка въ листъ, вдлинну, гравированная карандашной манерой. (См. Теребеневъ, № 389).

---

469. «Чѣмъ побѣдилъ онъ врага, нагайкой.»

Казакъ бьетъ нагайкой французскаго всадника.

Надпись вверху:

«Не дать ли еще разъ,
Чтобъ лутчше помнилъ насъ.»

Внизу: «Чѣмъ побѣдилъ онъ врага.»—Нагайкою. Сынъ Отеч. 1812 года. № 7. стр. 43.»

Гравюра крѣпкой водкой. (См. Теребеневъ, № 389).

---

470. «Русская пехота и французская конница.»

Ратникъ бьетъ прикладомъ упавшаго съ лошади кавалериста.
Внизу: «Коль мало штыка такъ вотъ те приклада».
Картинка гравирована крѣпкой водкой.

---

471. «Французы въ Россіи.»

«Постой басурманъ я и тебя наколю. . . .»

Эти слова говоритъ ратникъ, который, прокололъ штыкомъ заразъ двухъ французовъ. Справа третій французъ гложетъ кусокъ конины.

---

472. «Казаки прокатываютъ Французскихъ Офицеровъ.»

«Изъ жур: Сынъ Отечества № 7-й. С. 45.»

Казаки прокатываютъ ихъ по полю, цѣликомъ, въ каретѣ парой; французы летятъ изъ дверей, вверхъ тармашками.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

473. Козаки, настигшіе французскихъ кавалеристовъ.

Одинъ козакъ колетъ гвардейца пикою, въ бокъ; другой беретъ гвардейцаже въ плѣнъ. На землѣ валяются трупы двухъ убитыхъ и лошадь.

Двухлистовая картинка, гравированная на мѣди; подлинникъ находится въ библіотекѣ Академіи Наукъ; внизу картинки помѣщенъ разговоръ между козаками и французами:

«Казакъ (.)

Прокляты стойте изуверы
за чемъ вы полагали мѣры
Вроссїйскїе града притечь
И вотъ за то теперь нашъ мечь
Васъ всехъ разитъ губить карать
И станетъ злобно умерщвлять (.)

Французъ(.)

О пане мои и господини
уими твой гневъ меня покини
я гибну ай пардонъ пардонъ
Молю не тронь меня не тронь
И тутъ казакъ ему въ ответъ
Молчать тебѣ пощады нетъ (.)

Другой французъ (.)

Ай ай пусти я умираю
Последни вопли изпущаю
О добрїй мой камратъ пустижъ
Мы скоро все уйдемъ въ парижъ
Ты видишъ мой нещастный стонъ
Сей часъ умру пардонъ пардонъ (.)

Другой казакъ (.)

Ахъ мерзкой ты и тутъ дерзаешъ.

И тутъ еще ты раздражаешъ
Ты знай казацкая рука
Мольбѣ не слушаетъ врага
И вотъ отвѣдай нашихъ пикъ
Не добрѣ знать нашъ руской штыкъ.»

---

474. «Казаки на бивакахъ».

«1. Чугуевской. 2. Лейбъ козакъ. 3. Уралецъ. 4. Донской. 5. Башкиръ. 6. Калмыкъ.»

Посредственно крѣпкая водка въ листъ вдлинну; внизу, справа, имя мастера: «К. Зендель».

---

475. «Казачья Аттака».

«Срисована съ натуры и посвящена Наполсону Великому. Гравировано 1813. г. Февраля 25 дня. Продается въ лавкѣ Московскихъ Глазуновыхъ подъ № 25.

Cosack mode of Attack.

Drawn after Nature and Dedicated to Napoleon the Great.»

Козакъ выскакиваетъ изъ за забора, съ пистолетомъ въ одной и копьемъ въ другой рукѣ, противъ двухъ Гусаровъ.

За заборомъ видны еще два козака.

Картинка въ листъ, вдлинну, гравирована рѣзцемъ.

---

476. Козаки, истребляющіе французовъ.

«Казакъ такъ петлей вокругъ шей
Французовъ удитъ какъ ершей
И малую сію скотину
Кладутъ въ корзину.»

На картинкѣ представленъ козакъ, у котораго на копьѣ, на веревочкѣ, виситъ французъ. Другой козакъ, справа, складываетъ битыхъ французовъ въ крошню.

Картинка хорошо выгравированная крѣпкой водкой.

---

477. «Освобожденіи изъ плѣну Генералъ Лейтенанта Барона Винценгероде и Атьютанта Ево Пальковника Парышкина.»

Плохая крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

478. «Казаки непріятеля побеждаютъ царствующій ргадъ (такъ) Москву отъ враговъ очищаютъ.»

Полулистовая картинка, очень плохо выгравированная на мѣди рѣзцемъ. Справа представленъ: «Петровской Дворецъ», а слѣва: Москва»; козаки скачутъ за французами и колютъ ихъ пиками.

---

479. Бабы бьютъ французскихъ мародеровъ.

Дружка предыдущей картинкѣ. Три бабы бьютъ французскихъ мародеровъ ухватами и лаптемъ. Справа крестьянинъ го-

нитъ мародера топоромъ. Подпись внизу картинки: Алчныя французы краважаждущія тигры наши имения похищаютъ испечки кушинія таскают и съ жадностію утробу свою насыщаютъ — Расъсердясь прошкина сноха и еремина невеска поднявъ свое орудие начали бить и таскать некому было и отънять а таварищи ево бежать и такъ имъ сказалъ лутчи отнихъ бежать чемъ отъ ихъ орудія умирать.»

Обѣ картинки находятся въ моемъ собраніи.

---

480. «Французы голодныя крысы, Въ Командѣ у Старостихи Василисы.»

Старостиха Василиса сидитъ верхомъ на клячѣ; въ одной рукѣ у ней коса, другоюже она грозитъ на трехъ мародеровъ, которыхъ привела къ ней на веревочкѣ пожилая баба. Передній изъ мародеровъ, полякъ въ конфедераткѣ, стоитъ на колѣнахъ; василисина собака лаетъ на него во всю мочь. Сзади Василисы ея свита: три дѣвки съ ухватами и парень съ косой; онъ кажетъ французамъ лягушку. Внизу, справа, пѣтухъ клюетъ золотаго орла Наполеонова.

Надпись вверху картинки, надъ старостихой Василисой:

«Знать вы въ Москвѣ-то не солоно похлебали
Что хуже прежняго и тоще стали
А кабы занесло васъ въ Питеръ
Онъ бы вамъ всѣ бока повытеръ»

Надъ мародерами:

«Добрыхъ людей,
Да званыхъ гостей,
Съ честію у насъ встрѣчаютъ
А незваныхъ нахаловъ,

Грабителей бусурмановъ
Съ безчестьемъ прогоняютъ
И кулакомъ провожаютъ»

(Баба провожаетъ пинкомъ крайняго изъ трехъ мародеровъ).

Очень хорошо выполненная и забавная картинка, гравированная крѣпкой водкой, почти однимъ очеркомъ; въ листъ, вдлинну.

---

481. «Наполеонова гвардія подъ конвоемъ старостихи Василисы».

Плохая крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

482. «Естьли французы не скакали такъ какъ крысы то не попалибы въ мышеловку къ Василисы.»

Василиса припираетъ дверь въ баню, въ которую забрались французскіе мародеры. Одинъ изъ нихъ силится пролѣзть въ дверь; умоляющія рожи двухъ другихъ высовываются изъ окошка.

Очень ловко сдѣланная крѣпкая водка.

---

483. «Русская—Героиня Дѣвица, дочь Старостихи Василисы.»

Она колетъ вилами лежащаго на землѣ француза. Внизу: «Ни лѣтать было **Галкѣ** въ нашъ Овинъ! Издана 1813 года Генваря 20 дня.» Крѣпкая водка въ 4-ю долю листа.

---

484. «Терентьевна докалачиваетъ башмакомъ безъ пардонаго французскаго Солдата.»

Терентьевна замахнулась башмакомъ на упавшаго, вверхъ тармашками, француза, который кричитъ:

«мадамъ Пардонъ!»

Внизу подпись: «Вотъ я тебѣ дамъ звонъ! Вотъ тебѣ разъ злодѣй, вотъ тебѣ другой бусурманъ, не очнись супостатъ.

Произшествіе Случившееся въ Москвѣ на Никольской улицѣ въ Октябрѣ 1812 года В. Лапинъ.»

Крѣпклю водка въ 4^{-10} долю листа.

---

485. «Французскіе Гвардейцы подъ конвоемъ бабушки Спиридоновны.»

Спиридоновна ведетъ на веревочкѣ двухъ мародеровъ, изъ которыхъ одинъ одѣтъ въ женскую юбку и капоръ, другой въ разное отребье. У Спиридоновны на плечѣ два ружья; а въ правой рукѣ сабля.

Сзади двое мальчишекъ подгоняютъ гвардейцевъ кнутомъ; у одного изъ нихъ, на палочкѣ навязанъ платокъ съ надписью: «napoleon».

Крѣпкая водка очеркомъ, въ листъ, вдлинну.

---

486. «Бабушка Кузьминишна угощаетъ французскихъ Мародеровъ Щами.»

Подпись внизу картинки: «Крестьянка Кузминишна 4хъ французскихъ мародеровъ горшкомъ щей и ухватомъ побѣждаетъ и

взявъ ихъ въ пленъ съ крестьянами къ Руской Воинской Командѣ Отправляетъ.

Кузминишна! ты достойна доброй Славы
взявъ 4-хъ французовъ точно какъ для Забавы.»

На картинкѣ представлены четыре мародера за столомъ; они разговариваютъ: «О недобрѣ супе! — Мадамъ! супе нехароша! — Комрадъ! добре здѣсь изъ костей развести бульонъ» — кароше».

Слѣва Кузминишна говоритъ имъ: — «такъ вотъ тебе доброй Супъ поганецъ, поневоли разхлебаешъ!»

Плохая картинка въ листъ, гравированная очеркомъ.

---

487. Твердость русскаго крестьянина.

«Героическая Твердость подъ Московной деревни Планковой восмидесятилѣтняго Старца, притворившагося Глухимъ для спасенія своихъ товарищей. — Сынъ Отеч. 1813. г. № 9. стр. 183.»

На крестьянина нападаютъ четыре француза. Надъ нимъ надпись: «воля ваша батюшка не слышу, я крѣпокъ на ухо, извольте сказать по громче. Ась?

Довольно хорошо, крѣпкая водка.

---

488. «Уральской козакъ Сила Вихревъ.»

«Происшествіе случившееся по освобожденіи Русскими Москвы — Козакъ захватя въ плѣнъ французскаго офицера и чрезъ нѣсколько улицъ провезъ и доставилъ его въ Кремль къ нашимъ войскамъ.»

Плохая картинка, гравированная крѣпкой водкой.

---

489. «Руской Ратникъ домой возвращаясь Для Куріозу ребятишкамъ бирюлекъ принесъ.»

Онъ несетъ на ружьѣ пять мертвыхъ французовъ; трое изъ нихъ висятъ на веревочкахъ, а двое взоткнуты на штыкъ. Сынишка ратника ѣдетъ впереди, верхомъ на древкѣ съ орломъ.

Грубая крѣпкая водка, въ малый листъ вдлинну.

---

490. «Руской мужикъ Вавила Морозъ на заячей охотѣ.»

Ратникъ, съ крестомъ на шапкѣ, гонитъ метлой и вилами Наполеона и французское войско, которые представлены въ видѣ зайцевъ, съ человѣческими головами въ треуголкахъ. На вилахъ у Вавилы уже навѣшено семь убитыхъ зайцевъ тогоже манера.

Надписи; надъ Вавилой:

«ату! ату! его — проклятый оборотень. — небось! — Коли недогоню, такъ мѣтлою достану! что покостникъ, шаловливъ какъ кошка, а трусливъ какъ заецъ! — своихъ разтерялъ да и самъ угналъ! явился, острамился и воротился — ау! братцы сосѣдушки, берегите поле не прозевайте вы Его!»

Надъ Наполеономъ:

«Екое чудо! даромъ что съ бородою а ни чемъ его не обманешъ и не испугаешъ лихо бы мнѣ добратся до своихъ земель а тамъ ужъ я налгу съ три короба!»

Подъ Маршалами, бѣгущими впереди:

«намъ бы спасти наши кошелечки съ золотомъ да наши жезлы — а прочее гори все огнемъ! здѣсь не до жиру а быть бы только живу.»

Грубая крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

491. «Володимерцы.»

«Усердіе и вѣрность Крестьянъ Сельца володимирова отъ Москвы въ 40 верстахъ случивш. они защищаясь сами собою отъ набѣговъ и грабительствъ французовъ, избавили какъ село, такъ и домъ Госпожи своей. Сынъ Отеч. 1812. г. № 10. стр. 180.»

Картинка представляетъ трехъ крестьянъ, которые, вооружившись вилами и топорами, съ крикомъ: «Козаки! Козаки! Козаки! Козаки!» выгоняютъ изъ барскаго дома трехъ французскихъ солдатъ; одинъ изъ этихъ солдатъ, въ турецкой чалмѣ, кричитъ Алла! Алла!»

На полу валяется книга: «М. И. Прянишн. 1812 г.» Вдали видны скачущіе козаки.

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

492. Русскій ратникъ Гвоздила и милицейскій Долбила.

Картинка въ листъ, гравированная на мѣди, лубочной работы.

Въ верхней половинѣ ея представленъ: «**Руской ратникъ Иванъ Гвоздила.**» Онъ колетъ косою французскаго мародера.

Надпись: «У басурмана ношки тоненки душа коротенка — што мусье промахнулся анъ вотъ тебе разъ другой бабушка дастъ».

На нижней половинѣ представленъ: «**Руской Миліцейской мужикъ Долбила.** Онъ бьетъ француза прикладомъ. «Вить очнется басурманъ не вдавайся братъ въ обманъ! — што мусье кувырнулся расъ два три ась не прибавитли мусье».

---

493. «Руской ратникъ Иванъ Гвоздила.»

Онъ колетъ косою французскаго пѣхотинца: «у бусурмана ножки тоненьки душа коротенька».

«Што, Мусье! промахнулся, анъ вотъ те разъ, другой Бабушка дастъ».

Крѣпкая водка очеркомъ, 4°.

---

494. «Руской Милиціонный Мужикъ Долбила.»

Замахивается прикладомъ на лежащаго на землѣ француза, котораго онъ уже прикололъ штыкомъ: «Вить очнется бусурманъ, Не вдавайся братъ въ обманъ.» —

«Што, Мусье! кувырнулся, разъ, два, три, ась? не прибавить ли Мусье?»

Тойже работы.

---

495. «Крестьянинъ Иванъ Долбила.»

«Постой Мусье, не вдругъ пройдешъ! здѣсь хоть мужики да— Рускіе». Крестьянинъ колетъ французскаго офицера вилами. Справа стоитъ цѣлый возъ съ убитыми французами. Слѣва удаляющіеся французскіе мародеры.

Внизу надпись: «Вотъ и вилы тройчатки пригодились убирать да укладывать, ну Мусье! полно вздрягивать!

Картинка хорошо награвированная крѣпкой водкой, въ листъ.

---

496. «Вологодскій Ратникъ».

«Ага! пардонъ колчаногой! поминай какъ тебя звали; сидѣлъ бы ты дома, такъ не докорналъ бы тебя Ерёма.» Ратникъ замахнулся топоромъ на упавшаго съ лошади француза, который кричитъ: «пардонъ!»

Плохая картинка крѣпкой водкой, въ листъ.

---

497. «С. Петербургской ратникъ Храбровъ. Ей Мусье! я Русакъ а не Прусакъ!»

Ратникъ замахивается топоромъ на упавшаго француза. Внизу: **«Въ согласномъ стадѣ волкъ не страшенъ и храбрость крѣпче стѣнъ и башенъ.»**

Крѣпкая водка грубой работы, въ листъ.

---

498. «Руской Сцевола.»

«Лишающій себя руку, чтобъ не служить Наполеону, врагу Отечества. — Произшествіе случившееся къ славѣ Россіянъ въ 1812 году во время вторженія французовъ въ Россію. Издано 11-го генваря 1813. И: И: (Иванъ Ивановъ гравировалъ).»

Хорошая крѣпкая водка, въ малый листъ, вдлинну.

---

499. «Руской Курцій».

«Ратникъ Московскаго Ополченія, жертвующій жизнію, въ намѣреніи, убіеніемъ избавить Отечество отъ злобнаго врага На-

полеона; вмѣсто его поражаетъ ошибкою Польскаго Полковника. Произше. къ славѣ Россіянъ случившееся во врѣмя вторженія французовъ въ Москву. изъ жур. сынъ Отеч. 1812. г. № 6 стр. 244. И. И. (гравировалъ Ив. Ивановъ)».

Плохая крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

500. «подъ Московной Крестьянинъ Сила Богатыревъ»

онъ замахивается топоромъ на стоящаго передъ нимъ, на колѣнахъ, француза: «Крестись Босурманъ, невидать тебѣ больше свѣта Божьяго! Издана 1813 года, Генваря 20 дня».

Довольно хорошо выполненная картинка крѣпкой водкой, въ 4-ю долю листа.

---

501. «бронницкой крестьянинъ Сила, сталкиваетъ французскаго марадера въ рѣку.»

«пришелъ ты неспросясь броду хлѣба просить, полезай же ты бусурманъ въ воду рыбу ловить».

Крѣпкая водка, въ листъ.

---

502. «Крестьянинъ павелъ Прохоровъ».

«Кричи Заморская гадина Пардонъ а не то головы долой».

«Хвала тебѣ и Честь доброй Павелъ!
Чрезъ Это дѣло ты себя Прославилъ».

Вверху надпись:

«Крестьянинъ Павелъ Прохоровъ, нарядившись въ казацкое Платье, увидѣвъ и догнавъ 5^ть^ французовъ погрозивъ имъ Нагайкою, заставилъ ихъ Кричать пардонъ!»

Картинка, гравированная очеркомъ 4^0^; на ней изображены четыре француза, на колѣнахъ передъ казакомъ; они просятъ о пощадѣ: «Казака! Пардонъ! — Казака Пардонъ! — на, на, Пардонъ!»

---

503. «Кириловецъ!»

Онъ рубитъ топоромъ французскаго офицера, который обороняется отъ него орломъ; у ногъ его уже лежатъ два зарубленые француза. Внизу подпись: «МноголиВасъ? аль всѣ ужъ!— Такъ кстати и досталь дорубить чтобъ впредь не тревожили».—

Картинка, хорошо выгравированная крѣпкой водкой, 4^0^.

---

504. «Сычевцы».

«Чудо богатырь города сычевки села Левшина, неустрашимостію и силою подобно Геркулесу затворя въ избѣ дверью привелъ вътрепетъ 31го француза, которые и взяты всѣ въ плѣнъ подоспѣвшими крестьянами. Сынъ Отеч. 1812. г. № 6. стр. 246».

Очень хорошая крѣпкая водка, въ листъ.

---

505. Корнюшка Чихиринъ.

Картинка въ большой листъ, гравированная на мѣди въ 1812 году. На ней представленъ, только что вышедшій изъ кабака, Корнюшка Чихиринъ; онъ держитъ къ народу рѣчь.

«Карпюшка Чихиринъ

Московской мещанинъ бывшій въ ратникахъ карпюшка чихиринъ, выпивъ лишній крючокъ, на тычке услышалъ что будто бонапартъ хочетъ итти въ москву. разсердился и разругавъ скверными словами всехъ французовъ, вышедъ изъ питейнаго дому заговорилъ подорломъ такъ.

Какъ. къ намъ. милости просимъ. хоть насвятки, хоть и намаслиницу. даптутъ жгутами девки такъ припопонятъ что спина вздуется горой. полно демономъ та наряжатся молитву сотворимъ такъ допетуховъ зг[п]ишъ. сидика лучше дома да играй вжмурки либо въ кулючки, полно тебе фиглярить. вить салдаты та твои карлеки, да щеголки, петулупа, неруковйцъ, нимолохая, ипонучь, не наденутъ ну где имъ руское житье бытье вынести, отъ капусты раздуетъ, отъ каши перелопаются, отъ щи задохнутся, акоторыя взиму та и останутся, такъ крещенскія морозы поморятъ, права такъ всїо беда уворотъ замерзать, надворе аколевать всеняхъ зазебать, въ избе задыхатся, напечи обжигатся, да что иговорить. повадился кувшинъ поводу ходить, тутъ ему иголову положить. карлъ та шведской пожилистей тебя былъ. даичистой царской крови дауходился подъ полтавой, ушолъ безъ возврату. да ипритибе будущихъ та мало будетъ. побоичей французовъ твоихъ были поляки, татары, ишведы, даитехъ старики наши такъ откачали что ипосю пору кругъ москвы курганы какъ грибы, аподъ грибами танхъ кости. нуптвоей силе, быть въ могиле, да знаешли что такое наша матушка москва вить ето негородъ а царство. утебя домата слепой, дахрамой старухи да ребятишки остались. ана немцахъ не выедишъ, они тебя смаху сами оседлаютъ а наруси што. знаешли ты забубенная голова. выведено 600. 000 дазабритыхъ 300.000 да старыхъ рекрутъ 200.000. авсю молодцы одному богу веруютъ, одному царю служатъ, однимъ крестомъ молятся. все братья родные да коли понадобится скажи намъ батюшка Александръ Павловичь сила християнская выходи. ивысыпитъ бесчотная, исвету божьева неувидишъ. ну

*

переднихъ бей пожалуй тебе ето посерд"у, зато остальные та тебя доканаютъ навеки вековъ. ну какъ же тебе кнамъ забрατся, нетокмо што ивана великова даипоклонной во сне неувидишъ. белорусцевъ возмемъ датебя вполше ипогребемъ. ну поминай какъ звали посему ипротче разумевай ненаступай, не начинай, анаправо кругомъ домой ступай, изнай изъ роду вародъ каковъ руской народъ

потомъ чихирінъ пошолъ бодро, изапелъ вополе береза стояла. анародъ смотря нанего говорилъ. откуда берется. ачто говорить дело, то ужъ дело.

---

506. «Тріумфальное Прибытіе въ Парижъ Наполеона».

Наполеонъ съ маршаломъ стоятъ на огромномъ ракѣ, который пятится задомъ впередъ. Въ рукахъ Наполеона суковатая палка, на которой висятъ: козакъ, солдатъ, калмыкъ (куклы), двѣ дохлыя кошки, крестьянская телѣга и разный хламъ.

Справа возвышается висѣлица, исправляющая должность тріумфальныхъ воротъ; на ней сидитъ оселъ, трубящій въ двѣ трубы; на перекладинѣ дощечка, съ надписью: «завоевателю свѣта»; подъ нею висятъ: двѣ дохлыя вороны, лапти, женскій чепецъ и разное отребье.

Внизу, на приближающагося тріумфатора, лаютъ двѣ собаки; вдали видѣнъ городъ въ огнѣ.

Плохая крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

507. «Торжественный въѣзъ Н..... въ Парижъ съ бирюльками».

Наполеонъ сидитъ верхомъ на деревянной лошадкѣ, которую тянутъ (въ тріумфальную арку) его маршалы.

Плохая картинка, гравированная крѣпкой водкой.

---

508. «Конскрипты великой фр: націи.»

Плохая гравюра крѣпкой водкой, въ листъ, вдлинну. Впереди ѣдетъ верхомъ жандармъ и тянетъ за собой рядъ общипанныхъ конскриптовъ, въ числѣ которыхъ находятся дѣти въ корзинкахъ, навьюченныхъ на ослѣ, и полураздѣтый больной на телѣжкѣ.

---

509. «Оправданіе Наполеона передъ Народомъ, по прибытіи его изъ Россіи въ Парижъ.»

Онъ стоитъ (съ саблей въ рукѣ) на ходуляхъ, подъ которыми поддѣланы лыжи, и говоритъ глазѣющимъ на него французамъ рѣчь:

«Кто смѣлъ разнесть толь ложны слухи,
Что будтобъ сталъ я меньше мухи?»

Французы кричатъ на это: «нѣтъ? великъ! великъ Наполеонъ!»

Справа подвигается великая армія, полуодѣтая въ разное отребье.

Крѣпкая водка, въ двойной листъ, вдлинну

---

510. «Н.... уже въ Сенатѣ, съ трофеями.—принимаетъ обращики контрибуціи и—сыну приготовляетъ корону, чувствуя дѣйствіе съ своей.»

Плохая крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

511. «Наполеонъ формируетъ новую армію, изъ разныхъ уродовъ и калекъ»

Впереди офицеръ нахлабучиваетъ шапку на какого-то полуумнаго; изъ кармана офицера высунулся листъ съ росписаніемъ: «рекру. шатодюн. 3. мелюн. 2. клермон. 1.»

Слѣва Наполеонъ приподнялъ за воротникъ новобранца-кавалериста. Сзади стоятъ толстые и усастые: «Польскіе козаки».

Крѣпкая водка въ листъ, вдлинну, работы: «И. И.» (Ивана Иванова).

---

512. «Большая французская армія или задача по Галлевой системѣ о уродливой головѣ разрѣшенная Рускимъ козакомъ».

Пятеро ученыхъ, разсматривающіе бюстъ Наполеона. На шею Наполеона надѣта желѣзная рогатка, точно такая, какую, еще незадолго до уничтоженія у насъ крѣпостнаго права, помѣщики надѣвали на провинившихся бабъ и дѣвокъ. Внизу сидитъ, развалясь, казакъ.

---

513. «Наполеонова дерзость завлад-ѣть цѣлымъ свѣтомъ.»

Онъ бѣжитъ, захвативъ обѣими руками земной шаръ, и говоритъ; «Я все возьму!» Его останавливаютъ козакъ и ратникъ, съ словами: «Сыне враже! Бусурманская харя!»—и «вотъ мы руки-то окоротаемъ!»

Слѣва бѣгутъ два полуодѣтые мародера; одинъ изъ нихъ спрашиваетъ: «козакъ?»; другой отвѣчаетъ: «вонъ!»

Третій мародеръ уже упалъ, и кричитъ: «пропалъ».

Подъ картинкой подпись:

«Вотъ тебѣ село да вотчина,
Чтобъ тебя вело да Корчило».

Очень плохая крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

514. «Наполеонъ и Мюнхгаузенъ. Нелюбо не слушай, а лгать не мѣшай.»

Наполеонъ на тронѣ проповѣдуетъ царямъ и великимъ міра. Справа сынокъ его, разсматриваетъ картинки изъ нелюбо не слушай Мюньхгаузена. Сзади этихъ картинъ является Смерть въ саванѣ.

Надписи, на листочкахъ, на самой картинкѣ:

«Leben und Thaten des F. H. — Жизнь и дѣянія барона Мюнхгаузенъ».

Внизу: «Сохраните Короля Римскаго. Rettet den König von Rom.

Вверху картинки, слѣва: «Ура Наполеонъ непобѣдимый. Es lebe Napoleon der Unüberwündliche.»

Всредниѣ: «Побѣдителемъ прошелъ я Россію, гдѣ всѣ Сердца на встрѣчу мнѣ летѣли. Безсмертною Славою увѣнчанный возвращаюсь къ обожающему меня народу моему, который изъ правдивыхъ бюллетеней моихъ знаетъ уже всѣ геройскія подвиги мои и большой арміи моей (тоже по нѣмецки).»

Правѣе: «Изчезла древняя слава моя передъ великимъ симъ Героемъ! къ стопамъ Его повергли слабые опыты того искуства коимъ нѣкогда прославился Мюнхгаузенъ! Да замѣнятъ въ потомствѣ, Онъ, меня, Бюллетени Его, Книгу мою (тоже по нѣмецки).»

---

515. «Торжественное шествіе Наполеона въ Храмъ Славы».

Маршалъ, въ лаптяхъ, везетъ Наполеона на тачкѣ; впереди ѣдетъ церемонимейстеръ на козлѣ, и выступаетъ воинъ на деревяшкѣ, съ орломъ въ рукѣ.

Слѣва, храмъ славы, съ вензелемъ Александра I. Около него стоятъ два козака съ поднятыми кверху погайками».

Плохая гравюра очеркомъ.

---

516. «Вѣсы Правосудія»

Къ одной доскѣ вѣсовъ прицѣпились семь французскихъ союзниковъ; они силятся, но не могутъ перетянуть одного козака, который помѣстился на другой доскѣ вѣсовъ. У козака щитъ съ вензелемъ: «А I», и надписью: «Россія».

Надпись надъ казакомъ:

«Неужель тяжелъ народъ столь Руской,
Чтобъ могъ одинъ Козакъ тянуть союзъ французской;
Такой въ нёмъ тяжести хоть нѣтъ, но грудь тверда во брани,
Защита имъ есть Богъ, влагающь мечь во длани».

Плохая крѣпкая водка въ листъ, вдлинну.

---

517. «Время показывающее Наполеону все его злодѣянія въ Мирѣ».

Сатурнъ развертываетъ передъ нимъ листъ, съ надписью: «страшись врагъ природы! И извергъ человѣковъ препти. въ вѣчность. Тамъ тамъ ты насытишся».

Плохая гравюра на мѣди.

518. «Скрытное бѣгство Наполеоново изъ Парижскаго театра.»

«по гласу зрителей: миръ! миръ! да падетъ тиранъ, произш. взятое изъ Журн. Сынъ отечества.»

Плохая гравюра, на мѣди, рѣзцемъ, въ полъ листа.

---

519. «Сокрушеніе Наполеонова могущества.»

Наполеонъ стоитъ на колѣнахъ; онъ держитъ мечъ, который русскій орелъ, разсѣкъ пополамъ саблею. У орла, на груди, вензель Императора Александра: «Ⱥ»; въ лѣвой лапѣ его лента, съ надписью: «Караю вероломство». Въ рукахъ Наполеона лента, съ надписью: «коварство, измена, вероломство, Варварство».

На его мечѣ: «Франція, Италія, рейн.-союзъ». Подъ русскимъ мечемъ четыре стрѣлы, а надъ нимъ, на четырехъ лентахъ, надписи: «Красной — малоярославецъ — Торутино — Бородино».

Справа, три Маршала, падающіе на колѣна.

Плохо выполненная крѣпкая водка.

---

520. Портретъ Наполеона.

Онъ изображенъ погрудь, въ профиль, влѣво; въ треугольной шляпѣ. Картинка гравирована на мѣди въ поллиста; подлинникъ находится въ моемъ собраніи. Внизу ея находится слѣдующая надпись:

«Лице составлено изъ труповъ, платье изъ ландкарты на которой означены знаменитыя въ нынѣшнюю войну мѣста сраже-

ній, воротникъ образуетъ кровавое море, поглощающее Корабль. Ленту почетнаго легіона представляетъ кровавая полоса, на коей вмѣсто слова Эрфуртъ начертанъ нынѣшній французскій девизъ Эре фортъ. (т: е: честь пропала) Звѣзда состоитъ изъ паутины, а на плечѣ вмѣсто эполетъ лежитъ тяжкая рука Немезиды (богини мщенія). Все сіе вѣнчаетъ орелъ въ видѣ шляпы, у коего глазъ служитъ кокардою шляпѣ, и которой когтями своими изображаетъ волосы».

---

521. Профиль Наполеона.

Копія съ предыдущаго номера точь въ точь, въ четвертую долю листа, рѣзцомъ на мѣди.

Подпись подъ портретомъ:

«Тріумфъ 1813-го года.

Къ новому Году, всѣмъ искреннымъ сыновьямъ Отечества».

---

522. «Видно коршуна по взгляду».

Большой листъ, вереднѣ котораго, въ овалѣ, помѣщенъ портретъ Наполеона, въ профиль, по грудь; кругомъ текстъ, отпечатанный типографскимъ шрифтомъ:

«Многіе утверждаютъ, что лице есть вывѣска души. Справедливость сего мнѣнія рѣзкими чертами изображена на лицѣ Наполеона. На немъ посмѣнно переливается злость, коварство, вѣроломство, мщеніе и все то, чемъ онъ ознаменовалъ себя при похищеніи французскаго престола, при порабощеніи и опустошеніи почти всей Европы, а паче при вторженіи своемъ въ Россію— **и Французы ему преданы!!!**

Представьте себѣ человѣка при маломъ ростѣ (въ 5 футовъ и 2 дюйма) имѣющаго лицо большое скуловатое, мрачное; цвѣта изжелта-оливковаго. съ навислымъ лбомъ, съ маленькими глазами, изъ подлобья коварно-злобнымъ огнемъ сверкающими, съ сухимп, подъ длинно-покляпымъ носомъ втиснутыми губами, язвительно сжатыми и для улыбки вѣчно мертвыми, съ выдавшимся въ передъ и къ верху поднявшимся шаро-образнымъ подбородкомъ, съ черными, подобно смоли, на головѣ и на бровяхъ волосами, безъ бакенбартовъ... Это будетъ настоящій подлинникъ малорослаго рыцаря; точной отпечатокъ великой головы, славной по великимъ своимъ злодѣяніямъ—это будетъ истинной портретъ Наполеона—и Французы этого не примѣчаютъ!

Онъ одѣвается просто; свѣтло-сѣрый сѣртукъ или армейской штатской мундиръ безъ шитья и низпнькая трехъ-угольная шляпа, въ походѣ и сраженіи есть обыкновенная его одежда; а въ верьховой ѣздѣ употребляетъ малорослыхъ и по виду простыхъ же лошадей. Все просто, все малоросло, все **низко** подобно росту, характеру и происхожденію самаго Наполеона. — **и Французы этимъ гордятся!**

Они предъ убѣждены, что властелинъ ихъ сохраняетъ въ одеждѣ и во всемъ простоту якобы потому, что **не любитъ пышности и сію мѣру относятъ** къ великости его характера. Ошибаетесь **бѣдные!** въ этомъ такъ же кроется хитрость, которой вы въ ослѣпленіи своемъ не видите!

— Въ простомъ одѣяніи, а паче при **перемѣнѣ** цвѣтовъ, всякъ изъ васъ, **отважившійся** на отмщеніе ему за злодѣянія **причиненныя** Франціи и Европѣ—буде за **простаго** армейскаго офицера, проскачетъ мимо и **оставитъ** его **безъ мести**. — А на малорослыхъ **лошадяхъ**, коп однакожь не есть простыя, но настоящія Арабскія или Персидскія; на бѣгу **гораздо прытче** Гишпанскихъ и Англинскихъ, надежнѣе можно спастись въ бѣгствѣ. Слѣдственно и въ семъ случаѣ **простота** Наполеонова есть — по пословицѣ **хуже воровства!** и **Французы этого не понимаютъ!**

И такъ гордой сей повелитель не есть герой, но трусъ, не есть воинъ, но тиранъ, злодѣйствомъ и мщеніемъ дышущій, что доказываетъ самая мрачность его лица и всегдашнее смущеніе и боязнь:

Зла фурія его смятенно сердце гложетъ!
Злодѣйская душа спокойна быть не можетъ.

И нещастные Французы еще терпятъ сего изверга, отечеству ихъ чуждаго, еще не образумятся, но

Хвала нашъ вихоръ — Атаманъ,
Вождь невредимыхъ — Платовъ!
Твой очарованной Арканъ —
Урокъ для сопостатовъ!

Санктпетербургъ, печатать позволяется Генваря 11 дня 1814 года. Цензоръ Стат. Сов. и Кавалеръ Ив. Тимковской.

Въ Типографіи В. Плавильщикова».

Подлинникъ находится въ собраніи П. А. Ефремова.

---

523. Другой профиль Наполеона.

Погрудь, влѣво, въ треуголкѣ. Картинка, гравированная на мѣди, въ 4^0 долю листа. Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

Подпись: «**Зажигатель Москвы Наполеонъ Бонапарте.**

Божіимъ гнѣвомъ крововѣнчанный Императоръ Французовъ, и Старшина Діавольскаго рыцарства.

Продается въ Москвѣ у всѣхъ книгопродавцевъ—цѣна 2 копѣики.»

---

524. «Подарокъ дѣтямъ въ память 1812 года

«продается въ книж: лавкѣ Плавильщикова подъ № 28-й.»

Надпись эта напечатана на передней сторонѣ футляра, въ которомъ находится азбука, состоящая изъ 34-хъ картинокъ, заимствованныхъ изъ карикатуръ 1812 г., съ двустишіями на каждую букву; всего 34 листка 8^0 *), гравированные крѣпкой водкой, въ однихъ очеркахъ, для раскраски. На задней сторонѣ футляра находится слѣдующая надпись:

«Печатать позволено С-Петербургъ 1814 года Декабр 30 дня Цензоръ Стат: Сов: и кавалеръ И Тимковскій въ Типографіи Плавильщикова.»

Полные экземпляры этой рѣдкой азбуки находятся въ собраніяхъ: гр. Уварова, г. Губерти, и моемъ собственномъ.

Содержаніе изображеній достаточно объясняется помѣщенными подъ ними двустишіями:

А. Ась?—Право глухъ мусье! Что мучить старика!
Коль надобно чего, спросите козака.

∴

Б. Бѣда—гони скорѣй съ грабителемъ Московскимъ,
Чтобъ въ сѣти не попасть съ Даву и Понятовскимъ.

∴

В. Ворона какъ вкусна! нельзя ли ножку дать?
А мнѣ изъ котелка хоть жижи полизать.

∴

Г. Гуляй любезный сынъ, великій корсиканецъ,
Будь золъ какъ тигръ, подлъ какъ я, трусливъ какъ заяцъ.

∴

*) Эти картинки награвированы на большихъ мѣдныхъ доскахъ; листы разрѣзывались уже послѣ отпечатанія на отдѣльные листочки, для укладки въ футляръ. Одинъ такой цѣльный листъ съ 16-ю картинками находится въ моемъ собраніи.

Д. Домой пора — маршъ, маршъ! довольно погостили,
Безъ посу, рукъ и ногъ въ чепцахъ насъ отпустили.

∴

Е. Ей, ей, не опущу, не заплачу я пеню,
Смотри ступай скорѣй какъ разомъ пришепеню.

∴

Ж. Желалъ насъ вышколить на свою погудку,
Анъ нѣтъ не удалось пляшишь подъ нашу дудку.

∴

З. Заразу отъ штыковъ и ядръ россійскихъ знайте,
Окуривайте все, скорѣе помогайте.

∴

И. І. И—І, ребятушки Напартовъ здѣсь какъ много,
Слышь, Власьевна, держи на привязи ихъ строго.

∴

К. Какъ Черному царю на Руси не царить
Такъ имя на рукѣ его мнѣ не носить.

∴

Л. Ликуй, о храбрый Галлъ; встрѣчай насъ съ торжествомъ
Спустивъ все съ рукъ, спѣшимъ на палочкахъ верхомъ.

∴

М. Москва вѣдь не Берлинъ, не Вѣна, не Мадритъ
Здѣсь гробъ всей арміи французской былъ открытъ.

∴

Н. Не худо—славные конскрипты, Галловъ честь,
А съ многихъ ли душъ! Послѣднее что есть.

∴

О. Одинъ лишь Россъ въ врагахъ чтитъ христіанску кровь,
Сколь месть его страшна столь искренна любовь.

∴

П. Постой ка не въ свои ты сани, братъ, садишься
Ты править нашею лошадкой не годишься.

∴

Р. Раздайся, разступись, Парижъ, передомной!
На ракѣ ѣду я съ бирюльками домой.

∴

С. Сюда, сюда, честные господа,
Комедіи таковой не зрѣли никогда.

∴

Т. Теперь хотя я нагъ пришелъ домой и босъ,
За то ужъ и принесъ огромный самый носъ.

∴

У. Ужъ какъ устала ты любезная отъ насъ,
Ну баюшки баю, усни еще хоть часъ!

∴

Ф. Французовъ какъ мышей, словили въ западню
Ну будь ихъ духъ въ Руси я всѣхъ предамъ огню.

∴

Х. Хотя высоко влѣзъ и силою гордился
Но справить я не могъ на Эльбу вдругъ спустился.

∴

Ц. Цыцъ, цыцъ, негодный ляхъ! гни спину и молчи,
И также какъ другой, въ рядахъ моихъ торчи!

∴

Ч. Что дѣлать!—знать пришлось свиную милость чтить
Лошадокъ нѣтъ—пора свиньямъ меня возить.

∴

Ш. Широкъ въ плечахъ французъ! ничто его нейметъ
Авось либо моя ногайка зашибетъ.

∴

Щ. Щастье за Галломъ, уставъ бресть пѣшкомъ,
Рѣшилось въ станъ русскій скакать за казакомъ.

∴

Ъ. Ъ — послѣдняя изъ буквъ въ россійскомъ словѣ,
И ты между людьми, такимъ быть на готовѣ.

∴

Ы. Мечты и суеты, войны, чины, перуны,
Слетѣли съ колеса капризныя фортуны.

∴

Ь. Я былъ герой, но что я сталъ теперь
Въ рукахъ у мужика я скорчился какъ ь.

∴

Ѣ. Ѣду съ французскою пушкой въ свой станъ,
Нашъ братъ не промахъ какъ ты бусурманъ.

∴

Э. Э, э добыча есть, ребята не зѣвайте!
Я этихъ двухъ спущу, а прочихъ вы спускайте.

∴

Ю. Юлитъ французъ всегда, и горы обѣщаетъ,
Но что онъ дѣлаетъ? — Лишь юность развращаетъ.

∴

Я. Я какъ корабль въ волнахъ погрязшій грозныхъ,
Примѣромъ послужу и для потомковъ позднихъ.

∴

Ѳ. Возросъ какъ грибъ и палъ познавъ ты суету!
Что дѣлаешь теперь? — весь сгорбился въ Ѳ-ту.

∴

Ѵ. Вотъ видитель, что Галлъ во вѣкъ не ошибался
Что Ѵ-цей онъ былъ здѣсь знакъ на лбу остался.

∴

ПОРТРЕТЫ.

525. «Великія Князья Цари Императоры Императрицы Всероссійской Имперіи.»

Картинка четырехлистоваго размѣра, гравированная рѣзцемъ; на ней находится 65 медальоновъ, съ поясными изображеніями царей, начиная съ Рюрика и кончая Александромъ I, помѣщеннымъ вверху.

Фонъ засыпанъ лавровыми листьями.

526. Поклоненіе царей Іоанна и Петра Алексѣевичей новорожденному Спасителю.

Листовая картинка, гравированная на мѣди, въ 1690 — 96 годахъ. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (I. 82).

На картинкѣ представлено: слѣва, богоматерь съ Христомъ, младенцемъ на рукахъ и «ст. іѡсифъ»; впереди ясли, а полѣвѣе, волъ и оселъ. Справа передъ Христомъ стоятъ на колѣнахъ цари Іоаннъ (съ бородою) и Петръ (безъ бороды) Алексѣевичи; внереди послѣдняго стоитъ малолѣтній царевичъ Алексѣй Петровичь. Всѣ они въ царскомъ большомъ нарядѣ; шапки —

короны свои, они сложили къ ногамъ Спасителя. Надписи, надъ Іоанномъ: «умъ», надъ Петромъ: «слово», а надъ Алексѣемъ Петровичемъ: «дш҃а». На лентѣ, надъ ними, надпись: «и ѿвер^гше сокровіща принесоша ему дари своя.»

Сзади царей, справа, видны бояре, въ русскихъ нарядахъ; на двухъ (переднихъ) изъ нихъ, на одномъ шуба, обшитая соболями, на другомъ, длинный кафтанъ съ застежками; всѣ бояре съ непокрытыми головами.

Вверху картинки кругъ, въ сіяніи, съ словами: «бг҃ъ»; пониже святой духъ, въ видѣ голубя, спускающагося въ звѣздѣ, съ надписью: «и звѣзда юже відѣша на востоцѣ ста верху индѣже бѣ ѿроча»; еще ниже два ангела держатъ ленту, съ надписью: «дене^с Агг҃ли мл҃нца бг҃олѣпно славословят Слава во вышних бг҃у».

Позади царей, изъ земли, возвышается мечъ, на концѣ котораго воткнутъ крестъ, съ изображеніемъ глаза, и горящее сердце, съ надписью: «Вѣра»; по сторонамъ, слѣва, мечъ, съ такимъ же сердцемъ на концѣ, и съ надписью: «надежда». За этотъ мечъ, держится одною рукою Христосъ. Справа стрѣла, съ крылатымъ, горящимъ сердцемъ на лезвіѣ, и написью: «любов». На рукоятяхъ мечей и нижнемъ концѣ стрѣлы, надѣты три короны, а кверху, къ сердцамъ, мечи перевиты тремя лентами, съ надписями, на средней: «кто е(с)ш побѣ(ж)дая мїр Токмо вѣруя яко іс е(с)т сн҃ъ бж҃іи»; на лѣвой: «ис тебе изыде вожд иже упасетъ люді моя»; на правой: «сіце бг҃ъ возлюбі мір яко единороднаго сн҃а сво пол (?)».

Въ четырехъ углахъ картинки клейма, съ изображеніями святыхъ, вверху, слѣва: «с҃. Іоан пр҃теча»; справа: «ст҃ый Петръ»; внизу, слѣва: «с҃ Алѯій (митрополитъ); справа: «с҃ Алеѯій чл(къ божій)».

Внизу, въ два столбца, вирши:

«Іѡаннъ Агнцемъ Хр҃та показуетъ,
Петръ же бжіимъ Сн҃омъ именуетъ
Два Алеѯіа о васъ соименни,

Втоижде во Хр҃та вѣрѣ суть сп҃сенни.
Изѡбражени сіи здѣ изящнѡ,
Вѣра, надежда, любов свѣтят ясно.
Свѣти всихъ оум наш слово дш҃а кожда,
Всамовластїи зданна Цр҃е тожда,
Вдиядїмѣ сей яко и совенцы
Колѣноклонно к' Цр҃ю Хр҃ту тецы.
Дароприноси ему сїя дары,
Злата Лѵвана Честнѣйша и сміры.
Того бо ради той Чл҃вкъ стася,
Да чл҃вку ти бж҃ество дастся.»

---

527. Петръ I, изд. Кипріанова.

Копія съ гравюры Гунста; $^3/_4$ впр. погрудь. Два ангела держатъ надъ портретомъ корону; надпись на груди одного изъ нихъ: «Добродѣтел бж҃їя»; на груди другого: «свѣтъ бж҃їи».

Повыше изображенъ треугольникъ съ надписью: «хвалите его сл҃нце и луна хвалите его вся звѣзды и свѣт.»

Подъ нимъ, въ рамкѣ изъ лавроваго вѣнка, сердце: «вруце бж҃їи срдце цр҃во».

На лентахъ, кругомъ этихъ изображеній: «хвалите его во гласѣ трубнѣмъ хвалите его въ кимвалѣхъ восклицанія(хъ) и дастъти гд҃ь по сб҃цу (?) твоему и весь совѣтъ твои исполнитъ.»

На лентахъ у ангеловъ, поддерживающихъ корону: «умалилъ еси его малым чим от а҃гглъ—Славою и ч҃тїю вѣнчалъ еси его.»

Подъ портретомъ двуглавый орелъ, съ андреевскимъ крестомъ на груди. На пьедесталѣ, внизу, надпись: «Ѡбладателнѣйшїй и непобѣдимѣйшїй, Всея Великїя и Малыя и Бѣлыя и прочїихъ г҃дрствъ всероссіискїи самодержец г҃дрь ц҃рь и великїи кн҃зь, Первый Петръ Алеѯїевичь и ново предъводитель ижерскїя и лифлянскїя земли.»

*

По бокамъ, слѣва, архангелъ поражающій копьемъ діавола; на груди архангела: «крѣпость бжїя»; справа, ангелъ и молодой Товія, съ рыбой въ рукахъ. Надпись на ангелѣ: «врачевство бжіе».

Повыше, съ боковъ же, два аллегорическія изображенія; слѣва орелъ, спдящій на каменной гробницѣ; надпись: «крѣпость» справа корабль, плывущій по взволнованному морю; надпись: «надежда блиская».

Надписи подъ пьедесталомъ: «за̀ повелѣніемъ цр҃кв. Величества.»

А подъ рамкой портрета: «Под надъзрѣнїемъ его превосходителъства Гд҃на Генерала Фельцѣйхъ мѣистера и кавалера Якова Вилимовича Брюса — ѡт библіотекаря В: К: (Василія Кипріанова) въ Граж: Типо: В' Москвѣ 1714 лѣта».

Гравированъ рѣзцемъ. Очень большой листъ.

Мнѣ извѣстно два экземпляра этого портрета; одинъ, отпечатанный на бѣломъ атласѣ, у кн. Лобанова-Ростовскаго; другой, въ плохомъ отпечаткѣ, на листѣ бумаги, склеенномъ изъ четырехъ листовъ и двухъ полулистовъ, находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 1282).

---

528. Петръ I (съ Хубракена).

Копія съ большого Хубракенскаго портрета; ¾ впр.; рѣзана рѣзцемъ грубо и безобразно. Изданіе лубочное.

Подпись: «Петръ І. ïмператоръ и самодержецъ всероссїйскїи.»

Въ большой листъ. Въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 1280).

---

529. Екатерина I (съ Хубракена).

Дружка № 528-му; чрезвычайно грубо и безобразно сдѣланная копія, рѣзцемъ, на мѣди, съ большой гравюры Хубракена. ¾ вл. Изданіе лубочное.

Подпись: «Екатерина императрїца и самодержица всеросїиская». Въ большой листъ (въ Олсуфьевскомъ собраніи VII. 1281).

530. Петръ I (Артемьева).

Типъ Мора. Голова нѣсколько больше головы на Хубракенскомъ большомъ портретѣ. Петръ представленъ по поясъ, въ бархатномъ кафтанѣ съ отворотами; на разстегнутой груди видны латы. Справа, на столѣ, корона.

Гравировано черной манерой очень тщательно и тонко. Подпись: «Петръ первый Императоръ И самодержицъ всероссїискїи Дѣлано: нафаб: М: Ар. (Артемьева).» В. 12. 5; Ш. 10. 7½.

Единственно извѣстный экземпляръ этого листа, въ сильномъ, но нечисто вышедшемъ, отпечаткѣ, находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 123).

Листъ этотъ чрезвычайно замѣчателенъ и доказываетъ, что портретъ Петра, въ кафтанѣ, работы Мора, дѣйствительно былъ написанъ, и былъ въ цѣлости во второй половинѣ XVIII вѣка.

---

531. Петръ I, работы А. Зубова, 1734 г.

Въ ростъ, ¾ влѣво, въ латахъ, порфирѣ и андреевской цѣпи. Онъ держитъ въ правой рукѣ скипетръ.

Гравировано рѣзцемъ, очень плохо.

Подпись внизу картинки: «Петръ I. їмператоръ и самодержецъ всероссїискїи». Внизу, подъ рамкой: «Грыдоровалъ вмосквѣ Алеѯїи Зубовъ. 1734.» В. 10. 11; Ш. 8.

Голова и вся фигура, до пояса, повтореніе типа Каравакка 1723 г. (по гравюрѣ И. Соколова).

Въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 1278). Изданіе лубочное.

---

532. Екатерина I, работы А. Зубова. 1735 г.

Дружка № 531. Портретъ въ ростъ, почти прямоличный (3/4 вправо). Екатерина въ андреевской цѣпи, со скипетромъ и державою въ рукахъ. Подпись: «Екатерина імператрица и самодержіца всероссіская — Грыдоровалъ вмосквѣ Але҃ѣи Зубовъ. 1735.» В. 10. 7½; Ш. 8. 5. Типъ: изуродованная гравюра Вортманна съ Каравакка. Изданіе лубочное. Въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 1279).

---

533. Поздравительная картина, поднесенная Оедоромъ Зборовскимъ Царевичу Алексѣю Петровичу, въ день его рожденія въ 1704 году, съ портретомъ Царевича.

Трехлистовая (два листа и два полулиста склеены вмѣстѣ), гравированная на мѣди; подлинникъ находится въ Московскомъ Публичномъ музеумѣ; другой экземпляръ, позднѣйшаго изданія, съ поправленной доски, есть въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 1311).

Подпись внизу:

«Пресвѣтлѣйшему блг҃ороднѣйшему блг҃очестивѣйшему блг҃овѣрному и хр҃толюбивому Пресвѣтлѣйшаго блг҃очестивѣйшаго великодержавнѣйшаго бг҃омъ вѣнчаннаго богомъ хранімаго и хр҃толюбиваго Г҃дря Цр҃я и великаго Кн҃зя Петра Але҃ѣевича Августѣйшаго всея великія и малыя и бѣлыя Россіи монократора и многихъ г҃дрствъ и земель восточныхъ и западныхъ и сѣверныхъ отчича і дѣдича повѣлителя наслѣднаго Г҃дря и обладателя отца отечества ревнітеля и поборника православныя восточныя Црк҃ви хр҃товы сопостатовъ страха скіоовъ молнія ѳѳомановъ

громъ шведовъ попратѣля, всеконечнаго неприязненныхъ противниковъ истребителя разорителя и победителя непреборимаго и торжественника . . . . . благоятнаго смиряющися себѣ призиратѣля умадвижнаго всея вселѣнныя удивитѣля тезоименїтаго Каменѣвѣ вера провославія Петрови ст҃ому каменя неѡцѣненному Е. Ц. П. В. бисерови твердому защїнику бл҃гочестия адамантови преїзбранному православия моргаритѣ предражаишїи добродѣтели . . . . . века цвѣтови (неоскудѣваему благостыни сокровищу новоизображеннои жизни чл҃вчїя древо яко прекраснои цр҃твенного корене ѡтрослѣ преблажаишаго древа пре) *) преудобреннѣишему всякаго бл҃гондравїя плодови бл҃говкуснѣйшеи бг҃у а҃ггломъ и чл҃вкомъ сладости завѣтотворному гладых блажаишеи вѣтви . . . . . доволнешему же и преизобїлнешему православи россиікихъ нородовъ своими ему и добропривѣтствї ихъ насыщающему учреждению прешли красотѣ и похвалѣ настоящихъ славы и чести будущихъ великои вековъ надежды В Г Ц І В. К. Аѯїю Петровичу. В. В. и М и Б. Р. урождественне Е В П. Бл҃городия дн҃ь бо вовремя Агг҃ла его ст҃го Алеѯїя чл҃вка бж҃їя. Зде бо во вертоградѣ писменном ѡтвсеусердно всѣхъ бл҃гъ ему В. П блгородїю мира здравия врастѣнїи спѣянїя бл҃годенствия и долгоденствия и благополучия желающаго смирнѣйших и нїжаиших рабовъ и подножия словено латинскихъ училищъ слушателеи Ѳеодора Зборовскаго тогожде тщаниемъ и коштом насожденное ,аѱд вцарствующемъ градѣ москвѣ.»

Вверху картины изображенъ двуглавый орелъ; на груди его «Алеѯїи чл҃вкъ бж҃їи», который держитъ въ рукахъ скипетръ, державу и портретъ Царевича Алексѣя Петровича, съ надписью: «В Г Ц В К А П (Великій государь Царевичъ Великій Князь Алексѣй Петровичъ)». Кругомъ Алексѣя человѣка божія надпись:

---

*) Подпись была вырѣзана на доскѣ сперва другая; она затерта и замѣнена новою; въ скобкахъ поставленная строка осталась нестертою отъ прежней подписи.

«азъ себѣ н҃бсного ѡрла птенцемъ знаю сего ради вцарственномъ ѡрлѣ пребываю».

На крыльяхъ орла шесть клеймъ, съ аллегорическими изображеніями:

«до основанія утверждаю (корабль, бросающій якорь).

благополучие временъ (двѣ соединенныя руки).

побеждающаго сотворю столпа цркве б҃га жива (церковь).

милость і истина сретосшася ѱ҃. р҃. (вѣсы и бутыль съ масломъ).

правда и миръ ѡблобызастася (солнце свѣтитъ на дерево).

яко смирна избранна дахъ благоухающе сирахъ к҃д (цвѣты)».

Орелъ держитъ въ когтяхъ, въ правой, скипетръ съ тремя коронами, съ надписями: «завись—ѡ насъ—за васъ»; въ лѣвой, мечъ и державу, съ надписью: «мнѣ востокъ запад и полден и полнощ повинуютъся».

Надъ орломъ восьмиконечный крестъ, съ надписью:

«Азъ победихъ апок г» и «древо животное еже творитъ плодовъ дванадес ап к҃є».

По сторонамъ креста, справа, Богъ-отецъ: «побеждающему дамъ ясти ѡт манны».

Пониже апостолъ Павелъ, Іоаннъ Предтеча, въ звѣздѣ, и сонмъ святыхъ. Надписи: «въ солнцы и звездахъ. Денница. Денница сол҃цу пр҃тча».

Слѣва, Христосъ: «побеждающему дамъ ясти ѡт древа животнаго—из устъ его їзыде оружие острое (мечъ).»

Лѣвѣе: Богородица, въ лунѣ, апостолъ Петръ и сонмъ святыхъ: «б҃же судъ твои цр҃кви даждь».

Надпись вверху: «и будетъ знамение лунѣ — яко луна совершенна во веки».

Изъ облаковъ, подъ сонмомъ святыхъ, вылетаютъ два трубящіе ангела.

Надпись у лѣваго: «И шестыи Анг҃лъ воструби и слышанъ

гла҃с един ѡт четырех рогъ ѡлтаря за таго сущаго пред бг҃ом апокле глава ѳ».

У правао: «И седмыї ан҃глъ воструби и быша гласи велицы на нбс҃ѣхъ гл҃ющіи быша цр҃твїя мира г҃да н҃шего и хр҃та его апок а҃і».

Подъ крестомъ корона, съ надписью: «аѵроля»; на головахъ орла двѣ другія короны, съ надписями: «аѵреа и палма».

Въ клювахъ орла двѣ ленты, съ словами: «се покої мои вовекъ века» и «здѣ вселюся яко изволихъ ѱа рл҃а».

Подъ орломъ представлено фантастическое дерево; двойной стволъ его представляетъ какъ бы подобіе человѣка. На вѣтвяхъ и на кореньяхъ множество дощечекъ съ надписями, выбранными изъ псалмовъ и писаній пророковъ и св. отцевъ.

Всрединѣ, въ двухъ неправильныхъ овалахъ, образуемыхъ стволами дерева, изображены, въ верхнемъ (представляющемъ какъ бы грудь человѣка), смерть, съ косою въ рукахъ; слѣва погребеніе мертваго; подпись: «ѡбразы бо грѣху смерть крим ѕ҃»; въ нижнемъ (брюхо), пиръ богатаго и убогій Лазарь; собаки лижутъ гной отъ ранъ его; подпись: «богатъ и нищъ сретоста другъ друта ѡбоюже г҃дь сотворилъ, сол. в҃.»

Внизу, въ углахъ, слѣва: «проѡт҃ц адамъ»; справа: «праматер евва». Кругомъ, на лентахъ, множество изрѣченій изъ священнаго писанія.

---

534. Петръ II, работы И. Зубова, 1728 г.

Съ оригинала Каравакка, $^3/_4$ влѣво, погрудь, въ порфирѣ и андреевской цѣпи.

Вверху два ангела держатъ надъ портретомъ корону; надпись: «Славою и честїю вѣнчалъ еси его». Повыше два купидона

держатъ щитъ, съ двуглавымъ орломъ: «всероссійскій государственный гербъ».

Пониже еще два ангела, поддерживающіе вѣнокъ, которымъ окруженъ весь портретъ. На лентѣ, которой перевитъ вѣнокъ, надписи: «яко аггломъ своимъ заповѣсть бгъ о тебѣ сохранiти тя во всѣхъ путехъ твоихъ. ѱа .90.»

Подъ ангелами изображены, слѣва: «Москва (Кремль)»; справа: «санктпитербургъ (крѣпость)».

Кругомъ всего портрета рамка, въ которой помѣщено 38 щитовъ съ гербами областей; а на пьедесталѣ, подъ портретомъ и подъ вензелемъ Петра II, подпись: «Всеавгустѣйшему блговѣрному и блгочестивѣйшему и хрстолюбивому самодержавнѣйшему великому гдрю нпему бговѣнчанному и превознесенному **Петру Алеѯiевичу** второму **Императору** и самодержцу всероссійскому. Его **Цесарскому** Величеству, Московскому Кіевскому владимiрскому, Новгородскому, Црю Казанскому, црю Астраханскому, црю Сибирскому, гдрю Псковскому, и великому Кнзю Смоленскому, кнзю Естляндскому, Лифляндскому, Корѣльскому, Тверскому, Югорскому, Пермскому, вятскому, болгарскому, и великому кнзю Новогорода Низовскія земли, Черниговскому, Рязанскому Ростовскому и Ярославскому, бѣлоезерскому, Удорскому, Обдорскому, Кондiйскому, и всея сѣверныя страны **Повелителю** и **Гдрю** Iверскія земли, Карталинскихъ и грузинскъхъ црей, и кабардинскія земли. Черкаскихъ и Горскихъ кнзей и иныхъ Наслѣдному **Гдрю** и **Обладателю** для блгополучнѣйшія **Вшего Величества коронаци вмосквѣ сего** 1728 года февраля 25 дня сiе всепокорнѣйшее Приношеніе, вдень Торжественный Тезоименитства **Вашего Iмператорскаго священнѣйшаго величества** всенижайше приношу Вашего Iмператорскаго величества всепокорнѣйшiй и нижайшiй рабъ библiотекарь «василеи Кипрiановъ. iуня в 19 д. 1728.»

Подъ рамкой портрета: «Грыдероваль в'москвѣ Iвань Зубовь».

Гравированъ рѣзцемъ и отпечатанъ на листѣ бумаги, склеен-

номъ изъ четырехъ листовъ и двухъ полулистовъ. Одинъ экземпляръ этого портрета находится въ моемъ собраніи, другой въ Олсуфьевскомъ (VII. 1284).

---

535. Петръ II, работы А. Зубова, 1734 г.

«Петръ II. ïмператоръ и самодержецъ всероссïскïи—Грыдоровалъ въ Москвѣ алеѯïй зубовъ. 1734.»

Въ ростъ, гадкая гравюра съ оригинала Каравакка; изданіе лубочное. Величина 10. $7\frac{1}{2}$; Ширина. 8. 5. Находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 1285).

---

536. Анна Ивановна, (работы А. Зубова).

Повтореніе, въ бо̀льшемъ размѣрѣ, гравюры Вортманна, дѣланной для описанія коронаціи.

Поясн. $\frac{3}{4}$ вправо. Лице гравировано пунктиромъ; все прочее рѣзцемъ; очень грубо и безобразно.

Вверху россійскій государственный гербъ; кругомъ всего портрета рамка изъ 38 щитовъ съ гербами россійскихъ областей. Внизу два вида: «Москва град» и «С. Петербурх», а всединѣ на пьедесталѣ подпись: «Всепресвѣтлѣïшая державнѣишая великая гдрыня ïмператрица Анна Ioанновна самодержица всероссïская. Судя по работѣ, листъ этотъ принадлежитъ рѣзцу А. Зубова. Изданіе лубочное. Единственный экземпляръ этого портрета, отпечатанный на листѣ, склеенномъ изъ $3\frac{1}{2}$ листовъ бумаги, находится въ Олсуфьевскомъ собраніи. (VII. 1286).

---

537. Анна Ивановна, работы А. Зубова, 1734 г.

«Анна імператрица и самодержица всероссійская. Anna Russorum Imperatrix. грыдаровал вмосквѣ Алеѯіи Зубовъ 1734:» Гадкая копія, рѣзцемъ на мѣди, съ портрета, работы Вортманна, приложеннаго къ описанію ея коронованія. Изданіе лубочное В. 11. 2. ш. 8. $2^1/_2$.

Въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 1287).

538. Елизавета Петровна.

«Елісаветъ. I. Імператрица і самодержица всероссійская». Въ ростъ; копировано съ портрета Анны Іоанновны, гравированнаго Вортманномъ и приложеннаго къ описанію ея коронаціи.

Кругомъ портрета рамка изъ украшеній, состоящихъ изъ амуровъ, птицъ, цвѣтовъ и фантастическихъ листьевъ. На экземплярѣ этаго портрета, находящемся въ публичной библіотекѣ (въ витринѣ), рукою Штелина сдѣлана надпись: «Diesen abscheulich schönen Kupferstich hab ich in einer Bilderbude zu Moscau unter einer Pforte des Kremlins gekaufft u. durch einen Vornehmen des Hofes an Ihro Kays. Maj^{t}. Gelangen lassen a° 1742 im Herbst. Hierauff ergieng ein Kays. Befehl auss dem Senat, die Abdrucke den Verkäuffern abzunehmen, u. den fernern Verkauff bey hoher Straffe zu verbiethen, auch niemand mehr zugestatten Ihro Maj. Bildniss, ohne vorher geschehener Approbation aus der Petersb. Academie zu stechen od. zu verkauffen». Лубочная картинка въ листъ, гравированная на мѣди рѣзцомъ.

539. Императрица Екатерина II съ Велик. Княз. Павломъ Петровичемъ, окруженные портретами царей и Великихъ Князей русскихъ.

Четырехлистовая картинка, гравированная на мѣди, во второй половинѣ прошедшаго столѣтія [1]). Вверху, всрединѣ, изображена Императрица Екатерина II, ведущая за руку Великаго Князя Павла Петровича (еще ребенкомъ). Спаситель подаетъ Императрицѣ изъ облака скипетръ, вдали видѣнъ Московскій Кремль.

Внизу надпись: «благословение ѡтвышняго десницы нисходитъ на тебя и твои дражаишїи плод приятнѣи крина онъ (.) ты намъ свѣтлѣи денницы защиты и покои днеи зоветь въ тебе народъ».

Подъ этою подписью россійской гербъ, съ воинскою арматурою. По сторонамъ этихъ изображеній, въ семь полосъ, по три въ рядъ, поясные портреты россійскихъ великихъ князей и царей (всего 42), начиная отъ Рюрика, кончая Петромъ III; а именно:

Начиная сверху, слѣва: «I Екатерина їмператрица самодержіца всероссіиская.

II анна їмператрица і самодержица всероссіиская».

Съ правой стороны:

«Петръ I: імператоръ и самодержецъ всероссіискіи. III елисавета імператрица і самодержица всероссіиская.

Петръ II імператоръ и самодержецъ всероссіискій.

Петръ III імператоръ і самодержецъ всероссіискіи».

За тѣмъ слѣдуютъ прочіе цари и великіе князья русскіе; изображенія ихъ и текстъ скопированы, безъ измѣненій, съ портрета Петра I, съ баталіями, гравированнаго Петромъ Пикаромъ, въ 1717 году.

Здѣсь приведены подписи съ этой послѣдней картинки [2]).

---

[1]) Текстъ сочиненъ при Петрѣ I, что видно изъ неоднократнаго употребленія выраженій: «братъ, отецъ ныне парствующаго императора».

[2]) См. мою книгу: Русскіе граверы и ихъ произведенія, подъ именемъ: Пикаръ, стр. 265; и словарь русскихъ портретовъ: Петръ I, № 251, стр. 126.

1. **Рюрикъ**. Первый великіи кн҃зь россіиски от ѳамиліи Пруса, котораго поімени земля Пруская і доп҃нѣ нарицается пріятъ самодержавства скипетръ ввелїкомъ Новѣ Градѣ влѣто от рж҃тва хр҃това 862 И бывъ на княженїи 17 лѣтъ умре влѣто 879.

2. **Ігорь**. Сн҃ъ рюриковъ великіи кн҃зь россїиски храбростію славне Лва Премудраго ї алеѯандра брата его ц҃рей Греческихъ побѣдивъ дань сцр҃я града даяти себѣ понуди престолъ изъ велїкаго нова града вкиевъ пренесе 913 Сконча княженїе сжитїемъ убїенъ от древлянъ влѣто 945.

3. **Святослав**. Сн҃ъ Ігоревъ велїкїи кн҃зь росїиски слѣдомъ от҃ческим пошед. 80 Городовъ от Грѣков. по дунаю завоевал і наконстантинополь тяжчаишую дань наложи потомъ убиенъ княземъ печенезскимъ влѣто 972.

4. **Владимеръ** Сн҃ъ святославов великїи кн҃зь росїиски кславѣ многих побѣдъ придавъ свое ївсеи россїи ко хр҃ту обращеніе влѣто 988 нареченъ во святом крещеніи василїи преставися влѣто 1015. от россїанъ достоинѣ равноапастолныи и самодержавныи именованъ.

5. **Ярославъ** Сн҃ъ Владимировъ великїи кнзь росиски сугубою побѣдою первою над Болѣславомъ королемъ полскимъ а другою над Грѣками прославленъ и хр҃тіанское бл҃агочестїе отцем своимъ насажденное утвердївъ и паче разшіривъ преставися влѣто 1054.

6. **Святославъ** Сн҃ъ Ярославовъ великіи кн҃зь росіиски бл҃гополучно державствуя преселися ко отцѣмъ влѣто 1060.

7. **Всеволодъ** Вторыи сн҃ъ Ярославов великіи кн҃зь росіиски. Славные россіи непріятели печенези і половцы преславною побѣдою порази и гд҃рство свое твердо укрѣпи преложися на жизнь вѣчную влѣто 1093.

8. **Святополкъ** Сн҃ъ Изьяславъ великіи кн҃зь росіиски (.) инъ сеи от святополка Братоубицы братию свою Глѣба і Бориса убившего тоибо сн҃ъ бяше великагѡ владимера а сей его праправнукъ(.) преставіся влѣто 1114.

9. **Владимеръ** Монамахъ сн҃ъ всеволодовъ великіи кн҃зь росіиски велікою воиною потрясе от грѣков всю Ѳракіискую область завоевал и от цр҃я констянтина Монамаха прошеніем і дарами Утоленъ і вдружбу призванъ междо которыми дарами і царскіи венѣцъ получил пстого времени наречеся Мономахъ цр҃ь великия россіи преставіся влѣто 1127.

10. **Мстиславъ** Сн҃ъ владимера Мономаха великіи кн҃зь росиски по оц҃ѣ своемъ наслѣдова россіискую державу преложися къ оц҃емъ своимъ влѣто 1133.

11. **Ярополкъ** Сн҃ъ Мономаховже великіи кн҃зь росиски брат меншіи мстиславовъ ипобратѣ пріят скипетро преставися 1140.

12. **Всеволодъ** 2 сн҃ъ Олговъ внукъ Святославовъ великіи кн҃зь росіиски бл҃гополучно державствуя преставіся влѣто 1146.

13. **Ігорь** великіи кн҃зь росіиски брат всеволода втораго державствуя токмо 6 лѣтъ преставися влѣто 1162.

14. **Георгіи** Сн҃ъ владимера Мономаха великіи кн҃зь росіискіи новое получивъ прозваніе долгорукіи впокои і тишіне содержа россіиское гд҃рство ибл҃гочестіе утверди преставися влѣто 1195.

15. **Всеволодъ** третіи сн҃ъ Георгиевъ великіи кн҃зь росіиски престолъ княженія россіискаго в володимерѣ постави славенъ Бл҃гочестіемъ ипобореніемъ ст҃ыя цр҃кве преставися влѣто 1212.

16. **Ярославъ** Вторыи сн҃ъ всеволодов великіи кн҃зь росискіи от нашествія Батиева укрѣпи себе в великомъ повѣ городе потомъ тогожде супостата славно побѣдивъ возврати бл҃готишіе от҃честву своему. Преставися влѣто 1249.

17. **Алеѯандръ** Сн҃ъ Ярославов прозываемыи невскіи великіи кн҃зь росіиски над шведы при рѣке невѣ преславную побѣду показа от предѣлов россіиских храбро оныхъ прогна от куду і неоскіи прозваніем усмиривже і татарскаго цр҃я Беркая потомъ сѣло бл҃гоугодно поживъ въ іноческомъ образѣ приставіся влѣто 1263.

18. **Данііл҃ъ** сн҃ъ алеѯандровъ великіи кн҃зь росіиски престолъ росискіи із владимера пренесе вмоскву самже квѣчности пресели ся влѣто 1303.

19. **Іоаннъ** Сн҃ъ Данііловъ великіи кн҃зь росіиски еси внукъ

невского княживъ на преселѣніи отческомъ вмосквѣ всякими добродѣтелми процвѣте изряднѣеже мл҃тнями прославися преставися влѣто 1340.

20. **Іоаннъ** вторыи сн҃ъ Иоанновъ великіи кн҃зь росіиски единаго со отцемъ своїмъ имени і добродѣтелныхъ дѣйств ислабы поиде за отцемъ в жизнь вѣчную влѣто 1359.

21. **Димитріи** сн҃ъ Иоанна втораго великіи кн҃зь росіискіи пре славную над мамаемъ цр҃емъ татарскимъ нарѣце дону полученную побѣдою великое себѣ і всеи россіи имя сотвори Гд҃рство и цр҃ковь укрѣпи преставися влѣто 1389.

22. **Василіи сн҃ъ** Димитриевъ великіи кн҃зь россіи: причем чюдесное бысть отраженіе татаръ і их цр҃я темираξака нашедших на россію пренесеніем Чюдотворной Иконы Бг҃оматере юже блг҃огласны Евнгл҃итъ Лука написа. Славен і воинствомъ (кн҃зь еси бѣ) тестя кн҃зя Литовскаго а зятя мануіла полеолога цр҃я Греческаго імѣ преставіся въ лѣто 1396.

23. **Василіи** Вторыи сн҃ъ василіев великіи кн҃зь росіиски великую ибѣдную воіну имѣ с татары самбо натои поиманъ івпленъ отведенъ бѣ, но потомъ ксвоему Гд҃рству возвращенъ Преставися влѣто 1462.

24. **Іоаннъ** третіи сн҃ъ васильевъ великіи кн҃зь росиски помногихъ раззореніяхъ возобновилъ россію возвративъ городы по пленіи Батыевом в державу полскую отторгнутыя великіи новъ градъ утвердив и самодержецъ нареченъ бысть преставися влѣто 1505.

25. **Василіи** третіи сн҃ъ Іоанна третіаго великіи кн҃зь росіиски Прародителеи своих наслѣдство княжество Смоленское от обладанія полскаго в державу свою возвративъ не мало приложи кславѣ отческои и Бг҃оугодно поживъ преставіся въ схїмѣ воиноцех варлаамъ влѣто 1534.

26. **Іоаннъ** 4 сн҃ъ василія 3: цр҃ь ивеликіи кн҃зь россіиски премудрыи ихрабрыи Гд҃рь цр҃ства трие Казанское, Астраханское і Сибирское побѣдивъ, державѣ своеи покори, много і шведовъ преславными побѣдами устраши тмочисленныи россіиски плѣн

возврати первыи титулъ и венецъ цр҃скіи пріят преставися влѣто 1584.

27. **Ѳеѡдоръ** сн҃ъ цр҃я Іѡанна цр҃ъ ивеликіи кн҃зь росіиски мало радивъ о земномъ зѣло бо бл҃гочестив всю власть вдаде первому своему міністру Борису Годунову еже бысть многимъ бѣдамъ виновно. Преставіся в лѣто 1598.

28. **Борисъ.** Годуновъ і великіи кн҃зь россиски тиранъ паче неже цр҃ь угашеніемъ цр҃скаго наслѣдія (убивъ димитрія цр҃вича) похити себѣ скипетро многоже мучителствова но і самъ воиною полскою от притворнаго димитрія ростріги удрученъ. скончася в лѣто 1604.

29. **Василіи** четвертыи шуискіи цр҃ь і великіи кн҃зь россіиски избраніем. цр҃ство прием не в долгомъ времени остави е отшедъ в чинъ монашескіи но извлечен ихкоролю полскому отслап (котораго сн҃ъ зовомъ былъ нацр҃ство) в плѣненіи преставіся 1611.

30. **Михаилъ** от Ѳамиліи Романовых цр҃ь і великіи кн҃зь росіиски дѣдъ нн҃ѣ цр҃ствующего гд҃ря(.) оц҃а своего П: Ѳиларета Митрополта ростовскаго от удержанія полского возврати і напрестол патріаршіи возведе россіискоже гд҃рство в великіи миръ приведе преставіся влѣто 1645.

31. **Алеѯіи сн҃ъ** цр҃я михаіла Цр҃ь и великіи кн҃зь россіиски оц҃ъ нн҃ѣ цр҃ствующего храбрыи в воінѣ литву и полшу воевалъ славно ливонію взялъ имного силы приложи гд҃рству под его державу вручи себѣ малая россія навергше иго полское преставіся влѣто 1676.

32. **Ѳеѡдоръ третіи** сн҃ъ цр҃я алеѯѣя Цр҃ь и великіи кн҃зь россіиски Братъ нн҃ѣ цр҃ствующего славных дѣлъ отческих подражатель наіпачеже къ украшенію цр҃ковному і исправленію народному доброхотѣи и прилѣженъ на мнозѣ показася преселѣнъ квѣчному цр҃ству в лѣто 1682.

33. **Іоаннъ пятыи** цр҃ь ивеликіи кн҃зь россіиски вторый болши брат нн҃ѣ цр҃ствующего(.) сего исперва запрпродну его немощь мінуло было скипетро возведѣнну сущу напрестол Петру но за-

мятежъ народныи припряжеся і онъ кдержавѣ братнеи и сним согласнѣ царствовавъ преставіся в лѣто 1692.

Примѣчаніе. Портретъ Петра I, съ котораго списаны вышеприведенныя надписи (1 — 33) двухлистовой, гравированъ на мѣди, крѣпкой водкой мастеромъ Пикаромъ. Петръ изображенъ на немъ въ ростъ; по бокамъ его 33 медальона съ изображеніями великихъ князей и царей русскихъ съ приведенными выше подписями, а подъ ногами, на девяти уступахъ, изображены, въ видѣ барельефовъ, главныя побѣды его. Внизу—находится слѣдующая подпись:

«Петръ первый Цр̃ь и повелитель всеросійскіи».

Первыи симъ именемъ монархъ сеи росіискіи, но первыи идѣломъ; аще внутрь, аще внѣ отечества ходящу ему идѣйствующу при смотришіся Внутрь уду, тако добрѣ преобрази россію, яко преобразуется навесну земля уступившеи зимѣ. в законахъ гражданскихъ вредная испраздни, лишняя отъстави, скудная соверши, премногаяже sѣло полезная вновь введе и утверди. чинъ воинскіи, вправду чинъ содѣла чинныѣ и правилнѣ, оружіемъ снепріятели, правдою же съ други упражднятися научивъ, своимъ врадость, чюждимже встрахъ и зависть. Градъ пр̃ствующіи первыи отроди, вторыи же породи: обоимъ давъ и силу и доброличїе оную отъ новосозданныхъ регулярныхъ крѣпостей, сіеже отъ велелѣпныхъ архитектонскихъ здаліи. внародѣ одѣянїя нобычаи грубыя претвори на честныя. Морскіиже Θлотъ толь совершенно вскоромъ времени построенныи, есть дѣло его вроссіи не точію новое но никогдаже прежде чаянное недино то къ удивленїю всего мїра доволное, симъ же и їнымъ изобретеннымъ благимъ желая вѣчности, насади вземлѣ рустеи различныя хитрости, дѣло корабелное, гражданскую и воинскую архитектуру, піная мастерства домашняя намъ быти сотвори; Ащеже внѣ гр̃ства поидемъ занимъ, увидимъ побѣды числомъ многїя, величествомъ ужасныя: подъ азовомъ, подъ мызою гумоловою, Вливопіи, начуцкомъ озере, подъ марпенъ бурхомъ, на рекѣ амовже, подъ калишемъ, добрымъ, пропоискомъ при:деревнѣ леснои под полтавою иперево-

лочным подъ Өрідерихъ штатомъ въ Голштиніи, подъ тонингомъ въ Өинландіи подъ гелзенөорсомъ тавастгустомъ при рекѣ Пелкіне близъ васы на мори близъ Ангута приурочище Рилаксъ. Предстанутъ грады завоеванныя Казыкермень, Азовъ, шлюсенбурхъ, канцы, Дерптъ, Нарва, Митавъ, Элбингъ, Выборгъ, Кеѯголмъ, Рига, Динаментъ, Перновъ, Аренсбурхъ, Ревель, Неишлот, Стетинъ, Стралзунтъ. Довлѣетъ рещи: шведа аки непобѣдима въ Эвропѣ словуща приведе въ безсиліе А яко страшенъ явился врагомъ. Тако і любовенъ другомъ, подавъ всѣмъ о себѣ сумнѣніе. Силнѣишіи ли есть квоінѣ захрабрость, іли кдружбѣ за благость, въ союзъ многихъ монарховъ вожделѣнъ, умоленъ, и обятъ бысть, въ лѣто гдне 1716, надчетырмя Өлоты Англинскімъ Голландскимъ, Дацкимъ і своимъ Росіискимъ Верховныи повелитель оглашенъ, дивное же вездѣ о его цѣлости смотреніе внутрь от многихъ лютыхъ ізмѣнъ ібунтовъ невредимъ; внѣ вразличныхъ огняхъ военныхъ цѣлъ пребысть, устрояетъ по долженству. і яже къ богу вседушнѣ пекіися о церковномъ і справленіи і насажденіи ученіи спсительныхъ. Многоименитыи воистинну мужъ, многоченъ всовѣтѣхъ іскусенъ в дѣлѣхъ неістомленъ втрудѣхъ вездѣ всегда и вовсѣхъ дивенъ всѣхъ преждних Гдрей показа добродѣтелми ибыти себѣ послѣдніи; Во истинну, **Петръ первыи, Петръ Великіи**. Насего смотри, Аще кто хощеши добрѣ царствовати.

Подъ картиной:

Грыдоровалъ въ Ст Питер бурхе Петръ Пикартъ 1717 г.»

---

540. Екатерина II, типъ Ротари.

Копія точь въ точь съ гравюры Неггеса (№ 9 моего каталога); типъ Ротари. Поясн., ¾ влѣво. Внизу орелъ, съ московскимъ гербомъ на груди и подпись: «Catharina II Alexiowna — Russorum Imperatrix — Nata Princeps Anhalt Servest: — nata

d 2. May 1729. — ad Russorum solium evecta d. 8. Iulii A°. 1762».

Лице гравировано пунктиромъ, все прочее рѣзцемъ, очень грубо; въ большой листъ.

Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 1292).

---

541. Екатерина II, типъ Рокотова.

Обезображенное повтореніе гравюры Скородумова, съ оригинала Рокатова. Поясн. ¾ влѣво, гравировано пунктиромъ, въ листъ. Внизу подпись: «Екатерина Великая».

---

542. Екатерина II, типъ Ериксона.

Обезображеный типъ Ериксона (Radigue sc. 1768). Въ овалѣ, заключенномъ въ четыреугольникѣ. Поясн. ¾ вправо, въ коронѣ въ андреевской лентѣ со звѣздой. Внизу орелъ, съ вензелемъ Е А на груди, и подписью:

«Екатерина вторая їмператрица ї само-держица всероссїйская.» Гравировано рѣзцемъ. Изданіе лубочное, въ большой листъ (въ Олсуфьевскомъ собраніи. VII. 1289).

---

543. Екатерина II, (тотъ же типъ).

Повтореніе тогоже типа. Въовалѣ, заключенномъ въ четыреугольникѣ; поясн. ¾ вправо, въ коронкѣ и андреевской лентѣ. Внизу орелъ, съ вензелемъ «Е А на груди. Подпись: Вторая Императрица екатерина алексѣевна». Гравировано рѣзцемъ, въ малый листъ; изданіе лубочное. Въ моемъ собраніи.

---

544. Павелъ Петровичъ, Великимъ Княземъ, типъ Ротари.

Точная копія съ портрета, гравированнаго въ 1763 г. Грековымъ, съ оригинала Ротари. Поясн. ¾ влѣво, гравировано рѣзцемъ очень грубо и плохо. Подпись: «Государь Цесаревичь и Великіи Князь **Павелъ Петровичъ**. — Наслѣ. Всеросс. Прест. Влад. Герц. Шлезв. Голшт. — Paul Petrovitch-Grand Duc et Heritier du Throne de Russie — Duc regnant de Sleswik Holstein». Въ большой листъ. Изданіе лубочное (въ Олсуфьевскомъ собраніи. VII. 1293).

---

545. Павелъ Петровичъ, Великимъ Княземъ, тотъ же типъ.

Копія рѣзцемъ, съ того же оригинала; поясн. ¾ влѣво. Внизу орелъ, съ вензелемъ Е А на груди; по сторонамъ его подписи, слѣва русская: «Государь Цесаревичь и Великіи Князь—**Павелъ Петровичь**—Наслѣ. Всеросс. Прест. Влад. Герц. Шлезв. Голшт.» Справа: «Paul Petrovitch — Grand Duc et Heritier du Throne— de Russie duc regnant de Sleswick Holstein.»

Изрядной работы. Въ Олсуфьевскомъ собраніи есть два экземпляра этого портрета, одинъ (VII. 1293) неконченный и другой (1292) конченный.

---

546. Павелъ Петровичъ, Великимъ Княземъ, типъ Делапіера.

Съ оригинала Делапіера; поясн. ¾ влѣво, съ андреевской звѣздой, съ треугольной шляпой подъ мышкой. Надпись на пьедесталѣ: «Павелъ Петровичъ — Цезаревичъ и великіи—Князь На-

слѣдникъ Всероссiйскiи.» Пониже: «1768 году тушевалъ Θ Тихановъ». Въ листъ, очень недурно гравировано черной манерой. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собранiи (VII. 1296).

---

547. Павелъ Петровичъ, Великимъ Княземъ, тотъ же типъ.

Съ того же оригинала и въ мѣру предыдущаго. Поясн. $^3/_4$ влѣво. Гравированъ рѣзцемъ. Подпись: «Государь Цесаревичь и Великiи Князь — **Павелъ Петровичь** Наслѣ. Всеросс. — Прест. Влад. Герц. Шлезв. Голшт. — Paul Petrovitch Grand Duc et — Heritier du Throne de Russie duc regnant de Sleswick Holstein.» Въ листъ. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собранiи (VII. 1298).

---

548. Павелъ Петровичъ, Великимъ Княземъ, съ грав. Гласбаха.

Повтореніе рѣзцемъ съ гравюры Гласбаха; поясн. $^3/_4$ влѣво, въ малый листъ. Подпись: «Государь Цесаревичь и великiи князь — **Павелъ Петровичь** — наслѣ. всеросс. прест. влад. герц. шлезв.»

Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собранiи (VII 1297).

---

549. «Князь Италiйски Графъ **суворовъ рымникскiй** Генералиссимусъ».

Конный портретъ въ листъ; гравированъ пунктиромъ.

---

550. Оед. Ив. Дмитріевъ Мамоновъ.

«Федоръ Ивановичь дмитріевъ Мамоновъ полковникъ нарвскаго пехотнаго полку въ 1762 году». Надпись эта въ рамкѣ овала, въ которомъ заключенъ портретъ, поясн. $^3/_4$ вправо. Вверху овала труба и зеркало. Внизу нѣсколько купидоновъ и женщина (астрономія); одною рукою размѣряетъ она, циркулемъ, небесный глобусъ, а другою указываетъ въ развернутой книгѣ слова: «дворянинъ философъ».

Справа гербъ Мамонова; а подъ небеснымъ глобусомъ два свитка съ надписями: «эпистола Генералъ въ полѣ» и «поема».

Справа, внизу, солдатъ нарвскаго полка, дѣлающій портрету ружьемъ на караулъ.

Подпись: «Theodorus ioannides — Russica Nobili Prosapia A Demitriew Mamonow narvensis Legionis chiliarchus anno 1762.

О ты которыи столь во свѣтъ родился честѣпъ;
Что свѣтъ тебѣ со всей корыстью непрелѣстенъ,

лишь полностью плѣненъ. Ты славой дѣлъ честныхъ; исправилъ множество сердецъ й нравовъ злыхъ усердность таковажъ и надпись сочиняетъ. — градировалъ в. іконниковъ — надпись сочинял петръ. пановъ.»

Лице гравировано пунктиромъ, все прочее рѣзцемъ. В. 12, 10; Ш. 9. Находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 1307).

---

551. Александръ I, типъ Аткинсона.

Въ ростъ (типъ Аткинсона), въ порфирѣ, передъ бюстомъ Екатерины II; внизу орелъ и подпись: «Александръ Первый (Императоръ и Самодержецъ) Всероссійскій».

Картинка въ полліста, гравирована пунктиромъ. Въ моемъ собраніи.

---

552. Александръ I, типъ Кюгельхена.

Въ ростъ, въ огромной треугольной шляпѣ (типъ Кюгельхенъ — Валькеръ 1801 г.). Гравюра пунктиромъ въ полулиста, работы мастера Грачева, подпись котораго находится внизу: «Гра а: Гра.» — Вдали видѣнъ народъ; подпись внизу: «Александръ ..I..» Въ моемъ собраніи.

---

553. Александръ I, тотъ же типъ.

Точная копія съ предыдущаго нумера, пунктиромъ; внизу орелъ и подпись: «Александръ Первый». Въ моемъ собраніи.

---

554. Александръ I.

«Одинъ для всѣхъ Императоръ Александръ I» отдалъ войскамъ приказъ въ вилне 25 декабря 1812 изъ онаго достопаметные слова (:) уже нетъ ніединаго непріятеля налице земли нашей вы потрупамъ и костямъ ихъ и пришли къ предѣламъ имперій остается еще вамъ перепти за оные недля завоеванія или внесенія воины въ земле соседеи нашихъ нодля достиженія желанной и прочной тишины вы идете доставать себе спокойствіе а имъ свободу и независимость да будутъ они двузья наши отъ поведенія вашего зависеть будетъ ускореніе мира.». Эту рѣчь говоритъ Императоръ Александръ I передъ войскомъ; у ногъ его лежатъ, пушка, левъ, змѣя и человѣческія кости.

Картинка въ листъ, гравированная рѣзцемъ. Во второмъ изданіи ея внизу прибавлено: «Печат. Поз. М. 1839 г. Маія 19 д. Ценсор: М: Коченовскій.»

---

555. Александръ I. «Одинъ для Всехъ».

Эта подпись находится на листовой картинкѣ гравированной рѣзцомъ, и представляющей Императора Александра I, которой поддерживаетъ, вмѣстѣ съ Г. М. Платовымъ, щитъ съ россійскимъ гербомъ. Слѣва стоитъ Гр. Витгенштейнъ. Вверху орелъ съ лавровымъ вѣнкомъ, отъ него спускается рогъ изобилія, съ подписью: «миръ со всею Европою».

---

556. Александръ I, типъ Волкова.

«Его Величество Императоръ Александръ Первый: Alexandre Premier. Empereur et Autocrate de toutes les Russies.» Типъ Волкова. Поясн. $^3/_4$ влѣво пунктиромъ, въ листъ.

---

557. «Елизавета Алексѣевна.

«Гра А Гра (човъ).» Грав. Пунктиромъ, въ листъ. Обезображеное повтореніе гравюры Клаубера съ оригинала Лебренъ.

---

558. Александръ I, котораго ведетъ за руку Императрица Елисавета Алексѣевна. Внизу: «Міръ Европы 1814 года. — La Paix de Leurope L An 1814». Уродливая гравюра пунктиромъ, въ листъ; повтореніе большой гравюры Карделли.

---

559. «Императоръ Александръ I Возстановляетъ Миръ въ Европѣ 1814 года».

Картинка въ листъ, гравированная пунктиромъ, (голова Александра I, типъ Волкова).

Во второмъ изданіи, къ вышеприведенной подписи прибавлено: «Печ. Позв. М. 1839 год. Маія 12 д. Ценсоръ В. Флеровъ».

---

560. «Императоръ Александръ I возстановляетъ Францію 1814 года.»

Франція представлена въ видѣ Минервы (голова Александра I, типъ Волкова).

Во второмъ изданіи къ вышеприведенной подписи прибавлено: «Печат. поз. М. 1839 года Маія 12 д. Ценс. В. Флеровъ.» Гравировано пунктиромъ, въ листъ.

---

561. «Союзъ Государей для Спасенія Европы».

Императоръ Александръ I, Прусскій Король и Австрійскій Императоръ держатъ другъ друга за руки.

Плохая гравюра пунктиромъ, въ листъ. Подписи русская и нѣмецкая.

---

562. «Александръ Первый Императоръ и Самодержецъ всероссіскій», и: «Карлъ Фридрихъ Саксенъ Веймарскій.»

Верхами, въ огромныхъ треугольныхъ шляпахъ; справа народъ. Безобразнѣйшая гравюра пунктиромъ и рѣзцемъ, въ полліста. Въ моемъ собраніи.

---

563. Александръ I и В. К. Константинъ Павловичъ.

Они представлены верхомъ. Чрезвычайно плохая гравюра **Грачева**, въ поллиста.

---

564. Александръ I, Великіе князья Константинъ, Николай и Михаилъ Павловичи и Александръ Николаевичъ.

Всѣ верхомъ. Плохая гравюра пунктиромъ, въ большой листъ, вдлинну.

---

565. Портреты нѣкоторыхъ героевъ 1812—15 годовъ.

Всего 16 портретовъ, грубо выгравированныхъ крѣпкой водкой, и пунктиромъ, въ листъ; герои представлены верхомъ, а именно:

1) «Александръ Первый Императоръ и Самодержецъ | Всероссійскій.»

2) «Его Высочество Великій Князь Константинъ Павло | вичъ.»

3) «Великій Князь Николай Павловичъ. Дѣла на Фа (?)» [1]).

4) «Австрійскій Союзный Императоръ Францъ II.»

5) «Фридерикъ Вильгельмъ III Король Прусскій.»

6) «Генералъ Фельдмаршалъ Графъ барклай де Толи | Главнокомандующій Россійскими Армиями.»

7) «Графъ Сакенъ, Губернаторъ Парижа.»

8) «Александръ Петровичъ Тормасовъ Генералъ отъ Кавалеріи.»

9) «Графъ Михаилъ Андрѣевичь Милорадовичь Генералъ отъ Инфантеріи.»

10) «Графъ Матвей Ивановичь Платовъ.»

11) «Коновницынъ | Дежурный Генералъ всѣхъ Россійскихъ Армій въ 1812го.»

12) «Храбрый Кульневъ Генералъ Маіоръ» [2]).

13) «Генералъ Маіоръ Сеславинъ Сумскаго Гусарскаго полка командиръ» [3]).

14) «Графъ Витгенштейнъ Генералъ отъ Кавалеріи и разныхъ орденовъ Кавалеръ.»

15) «Баронъ Винцингроде Генералъ отъ Кавалеріи.»

---

[1]) Во второмъ изданіи этого портрета подпись измѣнена: «Николай Первый Императоръ и Самодержецъ Всероссійскій».

[2]) Во второмъ изданіи 1839 года, кромѣ этой подписи: «Сражаясь за Отечество окончилъ жизнь на полѣ чести 20 Іюля 1812 на 48 году отъ рожденія.» Этого листа было сдѣлано еще третье изданіе, для чего доска подгравирована вся вновь.

[3]) Экземпляръ этихъ 13-ти портретовъ перваго изданія находится въ русскоя библіотекѣ Академіи Наукъ.

16) «Его Императорскаго Величества Генералъ Адъютантъ Графъ Орловъ Денисовъ.»

Второе изданіе №№ 14—16, съ прибавленіемъ портрета Кульнева, напечатано съ цензурнымъ дозволеніемъ: «Печат. позв. М. 1839 г. Маія 12 д. Цен. В. Флеровъ, въ Метал: Сергѣевой» *).

Въ собраніи П. А. Ефремова находятся еще три портрета изъ этого послѣдованія, изданія 1839 г. Метал. Сергѣевой:

17) «Австрійскій Союзный Императоръ Францъ II.»

18) «Князь Карлъ Шварценбергъ Австрійскій Генералъ Фельдмаршалъ.»

19) «Князь блюхеръ фонъ Вальштатъ Прусскій Генералъ Фельдмаршалъ.»

Экземпляры перваго изданія этихъ портретовъ мнѣ неизвѣстны.

---

566. «Князь Кутузовъ Смоленской. Г: Витгенштейнъ. Г: Платовъ.»

Всѣ три верхомъ. Картинка въ листъ. Лица гравированы пунктиромъ (плохи но схожи), прочее рѣзцемъ; въ листъ.

---

567. «Генералъ Аншевъ **Николай Николаевичь Раевскій.**»

Конный портретъ въ листъ; гравированъ рѣзцемъ.

---

568. «Іловайскій Четвертый Генералъ Маіоръ Войска Донскаго.

Лито: Позв. М. 1839 года, Маія 5 дня Цензоръ В. Флеровъ.»

---

*) Полный экземпляръ 2-го изданія находится въ собраніи П. А. Ефремова.

Конный портретъ въ листъ, гравированный рѣзцемъ на камнѣ. Оба (567 и 568) гравированы въ одной манерѣ съ № 565; старыхъ отпечатковъ этихъ портретовъ мнѣ неизвѣстно.

---

569. «Князь багратіонъ Командующій авангардомъ въ арміи при бородинскомъ полѣ Августа 26го д. 1812. г.»

Въ листъ, гравировано рѣзцемъ. Во второмъ изданіи прибавлено: «Печат: позв: Москва 30. Іюня 1844 года Ценсоръ В. Флеровъ. въ Меттал. А. Лаврентьевой.»

---

570. «Графъ Матвѣй Ивановичь Платовъ.

Генералъ отъ Кавалеріи Войска Донскаго войсковой Атаманъ и разныхъ Орденовъ Россійскихъ и иностранныхъ Кавалеръ. Печат: позв: Мос: 1839. года Маія 12. дня Ценз: В: Флеровъ. въ Метал: Сергѣевой.

Конный портретъ (сзади Платова козакъ и башкирецъ, верхомъ), въ листъ, гравированный пунктиромъ. Отпечатанъ со старой, очень истертой доски; экземпляровъ 1-го изданія мнѣ неизвѣстно.

---

571. Антоній черноуцъ Черноуцкихъ, архіепископъ и Митрополитъ Сочавскій и Молдавскій, бывшій прежде въ Черниговѣ.

Онъ представленъ въ ростъ, въ полномъ митрополичьемъ облаченіи. По бокамъ его, слѣва: «Преподобный Антоній Великій»; съ книгою, въ которой написано: «повинуйтеся наставникамъ вашимъ... нѣсть бо полезно»; Справа: «Стый Алеξандръ Констан-

тина града», съ книгою, въ которой написано: «вы есть си мира... всѣмъ иже въ храминѣ.»

Подъ этими святыми, вирши слѣва:

«Тезоименитъ твой Антоній кбг҃у.
Пришедій молитъ сегѡ да премногу.
Дастъ тебѣ милости чрезъ долгая лѣта.
кромѣ навѣта»;

Справа: «Алеѯандръ твой Агг҃лъ пребл҃женнїй.

Патріаршества саномъ предпочтенній.
Се бл҃гословитъ тя выну Смиренна. бл҃гословенна.»

Вверху, всрединѣ, св. троица; слѣва, богоматерь, св. Симеонъ богопріимецъ и препод. Параскева; справа: св. Іоаннъ Предтеча, св. великомуч. Георгій и св. великомуч. Іоаннъ Сочавскій. Подъ ними вирши, слѣва:

«Се предстоитъ дв҃ица и бж҃ія м҃ти Одесную пр҃тола вишнеи бл҃годати.

Да бл҃гаго пастира и вѣрнаго сп҃а бл҃гословиття Тро҃ца всуществѣ едина».

и: «Молитъ бг҃а прїимецъ Сѵмеон бл҃женній.
Тро҃цу, да пребудеши ничимиже вражденнїй,
Купно с' Параскевою, яже есть нетлѣння.
Вхрамѣ трехъ ст҃телей бг҃у вожделѣнна.»

Справа:

Молбу творитъ Іоаннъ ктр҃чикому свѣту.
Ежебѣ враждебному исбыти навѣту вжизни твоей безвредной
и да насажденний
виноградъ твой низу цѣл будет сохраненнїй.»

и: «Се великомч҃никъ Георгій преславнїй молитъ.
Тро҃цу имъже есть побѣжден змїй главнїй.
и Мч҃еникъ Іоаннъ иже бѣ всочавѣ,
да впастирской вдолготу днїй будеши Славѣ.»

Внизу, въ двухъ клеймахъ, представлено, въ лѣвомъ—Антоній въ монашескомъ платьѣ, воздѣлывающій виноградникъ, при помощи ангела, монаха и трехъ работниковъ. Надписи на виноградныхъ лозахъ: «богомыслїе — воздержапіе — смиреномудріе — чистота — кротость — терпѣніе.»

Подъ клеймомъ вирши:

«На сицевыхъ древесахъ седмь изображенны.
Добродѣтели, быша вжизни совершенны.
Антонїемъ великимъ, яже все почиша.
На тебѣ, и втебѣ твердь свою положиша?

Въ правомъ клеймѣ представлена вырубка лѣса. Воинъ распоряжается работой. Одинъ изъ работниковъ бросаетъ въ огонь дерево; на деревѣ надпись:

«Всякое оубо древо еже не творитъ плода посѣкаемо бываетъ и въ огнь вмѣтаемо.»

Подъ клеймомъ вирши:

«Се воинъ Хр҃твъ хощетъ дабы посѣченно:
было древо безплодно и вѡгн поверженно.
Зане сей Алеѯандеръ ѿ младыхъ лѣтъ многу.
Жатву добродѣтелей принесе къ бг҃у.»

Внизу, всрединѣ, подъ Антоніемъ щитъ, съ буквами:» А. М. С. И. З. М. (Антоній митрополитъ Сочавскій и земли Молдавскія).

Подъ щитомъ посвященіе:

«Виноград добродѣтелеи блг҃стїю Ста҃го Дх҃а животодавца возращенный благоразуміем же преѡс҃щеннѣйшагѡ Гд҃на кѵръ Антонїа черзноуцъ Черноуцкихъ. Бж҃їею милостїю Архи Еп҃кпа Митрополити Сочавскаго и всея земли Молдавской оустроенный Емуже доброту и трудолюбному Винограда Хр҃това дѣлателю нашему превисочайшему благотворителю вдаръ приносится.»

По бокамъ этой подписи, слѣва и справа, вирши:

«Цвѣтущъ добродѣтелми вяссахъ принесенный.
Тебѣ в'даръ сей виноградъ пастирю бл̄женный.
Антоніе великій словомъ же и дѣломъ
Пр̃ноцвѣтущъ в'ч̃тотѣ дш̄ею и тѣломъ.
Ѡт твоего избранны мысленнаго стада.
Нп̃ѣ Черпѣговская разумна ограда.
Своему пастиреви сице оусердствуетъ,
Да тишина вднехъ твоихъ, и миръ жителствуетъ.»

Большая картина отпечатанная на листѣ, склеенномъ изъ четырехъ листовъ и двухъ полулистовъ. Гравирована на мѣди рѣзцемъ и подтушевана рулеткой.

Единственно извѣстный экземпляръ ея находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (X. 2084).

---

572. Фридрихъ, король прусскій.

«Всепресвѣтлѣишіи і всесілнѣшіи князь і гд̄рь Фридріхъ — божіею мл̄тію король прискіи моргъ графъ брандербургскіи свято рімскои имперіи эрцъ кемереръ і курфірстъ самовладетелнои прінцъ оранскои... и прочая родился 24 генваря 1712. года.»

Портретъ поясной, $^3/_4$ вправо, гравированъ рѣзцемъ въ листъ. Изданіе лубочное.

---

573. Елизавета королева прусская.

«Елисавета кристина божіею мл҃тіею коралевна пруская... роділась, 8 ноября 1715 бракомъ сочеталас 12 іюня 1733 г». Поясн. ¾ влѣво, грубой работы рѣзцемъ; дружка предыдущему. Оба находятся въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 1299 и 1300).

---

574. Фридрихъ король прусскій.

Съ того же оригинала (№ 572). Поясн. въ овалѣ, ¾ вправо, гравировано рѣзцемъ, въ большой листъ. Подпись: «Fredericus Magnus Res Borusjiae».

---

575. Елизавета королева прусская.

Поясн. въ овалѣ, ¾ влѣво, гравированно рѣзцемъ, въ большой листъ, дружка предыдущему. Подпись: «Ludovik Herica D. g. Svecorum Gothorum et Vondalorum Regina regis Borusjsicae Princeps». Оба въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 1303 и 1304).

---

576. «Густавъ III, король швецкій».

«Родился въ 1746 году генваря 24. дня. Гравировалъ Петръ николаевъ чуваевъ 1782 года.

Фридерикъ генрикъ людовикъ прусскій принцъ. Фридерика II прусскаго Короля братъ. родился. 1726. году. генваря 18. дня.

Большая картина, гравированная крѣпкой водкой и отпечатанная на двухъ, склеенныхъ вдлинну, листахъ бумаги.

Густавъ и Фридерихъ представлены верхомъ; сзади ихъ свита; за ними видѣнъ лагерь, войско подъ ружьемъ, а вдали море со множествомъ кораблей. Въ моемъ собраніи.

---

577. Лудовикъ Герцогъ Бургонскій.

«Louis de France Duc de Bourgogne.» Въ ростъ, указываетъ на женскій портретъ, стоящій слѣва на столѣ. Гравировано рѣзцемъ; въ малый листъ. Изданіе Ахметьевской фабрики.

Одинъ экземпляръ этой картинки, находится въ моемъ собраніи, другой въ Олсуфьевскомъ (VII. 1305).

---

578. Карлъ Еммануилъ, Король Сардинскій.

«Carolus Emanuel III, Rex Sardiniae Dux Sabaudiae. Nat: d: 27. Apr: 1701.» Плохая крѣпкая водка 4°; обезображеная копія съ иностраннаго оригинала. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 2919).

---

579. «Даротея Гамбургская вольнодомка».

Поясн. $^3/_4$ вправо. Очень плохая картинка, гравированная рѣзцемъ, въ листъ, съ иностраннаго оригинала. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи. (VII. 2920).

---

580. Султанъ Мустафа.

«Мустафа 3 — Цр̃ь турецкïи родился 1715 году декабря 20 дня. А на царство возведенъ... октября 29 дня 1787 — Султанъ Велики Гд̃рь і цр̃ь Турецки і Гречески Персицки Афонски — Антіохійски македонски тарфински велик. и малаго египта Армянски чебыкъ кафенски сохранитель Гроба мессїева Велики Владетель — неоцененная надѣжда атамановъ драги камень и весма — и весма страшны цр̃ь.»

Онъ представленъ попоясъ, окруженный воинскими арматурами; съ боковъ лежатъ, медвѣдь, обнимающій лапами барабанъ и левъ, съ мечемъ въ лапѣ.

Внизу стоятъ два всадника (янычары) и три министра.

Гравировано въ листъ; рѣзцемъ. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 1301).

---

581. «Сылны богатырь Янычарски началникъ амуратъ.»

На конѣ, съ мечемъ въ рукѣ. Листовая картинка, гравированная рѣзцемъ; подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (XI. 2347).

---

582. Турецкіе паши Ага и Муралеи.

Оба на коняхъ, съѣзжаются драться; первый уже натянулъ лукъ, а второй вынулъ саблю. У ногъ ихъ лежатъ перебитые турки.

Надъ ними надписи:

«Турецкой паша Муралей — Турецкой паша Ага.»

Листовая картинка, изданіе Ахметьевской фабрики; подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

---

583. Богатыри Позорскій и пеше Шиширъ.

Двѣ картинки, гравированныя на одной доскѣ, мастеромъ Чуваевымъ; на каждой изъ нихъ представленъ всадникъ на конѣ.

Надпись на первой:

«Храбрый іскусной герои офиопской уроженецъ черногорской. прозваниемъ позорскои.»

Внизу:

«Конь бежитъ, воздухъ свиститъ, шумятъ лѣса, и земля дрожитъ.

Храброй индѣецъ, будучи намногихъ поединкахъ, своимъ искуствомъ, вочистомъ полѣ, побилъ множество могучихъ богатырѣй і никто могъ стерпѣть ево меты, а воевалъ многия лѣты.»

На картинкѣ подпись мастера: «П. Ч. Чуваевъ».

Надпись на второй картинкѣ:

«Славной силной и проворной, неустрашімои турецкои богатырь, пешѣ шиширъ.»

Внизу:

«Вдрагоцѣнномъ конь убранствѣ:
скоро бежитъ, какъ птица.
лѣтитъ:

Герой впарядѣ турѣцкомъ, вхрабрости блистаетъ маладец противъ ево силы, и острой рапыры кто смеетъ стоять безпромаху, увсякаго жизнь, водинъ мигъ можетъ отнять».

На картинкѣ подпись мастера: «Петръ Николаев.»
Листовая картинка; подлинникъ находится въ моемъ собраніи.»

---

584. «Пруской Генералъ Фельдмаршалъ и орденовъ разныхъ Государствъ Ковалеръ **Блюхеръ**. Лит. Позв. М. 1839 года. Маія 5 дня Цензоръ В. Флеровъ.»

Конный портретъ въ листъ, гравированный рѣзцемъ. Печатанъ съ перевода на камень.

---

585. «**Князь Блюхеръ** при Сраженіи подъ Игней вопасности и спасенъ отъ Вернаго своего Адъютанта Июня 23|1815. Печат: позв: Мос. 1839 года Маія 12. дня Ценз: В: Флеровъ. въ Метал: Сергѣевой. Грав. В. Храмцевъ.»

Старыхъ изданій этихъ двухъ листовъ мнѣ неизвѣстно.

---

586. «**Бобелина**. Коль жизни не щадимъ за славу и честь, безсмертіе чрезъ то мы можемъ приобресть. Сія Героиня образецъ Семейственной любви, мужества и патріотизма Оплакивала своего Супруга, которой содѣлала жертвою тиранство Турковъ во время возмущенія, обладая великими богатствами, она вооружила семь Кораблей, которыхъ сила возрастаетъ вмѣстѣ съ Греческимъ Флотомъ въ Архипелагѣ, три Флота также ея издержками были снабжены Она ими начальствуетъ, сражается и осаждаетъ непріятелей съ быстротою древней Спартанки».

Бобелина изображена въ ростъ, съ саблей въ рукѣ, сзади видна битва. Гравюра пунктиромъ; въ листъ.

587. «**Бобелина.** Геройня Грецій. Грави. дозволя. Декабря 20. дня. 1829. года Цензоръ С. Глинка».

Конный портретъ, въ листъ.

---

588. Бобелина Геройня Греціи Грав. Позв. Москва, Іюля 12 дня 1835 года. Цензоръ Лазаревъ. Конный портретъ въ листъ.

---

589. «По неустрашимости известная вдова **Бобелина** храбростію и силою своею Многихъ Мущинъ превосходитъ Отъ роду Имеетъ Около 30 лѣтъ видно въ молодости своей была Очень Хороша. Эздитъ Наконѣ Въ приличномъ Еи Платьи Исъ греческими знаменами защищаетъ Островъ Θазосъ Отъкуда Турки получали Карабельной лѣсъ. — Печат: Поз. М. 1839. г. Маія 12 д. Ценс. В. Флеровъ.»

Конный портретъ, въ листъ. Всѣ четыре находятся въ собраніи Ефремова.

ЗЕМЛЕОПИСАНІЕ.

590. Космографія.

Четырехлистовая картина, гравированная на мѣди, въ первой половинѣ прошедшаго столѣтія. Подлинникъ находится въ моемъ собраніи. Первая строка надписи заканчивается словами: «Космографія переведе».

Вверху картинки надпись:

«Книга глаголемая Козмографія переведена бысть сримскаго языка внеи описаны государства и земли и знатные ѡстрова и вкотори части живутъ какия люди и веры ихъ и нравы и что: вкотори земли родится и ѡ томъ значетъ всочиненномъ ѡкрузе семъ».

По угламъ аллегорическія изображенія четырехъ странъ свѣта; вверху, слѣва:

«Востокъ слн̃ца первая часть нарицается азія болшаго ноева сына сима жребіи конецъ ея довосточнаго острова макаринскаго иже есть до блаженнаго рая другиже конецъ ея до фасіскаго моря ичернаго третіи конецъ Разделается откитаискаго царства до земли зверообразныхъ людеи до сибіри ідохвалынскаго моря.»

Вверху, справа:

«Полдень вторая часть нарицается африка средняго ноева сына хама жребие конецъ же еи достигаетъ оспрскаго языка и до

чернаго моря и до понтискаго ѡстрова здругую страну отчернаго моря идо ефіопския пучины астрискою страну отегипта и до белаго моря и до ѡкіянския пучины.»

Внизу, слѣва:

«третия часть нарицается европа меншаго ноева сына афета жребие протязается отередняго моря и до великаго моря ѡкіяна здругую страну до варяжкаго моря стретею страну до мурманскаго моря и до студенаго моря иже есть соловецъкая пучина.»

Внизу, справа:

«запотъ (адъ) четвертая часть нарицается і новая америка невдавныхъ летахъ изыскана британскихъ и французскихъ немецъ людми безграмотными и созлатою и серебряною рудою и о сихъ ѡстроввъ те немцы зело обогатилисъ и грады поставіли і назваша четвертую часть новую землю і положися ея ктемъ тремъ частямъ».

Всредин҃ѣ представленъ большой кругъ, въ которомъ обозначены моря, н҃ѣкоторыя р҃ѣки и озера, острова и государства.

Вездѣ сдѣланы приличныя надписи; надписи эти, для большаго удобства, приводятся здѣсь подъ нумерами, которыхъ въ подлинникѣ н҃ѣтъ.

Города обозначены однообразно: православные, въ видѣ соборныхъ храмовъ съ крестами на главахъ; языческіе, въ видѣ мечетей съ луною; христіанскіе иновѣрные, въ видѣ крѣпостей и башень съ флагами.

На мѣстѣ Москвы представленъ цѣлый Кремль; — а на мѣстѣ Петербурга: Петропавловскій крѣпостной соборъ и пять деревецъ.

«Море индеиское — море мертвое.

(1) Царство индея малая стоитъ подле моря восточнаго владеютъ островами многїми морскимї богато зело златомъ (.) подданїю царя великия индиї покъланяются сонцу и огню и звездамъ.

(2) Мазическое царство девичье а совокупляются они съеои-

опыми згоду на годъ (.) мужески полъ отдаютъ еѳиопомъ въ ихъ землю малыхъ а женски полъ оставляютъ.

(3) полдень земля еѳиопская бывали царие благочестивыя по давиду глаголему царие ѳарсїиския (.) ныне внихъ варварския законы служатъ сонцу и огню (.) богата златомъ (;) за индискимъ царемъ.

(4) востокъ арапское царство арапы черныя веры и нравы египетцѣя веруютъ они сонцу и огню и звездамъ їдутъ отнихъ золотыя во многия земли (.) многа внеї пшена сорочинскаго и гвоздики.

(5) Царство вавилонское ізначала было царство славное і людно и богатое а ныне пусто жівутъ внеі змии.

(6) земля ѳарсиская изначала были внеї царие благочестивыи внем проповедалъ пророкъ їсаїя цр҃ю о граде ї о люд҃хъ погїбелї (.) изобїлно златом хлеба мало.

(7) страна асирия великая было царство силное и воискаго оружия внеи мого (.) верыже и грады благостивыя есть и различныхъ ересеи всеи части стоятъ и славны градъ антиохия многолюдно и украшенно живетъ патриархъ (.) данию за турецкимъ царемъ благочестие пустеетъ отданеи турецкихъ (;) родима хлебом ї виноградомъ.

(8) Полдень страна великая полестина внеи и святы градъ иерусалимъ богомъ любимъ (.) созда царь мелхиседекъ царствовалї потомъ царь саулъ царь давытъ (;) соломонъ внемъ созда святая святыхъ (;) подвести внеи цари цатствовали (;) земля плодовита хлебомъ ї виноградомъ и скотомъ человецы жидови ї злондравны рассеянны вовсе страны живутъ они разны языцы і разныя веры подданїю турскаго (.) патрїатрх монастырї чесны ї доныне во благочестїи.

(9) Островъ кипрсъки внемъ обретается 40 градовъ данию были за цесарем и за папою римскїмъ а ныне за турецкимъ.

(10) островъ критски ї̄ внемъ градовъ веры внем разныя благочестїе и протчая.

(11) востокъ земля малацыя стоитъ подле море окиана на

вогатре (?) всеи земле много злата и камение драгаго поклоняются їдоломъ а воины нїскемъ неїмеютъ человецы стралївы зело велми.

(12) земля сьхия великая пространна зело многолюдна питаются людие овощиемъ всякимъ и зверьми и нравы имеютъ разныя всякими цветами ризами.

(13) востокъ царство індеиское пространно и многолюдно градовъ и семъ многочисленно до моря восточнаго (.) веру людие имеютъ сонцу ї огню и звездамъ (.) вера воиндеї была благочестивая немного время при царе аоерине иосиое царевиче їндеіскомъ а ныне доконца заблудѣшѣ (.) богата златомъ и жемчугомъ камениемъ драгимъ и слаткимъ кореннемъ (.) градъ у нихъ конъбоя 5000 верстъ каменнои крепокъ велми.

(14) царство мидское было славно и многолюдное при царе дарії перскомъ і при александре македонскомъ а ныне за кїзылбашї.

(15) земля персидская изначала было царство славное и богатое въласьть имело надвесенную царствовалъ дарії царь александръ македонски (.) человецы на ратехъ лехки и тщателны и о звдочетно а ныне за персидскимъ шахомъ.

(16) земля кизылбашная а ныне стало царство нерское парицается шахъ потому что онъ обладалъ царъствомъ перскимъ и вавилонскимъ (.) а ныне царство запустели вера у нихъ махометовъ много у нихъ шелку бумаги часто биются стуркї.

(17) есть место тутъ нодвостокомъ место где їсходятъ четыре рекї раїския прежде того отсозданїя мїра те реки шлї устїемъ іссамаго едемскаго рая глаголетъ о мїротвореної книге кто сотворївъ четыре рекї великия напаятї мя первої реке геонъ второи феонъ третиї тигръ четъвертои ефратъ по рекекам до рая итї не возм (?)

Море пещаное.

(18) горы каменные откитаи до моря їндеина 2000 верстъ путь велмї труденъ.

(19) городъ хива.

(20) градъ бухарсъ много обретáется ризъ бумаги хлопчатои.

(21) каракалпаки начюютъ въ горахъ.

(22) земля качевыя орды колмыцкихъ кънязеи переходятъ по степямъ отместа на место (;) пїтаются. они скотомъ хлеба никакова несеютъ скота імѣтъ у себя много.

(23) земля рахманская люди внеї ходятъ пагїя одеваются листьямъ садовыми и отъ техъ древесъ овощемъ питаются а ризъ ни скота ни хлеба неимеютъ нї градовъ нї воїны а веруют на небо кбогу а крещенїя неимеют.

(24) горы великия стекляныя человековъ несть жилища ни проходу но живутъ корбаты и змїи великия и страшныя (.) доходилъ царь алексапдръ македонски изгналъ пять цареї поганыхъ.

(25) царство ·иконское за кизылбаши людие толсты ноги тонки.

(26) царство китаиское стоитъ на уголъ моря окияна пространно ї многолюдно и богато зело (.) торговать книмъ ездять на корабляхъ гости по товары (.) вера обретается влюдехъ татарская а воины они нискемъ ниїмеютъ.

(27) Море ѡкиянъ восточны.

Море ѡкиянъ полуденны.

(28) востокъ островъ макариски первыи потсамымъ востокомъ сонца близь блаженнаго рая а потому его тако близь парицаютъ что залетаютъ всиї островъ птїцы раїскїя (.) людїе имеютъ языкъ греческї и цр̃я ї до сего острова доходїлъ царь александръ македонскї ї возвратїся вселенную (.) тамо зїмы несть людїе язык їмеют гречески до ныне.

(29) островъ макарїискї жены и детеї живутъ особо (;) родїмъ всякимъ овощем ї виноградомъ древеса обретаются зелены всегда.

(30) островъ живутъ на немъ люди главы у нихъ видомъ песьи человецы велицы и страшливые много насемъ острову каменїе драгоценныхъ.

(31) островъ на немъ живутъ людие власы у нихъ имеютъ видомъ львовы велїцы ї страшны зело воудивление.

(32) островъ пусътъ живутъ на немъ змиї лице девичье (;) до пупа человекъ а отпупа у нихъ и хоботъ змиевъ крылати а зовамы василиски.

(33) островъ и живутъ на немъ люди человекоятцы былъ внемъ съвяты апостолъ андреи первозванныи и вера у нихъ кумирская.

(34) островъ богаты кумиринъ при мори жемчугъ а болшеи враковинахъ емлютъ (;) люден нетъ пустъ.

(35) полдень царство могданское и стоитъ наединомъ месте полуденномъ внемъ объретаются люди купеческия и нравы и обычаи у нихъ египецкїхъ людеи понеже они отроду ѳараонскаго градовъ у себя нсимеютъ веруютъ сонцу и огню воины нискемъ нетъ.

Море черное.

(36) ударї моїсеи жезломъ крестообразно трижди вторе їде струи до днесь белыи.

(37) полдень земля ѳилїстїмля меломития (;) веры внихъ варварскїя и нравы разные поданїю ї покорение турскаго (;) земля ихъ скотна и овощна пространна стоїтъ подле моря чернаго ї мертваго.

(38) гора синаиская въ аравїи тутъ ѡтбога моисеи законъ прия и виде неопалимую купїну втомъ месте служатъ вцеркві свещ̄нїцы босимї ногами.

(39) земля аравия внеи горы великия и пустынї непроходимыя много монастыреи внихъ їнаковъ 1000 обретаются с̄. мощи мучницы екатерїны (.) питаются людие ѳиниками и смоквї ученія мудраго неимутъ данню за турскимъ.

(40) земля египетцкая было царство славное и гордое иже ѳараоны нарицалися (.) поработали имъ сыны израелевї праведнымъ судомъ божиимъ вчернемъ море потопилася (.) есть внеи города великия александрия живутъ патриархи и їныхъ людеи множество египтяняже издавно кмудрости.

(41) земля лявиская пространна родїма хлебомъ и вїноградомъ что їныя такия родимыя нетъ во всемъ съвете (.) воѡної земли множество монастыреї чернецовъ ї скитовъ внеїже множество гадовъ ї змїевъ ядовитыхъ.

(42) полдень земля виѳлида было царство благочестивое а ныне разорено от тяжкихъ данеи оттурскаго и от еѳиопскихъ цареи (.) много воонои земли монастыреи и пустынь и скотовъ а чернц҃овъ болше белцовъ (.) земля ихъ плодовита хлебомъ и овощиемъ монастыри турскому и еѳиопскому надвое положенную болшую тяшкую дань.

(43) царство еѳиопское вторая еѳиопия полуденная пространна и многолюдная людїи внеи веры имеютъ благочестивую и ветхаго закона (;) обретаются потриархъ и епїскопы множество монастыреи внеи монаховъ (.) людие внеи велиї черны от солнечнаго жару хлеба у нихъ мало питаются всякимї овощьми богато зело златомъ и каменїемъ драгимъ биются со многимї обретающимися землями ї стуркї.

(44) земля ї вторая крапия пространна ї людна стоитъ подле моря окияна обретаются люди пїтаются всякимъ скотомъ и рыбою хлеба у нихъ никакова нетъ людие вельми черны понеже имеютца жары великия ѡт солнца.

(45) королевство поноянское стоитъ подле моря окияна пространно богато людие велми горды веру имеютъ евагелитцкую и калфинскую ересь (.) люди їзыныхъ земель приезжаютъ книмъ торговать то принуждаютъ ихъ въ свою веру ї торговать темъ даютъ а которыя не прїимутъ ї они на главы їхъ накладываютъ шлыки бумажныя и зажигаютъ и съ того згораютъ.

(46) земля тургінская изначала нарицается южская даже до соломона царя внегда прїиде кнему воерусалїм цр҃ца саба южская искусити его ї ст҃ая ст҃ыхъ узрети ї пророчествовати о распятїи хрт҃ве о древахъ кресныхъ (.) оная тургинїя и данию за еѳиопиї.

(47) земля мурїнїя черная многа внеи обретается гвоздіки корицы данию за еѳїопїи.

(48) земля ѳиническая пространна изобилна зверми и рыбою

оная земля обретаетца блізь моря ї рекъ (.) веры внихъ разныя владеютъ їми варвари ї ефіоплені идетъ отнихъ коріца и гвоздіка ї їнбирь мушкатъ кардамонъ сахаръ.

(49) земля еѳіплатская живутъ они самовласны веры разныя напредъ сего были хрїе а ныне нетъ хлеба мало а воіны у нихъ нетъ что покланяются они турскому ї многим нротчим землямъ.

(50) земля варвария татарская вера обретается бусорманская воюютъ они беспрестанно на море кораблями ї наторги разбиваютъ по землямъ темъ себе получаютъ корысть от имеющияся воины.

(51) земля ундалская что человецы внихъ самовласны царя надсобою неїмеютъ ї нравы и обычаи їмеютъ немецкихъ людеї ї покорны они цесарю ї папе рымскому веруютъ евагалскую и кафолїческую ересъ (.) родима хлебомъ ї всякимъ овощиемъ.

(52) земля фацынская вера ї языкъ басурмански жилї внеи туркї до взятия от нихъ царя града а турковъ пришедъ и взялї у грековъ царь гратъ (.) людие ныне беспрестанно на море оттого ї корысть себе получаютъ.

(53) земля германская родима овощемъ и скотомъ.

(54) земля галия стоитъ подле моря окияна родима всякими коренямъ пряным (;) вера разная.

еѳіопская болшая нучина морская.

море окиянъ западный.

морезападное.

(55) страна еѳролїпская житїе ихъ неведомо что ни въ свою землю ні пущаютъ торговать имеютъ товары напрїстанїщи моря.

(56) конецъ америки внихъ человецы жітне имеютъ надсобою кънязя питаются звермї и рыбамї сухого (.) ездятъ книмъ торговать їзомногїхъ земель (;) масла древянаго и гвоздики доволно.

(57) земля флоридская пространа ї многолюдна людіе грубы ходятъ нагї безграмотнні сребра ї злата много бїются луки ї пакї за шпанскімъ королемъ.

(58) земля пербуланская неисчерпаемое богатство ї злата ї

сребра много (.) человецы веры ї грамоты неумеютъ данію за португалскїмъ королемъ.

(59) островъ ормазїнскї человецы смїрны безграмотны данїю за шпанскїмъ королемъ.

(60) новы франкїи і новая гїшпанія делїютъ сребро ї злато человецы безграмотнї за шпанскимъ.

(61) езеро златая глїна.

Море шпанское.

(62) западъ земля новая америка островъ на мори зело велика что такова островъ на море не обретается (.) человецы же веры ни грамоты никоторыя неразумеютъ живутъ долго летъ посту и болше едятъ часто рыбу неченую (.) много ореховъ мушкатныхъ (;) данїю за шпанскимъ ї ѳранцуским.

Море понтиское.

(63) Королевство португалское немцы воїския (?) богати (.) злата и сребра много.

(64) Королевство шпанское немцы и воиски храбрыя ї богатыя зело часто биются они софранцузы и стурки а сцесаремъ союсъ имеютъ (.) изобилно сахаръ ягоды винныя еле ї изюмъ (;) широта земли сея на 600 верстъ (;) хлеба много.

(65) Королевство француское прежде крещены были от сѣхъ апостолъ павла (;) нынеже заблудїлисъ людї внеи воїнски храбрыя ї богатыя много унїхъ питеи драгїхъ краснаго ренскаго церковнаго идутъ отнихъ вомногия земли.

(66) Италия велїкая внемъ градъ велїцы римъ ї фларенцїя державы рїмския впервыхъ благочестїемъ от сѣтыхъ апостолъ петра ї павла ї отнихъ стали впервыхъ папы выше патриарховъ.

(67) Царство цесарское и германия паричается пространство имать на 1000 на 500 верстъ и многолюдно и богато много внеи рудъ златыхъ и серебрянныхъ (.) воину имеютъ стурскїмъ оная земля во всехъ немцахъ посѣена (;) людие крещены апостоломъ павломъ а ныне заблудились восприяли немецкую (.) земля плодна человецы велии ї смїрны много обретается драгїхъ пїтеи ї кореней пряныхъ.

(68) земля брандебурская немцы богатыя за цесаремъ.

(69) земля саксонская за цесаремъ.

(70) земля пруская пространство невелико но богата (.) немцы купеческия ї воинскїя (.) родима хлебомъ ї овощемъ.

(71) земля уогорская мческая были внеи ї короли словетъ златыя отоцы пыпе обитаютъ оттурскаго і отполскаг веры разн (.) родїма хлебомъ.

(72) Королевство сербское вкупе снимъ ї волоское государство їмеетъ всебе сто́ую гору афонскую їмонастыри (.) родїма хлебомъ.

(73) Царство венгерское былї прежде сего царства а ныне вкупе сволоскою землею соединилась (.) родїма всякимъ овощемъ (;) данію за турецкимъ.

(74) Царство балгорское вкупе и казары люди купеческїя болше воискихъ (;) имеюгъ реку дупаи (.) данию за турецким.

(75) Царь градъ было царство благочестиве греческое (;) обладали градомъ турки и цр́я греческаго убили во вратехъ гратцихъ влето 1453 году мая 20 день (;) ныне турки завладели (.) царь градъ созданъ от римскаго цр́я константїна во свое имя и украсилъ его церквами и полаты и вся велможи свои изрима прївезъ в цр́ъ градъ.

(76) иїиорка.

(77) Сардия.

(78) островъ селевкїя.

Рукавъ їли заливъ венецы.

(79) островъ минорка жївутъ философи.

(80) островъ малтиски внемъ учители и философїи живутъ много на сем острову овощїя.

(81) островъ сикилиски (;) многолюдно и плодовитъ.

(82) островъ критики ї внемъ градовъ веры внемъ разныя благочестїе и протчая.

Гирло ход до царя града до города цреградцкаго белое среднее.

(83) межъ черънаго и белаго моря земля и грады салтана турецкаго.

(84) земля асиская и елгїиская премудры грады сипъ пелацкое царство и македония ныне за турки люди ѳилосоѳп учителны (.) родима всеми овощами и вїноградомъ.

(85) **Россъсия** царство росиїское московскої державы стоитъ на востоце и на севере пространно и многолюдно града имеетъ каменныя и древяны крещены отвеликаго князя владимера киевскаго всея россїи влето ѕγγѕ отрожества христова цп̃и.

(86) Тетюшїнъ — синбирскъ — свїяжкъ — чебоξаръ — козмодемьянскъ — васплевъ — нїжні новъ градъ.

(87) Царствующи градъ Москва даже доныне благочестие сияетъ по преданию ст̃ыхъ отецъ и семи соборовъ апостоловъ и ст̃ыхъ отецъ бжїих ст̃ая со всякимъ пенїемъ и благочїнно и благолепїемъ укърашенны (.) родима хлебомъ и скотомъ.

(88) велїки нов̃ град — пльмень — ливания — Рига — река двина — рукавъ рижскои рукавъ балтиски — море бастиское древле варяжское ізнемецкїхъ земель карабелної ходъ и всанктпитербурхъ.

(89) земля курляндия немцы а ныни за росиею.

(90) санктпетербурхъ.

езеро ладожкое — река нева — море окіянъ б(ѣ)лое соловецкое.

(91) соловецкої островъ ї̄ верстъ околу ходу корабелнаго ко архангелскому городу морем.

Островъ соловецкои на немъ монастырь.

град архангелскои.

(92) лопари росиїския ездять на оленяхъ ядятъ мясо и рыбы.

(93) лопари инорвенския и швецкия.

(94) Изнемецкихъ земель корабли ходятъ ко архангельскому городу вроссию спмъ местомъ корабелнои ходъ.

Море ѡкіянъ полуночный.

Море окіянъ сибїрскъ студены ї летомъ по нем ходит летъ: їкры (?).

(95) новый островъ парицается камчатка нашли сибирцы слюдми.

(96) страна велїкая сибирь было царство а ныне за роспею (.) родятся внеи соболи куніцы лисицы бобры и белки ї иныхъ звереи множество (.) страна студеная лесу внеи много.

(97) страна даурская была за китаемъ а ныне вросии.

(98) море черное оптекло кругомъ крыма. — море гнилое.— перекопы.

(99) арбатъ страна корсунская а ныне словетъ крымская. татарския їверы блчетїе вкорсуни разорели ї градамї обладалї (.) воюютъ коньми небегомъ луки имеютъ и сабли.

(100) малая росїя внеи городы черкаския ї запорожскихъ казаковъ подвладенїемъ велїкія росіи.

(101) валъ землянои градъ новы кїевъ земля и крепость волыния бывали князи а ныне вросїи пусто.

(102) земля ї городы княжества лїтовскаго своїми городами въладеютъ. Днепръ река.

(103) Королевство полское пространна ї многолюдна были крещены ї благочестиемъ сияли ныне обретаетца вера папе (.) родима хлебомъ ї скотомъ и овощемъ (.) люди велїчав ї обманчевы.

(104) градъ великая арменія была благочестївая ныне вера разная ересть.

(105) земля мїлкїнская грузинская же словетъ благочестивая.

(106) царство їверское а ныне словетъ земля грузинская вера внеи благочестивая мїтрополїтъ ї епископы есть ныне разорена от шаха і от турки.

(107) горские черкасы имеютъ натсобою князеи болшихъ а покорны они россиискому государю.

(108) дербентъ. — шамаха. — алыя нагаи кубанцы. река кубань.

Море азовское.

(109) азовъ. степь. 5000 верстъ. — река донъ. река донъ.

Море каспиское или хвалынское.

(110) островъ калавинскїи.

(111) астрахань. — казаки еїцкия. степныя нагаи. — черкаской казачен.

(112) королевство нарвенское было за датцимъ королемъ.

(113) земля ѳинская за шведскїмъ королемъ.

(114) королевство шведское немцы купеческия ї воинския грады имеютъ каменныя (.) вера у нїхъ лютарская много у нїхъ меди железа меняютъ на товары.

(115) королевство датское немцы рымскихъ цесари роду грады у нихъ каменныя ї полатѣ погубамъ морскимъ вера у нїхъ лютарская ї шведская.

(116) ѡстровы китаїския а ныне королевство шкоцкое ї аглецкое. королевство шкоцкое немцы купеческое людеи мало все воинския за агленскимъ королемъ.

(117) королевство агленское немцы купеческия и богатыя ездятъ отиїхъ корабли во многїе земли много обретается олова.

(118) королевство їрлянское немцы зааглетцкимъ.

(119) земля граенская владеютъ князи многия и вера внїхъ римская ї немецкая внеи лежатъ вмонастыре мощи святаго апстла фомы.»

Внизу карты:

«Малыхъ же ѡстроввъ и бесчеловечныхъ ѡписати невозможно понеже многи островы и земля наполнена ядовитыхъ звереи и гадовъ и человекомъ неприступны елицы же ѳбретоша от человекъ сия и написашася мнозиже и неведомы человекомъ но токмо единому преблагому бгу вся дела его ведома суть тои бо единъ созда всяческая от небытія и еще творитъ же ї претворяетъ разрешаетъ же ї упространяетъ блгсти ради гневажъ радї разоря ї низлагаетъ и нивочто премѣняетъ и несть возможно человечью естеству противитися праведным его судбомъ и воли втого бо руце всяко дыхание животно».

Мнѣ извѣстно еще изданіе этого листа *(б)*, которое нѣсколько полнѣе и, по видимому, древнѣе описаннаго *(а)*. Первая строка надписи заканчивается въ изданіи *а*, словами: «козмографія перведе»; въ изданіи *б*, словами: «козмографія переведена».

Экземпляры изданія *б*, находятся, въ публичной библіотекѣ и въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 1334).

---

591. «Глобусъ нбн҃ы иже ѡ сферѣ нб҃ной.

внемже изѡбраженїя ѡконстелляцїи астрорум ѳиξорум сирѣчь ѡ собранїи всѣхъ яже суть твердь звѣздъ, и ѡ ихъ числѣ величествѣ, именованїи, и теченїи.» «Globus caelestis qui de sphera caeleste, in illo autem figurae de constellatione astrorum, fixorum scilicet de collectione omnium quae sunt firmamentum stellarum et illorum de numero magnitudine nominatione et cursu.»

Большая картина, отпечатанная на листѣ, склеенномъ изъ четырехъ листовъ и четырехъ полулистовъ бумаги. Экземпляръ, изданія Ахметьевской фабрики, находится въ моемъ собраніи.

На картинѣ изображены карты звѣзднаго неба, обоихъ полушарій.

Въ углахъ представлены чертежи четырехъ системъ мира, подлѣ сидятъ и составители ихъ: «птоломей — тихобрахи — коперникъ — дескартъ».

Вверху, въ двухъ картушахъ, надписи:

(1) «Кая Есть фигура н҃ба:

Сферическая: сія же сими показуется словесы: 1. Что либо ѡкрестъ чесолибо и средины ѿстоит равнѣ, есть сферично.

Нб҃о отстоит ѿсредины міра, сирѣчь земле ѡкрест чесолибо

равнѣ, оубо есть сферично; Показуй меншее: Яже неравно ѿсредины отстоят, измѣняют величество: понеже вмѣсте близшемъ видятся болша, вдалшемъ же менши, звѣзды никогдаже пременяют величество, но тожде всегда созерцают и содержатъ, или составляют близ оризонта восточного или средины ѿстоит равнѣ; и есть сферично. Противо. звѣзды егда возточныя и заповѣдныя видятся болшія, неже поставлены всрединѣ н҃ба. оубо точки восточныя и заподныи близшїи суть землѣ неже срединѣ н҃ба.

(2) «ѡтвѣтую на послѣдующее: якѡ звѣзды восточныя и западныя видятся болшїя, неже поставленыя на мередїанѣ, бываетъ чрезъ случаи. Понеже между звѣздъ поставленных ѡкрест орїзонта, и нш҃гѡ зрѣнїя. приносятся многїя густыя воскуренїя, внихже лучы звѣздъ заграждаются, яже загражденїе творит, яко вещи видятся ближе неже вещь истинна есть. и сего ради еще болши... понеже яко вїтеллїи в'кн. 10. предлоз: 17: и нѣчто прешедшими изявляет; егда вещь видима состоит всрединѣ густшаго зрѣнї еже врѣдщемъ. мѣсто изявляющее всегда ближае есть зрѣнїю неже истинное: егдаже вещь видима есть в'средінѣ рѣдкостнѣй око убо вгустшем: мѣсто являющее; угломъ болшимъ обрѣтаются. чесого, вся зримая чрес воду и волгости, видятся болшиа воистинну.»

(3) Внизу слѣва:

«Колико губы суть звѣзда: Сугубы. иныя бо твердыя или непрѣмѣнныя гл҃ются, иныя блудящияся.

Которыя нарицаются твердыя или не премѣнныя; Ѕвѣзды твердыя гл҃ются, яже на осмомъ кругу обрѣтаются, и непремѣнными между себо разстоянїями к'движенїю ѡсмаго круга ѡбносятся.

Чего ради гл҃ются твердыя или недвижимыя;

Сице гл҃ются неяко недвижимы суть, но яко мѣстъ своих на осмомъ кругу не премѣняют. и вся звѣзды коснѣйшимъ движениемъ осмаго круга от запада на востокъ въ шесть десятъ два

лѣта единымъ градусомъ, воединъже день. 8. терцїевъ. и 10 квартовъ, преходятъ:»

(4) Въ картушѣ справа:

«Бг҃омъ оустроенному и бг҃омъ оумудренному и всеавгустѣйшему Монарху Его Цр҃скому Пресвѣтлѣйшему Влч҃ству Великому Гд҃рю Цр҃ю и Великому кн҃зю **Петру Алеѯїевичю** всея великїя и малыя и бѣлыя рωссіи самодержцу. и его Цр҃ской высокости Гд҃рю Цр҃евичю и великому кн҃зю **Алеѯїю Петровичю** в'безсмертную славу и похвалу вашего цр҃ского влч҃ства во всемъ поделичномъ полукружїи простираемую и всему всеросійскому народу вползу бл҃гоприятную, Изωбразися Тѵпомъ Повелѣнїемъ егѡ Цр҃скаго влч҃ства в'москвѣ вграждански тѵпографїи, лѣта гд҃дня 1707. Под надзрѣнїемъ егѡ превосходителства Гд҃на Генерала Лейтенанта їакова вилимовича брюса. Тщаниемъ василия Киприянов:»

Надписи надъ полушаріями:

«Изωбраженїя ѕвѣздъ всѣхъ величествъ, яже тверди сѣверныя. 1032.»

«848. сихъ изображенїя ѕвѣздъ всѣхъ величествъ яже тверди южныя.»

«Собраніе во всей тверди ѕвѣздъ. всѣхъ величествъ. 1880. Мнимъ о числѣ всѣх ѕвѣзд нїктоже знаше конца кромѣ того сотворшаго ихъ бг҃а творца:»

Подъ сферами: «ѡ сферѣ сей вси единако ѡписуютъ симъ философомъ и прочій втомъ согласуют во еже оустрои бг҃ъ такѡ ѡной быти, что изокружности ѕвѣздамъ всюду свѣтити.»

Надписи всединѣ: «Небо или твердь есть начертаніе сферическое. Иный чинъ ѡ поставленїи глобуса материалнаго или явно вещественнаго а не тисненнаго вползу до училища свѣта описателнаго и кораблѣ...лнаго.»

Вирши по бокамъ картины, въ четырехъ картушахъ:

(1) «Птоломей сїстему или свѣт предлагает,
Внейже землю посреди нбс҃ъ утверждает,

Прочее убо ѡ планетах разсуждает,
Ихъже кажду на своем н҃бѣ поставляетъ.
ѡ земли разсуждает недвижимѣй быти.
А планетам окрестъ движенїе творити.»

(2) Систему соборну тїхоброхи утвержает,
Внейже землю не всреди мїра разсуждаетъ.
Оную бо землю мнит педвижиму быти,
Натоже окрестъ сн҃цу і лунѣ свѣтїти
Сл҃нцу мнит всреди міра движенїе творити
а планетам бо окрестъ своимъ чиномъ ходит.

(3) Коперник общую сїстему їявляет.
Сл҃нце всредин҃ѣ вся. міра утверждает.
Мнит движимѣй земли на четвертом н҃бѣ быт.
А лунѣ окрест ея движеніе творит.
Сл҃нцу изцентра міра лучи простирати.
оубо землю луну и звѣзды ѡсвѣщати.»

(4) Дескарт бо ф҃їлосоѳ сїстему предлагает.
Сл҃нце же вцентре всего міра познавает,
Из планет о меркурїи разсуждает быти,
При сл҃нце оному движенїе творїти.
О прочем по коперн҃ически утверждает,
втоможе и тихонически неѡставляет.»

Приписка подъ картиной:

«Читателю мой любезны, Прїими Трудъ сей Полезны. Еже вчемъ Погрѣшенїя, молю ѳтомъ Прощенїя. Самъ исправиши любезно. дабы всемъ было Полѣзно. Понеже труд сей началный. художниками изданный.»

Очень рѣдкій листъ.

592. «Глобусъ гоѡграфїческїи сирѣчь.

землеѡписательный иже изявляетъ четыре части земли, афрїку, азію, америку, и еѵропу, на нейже обитаемъ, и яже насъ ѿвсюду обемлетъ.»

«Globus Geographicus scilicet

terram describens qui demonstrat quatuor partes terrae, africam, asiam, americam. et europam, in quavero habitamus, et quae nos undique complectit.»

Большая картина, отпечатанная на листѣ, склеенномъ изъ десяти полулистовъ бумаги; экземпляръ, изданія Ахметьевской фабрики, находится въ моемъ собраніи.

На этой картинѣ изображена карта двухъ земныхъ полушарій; вверху, всрединѣ, россійскій гербъ съ надписью:

«б. М. В. Г. Ц. И. В. К. П. А. в. в. М. б. Р. С.»

По бокамъ гербъ, и въ маломъ видѣ: «глобусъ земный ѡ сферѣ земной» и «глобусъ небесный ѡ сферѣ небесной.»

По бокамъ картины помѣщено перечисленіе земель, входящихъ въ составъ четырехъ частей свѣта:»

«Земля обемлетъ міръ	Древній Новый Недовѣдомый
Древнїи мір҃ обемлетъ	Епиръ и островы
Епїръ обемлетъ	Еѵропу Асію Афрїку...»

Внизу, всрединѣ, изображенъ земной глобусъ; по сторонамъ его стоятъ «козмографъ» и «географъ»; подъ ними надпись: «Под-

назрѣнием его превосходїтелства Гдна Генерала Лейтенанта **Іякова** вилимовича Брюса.»

Справа: «**Ѡписанїе** Географїческое ветхїя и новыя увѣданныя земли, нынѣ во первыхъ на словенскїй дїалектъ изданное и блгоговѣйно наименованное Бгомъ умудренному и Бгомъ устроенному тишайшему и благочестивѣйшему всеавгустѣйшему Гдрю Гдремъ всеа великїя и малыя и бѣлыя рѡссїи и иныхъ многихъ гдрствъ ѡбладателю **Петру Алеѯіевичю**, и Его Црской высокости тїшайшему Гдрю Цревичю и великому Кнзю **Алеѯію петровичу** въ безсмертную славу и честь вшего црскаго пресвѣтлаго влчства. Повелѣнїемъ во гражданскои Типографїи Лѣта Гдня: 1707. вцрствующемъ градѣ Москвѣ, Тщаніемъ василия... Кипрїянова.»

Подпись слѣва: «**Descriptio** Gieographica veteris et novae scitae telluris, nunc inprimis in sclavonicam dialectum edita religiose oppellata Deo sapienti **Deo** ordinato mitissimo et Serenissimo totius Augustiae Regi Regum totius magnae et parvae et candidae Rossiae et aliorum multorum Regnorum domitori **Petro Alexiewicz** et eius Regali sublimitati mitissimo Dno Regidi et magno principi **Alexii Petrowicz** aeterna in gloriam et honorem Vestrae Regalis Illustrissimae maiestatis. iussu in civili typo: Anno: D: 1707.»

Подпись подъ картиною:

«Благороднѣйшїй мой читатель,
будь и ты сему подражатель,
Ащежь есть и погрѣшения,
Молю тобой исправления,
Понеже бо трудъ сей избранный, вначалѣ Трудники изданный.»

Очень рѣдкая карта.

593. Карта земли и Неба 1717 года.

Большая картина, отпечатанная на листѣ, склеенномъ изъ четырехъ листовъ и четырехъ полулистовъ. Экземпляръ ея, изданія Ахметьевской фабрики, находится въ моемъ собраніи.

На картинѣ изображена слѣва:

«Новая земная плоскость»

внизу приписка: «в'Москвѣ во Гражданской Типографіи за повелѣніемъ **Ц. В.** Тисненію Предана ѿ библіотекаря в. к. вкупѣ с'нбн҃ой хартиною соединенна.»

Справа представлена карта неба, съ изображеніемъ созвѣздій въ лицахъ.

Надпись: «за повелѣніемъ егѡ **Цр҃скаго пресвѣтлѣйшагѡ величества** поднадзрѣніемъ егѡ превосходителства Господина Генерала фелцейхъ Мейстера и Ковалѣра якова вілімовича Брюса Тисненію предано въ Москвѣ во Гражданской Типографіи ѿ бібліотекаря В. К. 1717 лѣта ѿ воплощенія хр҃това.

Новое небесное зерцало.

Чрезъ которое возможнѡ небо, землю, и море: в'скорости размѣряти и раздѣляти, на всякій часъ коегѡждѡ мц҃а и числа. во первыхъ издано въ Ротердамѣ. А: ѿ Логтенберха, и дотого времени ниже сыскана было, которое на ѡба полюса высоту сочиненное, воупотребленіе штурмономъ и маѳематико-навигаторомъ и прочіимъ, снискателемъ. преведенная сгаланскагѡ и латинскагѡ діалектовъ.»

По сторонамъ карты неба, въ верхнихъ углахъ, слѣва: чертежъ движенія планетъ вокругъ солнца; а справа: «Показаніе какѡ сл҃нце вцентрѣ всего міра состоящееся а земля ѡкрестъ его движеніе творитъ.»

Внизу, справа, приписка: «**Изданное Во славу въ тр҃цѣ славимагѡ бг҃а** трудолюбивымъ юношамъ, и всякаго возраста, иже разумѣти желают теченїе, якѡ н҃ба тако и земли по Коперникову разсужденїю: Москвы, Санктъ Питербурха, Нарвы Ревеля, Риги, и прочихъ градовъ и правинцїй яже подъ ѡбоими полюсы содержатся всегѡ свѣта.»

Очень рѣдкая карта.

---

594. «Система Феодора іоанновича Дмитріева Мамонова дворянина философа.»

«То есть система новая обстоятелная сложенія свѣта изданная въ 1779 году въ барановѣ.»

Картинка двухлистоваго размѣра, гравированная на мѣди рѣзцомъ, судя по работѣ, мастеромъ Иконниковымъ; экземпляръ ея, изда́нія Ахметьевской фабрики, находится въ моемъ собраніи.

Въ верхней части картины изображены: «система птоломея— система тихобрага — система Дескарта — система Коперника.»

Всрединѣ представленъ небесный глобусъ, поддерживаемый геркулесомъ; внизу подпись: «въ честь нашему вѣку симъ ученый свѣтъ одолжается ему.»

По бокамъ глобуса помѣщены двѣ системы, изобрѣтенія самаго Дмитріева Мамонова; первая изъ нихъ объясняетъ происхожденіе четырехъ временъ года, а вторая происхожденіе грома.

Внизу помѣщено описаніе ихъ; подъ первою системою:

«Система новая состоитъ въ томъ: что нестоитъ неподвижно, ни солнце неподвижно нестоитъ. ни земля вокругъ солнца неходитъ. ни солнце не ходитъ вокругъ земли; ибо то и другое имѣлобы мертвую натуру. слѣдователно по сей новой системѣ: всѣ планеты идутъ: но никоторая не печется о томъ, чтобъ имъ итить

вокругъ солнца и земли, изключая луну яко съпутницу земли. по всѣмъ прочимъ системамъ невидно, отъ чего 4. годовыя время унас разнятся; но по системѣ новой видно, что земля приближается къ солнцу и отъ онаго удаляется, и та причина приключаетъ 4. разныя годовыя время. все небо обращается въ. годъ 1. разъ, и когда зодіакъ козерогъ. встрѣтится на самомъ сѣверѣ съ землей, тогда у насъ приключается кратчайшій день, въ прочемъ, когда стоя на нашей землѣ обратится лицемъ на югъ: то возхожденіе и захожденіе солнца, произходитъ точно такъ въ самомъ дѣлѣ, какъ показаны въ новой системѣ.»

Объясненіе второй системы:

«Сія профилная теорія новой системы, показуетъ далность разстоянія сѣверныхъ концовъ орбитъ солнца и земли, т. е. что солнце съ землей и съ прочими планетами ни когда не столкнется. солнце идетъ въ одну сторону, земля идетъ въ другую, и находясь въ пути со всемъ въ противныхъ зодіакахъ, счисляетъ мѣсяцы не по своему теченію; но потому изъ которыхъ зодіаковъ возходитъ солнце, т. е. цѣлый мѣсяцъ возходитъ оно изъ однаго зодіака. что земля не стоитъ неподвижна, Доказуютъ вѣтры. ибо кромѣ движенія земли, не отъ чего быть вѣтромъ. что солнце производитъ суточное скорое теченіе, доказуетъ его пламя; ибо немоглобы оно силно раздуватся стоя на одномъ мѣстѣ. обстоятелное изтолкованіе всѣхъ системъ; смотри въ Астрономіи Дворянина Философа въ Домѣ Автора.»

---

595. Четыре части свѣта, работы А. Зубова.

Четыре маленькія картинки въ 16-ю долю листа, гравированныя на мѣди, на четырехъ отдѣльныхъ дощечкахъ. Въ моемъ собраніи всѣ четыре дощечки отпечатаны на одномъ листѣ; изданіе Ахметьевской фабрики.

Каждая часть свѣта изображена въ видѣ женщины, окруженной мѣстными растеніями и звѣрьми; подписи на нихъ слѣдующія:

«asia — Але: zубовь (гравировалъ).

аѳріка — Але: зубов.

eѵропа — Алеξіи Zиновъ.

америка — Але: Zубов.»

Работа самая лубочная.

---

596. Россійскій гербъ.

Двуглавый орелъ съ вензелемъ Императрицы Елисаветы Петровны на груди. Два ангела держатъ надъ нимъ корону.

Надпись:

«Чесныи гербъ: на враги победа: рабомъ радованія.»

Листовая картинка, гравированная на деревѣ; подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 1321).

---

597. Такой же орелъ, съ тѣмъ же вензелемъ на груди. Надъ нимъ корона и на двухъ лентахъ надпись: «всероссїискїй государственныї гербъ.»

Внизу по бокамъ изображены, слѣва: «Москва град», справа: «петербурх.»

Листовая картинка, гравированная на мѣди; подлинникъ, изданіе Ахметьевской фабрики, находится въ моемъ собраніи.

598. Россійскій гербъ. (Штандартъ).

Двуглавый орелъ съ вензелемъ Императрицы Елисаваты Петровны на груди и буквами вокругъ: «В Б М В Г И Е П С В Г В Р Ш (божіею милостію Великая Государыня Императрица Елисавета Петровна..)»

Въ клювахъ своихъ орелъ держитъ два плана, съ надписями: «Море бѣлое — городъ архангѣлской» и «Астрахань — Море каспіиское».

На кохтяхъ его висятъ еще два плана, съ надписями: «море варяжское — санктпитербурхъ» и «море азовское азовъ».

Кругомъ рамка изъ 38 щитовъ съ гербами областей; а подъ орломъ вирши:

«высокопарныи орле двоеглавный
въ парящихся всѣхъ птицахъ достославныи
крылѣ свои ревностно распростираи
свояже расточенная собираи.
ввысирь убо главъ трегубіи вѣнцы
троицы содержащия земли концы
налѣитеже аптла андрея кавалеріа
яже за вѣру и вѣрность дарованїа
вдеснице скипетръ знае цесарствія
вшуице же держава самодержавствїя
на крылѣх орлих два моря означены
бѣлое и хвалынское древле притяжана
внохтях же два моря содержитъ
азовское і варяжское обдержитъ
нахвостѣ камчатское море означено
яже пнѣ ново притяжано
штандартом сей гербъ нареченный
яже на главномъ олаце изображенныи.»

Двухлистовая картинка, гравированная на мѣди. Изданіе Ахметьевской фабрики; подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

599. Планъ Москвы съ гербами областей.

Самый планъ отпечатанъ на одномъ листѣ; кругомъ, со всѣхъ сторонъ, приклеены къ нему полосы съ гербами областей и губерній. Подлинникъ, гравированный на мѣди во второй половинѣ XVIII вѣка, находится въ публичной библіотекѣ (изъ собранія Погод. Снегир. № 261).

Средній листъ:

«Планъ императорскаго столичнаго града Москвы кремля и китая и часть Бѣлаго города.» Надъ планомъ московскій гербъ.

Планъ снятъ съ птичьяго полета, надписи надъ зданіями слѣдующія; въ кремлѣ:

«потешноі дворъ, житной, полаты набережные, цехаухъ, троицкое подворье, ц. бориса и глеба, вознесенской мнтрь, чюдовъ мнтрь, крутицкое подд., соборъ ніколая гостунскаго, с. черниговскі, въ воскресен.»

Въ китаѣ городъ: «австерія, ряды и лавки, красная площадь, лобное мѣсто, мытной дворъ, воро москворецкіе, гостіной, монастырь знаменскій, ц. Маѯсима исповедника, во варварскіе, посольскоі двор., ворота ильинскіе, богоявленски мнтрь, улица никольская, ворота нїкольскіе, печатноі дворъ.»

Въ Бѣломъ городѣ: «покровска, улица и златоустов. у мнт., ц. гребневскїя бцы, ц. георгия что у стары тюрем, мясницкая, резанское подворье, улица стрѣтенска, ц. соѳїи премудрыя, пушечной двор, ц. иоакима і анны, ц. воскреснїя, петровка, ц. настасия, скотноі рядъ, денежнои дворъ, ц. воскрснїя, дмитревка, у. никицкая, главная аптека бывшеи апраѯинъ дворъ, пруды по неглинной, москва река.»

Внизу объясненіе нумеровъ поставленныхъ на планѣ, между подписями:

«описание понумерамъ. вкремле. 1: успенской соборъ (.) 2, блговѣщенскои со (.) 3, архагглскои со. 4, спаса нерукотвореннаго (.) 5, спас преображения. 6, сретение гдне 7, (надпись

счищена). 8, дванадесять а҃пл҃ъ. 9, (надпись счищена). 10, похвалы бг҃ородїцы. 11, бл҃говѣщенїя бг҃цы. 12. петра митрополита. 13, цр҃я константїна. 14, кирїловское по. 15, уара чюдотворца. 16, ворота спаскїе. 17, никольские. 18, троицкие. 19. предтечевскїе. 20, таницкїе.

вкитае: 1, собор казанскои. 2, соб. троицкой. 3, греческої мн҃т. подворья. 4, новогородско. 5, казанское. 6, воскресенское. 7, іосїфское волого. 8, пафнутьевско. 9, калязїнское. 10, вологоцкое, 11, іпатское. 12, їверское. 13, прїлуцкое, 14, ростовско е 15, нїжегородское. 16, воронежское прїходская цр҃к. 17, владїмерскїя бо. 18, жївоначалныя тро. 19, женъ мїроносиц. 20, їоанна благосло. 21, нїколая большаго креста. 22, космы и домїа. 23, введенїе бц҃ы. 24, воскресенїе. 25, грузінскої бц҃. 26, клїмента па. 27, пятница: 28, велїкомученика георгїя, 29, дїмїтрїа салынскаго. 30, максїма ісповедн. 31, варвары мч҃цы. 32, нїколая чюдотво. 33, спаса преобра. 34, нїколая слывет мокрое. 35, зачатїе. 36, нїколая что вуглу.»

Въ полосахъ, въ верхней, всрединѣ, россійскій гербъ, — съ боковъ и внизу, въ двѣ полосы 15 щитовъ съ гербами областей; въ боковыхъ полосахъ по семи щитовъ въ каждой, а въ нижней 9 щитовъ; итого во всѣхъ 38 щитовъ съ гербами.

---

600. Видъ Москвы съ монастырями.

Трехлистовая картинка, чрезвычайно грубо выгравированная на мѣди рѣзцомъ въ первой половинѣ XVIII вѣка. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи. (VII. 1341):

Всрединѣ видъ: «**Црт҃вующіи град Москва**», одинъ кремль; на облакахъ представлено, в серединѣ образъ: «успение прт҃ыя бг҃цы», слѣва: «с҃ василіи в҃: с҃. цр҃вчь дїмїтрїи: с҃: ионна мит: с҃: петр. мит.»; справа: «ст҃. алеѯїи мит: с҃: філіпъ мит: прд҃пб. сергїи: р. ч: с҃. максимъ. б:»

Внизу и съ боковъ 32 вида монастырей, а именно:

«зачатейскои: д: монастырь — алексѣевскои: д: мнтрь — живоначалнои трцы сергиев мнтрь — даниловскои мнтрь — донскои монастырь — андреевскои мнтрь — новоедѣвичь монастырь — воскресенскои мнрь — никицкои д. монастырь — страшнои д: монастырь николаевскои угрешои мнтрь — петровскои монастырь — георгіевскои: д: монастырь — моисѣевскои д. мнтрь — спаскои монастырь — богоявленскои монастырь — ворсонаѳьевскои: д: мнтрь — рождественскои д: мнтрь — воздвиженскои монастырь — спасъ симоновъ монастырь — спасъ новый монастырь — покровской убогои мнтрь — андроникова монастырь — знаменскои монастырь.»

---

601. Видъ Москвы съ монастырями.

Копія съ предыдущаго вида (№ 600) точь въ точь, грубой работы рѣзцомъ. Подлинникъ находится въ публичной библіотекѣ.

Въ предыдущемъ № 600 подпись, подъ послѣднимъ монастыремъ, справа: «знаменской монастырь»; а въ № 601: «знаменскои мнтрь.»

---

602. Московскій Успенскій соборъ.

Двухлистовая картинка, гравированная на мѣди, въ первой половинѣ XVIII вѣка, и отпечатанная двумя досками. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (X. 2163).

Вся верхняя половина картинки занята изображеніемъ успенскаго собора, сзади котораго видна колокольня Ивана Вели-

каго. Соборъ открытъ; видны царскія врата, слѣва два образа богоматери а справа образъ спаса на престолѣ и успеніе.

На нижней половинѣ листа представлены святые, слѣва: «с҃ петръ митрополитъ — с҃ митрополитъ иѡна — святитель ѳеогностъ — ст҃ы архиепископ стеѳанъ — ст҃ы м҃у болярин ѳеодоръ — ст҃ы м҃уче князь мїхаїлъ — бл҃говерны князъ данїилъ — ст҃ы м҃у цр҃вчь дімитрїи — пре княгїня еѵдокия.»

Справа: «с҃ алеѯіи митрополитъ — с҃ филиппъ митрополитъ — с҃ фотїи митрополит — с҃ киприанъ митрополит — преподобныи андроникъ — преподобныи савва — с іѡаннъ блаженны — с маѯсимъ блаженныї — с василїи блаженны.»

Надъ ними, въ двухъ клеймахъ, надпись: «ѡписание ст҃ыхъ и честныхъ и чудотворныхъ мощей колико ихъ вц҃рствующем градѣ москъвѣ почиваетъ.»

Всрединѣ третье клеймо, съ надписью: «Краткое изображение Ст҃ыя Велїкия небеси подо^{б}ныя цр҃кве Соборныя успенїя пр҃тыя Бц҃ы вцарствующе^{м} велико^{м} граде москве внеиже Православныя и великїя цр҃и нароссиски пр҃толъ возводятся їпомазуются ївенце^{м} венчаются їскипетры цр҃твї приемлю^{т}. внеиже їстеи҃шия патриархи пр҃толы и жезлы дх҃овнаго правления приемълюще. имитрополїты намитрополию возводятся. Іархиереи ст҃ителства санъ приемлютъ. Якоже небо гл҃ю сл҃нечными лучами сияетъ и^{з}ве^{з}дами блистае^{т} тако їсия соборная цр҃ковь Бж҃ествен^{н}ою бл҃гдатїю пре҃вщае^{т}ся їпрославляе^{т}ся. Внеиже ст҃ыя бж҃ественныя їчд҃тврныя їконы яко вдому бжїи҃ пресещаются внеиже хр҃та спс҃ителя їбг҃а н҃шего бж҃твенное орудіе положены беста. Внеиже мощи ст҃ы^{х} ап҃стлъ ппророкъ їст҃ителеи їм҃чникъ їм҃чницъ ипреп҃добныхъ оц҃ъ яко зве^{з}ды нб҃ныя собрашас^{я} блистаю^{т} їисцеление сверою приходящимъ подаваю^{т}. онихже яснее почину їзображено будетъ ниже.

Текстъ внизу, подъ картиной: «Образъ хр҃та спасителя что стоитъ въсоборнои церкви увратъ цр҃скихъ златая риза.

Краткое сказание оиконѣ хр҃та спасителя юже цр҃ь мануилъ гречески написа вконстантине граде якоже обыча^{и} бяше писати ст҃ыя иконы деснуюже руку его благословенную написа анетако

якоже ныне зрится. себо божественное явление бысть занекое преступление цр҃я мануила яко онъ впутешествїи своемъ обиде некоего їерея ираны возложи нанего безосуждения архиерепскаго ипришедъ вполаты свои. пообычаю своему внощи возлеже наодръ вспални съвоеи идеже стояше сия чюдотворная їкона христа сп҃тля Гд҃ь же о^т^мщая ему обиду сию внощи тои повеле аг҃гломъ своимъ бити его игл҃я ему почто восхищаеши нася санъ ст҃ителства ибнеши священника безрассуждения моего иуказуя аг҃гломъ перстомъ своимъ нацаря иглагл҃я бить сего окаяннаго. онже вопияше Господи пощади.

Потомъ принесенъ бысть сеи образъ изконстантина вхерсонь, и^з^херсонаже принесенъ бысть великимъ княземъ владимеромъ Ввелики новъ градъ егда приялъ ст҃ое крещение влето отадама 6496. аизнова града вцарствующи Градъ москву принесенъ цр҃емъ и великимъ княземъ иоанномъ васильевичемъ снимиже їикону прест҃ыя Бц҃ы іерусалимския идругия честныя іконы влето о^т^адама 7083го.

Тако поведуется іочюдотворны^х^ иконахъ богородичны^х^ Владимерския иерусалимския что оныя написаны Божественны^м^ ев҃листомъ лукою еще приживоте бг҃оматери іпринесе кнеи тыя ст҃ыя иконы аще угодно еи есть. онаже видевши тыя свои образы гл҃я пречистыми устами своими. сице Бл҃гдать рождшагося измене. имоя буди ссими иконами. ап҃не оныя Ввелицеи соборнеи цр҃кви обретаются. іисцеление неоскудное подаваетъ сверою приходящі^м^ осихже иконахъ опринесени ихъ пространнее описуетъ. Сказание оживотворяще^м^ кресте гд҃ни которои обретается вуспенскомъ соборе воолтаре: Сеи пречестны іживотворящи крестъ гсп҃день Бысть цр҃я константина что под ругодевомъ впервомъ походе вполонъ взятъ Былъ. нот^т^уда принесенъ былъ кмоскве. руками псковскаго архиереа. вкоторомъ обретается честныхъ исв҃тыхъ мощеи возваниямъ: Вначале: Власы кровь: приза гд҃ня честное ист҃ое древо. Губа трость івенецъ терновныи × дамощи ст҃ыхъ апостолъ × ст҃аго ап҃стола луки × ст҃аго ап҃тла Ѳомы × ст҃аго ап҃тла андреа × Богоматери Анны × Стефана новаго × Іоанна милости-

*

ваго × Θеодора стратилата × свщенномученика елеѳерия × николая поваго. стаго лаврентия × свтаго Прокопиа × Θеодора тирона × Первомчника архидиакона стефана × стыхъ безсребренниковъ космы идамиа[на] пантелеимона × стыя великомчницы варвары × давчетыре[х] местахъ мощи восточныхъ стыхъ. Конецъ кресту господню:

Опись мощамъ стымъ которыя обретаются вуспенскомъ соборе вцркве: Вначале: риза гдня × Гвоздь гдень дариза престыя бцы × Часть мощеи іоанна предтечи × мощи василия великаго перстъ × мощи григория богослова глава × мощи поанна златоустаго главаякъ × мощи стаго Андрея первозваннаго рука × часть мощеи петра митрополіта × часть мощеи алексея митрополита × часть мощеи преподобнаго Сергия чюдотворца × мощи ионы митрополіта × Мощи Θилиппа митрополита. Мощи стаго мученика авксентия Глава × Мощи стыя прехвалныя евоиміи рука × Часть мощеи стаго великомученика Георгия × Мощи благовернаго великаго князя владимера зубы × Часть мощеи Благовернаго царевича димитрия: Конецъ стымъ мощемъ Успенскаго Собора (.) Аписаніе Стымъ мощемъ Блговещенскаго Собора (.) Вначалѣ мощи поанна предтечи мощи апла варнавы мощи апла оилиппа × апла матоиа × Еваггиста марки × Евлста луки × васили[я] великаго × григория бгослова × іоанна златоуста × николая чудотворца × Спиридония чудотворца. тихона чудотворца × Іоанна дамаскина Іоанна лествичника × григория декаполита × михаила маленна × пимена великаго × еѳрѣма сирина сщенномученика аѳиногена × сщенномученика анефимы × сщенномченика вавилы × сщенномученика елеферия × сщенномученика киприана пустины × великомчника пантелеимона целебника × иакова персянина × анастасия персянина × іякова мчніка единаго о[т] 40 мчниковъ × стаго мчника евстафия плакиды × великомчника агафагела × великомчника прокопия × великомчника лукиана. великомчника леонтиа × великомчника христофора × безсребренника козмы × бе[з]сребренніка домиана × гурия казанскаго × варсонофиа казанскаго × пафнутия боровскаго × кира іонна безсребренниковъ × кумиеноса архимандрита правая

ручка × Евдокима праведнаго × великомч҃ницы анастасіи римлянины × великомч҃еницы марины × великомч҃еницы ирины × великомч҃ницы христины × преподобно мч҃ницы феодосіи двц҃ы × Феодоры цр҃ицы ×

пр°рока даніила × Бг҃омтри анны × мл҃днцевъ отъ ирода избиенныхъ × лазаря четверодневнаго × ап҃стла андрея первозваннаго × апостола варооломея × ап҃стла иакова брата гсп҃дня × апостола тимофея × ап҃стла тита × апостола прохора × игнатия богоносца × климента агкирскаго × иоанна милостиваго × григория акрагантіскаго × григория селунскаго. кирила александрискаго × никифора ісповедника × павла исповедника × дв҃да селунскаго × симеона столпника × Ѳеодора сикеота × стефана новаго × Ѳеооана новаго × избиенныхъ отсрацынъ × архидиакона стефана Георгия победоносца × димитрия селун҃каго × феодора тирона × феодора стратилата × андрея стратилата × Мч҃ника арефы × великомч҃ника артемия × великомч҃нка евстратия × великомч҃ника маманта × великомч҃нка мины × великомч҃нка меркурия × цр҃я константина × князя владимера киевскаго × князя георгия владимерскаго × князя александра невскаго × князя михаила черниговскаго × князя романа углецкаго × первомч҃ницы Ѳеклы × великомученицы варвары × великомч҃ицы еѵфиміи × великомч҃нцы праскевіи × великомч҃нцы екатерины × преподобномученіцы праскевіи × антониа великаго × никифора патриарха цр҃я града × макария великаго × сщ҃енномученика аптипы два зубка × севастиана великаго × великомч҃ника мардариа × великмч҃нка авксентия × великомч҃нка еѵстратиа × велікомч҃ника Еѵгениа × великомч҃нка иореста × мч҃нка маркиана × мч҃нка прокопиа × мч҃ика агафоника × мч҃ика неофита × мчн҃цы марїи × безсребренника козмы × елисаветы мт҃ри предтечевы × Безсребренника дамиана × мчн҃цы агапіи.»

---

603. Иванъ Великій.

Двухлистовая картинка въ вышину, гравированная на мѣди, рѣзцомъ, бумажный знакъ 1829 года. Подпись внизу картины:

«Витъ ивана великаго онъ (такъ) **грановитои полаты».**

Слѣва, подъ Филаретовскою пристройкою:

«Божию милостию повелениемъ благочестиваго и христолюбімаго богомъ венчаннаго великаго государя царя и велїкаго князя михаила ѳеодоровича всея русїи самодержац но благословенїю и по совету поплотцкому рожденїю отца его государева а по духовному чїну отца ї богомолца велїкаго господина святеишаго патріарха Фїларета нїкїтїча московскаго всїя русїї».

Справа, подъ самою колокольнею:

«Изволениемъ святыя троицы повеленнемъ велїкаго государя царя и великаго князя бориса ѳеодоровича всея русии самодержца и сына его благовернаго великаго государя царевича князя ѳеодора борисовича всея русїи храмъ совершенъ и позлащенъ во второе лето государствъ ихъ».

Подпись въ рамкѣ картинки:

«Насеи Ивановскои колоколны 4^{ре} колокола болшихъ въ 1^{м} 4003 пуд 4$^{фун.}$ во 2^{м} до двух тысячь пуд по примячанию въ 3^{м} 1017 пуд 14 фун въ 4^{м} 798.»

Внизу, подъ изображеніемъ Ивана Великаго, на самой картинкѣ, представленъ масштабъ, съ надписью: «10 сажинъ»:

---

604. Иванъ Великій.

Копія съ предыдущей картинки: «Гра. Н. Соколовъ». Подпись таже: «Видъ Ивана Великаго отъ Грановитой Палаты. Бжіею Милостію . . . . . Руссіи.» Въ моемъ собраніи.

---

605. Видъ Троицкой Сергіевой Лавры.

Картинка, гравированная на мѣди рѣзцомъ (трехлистоваго размѣра). Подлинникъ находится въ публичной библіотекѣ. По сторонамъ представлены, въ ростъ, преподобные Сергій и Никонъ; надъ ними надписи: «прп̃бный оц̃ъ сергїи» и «прп̃бный оц̃ъ ніконъ»; посреди ихъ видъ: «тр̃цкій мн̃тырь». Внизу, въ клеймѣ, молитва: «О прп̃бнїи и бг̃оносніи Оц̃ы, и великія чудотворцы... и вбудущем вѣцѣ амин». Внизу картинки подпись мастера: «Грыдоровал Іванъ Zубов̃».

---

606. «св̃то троицкая лавра сергиев монастрь».

Картина двухлистоваго (вдлинну) размѣра, которую, какъ видно изъ подписи: «Грыдоровал Іван Зубовъ». Въ облакахъ, всединѣ, благовѣщеніе, слѣва преподобные: сергій, михей и Максимъ, справа: преп. Никонъ, св. Діонисій и преп. Серапіонъ. Пониже, слѣва, ангелъ держитъ свитокъ, съ надписью: «Во славу прс̃тыя единосушныя животворящія и нераздѣльныя тр̃цы, оц̃а и сн̃а и ст̃аго дх̃а в' честь же прес̃тыя дв̃ы бц̃ы маріи и в' прославленїе ст̃ых и прп̃бных оц̃ъ наш̃х Сергїя и Нїкона игуменѡвъ радонежских и всея рѡссіи чюдотворцевъ, изѡбразися преславная их ст̃ая кїновїа врѡссїиской Имперїи ѡбрѣтающаяся под Москвою при всечт̃номъ гд̃нѣ Архимандритѣ стѣйшагѡже правительствующагѡ сѵнода Совѣтникѣ гд̃нѣ оц̃ѣ Гаврїилѣ в разстоянїи 60 верстъ лѣта гд̃ня 1725го февруаріа 17 (послѣднія двѣ строки вырѣзаны вмѣсто другой, счищеной, подписи).

Въ Олсуфьевскомъ собраніи, IV. 746.

---

607. Видъ воскресенскаго новоіерусалимскаго монастыря.

Листовой, гравированъ крѣпкой водкой, копія съ гравированнаго Козаковымъ. Подлинникъ въ Олсуфьевскомъ собраніи. (VII. 1346).

Внизу подпись: «ставропирихиалны мн҃тырь воскресенскиї и новѣиерусалимъ».

Картинка изображаетъ встрѣчу (всѣмъ монастырскимъ соборомъ) митрополита Платона входящаго въ монастырь, въ сопровожденіи цѣлой толпы вельможь. Въ облакахъ летитъ орелъ, съ лентою, въ которой надпись: «церковь воскресенская ново їерусалімская.»

---

608. Николаевскїй угрѣшскїи монастырь.

Видъ монастыря, гравированный крѣпкой водкой, въ малый листъ.

Вверху два ангела держатъ образъ св. Николая чудотворца и надпись:

«Николаевскїй угрѣшскїй мн҃трь».

Внизу подпись: «,ѕѡпо го августа вк҃. ѕ҃. ден. бл҃гѡвѣрный и великїи кн҃зь Димитрїй Іѡанновичь Іменуемый донскій шедъ ізъ...» продолженіе подписи отрѣзано.

Подлинникъ находится въ публичной библіотекѣ (изъ собранія Погодина; № 266).

---

609. Видъ Выборга.

Листовая картинка, гравированная на Ахметьевской фабрикѣ, въ первой половинѣ XVIII вѣка. Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

На картинкѣ представлено бомбардированіе города. Вверху надпись: «Выборгъ». На самой картинкѣ означено «море» и разставлены цифры: 1—14. Внизу помѣщено на эти цифры толкованіе: «1 церковь соборная прежде бывшая швецкая Кирха (.) 2 шлосъ или крѣпость среди моря высотою 30 сажен (.) 3: палаты пороховыя. 4 швецкая кирха (.) 5: брегадирской домъ. 6: камендацкой домъ (.) 7 швецкой камендацкои домъ (.) 8 абовскіе ворота. 9: абовскои мостъ (.) 10 пробитая стѣна. 11: пристань. 12: артилериа россіиская (.) 13 мортиры. 9: пудовые. 14 (.) одна: 11: пудовая».

---

610. «Видъ Спаса Преображенскаго Первокласнаго Валамскаго Монастыря.»

Картинка двухлистоваго размѣра, съ подписью мастера; «рп: снатур: Шелковниковъ.»

Вверху, въ облакахъ, два ангела держатъ образъ преображенія. Гравирована крѣпкой водкой; экземп. находится въ Академіи Наукъ.

---

611. Видъ великоезерской пустыни.

Картинка въ малый листъ, гравирована крѣпкой водкой, въ концѣ прошлаго столѣтія. Вверху изображенъ: «ωбраз рожтво

прес҃тыя бд҃цы — прп҃д изосима — прп҃д савватій,» внизу видъ монастыря и подпись:

«Точное изображенїе ва Рзамаскомъ уездѣ великоезерски пустыни Рожс҃тва пресвятыя бц҃ы и преподобных оц҃ъ зосима и савв҃тия соловецких чюдотворцовъ строитель сеи ѡбители и Ромонахъ Витали.»

Подлинникъ находится въ публичной библіотекѣ (изъ погодинскаго собранія, № 265).

---

612. Еще видъ арзамаской великоезерской пустыни.

Листовая крѣпкая водка, очень грубой работы; внизу подпись: «Истинное изобРаженїе въ Рзамаскомъ уездѣ великоезеРски пустыни Рождс҃тва прев҃ятыя бц҃ы и преподобных оц҃ъ наших изосима и савв҃тия соловецких чюдотворцовъ строитель сеи ѡбители иРомонахъ Витали» (въ Олсуфьевскомъ собраніи, IV. 789).

---

613. «Пещера прп҃бнаго ѡтца нашего Антониа печерскаго» и «Пещера прп҃бнаго ѡтца нш҃его Ѳеодосїа печерскаго.»

Двѣ двухлистовыя картинки съ планомъ пещеръ и обозначеніемъ мощей преподобныхъ отцовъ и затворниковъ, покоящихся въ оныхъ.

На каждомъ листѣ, слѣва, находится подпись мастера: «грыдоровал мартинъ нехорошевски.»

Единственно извѣстные мнѣ экземпляры этихъ листовъ находятся въ моемъ собраніи.

---

614. «Видъ кіево-печерскія Лавры.»

«изъ за Днѣпра. Кіево-печерски Лавры основатели были Преподобные Антоній и Ѳеодосій. Главное строеніе въ ней 1 Соборная Успенская Церковь въ которой надъ царскими вратами находится чудотворный образъ Успѣнія Божіей Матери. 2. Колокольня которой высота 44 сажени 3. Больничный монастырь. 4. Ближные печеры и 5. Дальныя печеры.»

Картинка двухлистоваго размѣра, гравированная крѣпкой водкой въ началѣ нынѣшняго вѣка. Подлинникъ находится въ русской библіотеки Акад. Наукъ. Въ облакахъ стоитъ Богородица, держащая въ рукахъ образъ успенія; по бокамъ ея, на облакахъ же, преподобные Антоній и Ѳеодосій.

---

615. Еще видъ Кіево-печерской Лавры.

Вереди́нѣ представлена одна соборная церковь. Справа и слѣва видны входы въ пещеры; въ воздухѣ стоятъ, на облакахъ, преподобные Антоній и Ѳеодосій, въ моленіи передъ богородицею.

Кругомъ картинки рамка изъ виноградныхъ листьевъ и гроздій. Картинка въ листъ, гравирована въ манерѣ мастера Кончаковскаго. Доска сохраняется въ лаврской типографіи.

---

616. Видъ Кирилова-бѣлозерскаго монастыря.

Видъ монастыря и изображеніе преп. Кирила бѣлозерскаго. Подпись внизу: «Ново іздадеся тиснепіемъ ізобразися ѧѱкᵀ при архимандрите іринархе всантъ питербурхе грыдоровалъ Алексѣ ростовцевъ.»

Картинка въ листъ, гравированна крѣпкой водкой.

---

617. «Изображеніе Коневской пустыни, во имя Рождества Пресвятыя Богородицы.»

«Усердіемъ строителя Іеромонаха Аркадія съ братіею 1800 г. Компоновалъ Логгинъ Шустовъ».

По бокамъ стоятъ: «святый Николай чудотворецъ» и «преподобный Арсеній Коневскій»; вдали, всрединѣ, видѣнъ видъ монастыря; ангелы въ облакахъ поддерживаютъ образа нерукотвореннаго спаса и богородицы.

Большой листъ, хорошо выгравированный крѣпкою водкою; въ собраніи П. Я. Дашкова, есть отпечатокъ на бѣлой тафтѣ.

---

618. Видъ Креховскаго Монастыря, 1699 г.

Двухлистовая картинка, гравированная на деревѣ Денисомъ Сѣнкевичемъ, въ 1699 году. Въ 1870 году снятъ былъ съ доски литографическій переводъ въ карт. завед. А. Ильина.

Внизу, слѣва, помѣщено изъясненіе плана и изображенныхъ на немъ строеній и церквей (по птичьему полету); оно заканчивается подписью мастера: ѧχγѳ: Іеромонах дионисіи изобрази. нетемѣнно.»

---

619. Видъ Новгорода и приписанныхъ къ нему монастырей.

Трехлистовая картинка, гравированная на мѣди крѣпкой водкой въ первой половинѣ XVIII вѣка. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 1339).

Всрединѣ изображенъ: «великій новъ градъ, древняя століца россіиская»; на первомъ планѣ Кремль его и «река волховъ.»

Внизу текстъ: «Внемже по прошенїю россїанъ прїиде отворягъ великїи князь рюрикъ И княжилъ внемъ 17 лѣтъ и умре (.) послѣди его остася его игорь юнъ сыи и данъ бысть на соблюденїе дяде ево олгу ї княжили вкупѣ ї услышаша яко вкїеве княжествуютъ осколдъ и диръ и поидоша на кїевъ (.) егдаже пришедъ сташа недошедъ кїева ї повелѣ олегъ призвати ксебѣ осколда и дира и рече имъ почто чюждимъ княжуете и показа имъ игоря сеи наслѣдникъ и повелѣ ихъ убити, оттолѣ престолъ пренесенъ бысть отнова града вкиевъ а вновѣ градѣ остася княженїе. егдаже просїя россїа крещенїемъ тогда князь владимеръ даде сей великїи новъ градъ въ княженїе сн҃у своему Ярославу и княжилъ внемъ до убїенїя святополка въ кїевѣ.»

По бокамъ вида, вверху и внизу помѣщены изображенія тридцати двухъ монастырей, а именно:

«1: Мн҃трь невскїи вразстоянїи от нова града 190 в. на рѣки невѣ внемже положены мощи великаго кн҃зя алеѯсандра невскаго иже преставися влѣто 6771? ноября в. 23. невскїи же прозвася понеже за невою рѣкою побѣди многочисленныя полки шведовъ прїшедшихъ сохвалою великїи новъ градъ взяти. от санктъ питербурха въ 6: верстахъ.

2. Мн҃трь антонїевъ от нова града 2 версты на волхове внемже мощи прп҃бнаго антонія їже приплы изрима на камени въ великїи новъ град въ 2 дни и въ 2 нощи влѣто 6655 августа въ 5 день. обрѣтеныже честныя мощи его нетлѣнны влѣто 7105е иуле въ 1 день.

3. Мн҃трь хутынскїи отнова града 7 верстъ мощи внемъ прп҃бнаго варлаама по прр҃очеству его влѣте мразъ и снѣгъ былъ и плодъ земный от ядовитыхъ червей соблюдеся ї отрока мертва воскреси. преставися въ лѣто 6746е. Ноября въ 6 день родомъ новгородецъ.

4. Мн҃трь клопскїи от нова града 15 верстъ въ немже мощи прп҃бнаго михаила иже чюдно житїе бысть обрѣтеся внезапу. взамченной келїи и воду избезводнаго мѣста мл҃твою искипѣти со-

твори преставися влѣто 6960 генваря въ 11 день родом великихъ кнзей московскихъ.

5. Мтрь вишерскїи отнова града 7 верстъ надрекою вишерою внемже мощи прпбнаго саввы иже вжизни своеи настолпѣ стоя токмо всубботу и неделю схождаше иматже благодать цѣлити трясавичную болѣзнь, преставися влѣто 6960е октября въ 1 день родомъ града кашина.

6. Мтрь сковородскїи отновограда 5 верстъ, въ немже мощи свтго моисея архіепископа иже купца от потопа ї от разбойнйкъ явленіемъ своимъ сохрани ї похуливыи его еп̃кпъ умомъ повредися преставися въ лѣто 6892е генваря въ 25 день родомъ новогородецъ.

7. Мтрь благовѣщенскій от нова града 3 внемже мощи свтго Ѳеоктиста архїеп̃кпа преставися влѣто 6820е декабря въ 25 день.

8. Мтрь вяжица от нова града 10 верстъ внемже мощи свтго еѵоимїя архїепископа їже схимою своею желѣзною юже на тѣле своемъ ношаше отъ трясавицы избавляетъ преставися въ лѣто 6963е марта въ 19 день родомъ новогородецъ.

9. Мтрь отенскїи от нова града 30 верстъ въ немже мощи свтго їоны архіепископа сеи моровую язву укроти ї противныя усмири їзмладенства пронаречень бысть въ святителство по пророчеству михаила клопскаго родомъ новгородецъ преставися влѣто 6979е ноября въ 5 день.

10. Мтрь свирскїи на рекѣ свирѣ отнова града 300 верстъ внемже мощи прпбнаго александра сеи явѣ видѣ прт̃ую тр̃цу и прт̃ую бц̃у родомъ новгородецъ преставися въ лѣто 6995 августа въ 30 день. обрѣтенїе честныхъ мощеи его 7149 марта въ 17 день всуботу лазареву.

11. Мтрь перекома на верейде рѣце от нова града 20 верстъ мощи внемъ прпбнаго еѳрема перекомскаго преставися влѣто 6900е маїя въ 16 день.

12. Мтрь иверскїи на езере валдаи отнова града 150 верстъ внемже мощи святаго їакова боровицкаго сеи святый прилы по

реке метѣ 6960 октября въ 23 день и принесемы на части леда вборовичи и самъ явися ї имя свое тезоименно поведи їакову брату господню иже пренесены ізбо(ро)вичь влѣто 7160е память его творится октября въ 23 день.

13. Мр̃ь арсенїевъ на торговой сторонѣ близь рѣки волхова мощи внемъ прп̃бнаго арсенія преставися влѣто 7088е їюля въ 12 день родомъ ржевитинъ.

14. Мр̃ь никандрова пустыня отнова града 120 верстъ мощи внемъ прп̃дбнаго никандра преставися влѣто 7090 сентября въ 24 день.

15. Мр̃ь борисоглѣбскои вторжку въ немъ мощи прп̃дбнаго еѳрема новоторжскаго преставися влѣто 6523 генваря въ 25 день.

16. Мр̃ь дымскїи отнова града 120 верстъ внемъ мощи прп̃дбнаго антонїя дымскаго. преставися влѣто 6800 октября въ 13 день ученикъ варлаама хутынскаго.

17. Мр̃ь ксенеѳонтовъ отновъ града 14 верстъ внемъ мощи прп̃дбнаго ξенеѳонта преставися влѣто 6770 іюня въ 28 ден ученикъ варлаама хутынскаго.

18. Пустыня зеленецкая от новъ града 180 верстъ вней мощи прп̃дбнаго мартирїа зеленецкаго преставися влѣто 7111 марта въ 1 день.

19. Мр̃ь леохновски от новъ града 50 верстъ внемъ мощи прп̃дбнаго антонїя леохновскаго преставися влѣто 6650е октября въ 17 дн̃ь.

20. Мр̃ь валаамски на ладожскомъ езере на острове валааме внемже мощи прп̃дбныхъ сергїя и германа быша влѣто 6690 сентября въ 1 день.

21. Пустыня Θеоѳилова от новъ града 120 верстъ вней мощи прп̃дбнаго Θеоѳила преставися влѣто 6550е.

22. Мр̃ь столбно на селигере езере от новъ града 150 верстъ внемъ мощи прп̃дбнаго нила столбенскаго преставися влѣто 7063е декабря въ 7 день.

23. Мр̃ь соколницкїи девичеи от нова града полверсты

внемже положены свѣтіи никита и кирїилъ никиооръ климонтъ по плоти братїя имянуемы алѳановы.

24. Мѝтрь менюша от нова града 30 верстъ мощи внемъ свѣтыхъ іоанна їакова менюшескихъ бѣша влѣто 7000.

Мѝтрь палеостровски на онеге езере отнова града 600 верстъ внемъ мощи прпдбнаго корнила.

26. Мѝтрь опоцкїи на шелоне рецѣ внемъ мощи прпдбнаго їоакима преставися влѣто 7186е сентября въ 9 день.

27. Мѝтрь сторожно на ладожскомъ езере от новаграда 240 верстъ мощи внемъ прпдбнаго кипріана преставися влѣто 7000е.

28. Мѝтрь косинскїи близь старой русы от нова града 60 верстъ внемъ мощи прпдбнаго константина.

29. Мѝтрь на мье реке отнова града 40 верстъ мощи внемъ прпдбнаго макарїя пустынника.

30. Мѝтрь двчеи на синичей горѣ отнова града верста внемъ мощи свѣтыя їнокини кпгни харитины родомъ королевства литовскаго преставися въ лѣто 6905е октября въ 5 день.

31. Мѝтрь ошевенскїи от нова града 730 верстъ вкоргопольскомъ уезде внемъ мощи свтго александра.

32. Мѝтрь кожеезерски от нова града 730 верстъ мощи внемъ прпдбнаго никодима.»

Въ Олсуфьевскомъ собраніи есть два экземпляра этого вида; одинъ отпечатанъ съ непоправленной доски; другой (VII. 1340) съ доски, пройденной рѣзцемъ.

---

620. Новгородскій Сковородскій монастырь.

Видъ, гравированный въ 1818 году, на мѣди, въ листъ; подлинникъ находится въ Публичной библіотекѣ (собр. Даля. 87).

---

621. Соловецкій Монастырь.

«Изображеніе Соловецкаго монастыря... при архимандритѣ Макаріи 1825го Гра. Сергеі Баскаковъ.»

Гравюра рѣзцемъ, въ листъ. Второе изданіе (*б*) отпечатано съ перемѣною подписи: «при архимандритѣ Иларие. 1837го.» Въ моемъ собраніи.

---

622. Соловецкій Монастырь.

Листовая картинка, гравированная крѣпкой водкой; вверху изображены преподобные Зосимъ и Савватій Соловецкіе, препод. Германъ и св. Филипъ митрополитъ; внизу видъ Соловецкаго монастыря и вдали: «скитъ анзеры».

Подъ картинкой подпись мастера: «Грыдоровалъ всоловецкомъ мн҃трѣ савва никифоровъ иконописецъ. аѱ (из? стерто)».

Во второмъ изданіи (нынѣшняго вѣка) этого вида подпись эта затерта и читается съ трудомъ. Въ моемъ собраніи.

---

623. Соловецкій монастырь.

Вверху представлены преподобные Зосима и Савватій въ ростъ, и икона Знаменія Богоматери, всрединѣ большой видъ Соловецкаго Монастыря.

Крѣпкая водка въ листъ; вдлину; судя по манерѣ, работы М. Нехорошевскаго.

Подъ картинкою текстъ: «зрї колико імать всебѣ ст҃ая ѡбитель сїя црковныи зданїи а цр҃ковь соборная преѡбраженія гд҃ня

мѣрою вдлїну лв҃ поперегъ кд҃ аршін .в҃. ѿ северныя страны црков прпдбныхъ зосїмы ї савватїа ідеже лежат мощї їхъ. г҃. ѿ полуденыя страны предѣл архаггл҃а мїхаїла. д҃. вверху црко҃в ст҃ых в҃і а҃плъ, є҃. црков ст҃ых о҃ а҃плъ ѕ҃ црков стых мн҃ка ѳеодора стратїлата ѯ҃ цр҃ков прпдбнаго їоанна лѣствїннїка и҃ цр҃ковь теплая успеніе пртыя бдцы страпезою ѳ҃ у цр҃квї успения вверху предѣлъ ст҃аго иѡанна прдтечи. і҃ тамже вверху предѣлъ ст҃аго велїкомчника дїмитрїа а҃і цр҃ковь ѡсобая ст҃аго ніколая чуд. в҃і црко҃вь на святыхъ вратахъ благовѣщенїя пр҃тыя бц҃ы .г҃і. црков. болнїчная ст҃аго ѳїлїппа мїтрополїта .д҃і. трапеза велїчаїшая брацкая .є҃і. звоннїцъ на неї .з҃і. колоколовъ .ѕ҃і. рїзнїца сцерковкою .з҃і. книїгохранїтелнїца .и҃і. гробъ ст҃аго германа .ѳ҃і. жїтница ст҃аго зосїмы, к҃ жїтница ст҃аго фїлїппа есть же ї внѣ митря на погребалніце брацкой црковь ст҃аго ануфрїа великаго *). здѣ внѣшнїхъ зданїи і службъ простых показанїе .к҃а. полата казеная денежная .к҃в. полата казеная портная .к҃г. полата казеная чеботная .к҃д. хлѣбня-брацкая .к҃є. поварня брацкая .к҃и. болнїца мїрская .к҃ѳ. полата іконная .л҃. шварня чеботная .л҃а. шварня портная .л҃в. полата котелная ї серебреная .л҃г. полаты сушїльные .л҃д. мелнїца ѡ два поставу .л҃є. друга мелнїца столчеями .л҃ѕ. портомоїня брацкая .л҃ѯ. полаты солодовные .зрї. внѣ мн҃стря зданїя .а҃. часовня еже устроїся по указу велїкого гд҃ря цр҃я ї велїкаго князя петра алѯїевїча всея россїи самодержца ввоспомїпанїе ево гд҃рева прїшествїя во ѡбїтель сїю влѣто ахчд. .в҃. часовня їдеже чюдо сотворїся ѡ просфорѣ .г҃. гостїнїца .д҃. анбаръ вѣсової .є҃. келїи прядїлные .ѕ҃. нїщепитателнїца глемая бабья корга .з҃. островъ заецкої зовом па нем цр҃ковь стаго апостола андрея первозовнаго» (въ Олсуфьевскомъ собраніи V. 842).

---

*) Послѣднія два слова вышли за рамку картинки.

624. Соловецкій монастырь.

Видъ монастыря съ моря. Въ облакахъ изображены преподобные Зосима и Савватій въ ростъ; между ними преображеніе.

Крѣпкая водка въ листъ (въ Олсуф. Собр. V. 843).

---

625. Соловецкій монастырь.

«Издадеся сія доска 1772 Маія мѣсяца вставропігіалномъ Соловецкомъ монастырѣ: при архїмандрїтѣ Досиѳеи збратіею. Гры; Lucas Subcov».

Плохая крѣпкая водка въ малый листъ. Въ моемъ собраніи.

---

626. Видъ Анзерскаго скита.

«Іюля 31 дня 1806 году гравировалъ Арте Касаткинъ». Въ листъ.

627. Видъ Анзерскаго скита.

«Ізображеніе Анзерскаго острова усердіемъ Архімандріта Іоны Соловецкаго .1802. года. Грыд. Лука Зубковъ».

Картинка, гравированная рѣзцомъ въ листъ.

---

628. Видъ Соловецкаго монастыря и Анзерскаго скита.

Гравированный на мѣди, въ листъ, плохой работы. Всѣ три иста (626, 627 и 628) находятся въ моемъ собраніи.

629. «Планъ Островам, Анзерскому

часть соловецкаго і муксальмскіх протчим вокругъ лежащим, взаливѣ окіана бѣлаго моря. Рѣзанъ .1801-го .Года. Прї архїмандрїтѣ їонѣ».

Двухлистовая картинка, грубо выгравированная крѣпкой водкой; подлинникъ находится въ моемъ собранїи.

Вверху плана изображены: «ст҃ая тр҃ца» и «Прпдбный елеазаръ Анзерскій».

---

630. Тихвинскій введенскій женскій монастырь.

Видъ монастыря, гравированный рѣзцемъ въ листъ, какъ обозначено въ подписи подъ картинкой, въ 1809 году. Въ моемъ собранїи.

---

631. «Изображеніе Тихвинскаго монастыря.

Усердїемъ Архимандрита и Кавалера Герасима 1800-го Года».

Картинка, гравированная на мѣди, въ четвертку. (Въ Олсуфьевскомъ Собранїи экземпляръ, отпечатанный на тафтѣ. I. листъ 5.).

---

632. Видъ Тихвинскаго монастыря.

Видъ тихвинскаго монастыря, съ тропаремъ, кондакомъ и извѣстіемъ о явленїи иконы Тихвинскія богоматери. Внизу: «Напечатася коштомъ мнстырским тщанїемъ Архимандрита Леонида збратїею. ,аѱнѳ года».

Подъ Картинкой: «Рис. и грид. при Ак. Наукъ М. Гр. Качаловъ».

Гравированъ рѣзцемъ, въ большой листъ. Въ пуб. биб. собр. Погодина. 269.

---

633. Распятіе, съ видомъ города Ярославля.

Двухлистовая картинка, гравированная крѣпкою водкой; въ концѣ XVII вѣка. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ Собраніи (IX. 1660).

Вверху изображено распятіе; по бокамъ его святые, слѣва: «Констаптїн—Ѳеодор. Давыд.»; подъ ними подпись: «стиижe блг҃вѣрниї кнзи҃ їяко Солнц н҃бо парниі простроша крыла они бо руце воздѣяша на небо за град и люди отечество свое:»

Справа: «васплиі—Константин». Подъ ними подпись:

«Тѣлесі ї убо неїстлѣваеми зрятся на земли во гробѣх дх҃ом же непрестетї ходотаїцы бывающе кбг҃у ѡ утишениі гнѣва его па р...

Подпись внизу: «влѣто ѿ сотворени свѣта ,зрѯг: їндикта и҃.го во дні блг҃вѣрнаго і благочестивѣїшаго хр҃толюбиваго гд҃ря цр҃я і великаго кн҃зя алеѯиа мїхаиловича всеа велікиа і малыа ї бѣлыа росиі самодержца в і҃ е лѣто скиѳетродержства его ї при великом гд҃рѣ стеїшем никонѣ архиеп҃копѣ московском і всея великіа і малыа і бѣлыа росиі патріархе в г҃: е лѣто стеи҃шаго архієрет҃ва его сицево знаменїе чт҃наго і жївотворіащаго кр҃та і ѡбраз рап҃еншагося на нем хр҃та написанъ по повелѣнію велїкаго гдр҃я преѡщ҃еннаго іоны митрополіта рот҃овскаг і ярославскаго і поставлен прямо граду яро(с)лавлю вмѣсто бг҃оспси҃тельнаго забрала і щита да не найдет на люди тлетворных вѣтръ тщета того ради сим їзоѡбражением бл҃годареніе бг҃у приносим і славим гда҃ нш҃его іс҃а хр҃та яко силою его кр҃та і заступлением прчт҃ыя бг҃оматери і ст҃ых чюдотворец ѳеодора і чад его давыда і константіна і блговѣрных

кнзей василия і константина млтв ради іх скоро тогда въ странѣ ншеі смертоносная язва преста і велие блгоденство і тишина наста».

Подъ этимъ изображеніемъ помѣщенъ видъ Ярославля: «волга», и «тверіцкая слобода». Подъ первым поставлены нумера: «1—36»; поясненіе ихъ помѣщено въ двухъ клеймахъ, по сторонамъ вышеприведенной подписи.

Клеймо 1-е:

«1. црквов успение брдицы соборная
2. црков бориса і глѣба каменная
3. црквъ ілїи пророка каменная
4. трапеза теплая покров брдцы
5. црков ризы положение
6. црков николы архиепкопа
7. трапеза теплая каменная
8. црков варвары мученицы каменная.
9. црков рожества хртова
10. црков на стых вратах і часовня
11. црковь златоуста врбленом.
12. црков тихона архиепкопа врубленом
13. црков спса на городе
14. црков міхаіла архангела
15. црков козмы і дамїана на колоколне
16. црков аѳонасія ї кіріло манатырь
17. црков стрѣтение хртова
18. црков власиа стого за городомъ
19. црков іоанна бгослова за городом.»

Клеймо 2-е:

«20 црков троица стая за волгою
21 црков іоанна златоута вкровниках
22 колоколна соборная
23 митрополитов двор
24 волские ворота мытскїе

24 ѳроловскіе ворота

25 колоколна николская врубленом

26 козмодеміанскої взвоз 27 Ніколскої звоз 28 рожественскої звоз 29 Семеновскїе ворота 30 волскої перевоз 31 На поклонной горѣ часовня 32 тамже сторожня

33 манастырское село враспутіе

34 Етсная (?) слобода

35 монастырская деревня їлцыно

36 Полянки деревня».

---

634. Видъ города Ярославля.

Трехлистовая картина, вдлинну, гравированная на мѣди, во второй половинѣ XVIII вѣка. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собранїи (VII. 1347).

На зданіяхъ города поставлены нумера, объясненіе которыхъ помѣщено внизу картины.

Надпись: «**ярославль**». По бокамъ, слѣва, россійскій орелъ, съ крестомъ Андрея первозваннаго на груди; справа, гербъ Ярославской губерніи (медвѣдь, съ алебардой).

Въ воздухѣ, всединѣ, распятіе; два ангела собираютъ въ чашу кровь Спасителя *). По сторонамъ изображены святые; слѣва: «с̄. константин—с̄. к̄. ѳеѡдор — с. к^{з} давыд — Стїе блговѣрне кнзи яко ѡрли п̄опарнїи простроша крыла ѡні бо руце воздѣша п̄бо заради люди ѡтечество свое».

Справа: «с̄. к^{з} васїлиї — с̄. к^{з} константї — телеси убо неіслѣваеми зрятся на земли во гробѣх дх̄омже непрестанно ходатаїцы быша кбг̄у о утїшенїи гнѣва его».

---

*) Это тотъ самый крестъ, о которомъ говорится выше въ описаніи 633

Текстъ внизу, всрединѣ:

«Влѣто ѡт сотворенна свѣта ,зрѯг: индикта н҃. . . . . скоро тогда въ странахъ н҃шей смертоносная язва преста и велие благоденство и тишина наста:» Подпись таже, что и напредыдущемъ нумерѣ.

Объясненіе нумеровъ на планѣ:

«по котороскои сторонѣ. 1. Воеводскои двор, и воеводской взвоз: 2: цр҃ковь толскаго ѡбраза прс҃тыя бц҃ы: 3: колоколня собраная: 4: цр҃ковь Николая чюдотворца вкремлѣ: 5: цр҃ковь всем҃лстивого сп҃са: 6: цр҃ковь воскресенія: 7: цр҃ковь леѡнтїя ростовскаго: 8: цр҃ковь стрѣтенія гдня: 9: цр҃ковъ архн҃гела михаила: 10: Спасовъ мн҃тырь: 11: цр҃ковь рождества бц҃ы: 12: цр҃ковь бг҃оявленія гд҃ня: 13: цр҃ковь димитрїа: селунскаго: 14: цр҃ковь Петра митрополита: 15: цр҃ковь иѡанна бг҃ослова: 16: цр҃ковь Николая чюдотворца: 17: цр҃ковь бц҃ыны иконы тихвинскои. 18: цр҃ковь мч҃ника нїкиты: 19: црьк҃овь вознесенїя гд҃ня: 20: часовна: 21: цр҃ковь бц҃ыны иконы владимирскія: 22: цр҃ковь: пятници: 23: штапнои дворъ: 24: мяснои рядъ: 25. котороскія ворота: 26: кузницы: 26: котороскои перевозъ: 28: цр҃ковь: коровницкого приходу: 29: слобода: коровники: 30: ц҃рков на туговои горѣ: 31: ямская: 32: шиловка: 33: цр҃ковь николая чюдотворца 34: цр҃ковь иѡона предтечи втолчковѣ. 35: цр҃ковь теплая: 36: толчковской посадъ: 37: цр҃ковь бц҃ыны иконы ѳеѡдоровскїя: 38: црк҃овь николая чюдотворца: 39: мелница бумажная на которости: 40 вѣтреная мелница: 41: маниѳктурная слободка: 42: цр҃ковь бц҃ыны иконы донскїя: 43: прудъ и мелница бумажная: 44: прудъ манастирскои: 45: бутырки: 46: полотняная и протчїя маниѳактури затрапезновыхъ

По волскои сторонѣ. 1 цр҃ковь соборная успенїя бц҃ы: 2 архїерейской дворъ. на немъ цр҃ковь: 3: цр҃ковь їѡана златоустаго: 4: цр҃ковь тихона чудотворца: 5: цр҃ковъ флора и лавра: 6: цр҃ковь нерукотвореннаго ѡбраза спасова: 7: црков бориса и глѣба: 8: цр҃ковь Космы и Дамїана: 9: цр҃ковь афанасіа ї кирилла. 10: црковь пророка їлїи: 11: цр҃ковь покрова бц҃ы: 12: црк҃овь ст҃ого

власїа 13: цр҃ковь всѣхъ стыхъ: 14: цр҃ковъ николая чюдотворца: 15: цр҃ковь рождества предтечева: 16: мн҃тырь ѡбраза казанскои пресвятыя бц҃ы: 17: црк҃вь варвары мч҃нцы: 18: цр҃ковь у рождества на святых вратахъ. 19: цр҃ковь Рождества хр҃това: 20: Семеновскїе ворота. 21: ц҃рковъ симеѡна столпника: 22: цр҃ковь с҃: дх҃а: 23: цр҃ковь блговведенія пресвятыя бц҃ы: 24: цр҃ковь воздвиженїя чт҃наго кр҃ста. 25: цр҃ковь: петра и павла: 26: цр҃ковь параскевїи: 27: часовня толская: 28: штапнои дворъ: 29: волскїе ворота: 30; козмодемянской взвозъ: 31: николскои взвозъ: 32: рожественскои взвозъ: 33: волскои перевозъ и семеновской взвоз: 34: Петро Павловскіи взвозъ: 35 цр҃ковь тверицкая: 36: цр҃ковь Пресвятыя троицы втверицахъ: 37: слобода тверицы:

Ст҃о толскій ярославскій м҃нтырь 1: цр҃ковь соборная введенїе пр҃тыя бц҃ы: 2: предѣлъ Ярославскихъ чюдотворцевъ: 3: цр҃ковь воздвиженіе чт҃наго кр҃та страпезою: 4: цр҃ковь нерукотвореннаго ѡбраза болнишная.

5: цр҃ковь Николая чюдотворца на ст҃ыхъ вратах. 6: колоколна.

7: Келья архимандричья.

8: келья казначейская:

9: кельи братскїе

10: прудъ:

11: садъ кедровои

12: гостиннои дворъ».

---

635. Изображеніе обителей Терновской Митрополїи.

Большая двухлистовая картина, гравированная на мѣди. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 1514).

Внизу, въ клеймѣ, подпись:

«Во славу ст҃ыя тр҃цы оц҃а и сн҃а и ст҃аго дх҃а изобразися на мѣдной таблице ст҃ое преѡбраженїе г҃дне со прочими пречестными

обители терновскїя митрополїи: тщанїемъ и їждивенїемъ тояжъ митрополїи архимандрита леонтїа». Тоже по гречески.

Внизу, подъ рамкой картины: «гридировалъ алѯе зубовъ».

Вверху картины изображено преображенїе господне; внизу видъ обителей; слѣва «ст. апⷭ҇лъ нетра и павла — м. ст҃ыя тр҃оцы — м. архангелскои»; справа: «м: ст: николая — м: ст: прⷪ҇ка илїи — мн҃трь митрополски — м: ст: преображенїя гⷭ҇дня».

Посреди протекаетъ «рѣка яндра» а повыше надпись:

«Гд҃и призри снебесе и виждь: и посѣти вїноградъ сей. и соверши и егоже насади десница твоя.»

---

636. Изображенїе Успенской Студенической Лавры, съ Сербскими святыми.

Двухлистовая крѣпкая водка первой половины прошедшаго столѣтїя. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собранїи. (IX. 1726).

Всрединѣ представленъ видъ Лавры; надъ нимъ образъ успенїя (переводъ кїево-печерскїй, съ дверочкою для мощей); подъ образомъ подпись:

«Пречⷭ҇тное знаменїе їкони ст҃оуспенскїя и титорскїя Студенической древнїя сооружена ї украшена въ лѣто ҂аⷬ҃ѱ и ҂аѱи҃ года ѡбновися».

Кругомъ, въ медальонахъ, изображены сербскїе святые изъ царскаго рода: «Ст҃ая цр҃ца анна — ст҃ая елена ц҃ра сербская — ст҃ый великї лазарь княз сербски бы ҂атпа — ст҃ыи урошъ ц҃ръ сербскиї былъ ҂а҃тоа — ст҃ыи драгутинъ кроль сербскиї — ст҃ыї милютинъ урошъ крал сербскиї — ст҃ыи велики ваканъ княз сербскиї — ст҃ыи стефанъ цр҃ъ силны сербскиї — ст҃ыи стефанъ краль серскиї рогаї... (неразборчиво и затерто). — ст҃ыи арсениї архиепископъ

сербскиї — ст҃ыи краль стефанъ сербскиї — ст҃ыи стефанъ урошъ краль сербскиї — ст҃ыи савва архїепископъ сербскиї — ст҃ыи стефанъ первовенчанныї—ст҃ыи стефанъ перви неманя краля сербски былъ лѣта ,а҃ри.»

Внизу гербъ Стефана Неманя: всрединѣ щита двуглавый орелъ; кругомъ, въ шести отдѣленіяхъ, журавль, свинная голова, три отрубленныя головы, въ коронахъ; рука съ мечемъ, три собаки, корона на подушкѣ.

По сторонамъ герба надпись:

«Изобразися сїе изображенїе ст҃ыя соборнїя цр҃квы и Лавры ст҃оуспенская студеническїя спрочїми с҃. образы изнамениемъ цр҃кїи которая создана Первымъ Цр҃емъ сербскимъ стефаномъ Неманомъ иже послѣди нареченъ сѵмеѡнъ Новы Мироточецъ сербскиї въ лѣто ,ѕѱг҃ сочинися настояниемъ Архїмандрїта Кѡнстантїна студенидскаго. Стефанъ Неманя ѡснователь Цр҃тва сербскаго Его Цр҃кая порода и наслѣдники именованиї здѣ и еще некоториї въ народѣ славеносербским чрезъ трехъ сот и. л҃. лѣтъ непременно самодержавно Цр҃твоваша Которииї между прочимї и разними своими знаменїами и ради крови Цр҃кія двоглавнаго белаго орла скринами въ червленом полю ноложеннаго якоже здѣ зрится.»

---

637. «Видъ Синайской, Афонской и Сіонскихъ горъ и Святаго града Іерусалима»

и Окрѣстныхъ досточудныхъ Монастырей и всѣхъ Стародрѣвнихъ мѣстъ. Изображенъ въ царствованіе Всероссійскаго Благословеннаго Императора Александра Перваго. Ст. Петербургъ.»

Внизу видъ московскаго Кремля (отъ дома кн. грузинскаго), и видъ Петербурга, отъ западнаго угла крѣпости на биржу и дворцовую набережную.

Видъ Іерусалима сдѣланъ по птичьему полету, съ лицевыми изображеніями страстей, праздниковъ и библейскихъ событій. Подъ видомъ Петербурга подпись мастера: «Грав. Е. долговъ.» Картина четырехлистоваго размѣра, довольно изящно выгравированная крѣпкой водкой (Публ. библ. Даля VI).

---

638. Изображеніе Синайской горы.

Листовая картинка, гравированная въ первой половинѣ XVIII вѣка Нехорошевскимъ. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 1336).

Надпись вверху: «бг҃оше́ственная гора синаїская». Подъ этою надписью помѣщено изображеніе самой горы и всѣхъ происходившихъ на ней и около нея «дѣйствій», за нумерами. Внизу описаніе этихъ изображеній, со ссылкою на нумера:

«а҃ мт҃рь иже создася ѡтїустїнїана п҃ря имать всебѣ к҃г црквеи.

в҃ вертоград идѣже лежатъ тѣлеса ѡтцевъ.

г҃. ѡконце вкоторое монаси пїщу спущают арапомъ.

д҃. моисеи на горѣ пасяше ѡвцы.

є҃ видѣ неѡпалимую купину.

ѕ҃ пустыня с҃того галактіѡна и епистїмїи идѣже спасахуся.

з҃. скважня вгорѣ внюже сл҃нце даетъ свѣтъ вцѣрковь идѣже мощи. велико мч҃нцы екатерины.

и҃. источнїкъ усмаря идѣже моисеи удари і изыде вода и пияху їудее иже жаждаху.

к҃г Црк҃овь с҃таго пантелеимона.

л҃в строїтель нѣкто восхождаше на гору явїся ему п҃ртая бц҃а ввїдѣ жены ту и устрої ѡбразъ ея.

м҃. дверь железная посреде горы.

н҃а. вторая дверь посредѣже горы.

в҃і. трі црк҃ві на горѣ хоривъ ст҃аго прр҃ка илиї стаго прр҃ка елїсеа и ст҃ыя мариї.

г҃і. мѣсто идѣже постяшеся илїя м҃ днеї и вїде видѣние.

д҃і. црк҃вь преѡбраженїя г҃дня.

є҃і. мѣсто идѣже моїсеї ѡт гд҃а закон прїя.

ѕ҃і. мечеть султановъ арапо поклоненїе.

з҃і. гора хорївъ ѡжїдаху левитї моисеа.

и҃і. црковь иѡанна предтечи.

ѳ҃і. црк҃овь ст҃ыя анны мтре бцы.

к҃. пещера дщерї цревы.

к҃а. црковь ст҃аго геѡргиа.

к҃в. положение чт҃наго пояса пр҃тыя бц҃ы.

к҃г. црквь ст҃аго пантелеимона.

к҃д. моисеї сокруши скрижали.

к҃є. црквь пр҃тыя бц҃ы яже и двдова.

к҃ѕ. моїсеи жезломъ и(с)камене в҃і їсточнїки исраилтяномъ сотвори.

к҃з. мн҃тырь м҃. мчнковъ иже в'севастїи.

к҃и. струя рябова идеже седяше рябо

к҃ѳ. на горѣ црк҃овь и гробъ велїкомчн҃цы екатерины.

л҃. мн҃тырь безсребреннїковъ козмы и домїана.

л҃а. мн҃тырь стыхъ ап҃тлъ петра ї павла.

л҃в. евреи телцу покланяхуся.

л҃г. монасї сретают архїереа грядуща изегипта.

л҃д. пища прїходит вмонастырь из египта.

л҃є. блое (?) моря кнїлу рѣкѣ.

л҃ѕ. городокъ внемже стоят пушки.

л҃з. прїстанїще корабелное у рѣкї нила.

л҃и. алеѯандрія велїкая ѡтчеста ст҃ екатерїны.

л҃ѳ. городокъ и прїстанїще нїла рѣки.

м҃. моїсеї раздѣлї море и проїде людъ.

м҃а. столпъ ѡгненъ свѣтящъ людемъ нощїю ѡт негоже и наставляхуся.

м҃в. городокъ гл҃емый сувеїсїи стоитъ приконце моря.

мг. ѡблакъ покрывающїи иудеї ѡт зноя.

мд. египетъ мѣсто великое глемое кечим (?).

ме. фараонъ погруженъ своинствомъ.

мѕ. митрь прътыя бцы глемыи рапфъ.

мз. гордокъ арапски чрез негоже ходят кмоамеду.

ми. седмьдесят древъ финїковыхъ.

мѳ. дванадесять источникъ.

н. чермное море впустыни.

на. келїя антониа великаго.

нв. море индїиское глемое ѡкеанъ.

нг. хожда кирїакъ на гору в црковь.

нд. сѣнь свїдѣтелства кивота архїерен ааронъ шестокрїлнїи серафїми трапеза свѣтїлникъ коранъ.

не. келїа иѡанна лествичника.

нѕ. келиа ѡнуфриа великаго.

нз. моисеї показуетъ змїа мѣдяна на древѣ.

ни. столпы создавшїяся ѡт цреї егїпетскихъ хитростию безизвести высота :р: сажень и шїрота :р: саженъ.

нѳ. мої(с)ею глас бысть изути сапоги.

ѯ. тѣло стыя екатерины несутъ аггли на синаискую гору.

Грыдоровал мартинъ нехорошевски.»

---

639. Изображенїе Аѳонской горы.

Четырехлистовая картинка, гравированная на мѣди, въ Москвѣ, въ 1760 году. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собранїи. VII. 1335.

Надпись:

«Monte santo olim Athos ex altissimis orbis montibus apud salso de salonich ir macedonia....

Изображенїе свтыя горы афонъския возможно рещи ѡныя

ѱсаломскїя словеса гора юже благоволи бг҃ъ жити внеи—сеи с҃той горѣ аѳонскои длины на .30. попрїщъ а ширины .20. поприщъ ѡт моря на верхъ аѳона .30. попрїщъ»

На горѣ представлены монастыри съ полурусскими и полугреческими надписями. Въ самомъ верху образъ преображенія и подпись: «Единожды вгодъ всъходятъ братія наверхъ аѳона и служатъ впреѡбраженіе г҃дне».

Внизу подъ картиной поднись:

«Изображеніе с҃тыя Горы Аѳѡнской при егинской Пучинѣ Пучинѣ въ Македонїи лежащия въ которои ѡбрѣтается двадесять монастырей греческаго исповѣданїя ѡт бл҃гочестивыхъ цр҃еи и православных Патрїарховъ созданныхъ еже бж҃ескою ревностїю возбужденъ в'тойже с҃тоименитой Горѣ сущїя чт҃ныя и сщ҃енныя обители есфїгменскїя Вознесенския Архїмандритъ висарїѡнъ Македоняпинъ возѡбновилъ трудомъ оубѡ своимъ а иждивенїемъ помянутои егѡ обители да бы тоя имя не незнаимо было, между протчими славными оными Монастырями иже есть ктиторствомъ пр҃ославнаго Імператора Греческаго Ѳеодосїа малаго и Сестры егѡ с҃тыя Пулхерїи дѣвицы ѡт тояже обители подаватися имать тѵпъ сеи туне православным хр҃тїаном яко бл҃годѣтелемъ с҃тыя горы которїи дальнагѡ разстоянія ради немогущею тѣлесныма очїма соглядати ноне тѵпа веселымъ зрѣнїемъ да оутѣшаются въ цр҃ствующемъ градѣ Москвѣ: 1760 года.» Слѣва тотъ же текстъ по гречески.

---

640. Планъ Іерусалима и горъ синайской и аѳонской.

Двухлистовая картинка, гравированная на мѣди, на ней представлено, слѣва: «богошественная гора Синайская»; справа: «Святая Афонская гора», а всредине Іерусалимскія церкви и зданія.

Внизу картины подпись:

«Новая радость Всѣмъ Православнымъ христіаномъ для вѣчнаго Прославленія имени Господа нашего Іисуса Христа въ знакъ пресвятыя Тройцы изображеніе сихъ стародавнихъ мѣстъ Синайской Горы и Афонскія Горы и всѣхъ досточудныхъ Святыхъ мѣстъ Іерусалима».

---

641. Описаніе Іерусалима.

Большая картина, гравированная рѣзцемъ, въ первой четверти XVIII вѣка; доска впослѣдствіи находилась на Ахметьевской фабрикѣ. Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

Вверху планъ Іерусалима, отпечатанный одною доскою на листѣ бумаги, склеенномъ изъ двухъ листовъ и двухъ полулистовъ, Кругомъ кайма, отпечатанная шестью досками на мелкихъ, склеенныхъ, полоскахъ бумаги.

Въ верхней полосѣ, вверху, воскресеніе Христово, съ надписями: «Воста яко спя гдь—,афй ѿ сотворенія мїра—и порази враги своя—по рож-вѣ своем.»

«Видѣ лва—агга вбѣлыхъ ризах сѣдяща»—

По сторонамъ, слѣва: «Стый аплъ Петръ» — съ надписью: «возвѣстите во языцехъ славу его во всѣх людехъ чюдеса его ѿ ѱломъ.»

На лентѣ: «вскую шаташася язы и людїе поучишася тщетнымъ. ѱѣ»—

Еще лѣвѣе: «стый прркъ и прь двдъ», съ свиткомъ въ рукѣ: «блжен мужь иже неиде на совѣтъ нечѣтивыхъ. ѱлом а»

Справа: «стый алеѯій члвкъ бжїи» съ надписью: «предзрѣхъ гда предомною выну яко ѡдесную мене есть да неподвижуся. ѱломъ.»

На лентѣ: «хребетъ а не лїце покажу имъ вдень погибели ихъ».

Въ правомъ углѣ: «ст҃ый пр҃ркъ їереміа». Въ рукѣ его столбецъ съ надписью: «кто слыша такову грозу юже сотвори зѣло д҃ва їсраїлева».

Подъ всей верхней полосой подпись:

«Ѡписанїе ст҃аго града Іер҃лима и предградїй егѡ якоже бѣ во днехъ г҃да нш҃его іи҃са хр҃та внихже хождаше по плоти. въ началѣ оубо изображенъ нѣкимъ хр҃тїаниномъ, именемъ адрїхъ прозванїемъ делфъ, рукою францїшка оренвергина, напечатанъже Аїтсингеромъ землеписцомъ, влѣто ,афп҃в латінски въ ярославлѣ, иже въ полшѣ рѡссіистѣй».

Изображенія, находящіяся въ боковыхъ полосахъ.

Слѣва: Пастухъ и отшельникъ; подпись: «Pater ignosce illis, quia nesciunt quid faciunt. 1.

оч҃е ѿпусти имъ невѣдятъ бо что творятъ.»

Распятіе. Подпись: «Hodie mecum eris in Paradiso. 2.

Днесь сомною будеши враи. в҃

Богоматерь съ Іоанномъ Богословомъ. Подпись: «Ecce filius tuus, Ecce mater tua. 3.

Се сн҃ъ твой, се мт҃и твоя. г҃.

Богъ Отецъ. «Deus meus deus meus ut quid me dereliquisti. 4.

Бж҃е мой бж҃е мой вскую мя еси ѿставилъ. д҃»

Чаша: «Sitio. 5. жажду. є҃.»

Крестъ, завѣшанный покровомъ. «Consumatum est. 6. совершишася. ѕ҃.»

Голубь несетъ масличную вѣтвь къ ковчегу: «Pater in manus tuus comendo spi(ri)tus meum. 7. Оч҃е вруцѣ твои предаю дх҃ъ мой. з҃.»

Справа: Солнце заслоняемое облакомъ: «Sol obscuratus est. 1. солнце померче. а҃».

Лебедь. «Clamans expiravit. 2. возопи предаде дх҃ъ. в҃.

Завѣса церковная. «Velum templi scissum est. 3. Завѣса цр҃ковная раздрася. г҃.»

Разрушеніе города. «Terrae motus magnus factus est. 4. Земля потрясеся. д҃.»

Распадающіяся скалы: «Petrae fissae sunt. 5.—Каменїе распадошася е҃.»

Нѣсколько раскрывшихся гробовъ съ мертвецами: «Monumenta aperta sunt. 6.—Гробы мертвыхъ ѿверзошася. ѕ҃.»

Апокалипсическій агнецъ.

«Effluxit sanguis et aqua. 7.

Изыде кровь и вода. з҃.

«Да помрачатся очи ихъ еже не видѣти, и хребетъ ихъ выну сляцы. Пролей на ня гнѣвъ твой, и ярость гнѣва твоего да постигнет ихъ. Да будетъ дворъ ихъ пустъ и вжитницахъ ихъ да небудетъ живый. ѱ҃ломъ ѯ҃и.»

Справа: «И поставил град сей въ оужас и взвизданїе всякъ иже мимо идетъ по немъ почюдится, и позвиждетъ по всей ранѣ егѡ іерем: глава ѳ҃і.»

Всединѣ изображеніе компаса и двуглаваго орла, съ надписями: «яко посѣти и сотвори избавленіе людем своим оуготовахъ свѣтилникъ помазанному моему. Зиждай іерусалима г҃дь, разсѣянїе їи҃лева соберетъ.»

Нпѣ же во первыхъ переведеся и тиспенїем изѡбразися повелѣнїемъ самодержавнѣйшагѡ сегѡ монарха *).

всемъ ц҃рьствующемъ великом градѣ Москвѣ лѣта 1706 мц҃а тщаніемъ василїа кипріанова».

По бокамъ вирши:

«1. Бг҃омъ избранный орле двоеглавный,
во парящихъ всѣхъ птицахъ достославный.
2. Крилѣ свои ревностно распростирай,
свояже разточенная собирай.
3. Иже бѣдствующїя вся ѡхраняй,
оубѡ всѣмъ тѣмъ враждующим возбраняй.
4. Съ бг҃омъ ти да будетъ оно удобно,

*) Это продолженіе надписи, помѣщенной подъ верхней полосой.

еже творить что ему есть оугодно.
5. Оногѡ бо значитъ сугубоглавства,
оубо во образъ сугубодержавства.
6. Вдеснѣй есть скиптръ знаменїе цр҃твїя,
вшуеи держава самодержав҃твїя.
7. Выспрь главъ имущи трегубїи вѣнцы,
тр҃цы содержащия земли концы.
8. Посылаеми на побѣду враги.
просящимъ ѡ ней помощь крѣпки руки.»

На планѣ изображены всѣ Іерусалимскія церкви и достопримѣчательности по птичьему полету; надъ каждымъ зданіемъ нумеръ и надпись.

Въ нижнихъ уголкахъ плана, подписи:

Въ правомъ:

«Любезнѣйшїи мои читатель,
будь ѡ бз҃ѣ подражатель
кая всемъ погрѣшенїя,
молимъ ѡ томъ прощенїя.
Самъ исправиши любезно.
дабы было всѣмъ полезно.»

Въ правомъ: «под назрѣніем егѡ превосходителства г҃дна генерала лѣтенанта якова вилимовича брюса».

---

642. Видъ Іерусалима, работы А. Гошемекаго.

Дружка вида Константинополя, того же мастера (№ 649).

Надпись вверху: «**Ieruzalem teraznieyszy**».

Внизу объясненіе на польскомъ, и подпись мастера: «Adam Goczemsky Scpt-Poczaiowie.»

---

643. Изображеніе Іерусалима, гравюра Ростовцева.

Листовая картинка, гравированная на деревѣ, представляющая планъ Іерусалима по птичьему полету. Нѣкоторыя мѣстности и зданія поименованы на самомъ планѣ; другія же помѣчены нумерами, толкованіе которыхъ помѣщено внизу, подъ картинкой.

Надпись на планѣ:

«Изображеніе сѵ̑таго града іерусалима.»

Толкованіе нумеровъ:

1. Врата древнія судебные. 2. Врата рыбная и купеческія. 3. башня дв̑два. 4. Врата палат архїерейских. 5. Врата цр̑каго вертограда. 6. Купель верхній. 6. Домъ Илїнъ. 8. Акалдема. 9. Акалдема горы. 10. Пещера їаковля. 11. Столпъ силоамскїи. 12. Врата источника и водъ. 13. Источникъ рахилїинъ. 14. Камень 30. . .етовъ. 15. башня великая. 16. Врата златыя восточная. 17. башня. 18. башня высокая. 19. Врата сизадиевъ (?). 20. Источникъ зміевъ. 21. башня Анашеилева. 22. Врата угольныя и венїаминовы. 23. башня уголная. 24. башня пешчеи хлѣбныхъ. 25. Гробъ ц̑рны Елены. 26. Врата Евраимовы. 27. Путь в'самарїю и галїлею. 28. Алеѯандра великаго. 29. Врата башнеи женскихъ. 30. Ополченіе Римское. 31. Ополченіе Помпеево: 32. башня шеопнская. 33. Врата ренатская. 34. Стена первая и древняя. 35. Врата ледныя. (?) 36. Врата желѣзныя. 37. башня марїаммы. 38. Мигдалное езеро. 39. врата первая. 40. Врата. 41. Звѣрское жилище. 42. место воинское. 43. Палата црская. 44. водоизлїяніе. 45. Темница. 46. Притворъ. 47. среднія башня. 48. Гробъ Іоанна архїера. 49. Гостинница. 50. Врата среднїя. 51. Гробъ александра. 52. езеро птичье. 53. езеро. 54. домъ пр̑рчцы. 55. жилище рихова (?). 56. дом марїи мтре їоанна марка. 57. Стена первая яже и средняя. 58. башня воинская. 59. безетъ гора. 60. Градъ акирскїи. 61. Вертепы црскїя. 62. Стена третїя яже и послѣдняя. 63. Весь Еммаусъ. 64. ѡкруглое зрѣ-

лище. 65. храмъ вероникинъ. 66. Палата иконописная. 67. Писанской замокъ. 68. Домъ еленинъ. 69. Замокъ антїоховъ. 70. школа. 71. Палата вероникина. 72. Домъ симона фарисеа. 73. Позорище. 74. Домъ богача евгелскаго. 75. Темница. 76. Путь крестныи. 77. распни его. 78. судилище. 79. Возми распни. 80. Преторъ. 81. Палата пілатова предсѣденіе римлянъ. 82. се чл҃вкъ. 83. всходъ игралищныи. 84. башня сратоновъ. 85. мостъ. 86. домъ стыя анны. 87. площадь испытанїя. 88. Горница наугольная. 89. Купель овчая. 90. офалъ. 91. Домъ нафинеовъ. 92. Врата воинскіе. 93. жилище їереовъ. 94. удолъ кедрскиі. 95. Врата веѳвоя. 96. Врата. 97. Еξедра или мѣчта. 98. башня трубная. 99. Жилища истязателей. 100. Врата западная. 101. Удоль кедрская. 102. башня. 103. Храмъ г҃дне. 104. Часы ахазовѣ. 104. Кивотъ. 106. Очистилище. 107. Херивсинъ. 108. ст҃ая стыхъ. 109. Завеса. 110. Жертвенникъ. 111. Трапеза. 112. свѣтое. 113. Архїерей. 114. свѣтилникъ. 115. источникъ. 116. Врата новая. 117. Врата южная. 118. Жилище їеренское. 119. Преходъ. 120. Домъ совѣтныи. 121. Еξедра. 122. Море мѣдное. 123. столпъ їохамовъ. 124. степени певчихъ. 125. Притворъ храма. 126. столпъ воозовъ. 127. умывалница мѣдная. 128. жертвенникъ всесоженїя. 129. Пр҃толъ ц҃ртїа. 130. предворїе суденское. 131. врата с҃тые. 132. хранилище. 133. Подворїе языческое. 134. жилища левитская. 135. Врата восточная. 135. яже и красная. 136. орелъ златый. 137. Врата кустодїиная. 138. Домъ дубовыи ливанскїи. 139. Палата ц҃рцына. 140. Палата Соломонова. 141. Путь хожденїя воинскихъ. 142. Притворъ столпа. 143. Пр҃тлъ соломоновъ. 144. Конеристанїе. 145. Палаты маккавеовъ яже Агриппины. 146. Домъ кн҃зя фарисенскаго. 147. домъ ананїи архїерея. 148. Восхожденїе сїонское. 149. Врата сїонскїе. 150. гробъ дв҃довъ и ц҃реи їудовыхъ 151. Палата каіаѳы и всѣхъ великихъ архїереовъ. 152. Кесаря агриппы. 153. Горница конская. 154. Гора сїонъ градъ дв҃дов їже и верхнїи. 155. Гробъ с҃тго стеѳана. 156. Домъ б҃цынъ. 157. скинїя аунская (?). 158. Врата сїонская. 159. Градъ сїонъ. 160

Врата верхная. 161. Степени града. 162. Темница. 163. Вирсавїя. 164. Домъ Анны Архїерея. 165. Точило цр҃кве. 166. Кипарисы сїнаискїе. 167. Палата Дв҃да и цр҃ей Июдовыхъ.

Грыдоровалъ Алеѯѣй ростовцевъ.»

---

644. Планъ Іерусалима.

Листовой, гравированный на мѣди, въ началѣ нынѣшняго столѣтія; подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

На планѣ обозначены слѣдующія мѣста: «дворецъ Іродовъ—гора Голгофа—колодецъ—ворота—потокъ кедрскій—палаты—первая часть города—замокъ—вертоградъ—гора Елеонская—вифанія—висфагия—башня—овчая купель—амфитеатръ—палаты Пилатовы—вторая часть города—дворъ Коїафы Архїерея—Дворъ Иродовъ—Крѣпость сїонская—Храмъ Соломоновъ—Палаты Маккавеевъ—Палаты анны Архіер.—двор: Соломоновъ—Купель силоамская—строенїе неизвѣстное—гора—башня салоимская—Третья часть города—Темница—палаты—домъ судной Давидовъ—дорога изъ Еммааyса.»

Текстъ вверху плана:

«Планъ
Города Іерусалима

Изданной въ Парижѣ съ показанїемъ достопамятныхъ мѣстъ бывшихъ во время Господа нашего Іисуса Христа.

Овчая купель гдѣ на всяко лѣто Ангелъ Господень схождаше и возмущаше воду, по возмущенїиже кто первее изъ болящихъ во оную входилъ тотъ изцѣлялся. На горѣ Елеонской Спаситель трикраты молился богу отцу предъ своимъ страданїемъ, при немъ Ангелъ Господень сходилъ и укрѣплялъ его (.) по дорогѣ идущей отъ Вифсфагїи во Іерусалимъ имѣлъ спаситель торже-

ственный входъ сѣде на жребяти осли препровождаемый съ ваїями и вѣтьми по постилаемымъ отъ народа ризамъ съ пѣніемъ осанна благословенъ гряды во имя Господне.

Внутри двора Каіафы архіерея по приводѣ Спасителя предъ сего архіерея Петръ апостолъ отрекся трикраты отъ Господа По дорогѣ идущей отъ палатъ Пилатовыхъ на гору Голгофу Спаситель веденъ былъ на разпятіе съ поруганіемъ и безчестіемъ гдѣ по приведѣніи и распятъ былъ между двумя разбойниками По дорогѣ идущей изъ Іерусалима до Еммауса явился Спаситель по воскресенія своемъ идущему клеопѣ и другому съ нимъ. Вифсагія то мѣсто въ коемъ было воскресеніе Лазарево.»

Внизу плана приписка: «Линїи идущїя субцами суть стѣны города изъ коихъ одна обходящая кругомъ подъ литерами А. Б. В. Г. ограничиваетъ пространство всего города другїя внутри всей окружности проходящїя подъ литерами Е. К. раздѣляютъ все пространство города на три части»..

---

645. Описаніе Іерусалима.

Тетрадь въ средній листъ, состоящая изъ четырнадцати листовъ, отпечатанныхъ (съ одной стороны) мѣдными, гравированными досками. На первой страницѣ поставлено три нумера кряду: «1—2—3»; и еще «4», сбоку, справа. На второй страницѣ поставленъ № «5», и т. д. до четырнадцатой, на которой поставленъ № 17. Изданіе первой половины XVIII вѣка; подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

Другое изданіе этого описанія (*б*) въ четвертую долю листа, сдѣлано въ 1771 году; доски его скопированы точь въ точь съ вѣнскаго изданія 1748 г. (см. примѣчаніе). Изображенія и текстъ его представляютъ повтореніе досокъ листоваго изданія, съ нѣкоторыми, незначительными, измѣненіями, а именно:

На страницѣ 1-й, помѣщена картинка: «святыя жены при гробѣ», которой въ листовомъ изданіи нѣтъ. Внизу подъ ней подпись: «Во следъ же шедшыя жены яже бяху пришли съ нимъ отъ Галилеи видѣша Гробъ и яко положено бысть тело его возвратишеся же уготоваша Ороматы и миро Луки гла 23 ст. 25 и 26».

Затѣмъ идетъ страница съ помѣтою вверху: «2 и 3»; на ней надпись фигурными буквами:

«Ѡписаніе ст҃аго бжія града Іе҃рлїма цркве живоноснаго гроба гд҃ня и протчїхъ ст҃ыхъ мѣстъ въ нихъже по свидѣтельству ст҃ыхъ еѵ҃листовъ ѿрождества до вознесенія хр҃това многая ко спасенїю чл҃чскому содѣяшася—1771 году.»

На страницѣ, помѣченной № «4» идетъ продолженіе текста:

«Всѣмъ благочестивымъ читателемъ радоватися—Не Цесарская дѣла... и т. д. кончая словами: «Сѵмеѡнъ Іемонахъ и архимандритъ Іерусалимскій», т. е. до половины первой страницы листоваго изданія.

На страницахъ 6 и 7, помѣщенъ текстъ второй половины той же первой страницы листоваго изданія, и т. д., до конца.

Всего въ этомъ изданіи, въ четвертку, листковъ пятьдесятъ два, помѣченныхъ цифрами: 1 — 53 (второй листокъ за двумя нумерами).

Доски этого изданія подправлялись и переправливались нѣсколько разъ и печатались.

б) Въ 1771 году, на сѣрой бумагѣ.

в) Въ первыхъ годахъ нынѣшняго столѣтія, на синеватой бумагѣ.

г) Въ 1820—30 годахъ, на сѣрой бумагѣ, обыкновенно употреблявшейся въ то время для печатанія лубочныхъ картинокъ.

д) Въ 1830—40 годахъ; на такой же сѣрой бумагѣ; на нѣкоторыхъ доскахъ (№ 11), видны трещины.

Въ послѣднее время (1860 г.) сдѣлано еще изданіе, литографическое, точь въ точь съ изданія *д*.

Текстъ листоваго изданія:

«1 — 2 — 3 — 4. **Ѡпїсаніе с҃таго б҃жіа града іерусалима ц҃ркве живѡноснаго гроба гд҃ня ипрочіих ст҃ыхъ мѣстъ внихже посвидѣтелству ст҃ых еѵ҃лістовъ ѿрж҃тва до вознесенія хр҃това многая ко спасенїю чл҃вческому содѣяшася всѣмъ бл҃гочестивымъ читателемъ радоватися**

Нецесарская дѣла ниже ц҃ркая исправленія ниже красоту ц҃ркихъ полатахъ книжица поведуетъ сия ѡ читателю но бл҃голѣпіе дому н҃бнаго вседержїтеля і всѣхъ ц҃ря бг҃а земнаго гл҃ю Іер҃лима егоже вышныи Бг҃ъ избра себе въ вжилище иже воѡкрестных странах родился по плоти и кр҃тился и многа чудеса показалъ коспасенію чл҃вческаго рода внемже и претерпе волную страст даизбавитъ насъ ѿвѣчных страстей идеже распять бысть и умерлъ ипогребенъ яко чл҃вкъ и воскресе яко Бг҃ъ пописаніемъ разрушивъ смертныя силы и адовы узы и приведъ праѿцы вн҃бсный Іер҃лимъ всемъ вѣрным образ подавая горняя искати идѣже ипаки пріидетъ судити живым и мѣртвымъ и отдати комуждо подѣломъ его идеже имы вси предстати имамы прі страшномъ судище бо пріемлюще киждо по дѣлом или благая или злая получивъ убо ѡ православны читателю сие краткое поведание ѿ ст҃ыхъ и Бг҃опроходныхъ мѣстахъ, и прилѣжно прочитая умилися о содѣянныхъ тѣбе ради дѣлъ предівныхъ ѿ Бг҃а во ст҃омъ Градѣ Іер҃лимѣ иво ѡкрестных ст҃ыхъ мѣстахъ идостодолжно поклоніся мѣсту идѣже стоястѣ нозѣ Гд҃а нашег іи҃са хр҃та и ипротчимъ ст҃ымъ мѣстомъ идѣже ѡбщее спасеніе содеяся или ѿходя телеснѣ или понеумно предпосылая по возможности мл҃тню твою. на соблюдение иѡхраненіе ѡздешныхъ ст҃ыхъ и поклонітелных мѣстъ яко да любві ради твоея кземному Іерусалиму достоинъ явишися жилища желателнаго Іерусалима ивъ немъ дражайшаго наслажденія ліцезренія Бж҃ія якоже ижелая тебѣ тебѣ вкупе пребываю твоея любви мирны іпремірны бл҃гъ желатель Сѵмеѡнъ Іеромонахъ и архімадрітъ Іер҃лимскіи(.) Повѣсть ѡ ст҃омъ граде іе҃рлиме и прот-

чихъ ѡкресных с҃тыхъ мѣстахъ(.)Созданъ бысть с҃тыи градъ іерусалимъ во 7070 лѣто ѿ созданїя мира ѿ мелхиседека ц҃ря сп҃енніка Бг҃а вышнаго и ѿнего взяша его іевусеи и держа 824 лета потомъ ц҃рь и пр҃ркъ дв҃дъ техъ побѣдївъ взялъ его инареклъ градъ дв҃двъ и митрополию и каѳедру ц҃рства своего своего показалъ ипо 475 лѣтахъ беззаконных ради людеи иудѣйских попущеніем Бж҃іимъ плененъ бысть ѿ ц҃ря перскаго навуходоносора послѣ же киръ ц҃рь персїи бж҃іимъ мановеніем допустилъ жидомъ возвратитися и создати храмъ соломоновъ и стены града ктомуже ѿбновленъ бысть сеи градъ и ѿвоеводъ макавеѡвъ послѣдѣже заневинную смерть г҃да н҃шего іи҃са хр҃та хотя бг҃ъ ѿмстити попусти веспесиану и тіту ц҃рем римскимъ иже по 38 лѣтъ вознесения хр҃това прищедше конечно плениша градъ и ѿоснования разориша потомъже адріанъ ц҃рь за упорство еврейско разолъ ѡставшая посеялъ солъ сице бо ислово г҃дне исполнишася еже рече яко камень накаменн неѡста ѡстанетъ таже тоиже ц҃рь адріанъ помянувъ бл҃городне ї красоту того града ѡбновилъ его предивно степами столпами ї полатами и тако по приемству прїиде вомбладаніе и ц҃рю константіну первому ц҃рю православно греческому иже совеликимъ усердїемъ украси его многими икраснѣішіми храмами и славными полатами їными различнымъ дарованїи ново 636 лѣта по хр҃товомъ воплощенїи при ц҃рѣ ѳѡкѣ и ираклн плененъ бысть ѿ срацыновъ ї пребысть подвластию калифета лѣтъ 436 таже на 1099 ѿ хр҃та лѣто свобожденъ бысть полководецъ вместо дуки Лоренскаго Готфреда Болгиона именуем споможениемъ прочихъ хр҃тианскихъ г҃деи потомъ мимошедшимъ 88 лѣтомъ во 1187 лѣта ѿ хр҃тва рож҃ства паки пришедъ свелпкою силою саладинъ султанъ Египетскїи взялъ его и ѿтого паки во 1517 лѣта ѿхр҃това р҃ж҃ства пришет султанъ селимъ самодержицъ турецкіи со множествомъ воиновъ ѡблада Іерусалимом и всемъ ц҃рствомъ египетскимъ и ѿтолѣ седит паша тамъ числится ѿ мелхиседека создавшаго Іер҃лимъ доннѣ лѣтъ 3684 Есть же сеи с҃тыи Градъ Іер҃лимъ на

«5. на мѣстѣ высоцѣ посредѣ земли якоже гл҃еть пр҃рокъ

дв҃дъ бг҃ъже цр҃ь нашъ прежде векъ содѣла спасеніе посреде земли и есть градъ краснѣйшіи егоже ѡкружение шесть миль имеетъ же иврат҃ъ четыре ї къ западу судь врата дв҃двы квостокуже геѳсимансіская а н а полудни ст҃аго сіона ксеверу же дамасковы имѣетже идругия двои врата меншия едины одн҃ую адругия ѡшую начинаемже їсторію ѡ полатахъ дв҃довыхъ яжь суть съ запада близъ врат҃ъ градскихъ яже идоднѣсь именуются врата дв҃двы въ тѣхъ полатахъ пр҃рокъ дв҃дъ сочинилъ ѱалтирь ту і҃нѣ сидитъ яничерскои ага съ янычарами иже хранятъ градъ ѿ безбожныхъ араповъ».

На этомъ мѣстѣ помѣщенъ общій видъ храма гроба Господня

«Икъ востоку яко вержение камени ѿпалат҃ъ дв҃двых есть великіи ї преславныи храмъ ст҃аго гроба г҃дня прекрасныи и круговидныи имѣя трулли трї во ѡбразъ ст҃ыя тр҃цы извоницу краснѣишу и высоку имѣяше сеи храмъ первѣе врат҃ъ седмь ѿнихже едина точию суть ѿворенна наполудни Іер҃лиму.»

На этомъ мѣстѣ изображенъ «храмъ предъ гроба».

И входя сими ст҃ыи вратами чрезъ стопъ 40 ѡбрѣтаеши святое сонетие идѣже повиша христа Іѡсифъ и никодимъ чисто плащаніцею идѣже есть мраморъ белъ пкраснѣиши долгота девяти а широта две споловинои футовъ їокр҃ѣтъ есть огражден железомъ горят ту сверху каньдила 8 православных 4 рімско 1 Армянско 1 кантско 1 їсіріанско: 1: игоре стояніе ест кр»

«6. кр҃етное сведенное свят҃ое снитие. ѾѾ ст҃аго же сонетия ходя къ западу чрезъ стопъ 40 ѡбрѣтаеши великое трулло еже есть ѡловомъ на ст҃ымъ гробомъ есть же съ верху ѿкровенно внутрь удуже суть ѿдревесъ допоеса стѣны ї ѿ нояса нижешъ суть изображенъ м҃усіею златою вси пр҃рцы п ѡдесныя есть ст҃ыи констяитинъ ашую ст҃ая Елена по пр҃рцѣхже есть мраморъ багрянъ прилепленъ къ стѣие писания ихкрестъ суть ѡглашенная ст҃аго Гроба иже имѣютъ каморъ 17 п столповъ мраморныхъ 8 иножицъ 12.»

На этомъ мѣстѣ изображеніе положенія во гробъ, съ надписью: «ѡ велицѣи труллѣ».

и суть вся при стенахъ и одесныя страны есть церковь армянска а҃ѣвыя есть римская которы римлянѣ имѣютъ кандилъ 98 нижешъ суть другихъ 14 каморъ яже имѣютъ столповъ 12 їнїжешъ суть ц҃кви еретїческия икъюжнѣй странѣ есть цр҃ковь коптовъ яже есть прилѣплена къ кувуклїи с҃таго гроба близь тоя есть цр҃ковь сурианская вкоеи находяся гробы Іѡсифа и Никодима изсѣчены вкамени и мало налѣво есть мраморъ ѡкруглъ нанемже горят два кандїла тутъ глаголют яко стоялъ а҃гглъ егда гл҃аше женам что їщете живаго смертвыми ѿстоитъ ѿс҃таго гроба на 40 стопъ ипомале есть їнъ мраморъ ѡкруглъ иже имѣетъ посредѣ рупу ту гл҃ютъ яко спразиша гвоздие за пропятие хр҃тово и помалѣ есть цр҃ковь римская ея же долгота есть на 40 аширота 20 стопъ їсъдесныя страны есть прозоръ вкоемъ есть ча҃ть ѿ столпа прїкоемъ прївязанъ бысть г҃дь при спасителнѣи стр҃ти иту горятъ два кандила ѿстоятъ ѿс҃таго гроба 63 стопъ и вне вратъ есть цр҃ковь маронїтская въ коеи горят кандилъ 5 вся же сия реченная суть под ѡглашенными великаго трулли посредѣ егоже есть кувуклїа краснѣишая ивнеи есть пр҃тыи гробъ Г҃днь и окрестъ есть все просто мраморне иїмать столповъ мраморных 10 и кандилъ 6 и над тою есть труга кувуклїа мала обаче краснѣиша оловомъ покровенна держима ѿ столповъ багряных злотоглавных 12 ивисїтъ 56 кандилъ иединъ полѵелеи иже Їменуется православных вратаже кувукліи суть къ востоку и входя зриши камень нанемже сидѣлъ а҃гглъ егда возгласи женамъ что ищете живаго смертвымъ нѣсть здѣ иту висятъ кандилъ 17 православныхъ 7 римскихъ 5 ерменских 2 коптско 1 исурїанска 2 икъ западу ѿ с҃таго сего камене до 4 стопъ суть мала врата имиже входимъ во с҃тыи ижївоприемны гробъ идѣже есть мраморъ багрянъ краснѣишїи и ту виситъ 44 кандила православных 21 римски^{x} 13 арменскихъ 6 коптска 4 с҃тыпже гробъ есть долготою футов 7 а широтою 4 ѡкрестъ суть мрамори прилѣплены по степе и пополу и есть изображено погребение хр҃тово и воскресеніе исходя ѿ с҃таго гроба къ востоку 20 стопъ есть трапеза наню же восходитъ патриархъ егда раздѣляетъ с҃тыи светъ»

На этомъ мѣстѣ изображено Воскресеніе Христово, съ подписью: «Кубукліа» и «с̃ гробъ».

«ѡ ст̃омъ свѣте икогда бывает.»

«7. Исходитъ ст̃ыи свѣтъ надъ ст̃ымъ гробомъ въ день ст̃ыя и великия субботы тогдаже суть ився племена собрана вхрамѣ иноклоницы ѿ всякаго мѣста приходитъ убо вратникъ ст̃аго гроба и ст̃ыя кувуклiи и затворивъ двери ѿходит мыже погашаемъ вся кандила бж̃ественнаго храма нисходитъ патриархъ къ ст̃ому гробу ѡболченъ вовсе архиереиское украшеніе исъ їеромонахи свещенникиже идіаконы пс всѣми православными ѡбходят ст̃ую кувуклію поюще воскр̃еніе твое хр̃те сп̃се і протчи ѡбшедши убо дважды патрїархъ идетъ близь святыя кувуклiи прочиже итретицею ѡбходятъ тогда патрїархъ входит внутръ къ ст̃ому гробу и пріемлетъ ст̃ыи светъ ѡсвещаетъ и раздѣляетъ людемъ потомъ начинается и совершается литургиа с̃ василіа

ѡ соборномъ храмѣ

Приидимъ паки къ предложенію слова втомъ храмѣ бѣ ст̃ая трапеза предверми соборнаго храма ї наднею висятъ 25 кандилъ ивышше 37 сюду и сюду имѣетъ икона великихъ исверху имѣетъ икамору велику яже есть написана мусиею златою идѣже есть изображено вознесение хр̃тово и бл̃говещеніе Бц̃ы накоеи есть ѡсновано тролло изатрапезою суть врата соборныя цр̃кве и къ востоку стопъ 25 есть мраморъ и имѣетъ рупу и тамо есть пупякъ земли и среда цр̃кве исреда мира исверху висит полчелеи сребрянъ краснѣшіи иносрѣдѣ того есть другіи менши и извнѣ имѣетъ кандилъ 64 и їконъ 10 инаднiмъ есть второе трулло имущее оконцъвъ 8 икаморъ 16 и їконъ 44 иту горятъ кандилъ 16 иѿпупка идїи стопъ 27 и восходя единъ сътепенъ суть пр̃толи четыре патриарховъ съдесныя же есть їер̃лимскаго иже есть позлащенъ краснѣише съ кувуклiею златою иблизъ того есть але-

ξандрiискаго съ лѣвыя же страны есть кон҃стантинополскаго и антїохiискаго инад константїнополскимъ есть амвωнъ позлащѣнъ краснѣишiи идѣже читаетъ дїаконъ ст҃ое еѵ҃лiе предъ їерлїмскимъ виситъ единъ малъ полѵелеи сребрянъ имущъ кандилъ 12 и ѿ туду ходя стопа 15 суть свѣщеницы и свѣщи пѿ обоихъ странъ їконы 12 ап҃лъ идѣже виситъ кандилъ 14 їеще стопъ 7 есть темполъ позлащенное имущѣе трои врата и їконы краснѣишия и кандилъ великихъ 27 и горѣ вл҃чны празднїцы 16 съ кандилами инаверху есть крестъ великiи высотою пядеи 22 преднимже виситъ кандило велико златое имущее меншихъ кандилъ 18 и сюду и сюду два велика кандила и надтемпломъ друхъ 18 кандилъ ѿ цр҃ких же вратъ идїи ивосходя три степени есть ст҃ая трапеза на неиже служат православныі яже есть велика икраснѣиша съ кувуклїею позлащенною и четырми столпы позлащенными горятъ же ту 40 кандилъ инад кувуклїею : 8 : и слѣвыя есть проскомидиа съ кувуклїею устроена седефомъ и горятъ ту 3 кандила и за трапезою восходя степеневъ 7 есть пр҃толъ патриаршескiи и ωкрестъ 6 їкона великих икраснѣишихъ горятъ иту 3 кандила велика итамо есть столповъ 8 икаморъ 5 имиже держится олтаръ игорѣ суть ωглашенная олтаря їесть итамо кандилъ 66 естьже соборная цр҃ковъ долготою стопъ 118 иширотою 40 имѣетъ же и вратъ 4 первая къ голгофѣ вторая къ ст҃ому снитию третия къ ст҃ому гробу ичетвертая к бц҃ѣ

ω храмѣ пртыя Бц҃ы

Сходя четвертыми враты степеняхъ 4 идеши къ сѣверу стопъ 38 и обретаеши мѣсто гл҃емое клапесъ иесть трапеза на 4 столпа горитъ ту 1 кандило иту близъ есть цр҃квица бг҃ородична идеже гл҃ется темница хр҃това горятъ ту кандилъ 5 итамо служатъ православны и за ст҃ымъ великим олтаремъ есть церковь архаг҃гловъ яже гл҃ется и с҃ логгина занеже тамо исповѣдалъ с҃ логгинъ хр҃та сп҃а бж҃iя при спасителнѣи страсти горятъ иту кандила 3 ѿстоитъ же ѿ великаго ωлтаря ногъ 12 и мало далше есть цр҃-

ковь Арменская идѣже воини раздѣлиша ризы хр̃товы иту горятъ: 3 кандила итамо близь суть врата имиже сходіши степенеи 30 w҃брѣтаеши цр̃ковь с̃ Елены яже стоитъ на 4 столпа мраморны ту горятъ 30 кандилъ яже есть долготою стопъ 40 а широтою 49 и w҃десныя страны есть лѣствица и степенеи 13 и есть камень изкорене и тамо есть вертепъ великъ идѣже w҃брела бл̃женная Елена чт̃ныи кр̃тъ десную страну держат православны а левую латїни иту горят 5 кандилъ и исходя врата имиже вшелъ еси ї идыи стопъ 16 есть цр̃ковь православныхъ въ неиже есть часть столпа идѣже сидѣлъ хр̃тосъ егда w҃блачаху его впорфиру и терновы вѣнецъ возлагаху ему горят иту 3 кандила ї къ западу есть лѣствица донеиже есть стопъ 40 яже иматъ степене 8 имиже восходіша къ ст̃ѣи голгоое кнеиже право ходя w҃ходіши къ западу стопъ 7 и тамъ есть место идеже распятъ бысть гд̃ь нашъ їи̃съ хр̃тосъ ту имельхиседекъ бл̃гословилъ авраама ту и авраамъ прінеслъ на жертву сн̃а своего исаака ту помрачїся сол̃нце ту празбоиникъ исповедалъ хр̃та есть же то мѣсто выше от протчих двѣ педи и полъ и широта есть 10 педеи ту есть с̃ рупа внеїже водрузиша кр̃тъ гд̃нъ есть же посребряна и бл̃гоухаетъ до днесь ту.»

«8. ту есть и распятія хр̃тово изображенно w҃десную с̃ рупи до 6 педеи есть камень разпадшіися донизу егда распадошася каменіе икатапетасма раздрася при ст̃рти гд̃нѣи ту есть игробъ адамовъ якоже гл̃ютъ еврейскіи учїтелие сверху горят 12 кандилъ їнныи 14 есть же цр̃ковь долготою стопъ 38 и шїротою 35 и есть крестовидно сведена имусїею златою пр̃рцы изображенны и Авраамъ закалая сына ипомостъ съ крупїцами красными иматъ же и 3 полѵелеи и w҃ десныя страны есть оконце зритъ къ пр̃столу сты еленны.»

На этомъ мѣстѣ помѣщено изображеніе распятія Христова, съ надписью: «ст̃ая голгооа».

«w҃ цр̃кви ч̃тнаго пр̃течи.

Подголговою есть цр̃ковь ч̃тнаго предтечи Іѡанна ї за с̃ тра-

пезою есть глава адамова ту горятъ кандилъ 15 ивнѣ къ западу до 12 стопъ есть с сонетие весьже храмъ есть долготою стопъ 285 а широтою 150 ї кандил православных 550 неусыпаемыже 45 иизходя извеликаго храма дверми пмиже входиши суть съ лѣвыя страны столпы и ѡ средняго столпа изыде некогда с светъ сицевымъ чудеснымъ образомъ внѣкое время запремногія дары арменския недопустиши властителницы патриарху по обычаю вовеликую субботу внити и с светъ ѡ с гроба приати инемоги что сотворити патрпархъ пребысть внѣ вратъ спрочими православными плачася и теплѣ моляся таже взыдѣ на пртолъ с елены близь единаго столпа и приложивъ слезы къ теплѣи млтвѣ ѡ чл-колюбия твоего хрсте распадеся единъ столпъ и їзыдѣ с светъ тогда патриархъ потекъ запали свѣщи и раздадѣ людемъ армени же внутръ посрамлени пребыша ѡжидающи и неполучища которое преславное чудо видѣвше турцы ѡверзоша двери ившедъ патриархъ с православными людми прадостныї сотвориша праздникъ пасхи пообычаю тогда иединъ емпръ видѣвъ тое придивное чудо вскочилъ ив камень аки в воскъ мяхкїи вонзилъ гвоздия велегласно вопия едина есть вера православныхъ хртіанъ иже исповѣдавъ хртіанскую вѣру огню преданъ бысть ѡ турков есть же и написана вина спя на единои плочи писмени арабскими.»

На этомъ мѣстѣ изображено жертвоприношеніе Авраама, а правѣе, врата стои преподобной Маріи.

«Къ западуже суть врата имиже хотяше с преподобная марія внити и возбранена бысть ѡ аггла ту надвратами есть Їкона стыя бцы возгласившая ей аще преидеши Іорданъ ѡбрящеши покои близь с вратъ суть другїя врата затворенна иту суть столпы мраморны 6: есть и горныи прагъ изваянъ тамъ съ десныя страны есть лѣствица ею же восходитъ на престолъ елены яже есть съ кувуклїею и написана съ мусїею ту сѣдяще с елена егда судъ творяше жидомъ за чтныи крстъ имать же и ѡграду велику и предобру и имѣетъ стопъ 4 ту положиша и чтныи кртъ на мертваго ивоскресе ту есть и темница въ нюже всадила жиды с елена пт

«9. и ту близу есть мнтырь с̄ иправеднаго авраама патриарха и сіи есть подъ властію православных и и ту близъ суть три цр̄кви л̄ с̄ вскрнія сї есть мироносицъ ту бо видѣ маріа магдалина хр̄та егда слышала неприкасаися мнѣ к̄ есть с̄ четыредесять мч̄нковъ г̄ есть с̄ Іакова брата бж̄ия идѣже собираются хр̄тіяни и поютъ и слышатъ правило цр̄ковное ту есть и лѣствіца еюже восходитъ в патриархию и въ соборіще и въ келлию епитропову таже есть тропезариа и приемница и церковь с̄ Константина на горницѣ имать 3 окна зрящая къ с̄ гробу горятъ и ту кандилъ 18: 6 неусыпан тамъ внутръ есть цр̄ковь с̄ первомч̄нцы ѳеклы и яко стрелы вержение есть цр̄ковь пр̄тыя бц̄ы монастырь постящихся женъ въ немже постящеся с̄ мелания съ дѣвятыдесятми дѣвицами и къ востоку ѿ с̄ гроба внутръ нер̂лима суть ст̄ая ст̄ыхъ идѣже сидела пр̂тая бц̄а 12 лѣтъ питаема ѿ бж̄ественнаго аг̄гла въ томъ храмѣ завѣса раздрася втомъ закланъ бысть пр̄рокъ исаіа въ томъ пріятъ хр̄ста сумеонъ ту бѣ и кивотъ и сѣнь свидѣния и жезлъ ароновъ и продчая яже проображаху пр̄гую бц̄у исверху есть оловомъ покровенъ.»

На этомъ мѣстѣ изображена «патриархия» а пониже «ст̄ая ст̄ых».

«Близъ тамо есть и четверовратная дверь имїже прошелъ хр̄тосъ сѣдя на жребяти осли егда идѣшіи».

На этомъ мѣстѣ изображеніе четверовратной двери.

«Еврѣисти усрѣтоша его съ вѣтми зовуще и гл̄юще ѡсанна сыну давыдову благословенъ грядыи воимя Г̂днѣ
Близъ же четверовратных двереи есть св̄тилище въ немже хр̄тосъ учи».

10. училъ непо(ко)рныя жиды и есть оловомъ покровено внѣже ст̄илища есть ровъ въ негоже ввергоша пр̄рка Іеремію законопреступнїи жиды ѿтуду есть и домъ іоакима и анны и тамъ есть вертепъ глубочаишіи внемже родися прест̄ая влд̄ча наша бц̄а.»

На этомъ мѣстѣ изображеніе Спасителя, учащаго евреевъ во храмѣ.

«втомъ доме есть обчая купель въ неиже исцѣлилъ хр̃тосъ разслабленнаго леты 38.

На этомъ мѣстѣ изображены: «рожд̃ство пр̃ бц̃ы вдомъ іѡакима и анны»; и «овчая купель.»

«ту близъ есть и баня с̃ анны и оттуду къ нізхожденїю пути есть ї камора гл̃емая преторъ внемже судиша хр̃ста евреи и пїлатъ ту суть и домы беззаконных архїерѡвъ Анны и Каіафы которы теперь суть пусти ї тамо метаются пометіне градске иже суть ї ѿдѣлены доднес.»

На этомъ мѣстѣ изображены «преторъ» и Спаситель, ведомый воинами къ первосвященнику.

«ѡ сущихъ храмѣхъ во с̃томъ градѣ иерусалимѣ нн̃ѣшняго времени.

Ѡбрѣтаются н̃нѣ бл̃годатію бж̃иею во с̃т̃мъ градѣ Іерл̃име цр̃кви яже служатъ православными а̃ с̃тыи и живоприемыи гробъ в̃ с̃тыхъ четыредесятых мученіковъ подзвоницею г̃ воскресения д̃ с̃таго Іакова є̃ с̃ кон

11. константїна ѕ̃ жертва патріарха авраама и з̃ с̃тыхъ а̃пловъ которыя церкви суть соединены ѡградою с̃таго гроба ѡныя цр̃кви суть и доднесъ во с̃томъ градѣ Іерлимѣ.

Суть и еще двѣ цр̃кви или монастыря единъ есть с̃ Іакова сына заведѣева егоже имѣютъ ѡбитель армене иже егда избѣгоша гіуржіе за нестерпимыи долгъ ѡни армени съ множествомъ новцовъ иссплою цр̃скаго повеление взяша ѿ насъ»

На этомъ мѣстѣ изображенъ: «м̃настырь арменски»

«ту убилъ мечемъ иродъ цр̃ь с̃ а̃пла иакова того монастырь есть препзрядныї ймущъ келїи 700 и вертоградъ величаїшїи а другїи монастырь есть с̃того Іоанна богослова»

На этомъ мѣстѣ изображенъ: «монастырь римски».

«егоже римляни велїки и краснеиший изего имѣяху первее н̃шіх встарое время бяше цр̃квеи 366 н̃нѣже елїко помянухом спасаются се знаменуемъ и дванадесят монастыреи постяхся женъ іхже ймена сїя суть

«монастырь пр̃тыя бц̃ы» — «монастырь с̃ дімітрія» — «с̃таго

Николая»—«Стаго Василія»—«с Георгия ї болніцы»—«стыя Екатеріны»—«Монтрь с Архангела»—«с Феодора тірона»—с Ефимия»—«с стретенія»—с предотеча»—«с георгія прижідех *).

12. Исходяше изграда Іерусалимскаго есть с сионъ идеже снишелъ дхъ стыи на стыя ученики и апостолы еи есть на горнїце здому заведѣѡве внемже была ї таїная вечера и свещ̃ное умовение ту и по воскресенїи

хртосъ внидѣ дверемъ затвореннымъ ту бысть и ѡсязание стаго аплтола ѳомы ту есть погребенъ и с пррокъ двдъ и снъ его соломонъ ту седяше и престая бца додне преставления ея на небо тоѐ држатъ нынѣ туррки недопущающи никому ѿ вѣрныхъ внити тамъ на полѣ погребаются архїереи и мирски арапи христиане сущи.

Здѣсь изображенъ «стыи сионъ» а подъ нимъ сошествіе св. духа и «таїная вечеря».

«ѿ с же сиѡна нижешъ есть погребеніе страннымъ село скудѣлниче куплѣное цѣною крове хртовы сіе с 30 сребреникъ

На этомъ мѣстѣ изображеніе церкви села Скудѣльнича, съ надписью: «погребеніе страннымъ».

«ту есть ивертепъ внемже погребаются монашествующїи въ ерлимѣ надвертепоможе есть церковь с онуфрїа ѿстоитъ отъ Ierлима ї миль.»

На этомъ мѣстѣ изображенъ: «монстырь с онуфрїа».

«ѾтуДу же нижае есть їсточнїкъ їаковль їже егда есть лѣто блгополучно наполняется ї прелївается егда же есть неполучно нїже наполняется нїже преливается.»

На этомъ мѣстѣ изображенъ: «источникъ їаковль».

«горѣже ко граду Іерлиму есть купель силоамля идѣже слѣпыи прозрѣ (на этомъ мѣстѣ изображенъ: «сїлоамъ») нижае есть гробъ прка исаїа и авесалома сына двдова ту претреша и прка исаию тамъ есть гробъ его (на этомъ мѣстѣ изображены: «гробъ їсаїа пророка ї страданїе его») гораже елеѡнская есть квостоку

*) Подъ каждою изъ этихъ надписей помѣщено изображеніе монастыря (всего двѣнадцать).

предъ Іер҃лимомъ субботы имуще путь и краи тоя горы есть вертепъ идѣже скрышася а҃пли егда яша жиды христа (на этомъ мѣстѣ изображена: «пещера їдеже скрышася а҃пли») ту есть и вертоградъ внемже моляшеся христос дамїмо їдет часъ ѡныи ту есть икамень принемже хр҃тосъ оставилъ петра и іакова иѡанна ѿшедъ на молитву бли

13. близ вертоградъ идѣже предаде иуда учителя своего (на этомъ мѣстѣ изображеніе вертограда и моленія Спасителя о чашѣ). Близъ вертограда есть гробъ пре҃тыя бц҃ы гл҃емое геѳсммания естьже церковь величаиша ипредвраты есть 8 столповъ и внутръ есть лѣствица пространная ї нїсходя степенеи 50 ѡбрѣтаеши гробъ пр҃тыя бц҃ы иже есть ѿ мрамора бела и чїста ѿ него же исходит иблагоуханїе дивное горятъ ту кандилъ 22. 9 пашихъ прочая же другихъ племенъ надъ гробомъ есть кувуклїа каменая краснѣїшая (на этомъ мѣстѣ изображены: «геѳсиманїа» и «успенїе пресв. бц҃ы»). Тамъ близь есть и юдоль плачевная внеиже будетъ потещи огнѣнная рѣка хотящая ѿнести грѣшныя въ ѡгнь кромешныи. якоже гл҃етъ бж҃ественное е҃ваг҃ліе нїсходя ѿ гроба пр҃тыя бц҃ы посредѣ лѣствицѣ суть гробы с҃ пр҃вдных бг҃о оц҃ъ іѡакима и анны (на этомъ мѣстѣ изображена «река огненная») над геѳсиманїею есть гора елеѡнская ѿ неяже вознеслъся хр҃тос идѣже идоднесъ видятся стопы вл҃чных ногъ ту есть и кувуклїа над 15 столпы встарое время былъ храмъ преславныи нѣже точию ѡстала ѡграда и стопи хр҃стовы (на этомъ мѣстѣ изображены: «вознесеніе хр҃тово и гора елеонская») ѿ лѣвыя же страны тоя горы есть малая галїлеа внеиже хр҃тосъ явился а҃пт҃лом повоскресеніи (на этомъ мѣстѣ изображены: «осезанїе ѳомино ї малая галилея») ѿ десныяже ксходу есть вертепъ с҃ пелагїи въ немже постилася иже есть нынѣ заторенъ ѿ безбожныхъ и нечестивыхъ аравяновъ (на этомъ мѣстѣ изображенъ: «вертепъ с҃ пелагїи»). Къ востокуже горы есть виоанїа отчество лазарево въ неиже есть игробъ с҃ лазаря четвородневнаго тамъ усрѣтоша хр҃та прїходяща ѿ іордана сестры лазаревы мароа и мариа (на этомъ мѣстѣ изображены: «виоанїя и воскресеніе лазарево») надъ

14. надъ виѳанїеюже къ востоку есть путь Іордановъ и до 6 миль есть монастырь с̑ еѵѳимѵа (на этомъ мѣстѣ изображенъ «мн̑тырь с̑ еѵѳїмиа») . И оттуду къ востоку мїль 8 есть Іерїхонъ наполїлѣпомъ ту возшелъ закхеи на сѵкоморїю видѣти хр̑ста ѿстоитъ ѿ Іер̑лима миля 25 надъ Іеріхономъже есть четыредесятодневная гора нанеиже постился хр̑стосъ четыре десятъ днеи и четыредесят нощеи по человѣчеству и нижае навостокъ впустыни есть мн̑трь предтечи ї кр̑тля іоанна близ брега иорданова ту кр̑тилъ иѡанъ вл̑ку хр̑та ту засвидѣтелствовал свыше сн̑ъ бж̑іи гдь н̑шъ і̑с̑ъ хр̑тосъ (на этомъ мѣстѣ изображенъ «монастырь с̑ іоанна предтечи»). Течет же Іорданъ рѣка ѿ сѣвера къ югу і ѿстоитъ ѿ їер̑лима миль 30 иѡдесную того суть содома и гомора ї мертвое море мертвоеже зовется зане ничтоже живо внемъ есть (на этомъ мѣстѣ изображены: «Іорданъ река содома и гомора») близъ же Іордана есть монатырь с̑ аввы герасїма (на этомъ мѣстѣ изображенъ «мн̑тырь аввы герасима») ѿтудуже до 2 мїль есть вода яже м̑лтвою его изыде къ їер̑лиму же пред враты дамасковы есть село ц̑ря агрїпы идеже послалъ іеремїа варуха їавимелеха принести смоквы болны радї егда варухъ уснувъ спалъ 72 лѣта (на этомъ мѣстѣ изображенъ: «варухъ уснувъ спалъ 72 лѣта») и путемъ до едїнаго дне есть самарїа преднеюже есть источникъ Іаковль нанемже христосъ беседовалъ самарянїнѣ (на этомъ мѣстѣ изображенъ: «Іаковль їсточникъ на немже хр̑тос беседовалъ самарянїне») ѿ туду далша есть и назаретъ внемже было блговѣщенїе пр̑тыя бц̑ы от архаг̑гла гаврила ту воспитанъ бысть хр̑тос поѡчеству того ради назорен прозванъ бысть (на этомъ мѣстѣ изображено: «благовѣщенїе прес̑ бц̑ы»).

15. І мало далше, еть ѳаворская гора на неиже преобразился христосъ (на этомъ мѣстѣ изображено: «преображенїе хрво») и ту близъ к востоку есть кана галїлеїская внеиже хр̑тосъ сотворїлъ перво чудо претворивъ воду ввино (на этомъ мѣстѣ изображена: «кана галїлеиская»). Къ виолеему на среди пути есть монастырь пр̑рка їл̑и ту возбудїлъ его аг̑глъ спяща гл̑я востанї яждъ и пїи яко многъ ѿ тебе путь внеже монастыря есть изоб-

раженіе тѣла его (на этомъ мѣстѣ изображенъ: «монастырь пр҃рка илїи») тамо близъ есть и потокъ донегоже прївелъ иѡсифъ пр҃тую бц҃у пустїти и возбрани ему аг҃глъ гд҃нь тамъ нижае есть ї домъ евфраѳовъ сіе естъ село бецала зовомо

Иѿтуду до 2 мїли есть мостырь с҃ георгїа с храмомъ краснѣишимъ и съ труллою (на этомъ мѣстѣ изображенъ: «мн҃стырь с҃ георгїа»). И ѿ того монастыря къ виѳлїему на среди есть гробъ рахили вторы жены яковли (на этомъ мѣстѣ изображенъ монастырь и: «гробъ рахили»). Ст҃ыи виѳлеемъ есть кполудни отстоитъ же ѿ іер҃лима 4 милъ тамъ впещерѣ родился гд҃ь Іи҃съ Хр҃тосъ по плоти ѿ ст҃ыя д҃вы марїи и есть мраморъ внутръ уду ї внѣ уду сверхуже есть цр҃квь

а широта 90 кровля же храма есть оловянна помостъ же есть весъ мраморенъ имѣетже столповъ 50 с҃ же вертепъ имѣетъ 2 врата мѣдны едїны къ западу адруги квостоку каяждо счетырми столпами мраморными сходяще степенеи 15 (на этомъ мѣстѣ изображенъ: «виѳлеемъ») суть три столпа мраморны держащая покровъ места изъ южныя страны изходит бл҃гоухание дивное ту близъ есть жертвенїкъ їдѣже волсви поклонїшася хр҃ту съ дары горит над рж҃ство хр҃товым кандїл 5 инад ясли 4 имѣет с҃ вертепъ кандїлъ 42 прїкраи есть мѣсто идѣже излїша омытїе пеленъ хр҃товых итамъ далше есть вертепъ сжертвенїкомъ внемже есть ѿ мощеи с҃ мч҃нцъ ѿ прода ізбїенныхъ въ деснѣй странѣ храма есть кр҃тїлища баграна и ѿттуду къ востоку 1 стадїа есть пещѣра внеиже сохранїлася с҃ бц҃а бѣгающи со хр҃том воегѵпетъ ѿ виѳлеема нижае есть монастырь есть с҃ ѳеодосия квостоку (на этомъ мѣстѣ изображенъ: «мн҃стырь с҃ ѳеодосїя) ѿ мн҃стыря же с҃ ѳеодосїа за 4 мили е с҃ мнстырь с҃ саввы ѡсвященнаго иже есть лавра (на этомъ мѣстѣ изображенъ «мн҃стырь с҃ саввы») величаиша идивна многїмъ иждивенїемъ создана имущи храмъ краснѣиши съ труллою и црквицъ 9 посредѣже мн҃тыря есть гробъ с҃ саввы съ кувуклїею красною ивне мона

16. монастыря настенах суть два столпа юдуже хранятся ѿ безбожныхъ араповъ ѿстоитъ же ѿ їер҃лима 8 миль

ї ѿтуду выше на полудни есть дубъ мамврїскїи идѣже живяше патрїархъ авраамъ ту есть и домъ его ту есть ипогребен самъ ижена его исн҃ъ исаакъ ту бысть игощенїе ст҃ѣи тр҃цѣ то мѣсто держатъ агаряне нїкому допущающе прїблїжатїся отстоитъ ѿ їер҃лима 30 миль (на этомъ мѣстѣ изображенъ «домъ праведнаго Авраама») блїзъ їер҃лима къ западу до дву миль есть монстырь чт҃наго кр҃та съ храмом краснѣишимъ написаннымъ помост есть съ крупицами различных шаровъ под ст҃ою трапезою есть место идѣже усѣчено бысть древо ѿнегоже сотвориша чт҃ныи кр҃стъ за пропятие хр҃тово горятъ ту 2 кандїла не усыпно есть же долгота его стопъ 86 ашірота 40 (на семъ мѣстѣ изображенъ «монастырь ч҃стного кр҃та») ѿ Іер҃лима паки 6 миль есть орини идѣже рожденъ пр҃тча монастырь съ храмомъ украшеннымъ ту есть идомъ захаринъ ту цѣловала пр҃тая бц҃а елисавету близъ ѡлтаря долѣ 7 степенецъ есть мѣсто идѣже родися пр҃теча и ѿтуду до две стадїи есть вода обличения ї къ западу 3 мили есть камень иже распадся сохранилъ елисавету съ пр҃течею ѿубиства иродова иту есть агїама (на семъ мѣстѣ изображена: «орїни иже есть горная с҃ ев҃г») ѿ Іер҃лима паки стадіи 60 есть еммаусъ идѣже явился хр҃тосъ по воскр҃ни луце иклеопѣ древле бяше цр҃ковь предивная нынѣже едва ѡснованіе знается (здѣсь изображенъ «еммаусъ») газа ѿстоитъ ѿ їер҃лима 3 дни ѡшую же газы 1 день (на этомъ мѣстѣ изображена: «газа») есть лvда иту есть предивныи храмъ с҃ велїкм҃чнка геѡргїа празднуемь въ г҃ день ноемврїа м҃ца ту усечена бысть чт҃ная его глава яже илежитъ ту близь сщ҃еннаго олтаря (на этомъ мѣстѣ изображена: «лvда»). Близь лvди есть рембли иту есть другіи храмъ с҃ велікомч҃нка Георгїа внемже одесныя страны есть столпъ егоже вдовїца морем посла и мл҃твою с҃ георгия обретенъ бысть в пристанїщи и положенъ якорехомъ одесныя страны храма (на этомъ мѣстѣ изображена: «ремли» ѿтуду иїсходїмъ во їопию сие есть яффу їдеже есть прїстанище їер҃лимское ѿстоитъ ѿ іер҃лима 12 часовъ ту воскресилъ ап҃лъ петръ тавїѳу ту вїделъ и плащеницу повидени вдому симона усмаря и ѿтуду призван бысть въ кесарїю от сотника

корнилїа ту имамы мнтырь добреіши запребываніе приходящи поклонніковъ (на этомъ мѣстѣ изображенъ городъ: «яффа») ѿ суду їопїею моремъ исушею до 6 миль wбретается птолѣмаїда ннѣ парицаема аврі и тамо имамы метох запребывание приходящїх тамо пребываетъ имитрополит тамо есть и пристанище кораблеи есть тут црков красная (на этомъ мѣстѣ изображена: «церковь птолемаїды»)

17. между птолемаиды и яффы вприморі есть мѣсто зовомо турецки алемъбо въ коемъ видится и храмъ с апла петра ту хртосъ вопрошалъ апостоловъ кого мя глаголют члвцы быти (на этомъ мѣстѣ изображенъ: «храмъ апла петра») ту близь есть и кесария филиппова ннѣ пуста сущи надъ птолемаїдою есть и калмилская гора внеиже пребываше прркъ пліа и ѿ сея налево есть туръ и сидонъ и оттуду доиѣгоже видится якоже ходилъ члвкъ даспасетъ члвка (на этомъ мѣстѣ изображена: «кесария филиппова»). Се предложися хртолюбию твоему w блговѣины читателю кратчаишее wписаніе с бжияго града іерлима и wкрестныхъ бгопроходныхъ мѣстъ тыже умилно прочитая споболезнуи дшею wсицевомъ славиомъ же и свободномъ мѣсте ннѣ подъ игомъ турсскаго тyранства подлежащемъ иконечно послѣднїмъ сотѣсненіемъ и разоренiемъ бедствующимъ иниединыя помощи иутѣшения имущимъ разве побзе посещения пмлстп православныхъ хртолюбцѣвъ прихождѣниемъ ихъ имилованiемъ ѿ бгомъ данныхъ и блгъ ихже мзда многа нанѣбѣсехъ инаименование чадовъ сионскихъ спцѣ бо нѣгдѣ рече прркъ возвѣди wкрестъ wчи твои спонѣ и виждь собранная чада твоя издалеча ѿ запада и севера иморя чадомъже пророкъ зоветъ аки посещающих матерь православиа своего и матерь всехъ цквеи темже усердствуи и тщися до поклонения техъ стыхъ мѣстъ воспriемля блгодат ѿ бга ивннѣшнемъ ив будущемъ вѣцѣ ащеже невозможеши тѣлѣсне ѿити и поклонитися то поне предъ посыланiемъ млти твоея впиши имя твое во стомъ градѣ іерлимѣ да wстишися пбо други прркъ глаголет иже во стомъ градѣ нерлиме написавшиїся стып нарекутся иправѣдчѣ не малое бо дѣло занеже и стыи градъ

Іер҃лим помощию твоею ѡбрящѣтъ некое утешение и ѡблегчение тяжчашихъ долговъ иты временныхъ благъ даяниемъ и теплотою веры твоея достоинъ явишися вечныхъ же инє̑бныхъ бл҃гъ воздаяния восприемля во вышнемъ Іер҃лимѣ яже око не видѣ и ухо не слыша ина ср҃цѣ чл҃вку невзыдѣ и придется ясно ст҃ѣи тр҃цѣ оц҃у и сн҃у и ст҃ому дх҃у аминь.

Умомъ достизающе яко мнози за мною различны узроки несподобишася по усердномъ ихъ бл҃говѣинствѣ тамо пр҃їидти и видѣти заутѣшение любовию къ сп҃сителю н҃шему икъ ст҃ымъ мѣстамъ горящимъ ктторомъ и сыновомъ тояже ст҃ыя ап҃толския Іерусалимския цр҃кве книжка сия посылается православнымъ христианомъ да вси прочитающіи слышащіи и къумилению дш҃ѣ приводящѣ бл҃годѣяния бж҃ия помянута к немалую ползу дш҃евнну себе пр҃ѡбрѣтутъ мѣнеже о семъ потрудившагося и ѡждивение положиша аще въ чемъ погрешенно или оставленно или недостаточно что ѡбрящется простите ѡ православныи занѣже ист҃ыи і҃ѡанъ ев҃листъ запремножество чудесъ идѣлъ бж҃іихъ недостаточенъ бысть речебо ни всему миру можно вмѣстити пишемыхъ книгъ тако прося самъ ѡ спасенїи всѣхъ бг҃а молите непрестанно».

---

646. «Вѣрное изображеніе города Виѳлеема и прочихъ окрестностей со стороны Іерусалима»; двухлистовая картина, гравированная на мѣди, рѣзцемъ, въ 1820—30 годахъ; въ моемъ собраніи.

---

647. «Разстояніе знатнѣишихъ городовъ въ Европѣ».

Таблица, изданія Ахметьевской фабрики, второй половины XVIII вѣка; она отпечатана на листѣ бумаги, склеенномъ изъ

двухъ листовъ и двухъ полулистовъ. Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

Справа представленъ земной шаръ съ восходящимъ надъ нимъ солнцемъ, и двуглавымъ орломъ, съ надписью: «для всѣхъ». Пониже: «Разстояніе Городовъ изсчисляется, обыкновенными Нѣмецкими милями. Напримѣръ когда пожелаемъ вѣдать какъ далеко отстоитъ регензбургъ отъ Гамбурга, то провѣди одною рукою въ низъ По чертѣ надписанной Гамбургъ, другоюже Продолжай въ лѣво По той Чертѣ гдѣ надписанъ регензбургъ и въ томъ квадратѣ гдѣ черты сіи Пересекутся найдешь желаемое Число 74. Мили. Таковымъ образомъ таблица сія служитъ на 1798 вопросовъ. Одинъ градусъ экватора содержитъ въ себѣ $7\frac{1}{2}$ дацкихъ миль. 10 венгерскихъ миль. 12 Шведскихъ. 15 Немѣцкихъ $17\frac{1}{2}$ Гишпанскихъ. 18 Лифляндскихъ. 20 Французскихъ. 50 англинскихъ. 60 Италіанскихъ. 104: Россійскихъ верстъ.

1 Немѣцкая Миля Содержитъ въ себѣ 7. вер. россій:»

Внизу представленъ человѣкъ, стоящій на колѣнахъ и держащій въ рукахъ своихъ математическіе инструменты. Въ таблицѣ показаны названія городовъ по нѣмецки и по русски.

Изъ неевропейскихъ помѣщены:

«Виѳлеемъ, въ Іудеи, Дамаскъ, въ Сиріи, Іерусалимъ, во Иудеи, и Назаретъ, во Іудеи».

Изъ русскихъ городовъ, кромѣ Вильны и Риги, непомѣщено ни одного.

---

648. Таблица разстояній столицъ разныхъ государствъ отъ Москвы.

Четырехлистовая (малаго формата). Гравирована на мѣди, на Ахметьевской фабрикѣ, въ началѣ XVIII вѣка. Единственно извѣстный экземпляръ ея находится въ моемъ собраніи.

Таблица раздѣлена на четыре полосы (сверху внизъ).

Въ каждой полосѣ, справа, помѣщено изображеніе столицы, съ наименованіемъ ея, а слѣва, разстояніе ея отъ Москвы.

Вверху, въ лѣвомъ углѣ, изображенъ Кремль, съ надписью: **«столица росїискаго Гд҃рства град Москва»**

Вверху, надъ картинкою:

«Ѡписание столїцъ нарочитых градовъ славныхъ Гд҃рствъ йземел такоже їзнатных ѻтрововъ ипроливовъ водным исухим ктому путем по размѣре книги їмянуемыя водных мѣръ їиных принадлежащих описание росиїскаго гд҃рства от первопрѣтолнаго поалфавиту его ц҃рского величѣтва градам мѻквы толко до которого града ипроливы верстъ итако ив предлежащемъ листе ниже сего предявляетъ»

«Ѡписание рѧтоянию столїцъ нарочитых градовъ славныхъ Гд҃рствъ иземел путем поразмѣре книги їмянуемыя водных мѣръ їиных принадлежащих его ц҃рского величѣтва градам мѻквы толко докоторого града ипроливы вер҃стъ такоже їзнатных острововъ ипроливовъ водным исухимъ ктому описание росиїскаго гд҃рства от первопрѣтѻнаго поѧфавиту итако ив предъ лежащемъ листе ниже сего предявляетъ

Андрианопол град подвладением сѧтана турскаго врѧтоянїї от мѻквы сухи путе на киевъ: ѧ,ѿ

Александриа град Александриа град великїи воегипте пѻвладение тогоже сѧтана тур҃скаго врѧтоянїї ѿмѻквы на азов ѿтудуже море дачрезпер҃сицкую зем҃лю сухим путем. ,г҃ ѿ:

Антиохїя град. Аѧтїохїя градъ всириї врѧтоянїи ѿмѻквы наазов д҃ф чрез перскую зелю сухи путе ,г҃ф:

Амстердамград. Амстер҃да начѧнѣишеи галѧсие Зели град врѧсоянї ѿ Мѻквы наригу .,к҃ц: ана а҃рхаг҃ескои городъ ѿтудуже море г҃: тысечи асухи путе напѻскую Зелю и цесарскую: · ,г҃ф: ·

Антверпинград. Антверпин славныи град вбрабѧтии подвладенїе гишпанского короля врѧтоянїи ѿмѻквы нарїгу ѿтудуже морем :,г҃:

Анбурокъ град. Анбурокъ градъ вратоянїй ѿмоквы нарїгу ѿтудуже моремъ :,в҃:

Аѳонская гора. Аѳонская гора врецехъ вратоянїй ѿмоквы накиевъ :,ац҃: авнеи мнтереи ,аг҃:

Богдатъ градъ. Богдат град їже ивавїлонъ нарицаеся вратоянїй ѿмоквы наатраха ,їу.

Баръ градъ. Баръ гра їдѣже мощи почїваютъ стаго николая чудотворца вратоянїй ѿ моквы ,г҃

Бакчисаран град. Бакчи сараи град столица хана крїмскаго вратоянїй ѿмоквы накіевъ ,ат҃

Брандебурок град. Брандебурокъ градъ вбрандебурской земле вратоянїй ѿмоквы наполскую Землю ,вф҃

Бряславл град. Брялвль град Зелля гилонская вратоянїї ѿмоквы напоскую Зелю ,вх҃:

Бѣлъ градъ. Бѣ град бѣлогородской Землѣ вратоянїї ѿ Моквы сухи путе на киев :,вѿ

Берлин градъ. Берлин град идеже коро курфистръ брендебурский вратоянїї ѿ Моквы чрезпоскую Зелю :,вц҃:

Варшавагра. Варшава гра столїца королевства поскаго вратоянїї ѿмоквы ,а҃:

Вѣнаградъ. Вѣна град столица цесарскаго королевства вратоянїї ѿ Моквы наригу :,г.

Венецыя град. Венецыя град вратоянїї ѿмоквы чрез полскую Зелю ивенгерскую :,вц҃: анаархагелски город ѿтудуже моремъ :,г:

Гага. градъ. Гага град вгаласкои Зелѣ схоное мѣто торговое вратоянїї ѿмоквы напоскую зелю ,ат

Гданскъ град. Гданскъ град впоскои Зеле вратоянїй ѿмоквы напошу ,ат҃

Гермостав град. Гермостав град столица одмиградцкои зели вратоянїй ѿмоквы чрезпоскую Змлю ,вѱ

Генева град. Генева град воно вратоянїй ѿмоквы наригу отудуже на бѣлое море ,д҃

Готоркъ град. Готоркъ град їдеже пребываетъ їонтерскии король вратоянїї ѿмоквы чрез дацкую Землю ,вц҃

Грузинская Земля вратоянїй о̃ моск҃вы наа҃трахань ,г

Еденбурхъ град. Еденбурх град столица великого ïславнаго королевства шконкаго врастоянїи о̃ моск҃вы чрезриге отудуже морем ,в҃ѱ

Змïгна град. Змïгна град прибѣлом море подвладением салтана турского вра҃тоянїй о̃ москвы наазовъ ,в҃х

Зурих градъ. Зурих град столïца курлянского к҃нзя вра҃тоянїй о̃ моск҃вы наригу ,а҃ф

Люненбурокъ. Люненбурокъ градъ столïца к҃нзя люненбурского вра҃тоянїи о̃ моск҃вы на псковъ ,в҃ф

Буда градъ. Буда градъ столïца венгерского королевства о̃ москвы ,в҃ф

Іер҃лимъ градъ. Іер҃лимъ Град столица врастоянїй о̃ москвы наастрахань о̃тудуже на перскую Землю ïтурскую: д҃: а на кïевъ сухим путемъ ,г҃т:

Іспоган град. Іспоган градъ шаха персидскаго врастоянїй о̃ москвы чрез хвалынское море: ,гт:

Остров ïзладïк҃. Островъ ïзладики҃ски а на немъ: в҃ï: м҃нтрей врастоянїи о̃ москвы чрез Архангельским город: к҃ц:

Царь градъ. Ц҃рь Град столïца салтана турскаго врастоянїй о̃ москвы на азовъ: в҃: а сухïмъ путемъ напо҃скую Землю: ,в҃х:

Краковъ град. Краковъ Град столïца королевства полского врастоянїи о̃ моск҃вы: ,а҃ѱ:

Копенгаген град. Копенгаген Град Столïца Дацкого Королевства врастоянїй о̃ моск҃вы на ригу: ,в҃у

Королевец град. Королевецъ Градъ Земля пруская врастоянїй о̃ моск҃вы На ригу: ,в҃:

Кинаринсï о҃стровъ. Кинаринским островъ подвладением гишпан короля вра҃тоянїй о̃ москвы наарханъгельской городъ: ,д҃ф:

Кипрскïи остров. Кипрскïй островъ вбѣломморе подвладением са҃тана турского вр҃тоянїи о̃ моск҃вы на азовъ ,з҃то: авъ нем стоят: в҃ï: градов

Кандïиским о҃тров. Кандïискïи островъ втомже бѣлом море подвладением венецïянъ ïтурокъ вра҃тоянiï о̃ моск҃вы: ,в҃:

Лондонъ градъ. Лоⁿдоⁿ градъ столїца аглеⁿского королевства врастоянїй отмоквы нарїгу: вц: а наархаⁿгельскоⁿ городъ: ,г:

Анзбона граⁿ. Аⁿзбона градъ столїца португальского королевства врастоянїи отмоквы чреᶻ рїгу отудуже мореᵐ: ,дф: асухиᵐ путеᵐ на полскую Землю їцесарскую їгишпанскую: ,гц:

Любокъ градъ. Любокъ градъ врастоянїй отмоквы на псковᵛ ,в

Лахаръ градъ. Лахаръ граⁿ царство їндїⁿское столїца цря їндїⁿского врастоянїи отмоквы чреᶻ полскую Землю їцесарскую ї фраⁿцускую: ,е:

Стая гора сїнаⁿс. Стая гора Сйнаїская врастоянїй отмосквы Наїерусалимъ: ,др:

Мандрїᵀ граⁿ. Маⁿдрїᵀ граⁿ столїца гишпаⁿского королевства врастоянїй отмоквы чреᶻ полскую Землю їцесарскую ифраⁿцуᶻкую :,гх: а на рїгу отудуже чреᶻ галаⁿскую йфраⁿцуску Землю: ,д:

Мексїка градъ. Мексїка граⁿ столїца шведцкого Королевства врастоянїи отмоквы на Ригу: ,вх:

Неренъ бурхграⁿ. Нереⁿбурхъ Градъ Столїца Вцесарской земле врастоянїй отмоквы Нарїгу: ,вх:

Парижъ град. Парижъ Градъ Столїца француского Королевства Врастоянїй отмосквы Чреᶻ полскую Землю ї цесаръскую: ,г: А на рїгу оттудуже моремъ: ,гт: А на арханьгелскїй Гороⁿ :,д:

Прага граⁿ чекїи. Прага Градъ ческого Королевства Врастоянїй отмосквы Чреᶻ Полскую Землю: ,вѱ:

Проливы граⁿ. Проливы Градъ Пронътерскїй Ідеже їногда Короли Пронтерския Бысть Врастоянїй Отмосквы Нарїгу: ,г:

Римъ градъ. Рїмъ граⁿ велїкиї врастоянїи отмоквы сухїᵐ путемъ чреᶻ венецию: ,гц:

Стетинъ граⁿ. Стетиⁿ граⁿ столїца полеⁿская врастоянїй отмоквы: ,в:

Стекголм граⁿ. Стекголмъ градъ столїца швецкого королевства врастоянїй отмоквы: ,в:

Толѣта граⁿ Толѣта велїкиї градъ їдѣже окияⁿ море Збѣлыᵐ совокупляеᵀся межь гишпанскою Землею їфранцуᶻкою врастоянїи отмоквы нарїгу: ,гф:

Ф^ло^ре^н^ская Земля. Флоре^н^ская Зе^м^ля столїца кн҃зя флоренского вра̑тоянїи о҃москвы на арха^н^гѐско^н^ го̀ро^д^: ,ѕѡ̃: ана рїгу ,єѱ̃: асухи^м^ путемъ чре^з^ венецыю: ѕт҃:

Гра^д^ княжение. Градъ княженйе кита^н^ское вра̑тоянїй о҃москвы. насибїрь: ,ѕ҃ї:

Хива градъ. Хива градъ Земля бе^з^водная їбе^з^до^з^жевная врастоянїй о҃москвы насибирь: ,зї: коне^ц^ адале того Бг҃ъ вѣсть: · »

---

649. Видъ Константинополя, работы А. Гошемскаго.

Листовая картинка вдлинну, гравированная на мѣди съ одного оригинала съ № 650.

Вверху надпись: «Konstantinopol».

Объясненіе нумеровъ внизу на польскомъ языкѣ. Подъ картинкой подпись мастера: «Adam Goczemsky scpt. Poczajowie. 1778».

---

650. Изображеніе Константинополя.

Двухлистовой видъ, вдлинну, на которомъ Константинополь изображенъ въ двухъ продольныхъ полосахъ, съ нумерами на зданіяхъ.

Вверху надпись:

«Изображеніе константинополя или ц҃ря града»

Подъ этою подписью объясненіе нумеровъ, а именно:

«сараги то есть султана турецкаго полаты 1.

канцелярия 2 цехаусъ

3 храмъ ст҃ыя софїи ннѣже мечетъ турецкой

4 іподромъ 5 перѣздъ
6 темничная башня впере
7 султана багиязитъ мечетъ
8 сулеманова мечетъ
9 султана мохаметъ сулеманова сына мечетъ
10 водоважда и каналы
11 столпъ наауратъ паши
12 замокъ великулѣ в мохмета паши мечетъ
14 султана мехмета мечетъ
15 султана селима мечетъ
16 ѿсюду начались полаты константина ц̑ря до конца града 17 алморат.
18 часть констентиновых полатъ
19 врата констентиновы
20 ѡбведены стены кругъ сада кипариснаго—21 града і замка константитинова конецъ.
22 Арсеналъ место где караблї стоятъ
23 церковь с̑ венеранды
24 церковь с̑в галатїны
25 церковь ст̑го їякова
26 высокїи столпъ
27 ибраимъ паши домъ
28 темнична башня
29 старыя сарап вкоторыхъ жпутъ женскои полъ»

Подлинникъ, изданія ахметьевской фабрики, находится въ моемъ собраніп.

Въ Олсуфьевскомъ собраніи есть другое изданіе (*б*) этого вида; объясненіе нумеровъ въ немъ напечатано внизу вида, а не подъ верхнею подписью (VII. 1327).

651. Видъ Константинополя.

Листовая картинка, работы Ахметьевской фабрики; подлинникъ находится въ моемъ собраніи. Вверху надпись:

«Constantinopel Цр҃ъ градъ»

Надъ зданіями разставлены цифры: 1 — 24; внизу объясненіе ихъ на нѣмецкомъ и русскомъ языкахъ:

«1. Цр҃я турского полаты. 2. цр҃ская канцеляриа. 3. Цейхъ хаусъ. 4. с҃тые сооіи храм н҃нѣ мечет. 5. Іпподромъ и преѣздъ 6. Темничная башня ввере. 7. Сулимановъ мечетъ. 8. Султана багігозіта мечет. 9. султана махамета мечет. 10. водоважда і каналы. 11. Столпъ насурат паше. 12. Замокъ в едикулѣ. 13. Махомета паши мечет. 14. Султана Махомета меч: 15. Султана Селїма мечет. 16. Палаты ц҃ря константїна. 17. Часть Константїновых полат. 18. врата константиновы. 19. Садъ кипарісных древесъ. 20. Града константінова конец. 21. Адмиралитеискои дворъ. 22. Церковь с҃: венеранды. 23. Церковь с҃: гаматины. 24. Церковь с҃: Іакова.»

---

652. Видъ Рима.

Двухлистовой видъ Рима, въ длину; на зданіяхъ поставлены нумера: 1—42. Внизу объясненіе ихъ.

Картинка гравирована на мѣди въ первой половинѣ XVIII в. Въ моемъ собраніи экземпляръ, вышедшій изъ Ахметьевской фабрики.

Вверху надпись:

«Изображеніе града рима»

Объясненіе нумеровъ внизу картинки:

«1: церковь ст҃аго а҃пла петра.

2: палата ватиканъ.

3: Пирамида свтго петра.

4: Башня петрузская.

5: Палата гдѣ судятся злодѣи.

6: источникъ учиенныи ѿ павла пятаго.

7: Церковь ст҃го петра на златой горѣ·

8: Ходъ ѿ ватикана до крѣпости ст҃аго а҃гла.

9: Церковь ст҃аго Іѡанна провинціи Флореновой.

10: Церковь свтаго іеронима.

11: Крѣпость св҃го а҃гла.

12: Палата Фамилія Фарнезкая.

13: Церковь бц҃ы въ валлицелли.

14: Церковь свтого онуфрія.

15: Церковь ст҃аго короля при катинаріахъ.

16: Церковь св҃таго андрея вдолинѣ.

17: Церковь свтаго августина.

18: Церковь бц҃ы въ ротундѣ.

19: Церковь імени іисусову.

20: капитоліумь или храмъ вкоторомь бываеть благодареніе бг҃у ѡ побѣдѣ надврагами.

21: Церковь бц҃ы въ арацели.

22: Церковь св҃таго игнатія и франциска ѯаверія.

23: Столпъ антоніановъ.

24: Столпъ траянонъ.

25: Церковь бц҃ы лаврета хлѣбника градскаго.

26: Гробъ метолаевъ или яко гл҃ется глава велова.

27: Церковь ст҃аго іеронима и лиріѡвъ.

28: Церковь и гостинница ст҃аго рокки.

29: Церковь свтаго стефана круглаго.

30: лобное мѣсто колоссеево.

31: Башня ѿ комитовъ.

32: Церковь ст҃аго короля при пути.

33: Церковь и гостинница ст҃аго іакова болныхъ.
34: Гора квириналская.
35: Церковь ст҃аго іѡанна лятеранскаго.
36: Палата высочайшаго кардинала антонїа барберина.
37: Церковь с҃вятыя троицы на горѣ пинцыи.
38: врата Фляминскїя.
39: Церковь б҃цы народная.
40: садъ князя гетрурскаго.
41: Церковь марїи болшїя.
42: Тиверъ рѣка вградѣ.

---

653. Городъ Тунксъ.

Листовая картинка Ахметьевской фабрики, раздѣленная на двѣ полосы; въ верхней изображенъ городъ, съ надписью: **«сеі градъ тункꙋъ китаискои»**; въ нижней полосѣ представлено торжественное шествіе китайцевъ съ идолами.

Подъ полосами текстъ:

«Всемъ градѣ китаискомъ тунꙋе имѣютъ люди ѡбыкновеніе ѡтмала и до велика ходъ изграда вполе и выносятъ свои идолские бг҃и і имѣют мл҃ение великое предсвоими бг҃и Со слезами издѣтми ѡ плодоносномъ Годѣ егда начнется лѣто весны иссевъ хлѣбныи и других плодовъ полевих то великое принужденїе имѣютъ ксвоимъ дѣтемъ досущева своего мл҃ндца чтобъ все выходили изграда вполе за своими бги а ежели кто не токъмо что самъ невыидетъ, но мл҃ндеца не вынесетъ то великою изневагу получаетъ ѡтсвоихъ поповъ и ѡткапища ѡтлучаютъ».

Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

---

654. «Гербъ черной горы».

Двуглавый орелъ; вверху два трубящихъ ангела; внизу разное оружіе и барабаны.

Листовая картинка, гравированная на мѣди, на Ахметьевской фабрикѣ. Подлинникъ находится въ моемъ собраніи (другой экземпляръ есть въ Олсуфьевскомъ. VII. 1325).

---

655. Листъ сошнаго письма 1685 года.

Подлинникъ, размѣромъ въ книжный листъ, находится въ Публичной библіотекѣ (вклеенъ въ книгу); онъ гравированъ учеником Аѳанасія Трухменскаго Василіемъ Андреевымъ, на мѣди, рѣзцомъ; буквы текста чрезвычайно мелки, такъ что читать ихъ, безъ увеличительнаго стекла, очень затруднительно.

Замѣчательный памятникъ этотъ перепечатанъ вполнѣ на приложенной здѣсь таблицѣ А.

---

656. Другой листъ сошнаго письма.

Двойной, гравированный на мѣди, въ первой половинѣ XVIII вѣка; подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 1400). Этотъ листъ представляетъ во всемъ точное повтореніе, въ увеличенномъ размѣрѣ, листа, гравированнаго въ 1685 году мастеромъ Андреевымъ. Варіанты между этими обоими изданіями, по ихъ незначительности, неприводятся.

листъ сошного письма вытного доброй и середней и худой земли помѣсныхъ и вотчинныхъ и монастырскихъ земель городомъ и посадомъ какъ писать и до
зира городѣ посацких лутчих и середних и молотчих людей и слобода и которые живутъ поодинке и избушками и подворами посколку тѣх лутчихъ
торговых и середних и молотчихъ и слобожан и худых и кои промышленых и мастеровых и премѣленых люде в соху положит тѣх люде денежных платежей вочто ляже соха.

Указ сошного письма	помѣсной доброй земли чет	десятины	выти	помѣсной середней земли чет	десятины	выти	помѣсной худой земли четверти	десятины	выти	митрейской доброй земли четверти	десятины	выти	митрейской середней земли четверти	десятины	выти	митрейской худой земли четверти	десятины	выти	пашенныя пору	писцовых денег	борковых денег	лутчих торговых людей дворы	середних людей дворы	молотчих людей дворы	слободские дворы	бобыльские избы	денежным платежем в соха
соха	Ѿ	Ѷ	҂ѮЗ бестрети	‚А	Ф	ОА сполу бес по по чяти выти не четвериком пашни	‚АЕ	Х	ОЕ	Х	Т	Ѯ	҂ѰИ	ТОЕ	ОЕ	Ѵ	ѴИ	Ч	МВ д. д.	ЗI рублев	МД д.⊙	М	И	РѮ	ТК	ѰѮ	Г рубли д. д.
пол	Ѵ	Е	ЛГ стретью	Ф	СИ	ЛS бе трети выти сполу третником четвертным пашни	Х	Т	ЛЗ сполу	Т	РИ	Л	ТОЕ	РПЗ сполу	ЛЗ сполу	ѴИ	СКЕ	МЕ	КА д. в.	И рублев сполтиною	КВ д.⊙	К	М	П	РѮ	ѴР	рубль ка, д.⊙ д.
четверть сохи.	Е	Р	ЗI бестрети	ЕИ	РКЕ	НI бесполутрети выти и по по третника четвертного пашни	Т	РИ	НI сполу, и чет.	РИ	ОЕ	ЕI	РПЗ сосминою	ЧД бесчет	ѲI бес четверти	СКЕ	РКI сполу	КК сполу	I д. д.	Д рубля и д. п.	ЛI д.⊙	I	К	М	П	ЕМ	КЗ ⊙ ⊙ д. по. в.
пол ⊙ четверти сохи	Р	Н	Н стретью	РКЕ	ѮК сполудесятиною	Ѳ бес по по трети выти и по по по трети четвертного пашни	РИ	ОЕ	Ѳ счетю и по чет выти	ОЕ	ЛЗ сполу	З сполу	ЧД бесполу осмины	МЗ бесполу чет.	Ѳ ⊙ счетю и по четю	РКI сосминою	НS счетю	ЛI счетю	Е д. в.	К рубля Д д. д.	Е д.⊙ г.	Е	I	К	М	РК	ГI. д. д. без мортки или бес пирога или бес по полу денги.
пол пол ⊙ четверти сохи	Н	КЕ	Д сполу третью	ѮК сосминою	ЛА	Д стретью выти не четвериком пашни	ОЕ	ЛЗ сполу.	Д сполу и по чет по по по чет. вы.	ЛЗ сосминою.	НI сполу четю.	Д бесчет.	МЗ бесчетверика.	КГ сполу бес по полу чет.	Д сполу не полу четю и по полу четью	НS сполу осминою	КИ	Е сполунеполу четью.	В д. д.	рубль в. д. сполу д.	К ⊙ ⊙ д. по. I	по ⊙ г. чабка, или два лутчих да третей средни	Е	I	К	Ѯ	S. д. е. бес полу мортки или бес полу пирога или бес пула бес по по полу денги.
пол пол ⊙ пол четверти сохи.	КЕ	КI сполу	К и по по трети.	ЛА сполу с осминою.	ЕI сполу и по торы четверти.	В сполу третью выти не полу четвериком пашни	ЛЗ сосминою.	НI сполу нечетю.	В счетю и по чет и по по по чет выти.	НI сосминою и неполу осминою	Ѳ счетю не получетю	К бесполу чет.	КГ сполу осминою и с четвериком не полу четвериком	КI бесчет и бес по по полу чет	К ⊙ счетю и сполу получетю и по по по лучею.	КИ счетвериком.	ДI	Г бесчет и по полу четю.	Н денег.	ЗI д. д. спирогом и с морткою или полпи на полу денги.	Н ⊙ денег и по. д.	двое ⊙ сенчом, д. чабка лутчей а другой молотчей.	по ⊙ г. чабка пи в чабка да третей молотчей.	Е	I	Л	Г д. по г. бес по полу мортки или бес по полу пирога или беспула и или бес по по полуденги.
трет сохи.	СѮS бес третника или СѮS сосминою и по по третника.	РЛГ стретью.	КЮ сполу третью и по по чет выти бес по полу третника четвертного.	ТЛГ	РѮS	КД бес полу третника выти и бес полу третника четвертного пашни	Ѵ	Е	КЕ	Е	Р	К	СИ	РКЕ	КЕ	Т	РИ	Л	ДI д. д. и два пул	Е рублев КВ, д. по д. е.	ДI д.⊙ д.	ГI стретю.	КЗ бестрети	НГ стретю	РЗ бестрети	ТК	рубль г. д.⊙.
пол ⊙ трети сохи	РЛГ сполу о сминою и по по третника	ѮS сполу не по полу третью	ЛI и по по по чет выти бес полу третника четвертного.	҂ѮЗ чет бес третника или ҂ѮS чет с осминою не полу третником	НГ	КI бес по по третника четвертного пашни	Е	Р	КI сполу.	Р	Н	I	РКЕ	ѮК сполу.	КI сполу.	РИ	ОЕ	ЕI	З д. сполу д. и полулом.	К рубля КЗ д. д. и два пула.	З д.⊙ в.	З бес трети	ГI стретю.	КЗ бестрети	НГ стретю	РѮ	НI д.⊙ д.
пол пол ⊙ трети сохи.	ѮЗ бес третника или ѮS сосминою не полу третником.	ЛГ счетю не по полу третью	по. S. и по по полу трети выти стретником осминным пашни.	НГ. чет стретником или НГ. сполу осминою и по по третника	МА	S бес по по по трети выти и бес по полу третника пашни.	Р	Н	S счетю.	Н	КЕ	Е	ѮК сосминою.	ЛА счетю.	S счетю.	ОЕ	ЛЗ сполу.	З сполу.	Г д. г. и два пула	рубль, д. ЕI, д. по S неполулом.	Г д.⊙ д.	Г стретю.	З бестрети	ГI стретю.	КЗ бестрети.	П	Ѳ д.⊙ сполу д.
пол пол ⊙ пол трети сохи	ЛГ. чет. стретником или ЛГ. чет сполу осминою и по по третника	SI сполу, и в. чет.	Г бесполу трети или сполу по полу третника о сминного пашни.	МА сосминою не полу третником	К	Г бес полу третья четверика пашни	Н	КЕ	Г сполу четю.	КЕ	КI	Г сполу.	ЛА сполу о сминою	ЕI сполу. неполу четю.	Г сполу четю	ЛЗ сосминою	НI сполу и счетю.	Д бесчет.	I сполу. д. и полулом	КГ д. г. сполу д. и по	ЛI	В бестрети	Г стретю.	З бес трети	ГI стретю	М	Л. д. г. с морткою или S двумя пулы д моковски.

Указъ по ско(л)ку четвертей сѣетца на выть.

Выть.		В выте десятины.		в выти десятин.	помѣсной худой земли чет.	в выте десятин.	митрейской доброй средней худой земли чет.	в выте десятин.	денежной оклад.	в выте сѣна.
Выть.	КI	S	ДI	З	SI	Н	I	Е	SI д.⊙	Л копен.
пол выти.	S	Г	З	Г с полу десятиною.	Н	Д	Е	В с полу.	Н д.⊙	ЕI копен.
чет выти.	Г	В	Г с осминою.	В бес чет.	Д	В	В с осминою.	десятина с четью.	Д д.⊙	З копен с полу копною.
пол чет выти.	чет с осминою.	десятина бесчет.	В бес полуосмины.	десятина бес полу чет.	В	десятина.	Л с полуосминою.	пол десятины с полу четю.	В д.⊙	Д бес чет копны.
пол пол чет выти.	чет бес полу осмины.	пол десятины бес чет.	чет бес четверика.	пол десятины бес пол полу чет.	четверть.	пол десятины.	осмина с четвериком.	чет спол полу четю.	алтынъ	В бес полу чет копны.
пол пол пол чет выти.	пол осмины с четвериком.	чет бес полу полу чет.	осмина бес полу четверика.	чет бес пол пол полу чет.	осмина.	четверть.	пол осмины сполу четвериком.	по чет спо по полу четю.	д. Г	
трет выти.	Д	В	Е бес трети ка.	В с третью.	Е с третником.	Г бес трети.	Г чет стретником.	десятина сполу третью.	Е д.⊙ в. д.	I копен.
пол трети выти.	В	десятина	В с третником.	десятина с полу третью.	В с осминою и пол третником.	десятина с третью.	чет сосминою и сполу третником	десятина бес трет.	В д.⊙ д.	Е копен.
пол пол трети выти.	четверть	пол десятины.	чет с по полу третником.	пол десятины с пол полу третью.	чет стретником	пол десятины с третью.	чет бес полу осмины и по по третник.	пол десятины бес полу трет.	д. Н	В сполу копною.
пол пол пол трети выти.	осмина	четверть	осмина и пол третника.	чет и пол пол трети.	осмина с полу третником.	трет десятины.		чет бес пол полу чет.	Д	копна с четью.

А В Д Н SI ЛЕ ѮД
Выть. пол выти чет выти пол чет выти пол пол чет или половина полу чет. пол пол пол чети или малая чет. пол пол пол пол чет или пол малые чет. пол денги спирогом. полтора пирога и полторы мортка.
половина полу малые чети. трет выти. пол трети. пол пол трети. пол пол пол трети или малая трет. пол малые трети. половина полу малые трети. пол денги. мортка.
пол мортки. и чет мортки

На помѣсную з живущие пашни на четверть платежу крестьянъ. Н. бобылей. Д. а гдѣ будетъ боле или мене крестьянъ и бобылей и тут класть одново крестьянина за два бобыля и так станет на два крестьянина да на бобыля пол осмины или по третникъ и пол пол третникъ, а на одново крестьянина да на бобыля четверикъ или пол пол третникъ, и пол пол пол третникъ. А на мистрскую и на церковную землю с живущие на четверть платежу крестьянъ S бобылей. Г. и на два чабка крестьянъ да на бобыля третникъ и на одново чабка крестьянина да на пол бобыля пол третникъ

О земляной мѣрѣ.

мѣра десятине длина .П. поперег Л сажен.				
против чет.	длинников.	поперешников.	в трех полях десятин.	в одном поле десятин.
на А	А	пол В	пол В	пол десятины
на В	А	Г	Г	десятина
на Г	В спол	В	Д спол	пол В
на Д	В	Г	S	В
на Е	В спол	Г	З спол	В спол
на S	В спол	Д	Ѳ	Г
на З	Г спол	Г	I спол	Г спол
на Н	Г	Д	ВI	Д
на Ѳ	В спол	S	ГI спол	Д спол
на I	Е	Г	ЕI	Е
на К	S	Е	Д	I
на Л	З спол	S	МЕ	ЕI
на М	S	I	Ѯ	К
на Н	З спол	I	ОЕ	КЕ
на Ѯ	I	Ѳ	Ч	Л
на О	I спол	I	РЕ	ЛЕ
на П	I	ВI	РК	М
на Ч	Ѳ	ЕI	РЛЕ	МI
на Р	I	ЕI	РН	Н
на С	ЕI	К	Ч	Р
на Т	ЕI	Л	ѴН	РН
на Ѵ	К	Л	Х	С
на Ф	КЕ	Л	ѰН	СН
на Х	КЕ	ЛS	Ц	Т
на Ѱ	Л	М	ЛС	Ѵ
на Ц	Л	МЕ	ЛТН	ѴН
на ҂А	Л	Н	҂АФ	Ф

А и мѣри пашню или лѣсъ или поле против чет положи и десятины вла ди длинникъ на поперечникъ обложно валово перечень потомъ положи тот перечень в три поли и потомъ познаешь что в опомъ поле чет станет.

О денежной клади, о фунтѣ, о надаче на помѣсную и на вотчинную землю.

Денга именуется копѣйка сирѣчь новгородка, полденги сирѣчь московка четверть денги сирѣчь полденги как тѣ денги пошли в Новѣгородѣ и во Псковѣ от Рюрика и Игоря.

фунт	ЧS
пол фунта	МИ
четь фунта.	КД
пол чет фунта.	ВI
пол пол чет фунта.	S
пол пол пол чет фунта.	Г
трет фунта.	ЛВ
пол трет фунта.	SI
пол пол трет фунта.	Н
пол пол пол трети фунта.	Д
а золотник старыя денег.	Е д. сполу. д.
а нынешних.	Е д. д.

против чет	надача на середнюю	и на худую землю
на ҂А	СН	Ф
на Ф	РКЕ	СН
на Р	КЕ	Н
на Ч	КВ	ЛЕ
на П	К	Л
на О	ЗI с осминою	ЛЕ
на Ѯ	ЕI	Л
на Н	ВI с осминою.	КЕ
на М	I	К
на Л	З. с осминою	ЕI
на К	Е	I
на I	В с осминою	Е
на Ѳ	В с осминою.	Д с осминою
на И	В	Д
на З	В бес полу осмины	Г с осминою
на S	Чет с осминою.	Г
на Е	Чет с полу осминою.	В с осминою
на Д	Чет	В
на Г	Чет бес полу осмины.	Чет с осминою.
на В	осмина.	Чет
на чет	пол осмины.	осмина.
на чет бес четверика.	пол осмины бес половины пол четверика	осмина бес полу четверика.
на чет бес полу осмины.	пол осмины бес пол четверика.	пол осмины с четвериком.
на осмину съ четвериком.	четверикъ и пол пол четверика.	пол осмины с полу четвериком.
на осмину.	четверикъ.	пол осмины.
на пол осмины с четвериком.	четверикъ бес пол полу четверика.	пол осмины бес полу четверика
на пол осмины.	пол четверика.	четверикъ.
на четверикъ.	пол пол четверика.	пол четверика.

указ сошной клади

Всохѣ трет чет. пол трети пол чет пол пол трет, пол пол пол трет. Всохѣ бесчети треть. пол трети, пол чет. пол пол трети и пол пол пол трет. Вполу сохѣ бес пол пол трети, пол трети, пол чет, пол пол тре. пол пол пол трети. Всохѣ малых четвертных ЛВ кости, а в полу покож четвертных SЕ, а в одном Н костей. Всохѣ малых третных КД кости а в полу покож третныхже ВI а в одном S костей. Ввыте Д чет. Н получет SI пол получет ЛВ, кости малых чет. Вполувыте, В. чет. Д полу чети, Н пол полу чет. SI. пол пол полу чет. Вчет выти В полу чет. Д. пол полу чет. Н по по полу чет. Ввыте Г. трети. S. полу трете ВI, пол полу трете. КД пол пол полу трете, а полу выте по В трети. В трети выти В пол трети. Д. пол пол трети. Н. пол пол пол трети. Ввыте пол выти трет. пол трети. Ввыте чети, В. пол чет. Д. пол пол, чет .Н. пол пол пол чет. и выте бес полу чет чет пол чет. Д. пол получет. Н. пол пол полу чет. В полу выте с пол. пол полу третю чет трет. Вполу выте трет полтрети. Вполу выте бес пол получет и бес пол пол полу чет чет пол чет. пол пол чет. В полу выте полтрети и пол пол трети. Д. пол пол полу трети. Втрети выте. В. пол. полу трети, Д. пол пол полу трети. В чет выт спол пол пол трет пол трет пол чет.

указ дробной четвертной клади.

Четверть. В. осьмины. Д. полуосмины. Н. четверико SI. получетвериков. ЛВ. пол полу четвериков ѮД пол пол пол четвериков, РКН малых четвериков. Три третника. S. полу третников. ВI. пол полу третников, КД. пол пол полу третников. МН. малых третников. Третникъ четвертной. Третникъ осьминной. В четверти пол третника четвертного пол пол третника и пол пол пол третника. В четверти третникъ пол третникъ. В. полуосмины в осмине пол третника осминного. В осмине пол пол третника и пол пол пол третника осминного. В осьмине третникъ пол третникъ. В осмине три полутретника. В осмине бес пол пол полутретника полосмины четверикъ пол пол третникъ. Втрет полу осмина В. третника и пол пол третникъ. В полу осмине пол третникъ и пол пол третникъ. Вполу осьмине три пол полу третника. В полу осмине четверикъ пол чет пол полу третника. В полу осмине четверикъ пол пол четверикъ пол пол пол четверикъ и малой четверикъ пол пол четверикъ пол пол пол четверикъ и малой четве
[illegible]

А гдѣ лучатся середней земли и недобреной четверть а доброю положи чет бесполутретника. осмину бесполу полу третника. пол осмины бес малаго третника. четверикъ бес пятого корца или бесполовины малого третника.

[illegible]

КАЛЕНДАРИ.

657. Всегдашній календарь Фосбейна (1705 г.).

Единственный извѣстный экземпляръ этого календаря, въ позднѣйшемъ изданіи Ахметьевской фабрики, находится въ моемъ собраніи.

Онъ отпечатанъ на листѣ, склеенномъ изъ двухъ листовъ и двухъ полулистовъ. Вверху, посрединѣ, всевидящее око, въ сіяніи со словами: «**бг҃ъ** надъ всеми» и съ надписью: «**Calendarium Perpetuum**»

Слѣва:

«**Сказание всегдашняго календара.** Средняя Таблица яко фундаментъ вчиненна: а҃. по старому. в҃. По свѣйскому. г҃. по ному календару і всякой около на к҃и лѣтъ вообразецъ і всегдашное Послѣдование і сія таблица водит насъ средством воскресныхъ писмен коиным седми со Солнцемъ рекше обходящимъ таблицам и сказует, которая от нихъ во всякой год нѣшъ календарь есть; и яко воединомъ високосномъ лѣте двѣ ѿ нихъ оупотребляемъ: Первую от генваря даже до к҃ѳ дня Ѳевраля. вторую от а҃ марта даже до декабря; Генваря и октоврїи обрѣтаются на всякои от седми таблицъ от первыя даже до послѣдния извѣстным вчинением прочїи десяті мцъ разумнѣ, счисляются, от дня до дня или внизу от недѣли до недѣли, а҃: и҃: ѣ҃: к҃в: к҃ѳ: а сверхъ того

нагляди толко на таблицу, на которои первои аки нѣшь мѣць втойже дневной строкѣ На которую насъ шаръ или краска. тот часъ поведет (тоже по голладски)».

Вся середина занята упоминаемыми выше восемью кругами.

Счетъ дней начинается 1705 годомъ и кончается 1725-мъ; подписи вездѣ на голландскомъ языкѣ; внизу кромѣ того помѣщены двѣ таблицы: слѣва—«**Continuations-Tabell.**

Послѣдованне ветхаго календара, на сто лѣтъ ѿ рда 1733. до Года. 1833: и При всякомъ. Годѣ пасха сирѣчь ден воскресенїя хртова (тоже по голландски)».

Съ боку, пасхальная рука, съ надписью: «martѣ» и цифрами: «20. 30. 31. 31. 31».

Съ правой стороны—«**Tabell**», съ изображеніемъ солнца и луны.

«Здѣсь зрѣти есть, когда во всякая времена и лѣта близко [кромѣ Минутовъ и часовъ] Новомѣсячие въпадаетъ. тѣмже и четверти и полномѣсячия от себя послѣдуютъ (тоже по голландски)».

Таблица идетъ съ 1710 по 1785 годъ.

Съ боку пасхальная рука, съ цифрами: «1—19».

Въ уголкахъ, между кругами, находится семь изображеній, съ приличными къ нимъ подписями, а именно:

Судъ Соломона: «вамъ всѣмъ повѣлеваю и сужду. д: кн: црств: г: глава:»

Пахарь пашетъ поле; другой засѣваетъ его: «тамъ всѣмъ промышляю. и кормъ даю а: movc: г. зл. сти:»

Жертвоприношеніе: «за всѣхъ васъ молю и прошу levит: ѳ: кв: кг: сти.»

Ученый за столомъ, съ книгою: «васъ всѣхъ оучу и вразумляю: кн: суд: гл: з: сти: к:»

Воинъ на стражѣ и крестьянинъ: «за всѣхъ васъ бду и борюся кн: суд: гл з. сти: к:»

Три кузнеца куютъ желѣзо: «вамъ всѣмъ дѣлаю и работаю а: movc: д: сти: кв:»

Ростовщикъ даетъ взаймы деньги: «вамъ всѣмъ прибыль творю и скуплюся: исх. иа. г҃л: к҃г: сти: и҃:

Подъ кругами, внизу, всрединѣ, семиконечный крестъ, подъ нимъ песочные часы съ крыльями и Адамова голова, съ подписью:

«время оубо мимо ходит, см҃ртьже приблїжается: здѣлай правду чл҃вче бг҃а выну боися

Daar Vliigd de Snelle Tyd;
Daar Komt de Vlugge Dood,
Doet goet, het kwade myd,
Hy spaard nog klïjn nog groot.»

Кромѣ того, по бокамъ календаря, помѣщенъ краткій перечень святыхъ по мѣсяцамъ, на голландскомъ языкѣ; а именно, съ правой стороны:

«**Januarius** (.) 1: Nieve Jaer. 6: Heiligen driekoning (.) 17: St. Anthonius (.) 20: Fabian Sebastian (.) 25. St. Paulibekering (.)

Februarius (.) 2: Maria Lichtmis (.) 5: St. Agatha (.) 9: St. Apollonia (.) 14: St. Valentius (.) 22: St. Petri Stool (.) 24: St. Matheus Evang.

Martius (.) 4: St. Adrianus (.) 9: Dagh en nach evenlang (.) 12: St. Gregorius (.) 17: St. Gertruijd. 25: St. Maria... 29: St. Eustachius.

Aprillis (.) 4: St. Ambrosius (.) 13: St. Justinus (.) 18: St. Valerianus (.) 23: St. Georgius (.) 26. St. Marcus Evang. 27. St. Anastasius (.)

Majus (:) 1: St. Philipij Jacobi (.) 3. Creutz erfind: 11: St. Pancratius (.) 15: St. Sophia (.) 25: St. Urbanus (.) 30: Ihro Czaar. may: geb:

Junius (.) 5: St. Bonifacius (.) 8. St. Medardus (.) 10. Dén langsten dagh (.) 15. St. Vitus (.) 24: St. Johannes Babt: 29: St. Peter Paul.

Съ лѣвой стороны:

December (.) 4: St. Barbara (.) 6: St. Nicolaus (.) 8: St. Maria ondtfang: 10: den kortsten dag. 13: St. Lucia (.) 21 St. Tomas Apostel (.) 25: Kers dagh (.) 27: St. Johannes Evangel:

November (.) 1: 2: Aller heil: en aller Sele[n]. 10. 11. St. Martinus (.) 19. St. Elisabet (.) 21. St. Maria offering (.) 25. St. Catharina (.) 30 St. Andreas (.)

October (.) 4. St. Franciscus (.) 10. St. Gidion (.) 16 St. Gollus (.) 18. St. Lucus Evang. 20: St. felicianus (.) 28 St. Siemon Juda (.)

Septembér (.) 1 St. Egidius (.) 8. St. Maria gebohrt (.) 12. dagh ennakht evienlang (.) 14: Croyz verheff: 17. St. Lambertus (.) 21. St. Math: Evangel: 29. St. Michaelis.

Augustus 1. St. Petri Keeten (.) 10. St. Laurentius (.) 12 Hondsdeags einde (.) 15. St. Maria Heemelf: 24: St. Bartolome (.) 29: St. Johannes onth:

Julius (.) 2. St. Maria besock: 12. Honds dahgs begin (.) 13. St. Margaretha (.) 15. Apostel scheidigug. 22. Maria magdalena (.) 25. St. Jakobus apost:»

Внизу календаря, въ правомъ углу, находится подпись сочинявшаго календарь: «Johan Fossbein inventor».

---

658. Брюсовъ календарь, шестилистовой, 1709—1715 г.

Полный и отлично сохранившійся экземпляръ этого рѣдчайшаго календаря находится въ Императорскомъ Эрмитажѣ

Календарь этотъ отпечатанъ на шести большихъ листахъ (четырехлистоваго размѣра), мѣдными досками, гравированными рѣзцомъ; первый и второй листы помѣчены 1709 годомъ, а пятый (послѣдній) — 1715.

Другой экземпляръ этого календаря находится въ Публ. библ.; но въ немъ недостаетъ 1-го и 3-го листовъ. Третій экземпляръ находится въ моемъ собраніи; въ немъ, къ шести листамъ кален-

даря, приложенъ еще 7-й листъ, позднѣйшаго времени, съ таблицею разстояній городовъ; онъ описанъ подъ № 647.

Всѣ эти экземпляры принадлежатъ къ первому изданію шестилистоваго Брюсова календаря. Послѣдующія изданія этого календаря заключаютъ въ себѣ только №№ 1, 4, 5 и 6; доски, которыми печатались №№ 2 и 3, по всей вѣроятности были испорчены и уничтожены.

Во второмъ изданіи, сдѣланномъ въ половинѣ XVIII вѣка, всѣ четыре листа отпечатаны Кипріяновскими досками, еще не поправленными и непройденными. Затѣмъ доски эти перешли во владѣніе Ахметьевой, на фабрикѣ которой они были поновлены и пройдены, и отпечатано ими 3-е изданіе.

Экземпляръ второго изданія находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (томъ VII); экземпляры 3-го изданія—тамъ же (томъ VII) и въ моемъ собраніи.

Въ тоже время, въ 1754—56 гг., №№ 2 и 3-й скопированы граверомъ Нехорошевскимъ (№ 3-й безъ его имени, но съ годомъ 1756); по всей вѣроятности они прикладывались къ №№ 1, 4—6, Кипріяновскихъ досокъ, для составленія полнаго экземпляра календаря; но мнѣ не попадалось такихъ экземпляровъ.

Затѣмъ 3-й листъ былъ повторенъ еще разъ, отдѣльно, около того же времени, судя по работѣ, тѣмъ же Нехорошевскимъ.

Эти три листа 1754 и 1756 гг. описаны ниже; здѣсь же подъ № 658 представлено подробное описаніе шестилистоваго брюсова календаря по экземплярамъ, хранящимся въ Императорскомъ Эрмитажѣ и въ Публичной библіотекѣ.

Листъ 1-й.

Надписи: вверху, на лентѣ — «**ново сія таблица издана**»; въ самомъ низу — «В'нейже предложено: Въ ступленіе сл҃нца въ 12 зодіи приближно, такожде восхожденія и захожденія сл҃нца: яко҃ на оризонтъ сей, тако и со оризонта, Ещеже величество дней и нощей, въ цр҃ствующемъ великомъ градѣ **москвѣ:** яже имѣетъширoту 55 градусовъ 45 минутъ, Вычтена и тисненію

предана обще, яко на едино лѣто, тако и на прочїя годы не премѣнно, повелѣнїемъ его цр҃скаго **величества**, во гражданской типографїй. Подъ назрѣнїемъ его превосходителства г҃дина генерала лѣйтенанта, **якова** вилимовича брюса — тщан: библїотек: васил: кипрїя: маїя $\frac{12}{1709}$.»

Вверху два генія держатъ щитъ съ двуглавымъ орломъ, у котораго на груди андреевскій крестъ. Надъ нимъ надпись:

«Велїя Слава его спасенїемъ твоимъ. Славу и велелепїе возложиши на него: ѱа: 20:»

По сторонамъ изображены: (два раза одно и тоже, только въ разныя стороны) земля и около нея круги солнечный и лунный.

Надписи надъ изображеніями, слѣва:

«Слн҃це оубо на ѡризонтъ сей восхождаше,
о҃ сіяніемъ своимъ свѣтъ намъ содѣваше».

Справа:

«А егда оно соризонта захождаше,
оубо весма тма или нощь намъ предспѣваше.»

Всредин҃ѣ представленъ Московскій Кремль; у Спасскихъ Воротъ, впереди моста, справа, стоитъ подъ навѣсомъ пушка.

Все остальное пространство листа занято двумя таблицами, одна подъ другой: онѣ раздѣлены на двѣнадцать вертикальныхъ столбцевъ, по числу двѣнадцати мѣсяцевъ, начиная съ января.

Вверху, надъ каждымъ мѣсяцемъ, изображенъ знакъ зодіака въ полукругѣ; позади послѣдняго представлено, что҃ дѣлается людьми въ этотъ мѣсяцъ; въ крайнихъ вертикальныхъ столбцахъ надписи: «зодїи каяжда имать 30 гра҃ (съ другой стороны: граду.).»

Подписи подъ изображеніями зодіаковъ:

«♒: Водолїи есть҃вомъ теплъ и мокръ. Мц҃ъ генварь, средозимный имать дни, 31.»

Позади водолея представлена вѣтряная мельница и двое саней въ одиночку.

«♓: рыбы есть҃вомъ. студены. и мокры. Мц҃ъ февраль, послѣдозимныи имать дни, 28: 29.»

Позади рыбъ представлены въ двухъ мѣстахъ рыболовы съ удочками; слѣва огородъ, освѣщаемый солнцемъ, справа — домъ.

«♈: Овенъ естѣствомъ теплъ и сухъ. Мѣцъ мартъ, началовесненный имать дни 31.»

Позади овна — дровосѣкъ, подрубающій дерево, и человѣкъ, плывущій въ лодкѣ; слѣва стоитъ ребенокъ съ вѣнкомъ въ рукѣ.

«♉: Телецъ естѣствомъ студенъ и сухъ: Мѣцъ апрѣль, средовесненныи, имать дни 30:»

Позади тельца представлено пасущееся стадо.

«♊: Близнецы, естѣствомъ теплы и мокры. Мѣцъ май, послѣдовесненныи имать дни 31.»

Позади близнецовъ представлено трое крестьянъ, обрабатывающихъ поле: одинъ изъ нихъ пашетъ, другой сѣетъ, третій боронуетъ.

«♋: Ракъ, естѣствомъ студенъ и мокръ. Мѣцъ іюнь началолѣтни, имать дни 30.»

Позади рака, справа, женщина съ рогомъ изобилія; слѣва, пастухи стригутъ овецъ.

«♌: Левъ, естѣствомъ теплъ и сухъ. Мѣцъ їюль средолѣтни, имать дни 31.»

Позади льва — лугъ; крестьянинъ коситъ траву; баба сгребаетъ.

«♍: Дѣва, естѣствомъ студена и суха. Мѣцъ августъ послѣдолѣтни имать дни 31.»

Позади — хлѣбное поле; крестьяне полдничаютъ.

«♎: Вѣсы естѣствомъ теплы и мокры. Мѣцъ сентябрь, началоосенны имать дни 30.»

Позади вѣсовъ представлено собираніе плодовъ.

«♏: Скорпія естѣствомъ студена и мокра. Мѣцъ октябрь средоосенны, имать дни 31.»

За скорпіономъ представлены огородники, которые рубятъ капусту.

«♐: Стрелецъ естѣствомъ теплъ и сухъ. Мѣцъ ноябрь послѣдоосенны имать дни 30.»

Позади стрѣльца: справа — охота; слѣва — бьютъ быка, на мясо.

«♑: Козерогъ естьтвомъ студенъ и сухъ. Мцъ декабрь началозимны имать дни 31.»

За козерогомъ представлено бурное море съ кораблями; справа, стоитъ царь (морской?) въ коронѣ и со скипетромъ въ рукѣ.

Подъ этими изображеніями, въ таблицахъ обозначены: время вступленія солнца въ каждый знакъ зодіака, время его восхожденія и захожденія и «величество дня и нощи.» *)

Послѣсловіе этого листа:

«tibi, o **domine iesu**, Gloria: quoniam adeptans Per tui ωμεγα.
тебѣ, ω **гди іисе** Слава зане оулучися чрезъ тебе ωмега.

Читателю мой: Аще всемъ погрѣшенія Молю тя: прощенія, И исправленія.

Грыдоровалъ Библіѡтекарь Василій Кипріяновъ, со оученикомъ своимъ алеѯ: ростовцовымъ».

Листъ 2-й. Надпись вверху:

«**календа́рь повсемственный**
или Мцсловъ Нався Лѣта Гдня».

Подъ этой надписью треугольникъ въ сіяніи; кругомъ слова: «дівенъ богъ во святыхъ. своихъ богъ їсраилевъ: ѱал: 67.»

Пониже, двуглавый орелъ, съ московскимъ гербомъ на груди. Вверху, на лентѣ, надпись: «яко дасї ему благословеніе во вѣ вѣка. возвеселіши его радостію сліцем твоим: ѱа: 20:»

Подъ орломъ изображена Петропавловская крѣпость; по бокамъ: слѣва—затмѣніе солнца, съ виршами надъ нимъ:

«Слнце убо затмѣніе творяше, егдаже вслучеи луна похождаше.
А луна бо когда ся затмѣваше, тогда слнчный свѣт недоті-заше.»

*) Въ Москвѣ.

Справа — фазисы луны и вирши надъ ними:

«Сія ѳігура прїсно їз'являше, како луна ѿ слн҃ца свѣтъ, прїимаше.

Еяже бо і время їзявленно, часами іминуты пре҃ложенно.»

Посрединѣ листа:

Изображенія весны, лѣта, осени и зимы; надъ ними 12 знаковъ зодіака, а подъ ними—занятій въ разные мѣсяцы въ году, начиная съ марта и кончая февралемъ; между тѣми и другими изображеніями — названія 12-ти мѣсяцевъ. На право сбоку надпись: «Четыре части всего лѣта здѣйсв҃ы». За тѣмъ идутъ три вертикальныхъ столбца, съ заголовками: «Характеры седмі планет.» «Литеры: седмичныя» и «Числа вруцѣлѣтьныя.» Подъ ними обозначены числа и имена святыхъ, празднуемыхъ православною церковью *). По обѣимъ сторонамъ этихъ столбцовъ помѣщены— другіе, съ надписями: «Лѣта ѿ воплощенія Хр҃та (съ 1709 по 1746 и съ 1747 по 1784)», «кру҃ луны» и «вруцѣлѣто.» Ниже, въ таблицахъ: «Ключь не исходимой Пасхалныхъ Литеръ. покругу Слн҃чному илунному,» Тутъ изъяснены: «Натура іли Естеѐво Планетъ яже каждаго лѣта гд҃ьствѵетъ из 28. лѣтъ (:)

венера — посре҃: сту҃: і мо҃:
сатурн — студен исухъ
слн҃це — тепло исухо
луна — студена. и мо҃:
марсъ — жаро҃ исухъ
меркурій — просто: сту҃: и мо҃:
юпітер. — теплъ и волгат»,

«Празники Лѣта,» и «Неисходімая пасхалія по ключевым Пасхалнымъ Литерамъ О праздніцѣхъ яже кіиждаго лѣта. преходят.»

Въ самыхъ нижнихъ таблицахъ заключаются: 1) «Основаніе Сокращенное лунніка еже, в' 19, лѣтъ,» 2) «взыскать основ:

*) Одни имена.

луны» 3) «выкла̂, новолунія, полнолунія, и перекроевъ» 4) «Прі-кладныя мц̑ы ко всякой луне яже в 19. лѣтъ,» 5) «Готѡвое Показаніе Новѡлунія в' 19. Лѣтъ каждогѡ мц̑а и дня,» 6) «Такожъ Обявленіе и Пѡлнолуния в' 19. лѣтъ. Якоже Инѡволунія».

Внизу листа выходъ:

«Во славу треїипостасногѡ Бжества: ӧца, и сна̂, їстаго, дха̂, и в'честь Бг̈омтре прїсно д̈вы марїи, и всѣхъ стыхъ, ихже ка-дагѡ дне прославляетъ цр̈ковь кафалическая здѣ. Издадеся сей кратчайшїй Мц̑ословъ, спасхалнымъ плуннымъ Теченїемъ на вся лѣта, Яко собранїемъ тако ѣтисненїемъ ново въ **москвѣ:** во гражданской тїпографїи; Повелѣнїемъ его **ц̈рскаго** Пресвѣтлѣйшаго Величества. С̈ воплощенїя Хр̑това .1709. лѣта: 1: нояб: По̑назрѣнїемъ его Прево̑ходителс̑тва, гд̑на генерала лѣйтена̑нта **якова** вїлимовїча брюса,»

Ниже: «Тщан: Бібліот: васіл: Кіпрїа:»

Въ Олсуфьевскомъ собраніи есть другое изданіе этого листа (VII. 1315); картина и текстъ скопированы точь въ точь, безъ всякихъ измѣненій, съ перваго изданія. Внизу помѣщена слѣдующая подпись:

«чино̑мже и учрежденїя и подназрѣнїе̑м его превозходительства гд̑на генерала лѣитенанта якова вїлимовїча брюса.

грыдоровал. вмосквѣ. мартинъ нехорошевски. 1754 году».

Листъ 3-й.

Надписи: вверху — «**Предзнаменованіе времени** на всякои годъ по планѣтамъ»; внизу — «**Еще же неточїю знаменованіе времени**, но имногі̑х расположенны̑х и избра̑ны̑х вещей. которыя дѣюс̑я о̑ каждой си̑лнѣйшїя и госпо̑ствующїя планеты, чрезъ кійждый годъ во вся четыре времена всего лѣта: Преведена слатінского дїалекта, из'книги Іѡанна Заганъ; Чиномже учрежденная И тисненїю предана, Повелѣнїемъ его **ц̈ркаго** Велич̑ёства во гражданской Типографіи, **вмосквѣ: 1710:** По̑ назрѣнїемъ его превозходителства Гд̑ина Генерала Лѣйтенанта и Кавалера **якова** вилимовича Брюса,»

Образы сѣми Плане: аже вину прияша ѿдревнї Еллинскї богоⁿ яко имени сиио и начертанїя

(Здѣсь находятся изображенія нижепоименованныхъ «образовъ планетъ».)

Таблица Б (къ стр. 367).

имена сѣми плане	сатурнъ	юпитеръ	марсъ	слнце	венусъ	меркурїи	луна
Чинъ годи общїй	Обще годъ студеный, мокры и неплодный.	Мокрый паче нежели сухїй еще юбилный и плодоносный,	Сухїй паче нежели мокрый Теплой жаркїй Градный,	Сухой имѣрно теплой, плодоносный,	Хладный мглистїй идоволно теплый,	Студеный, исухїй, вѣтреный ретко юбилный,	Мокрый я студеный и снѣжный,
Весна	Сухая, студеная, мразная, цвѣты и траву поздно прорастае. и весне грады вредять.,	Студеная, мокрая, даже до маїа, потомже ясная, приятная, и мѣрная, Аще в' марте, апрѣле, или маїи затмѣнїе слнце было, боятися дорого купли хлѣбо.	Чиновная, сухая, и студеная, дождевая, лозамъ, на паче сѣну и насажденїю противная.	Оумеренная, мокрая, апрѣль зѣло непостояне, май изрядны, погодный, конецъ студено снѣжный, овецъ ѿсѣнныхъ вещей и травы подержати надобно.	Sѣло студеностїю оумѣрена и'сѣмъ юношамъ и виноградамъ оугодная не и'скорѣ вредять елякоти, с' затмѣнїемъ слнца в' ней зѣло хладная, и дождевая весною Sѣло ползуе. насѣнным нещамъ,	Вначалѣ теплая, потомже, студеная, сухая не мглистая, вѣтреная, потомже, теплая и веселая, обаче почасти ѿполовины и студеная и снѣжная,	Сначала студеная, потомже теплая и мокрая, всегда непостоянная, накоңе вешни дождливая сїя непокрогно. Обаче їулїй на ступи Sѣло дождивы. Майй в'началѣ дополовины даже часто теплы и веселы, потомже студены и мокрый,
Лѣто	Студено мокрое, неплодоносное, вѣтренное, дождевое ѿ дождей многихъ вредителное юношамъ. Обаче мцъ їулїй лепѣйшїй, и доволно теплый,	Вначалѣ студеное, мокрое сре теплое знойное спелнинми громы, прикопце зѣло теплое, и сухое.	Теплѣйшее с'великимъ жаромъ и сухостїю, юскудѣнїе воды во источникахъ и рекахъ, громы тяжкїя, грады пожары собкашаль, чаюмъ оума неступленїе.	Вначалѣ непогодное, непостоянное в'скорѣ ясное, тихое, ѿчасти болния сїяюще, теплое, спеременшими дожжми. Дни жаркїи бывае, а нощи студеные, обаче и'нпо їулїи боятися потребно снѣга,	Егда начаесн весна дождевая, лѣто будетъ сухое, знойное, обѣщающе вино доброе, хлѣбаже дрогость, егда же весна малостуденая, будетъ лѣто обычное, умѣренное жита посиѣшно, и Sѣло прилѣжно собиратися имать.	Хотя есть мокрое, идождевое многажды. Обаче болши есть веселое. Овощи а сѣна в'скорѣ прилѣжно собирати подобае.	Студенѣйшее болше, нежели теплое и знойное, также мокрое и непостоянное.
Есень	Студено мокрая, паче, о половины юктоврїя зѣло студеная, обаче в'ноябрѣ ѿполжаютъ, и покротепная.,	Мокрая, водная, и дождевая посредственный.	Ненадежная обще, обаче мокрая и студеная, егдаже сушейшая буде, множество вина, вен'скорѣ зимерне, и аще во ктябрѣ студено преломи, обаче в'ноябрѣ тепло возвратится.	Сухая, ясная, погодная, прежде времени снѣжная и студеная, хотя дни согрѣваются,	Теплая, ясная, даже до полу, потомже, зимная, тогоради скоро сѣяти надобно, и винограды рано покрывати,	Вначалѣ дождевная, студеная снѣжная до половины октоврїа, веселая, теплая, мглистая, нѣкогда сопреходящими дождями, сѣяние и собиранїемъ винограда не порядно посиѣшатися,	Непрестанно студеная, и мокрая непостоянная, ѿ половины лехчайшая и лутчи оумѣренная. на концы зимовая, и ледоватая.
Зима	Вначалѣ дождевная. Потомже прочная, инеяпу студеная, снѣжная, ледоватая, продолженная, даже доапрѣля.,	Вначалѣ чрезъ нѣсколько дней студеная и снѣжная, Потомже вѣтреная, No тихая и безвѣтренная мѣрная.	Студеная, и много сухая непостоянная, в'скорѣ вѣтреная, вихреватая, и'скорѣ и снѣжная	Болше сухая, нѣрно студеная в'началѣ зѣло не мглистая, иструденая, в'срединѣ оумѣренная, на конце студеная:	Вначалѣ хотя сухая, оумѣренная Обаче потомъ мокрая Sѣло з'дождями великими, наїапїама водъ теплая,	Велми студеная, ледоватая, что не безпрестанно, кончается сенхревъ, с'вѣтрами и непогодами жестокими, овцы носень взимою скоро пропадаю,	Непостоянная, студеная, вѣтреная мокрая, снѣжная соналїанїемъ великих водъ, всю зиму часто оумираю пчелы и овцы.
Сѣвъ весенны	Сѣянїевъ непоспѣшити, горохъ великїй, сочевицы не посѣются на плавной земли, ячмень плодовиты рѣвы обилно, Ленъ и конопли различно мѣрны. Сѣно посредствено. которое рано покошати, другое сѣно по юбилнѣе.,	Ечмень добрый. аще лѣто менше было бы топлое, великїй горохъ, овсе, Пшено сорочинское, мѣрно по росту, ленъ и конопли добры по недолги Сѣно многое. югородныхъ овощей нрены доволно.	Ячмень. горохъ положекой, сочевица и пшено сорочинское да посѣются временно на влажной земли, ленъ в'скорѣ погибнотъ, конопли скуди будетъ. похоронїе сѣна мало, овса мало по хорошее.	Сѣются рано ячмень, и овсе добрый во блгїй великїй горохъ и сочевицы мало, разнѣ навалной земли, сѣна мало, другоеже сѣно ранее на плодности земли огородные овощи и репа не самолутчїя будутъ.	Вовремя весны мокротныя, сѣянїя поспѣшити имутъ в'сухую же весну ѿплатися имутъ, горохъ великїй и сочевица не имутъ сѣятися на плажной земли, будетъ сѣна множество порядочное,	Вся благая, оври пшена сорочинского ячмень изрядный, сѣянїе первое и послѣднее лутче. горохъ болше и сочевица и овсе намѣрной земли сѣяти надобно, огородные овощи и репа добра, но сѣно довольное. ленъ и конопли добрые по недолгїе,	Сѣянїе дабы было непоспѣшное овсе, горохъ, болше сочевица. Пшено сорочинское помѣрно, гусеницы вредя цвѣтъ, и всякїе огородные овощи, ленъ и конопли не само урадяся, сѣна обилїе обаче невторагп, и'лѣто ячменя теплѣйшее Множество.
Сѣвъ Есенны	Жатва велми мокрая, яровой и пшеница созрѣвнѣ жнутся. Аще мокрая Есень, обаче сѣвъ не преуспѣвае.,	Овецъ ѿсѣянныхъ хлѣбовъ воздержати надобно. яровой хлѣбъ и пшеница солома помѣрно, также сѣянїя, юсобливо, пшеницы не ѿлигати надобно вдолготу дай.	Яровое доброе, соломы много, такожде пшеницы сѣянїе будетъ крѣпко пребывать, рожь и зерна зѣло будетъ юбращатися.	Яровое, и пшеница добрая, но репная, сѣянїе среднее, но зѣло есть хорошее.	Яровато пшеницы множество яко и соломы, жатва попая, мокрая сѣянїе дабы было непоспѣшное,	Яровое и пшеница непадежно цвѣте, сѣянїе первое и послѣднее да ѿвѣдаются.	Соломы множество, но яровато пшеницы нестоль много, сѣянїе ранѣе имать бып. овецъ восени ѿ посѣянныхъ вещей воздержат подобае.
Овощь древесны	Мало юбилные, хмель весна погибае, ѿтрада в' веснѣ.,	Мало обилный, яблокъ и грушей сливъ, орехов лѣсныхъ, желудей, погибель, или пере, хмеля юбилїе.	Среднее урожденїе грушъ, паче яблокъ, сливъ, вишней, желудков, и ореховъ но буде, хмель повредится.	Вишенъ, сливъ, ореховъ множество, яблокъ скудость, и грушъ помѣрно, хмелю неродъ	Во время весны мало корыя, и мѣрныя, яблоки, вишни, сливы божїе орехи изобилно, происходя, игрушъ лесныхъ и желуди, хмелю множество.	Различнымъ способомъ вишни чернословъ, орѣхи, ижелуди, вездѣ обилни хмеля же помѣрно,	Различный способомъ вишни многїе, не много грушъ, хмель посредѣ весны бѣдуе или заразися.
Лозы и вино	Лоза в'веснѣ цвететъ в'разные времена, и цвѣты юпадаи, вино стражде юбидою, будетъ скупо скоро овое збирати, Обаче лозы непотребно созрѣлыя на крывать.,	Вино помѣрное, часто зѣло хорошее, вѣтви виноградные позно могутъ навкрытися.	Всегда изрядно и обилное, вино, обаче лозы весною одва оустоять, вредить будутъ грады, того ради надобно ихъ покрывать.	Вино зѣло хорошее по помѣрно, и ѿчасти скудно, часто лозы виноградные бѣдствуютъ весною, покрывати же ихъ но'но недоплѣетъ.	Вино доброе, здравое, обилное, ягоды скоро гнїютъ, виноградные вѣтви рано покрыватися имутъ.	Вино несозрѣлое, кислое, немногое, ретко доброе, Виноградные вѣтви скоро покрывати потребно есть.	Вино общее не многое, оумѣренное несозрѣлое, собирати ово и'скорѣ подобае. Лозы виноградны и'скорѣ покрывати надобно,
Вѣтры непогоды инаводненїе	Дважды или трижды велики будутъ наводнения, ретки громы и молнїя.	Вѣторъ ѿзапада слнца прямый часто полнай, частожо шполуденный вѣторъ, рѣтко посолнечный вѣторъ восточны, громы многие, обаче не вредителныо, разлїянїе во ѿпогибающего снѣга.,	Громы тяжкїя спожарами, будутъ вредить вихри, не погоды грады такожде лишнее излїянїе водъ временно.	Громы многїе и ненадежные егда вѣтры посолнечный, и западны, почасту реткожо полуденный вѣтеръ вѣять.	Непогоды частые, и громы великїе, и тихїе, излїянїе водъ,	Громы реткїе, наипаче около конца лѣта, залїянїе луговъ ѿдождей Повѣнай вѣтеръ восточный, вѣтеръ западныи, реткоже вѣтеръ между западомъ и югомъ.	Реткїе непогоды. инже вредные обаче необыкновенные и злїянїе водъ. Вѣтры хищающїе и зѣло велнкїе, юсобливо зимою.
Гади	Немногїо змїи и лягушки, мышей множесто, Обаче которые ѿстужи зимныи и счезаютъ.,	Вся вмѣшенъ количествѣ, обаче мыши многие но вездѣ.	Sѣло многїе яко змїи, саранчи, лягушки великїе черные, лягушки вопыя, ящерицы и мыши.	Sмїи немногїе, и лягушки, многїе врузи, черви вредятъ овощи и винограды.	Многїо вездѣ, лѣтомъ и посень мышей множесто, хлѣбъ часто юбращати надобно,	Мышей во есени, и лягушекъ весною множество, немногїе ужа, ящерицы и врузи,	всякихъ множество, многїе гусеницы, мышей лѣтомъ множество, черви из'ядаютъ посѣянные хлѣбы.
Рыбы	Немногие, паче и' лѣте многїежо воесени.,	Мѣрно.	Посредственно.	Мѣрно.	Многїе вездѣ.	Рѣчные не многїе лѣтомъ, болши воесени, воезерахже не умножатся,	Многїе.
болѣзни и скорби насвѣдуемыя.	Лихоради злыя, вопосъ Отоко курлованїя, водоплезвы, сухотная четвероденица, кашель, ѿ студености вновнуетъ, чечюйная, младенцы в'веснѣ страждутъ ѿною.	Реткїе, разве прикоице зимы во убо бововно болѣзни, вреды или чирьи, лихорадки юстрые и жестокїе. срдца трепетанїе, зажженїе уробы и которые ѿтяжкаго смрада и гнилости начало имѣють.	Лихоратки жестокїе тридневные но престанные [illegible] кулы, канцеръ, дизентерїя скровию пасура, апостемы, моръ самъ и которые вину имѣю сухо теплую.	[illegible] судороги, на сморки серца дрожанїе, утробы юзяблости и всего желудка.	Болѣзни утробы, стомаха, априрожденныхъ удоав, болѣзнь фра(н)цуская, дассентерїа сирѣчь поносная болѣзнь, надутїе, боколїе, повалный моръ, и которые натуру теплономирую имѣють.	Болѣзни глазные, Особлнве жо на весну и поесень, спящая болѣзнь косноязычная, епїлеѯїа или падучая болѣзнь, кашель, рвота, на сморка. Меланхолїа болѣзни всѣхъ нужно естъ наидѣленїе скотъ скоре заражается.	Скорби жестокїе, валящїе; Особливо во есени. Паралишъ нухлина, на селезенко болѣзни, рожи недугъ, боколїе. Овцы и пчелы зимою скоро помираютъ.

употребленїе всея таблицы: Лѣта скругомъ слнчнымъ, и вруцелѣтїемъ, на 112 лѣтъ. Покоторы усмотря лѣто желаемое и кругъ слнца, по оному обрѣтати имаши гдьствующую планету, и дѣйсвы чрезъ весь годъ ниже и'явлены по каждой планетой;

Лѣта во кругу слнчному и вруцелѣтїю на 122 лѣт и паки обращаюся на первое	кр с	вру	лѣта	лѣта	лѣта	лѣта	кр с	вру	лѣта	лѣта	лѣта	лѣта	кр с	вру	лѣта	лѣта	лѣта	лѣта	кр с	вру	лѣта	лѣта	лѣта	лѣта
	19	2	1735	1763	1791	1719	23	7	1711	1739	1767	1795	27	5	1715	1743	1771	1799	3	3	1719	1747	1775	1803
	2	2	1718	1746	1774	1802	6	7	1722	1750	1778	1806	10	5	1726	1754	1782	1810	14	3	1730	1758	1786	1814
	13	2	1729	1757	1785	1813	17	7	1733	1761	1789	1817	21	5	1737	1765	1793	1821	25	3	1713	1741	1769	1797
	24	2	1712	1740	1768	1796	28	7	1716	1744	1772	1800	4	5	1720	1748	1776	1804	8	3	1724	1752	1780	1808

Лѣта во кругу слнчному и вруцелѣтїю на 122 лѣт и паки обращаюся на первое	кр с	вру	лѣта	лѣта	лѣта	лѣта	кр с	вру	лѣта	лѣта	лѣта	лѣта	кр с	вру	лѣта	лѣта	лѣта	лѣта
	7	1	1723	1751	1779	1807	11	6	1727	1755	1783	1811	15	4	1731	1759	1787	1815
	18	1	1734	1762	1790	1818	22	6	1710	1738	1766	1794	26	4	1714	1742	1770	1798
	1	1	1717	1745	1773	1801	5	6	1721	1749	1777	1805	9	4	1725	1753	1781	1809
	12	1	1728	1756	1784	1812	16	6	1732	1760	1788	1816	20	4	1736	1764	1792	1820

Еще же не точїю знаменованїе времени, по многи расположены избранны вещей. которыя дѣюся ѿ каждой сиїйнїи и господствующїя планеты, чрезъ кїйждый годъ во вся четыре времена всего лѣта; Преведена слатїнского дїалекта, из'книги Іωанна Заганъ; Чиноже учрежденная и тиснению предана, Повелѣнїемъ его **црского** Величества вограждацской Типографїи **вмосквѣ: 1710;** Понадзрѣнїемъ его превозходителства Гдина Генерала Лѣйтенанта и Кавалера **якова** вилимовича Брюса,

1: Читателю мой: sѣло прелюбезныи; Воими бо труд сей; весма не безмездный;

2: и тако обмемъ: разумѣвай всегда: Еже бо что Бгъ; даруетъ когда.

3: Поне что хоще Бгъ: Побѣждаеся чрезъ чинъ.

Труд: и тщ: Библїо: васи: купрїанова:

По сторонамъ верхней надписи — стихи:

«1. Сем бо планет дѣйство нам показую
всякого лѣта качество сказуютъ.
Разныхъ оубо вещей измененїя.
2. в' четырехъ временах премененія
3. Якожебо в'венѣ, тако и в'лѣте,
Ещеже в'есени и в'самои зиме,
Nапослѣдъ оубо скорби об'являю,
4. Яже бо чл҃вкомся сключаютъ.»

За тѣмъ, въ полукружіи,— 12 знаковъ зодіака и аллегорическія изображенія четырехъ временъ года.

Подъ ними—семь планетъ въ видѣ человѣческихъ фигуръ. Далѣе—таблица изъ восьми вертикальныхъ столбцевъ: изъ нихъ въ первомъ — объясненіе статей, а въ слѣдующихъ — предсказанія на четыре времени года и на различныя дѣйствія и явленія: a) «Сѣвъ весенны» b) «Сѣвъ есенны» c) «Овощь древесныі» d) «Лозы и вино» e) «Вѣтры непогоды и наводненїе» f) «Гады» g) «Рыбы» i) «болѣзни и скорби насилсв҃уемыя.»

Внизу помѣщено: «**употребленїе всея таблицы:** лѣта скругомъ сл҃нчнымъ, и вруцелѣтіемъ, на 112 лѣтъ (съ 1710 по 1821). По которым усмотря лѣто желаемое и кругъ сл҃нца, по оному обрѣтати имаши гдьствующую планету, идѣйсвы чрез ве го яже изявлены по каждои планетой;»

Послѣсловіе этого листа:

«1: Читателю мой: зѣло прелюбезныи; Вонми бо тру сей; весма не безмездный;

2: и тако обнемъ: разумѣвай всегда: Еже бо что бг҃ъ: даруетъ когда.

3: Поне что хоще бг҃ъ: Побѣждается чрез чинъ.

Тру: и тща: Библїо: васил: кvпрїанова:»

Полный текстъ этого листа напечатанъ на приложенной при семъ таблицѣ Б.

Листъ 4-й.

Вверху надпись: «**Предзнаменованïе дѣйствъ** На каждыи День Потеченïю Луны в҃зодïи» и вирши: слѣва —

«1. Луна бо чре҃ натуру свою и҃являше
вдолнѣ҃ мïрѣ разны дѣ'ствы знаменоваше
2. То есть когда она в҃кое зодïи бываетъ
тогда бо и дѣ'ст҃ разнство многое являетъ».

Справа —

«3. Овогдаже бл҃го а ино зло пре҃являше
суть же сïя убо непосре҃ство пременяше
4. Сïяже убо начеся прïѡбрѣташе
егда луна пре҃ полудне҃ ся бываше».

Въ полукружiи изображены двѣнадцать знаковъ зодiака, а подъ ними луна, съ надписью кругомъ:

«Природнаго луннаго тѣла лице, которое во ѡбозрѣнïи бысть в лѣто ѿ хр҃та 1694. дня 11 марта. Ѡкрестъ 22 градуса долготы въ ♍ въ 4 градусѣ въ 40 минутѣ широты въ самое полнолунïе въ норимбергѣ.»

По сторонамъ—фазисы луны, съ объяснительными виршами:

«1. Егда бо луна по҃ сл҃нце прохождаше,
тогдаже убо свѣ҃т сво҃ весь помрачаше
а сл҃нце же бо затмѣнïе творяше.

2. Когда луна ѿ сл҃нца ся удаляше,
тогдаже убо и себѣ свѣтъ взимаше,
который намъ присно внощи подаваше.

3. Сл҃нце съ луной в'противности бываше
тогда земля свѣтъ сл҃нца заграждаше,
и луна бо тогда ся затмѣваше.

4. Луна к' сл҃нцу егда бо ся приближаше,
тогдаже свѣтъ свой ѿ часу умаляше,
занѣ бо елико земля застеняше.»

Затѣмъ помѣщены три таблицы цыфръ: первая и вторая, рядомъ, содержатъ числа 12 мѣсяцевъ и знаковъ зодіака и составляютъ верхнюю полосу; третья—нижнюю. Надъ двумя верхними таблицами и подъ ними паходится по шести изображеній, представляющихъ различныя дѣйствія, соотвѣтствующія 12-ти знакамъ зодіака; а именно:

«♈ Кровь испуща^{т} и древа посецать

♉ На паству пущать имыслити нача҃

♊ Ѡтроки во училище о҃давать (представлена школа).

♋ Баталїю творить.

♌ Домы созиждати.

♍ Бракъ имѣть или в'жену пояти

♎ Власы стричь, и лекарство прїя҃

♏ Ѕвѣрей и рыбу ловить.

♐ Браду брить, и молевать (иконописецъ пишетъ образъ нерукотвореннаго спаса).

♑ Просити гд҃ъ и молоть.

♒ Шествова^{т} море^{м}, и пруды закружа^{т}.

♓ Мытися в'мылне и пла^{т}е крои^{т}.»

Между первымъ рядомъ изображеній и двумя первыми таблицами помѣщено: «Употребленїе 1 Таблицъ. Всей первой таблицѣ. взыщи на странѣ желаемый койлибо мц҃ъ а вверхней строкѣ изъ 31, числа, искомое число изри в'таблицѣ Сей противу того мц҃а и числа вограницѣ, коликое число будетъ; которое должно ти искати во второ' ѡно' таблицѣ сицевымъ ѡбразомъ.»

«Употреб. 2 таблицы. Во второ' се' таблицѣ ѡбрящи желаемаго коего любо лѣта, налѣво' странѣ кругъ луны, ипротиву оного зри в'строкѣ вограницѣ число еже въ Перво' таблицѣ обрѣто^{х}, иаще взыщеши, то смотри в'верхнюю строку, по҃которою зодїе^{ю} оное стои^{т}: ито приближно е^{ст} что в'то' зодїи, искомаго числа твоего, луна теченїе творити будетъ».

Между вторымъ рядомъ изображеній и третьей таблицей находится объясненіе:

«Всей третїей таблицѣ, ѡбрящи втрехъ предѣлахъ зодїака, знакъ зодїи взысканны" во второй таблицѣ: изри противу ѡно' зодїи, в'трехъ предѣлахъ потребы дѣйствъ на странѣ ѡбъявленныя, яже творити иматъ луна чрезъ натуру свою ѡного взысканнаго твоего числа Вкоемъ любо мѣ̂ что въ первой таблицѣ ѡбрѣтохъ вограничной строкѣ противъ знака узриши литеры **Д:** то значитъ бл̄го. а что **С:** есть посредственно аежели **З:** суть зло есть. кождыя потребы творити. понеже луна къ намъ ближае есть тогоради натурою силнѣйши суть. ѡбаче Бг̄ъ идѣже хощетъ побѣждается и естества чинъ. аще, да правѣе увѣдати желаешъ теченїе луны, то дозри во календари всякаго лѣта, в'которои зодїи и градусе течетъ луна, иносей таблицѣ потребы дѣйствъ ѡныя разсуждаи».

Въ третьей таблицѣ, въ первомъ столбцѣ:

«12: знаменїй в'животныхъ:

Кровь и жилную руду пущать.
Чины и достоинства воспримать.
Начати учитися прилѣжно что[б] все памятова[д].
Лѣкарство внутрь и снаружи
Перепускати ѡбыкновенные руды.
Лѣкарство токмо снаружи.
Парится въ банѣ дабы немощъ непостигла.
Брады брить, чтобы нескоро выростали.
Строити храмы чтобы огнь непришелъ туду.
Тавлѣи играти безъ спору.
Посылати вѣстники чтобъ они право сотворилї.
Ѡгущати.
Уговоръ творити.
выкрасовати или росцвѣчивати.
Разполагати или розправляти.
Служебные вѣстники посыла[г] что[б] было исполнено.
Истязатися или имѣти прѣнїе.
Драгїе каменїе покупатъ.
Бра[к] имѣть иуговариватися воежбы дружелюбно жили

Испытанїе сокровенныхъ художествъ.
Наслѣдїе покупа᷑ что⁶ оного велїю ползу имѣть.
Испытанїе ѡного что потеряно есть.
Соединенїе исоюзъ творити ко постоянству.
Работати во ѡгнѣ нечуствуя болѣзни.
Содружїе дѣяти что⁶ ѡное постоянно было
Изображати несовершенныя руды.
Перепущати или процѣживати
Рыбы ловити чтобы много ихъ поимати.
Князеи и гд̑ъ просити.
Ко кн̄земъ и гд̑амъ в'первые к'нимъ прїити.»

Во второмъ столбцѣ:

«12: знаменїй в'животныхъ

Перепущати или плавити худые руды что⁶ лучше были.
Вѣсити что⁶ руда бл̄го издалася.
Полоненныхъ изаключенныхъ о̄пустити что⁶ не᷑омщали
Содружество творити копостоянїю ищастїю.
Дѣла (:нужды:) задуманїе творити.
Села на нива купити (:деревню:)
власы с' главы стричь что⁶ мозгъ укрѣпляло.
торгъ зачати уговариватися что⁶ бл̄гополучно было.
Бра᷒ и домодержанїе сотворити что⁶ ѡни богаты были
Домы или жилища строити что⁶ долго стояли.
Домы купити, да бл̄готи тамъ будеть.
Дрова с'сѣкать что⁶ червь неизнурилъ.
Наполи ловити, чтобы звѣрь неушелъ.
Купити ипродавати всякїе товары.
Покупати четвероножныя звѣри что⁶ ѡбъстоялися
Платье кроити да бл̄готи воѡномъ будеть.
Новое ѡдѣянїе еже во первое его надѣти.
о̄рочатъ о̄имати о̄ сосцевъ, что⁶ онѣ крѣпки были
Дѣтей воучилище о̄дати что⁶ были зѣло учены.

*

Вопервы[x] на воину поити, ѻнелѣже добры плѣнъ получити

Глину копати что[6] мышеи исвертковъ изганяло.

Молоти чтобъ хлѣбъ неплѣсневелъ.

Молоти чтобы хорошоудалось.

Шествовати моремъ или водою.

Мешати.

Умножати и прибавливати

Ногти обрѣзывати что[6] видъ неизмѣнился

Быки иручные скоты в' вязовать коупитанїю

Ѡбмазывати.

Садити всякїе древеса что[6] повся годы плодъ приносили».

Въ третьемъ столбцѣ:

«12: знаменїй в'животныхъ.

Перемѣшивати.

Поспѣшатися.

Ѡрати что[6] нива плевелу неносила.

Ѿводити вспять.

Ѡбновляти.

Разрѣшати, розвязывати, свобождати.

Перебивати или Ѡбывати.

Ѣздити чтобы добрѣ получити.

Коней пущать ѡбъзакладъ.

Лошаде' ивсякихъ звѣре', на паству пущать

Лошаде' ивсякїхъ звѣреи класть что[6] объстоялись.

Вшашки ступать и инакъ безсдору играть.

Сѣяти и садити забогатою лихвою иползою.

Баталїю или бой творити.

Возносити или подъяти навысоту.

Долгъ платити чтобъ ѡбнужденїя не было.

Долгу простити что[6] заплаченъ былъ

Пруды и сажанки заградити что[6] рыбы велики росли.

Хлѣбъ всыпати что[б] долголежалъ.
Ручные звѣри покупать что[б] хорошо удалось.
Накрасномъ всякïе руды наводить.
Первы' ра[з] животину напаству послать что[б] вол не-
порушилъ.
Странствовати сѣмо иовамо, и паки смиро[м] возврати-
тися вдомъ.
Дикихъ звѣрей покупать.
Дикихъ звѣрей яко мѣвѣдей и волковъ ловить.
вжилища или домы, первѣе перевозитися.
Прѣнïе начати и кнему причины искати.
впрïятеля ѝтьти».

Подъ третьей таблицей объясненіе:

«Таблица, или правило сïе изыскано чрезъ мартына алберта Θеѡфрастическаго медика, и рудоискателя ѿ кемницъ, яже преведенная съ цесарскагѡ дïалекта изъ книги **Астрологïи**, или планетныя; волфганга гилдебранда. иным'же чиномъ преложенная со изображенïемъ дѣйствъ, исѡбътеченïемъ луны въ зодïахъ зѣло краткимъ способомъ въ таблицѣ сей. Вогражданской типографïи подназрѣнïемъ его превосходителства Гдна Генерала Фельцеихъ меистера и кавалера Якова вилимовича брюса. Тщанïемъ. Библиѡ: васил: Кипр:»

Въ самомъ низу, вирши:

«1. Читателю мой прелюбезны',
Возмни что трудъ се' небезмездны'.

2. Итако ѡбнемъ разумѣвай,
Что творца твоего призывай.

3. Яко той ти можетъ исправить,
Что изло во бл҃го превратить.

4. Занѣ всякаго естества чинъ,
бг҃ъ какъ хощетъ побѣди чре[з] чинъ.»

Листъ 5-й.

Фронтонъ, поддерживаемый двумя колоннами. На немъ, въ полукругѣ изъ двѣнадцати знаковъ зодіака,—поясной портретъ Петра Великаго (съ ориг. Гунста), окруженный арматурою; въ углахъ — по солнцу; подъ портретомъ аллегорическія изображенія семи планетъ, съ надписями: «луна», «Меркурій», «Венера», «Солнце», «Марсъ», «Юпитеръ», «Сатурнъ». Колонны перевиты лентами, на которыхъ читается надпись (начиная снизу лѣвой колонны): «1: аще индиктъ или — новое лѣто сначало — сентября числимо бываетъ — удобѣе ради круговъ — слн҃ца и луны сперваго числа — марта ся начинаетъ — 2: ибо сего ради — паче ѿ сегѡ — числа начася — занѣ бг҃омъ — воѡ҆но время — вся тварь создася».

По бокамъ колоннъ изображены, въ видѣ человѣческихъ фигуръ: справа—«весна» и «есень», слѣва—«лѣто» и «зима».

Подъ изображеніями планетъ заголовокъ:

«**краткое предъѡбъявленїе и толкованіе**, предложеныхъ четырехъ таблицъ, и яже каждая что имать содержанїе в' себѣ: на которыхъ таблицахъ обще нарещися можетъ: яко

календарь неисходимый.»

Далѣе слѣдуютъ три столбца текста, въ которыхъ напечатаны:

«Первая таблица календаря всегдашняго еже есть м҃послова неисходимаго

содержанїе ираздѣленїе суть его

1: Воизображенныхъ убо двухъ фигурахъ, яже в' верху, изъ которыхъ первая на лѣвой странѣ фируга. ѡзатмѣнїи сл҃нца и луны, надъ неюже в' свиткѣ и толкованїе кратко чрезъ рыфмы, во второйже фигурѣ по правой сторонѣ. егда луна по новолунїи бываше, тогда по колику на каждый день ѿ сл҃нца часами и минуты удаляшеся: ѿ негоже и свѣтъ примаше; или по полнолунїи

приближашеся, и свѣтъ свой умаляше: ѡчесомъ и надъписанїе надней показуетъ.

2: подъ тѣми двема фигуры, изображены четыре времена всего лѣта, яко весна, лѣто, есень, и зима, и что в'нихъ дѣйствуемо есть во гражданствѣ между которыхъ четырехъ временъ изъвѣстїе: ѻ которыхъ числъ мц̑а, ѡные времена начало прїемлютъ.

3: подъ тѣмиже четырми времены, 12: мц̑ы всего лѣта, яже началствующїи мартомъ, заначало вины прїемлющихъ круговъ сл̑нца и луны и в'руцелѣтїя: над' каждым'же мц̑омъ ѡзначены характеры седми планетъ и литеры нд̑лныя и вруцелѣтные числа, яже каждаго дня содержатъ А по обѣ страны и между четырехъ временъ мц̑овъ числа преходящїя чрезъ каждый мц̑ъ: вну тѣхъ мц̑евъ празднуемыхъ ст̑ыхъ нарицанїя.

4: по ѡбѣ страны ѡныхъ мц̑евъ лѣта ѻ̑ хр̑та спасителя текущїе; при каждом'же лѣте кругъ лунный, и вруцелѣтїе почему ѡбрѣтается пасхалная литера, каждаго лѣта, и вся пасхалїя. таже новолунїе и полнолунїе в' каждомъ мц̑ѣ.

5: подъ 12ю мц̑ы, по лѣвой странѣ таблица; неисходимаго пасхалнагѡ ключа, по которому изобрѣтается пасхалїя всякаго лѣта, которые литеры вну тоя границы изложены, в' которой яко кругу сл̑нца въ 28 лѣтъ: совруцелѣтїемъ и съ господствующими каждаго лѣта планеты, птѣхъ планетъ с'натурою: тако и лунному кругу въ 29 лѣтъ со основанїемъ. Епактою. и постомъ Еврейскимъ и Фасхою, возвращатися прїсно на первыя лѣта.

6: подлѣ той таблицы. по правой странѣ таблица неисходимой пасхалїи в' которой удобно взыскуются по 35 пасхалнымъ или ключевымъ литерамъ, в' которой день рождество хр̑тово, и мясоястїя дней и пасха хр̑това, и прочая: яже изъявлено под' писанїемъ тоя таблицы настранѣ.

7: подъ тѣми обои таблицами: ѻ̑ лѣвой страны таблица **фундамента**, или сокращенїя луннаго теченїя в' которой обрѣтается потекущему каждаго круга луны (:яже в' 19 лѣтъ ѡбтекаетъ:) новолунїе полнолунїе, и оба перекрой: яко ветхой, тако

и новой. каждаго мц҃а. въ день. часъ. минуту. и фракцу. которымъ фундаментомъ. лунное теченїе вычтено, и тисненїю предано древле. ради ѡбращенїя пасхалнагѡ в' 532: лѣта, которые в' мц҃ословахъ и ѱалтырехъ яже совозслѣдованїемъ ѡбрѣтается.

8: подлѣ той таблицы: готовые двѣ таблицы. в'единой заключается новолуніе. в' другой же полнолуніе, во вся 19 лѣтъ каждаго мц҃а и числа. которое яко новолуніе тако и полнолуніе взыскуется по кругу луны въ каждомъ мц҃ѣ.

Вторая таблица часовъ астрономскихъ на московской горизонтъ

содержанїе и раздѣленїе ея суть

1: каждаго мц҃а и числа имать изъявляти во границахъ восхожденїе ⊙ сл҃нца ѿ полунощи: азахожденїе ѿ полудни. величество дни или теченїе сл҃нца над' землею по н҃шему Московскому горизонту. таже величество нощи или теченїе сл҃нца подъ землею. еже есть в' мыслителномъ горизонтѣ, числимо есть. часы, минуты, и секунды, обще и приближно на всякое лѣто мц҃а и числа во всѣ 12 мц҃ы, которыхъ 6: мц҃евъ изображены з'дѣйствы в'ерху, а вторая 6: з' дѣйствы в'низу: числа же мц҃евъ с'ѡбоихъ странъ тѣхъ границъ.

2: надъ тѣми 12ю границами мц҃евъ, подъ изображенїемъ знаковъ: вступленїе сл҃нца во вся 12: знаковъ н҃бсныхъ. яко: во ѡвна. в' телца и прочая. еже есть в' количїя дни, часы, и минуты, и секунды, входитъ сл҃нца въ коегождо знака. идѣже предложенно есть и качество натуры, 12: оныхъ н҃бсныхъ знаковъ, такожде изображены и дѣйствы. во 12:ти мц҃ехъ, яже что имутъ коегождо мц҃а употребляти чл҃вцы. во гражданствѣ разныя потребы своя.

3: надъ тѣмиж' 12ю: знаки, и надъ потребы дѣйствъ изображены. 2 фигуры, изъ нихже во первой знаменуетъ. како изъ подземности восходитъ сл҃нце на каждыой горизонтъ, и свѣтъ, еже есть день содѣваетъ. второе же егда въ подземность паки нисхо-

дитъ. то земною сѣнію нощь содѣваетъ. надъ которыми фигуры и надписаніе рифмами изъявлена суть.

Третія таблица предзнаменованіе времени на всякой годъ по планетамъ

содержаніе ираздѣленіе ея суть.

1: Вначалѣ изображено 12 знаковъ нбсныхъ въ животныхъ содержаніе всякаго лѣта. яже в' полукружіи: в' которомъ и 4 времена раздѣлены есть абрисомъ, яко; весна, лѣто, есень, зима. каждая же изъ ѡныхъ часть. присвоихъ содержащаяся знакахъ: посредѣже ихъ показаніе изображеніемъ на вся четыри времена. **емблема.**

2: под' тѣми 12ю. знаки, и 4:ми времены: 7: изображеніи планетъ, ихже еллини древле употребляху: яко имена: сице и начертанія, ипожираху имъ яко богомъ: ѿ которыхже древле звѣздоблюстители или астрологи, имена седми движимымъ звѣздамъ, еже есть планетамъ ѿ качества ихъ дѣйствъ, нарицанія имъ прорекоша, ихже име на предложенной карте подписаны суть: изъ нихже всякая планета коегождо лѣта господствуетъ по теченію круга солнечнаго. совруцелѣтіемъ: но в' високосно еже лѣто приключаются господствовати и подвѣ планеты. за прибытіе дня високоснагѡ: чесо ради: и качество ѡбоютно. во ѡно лѣто склюнается: понеже которая планета чѣмъ другой силнѣйши есть, тѣмъ убо та планета и премогаетъ в' дѣйствѣ разныхъ вещей вторую суть. егдаже едина планета имущи гдтвованіе, коего лѣта сіяже силу и податіе ѿ себе токмо издающая яко прошълаго 1709. году господствующіи **марсъ**, а 1710 го же **меркуріи**, в' своихъ дѣйствахъ зѣло силнѣйшія суть: понеже не в' високосные быша.

3: под' тѣми изображеніами и нарицаніями планетъ имяны, ѡписаніе, еже что кая планета дѣйствуетъ по своей натурѣ, противъ своего каждагѡ изображеннаго знака: яко на лѣвой странѣ

при той таблице. ѡписанїе разное изъявляетъ; что знаменуетъ годъ ѡбщи, потомъ весна, лѣто, есень, зима, и прочее: еже в'низъ ѡб'явлено, яко ѡплодоносїахъ разныхъ ипослѣди даже до ѡприключающихся болѣзней.

4: подъ тѣмиже дѣйствїями 7. планетъ таблица: содержащая на 112 лѣтъ ѿ хр̑та сп̑сителя нн̄его лѣта 1709 го текущаго даже впредь до 1821. лѣта по кругу солнечному и вруцелѣтїю преходящїя, и показующїя надъ своими лѣты, господствующую планету. каждаго лѣта. надъ которыми подписанїе како да ѡбрѣтается.

Четвертая таблица предзнаменованїе времени на каждой день по теченїю луны в̾ зодїй

содержанїе ираздѣленїе ея суть.

1: Впачалѣ 12 знаковъ н̄бсныхъ, яже животными изображены изъ нихже всякаго знака ѡная луна, яжѐ вну пхъ полукружїа какова есть ѡзначена ѡбтекаетъ въ 2: дня 4 часа 38 минутъ, 18 секундъ, 45 терцїй. всюже 12 зодїй въ 27 дней. 7 часовъ, 43 минуты, 5 секундъ. онаяже луна чѣмъ к̾намъ прочихъ планетъ приближнее есть. тѣмже убо и въ качествѣ вещей натурою своею силнѣиши суть. яко ѡписуетъ ѡсемъ явственно астрологъ имедикъ Мартынъ албертъ в̾ кн̄гѣ астрологїи, автора волвганга гилдебранда. ѡкрестъ же ея об̾явлены 4: фигуры, како она с̾ сл̄нцемъ теченїе имѣетъ. чесо ради и свѣтъ примножаетъ и умаляетъ. изатмѣнїе творитъ яко себѣ тако и сл̄нцу очесомъ надписанїе над̾ тѣми фигуры на карте показуетъ.

2: под тѣмъ изображенїемъ 12 знаковъ и лунномъ показанїи 2 таблицы. ис̾ которыхъ во первой. яже полѣвой странѣ в̾ нейже теченїе луны во вся лѣта. в̾ мц̑ахъ и числахъ. ѡбрѣтается число. по которому теченїе приближное луны в̾ коемждо изъ 12 н̄бсныхъ знаковъ прїискивано бываетъ.

3: Во второй таблицѣ, в̾ которой ѡбрѣтается число, что во

первой таблицѣ. коего любо мц҃а и числа ѡбрѣтати имаши: и то число да ищется противъ круга луннагѡ. (:во второй той таблицѣ:) иже которагѡ лѣта течетъ, внем'же требуеши ѡбрѣтати: по которому числу да уразумѣеши в' которой зодіи или знаке луна приближно желаемаго твоего числа тещи будетъ. ащеже да правѣе ѡнаго теченія вѣдати желаешъ, то зри въ календари немецкіе всякагѡ лѣта. тамо явственно покажетъ градусъ и знакъ зодіи.

4: под' тѣми 2ма: таблицами. таблицаже в' три члена раздѣленная, которая заключающая дѣйствы луны, на каждый день разсуждаемы суть: по которымъ что творити или нетворити. яже во всѣхъ трехъ членахъ, над' которыми литерами изображенныя характеры 12 ти: знаковъ н҃бсныхъ, по нихже примечаются ѡныя дѣйствы изнаменаются литерами. в' добромъ **Д:** въ среднемъ **С:** а во зломъ **З**. случаяхъ изъ сихже трехъ членовъ нѣкая удобнѣйшая дѣйства избраны и начертаніемъ, яже в' верху и внизу 2: таблицъ изображены. в' которыхъ 12 знаковъ н҃бсныхъ характерами изъявлены: подъ тѣмиже изображеніями. что бл҃го творить: ѡное да зрится под' каждымъ изъ 12 знаковъ.»

Внизу:

«Во славѣ трїипостасънагѡ бж҃ествa; читателемъ смотренїя и предзрѣнїя бг҃омъ устроенному имже умудренному и превознесенному его ц҃рскому пресветлѣйшему величеству гд҃рю цр҃ю и великому к҃нзю петру алексѣевичу Всея великїя и малыя и бѣлыя росъсїи Самодержцу. Купноже и егѡ **ц҃рской высокости г҃дрю ц҃ревичю и великому кн҃зю алеѯїю петровичю** присно ѡ гд҃ѣ радоватися

Ивоежебы во всякомъ широчайшемъ долгоденствїи и пребыванїи здравїе в҃шего **ц҃рскаго** величества бг҃омъ наблюдаемо, сохраняемо, инепоколебимо да пребываю униженно молю, и горечайшим҃ ср҃цемъ прошу: воежебы ваше **ц҃рское** пресветлѣйшее величество. оной предложенной мой, елико по силѣ собранный трудъ. и всѣмъ вашимъ **ц҃рскаго** величества сигклитомъ. въ любовь и мл҃сть бл҃говолили прїяти. Ащеже в'немъ нѣкая и погрѣшенїя

ѡбрящутся: в' которомъ ибо яко чл҃вкъ, невѣденїю или забвенїю предахся, очесомъ первѣйшаго стократно униженнѣйше молю, дабы ѳ̄ вашего цр҃скаго величества ивсего вашегѡ сигклита; прощенїя прїяти.»

Подъ рамкой:

«тисненїю преданъ сей календарь заповелѣнїемъ егѡ **цр҃ского величества** в' москвѣ вогражданской типографїи во славу **трїипостасного бж҃ества** ив'честь **бг҃м҃тре** ивсѣхъ ст҃ыхъ. ихже прославляетъ всегда цр҃ковъ кафалическая здѣ. Поднадзрѣнїемъ егѡ превозходителства г̑дина Генерала Фелцѣихъ мѣйстера и кавалѣра якова вилимовича брюса, изобрѣтенїемъ ѿ библїотекаря В: К: 1715 лѣта ѿ воплощенїя Хр҃та ѡкончися.»

Листъ 6-й.

Фронтонъ, поддерживаемый двумя колоннами. Вверху, врединѣ, изображенъ земной шаръ, по сторонамъ котораго сидятъ Меркурій и Минерва, окруженные арматурою.

Подъ ними семь эмблематическихъ изображеній, съ подписями:

«1: Начетыре части лѣта:» дерево, на которомъ сидятъ три птицы; справа, виноградникъ.

«2: На притчю:» фортуна на колесѣ, посреди моря.

«3: ѿ науки писменъ безсмертность збиваетс҃я:» тритонъ, трубящій въ раковину.

«4: ѡ бозѣ веселитеся:» Ганимедъ, похищаемый орломъ.

«5: природа:» сатиръ, бѣгущій вправо съ вѣткой въ рукѣ.

«6: Наука природѣ пособляющая:» фортуна на шарѣ и Меркурій.

«7: На острологовъ:» паденіе Икара.

На колоннахъ — надпись на лентѣ (начиная снизу лѣвой колонны): «1: егда присного лѣта—что чрезъ инъфлюенцїю — яко планетъ — тако и прочихъ—свѣтилъ разная—дѣиствы збывашеся — 2: наипачеже убо — идѣже бо хощетъ бг҃ъ—то всуе вся мняшеся — занѣ творцемъ—всея твари инъфлюенцїа — вся побѣждашеся».

За колоннами изображены, въ образѣ человѣческомъ: слѣва —«ѡгнь» и «вода», справа—«воздухъ» и «земля».

Внизу, по бокамъ, представлены астрономы съ инструментами. Всрединѣ небесный глобусъ, справа стоитъ Сатурнъ, слѣва юноша въ царскомъ одѣяніи съ солнцемъ и со звѣздами на латахъ (Петръ I?): онъ указываетъ на планъ петербургской крѣпости, который помѣщенъ вверху, надъ глобусомъ.

Влѣво отъ царя, представлено море съ тритонами, китомъ и морскими чудовищами; изъ тучи громъ и молнія. Надписи: верху—«1: бг̃ъ вся удобно сотвори», внизу—«2: Преестество».

Вправо отъ Сатурна—два единорога; между ними агнецъ на цвѣткѣ лотуса; выше—облака, изъ-за которыхъ видны солнце, луна и звѣзды. Надписи: вверху—«3: ускорителство ему приноситъ ѿ негоже оное сотворено», внизу—«4: Естество».

Въ самомъ низу, подъ рамкой, подпись:

«Благодарю тя всемогущїи мой ивсемилт̃ивѣйшїи **творче** яко изволилъ сей общи календерь начати егоже твоею всещедрою помощїю в'честь своея **матере** ивсехъ с̃тыхъ и церкви ѡкончати **аминь**, зане ты еси всегда алфа и омега».

Подъ вышеупомянутыми семью эмлематическими изображеніями—заголовокъ:

«употребленіе предложенныхъ четырехъ таблицъ: накоторыхъ кратко собранный неисходимый календарь.»

Далѣе—текстъ, въ трехъ столбцахъ:

«употребленіе, первыя таблицы: сїесть календаря или подлежащее содержаніе, еже в'немъ обрѣтати иразсуждати.

1. Фигура ѡзатмѣнїи сл̃нца и луны: сїяже токмо на той таблицѣ изображенная, сегоради, воежебы всякой разсудити воз-

могль, каковымъ убо ѡбразомъ ѡбоимъ сими великимъ свѣтиломъ затмѣнїе бываетъ: винаже ихъ затмѣнїя надтою фигурою кратко чрезъ рифмы изъявлена.

2. во второй бо фигуре како дамбрѣтается накиждый день ѿдаленїе луны ѿ сл҃нца, вчасѣхъ и минутахъ; в҃ которой первѣе да взыскуется на таблицѣ календаря, киждаго текущаго лѣта, кругъ луны, которыя лѣта и кругъ лунный постранамъ 12. ти м҃цовъ положенныя: ипотомъ обрѣтшейся кругъ, да зрится в҃ таблицѣ пасхалнаго ключа, под҃ которымъ кругомъ в҃ другой линїи тоя таблицы, обрѣтается ѡснованїе луны годовое: еже есть въ мартѣ м҃цѣ перваго числа коликихъ дней ѡбрѣташеся луна поноволунїи: итако к҃ тому ѡснованїю прилагается закаждый прешедшїй м҃цъ понумеру, сїесть по числу: таже и числа м҃ца, в҃ которомъ вѣдати желаемо, онос ѿдаленїе луны ѿ сл҃нца, в҃ часѣх҃ и минутахъ, и оныя вся числа, даслагаются купно: яко в҃началѣ основанїе содержащаго всего лѣта: потомъ киждаго м҃ца нумеры. и числа м҃ца требующїя которыя сложа, иежели неболѣе в҃ собранїи явится 30. числъ, толикихъ дней по новолунїи луна бываше. А ежели болѣе 30. или напрекладъ 35 или 45 явится, ис҃ того вычитается присно 30. и что за ѡнѣми числы ѡстатокъ: сїя да числятся, и изобрѣтаются в҃той фигуре онейже речеся, В҃ которой фигуре первѣе в҃ кругѣ изображенїе видовъ луны, ѿ единаго вида даже до 30: то есть прибавленїе и убавленїе лупы в҃ 30 дней, во второмъ круге тоя фигуры числа. 30, сїе есть в҃ колики дни оная луна стекошеся с҃ сл҃нцемъ: в҃ третїемъ часы, в҃ четвертомъ минути, яже коегождо дня имать поколику луна разстоянїе с҃ сл҃нцемъ, или по елику часовъ и минутъ свѣтитъ лупа в҃ кующдо нощь. **напрекладъ:** 1711 году: м҃ца апрѣля 17 числа, желаемо знать коликихъ дней луна поноволунїи суть: и колико свѣтитъ часовъ и минутъ, или разстоянїе имать ѿ сл҃нца; итого 1711 году кругъ луны есть 18, которой и взысканый. в҃ таблицѣ пасхалнаго ключа, при томже кругѣ тояже таблицы е҃ст҃ ѡснованїе 22. взыскуй чрезъ ариѳметическое вычитанїе:

сїя вся 11 дней, яже оставшїяся, взыши в' предложеной фигурѣ, и обрящеши вну ея в' кругахъ, противъ рекомаго 11 дня. 8 часовъ. аминуть 48 толико разстоянїе. луны о̄ сл̄нца: и прочее давзыскуется сице:

22: взысканное ѡснованїе.
2: нумеры или числа двухъ мц̑овъ.
17: числа мц̑а апрѣля.
41: сложены суть вся.
30: вычтено ѡбтеченїе луны.
11: осталось толико дней, елико поноволунїи.

3: ѡеже како убо в каждый седмичный день взыскуется празднуемаго ст̄аго, во 12 ти предложенныхъ мц̑ѣхъ, на таблицѣ календаря; в началѣ даищется желаемаго лѣта вруцелѣтїе. или нд̄лная литера, потом' же оная литера изобрѣтается над' желаемымъ каждымъ мц̑емъ, изъ седми вруцѣлитъ: покоторой даисчисляется по числамъ мц̑а седмичный день, **наприкладъ,** 1711 году, вруцелѣтїе есть 7: мц̑а апрѣля 17. числа, внемже празднуемо цр̄квїю пр̄пбнаго симеона, и онаго ст̄аго, в корорый седмичный день того лѣта приключится; ѡбрѣтается сице: прижелаемомъ искомомъ лѣте, есть вруцелѣтїе 7, которое содержащее изъ седмичныхъ дней нд̄лю, сїе дазримо надъ мц̑емъ апрѣлемъ перваго числа, над' которымъ вруцелѣтїемъ есть надписанная литера **Н:** яже заключаетъ прорицанїе. о̄ седмичныхъ дней нд̄лю, понеже да разумѣется, яко оное первое число апрѣля. есть в' воскресенїе предложеннаго лѣта: над' которою литерою и характер есть ☉ сїесть знакъ планеты сл̄нца: иже содержащїй день нд̄ли, о̄ тогоже перваго. числа рекомаго апрѣля да дочитается даже до 17 числа тогожде мц̑а: яко седмичными, днями, тако ипланеты: и желаемое 17. число, в'немже празднуемо предложеннаго ст̄аго дапрїискано есть изъ седмичныхъ дней во вторникъ: вто"же день содержащая планета **марсъ,** знакъ же его есть ♂. посемуже и опрочїихъ празднуемыхъ ст̄ыхъ да прїѡбрѣтается.

4. ѡеже како да прїѡбрѣтаемо быва^етъ, в' таблицѣ пасхалнаго неисходимаго ключа, пасхалная литера, кругъ сл̄нца идствующая планета чрезъ киждое лѣто ис' натурою ея: таже осно-

ванїе, Епакта, постъ еврейски, дней; и фаска; вся сїя ѡбрѣтаются сице: токмо по кругу лунному ивруцелѣтїю, яже предложены на ѡбоихъ странахъ таблицы. календаря: прикаждомъ лѣте еже ѿ хр҃ста сп҃сителя текущемъ. и тако по оному лѣту усмотряются того лѣта кругъ луны, ивруцелѣтїе, по которымъ потребно поступать в' таблицу пасхалнаго ключа, (:или оныя усмотряются в границѣ:) идѣже надписаный кругъ луны, в' первой длиной линїи ѿ верха. потомже ис' поперечныхъ. линѣй ѿ краю лѣвыя страны возлѣ нарицанїя планетъ характеровъ ивруцелѣтїе: ѿ 1-годаже до 7. над' которыми инадписанїемъ показано: и тако даищется противъ взысканнаго круга луны и вруцелѣтїя: впу тоя таблицы пасхалная литера, яже приключается. под' тѣмже кругомъ луннымъ зрится в' верху таблицы: ѡснованїе, Епакта, а внизу противуже онаго круга луны под' пасхалными. литерами съ правная литера алфы покоторой взыскуется каждая пасхалная литера: под' тоюже литерою число содержащи пость Еврейски дней, и фасхаихъ в' послѣднеи линѣи, которая приключается в' 2 мц҃ахъ. по вруцелѣтїю же ищется в' той. таблицѣ кругъ сл҃нца, иже возлѣ его в' 4 линѣяхъ ѡписанный: и паки да о^{б}ращается чрезъ 28 лѣтъ на первое. противуже круга сл҃нца ивруцелѣтїя в' тоиже таблицѣ ѡбрѣтается по лѣвой странѣ. характеръ гд҃подствующїя планеты, яже киждаго лѣта течетъ нев'високосное лѣто в'високосноеже лѣто характеръ планеты содержащїйся по правой странѣ таблицы пасхалнаго ключа: натураже тѣхъ планетъ и нарицанїя подписаны противу каждо' планеты, наприкладъ: 1711 году, против' котораго лѣта, на лѣвой странѣ, таблицы календаря кругъ луны 18, вруцелѣтїе 7, втаблицѣже пасхалнаго ключа, противу круга луны 18 а вруцелѣтїя 7: пасхалная литера I противу же то^{и} пасхалной литеры, под' кругом' реч^{е}ным' луны, ѡснованїе. 22: Епакта. 29, в'низуже таблицы противу пасхалной литеры. справная литера Д под' тоюже литерою Еврейскаго поста 14 дней, фасхаже ихъ. марта 24. планета убо гд҃ствующая зрится противу вруцелѣтїя 7. предложеннаго лѣта юпитеръ, еяже знакъ есть. ♃. посе-

муже прикладу взыскуются оныя потребы, в' сей таблицѣ пасхалнаго ключа, и в' прочїя лѣта.

5. ѡеже како дапрїѡбрѣтается в' пасхалной неисходимой таблицѣ пасхалїя киждаго лѣта. первѣе да взыскуется пасхалная литера. якоже речено ест: но оноѩже литерѣ обрѣтаются того лѣта праздники. яже преходятъ. яко вначалѣ рождество гда ншего Іисa Хрта, в' день седмичный, и мясоястїя онаго дней, таже трїодь, и мясопустїя дня, убо обрѣтаются сїя не в'високосныя лѣта, вся поряду тещи, яже в' таблицѣ из'явлены есть: но в' високосноеже лѣто днем' единым' превосходятъ, яко в' седмичныхъ рства Хртова днем' преступаются. ащеже в' мясоястїи дней. таже в' трїоди и в' мясопустїи: то днем' прибавляется противъ численїя таблицы (за небо пространства ради онаго усугублятъ границу ту. оставлено) впрочїих'же яже в' правилѣ таблицы предано: все поряду тещи имутъ, по пасхалнымъ литерамъ, яко праздники, блговѣщенїя, и Хртовой пасхи, и прочая. на прклдъ. 1711 году: по изобрѣтеннымъ кругамъ луны и вруцѣлѣтїя пасхалная того лѣта литера **I**; противу которой внизъ тоя таблицы литера **II**. яже заключаетъ рство Хртово в' понедѣльникъ, надписанїеже онаго на странѣ из'явлено, потомже числа 42 толико дней мясоястїя; таже 21: о сего числа генваря трїоди начало. и паки 4: сіяже числа мясопустїя февруарїа мца, еще потомъ литера **II**. и число 6: сеиз'являетъ блговѣщенїе в' ндлю 6-ю поста, таже 1 число, и литера верху **A**. сїе знаменуетъ пасху Хртову апрѣля 1го дне. посемуже ипрочїя праздники разсуждати понаписанїю той таблицы возможно суть.

6: ѡеже како да прїобрѣтается на таблицѣ фундамента. луннаго теченїя; поволунїя полнолунїя, и оба перекрой яко новой тако и ветхой. воднѣхъ. часѣхъ минутахъ и фракцахъ. коегождо мца во вся лѣта, вопервыхъ потребно есть, да знается кругъ луны желаемаго. текущаго лѣта. и потомъ во ономъ фундаментѣ да прискуется противъ того круга, яко дни, часы, минуты, и фракцы: яже в' таблицѣ той суть вычтены, в' мцѣ мартѣ, во вся 19 лѣтъ. новолунїя: которыя числа взявъ отуду, и написуются особь на

таблицѣ чрезъ арифметику: и потомъ изъ другой таблицы (на-неюже по̑писанїемъ означено, прикла̑ныя мц̑ы во вся 19. лѣтъ, ко всякой лунѣ:) яже противъ желаемаго. мц̑а, числа, дней, часовъ, минутъ, и фракцъ; и да написуются по̑числами, которыя изъ круга луннаго на таблицу выняты, и написаны. чрезъ арифметику. **на прикладъ:** яко между ѡныхъ дву таблицъ: на таблицѣ вычтено, и из̑явлено суть: егда бысть кругъ луны 16, того новолунїя ис̑ той луны, взято марта 1 день, 2 часа, 21 минута, 45 фра̑цъ: которому новолунїю приложено е^ст^, ис̑ таблицы прикладныхъ мц̑овъ, декабря. 20 дней, 7. часовъ, 24 минуты, 12 фра̑цъ, котораго декабря новолунїе бысть, в̑ 16 круга луны: в̑ 21. день, 9. часа, 45 минуты, 10. фракцы, якоже да здѣ яснѣйши суть покажется, чрезъ вычитанїя арифметики сице: . . . . . дни:...часы:..мин:..фрак

ѿ новолунїя и паки до новолунїяже . . . . . 29 . . 12 . . 44 . . 20

о̑полнолунїя даже доновомолунїя и̑о̑новолунїя до полнолунїя . . . . . 14 . . 18 . . 22 . . 10

яко о̑новолунїя до 1 квадры, тако и о̑полнолунїя до 2 квадры . . . . . 7 . . . 9 . . 11 . . . 5

16. луны кругъ мц̑а марта есть новолунїе. 1 . . . 2 . . 21 . . 45

общее приложенїе истаблицы прикладной ко всякой лунѣ . . . . . 20 . . . 7 . . 24 . . 12

бысть, и будетъ в̑ 16 лунѣ новолунїе декабря . . . . . 21 . . . 9 . . 46 . . 10

первая четверть или квадра приложена . . 7 . . . 9 . . 11 . . . 5

бысть и будетъ в̑ 16 лунѣ квадра в̑ мц̑ъ декабрѣ . . . . . 28 . . 18 . . 57 . . 15

вторая четверть или квадра приложена . . . 7 . . . 9 . . 11 . . . 5

полнолунїе генваря мц̑а в̑ 16 лунѣ . . . . . 5 . . . 4 . . . 8 . . 20

третїя четверть луннаго теченїя . . . . . 7 . . . 9 . . 11 . . . 5

послѣдняя четверть генваря в̑ реченной лунѣ . . . . . 12 . . 12 . . 19 . . 25

четвертая четверь обтеченїе луны . . . . . 7 . . . 9 . . 11 . . . 5

новая луна в̑ 16 лунномъ кругѣ феураля . 19 . . 21 . . 30 . . 30

такожде и в' прочихъ мц̑ахъ икругахъ истѣхъ таблицъ вычитаются вся квадры луны предпоказаннымъ ѡбразомъ.

7: ѡеже како убо да обрѣтаются поготовымъ таблицамъ, новолуніе, и полнолуніе каждаго лѣта мц̑а и числа; вопервыхъ да увѣстся в' желаемый годъ кругъ лунный иже течетъ: ипотомъ взыскуется мц̑ъ, в'немже или новолуніе или полнолуніе обрѣсти востребуется: и тако да зрится противу круга луны; (иже надтою таблицею написанный:) и мц̑а ву таблицы на числа: како новолунїя, тако и полнолунїя, и кїя числа стоятъ, написанныя противу круга луны. и мц̑а: в' та есть числа, и новолунїя, и полнолунїа луны. **наприкладъ:** взыскати потребно есть: 1711 году мц̑а апрѣля: коего числа есть новолуніе, и полнолуніе, и тако ѡбрѣтается вначалѣ кругъ луны, иже того лѣта текущїй: и потомъ взыскуется оной ѡбрѣтеной кругъ луны, которы' над' таблицами. новолунїя и полнолунїя положены': таже изрится потомъ, в' таблицахъ новолунїя и полнолунїя. по надписанїю изъ нарицанїя мц̑овъ. пр̑едложеннаго апрѣля: противу котораго мц̑а, и луннаго круга взыскуется ву таблицъ в' границахъ. еже есть новолуніе 7го числа полнолуніеже 22 го. и убо яко в' лѣта, тако и мцахъ вся новолунїя и полнолунїя да взыскуются онымъ ѡбразомъ.

употребленїе, вторыя таблицы: еже есть часовъ Астрономскихъ.

первѣе должно есть вѣдати по ѡб'явленїю, или предложенїю первому: како игдѣ на той таблицѣ, ѡзначены мц̑ы, и числа, яже постранамъ ѡбоимъ положеныя о^{б}ще по 6 мц̑емъ верхнимъ, ипо 6. нижнимъ: покоторымъ взыскуется каждаго дня восхожденїе и захожденїе сл̄нца, таже величество дня инощи, в' часѣхъ, минутахъ, и секундахъ: которыя часы, минуты, и секунды. ѡзначены подписанїемъ каждаго мц̑а, над' восхожденїемъ изахожденїемъ величествомъ дня и нощи литерами, еже есть, **Ч:** то заключеніе часовъ, **М:** минуть: **С:** секундъ, и сице надъ всѣми таблицъ мц̑евъ, **наприклад':** должно убо е^{ст} обрѣсти, 1711. году, генваря 1 числа,

*

восхожденїе, изахожденїе сл҃нца намосковской горизонтъ: таже величество дня инощи. итако обрѣтается натой таблицѣ мц҃ъ генварь: на҆ которымъ есть изображенїе знака зодїачнаго водолея. идѣже и естество его на҆писано есть: иже теплъ и мокръ, во онаго же знака водолея, вступленїе сл҃нца 9 го. дня, 6 го часа, 26 минуты, 49 секунды: по҆тѣмже знакомъ разначены члены, еже еють восхожденїе, захожденїе, величество дня, величество нощи. апо҆тѣми члены, знаки часовъ, минутъ и секундъ: апротиву того генваря 1 го числа (еже полѣвой странѣ,) по҆ восхожденїемъ числа, 8 часовъ, 20 минутъ, 44 секунды: сія числя҃тся толико: часовъ, минутъ, и секундъ: прешедшія послѣ полунощи: яже на первое число текущая под' захожденїемъ: 3 часа, 49 минутъ, 16 секундъ: сїяже прешедшія толико о҆ полудни, позашествіе сл҃нца: под' величествомъ же дня 7 часовъ, 18 минутъ 32 секунды: толикое время того дня. под' величествомъ нощи, 16 часовъ, 41 минута, 28 секундъ: оная есть мѣра нощи. убо и в' прочїя мц҃ы, и числа, да прїобрѣтаются сїя предложенныя времена на той картѣ.

употребленїе, третїя таблицы: на которой обретаются предзнаменованїя времени по планетамъ чрезъ киждое лѣто.

1. годствуетъ убо в'началѣ знати каждаго текущаго лѣта, да кая планета теченїе имать; которую прїѡбрѣтати должно есть, яко в' первой таблицѣ календаря: в' таблицѣ же пасхалнаго ключа: о которомъ прїѡбрѣтенїи изъявлено воупотребленїи таблицы календаря, яже на пасхалны' ключь.

2. второе: и паки удобѣе суть; да прїобрѣтается оная гд҃ствующая планета. каждаго текущаго лѣта: по предложеннымъ текущимъ лѣтамъ, которыя по҆ каждою планетою на той третей карте в' табличке вычтены суть, исодержатъ теченїе свое, о҆ воплощенїя хр҃та сп҃сителя н҃шего. **на прикладъ:** дазрится внизу на той карте, табличка яже по҆ седмїю изображенїами планетъ из'явлена есть: в' которой лѣта по кругу сл҃нчному и врупелѣтїю

вычтены, ѡнаяже в ширину четверолѣтно содержаща, искоторыхъ лѣтъ яже внижней линїи, сїяже вся високосныя лѣта приключатися имутъ: началоже содержащїя о҃ 1709 го лѣта, даже впредь на 112 лѣтъ: еже есть до 1821. го лѣта, текушаго ѿ Хр҃та. искоторыхъ лѣтъ ѡбрѣтаются в' той таблицѣ, настоящаго 1711. лѣта, кругъ слн҃ца 27, вруцелѣтїе 7, которыя яко лѣто, тако и кругъ слн҃ца, и вруцелѣтїе, имутъ содержатися под' изображенною планетою. **ЮПИТЕРОМЪ**, яже того лѣта гд҃ство имущая (началствоже гд҃ствїя имать прїяти о҃ мц҃а марта 1 го числа) под' которою планетою разсуждаются разныя качества, яже по҃нею суть написанная. чрезъ весь годъ кратко: яко оныя качества на странѣ изъявлены суть обще ко всѣмъ планетомъ. яко вначалѣ. каковъ имать содержатися годъ ѡбщїи, под' всякою планетою, потомъ весна, лѣто, есень, зима, и прочая: даже до ѡприключающихся болѣзней. но в'високосныеже лѣта, имутъ гд҃ствіе подвѣ планеты, за прибытїе дне високоснаго: чесоради и качество оныхъ обоятно бываетъ. якоже ѡсемъ и прежде пространнѣе речено в'предъ ѡб'явленїи суть. посемуже ипрочихъ планетъ господствованїя киждаго лѣта да прїѡбрѣтается по предложенной таблицѣ лѣтъ. предъѡб'явленнымъ ѡбразомъ.

употребленїе, четвертыя таблицы: на которой об҃явлены суть дѣйства, до познателства на каждый день по теченїю луны в' зодїи.

Во первыхъ убо, да ѡбрѣтается на той таблицѣ, яже на лѣвой странѣ: желаемый мц҃ъ, и число: противу которыхъ дазрится вну тоя таблицы на число; какое есть назначено, которое да содержится во умѣ.

Второе, во другой таблицѣ, яже подлежащая к' правой странѣ, в' которой да взыскуется противъ луннаго круга: оное число, еже в' первой таблицѣ обрѣтено есть, и содержашееся воумѣ: и то число усмотря, дазрится в' верхъ тоя таблицы: и противу коей зодїи или знака оное стоитъ, знаке и луна теченїе свое имѣетъ. (но и

сїе должно есть вѣдати, яко при оныхъ 19. кругахъ луннихъ числа, яже в' таблицѣ той содержатся, начало теченїя своего пріемлютъ о̄ генваря мц̑а перваго числа, а не о̄ марта:)

Третїе, по тому из'обрѣтенному знаку, (еже есть коегождо дня луна теченїе свое имѣетъ:) дазрятся в' третїей нижайшей таблицѣ разная дѣйства, накаждый день по знаку зодїи, в' той день еже в' первой таблицѣ число, wбрѣтается. и потому числу дазсуждаются разныя дѣйства, в' таблицѣ той накаждый день. **на прикладъ:** 1711. году: мц̑а марта 12 числа, желаемо вѣдать, воежебы онаго числа, кїя потребы творилъ чл̄вкъ, да бл̄гополучны wныя ему были суть. и тако wбрѣтается во первыхъ оный мц̑ъ. на лѣвой странѣ первой таблицы, идѣже имена 12 мц̑евъ написаны суть: потомъ оного мц̑а 12 число, еже положенное верху тоя таблицы, изрится во оной границѣ противъ искомаго мц̑а и числа, которое число; обрѣтено есть 17, егоже дадержати потребно есть во умѣ: потомже взыскуется во второй таблицѣ, противъ того лѣта текущаго круга луны, 18. противу котораго числа wбрѣтается верху тоя таблицы знакъ зодїи **телца:** в' которомъ знакѣ приближно есть, чтотеченїе имѣти будетъ луна реченнаго 12 числа марта. и потомъ оной знакъ, еже есть **телецъ:** наблюдается в' третїей таблицѣ яже внизу, на три члена пред'wпредѣленная, над' коимждо членомъ по 12. знаковъ или характеръ из'ображено есть: искоторыхъ характеровъ дазрятся противъ рекомаго **телца**, разныя потребы дѣйствъ налѣвой странѣ wбявленныя: еже есть во первыхъ изъ нихъ, кровь жилную руду пущать, противъ знака ♉ сїесть **телца**, литера ♉, то знаменуетъ оное творити зло: 2е. потомъ: чины и достоинства воспримати, аподъ тѣмъ знакомъ ♉, суть и сїе зло знаменутъ. таже третїе: начати учитися и прилѣжати чтобъ все памятовалъ, есть подъ характеромъ. **Д**, сїе бл̄го есть. еще потомъ 4: лекарства в'нутрь испаружи. аподъ знакомъ онаго **телца** ♉, сїе изъявляетъ не бл̄гоже но зло. также естьли wбрящется подъ тѣмже знакомъ, коего любо дѣйства. **С**, сїе знаменуетъ. посредственно. и прочїя потребы яже истолкованы и

написаны едина по второй, дасмотрятся и разсуждаются на трехъ членахъ, в' прочїихъ лѣтахъ и мѣхъ, и числахъ, тако якоже наприкладъ речеся.»

---

659. «Календарь повсемственный»

Четырехлистоваго размѣра; гравированъ на мѣди, рѣзцемъ; это копія со 2-го листа Брюсова календаря, шестилистоваго изданія. Внизу подпись: «Во славу..... (съ 2-го листа) брюса. Грыдоровалъ вмоскве. Мартинъ Нехорошевски, 1754 году.»

Единственно извѣстный мнѣ экземпляръ этого листа находится въ Олсуфьевскомъ собранїи (VII. 1315.).

---

660. «Предзпаменованіе времени на всякой годъ по планѣтамъ.»

Копія съ третьяго листа шестилистоваго Брюсова календаря; судя по работѣ, произведеніе мастера Нехорошевскаго; внизу помѣщено послѣсловіе:

«Читателю мои зело прелюбезныи:
вонми мо трудъ ни весма не безмездныи:
и тако о немъ разумѣваи всегда
еже бо что бг̃ъ даруетъ когда
1756: году:»

Доска этого листа печаталась на Ахметьевской фабрикѣ еще до конца прошлаго столѣтія; экземпляры нерѣдки.

---

661. Предзнаменованіе времени по планетамъ.

Повтореніе 3-го листа Брюсова шестилистоваго календаря, съ нѣкоторыми измѣненіями въ переводѣ: аллегорическія изображенія весны и лѣта сидятъ вверху; «осень» и «зима» стоятъ внизу, по бокамъ.

Внизу подписи: «Читателю . . . . . гдѣ», находящейся въ предыдущемъ нумерѣ (1756 г.) нѣтъ вовсе; говорю это предположительно, такъ какъ въ единственно извѣстномъ мнѣ экземплярѣ этого листа, находящемся въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 1466), нижнее поле листа обрѣзано.

---

662. Брюсовъ календарь на 47 листахъ, вдлинну.

Календарь этотъ награвированъ рѣзцомъ, на 47-ми мѣдныхъ доскахъ, листоваго размѣра, и изданъ, въ первый разъ *(a)*, въ первые годы царствованія Императрицы Елисаветы Петровны*), при чемъ въ дѣло употреблена старая доска (листъ 33), которая, какъ видно изъ находящейся на ней подписи, гравирована: «1726 Году мца Августа тщан: в: к:»

Второе изданіе съ этихъ досокъ сдѣлано нѣсколько позднѣе, съ досокъ выпечатанныхъ и попорченныхъ. Доска № 35 внизу лопнула; текстъ посвященія попорченъ.

Текстъ, который слѣдуетъ за каждымъ мѣсяцемъ и заключаетъ: «описаніе дѣйствъ в'рожденіи человѣческомъ въ каждомъ знакѣ зодіяка», напечатанъ въ этомъ календарѣ поперегъ страницы; въ двухъ прочихъ календаряхъ, описанныхъ подъ №№ 663 и 664, строчки текста идутъ вдоль страницы.

---

*) Полныхъ экземпляровъ этого календаря, болѣе раннихъ изданій, мнѣ неизвѣстно.

Полные экземпляры обоихъ изданій рѣдки; хорошій экземпляръ перваго изданія (но безъ перваго листа), находится въ Публичной библіотекѣ; въ моемъ собраніи есть совершенно полный экземпляръ втораго изданія. Настоящее описаніе составлено по этимъ двумъ экземплярамъ, непредставляющимъ впрочемъ никакой разницы ни въ текстѣ, ни въ переводѣ изображеній.

Листъ 1-й. Заглавный листъ безъ №; текстъ, безъ изображеній:

«Книга Іменуемая брюсовскоі календарь

1. сотворѣние света.
2. таблица ісчисленїе летъ праотец'
3. святцы 12 мц҃овъ влицахъ.
4. означение планетъ навсяки мц҃ъ подкоторымї мл҃нцы родятся
5. седмь соборовъ. листъ. 7.
6. опра^{з}днице^{х} яже ка^{ж}даго лета преходя^{т}
7. четыре мира.
8. ѳигура осияніи луны.
9. новая таблица круга луннаго.
10 исчисленіе долготы широты їимена звеѕдамь.
11 деиство особное иобщѣе.
12 предзнаменованїе деїствъ на^{в}сякїд҃нь
13 пре҃знаменованїе временї на^{в}сякїго҃
14 та^{б}лїца їмѣе^{т}ве^{р}сты кро^{с}сї^{с}кі^{м}губернїямъ игородамъ
15 трактъ кса^{н}пите^{р}бу^{р}гу идоіностра^{н}ны^{х} городо^{в} до^{з}на^{т}ны^{х} мн҃треи їдои^{м}ператорски^{х} дворцо^{в}иколикое число соборовъ имонастыреи ицерквеи
16 долготы широты поградусомъ знатныхъ городовъ.
17 ланкарта московская
18 ланкарта питербурская
19 Гербъ россискои їмперїи Спротчими Гербами.»

Листъ 2 (№ 1). Вверху полоса, въ которой, въ шести квадратахъ, изображены: «Сотворенїе свѣта — четыре времена года — весна — лѣто — ѡсень — зима».

Внизу таблица, заключающая въ себѣ: «лѣта от адама (7218 по 7448)—лѣта от рожества (1710 по 1940)—круг солнцу—кругъ луне—вруцелѣта—основанїе».

Листъ 3 (№ 2). Вверху полоса, въ которой, въ шести квад-

таблица ісчісленія лѣт житія ст҃ых праот҃ц

Імяна ст҃ых пра ѻ҃цъ	Лѣта рождес: тва ихъ	вѣкъ жітія ихъ	вколікихъ Лѣтехъ отначала міра Преставішася	вкоторых лѣтех По потопѣ родішася	Попотопѣ прѣставишася	Скоко лѣт которыи скѣ вжітіи пребыша		вкот р
Симъ	2062	435	2497	09	335	Симъ		100
Арѳаѯадъ.	2162	465	2627	л	465	335	Арѳаѯадъ	
ка҆нанъ.	2297	460	2757	135	595	200	335	ка
Сала.	2427	460	2953	265	725	70	200	330
Еверъ.	2557	434	3057	395	829	60	70	200
Ѳалеек	2691	339	3096	529	868	194	64	66
Рага҆в	2821	339	3226	659	998	324	164	64
Эсеру҆х.	2953	330	3349	791	1121	456	326	196
нахо҃р.	3083	208	3357	921	1129	586	456	326
Ѳара.	3162	205	3433	1000	1205	665	535	405
Авраамъ.	3232	175	3473	1070	1245	735	605	475
Ісаакъ	3331	180	3613	1169	1349	834	704	574
Іяковъ	3391	147	3640	1229	1376	894	764	634

За тѣмъ слѣдуютъ двѣнадцать занумерованныхъ (3—14) таблицъ со святцами, по числу двѣнадцати мѣсяцевъ; за каждой изъ этихъ таблицъ слѣдуетъ, за тѣмъ же нумеромъ, какъ и таблица, листокъ, съ описаніемъ «дѣйствъ в' рожденїи чл҃вѣческомъ» въ каждомъ знакѣ зодіака. Вотъ подробное описаніе ихъ:

Листъ 4 (№ 3). Вверху надпись: «мѣсяцъ Мартъ»; затѣмъ полоса, въ которой, въ шести квадратахъ изображены: «ст҃ая прподо: му: еѵдокїа. ст҃ыї велїк: му: 40. всевастиї. прпдныи але-

ратахъ, представлено: «Потопъ — открышася верси горъ — ізхожденїе із ковчега—сотвори ной жертву бгу — столпотворенїе — погубленїе содома».

Внизу помѣщена слѣдующая таблица:

ютопа до іякова. Сочиненная ІсКнги Бытія.

Nоеже Бѣ лѣт 600. Іпотопъ Быс ть Наземли в 601 е Лѣто Житія ноево 2го мца въ 26 днь Всіи днь Быть дождь на землю .40. дне і 40. нощеи Іумножіся вода Івзя ковчег Івознесеся отзѐли Іпокры вся Горы высокія .15. лакот верху вознесеся вода Істояше вода Надземлею .150. днiи Бытія Гла 7. Іпосп днехъ в спят поиде вода сзѐли Івмцъ 7. в 27де сѣде Ковчег па гора Араракї Ів 11. мцъ в 1де мца явишася веси Гора в мцъ же 2. в 27е мца Ізше зѐля Іизыде ное Існове егѡ Ижена его Іжены снов егѡ снї Івси звѣри Іскоти Птіцы всякое животно движущееся Породу на земли Ісозда Ное требнікъ Гдви- глава. 8. сія Бытія снов Ноевых Сима хама Іаѳета Іродішася снове попотонѣ Глава .10. Симу Бѣ .100. лѣт егда роди Арѳаксада в 2 е лѣто Попотопѣ Іжп Симъ рождь Арѳаӡада лѣт . 335. Іумре Глава .14.

ѣтѣ
и

оди Арѳаӡада

35	роди Каинана										
	130	роди Салу									
	Сала	130	роди Евера								
30	Ев	еръ	134	роди Ѳалека							
96	300	Ѳа	лѣ	130	роди рагава						
76	170	209	Ра	гавъ	132	роди Эсеруха					
36	38	77	207	Эсе	ру	130	роди Нахора				
96	92	53	77	200	на	хор	79	роди Ѳару			
75	171	132	2	121	129	ѳ	ара	70	роди Авраама		
45	241	202	72	51	59	135	Авра	амъ	99	роди Ісаака	
14	340	301	171	48	40	36	76	Іса	акъ	60	роди Іякова
04	400	361	231	105	100	24	16	120	Іяков	же	роди Іюду

ӡїи члвк: бжїй.—блговѣщен: пртыя бцы.—соборъ св: архис: гавріила.—препд: іѡаннъ лѣствич: соучинї.»

Внизу таблица, въ которой показаны: «числа мца — вруцелѣтїе — планеты. — седмицы. — вруцелѣтіе.—Нарицанїя влчных и бгородичныхъ и стых празднованїя свиды и вступленїя. — Зодиаки — градусы — Отъ сотворенїа мира или свѣта лѣта показаннымъ свтымъ—часы послѣ полудня (часы—четвертї—знаки —планеты)—звѣзды—выхожденїе солнца (вмоскве—в. с: п: бур:)

— Захожденїе солнца — (в москвѣ. вс. п. бур) — долгоденствїе (тоже)—долгонощїе (тоже)—числа мц҃а».

Листъ 5 (№ 3). Текстъ:

«Ѡписа́нїе двою на́десяти нб҃сныхъ зна́кѡвъ дѣ҆йствъ в҆рожде́нїи чл҃вческомъ

[Ѡве́нъ]

Ѿроча̀ ро̀ждьшееся между 12 Днеⷦ Ма̀рта, и 12 Дне́мъ Апріллїа е҆сть Наклоненїа знакъ Ѡвна̀ ѿ естества̀ Ма̀рса. Жа̀рко, сухо, не смиренъ, движимъ, Добрыя Бесѣды, мужескагѡ изряднаго тѣла, долговатаго лица и шеи, мало крови имѣетъ круглый Образъ, великїя о҆чи великїя Жилы Налбу, кудрявъ, и многоволосенъ, скоро и любезно гл҃голивъ смѣлъ ср҃цемъ. Го̀рдъ, Нетерпеливъ Скорого оума смысла скорогневливъ, ѡмстителенъ Говоритъ Вогневѣ ѡчесомъ ѡпослѣ Самъ раскается и Жа̀лостенъ Бываетъ, Скупъ, Скучливъ, Скоро Гнѣвается и пото҆ Па̀ки Бл҃гъ ѿтуду имѣетъ Онъ Великїя жилы налбу, имѣе҆ же Онъ, некогда знакъ на гл҃вѣ. Боится велми очей, спаде҆ сверху нечистъ нецеломудръ Скоролюбивъ к҆женамъ искоро Покидае҆ е҆стество его требуетъ Треⷯ честныⷯ Женъ. Первую Младую дв҃цу. Вторую вдову или и҆ нако не дву Младъ суще достигнетъ науку, и к҆ Дх҃овнымъ вещаⷨ. но Обачеже познѣйшїи есть ему мирскіи чинъ, много Постраждетъ, в҆ юности, ѡхотно ѡбходится в҆ воинскихъ дѣянїахъ, и Оныя несуть ему нещасливы. и симъ онъ велїю честь внародѣ Приѡбрѣтаетъ, естъ и пїетъ добро, и Часто немощенъ бываетъ худо спитъ Чести любивъ. Славы ищецъ, квѣщамъ оумногихъ людей бл҃го ему есть и в҆ великихъ дѣйствахъ имѣетъ снисканїе кощастїеⷨ, вогнѣве своеⷨ твердъ есть, не мл҃рдъ крѣпкаго несмиренства смысла своего, склоненъ оубити плоть, видѣти кровь чл҃ческую, часто теряе҆ имѣнїе идоброживоты свое, но ѡбачеже и нымъ способомъ паки приѡбрѣтаетъ, часто желаеⷮ себѣ Смерти, к҆томуже не ѕѣло весма ѡскудѣеⷮ, и не весма Бога҃, жизнь свою

пре Провождаетъ во ѡтечествїи своемъ выну, шѣствіе его высочаишее есть щастїе, радость. Полза, прибытокъ достоинствъ повышенїя его, чести некланяются кземлямъ вѣтока слнца икполудню, западъ есть ему срѣствє, величайшее его Нещастїе есть оубытокъ оуниженїе чести напасть нужда, темница, трудъ, недружба совсякою Противностию Содержанїя Показуютъ страны ксевѣру. краска его склоняется кжелтому и красному, черно или сѣро Смѣшено, синй зеленыї суть ему, болѣзни или смертную напаѣть показуютъ ему, величайшее щатїе его прибытка показуетъ ему, Подвигъ земле ростїя величайшее нещастїе его оубытка накладу приходитъ ему изупотребленїя водяныхъ наслѣдїевъ. болѣзнь или недугъ тѣла бываетъ часто внога, вглавѣ, или слухъ влѣвой странѣ внутреннїя, смерть случится замужѣство, исопухолъ чрезъ камень ядовитыя водяныя матерїи, или ядовито толто сожженыя крови Когда слнце вѣтеце имѣетъ прибытокъ, исщастїе во всѣхъ вещахъ хотя наводѣ или на сухе, лучшїи будетъ между Братїями своими, и переживѣ Оца своего имѣти будет честныхъ дѣтей Когда слнце вдѣвахда брежется слыхъ напитковъ и пищъ, и дане начинаѣ много: Въ вѣсахъ имѣѣ Щастїе женитися. Вскорпїи ѣва неприключится ему смертная Болѣзнь: Въ стрелце имѣетъ щастїе путешествїе творити, и все ему блго, случается: Въ водоливѣ Приходитъ ему добро. Въ рыбахъ мало имѣетъ щастия. Буде переживетъ 24 лѣтъ, то жить будетъ до 31 Году. Дѣва рождшаяся между выше помянутыми двема днями, едва не тогожде есть наклоненїя и естество собственно, и ксебѣ Привлекаетъ прїемлетъ пригожа взоромъ образомъ лицемъ Красноватыя краки смѣющаяся является устами веселыя Очи, пригожїя власы на Главѣ или налицѣ будутъ оукрашенна болѣзни ея суть болѣзни матернїя чрева и внутренего Нещатися ей врожденїидѣтей крѣпко Любитъ мужа своего, честно, набожно себѣ ведетъ противъ всякаго. но Обачеже неползуеться ей долгое время страданїи будетъ Переговоромъ скорогнѣвствомъ своимлживе закровенїе басней виновнуютъ ей много распри, ненависти, зависти, гнѣва, между женами ѡнелѣже мнози слыя вещи инегодованыя произходятъ полза и щастие ея, и нещастїя случай бо-

лѣзнеи, и смерти содержатся в земляхъ и прежде писанныхъ Краскахъ»

Листъ 6-й (№ 4): «Мѣсецъ апрѣль.»

Изображенія: прпд: марїя егїп: с̄ еѵоїмїи.—с: мч: агапїа. їрина. хіонїа.—с̄: великому: георгїй побѣдо: — стыї евглїстъ марко. с̄: а҃пт҃лі іассон і сосїпатръ.—с: девять муч: иже въ кѵзїцѣ:»

Листъ 7-й (№ 4). Текстъ:

«[Телѣцъ]

Ѡрокъ рожденый между 12 дне҃и а҃пріллїа и 12 маїа, есть склоненїа знака телца и естества венуса, меланхоликъ или задумчивъ мнителе҃ студе҃, сухъ, плодовитъ женеск҃ постояннаго смысла, великъ крѣпокъ тѣломъ, смешенныя краски Лица, смирныя добрыя речи, самъ себѣ знаеть в҃ совѣсти своей, имѣетъ широкїя рамы плеча, круглоликъ с мешенною краскою высокую грудь, и знакъ на лакте руцѣ великїя хорошїя глаза, долгїй лобъ, худыи носъ Великїя зубы, и плечы толстыя или силныя ноги, Гордо и высоко умно ходи҃т Поступку, имѣетъ чистоту вѣденїя тѣла своего оукрашенїе в҃платїи, ѡхота и забава его есть пѣнїе, струно играніе ѡрганъ, трубны, и всякая во҃клицанїя, бѣзгнѣва, и совсякимъ говоритъ недоволно, чесо ради его хваля҃т; икако смиренъ мало благодаренїя заслуживаетъ, забл҃годѣянїя яже творитъ инымъ, поздно прїидетъ к҃богатству и славѣ велїи, но Обаче же буде҃т Обманчивъ, и сбманываетъ ѡхотно Оныхъ которыя вѣрны ему, естьже еще желателенъ хвалимъ бы Ѡвсякаго, велми гордъ будетъ, неизобилно будетъ мудръ, безпрестанныя смирныя работы, дѣлаетъ времени довремени позно к҃богатству прїидетъ, даже дополъстарости своея Тогда прїидетъ в҃добрый покои, радость и веселому существу, сей буде҃т болши Целомудрію Нежели Нечистъ, Обявися ему бракъ, будетъ д҃ва, приключающїися случай часто является оунего, невесть же Ѡкуду, прїиметъ ѕлую службу Ѡнихъ, имже бл҃го творитъ, иболши прїемлетъ м҃сти Ѡ иностраны҃, нежели Ѡдомашнихъ прїятелей, правду гл҃етъ, никому тво-

ритъ ѕла ни правды ни ѡбиды, ѡставляетъ ветхи ей быти, ничесо предначинаетъ новаго, вогнѣве своемъ скоро забывчевъ: Егда сл҃нце в҃ тѣлце есть, то имѣетъ щастїе и вся ему споспѣшествуютъ, аще начнетъ собственное свое дѣяніе, аще нощїю родится богатъ будетъ В҃раке имѣеᵀ щастїе странствовати Волвѣ да непокупаетъ ниже продаетъ, переживетъ Ѻц҃а своего и матерь, дѣти его будутъ множайшее дѣвки В҃вѣсахъ имѣетъ немощъ в҃ главѣ Стрѣлецъ есть смертоносенъ ему В҃ козерогѣ имѣеть щастие оувеликих Гд҃ъ В҃водолее приобрящетъ богатство аще желаетъ и оутреннюсть В҃рыба˟ имѣетъ щастїе куиить и продать Во ѡвне да брежется лживаго и лстиваго св҃дѣтелства, еже ѿнѣкоторыхъ нанего зачнется. но О баче ложно напиаче дабрежеᵀся слѣпы˟ людей Величаишее шествие его, щастїе, радость полза, прибытокъ, все˟ достоинствъ величаишїю его честь ѡказуюᵀ земли полудня, запада, севѣра, величаишее его нещастїе оубытка оубавленїя, чести, напасть, нужда, недружба, всякі҃ противностеи наклоненїя ѡказуюᵀ ему земли, востока сл҃нца, всѣкраски добры ему ѡпричь лазоревои счернолъ смешенной и зеленой, величаишая ищасливая его полза и подвигъ будуᵀ все земле родящіяся плоды, водяныя наслѣдїя, воднаго образа и ещеже все плоды, воздуха, древесъ, и лс҃. Величаишее нещастїе подвига его, или дѣянїя есть все оное изходящее изстихіи ѡгня, или огнемъ при ѡбрѣтающееся недугъ болѣзнь тѣла будетъ собственнѣ вшеїи плеча˟ ѡчеса˟, ѡпухоль, рукахъ, ногахъ, пуна, чреслъ. смерть его будеᵀ ѕлыми женами ядомъ: или жаромъ огня явлена, аще переживетъ 28 лѣтъ. тобудетъ до 70 года Дѣва родшаяся вопомянутое время согласуется оному естеству природе толста, великаго тѣла, веселаго оума, добраго гласу, противъ всякаго честна, добродѣтелна, слаѣими словеси хотя она ра҃личная изкушаеᵀ и и҃пытуеᵀ, еже всерц҃е мыслиᵀ сїе да дерзаеᵀ творити хотя блго или ѕло ѡкажеᵀся кому ни буди много страждеᵀ стыда, и переговорѡᵛ налице имѣеᵀ знакъ, являются ем тяжкїя и чюдныя сны, стананїе ея есть, глава. Очи оуши, вгортани много много приключаемы˟ болѣ҃неи чуствуеᵀ. страждеᵀ болѣзни врож-

дении. тяжко раждае^{т} дѣтей: злы҃ языко҃ ядовиты҃, волшебство҃ дїаво҃ски^{м} привидѣнїями смерть ей явится является»

Листъ 8 (№ 5): «мѣсецъ маїи.»

Изображенія: «пренесенїе мощей с: о҃ца нїколая чюдо: — с҃ а҃пт҃лъ сїмон зїлот.—с҃: пр҃ви^{ч} дїмитрїи. — с҃ велїкїе р҃рї констан-тїн ї елена. — 3-е: обрѣтенїе чест: гл҃вы їоанна пред: — прпдо: їсаакїи далмат.

Листъ 9-й (№ 5). Текстъ:

«Близнецы

С҃Этроча рождшіися ѡкрестъ времени 12 дня маїа, и 12 іунемъ: есть склоненїа знака близнецовъ, естества меркурїа изкровнаго тепло волготенъ движимаго смысла, но Обаче добраго. Остраго ума ревнитель многимъ бл҃гочестїа^{м}, черноволосъ, и очи черныя, долгїи лобъ, шіа, и носъ, явнаго лица, малая дира нащеке ямач-ка, егда смѣется великїя зубы имѣти будетъ знакъ на ногтяхъ, и нагруди, слабъ тѣломъ, тонокъ изряденъ языко^{м}, искусно гла-голетъ ихвалу самъ ѡсебѣ ведетъ, чюдными подражанїями, во-гнѣвѣ много говоритъ, прибрящетъ знанїе свеликими Г҃динами, будетъ празднолюбецъ ѡхотникъ гуля^{т} скоро седѣтъ, непостоя-ненъ, движущїися к҃добру или злу легко, куды хощетъ, и велми-же мудръ быти хощетъ, сїе иному вящшее будетъ нежели ему самому, ученныи лстивъ вовсехъ помышленїяхъ и художествахъ, ѡхотно работаетъ в҃ недвизѣ своемъ, служитъ ему щастїе к҃различному различное: щастїе ему будетъ но обачеже преходитъ в҃скоре всредин҃ѣ жизни своея, будетъ велми богатъ; и жена при-несетъ много богатства ему, емѣе^{т} велїю охоту и любовь к҃ зеле-нымъ травамъ ко украшенію и ѡдѣянію много прибрящетъ дру-зей, но обаче мало щастїя имѣетъ с҃нихъ, назиждаетъ ѡхотно чуждыя земли, скоролюбивъ женамъ, три супружества покажется ему, первая вдова, с҃двема имѣти будетъ сопротивности. Време близнеце^{в} бл҃го есть во всемъ. Въ раке, дакупляетъ, переживетъ братиевъ о҃ца своего наслѣдїемъ необла^{да}етъ, жена его есть близ-

нецъ, или родитъ ему близнецевъ. В' скорпіи имѣетъ болѣзни и тяжкая времена. В'стрелце да непойметъ супружества, или женитбы. В'козероге, ѡбьявится ему смертная болѣ^{з}нь и кровитеченїе носа. В'водоливѣ щастїе ему ѣздити идобро прилѣпится ему ѿ гдⷭ҇нѡвъ великихъ. В'рыбахъ, много имѣнїя стяжетъ, но обаче да брежется воды. Во ѡвнѣ имѣетъ великое щастїе продавати и купляти. В'телце имѣ^{е}тъ печаль, и напасть, здѣ ничесо данепредначинае^{т}, величаишее его шествїе радость, полза, прибытокъ, все щастїе его достоин^{н}ⷭ҇твъ й вышнїя чести но все^{м} страна^{м}, накланяются опричь полудня земли сущія тамо, показуютъ ему величайшее нещестїе накла^{д} оубытокъ чести напасть, нужду, работу, недружбу, все краски суть ему приличные, идобры опричь черныя Всякїя промыслы ихже дадѣе^{т}, суть ему полѣзны добры ищасливы, опричь земленыхъ вещеи, и ихъ рощенія, болѣзнь его слабость тѣла, покажутъ ему в' мужествѣ, начреслѣ^{х} огнемъ и водою смерть его случитъся, тлѣ творны^{х} вѣтръ, или мора, буде переживетъ 25. лѣтъ, то прїидетъ на 60 лѣтъ Дѣва рождшаяся между помянутыми днями равного есть наклоненія якоже ѿрокъ совсемъ повѣденїемъ исклоненїемъ. тонкаго ѡстрагѡ оума, оученна, многими художествы^{х} преи̑(в)ными оукрашенна, и вся еже оумѣти хощетъ во^{з}благодарится еи сицевое оучити, но обаче нетихого смысла, водвиженїи гъ доброму, или злому охотно в'чуждыя земли иде^{т}, обвинится в веща^{х}, инеправда еи случится, но обаче счестію ѿтуды ѿиде^{т} итако буде^{т} мо^{л}чалива, друзи ея мала добра ей пока^{зу}ю^{т} и кчести прїиме^{т}ся бе^{з}и^{х} помощи, два честныя мужа еи покажутся еди^{н} ѕло ей твори^{т}, или недобро снѣю жити будетъ Величайшая радо^{с}ть полза иприбытокъ веякаго щастїя: склоняю^{т}ся ковсе^{м} земля^{м}, опричь полудня земли тамо сущїя, показую^{т} всякое неща^{с}тіе ща^{с}тіе ея, краски, болѣзни и смерть случается еи яко выше, яко оу ѿрочати»

Листъ 10-й (№ 6). «мѣсецъ Іунїи»

Изображенїя: «с҃ кїрїлъ алеѯ҃ и҃ кірїлъ см (бело) ѳеодор (стр) — п^{д} онуорї ве п^{д} петръ аѳо҃н^{с} — ржд^{с}тво че^{ст}наго пр҃рка іоан^{н}а пре̑ — пр̑ са^{м}-

ѱона стра^н^но^прі^ — с҃ ап҃лъ петра и павла.—соборъ ст҃ы^х^ славны^х^ ап҃лъ двунаде».

Листъ 11-й (№ 6). Текстъ:

«[Ракъ]

Ѿроча рождшїися между 12 днемъ, іунемъ, и 12 іулемъ, есть, природы знаменїя рака наклоненїя луны олегматикъ студенъ, мокръ, имѣти будетъ полное тѣло, будетъ бѣ частоженескъ, непостояннаго существа, семо и овамо, сухощавъ полонъ лицемъ брада, власы, неравныя зубы, очи его семо и овамо предъходятъ, инеравно круглоглавъ, широкїи лобъ, оускую грудь, подпоясомъ болши тѣломъ, нежели в̀ верху, едва небогатъ желѣнїемъ, тараватъ, боятися, буде^т^ страдати великїя болѣзни, врукахъ и ногахъ, или имѣти будетъ знакъ, настегнехъ, и окрестъ пояса мудръ, оумобогатъ, охудожествахъ, однако лживъ, возлюбитъ ѕлобу аще что приѡбрящетъ небудетъ брещи крѣпокъ вогнѣве своемъ иноко смиренъ молчаливъ, терпитъ поруганїя ѿиныхъ людеи, добре вѣритъ, есть работливъ, скоръ добрѣ ученъ, ростетъ внадежду, и оумаляется, ра^з^ное щастїе имѣетъ вдобромъ, идолго оунего непребываетъ, вѣтроумїемъ его нѣсть долгое пребыванїе наединомъ мѣсте, скоро гнѣвается малыя ради вещи искоро предстанетъ, ивсебѣ самъ ѡдумается, како непостояненъ онъ есть однакоже иногда правду глаголетъ иже оукращаетъ гнѣвъ его, аще имного ѕла оунего есть, оуничтожаетъ многїе вещи безвины, ичуждымъ боле творитъ покорствомъ нежели друзїамъсвоимъ, и хотя велми та^і^нъ есть в̀ веща^х^ своихъ, однакоже все^м^ явны будутъ, что к̀добру задумаетъ ѕломъ кончится, мудръ есть вомноги^х^ вещахъ но небрежеть, что творитъ, имѣетъ часто многія любви кженамъ, покажутся ему двѣ честныя жены, обѣ дѣвы, однакоже мало щастие сними имѣетъ бѣседу лучшую свою имѣетъ съ ѕлыми нечестивыми людми, и ѿсего охотно втемницу веденъ бываетъ, бѣ^з^заслуженїя, и колико работы инавѣтовъ имѣ ѿ юности, однакоже много милости ѿ мїрскихъ г҃дъ обрѣтае^т^, ихже мнози яко бл҃ги ему являютъся быти, однакоже ложне, емуже онъ долгое время

вѣри^{л} ѕло ему творитъ, и ѕлѣ его остави^{т}, нѣсть же онъ сосѣду своему долгое время недругъ, ивыдетъ ѿвсе^{х} ѕлы^{х} ѡбвенѣнїи с̓великою честию В̓лвѣ имѣетъ щастїе ко всякому скоту исеменамъ, переживетъ братїю, и прїидетъ пре^{д}кончиною своею в̓убожество, чада его будутъ своеволны, и ему сопротивны, прїиметъ стыдливую жену однакоже будетъ смирна идобра Егда сл҃нце в̓рыба^{х} есть, имѣетъ щастїе наводахъ ѣздити, путешествовати Во ѡвнѣ имѣетъ щастїе во всемъ еже начинаетъ, Величаишее его щастїе шествїе радость, полза, достоинства его вышнїя чести, суть страны к̓ полунощи, полудень и востоку сл҃нца склонны по̑данны западъ же являетъ оубытокъ, нещастїе, чести оубытокъ, напасть, нужда тру^{д}, непрїятство, сопротивность насилованїя, щастливейшая его ползапропитанїя, ипромысла, покажутся и^{з}воднаго наслѣдїя, иводнаго образа, иличто огнемъ или сквозь огнь приѡбрѣстися можетъ, земныя вещи ненавидими суть ему, суть же ему посредственны, и не оче^{н} велми щасливы. оубытокъ его величайшїи промысла его, суть вещи во^{з}духа, древа виноградїе, воздушнаго рукодѣлїя, древо дѣлателїе, камен^{н}о дѣлцы, корабленицы, и иныя мастеры, весити, мерити, глаголати насудѣ, такождеже все цвѣты суть ему добры, бе^{з}синего лазореваго, смешенаго и чернаго. смерть его прїидетъ ѿзлодѣянїа женъ. и нехощетъ оумрети, голени ранены будутъ, смерти его знакъ есть ѡпухоль, навѣтъ его будетъ первѣе болѣзнь нарука^{х}, зверми вредимо оскорблено стрелянїе, огнь, горячая вода, или воденая болѣзнь окрестъ груди печени лехкаго смерть его ѡбращается, къядовитому моровому поветрїю. или ядовитои крови костей ногъ, егда аще 23 лѣтъ переживетъ, то приступитъ на 60 лѣтъ. ѿроковица рождшаяся, между прежде помянутыми днями, тогожде склоненїя есть иприроды, наклоненїя ея есть скоро гневливо, нестерпиво, инаки в̓скоре добро живетъ инасвѣте, даже до 30 году, тогда наречется домоправителница и вѣра еи будетъ всегда, ѿнѣлеже дапропитае^{т}ся честїю, ѿдвухъ мужеи щастіе имѣетъ и творитъ мужу своему многа бл҃га иприведе^{т} его к̓чести, звѣрь или песъ назнаменитъ ю или оугрызетъ уязвитъ, такожде жена. голени почуетъ

*

язву, знака сиадетъ сверху. Щастїе ея и болѣзнь, падежъ и смерть случаетъся яко выше писано бѣ.»

Листъ 12-й (№ 7). «мѣсецъ їулїи.»

Изображенія: «положенїе че^с^тные рїзы пре҃: бц҃ы. — пр҃п: аоанасїи. пр҃п: се^р^гїи. — с҃: м^ч^: прокопїи у҃тю^ж^: — с҃: м^ч^: кѵрїкъ ї улїта. с҃: владїме^р^: — с҃: хрі҃тїна. с҃: м^ч^: борисъ и глѣбъ — с҃: бг҃опрамте^р^ а^н^на».

Листъ 13-й (7). Текстъ:

«[Левъ]

Ѿроча рождшїися между 13 днемъ, Іулїа, и 15 днемъ аѵгуста, есть природы знака лва склоненїя сл҃нца, колерикъ, сухъ, мужественъ постояннаго оума, приѡбрящетъ ѕѣлочистый лице и обра^з^ тѣла всего. имѣетъ великїя имногїя власы, натѣле, великїя губы, негладкїи подбородокъ . . . . .*силпыя вый, смешенныя краски, бѣлъ, бледенъ скраснымъ, пригожую браду, малыя брови, высокую грудь, долгова великаго, сплнаго тѣла, великия кости, и великїя ноги, яркого гнѣва, искорозабывчивъ, правди^в^ бѣ^з^лсти, постояннаго оума небрежетъ своихъ завистникѡвъ иѕло словящи^х^ насебя, любимъ бываетъ болши ѿчуждыхъ, нежели ѿсвоихъ друзеи, приступитъ ивеликой чести цр҃твїя, прежде даже неумретъ, смелъ, смире^н^ чистъ, неявится внемъ ѕлочестїя, и бл҃годѣянїя его будутъ людемъ прїятны съ благодаренїемъ, поведенїе его добры суть, илюбимъ бываетъ ѿже^н^ велми лехкоуменъ во всемъ мудръ добро ѡбыченъ, оученъ, имного знати желаетъ, добраго языка и кротокъ, пре҃полуднемъ дх҃овенъ есть, потомъ живетъ какъ хощетъ, веселъ идоброуменъ, илюбитъ к҆драгоценному одѣянїю, и прилѣжитъ свое добротѣ и иравотѣ, дх҃овно оучрежденъ, смелосердеченъ, встаросте великїя тяжкїя работы, тайны любитель же^н^ будетъ мла^д^ нецеломудръ, и много игривъ В҆лвѣ имѣетъ щастїе Въ дѣвахъ имѣ^е^тъ щастїе в҆бесѣдѣ, иереживетъ братей своихъ, исестрами своими брань имѣти будетъ наслѣдїя ради, и малѡбудетъ оусвои^х^ друзеи Во ѡвнѣ прїпадетъ ему много добра

* Точки въ подлинникѣ.

И в̓телце богатъ будетъ В̓ близнецахъ имѣтъ щастїе ѣздити ѿграда ко граду.....* И враке имѣетъ щастїе наводѣ, явятся ему два супружеста, и прїидутъ ѿстранныхъ рукъ, бѣздрузей его, послѣднюю долго имѣетъ и погребетъ его.....*Величайшее его щастїе шествїя прадости, полза иприбытокъ высочаишїя его чести показуютъ земли востока сл҃нца, и полудня западъ есть ему щасливъ нонесовершенно Величаишее его нещастїе шествїя и пагуба всехъ вещеи, спаденїе чести, напасть, нужда, тру^д, свара, или сопротивность, по́казуетъ ему страна къ полунощи суща^я всекраски бл҃ги ему суть, и щасливы, опричь черныя, зеленыя, бѣлыя оныя суть ему смертны и нещасливы Величаишее его полза и промыселъ огня или что онымъ стяжатися можетъ, вещь воздуха суть посредственны, но несовершенны Но велїчайшее его оубытокъ и нещастїе суть промыслы въ водѣ или тогождѣ образа, и воденаго наслѣдїя, Величайшая его вреда недугъ, и болѣзнь тѣла, приближится къ правому боку ребръ, ср҃ца, желудка, почекъ, мозга, ока, кости, ногъ, много претерпитъ болѣзней ѿюности, смерть его случается сопухолью около груди, ср҃ца желудка, ногъ или коленъ, излехкїя воденыя кравоты, аще прїидетъ въ 31 годъ, то живетъ до 80 году.....*Ѿроковица рождшаяся, между сими днями равенствуется,....* оному склоненїю, мужественна гнѣвлива, горда, гордыхъ явныхъ дѣянїевъ, жаркаго оума чувству ей знакъ налице, гл҃голетъ явно невскрыте, смѣла, мудраго смысла, теряетъ и разточаетъ многа добра мужами, и оучитъ много художествъ, имиже самася питаетъ пїетъ много, трезво, имноготерпитъ болѣзней женскихъ немощей пноса, собака или иный звѣрь оуязвитъ ю, или оугрызетъ покажутся еи два супружества, имиже достигнетъ щастїя ичести, спадетъ све^р^ху итерпитъ же б^о^лѣзни желудка, огневую щастїе ея и нещастїе случае^т^ся яко выше помянуся»

Листъ 14-й (№ 7). «мѣсецъ їулїи».

Вверху находятся изображенія семи вселенскихъ соборовъ; подъ ними текстъ:

* Точки въ подлинникѣ.

Соборы	Лѣта ѿ адама до 1. собора	Лѣта ѿ хр҃та до 1. Собора	Лѣта меж҇ду Соборовъ	Число ѿцевъ	Імена Градов҇	Цр҃ие	Папы	Патріархи Констян҇тінс҇
1	5826	318	ѿ. 1г҇. до вторагo	318	нікея	Коⷭ҇тян҇тінъ Великіи	Селіверⷭ҇тъ	
2	5882	374	56	150	Кoн҇стян҇тінъ	Өеѡдосіи Великіи	дамасъ	Грігоріи Бг҃ослов҇
3	5923	415	49	200	Ефесъ	Өеодосіи Юныи	Келестин҇	
4	5953	445	30	630	халкидонъ	Маркіанъ	Левъ	Анатоліи
5	6055	547	102	165	Кoн҇стянтінъ	Іустініанъ Великіи	Віргіліи	Евтіхи
6	6184	676	129	170	Кoн҇стянтінъ	Коⷭ҇тянтін҇ Брадаты	Агаөонъ	Георгіи
7	6314	806		367	нікея	Коⷭ҇тянтин҇ и ирина	Андріанъ	Тарасіи

Листъ 15-й (№ 8). «мѣсецъ августъ.»

Изображенія: «проїсхож҇деніе древ҇ чт҃наг҇ кр҃та. — преоб҇раженіе гд҃а іи҃са хр҃та. — обраꙁ҇. хр҃тов҇ нерукот҇ворен҇. — с҃: мч҇: андреи

леѯа^{н}дріи-ски	Антіохі-скіи	Іеруса ли^{м}ски	НАКОГО	ИЗАКАНУЮ ЕРЕ҃
Алеѯа^{н}дръ	Евстаѳи	Макаріи	На Арія Пре^{з}вите-ра Алеѯандріискія Цркве	Аріи гл҃а: тварь Сн҃а Бж҃ія Апе-бе^{з}начална Бг҃а Інеединосущна ѻ҃цу Суемудрствова.
Тимоѳеи	Мелетіи	Кирилъ	Намакедонія Пат-ріарха Констя^{н}ті-на Града	Македоніи гл҃а: тва^{р} св҃таго Анеѻ҃божестве^{н}наго существа Іхр҃-та Кромѣ души Іума, ѕло мысли Ібожеству стѣло҃ егѡ умрети рече.
Кири҃	Іѡа^{н}нъ.	Ювена-ліи.	Нанесторія патрі-арха Констянтина-полскагѡ.	Несторіи гл҃а: Іи҃са хр҃та Про-ста Члв҃ка Іс҃на Бж҃ія Совокуплша-ся тѣмъ Ібц҃у хр҃тородшею Імено-ваше зачто ст҃ые ѻ҃цы Прокленше его.
Аполинари	Маѯимъ	Ювена-ліи	Надіоскора Патри-арха Алеѯандрїи-скаго Іевтіха Ар-химандрита	Діоскоръ Іевтихи гл҃юще: Прі-відѣніе^{м} Плоти хр҃ту анепосуще-ству Істрасти его К҃ бж҃еству При-лагаху
Пон҃тітита			Наорігена Учени-ковъ егѡ	Ѡріге^{н} гл҃аше си҃ телесе҃ на-ши҃ Іовостаніи Імуце Ско^{н}чатися Ібѣсо҃ паки впервы^{н} са^{н} у҃троітіся Іина многа
			Насергія І пира Епископовъ Кон҃-тянтина Града	Сергїи Іпиръ гл҃аху едину во-лю Ідѣиство бжества токмо быти по хрт҃ѣ
			На Іконоборцы	ѡ^{б}ра^{з} хр҃та бг҃а Ічестному Кр҃-ту Іпрочи҃ ст҃ымъ Ікона҃ Покланя-тїся во^{з}браняюще Імучаше ѡка-я^{н}ніи Іхже ст҃іи ѻ҃цы проклятію предаша

стра^{ті}: — усѣ^{к}новенїе гл҃вы Іоа^{н}на пре҃: — с҃: пар҃їа^{р}хи алеѯа^{н}: їоа^{н}: паве^{л}. п^{р}: алеѯа^{н}:»

Листъ 16-й (№ 8). Текстъ:

«Дева

Ѿроча родѣшася между 16. днемъ августа и 13 днемъ сентевриа есть природы знакъ девы наклонения меркурия меланхоликъ студенъ сухъ женскаго ѡбычая ѡбычнаго смысла пригожия главы илица благаго зрака ивида коротки лобъ худои носъ острого вида долгаго скораго тела тонкия чресла долгия голени инози духовнаго ѡбычая благъ является бытї ѡнакожъ зависливъ добраго поведения скоро гневливъ советни советли остро уменъ ѡстрыя слова честенъ чистъ непостоянаго смыслаїскоро подвигнетъся гдобру излу камо кто хощетъ иверитъ все еже ему глаголемо бываетъ зритъ или слышїтъ охотно студъ или поруганїя имеетъ семо повамо ходящпя ѡчи ивсехъ техъ любитъ еже неподъсимъ знакомъ рождени. суть будетъ между братнеми своими всезавидълевиїши переживетъ Ѿца иматерь свою много обещаетъ амало содержї ѡхотно осматриваетъ строения чужия земли дабы любезно ему было творити чуденъ впомышленїи всехъ басенъ учителенъ икрасно глаголателе всякому можетъ удоволие дати навопросы ѡнъ падаетъ ѿ достоиствъ гдругому пополовине старости его Ѿверсто первее будетъ щастпе его честенъ есть чисто ходитъ веренъ вделехъ своихъ имеетъ щастие увеликихъ господъ ивесахъ еще имеетъ сщастие вводоливе почуетъ болезнь инемощи вочреве припупе ѡче инаязыке приїметъ спорливую жену время смерти его есть вровне имеетъ щастие странствовать втелце вблизнеца̂ имеетъ щастпе ковсемъ вещамъ ибогатству враке возвыситься збогатъствомъ вчюждую землю достояние волве имеетъ напасть инужду да брежтъся всие время женитися величаншая его щастие полза прибыто радость величание его чести чина имени кшествию показуютъ ему земли полудня подлежащия изапада сонца полунощныя же посредственныя невелми пользующия дабрежеться Ѿвостока понеже пристоитъ ту напасть смертная нещаслива иподобная печаль беда трудъ свара всекраскї суть щасливы опричь серыя зеленыя красноватыя черныя суть неподлии-

ны нещасливы излы величаишая его польза ипромыселъ і прибытку суть нерастущия вещи ичто ѿземли бываетъ такожде все воздушныя іводеныя вещи или наследие новсе ѿогня исходящия или имъ стяжутся нещасливо ему есть изло величаишая болезнь инемощъ тела случатъся что постраждетъ темницами такожде стенания главы ушеи ѡчесъ сердца чрева внутреннева лихораткою убавления разума исмысла аще доживетъ 40 летъ тобудетъ даже до 60 летъ

Темже временемъ

Ѿроковица родшаяся между помянутыми днями имеетъ много тоежде склоненїя ноесть лехкаго серца ѿсвоихъ зла многа приїме^{т}величаїшая щастия мудра советлїва охотно ходитъ кболящи^{м} стыдлива питатися будетъ работою учениемъ многи^{х} тонки^{х} художест^{в} долгое время ксоседо^{м} будетъ свару имети їли гневатися веселяе есть она зимою нежели летомъ много желаетъ ипосле многихъ наветовъ приїдетъ кчести любятъю ириїдетъ ѿдвухъ мужеи квысочаишему чину жена ему благо сотворитъ несколко времени гневатися будетъ сродителми приїметъ рану или знакъ наглаве первое дитя долго будетъ жить много случаются ей реткие болезни лихораткою поносомъ главою желуткомъ сердечною болезнию»

Листъ 17-й (№ 9). «мѣсецъ септемврїи».

Изображенія: «блг҃ословїши вѣне^{ц} лѣта блг҃сти: твоея гд҃и.— с҃: пр҃ро^{к} захарїа. — воздвиженїе чт҃на^{г} кр҃та гд҃ня — с҃: м^{ч}: сооїа. і дщери вѣра любовь. надежда. — с҃: ап҃лъ і еѵг҃лїс^{т} іѡа^{н}нъ бг҃осло^{в}. пр^{д}: оц҃ъ харїто^{н} їсповѣднїкъ.»

Листъ 18-й (№ 9 и 10). Текстъ, въ два столбца (строки идутъ вдлину страницы):

«Вѣсы. ♎.

Ѿроча рождьшїися между 14 днемъ септеврїа. и. 13. ѡктоврїа. есть прїроды знака вѣсовъ. изкровнаго теило імокро муже-

ственъ движїмаго смысла безᵀости бгатоуменъ. ѡднакоже чуденъ глубокимъ нрїгожпа очи недобры лобъ. Будетъ нарочитыи великои носъ имѣти великия брові. ірамї. малую браду великия бородавки на горле. прїгожъ лїцемъ бледеᵘ. скраснымъ смешенъ. великїиротъ. высоковатымї губами. крѧкїя локти долгия костї. и мїгаетъ очмї. охо̄но ходиᵀ скрївивши главу Будетже іпозабᵇвченъ. скоро гневается. понедолго сїе пребываеᵀ. стыдлївъ. веселаго существа. ичто ктому прїстоїно. ктомуже. бл̄го ему есть. імѣетъ великое прїлежанїе. тѣло свое украсити. охотникъ слушать осѣбе хвалу. ісовсякимъ говорїтъ недоволно смїренъ. скорого гневаскоро ѡбращается. забᵇвчїваго смысла імѣсᵀ иногда знакъ наліце іли натѣле. младъ нецеломудръ їсклоненъ кблуду. щастие его есть разлїчное. падаетъ ѿдостоинствъ аще иохоту імѣетъ. кмногимъ художествамъ імѣетъ любовь івещи своя хранїтъ вскрытѣ покажутся ему супружество оно даневозпрїиметъ до 24. году старости своея аще нїстраждетъ болезни. яко послѣдуетъ внапасть падетъ ѿдѣвы. или дѣвою. вѣсы ему есть добры ищасливыи знакъ. въскорпїи імѣетъ щастие. куплями іпродажами. проидетъ земли. однакоже оумретъ во ѡтечестве своемъ. переживетъ ѿц̄а своего. мало ползы ѿчадъ своихъ імѣти будетъ іврыбахъ много болѣзнеи претерпитъ зимою женится. стяжетъ велїю любовь къженѣ. Втелце време смертї его. Вблїзнецахъ імѣетъ сщастїе странствоваᵀᵀ. враке нарочито ему богатство приразится аще утреннюетъ оно ему. Величаишее его щастїе шествїе. радость ползa прибт̄окъ. Величаїшыя егочестї. Бʸдетъ вполовїну время жизни. его. Волве едва небогатъ бсть. Вдѣве имѣетъ печаль іпротивноᶜти чинъ его ишитанїе склоняются кзападу солнца. кполунощї востокъ есть посредственень нещасливъ. краски суть ему добры. якѡ. василковая. бѣлая. желтая. черная. зеленаяже. красная. серая. смешаны суть нещасливъ. излы. велїчаишее его полза іпромыслъ. прїбт̄ка. показуютъ ему все воздушныя. воденыя вещї. сицеваго образа или употребленїя. ічто весъ дати могутъ. овощъ лекарство. іли что огнемъ стяжатїся можетъ есть посредствено. новсе земленыя вещи суть ему ни нещасливы нїже злы болѣᶻнь его інемощь тѣла

чувственнї будутъ в главѣ поврежденїя. являютъ велїи недугъ вшеи. плечахъ. внутреннемъ въ левомъ боке. смерть его обращается коѿравленїю кровї. или ѿраву [ядъ] прїиме^{т} чрезъ злыя жены. ѿроковїца рождшаяся между семи двемаднямї неможетъ сїцеваго ізявленнаго наклоненїя удалїтїся. прїгожа буде^{т}. бела скрасны^{м} смеше^{н}на іротъ увсяки похотеї тела. бл҃го еи есть. іеденїе^{м} ипїтїе^{м}. изрядное украшенї одѣянїя танцовати. скакати. пѣті забавлятїся бл҃гоугождатїся еи. есть тїхаго лехкаго ума острыя слава іславна влюдехъ вся женскаядѣянїя любовь і блудъ доскончанїа своего творитї буде^{т}. мудра несколко есть нонедолго унеї сїе пребывае^{т}. покажется еи супружнїкъ онаго едвалюби^{т}. почуе^{т} вре̑ илї знакъ налїце іли болѣзнь горящею водою. івстаростї много прїключающїхсяболѣзнеи вглавѣшеї. напогахъ ивочревѣ претерпитъ.

Скорпїя. ♏.

Ѿрокъ рождшїися между 14 днемъ октоврїа ї 12. декемрїа. есть природы [естества] скорпїи. образаѳлегматїкъ студенъ. і мокръ. женескъ наклоненїя Марса. буде^{т} прямыи. чл҃къ скорого тѣла. їдобрыя краски. круглыя главы. шїрокїи (велїкїи) лобъ. поло^{н} лїцемъ. тол^{с}тыя ї белыя губы. велкая брада. много власовъ не прїгожь обра^{з}чїстъ. ї гордъ вдѣле^{х} свои^{х} стоп^{т} яко левъ. кому бл҃гоѿвори̑ тои ему зло дѣе^{т}. їмнозї ненавїдя^{т} его. хотя велмї добрѡ. всякому хоще^{т}. боя^{з}лївъ. ти^{х} смїренъ. однакоже скупъ невѣренъ. нелюдїмъ. їегда познае̑ся. то возлюбленъ будетъ женамї. завїслївъ. їжестокъ вогневе. тако что нескоро остави^{т} гневъ егда подвижется. буде^{т} же інаморе инаиныхъ велїкїхъ водахъ путешествоватї ипромышлятї. прїиде^{т} кчестї идоброму случаю супружною своею женою. іональ прїде^{т}ему чрезъ дховность ра^{з}точи^{т} їмѣнїе свое с злочестївымї. которыя ему потомъ ругаются. іпоносятъ. бл҃гомни^{т} себѣ быти егда хвала ему прїлогается. аще онъ честолюбивъ. вся помышленїя. его їду^{т} кнечїстоте. ївеликої любве женъ. імало его

прїемлю^{т}. инемного люби^{т} іграть. есть тїхъ таїнъ свещмї своими і боя^{зли}внїхъ. іному мудръ совѣтомъ нежели себѣ самому много мыслитъ всебѣ. ноωб^{а}че не много паки вздумаетъ. глупаго ср҃дца много есть і пїетъ спи^{т} зло. [худо] прїраженїемъ чудныхъ помысловъ. отягченъ многою печалїю [меланхолїею] ярокъ. скоро во гнѣве движїмъ і гл҃голетъ явна его. потомъ. зжалѣется. впреда послѣдуетъ. во гнѣве своемъ не милосердъ есть. и мыслитъ. сотворїти ѕло. однакоже оставляетъ оное. хотя долго оное помышляе^{т}. невсякому поверяетъ добре обещанїя своя. хотя [аще] искоровѣри^{т} са^{м}. втрудѣ своемъ ілї вещехъ. всегда есть жестокъ. непрестанчивъ. не миренъ. искоро разкаевается. есть же дх҃овнаго состоянїя. Вскорпїи імѣетъ щастїе купитї і продаватї. переживетъ отца своего и мать. дѣти его будутъ разумныя людї. есть же онъ лучшїи. между братиями съвоїми. скорби его будутъ силная лїхоратка. і вихри. ісицевое ему вящее покажется. Въ овнѣ. егда сл҃нце внемъ есть. Егда въюнце жену поиметъ. щасливо ему будетъ. Вблїзнецахъ смерть ему грозится Враке щастїе і бл҃годать имѣетъ. Волвѣ стяжетъ богатство. Вдѣве імѣетъ щастїе вовсемъ еже начнетъ. Въ вѣсахъ імѣетъ протївностї. Ѿложнаго свидетелства. наднїмъ случающїмся. Велїчаїшее. его щастїе ш҃ствїя ползы. і прибытка. велїчаїшїя его честї. суть зе^{м}лї квостоку сл҃нца іполунощї. полудень есть посредственъ. несовершенъ. новелїчаїшее его нещастїе всехъ вещеї Ѿпаденїе честї напасть. нужду. попеченїе печаль непрїятство протївностї. показуѽ ему земли запада сл҃нца. лучшїя его краски суть зеленая бѣлая. лазоревая. но желтая. їли черная красная. смешенна синемъ. суть ему нещасливы ѕлы. Велїчаїшїи его прибытокъ ползы суть промыслы. водяныхъ вещеї илї наслѣдїевъ їчто огнемъ случается. їли жаркия вещї. смирны. коренїя. вино. земле питанїя [промыслъ] не суть ему щасливы. ноточню посредственны. новсе воздушныя вещї в высотѣ суть смертныи нещасливы. такожде же вся дѣянїя женская і украшенїя. болезнь їнемощъ его тѣла есть раненїе истенанїя главы. очеи слуха. болѣзнь влевои странѣ. ломъ рукъ. лактеи мужества. смерть его їзсихъ скорбеи едїна приключается. или ядовитымъ воздухомъ моровымъ кровленїемъ. волшебствомъ. їлї диа-

волски^м привидѣнiемъ. [навожденiемъ] аще 40. лѣтъ доживетъ. та живетъ даже до 72. лѣтъ. вслужбе Бжïи умретъ iпогребенъ будетъ. Ѿроковицарождьшаяся между помянутымї двема днямї содержится подобнаго естества. постояннаго смысла. прïидетъ кчестї мужемъ свои^м iнедолго упего смïрна есть iзлочестïя непочïтае^т. творитъ своï трудъ. гневомъ. ï говори^т гнѣвлïво люби^тложъ. ïчто нагнѣвъ привестï може^т. завïдлïва ненавïстлïва. внутрï есть помышленiя бжественнаго. ïлï дховнаго умастенанiя ïскорбï ея есть окре^стъ пупа. печенï пузыря. скорбь главная очесъ. зубовъ ïедïною Ѿскорбеï умре^т iлï моровы^м во^здухо^м. ïиспорчены^м кровленiе^м. жена сотвори^т еï зло волшебство^м. iдïаволски^м. навожденiе^м. спадеже она сверху оскорбленiе^м iлï знакъ налïце. iнарука^х прïиме^т ща^стïе ея паде^тъ граскï одѣяны созеля иболѣ^знмïявяся яко выше начертася.»

Листъ 19-й (№ 10). «мѣсецъ ѡктоврïи».

Изображенiя: «покро^в пртые влчцы ншея бцы — сты аплъ ѳома — с мчнкъ логги^н сопикъ — с аплъ i еvглис^т лука — с аверкïи iерапо с 7 отро во ефесѣ — с влкомч дïмïтрï^и селу^н»

Листъ 20. (№ 11). «мѣсецъ ноемврïи.»

Изображенiя: «стые чюдо^т: комы i дамïа^н. — собо^ра^рхïе: мïхаила. — с: iѡа^нъ златоусты^и. — в'хо^д въ хра^м престые бцы. — с: велïком^ч: екатерïна. — с: аплъ а^ндре^и пе^рво^званныи.»

Листъ 21. (№ 11 и 12). Текстъ въ два столба (какъ и на листѣ 18-мъ).

«Стрѣлецъ. ♐.

Ѿтроча рождьшïися. между 12. днемъ ноемврïа. и 13. днемъ декемврïа прïиметъ прïроду нася. знака стрѣлца ïзхолера [гнѣва] жарокъ. сухъ. мужъ ïзрядныи юноша. изрядныя краски. не глаткия глвы. долгïя худыя власы. долгое лице добраго глголанiя. ïзрядныя ѡчи. великия брови. нарочïтая брада. щеки долги. крïвои носъ. посредственныи ротъ. iзрядныя губы. верхнïя зубы болши нежели исподния. верхнïя два зуба ширеи нежелï протчïи красныя краски

їмѣетъ знакъ наперсехъ. стяжетъ худое тѣло задомъ лучшїи в зоромъ [видится] нежели преди. їзряднаго лїца. прїятенъ. силныя лактї тонкия власы. великия голени добрыи чл҃къ будетъ. бл҃годаренъ. вѣренъ. праведенъ бе҃лжи. любитъ правду. скоро гневлївъ. ї скоро паки бл҃гъ нїкому тако вреда есть яко саму себе. есть смѣхотливъ. и веселъ людми. мїлосердъ. ѡхотно размышляетъ [завѣщаетъ] народъ любитъ его тихъ ипостоянаго сердца. имѣетъ много чести ѿнарода богатъ бываетъ. великїи домодержецъ [водецъ] противъ людеи добръ глаголанїемъ. не много почитаетъ ѕло бе҃ его [за очи] гл҃голющихъ. гл҃етъ. ѡхотно съ собою самимъ. добрыи совѣтникъ. любятъ его чуждыя. и неявляется же никое ѕлочестїе внемъ. и имѣти будетъ знакъ наногахъ или наголеняхъ. первее есть боязливъ. и егда правду быти прїметитъ то онъ много смѣлѣишїи идерзокъ. впадетъ в печаль їбуду. искоро поб҃дитъ. много добра начинаетъ. помаложе скончеваѣ дх҃овныи чинъ есть полѣзнѣишїи ему мирскаго. любитъ ижены. два супружества ему покажутся. іаще ѡнъ дх҃овнаго чину [промысла] есть. то б҃дутъ два друга ѿтуду получитъ имѣнїе и честь Въ стрелце имѣетъ доброе щастие. Ивкозероге имѣетъ щастие вжелѣзныхъ вешахъ. И бл҃годать ѿчуждыхъ имже мало добра. творитъ. ѿоныхъ имже добро творитъ. имѣетъ нещевание [ронтанїе] иеблагодарение. Въ козероге. в водолїве. имѣетъ же щастїе. ипобѣдитъ вжизни своеи ѿца и матерь. чада его будутъ премудрыи. оучены. Ивоѡвнѣ имѣти будетъ болѣзни: ѿ изобилна холера и кровности. Иаще поиметь жену возлюбитъ его. Ивраке есть време смерти его. Въ лвѣ имѣетъ щастие ѣздити. И въ дѣве имѣетъ щастие оувеликихъ. г҃ъ къ богатству. Въ вѣсахъ. приразїтся ему добро аще оному подражаетъ. Въ скорпїи имѣетъ напасть. инужду. Величаишее его щастие вшествїи. радость. полза. прибытокъ достоинствъ. ихъ чести являютъ ему. земли. востока солнца. иполудня. западъ есть посредственъ. Новеличаише его нещастие оубытка оубавления чести. нужда. свара. Показуютъ земли. кполунощи. лежащия. щасливыя его краски. суть черна. красноѡ. желто. красновато. сине. смешено. нозелено. лазорево. бѣло сутъ. ему злы Величаишая его полза. или промыселъ прибыли. сия суть

все ѡгненныя или сицеваго дѣяния такожде все разтящее из земли. воздушное. или земленое. Но величаишее. его оубытокъ. суть впромыслѣ водяныхъ вещеи. или сицевыхъ наслѣдиевъ. Величаишая его скорбъ. болѣзнь. тѣла. покажутся влѣвомъ боке. ѡколо грудеи. печени. легкаго. внутреннего и вшеи. приключится ему реткия болѣзни. егда прїидетъ влучшее свое состояние оумретъ. и оугаснетъ яко свѣща. аще переживетъ. 23. лѣтъ. то приїдетъ на 80. Ѯроковица рождшаяся всицевое время, подобенствуетъ такои природѣ будетъ [бываетъ] пригожа. стыдлива. тѣмословесна. не имѣетъ женскаго повѣденїя или ѡбычая на себѣ. впадетъ впечаль имного навѣтовъ постраждешъ. сия сама себѣ творитъ. клевретъ ѕло еи творитъ. ѡна внѣ дх҃овнаго поведенїя. клюдемъ. но внутри же юродивыя любви. мужеи вблудѣ. новстарость прїидетъ кдоброму пропїтанїю. ѿдвухъ супружниковъ. щастїе ея напасть прибытка. пристоитъ яко выше изъявися.

Козерогъ. ♑.

Ѯроча рождшїися между 13 днемъ декемврїа. и 11 иануарїа. есть прїроды козерога. измеланхолїи наклоненїя сатурна. студенъ. сухъ. жн҃скаго обычая непостояненъ движїмаго смысла. сладкословесенъ. круглолицъ смешенъ сщернымъ. їчерноватымъ. ногнутую главу имѣетъ. зритъ долѣ. толстыя губы кудреватъ волосомъ. великия очи. великия брови. широкїя ноздри. полонъ лїцемъ. толстую шею имѣетъ. высокую грудь. сухъ тѣломъ. итонокъ. широкъ вкастяхъ. волосоватъ [косматъ]. імѣти буде^{т} знакъ. наперсехъ. слабу. малыя голени. велико имя его. егда занѣ жїве^{т}. Бг҃у молїтся ѡхотно. много думаетъ ѡдїнъ. інеуминогихъ бываетъ. ѡхотно говорїтъ съ собою самѣмъ. инако вс҃рце чаетъ. нежели словами ічто бл҃го творится. іли служитъ нѣсть ни кое бл҃годареніе. неумствомъ [неумѣнїемъ] своимъ. чуждаго добра милостивъ своего имѣнїя скупъ. імѣе^{т} ѡхоту многими дѣями влюдехъ. его нестъ попечения. или явленїемъ яко быти ему доброму клевретy. втаиложенъ. истыдныя невѣрности. яд^{о}витаго срд҃ца. внѣ добръ. внутри ложенъ. ѡбещаетъ и говоритъ много. но содержитъ и творитъ мало. лживъ и славенъ

однако же нѣсть коварства. ктомуже ѡбманїтъ много женъ. ѡднакоже не много богобоязливъ будетъ. оубогъ. неблгодаренъ. боязливъ будетъ яко козелъ. бываетъ гнѣвливъ. сие не долго пребываетъ. много есть иниетъ. имного женъ приведетъ. кпадению. Два супружества ему показуются. иѿтѣхъ имѣетъ щастие ноневѣритъ. имъ. ѿдѣтеи своихъ всемъ прибыткомъ искати дабы былъ тисненъ [понужденъ] будетъ. болши убогъ нежели богатъ. имного труда страждетъ даже до 40 лѣта. Впослѣдния лѣта [старости] ѡбратїтся щастїе его кпаденїю. [непаденїю] собакою или инымъ. звѣремъ назнаменуется или ѡскорбится. что инымъ покидаетъ. [оставляетъ] то онъ охотно подымаетъ худо бится аще кто ему погрозитъ. Козерогъ есть домъ ѡбитания [жития] его Ивводоливѣ имѣетъ щастие купити ипродавати. нонебрежетъ же онъ аще инеправдою приѡбрѣте. братия его. суть лучши ибогобоязливѣе его. будетъ противъ оца имтри своеи братися. Въ близнецахъ имѣти будетъ болѣзнь на ѡчахъ. наязыке. и впечени. и аще жену поиметъ вдова будетъ. Ив вѣсахъ щастие имѣетъ ко всемъ вещамъ. величаишее его щастие вскорпїи такожде величаишее. щастие ползѣ иприбытку его вышнїхъ достоинствъ склоняются кземле запада солнца. иполудне. земли полунощи суть средния. землї востока показуютъ ему нещастие ипротивность. Щасливую ползу пропитания возпрїяти себѣ. приходятъ ему и оупотребления всехъ воздушныхъ вещеи всего земле дѣланїя. итяжкая рукодѣлия. плотничать. камень рѣзать. стѣну вести. гору копать. покърывати. водяныя оупотребления или наслѣдия суть средняя. изелѡ злы. лучшыя его краски суть. черно. красно. исмешено с синимъ. бѣлѡ суть соединя. протчїя суть. нещасливы. ѕлы исопртївны. все дѣянїе или стяжанїе огня суть ему нещаслївы и ѕлы. болѣзни искорби его тѣла начнутся нарукахъ. налактехъ. стегнахъ иногахъ. срце. ночки. желудокъ. аще 22 года переживетъ. то прїидетъ на 40 лѣтъ. Ѿтрококовица рождшаяся вуреченное время приѡбщается онои природѣ целомудра. разумна. смѣящїися ротъ. возлюбится ѿлюдеи велию благостынею. прїидетъ кчести и богатству ѿчуждыя руки и раздѣляетъ хлѣбъ свои совсякимъ. болши чиста нежели нечиста. есте-

ство ея требуетъ дву мужеи сочетания. ѡныхъ честити будетъ совѣтомъ своимъ. илюбитъ ѕѣло дѣтеи много сопротивно постраждетъ ѿ сосѣда своего. много скорбеи ѡкрестъ ср҃ца ея щастие. падение и болѣзнь есть яко выше.»

Листъ 22. (№ 12). «мѣсяцъ декемврїи».

Изображенїя: «с҃: ве^{л}:м^{ч}: ва^{р}вара. пр҃: їоа^{н}нъ дама҃.—с҃: нїкола^{и} чюдо^{т}: — с҃: а^{м}вросїи медїо^{л}: п҃: іоа^{н} по^{ст}: — зачатїе с҃: а^{н}ны. е^{г}да зача^{т} с҃: бц҃у. — недѣля сты^{х}. праоц҃ць. — ржт҃во г҃да і спса҃ нш҃е^{г} їс҃а хр҃та».

Листъ 23 (№ 13). «мѣсяцъ їаннуарїи.»

Изображенія: «ѡбрѣзание г҃дне. — сто҃е бг҃оявленїе г҃дне. — по^{к}лоненїе верїга^{м} с҃: пе҃ра. — с҃: макарїи р^{м}. п҃^{о}: макарїи е^{гї}: — с҃: еѳре^{м} сѵ^{рі}. с҃: ефре^{м}. ново^{о}: — с҃: васїлі^{и}. ве^{л}: с҃: гріго^{рїи}. іоа^{н}нъ.»

Листъ 24. (№ 13). Текстъ:

«Водолѣи ♒.

Ѳтроча рождшїися между 11. днемъ їаннуарїа. даже до 9 днеи февруариа есть. природы исобства знака водолѣя. и скровности теплои. волготнои. воздушно мужественно. постояненъ наклоненїя сатурна. долгая глава. илице. долгїи худыи. носъ. пригожия брови. смешенъ счернымъ [черноватъ] власы икраска. искоро краснѣетъ подлицемъ. имѣетъ худое тѣло. добрыя ипостаси. тѣломъ. взоромъ бываетъ бг҃оглаголивъ молчаливъ. исмиренъ. тихаго ср҃ца. илехкия крови. добрыя воли. ненавидитъ лжи. икоторыя сие творятъ. имѣти будетъ знакъ налактехъ. или наногтяхъ скоро гневливъ. тонкая краткая рѣчь. ѡхотно ѡдинъ сокровенныя вещи творитъ ився дѣяния. славенъ влюдехъ. добрыя воли. ѡхотно прибесѣдѣ иможетъ себя внародѣ примирити [оумплостивитися] приїдетъ кпадежу. истраждетъ. оубожество. иникто ѡнемъ непопечется. ѡнележе вѣритъ. Потритцети лѣтехъ прїидетъ кдоброму покою. и тогда имѣти будетъ постоянное житїе ѡхота его есть шествие покажутся ему два супружества. едина вдова ѕѣло возлюбится

Ѿженъ. имѣетъ же ичесть Ѿнихъ охоту кчадомъ имѣетъ. есть ѡнъ не много. скупъ. илѣнивъ. всегда имѣетъ попечение ипечаль мечтуетъ или говоритъ съ собою самъ. братомъ своимъ прїидетъ [впадетъ] вразъпрю. скѡро сѣдѣетъ. добрыя старѡсти. и имѣетъ ѡхоту кчерной краски. ѡнъ есть между братиями своими лучшїи. и пережив҃тъ Ѿца имать съвою. чадо его оубиенни иведены будутъ. многихъ женъ разтлитъ. имѣетъ охоту кчернои краски.

Величаишее его щастие кползе и прибытку. радости. шествия. велия чести. суть земли къ западу слн҃ца. и полунощи. Востокъ есть посредственъ. несовершенъ. Но землиже полудныя суть нещасливы. и злы, смертны. сопротивны Вводолѣи имѣетъ онъ лехкїи оумъ иveселыи.

Въ рыбахъ имѣетъ щастие иприбытокъ наводѣ. И враке имѣетъ болѣзнь.

Въ дв҃ѣ есть время смерти его. Въ вѣсахъ имѣетъ щастие истранствовти. Въ скорпїи будетъ богатъ.

Iвстрѣлце ничесо данепредначинаетъ зане всѣ ему нещасливо всие время. щасливыя его краски суть серое. зеленое. нобѣлоеже сине смешено нещасливы суть протчия средни.

Величаишая его полза и промыселъ прибытка кпропитанию. суть все воздушныя иводяныя вещи исицеваго наслѣдия яко҆ труды. сажелки. мелницы. иподобналь промыслъ огня есть среднеи. незлы но все еже стяжания земли исицеваго҆ наслѣдия суть нещасливы. паще 32 лѣта переживетъ то будетъ старъ 80 лѣтъ. Болѣзнь его тѣла творитъ [зачинается] вколеняхъ иголенехъ. ѡкрестъ главы. груди. печени. чрева ипротчия.

Ѳроковица рождьшаяся вподобное [взнаменованное] время. равенствуется ѡному естеству. мудра. ичестна внароде. наипаче Ѿдховнаго чину. и Ѿтого кбогатству прндетъ. ивеликои чести. имного собираетъ добра скорымъ гнѣвомъ часто приходитъ она внапасть ихудо слышитъ. знакъ или примѣта налице. собака или зверь назначитъ еи. Болѣзнь въ водѣ. главѣ. ѡчасѣхъ. оушахъ. грудяхъ. лехкомъ печени. чревѣ. внутреннемъ и настетна прїи-

детъ. щастие ея ипадение краски ипротчия случаются яко выше начертася»

Листъ 25 (№ 14). «мѣсяцъ феѵруарїи.»

Изображенія: «с҃тое стрѣтенїе г҃дне. — с҃: сѵмеон бг҃оп. с҃: анна прор: — с҃: харламнїи. п҃: прохор лоб: — с҃: велїк: мч: ѳеѡдор тѵрон. — обрѣтенїе гл҃вы іоанна пред: — прп҃бныї кассїанъ римля:»

Листъ 26. (№ 14). Текстъ:

«Рыбы. ♓.

Ѿроча рождьшїися между 9. днемъ февруариа. и 12. днемъ марта есть природы знака рыбъ. ѳлегматикъ студенъ мокръ водянъ. женескъ простыя ипостаси. среднего тѣла ишеи. долгое лице. имѣти будутъ знакъ назади или нарукахъ худыї лобъ иносъ. изрядныя круглыя очи. велия брови. имѣетъ посредственныи ротъ. выставленыя зубы. изрядныя губы. смешеныя краски бѣлыя счернымъ. долгия худыя власы. хожденіе краткое. честнаго жития скупъ будетъ. ястъ иппетъ много. добръ имилостивъ. мало говорливъ. инекогда [иногда] лживъ. стыдливъ. заговорливъ. непостояненъ. слабаго естества. боязнивъ. ктому скоро пиянъ. иради. малыхъ вещеи несмиренъ. [споритъ сварится] сладкословесенъ. будетъ же велїчаиши вбрати своеи. ипротивъ ѿц҃а своего будетъ брань чинить иразпри дѣяти. покоренъ. предмногими людми. скорого щастия. любитъ хвалу самъ ѡсебѣ изрядныи гл҃голатель будетъ. неверитъ. боится вдомѣ своемъ. ивозтужится имѣетъ ѡхоту рыбъ ловити извѣреи. исимъ добрыи клевретъ. не целе(ло)мудръ. жена его прїидетъ ему ѿчуждыя руки. и ѿнея имѣетъ честь идобро. но невѣритъ еи. того ради часто во оубожество впадаетъ. есть немощныя природы всплѣ своеи. Врыбахъ есть ѡнъ лехкоуменъ. Во ѡвнѣ имѣетъ. щастие вовсехъ плодахъ земли. Волвѣ имѣетъ болѣзнь. ичуденъ будетъ всие времена. Аще въ вѣсахъ боленъ будетъ смерти себѣ даѡжїдаетъ. И вскорпїи имѣетъ щастие шествовати. Встрѣлце будетъ богатъ. И вкозероге имѣетъ щастие купляти и продавати. Въ водоливе ничесо

*

даненачнетъ зане сие время супротивность ему. Величаишее его щастие высочаишия чести. ползы. прибытка. шествїе склоняются кземлямъ. полунощи. ивостоку слн҃ца земли кполудню. суть ему нещасливы. но западъ сл҃нца есть золъ исопротивенъ. лучшия его краски суть серая бѣлая. зеленая протчия суть злы. си несмешенно средъне. лучшїи его промыселъ кпище иприб^{ы}тку суть водяныя вещи или наслѣдия ичто изземли ѡбрѣтается. ѡгненныя веши суть среднии новся воздушная дѣяния. велми суть нещасливы излы. болѣзнь искорби телѣсъныя. ѡбъявляются вполъ старости. ѡколо ср҃ца. желутка [стомаха]. почекъ. боковъ. иребръ. наголенехъ или ногахъ. жаромъ. или ѡгненною болѣзьнию [смерть прїиметъ злымъ языкомъ ѡкормлениемъ ѿженъ. волшебъствомъ или диаволскимъ привидѣнїемъ.

Дѣва рождшаяся всицевое время. тогожде склоненїя будетъ честна велика. богобоязливаго лица. дх҃овнаго жития гнѣвлива. иногдаже имѣе^{т}. дикую ипостась иретко ѡбладаетъ ѿеческимъ наслѣдиемъ. есть тонъка впомышленїи дурачевскаго повѣденїя. поиметъ рукодѣлника и немѡществуетъ. съ сосѣдомъ сваритися будетъ несколко времени. припадающимъ редкимъ шастиемъ. наипачеже ѿдховныхъ велми почтенна. претерпитъ стыдъ исрамоту [оубытокъ] оуперваго мужа или въ юности. спервымъ мужемъ. ея величаишее щастие ивстарости доживетъ добрыя. радости. илиеже неуповаетъ. постраждетъ болѣзни матерния ѡгнемъ. голенеи. ногъ. желутка. ср҃ца. ипочекъ смерть ея прїидетъ спаденїемъ. или окормлениемъ. краски ея щастия инапасти. якоже выше. изъявися.»

Листъ 27-й (№15).

Изображенія: «Прі^{т}ч: мытаря і ѳаресея — Страшно^{и} Судъ, — Вхо҃ во іерусали^{м}. — Воскресеніе — Во^{з}несеніе — мол҃ніе хр҃тово.»

Внизу таблица, въ которой показаны: «пра^{з}ніки лѣта» и «неісходімая па҃халія по ключевы^{м} па҃халны^{м} літера^{м} о пра^{з}ніце^{х} яже кі^{иж}даго лѣта преходя^{т}.»

Листъ 28-й (№ 16), двойной вдоль.

На немъ изображено: «четыре міра поразумѣнію древніхъ четверогубымъ соединенiемъ сравненныя».

Начерченъ большой, во всю страницу, кругъ: «миръ первыи преначалнѣишіи или образныи и мыслительныи».

Онъ раздѣленъ двумя горизонтальными линіями на три части, заключающія три меньшихъ круга: «міръ II агглскіи», «міръ III звѣздныи» и «міръ стіхиᵃны или тѣлесныи».

Каждый изъ этихъ меньшихъ круговъ также раздѣленъ на три части и содержитъ по три еще меньшихъ круга:

«1 началство первое», «10 началство второе» и «100 началство третие» (въ 1 маломъ кругѣ); «1 чинъ первыи», «10 чинъ вторыи» и «100 чинъ трети» (во 2-мъ); тоже (въ 3-мъ). Каждый изъ послѣднихъ въ свою очередь дѣлится на три части и заключаетъ по три самыхъ малыхъ круга, которыхъ такимъ образомъ получается девять: «2 сераѳімі», «3 херувіми», «4 престолі» (въ 1-мъ изъ меньшихъ круговъ); «20 господствія», «30 начало», «40 власті» (во 2-мъ); «200 силы», «300 архангелі», «400 аггли» (въ 3-мъ); «2 перводвіжімое», «3 твердь», «4 ♄» (въ 4-мъ); «20 ♃», «30 ♂», «40 ☉» (въ 5-мъ); «200 ♀», «300 ☿», «400 ☽» (въ 6-мъ); «2 огнь», «3 воздухъ», «4 вода» (въ 7-мъ); «20 земля», «30 круж-ці ілі руды», «40 дши возрастающия» (въ 8-мъ); «200 сѣмена насевателныя», «300 земная жівотная водная», «400 чел(о)векъ» (въ 9-мъ).

Листъ 29-й (№ 17).

«вторая таблица новолунія I первои Чѣверти вонех I часах пополудни I пополунощи якоже I полнолунія.»

Сбоку справа помѣщены: вверху — «фигура ѡсіянія луны», внизу — «показанія луннаго сіянія» (объясненіе).

Листъ 30-й (№ 18).

«Новая таблица круга луннаго на. 19. лѣтъ. іпаки обращается на первое Внеиже Предложено Полнолуніе I последняя Четверть во днех I часахъ По полудни I по Полунощи Ізчисленная».

Сбоку, справа, помѣщены: вверху—«Θігура озаменіи Слнца І луны очего Бываетъ Полнолуніе І новолуніе.» Внизу—«употребленіе таблицъ».

Листъ 31-й (№ 19).

«ИЗЪЧИСЛѢНИЕ

Долготы. широты. и великости. началнѣйшихъ недвижимыхъ звѣздъ. Разсужденіи тїхоническихъ. кначалу описанїа Іулиава приведенное.

Имена звѣздъ	ДОЛГОТА				ШИРОТА				
	зна:	гра:	мну:	секу:	гра:	мну:	секу:	с(т)ра:	
1. звѣзды зодиака.									
1. Сѣверная в'верху рога ♈ . . .	9	28	10	57	7	8	30	Ю	4
2. Свѣтлая пятнаковатї того . .	10	2	39	57	9	57	0	Ю	3
3. Око дождевница звѣзда повѣщца ♉	11	4	46	57	5	31	0	С	1
4. бабръ в'верху главы. ♊ . . .	0	25	14	57	10	2	0	Ю	2
5. Полюхъ в'низу главы. ♊ . . .	0	18	16	57	6	38	0	Ю	2
6. Щука южная.	1	2	31	57	3	8	0	Ю	4
7. Щука сѣверная.	1	3	51	57	0	4	0	С	4
8. Серце царское. ілї васїлїс ♌	1	24	50	57	0	26	30	Ю	1
9. Свѣтлая хвоста. ♌	2	16	30	57	12	18	0	Ю	1
10. Класъ. ♍	3	18	49	57	1	59	0	С	1
11. Чаша плоская сѣверная. . . .	4	10	4	57	0	26	0	С	2
12. Чашажъ южная	4	14	21	57	8	35	0	Ю	2
13. Серце ♎ противусѣверная . .	5	4	46	57	4	27	0	С	1
14. Влѣвом плече стрѣлца	6	7	24	57	3	31	0	С	4
15. Южная ♐. в'роге верха	6	28	51	57	7	2	0	Ю	3
16. Сѣверная в' тоже рогу	6	29	24	57	8	42	0	Ю	3
17. в'средине между сихъ половина.	6	29	24	57	6	53	0	Ю	6
18. Лѣваго плеча. ♒	7	18	24	57	8	42	0	Ю	
19. Послѣдняя ноздріянїи дымитъ	7	24	45	27	21	0	0	С	1
20. Свѣтлѣишая навов'редноти прилѣпляетъ.	9	24	21	27	9	4	30	С	3
2. Звѣзды южныя.									
1. Хвостъ мевѣдя малаго . . . . . вождь звѣзды полярныя.	11	23	36	27	66	2	0	Ю	2
2. Послѣдняя звѣзда. хвоста мевѣдя велїкаю	2	21	45	57	54	25	0	Ю	3
3. В'прїятїи.	10	2	50	27	46	35	30	Ю	3

Листъ 32-й (№ 20).

имена звѣздъ.		долгота				широта				
		знак.	град.	мин.	секун.	град.	мин.	секун.	стран.	
4.	Кран андромеды	9	25	22	57	25	59	0	Ю	2
5.	Верхъ трїуголника	10	1	52	57	16	49	30	Ю	4
6.	Глава медузова ілї алгед	10	21	10	57	22	22	0	Ю	3
7.	Козелокъ в'лѣвомъ плече. гениоха	11	16	49	57	22	50	30	Ю	1
8.	Свѣтлая в'плече право м	11	26	25	57	21	27	30	Ю	2
9.	Власы вероникїны	2	18	50	57	28	25	0	Ю	3
10.	Аритурусъ или возатан-звѣзда	3	19	12	51	1	2	30	Ю	1
11.	Свѣтлая вѣнца короны	4	7	11	27	44	23	0	Ю	2
12.	Глава геркулесова	5	11	4	57	37	23	0	Ю	3
13.	Глава ѡѳїулова	5	17	23	57	35	57	0	Ю	3
14.	Наглавѣ змїя светлѣишая в'превышенїи	5	6	53	27	75	21	0	Ю	3
15.	Секвенсъ	5	22	57	37	75	3	30	Ю	3
16.	Свѣтлая скрипицы	6	10	16	57	67	47	50	Ю	1
17.	Свѣтлая влапакервлапа	6	26	47	57	23	21	30	Ю	2
18.	Впрятїи лѣбедя	7	16	58	57	9	0	30	Ю	3
19.	Нахвосте лѣбедя	8	0	27	27	59	56	30	Ю	2
20.	Пупокъ пегаза. Глава андромеды	9	9	20	57	10	42	0	Ю	2
	3. Звѣзды севѣрныя.									
1.	Ясная челюстеи кита	10	9	20	57	12	37	0	С	2
2.	Ясная хвоста кита	8	27	29	57	20	47	0	С	2
3.	Праваго плеча Орїона	11	23	45	57	16	6	0	С	2
4.	Лѣваго плеча тогожде	11	15	56	57	16	53	0	С	2
5.	Первая..	11	17	24	27	23	38	0	С	2
6.	Средняя. болтея	11	18	27	57	24	33	30	С	2
7.	Послѣняя ілї поясавоен	11	19	40	27	25	21	30	С	2
8.	Лѣвыя ногї орїона регель.	11	11	50	57	31	11	30	С	1
9.	Пса везїкаго сурикда	0	9	9	27	39	30	0	С	2
10.	Пса малогѡ процїонъ	0	20	52	57	15	57	0	С	2
11.	Канопосъ	0	8	33	57	73	0	0	С	1
12.	или серце ужа воднаго	1	23	19	27	22	24	0	С	1

Сихъ звѣздъ качества и дѣйства ѡбрѣтаются вонны планетныхъ книгахъ ѡписаны суть, здѣже запространность ѡставихом ѡписати,

Листъ 33-й (№ 21), двойной вдоль. Посрединѣ — крестъ изъ знаковъ планетъ; по угламъ надписи: вверху, въ кругахъ: «дѣиство осо^{б}ное опремѣненіи во^{з}духа, осхо^{ж}денія плане^{т} в'ро^{з}ныхъ знака^{х} зодіячныхъ» и «дѣйство общее опремѣнени во^{з}духа осхо^{ж}денія ісоо^{б}разованія плане^{т}»; внизу, въ трехъугольникахъ: «дѣйство ѡпремѣненіи во^{з}духа ѿ. ♂. П. ♉. плапе^{т} времени весне^{н}ного і лѣтнего» и «дѣиство опремененіи во^{з}духа ѿ. ♂. П. ♉. плане^{т} времени есенного і зимняго».

Въ четырехъ таблицахъ, по сторонамъ креста, разграфленыхъ на маленькіе четырехъугольники, показана зависимость состоянія погоды и атмосферическихъ явленій отъ планетъ.

Внизу подпись: «Пре^{д}знаменованіе времени ѿсхождѣнія і сообразованія плане^{т}.»

Затѣмъ идутъ четыре листа, 34 — 37 (за №№ 22—25), съ однимъ и тѣмъ же заголовкомъ: «Предзнаменование дѣиствъ накаждыи день потечению луны в' зодїи».

Листъ 34-й (№ 22). Изображенія: «♈ Древа по^{с}ецать. и кровь испущать. — ♉ На паству пущать. и мыслити начать (ученый сидитъ въ кабинетѣ за книгами). — П Ѡтроки в оучилище отъдавать (школа; учитель спрашиваетъ уроки у двухъ учениковъ)».

Далѣе слѣдуетъ: «Упо^{т}ребленїе 1. таблицъ.» — Затѣмъ помѣщена самая таблица съ названіями мѣсяцевъ и числами ихъ, для опредѣленія, въ какой мѣсяцъ и въ какое число слѣдуетъ предпринимать то или другое дѣло. Внизу объясненіе:

«Таблица или правило сїе изыскано. чрезъ мартына алберта ѳеофратїчек҃аго медїка. ирудоискателя ѿнеп҃їц^{а}. яже преведе^{н}ная ѿцесарска^{г} дїале^{к}та изъ кнїги **АСТРОЛОГЇИ.** или плане^{т}ныя. волфга^{н}га ги^{л}дебра^{н}да. иныж҃е чїно҃ преложе^{н}ная соизображенїе҃ дѣїствъ. ісоѡ^{б}теченїе҃ луны в'зодїа^{х}. зѣло крак҃о҃ способо҃ в'та^{б}лїцѣ сеи. вогра^{ж}да^{н}ско^{и} тїпограоі^{и}: чітателю мо^{и} прелюбезны^{и} воз^{м}ни что тру҃ се^{и} небе^{з}мезн҃ы^{и}: ітако о^{б}не҃ разумѣва^{и}. что тво^{р}ца твоего прі^{з}нава҃: яко то^{и}ти може^{т} ісправіть. что і^{з}ло в'бл҃го пре^{в}раті^{т}. зане всяка^{г} е҃тества чїнъ. богъ какъ хоще^{т} побѣдїтъ чрезъ чїнъ»

Листъ 35-й (№ 23). Изображенія: «♋ Багалию творить. — ♌ Домы созиждати. — ♍ Бракъ имѣть или вжену пояти.»

Потомъ: «упоре[б]. 2 та[б]лицы» и сама таблица съ названіями и изображеніями знаковъ зодіака и съ числами ихъ, для опредѣленія когда что слѣдуетъ предпринимать.

Листъ 36-й (№ 24). Изображенія: «♎ Лѣкарство принимать. и власы стричь. — ♏ Звѣрей и рыбу ловить. — ♐ Браду брить. и малевать (иконописецъ пишетъ образъ спаса нерукотвореннаго)».

Подъ ними слѣдующее объясненіе и таблица:

«Все[и] третіе[и] та[б]лїцѣ. обрящи в'трѐ предѣла зодїака. зна[к] зодїи взыка[е]ны[и] во 2[и] та[б]лїцѣ ізри проти[в] оно[и] зодіи в'трѐ предѣла порѐбы дѣ[и]ствъ натранѣ объявле[е]ныя. юже творїти имать луна чрезъ натуру свою онаго взыка[е]на[г] вкоемъ либо мѣцѣ что в'перво[и] таблїцѣ обрѣто вогранічно[и] строкѣ противъ знака узриши литеры .д. то значитъ блого. ачто .с. есть посредственно. аежели s. суть зло есть.

12: ЗНАМЕНІИ В'ЖИВОТНЫХЪ.	12: ЗНАМЕНІИ В'ЖИВОТНЫХЪ.
Кровь и жильную руду пущать.	Перепущатї или плавїтї худые руды что[б] лу[ч]ше бы[лї].
Чины и достоинства воспрїимать.	Вѣсіти чтобъ руда благо издалася:
Начати учітися прилѣжно что[б] все наметова[л]	Полоне[и]ныхъ ізаключе[и]ны[х] опустїтї что[б] неомща[лї].
Лѣкарство внутрь и снаружи.	Содружество творїти коностоянїю іщастїю:
Перепускати ѡбыкновенные руды.	Дѣла (нужды:) задуманіе творити.
Лѣкарство токмо снаружи.	Села нанива купити (деревню).
Парится въ банѣ дабы немощь непотягла	Власы съ главы стрїчь что[б] мозгъ укрѣпляло.
Брады брить чтобъ нескоро выростали.	Торгъ зачатї уговарїватіся что[б] блгополучно.
Строїти храмы чтобы огнь не прїшелъ туду.	Бра[к]илї домодержанїе сѡворити что[б] онї богатї былї.
Тавлѣи играти безъ спору.	Домы їлї жїлїща строїтї чтобъ до[л]го стояли.
Посылати вѣстнїки чтобъ они право здѣлалї	Домы купїти да благоти тамо будетъ.

ѡгущати.	древа с'сѣкать чтобъ червь неизпурїлъ.
Уговоръ творити.	Наполи ловити чтобы звѣрь неушелъ.
Выкрасовати или розцвѣчивати.	Купить и продавать всякие товары.
Разполагати или розправляти.	Покупать четвероно^{ж}ные звѣри что^{б} обстоялїся.
Служебные вѣстнїки посыла҃ что^{б} было іспо^{л}нено.	Платье кроити да благоти воѡномъ будетъ.
Истязатїся или имѣти прѣние.	Новое ѡдѣяніе еже вопе^{р}вое е^{г} надѣти.
Драгие камение покупать.	Ѿрочатъ ѿимати отсосце^{в} что^{б} онѣ крѣ^{п}кї былї.
Брань імѣ҃ іуговарїватїся послюбы дружелюбно жїли.	Дѣте^{и} воучїлїще ѿдатї что^{б} были зѣло учены.
Испытание сокрове^{н}ныхъ художествъ.	Вопервыхъ наїти ѿнелѣже до^{б}ры^{и} плѣ^{н}получі^{ті}.
Наслѣдїе покупа҃ чтобъ ѿоного велїю по^{л}зу імѣть.	Глїну копати что^{б} мышеи исверчковъ ізганяло.
Испытанїе ѡного что потеряно есть.	Молоти чтобы хлѣбъ неплѣсневелъ.
Соедїненїе ісоюзъ творити ко попостоя^{н}ству.	Молоти чтобы хорошо удалось.
Работати во ѡгнѣ нечувствуя болѣзни.	Шествовати моремъ или водою.
Содружне дѣяти что^{б} ѡное постоя^{н}но было.	Мешати.
Изображатї несовершенныя руды.	Умножати и прибавливати.
Перепущати или процѣживати.	Ногти обрѣзыватї что^{б}ви^{д} неїзмѣнїлся.
Рыбы ловити чтобы много ихъ поїмати.	Быки іручные скоты в'вязова^{т} коупитанїю.
Князеи и господъ просити.	Ѡбмазывать.
Ко княземъ и го^{с}(по)дамъ в'первые кни^{м} прїити.	Садїтї всякїе древеса что^{б} вовся годы пло^{д}прїносі^{лі}:

Листъ 37-й (№ 25). Изображенія: «ъ Молоть. и просити господъ (два крестьянина на колѣнахъ передъ бояриномъ). — ≈ Пруды закружа^{т}. и шесв҃ова^{т} море^{м}.. — ⌘ Плає҃ кроить. и мытися в'мы^{л}нѣ (народная баня)».

Подъ ними слѣдующее объясненіе и таблица:

«Киждыя пор҃ебы творїти. понеже луна къ намъ блїжае есть того ради натурою сп҃нѣїши суть. обаче бг҃ъ ідѣже хоще҃т. побѣждается естества чїнъ. аще заправѣе увѣдати желаешъ теченїе луны. то дазри вокалендари всякаго лѣта въ которои зодїи и градусѣ течетъ луна. и посеи таблицѣ потребы дѣиствъ ѡныя разсуждаи.

12: ЗНАМЕНЇИ В'ЖИВОТНЫХЪ.	
Перемѣшивати.	Возносити или подѣяти навысоту.
Поспѣшатися.	Долгъ платити чтобъ обнужденія небыло.
ѡрати чтобъ нива плевелъ неносила.	Долгу просїти чтобъ заплаченъ былъ.
ѡтъводити въ спять.	Пруды ісажанїи заградїти что҃б рыбы велїкї ро҃лї.
ѡбновляти.	Хлѣбъ всыпати чтобъ долѣ лежалъ.
Разрѣшати розвязывати свобождати	ручные звѣри покупать что҃б хорошо удалось.
Перебивати или ѡтъ бывати.	Накрасномъ всякие руды наводить
Ѣздити чтобы добрѣ получїти.	Первы҃и ра҃зживотїну напаству по҃ла҃т что҃бво҃лк пеѣ҃лъ.
Конеи пущать ѡбъ закладъ.	Стра҃нствоватї сѣмо іовама. інакї смїро҃мвозвратїтїся вдомъ.
Лошаде҃и івсяки҃х звѣре҃и на пасв҃у пущать.	Дикихъ звѣреи покупать.
Копе҃и івсякихъ звѣре҃и класть что҃б обстоялїсь.	Дїкї҃х звѣре҃и яко ме҃вѣде҃и и волковъ ловить.
вшашки ступать іинакъ без'сдору играть.	Вжїлища или домы первѣе перевозїтися.
Сѣяти ісадїти забогатою лихвою іползою.	Прѣние начати и кнему причїны искати.
Баталию или бои творити.	въ приятеля итьти.

Въ таблицахъ послѣднихъ двухъ листовъ, послѣ каждаго вертикальнаго столбца съ надписью: «12: знаменїи в'животныхъ», слѣдуетъ столбецъ съ 12-ю знаками зодіака и съ буквами: д, с, ѕ.

Листы 38 и 39-й (за №№ 26 и 27), двойные вдоль. Надпись надъ каждымъ: «Предзнаменование времени на всякои годъ попланѣтамъ». На № 26-мъ справа показаны «Лѣта по^к^ругу со^л^нечному и вруцелѣтїю на 112лѣ^т^.» проч., а слѣва вверху изображены въ видѣ человѣческихъ фигуръ: «венусъ — меркурїи — луна»; на № 27-мъ: «сатурнъ — юпитеръ — марсъ — солнце.» Внизу помѣщены таблицы съ предсказанїемъ погоды, заимствованныя цѣликомъ съ 3-го листа большаго Брюсовскаго календаря (шестилистоваго).

Листъ 40-й (№ 28).

«Таблица имѣющимся Вовсеи россїискои имперїи Всего Го^с^дар^с^тва Въгубернияхъ и книмъ приписныхъ городовъ растѡяниемъ Верстъ поалѳавиту Которые версты Выписаны. изъямскои Книги поямамъ.

ѡтроссїискѡи столицы мѡсквы					
званїе города^м^.					
		Болховъ	290	Валупка	600
А		Брянскъ	370	Вольнои	530
		Батурїнъ	620	Вороты^н^скъ	195
Арханге^л^ско^п^	1500	Бѣлая	300	Волокъла^м^скъ	90
Амская крепо^с^ь		Боровескъ	90	Верея	90
Албазі^н^ско^п^ о^с^ро^г^		Бежецкъ		Вязьма	160
Арзамасъ	380	Борисогле^б^скъ		Велікїи но^в^гра^д^	540
Алатарь	600	Бело^и^колодесь		Выборъ	
Астрахань	1500	Бахмутъ		Верхососе^н^скъ	
Алеѯинъ	130			Выжъ городъ	
Ахтырскъ	560	В		Володїмере^н^	
Азовъ	1300			Вревъ	
		Вологда	420	Вороночи	
б		Вага	590	Велья	
		Вятка	1000	Г	
Бѣло ѡзеро	540	Вер^х^не^н^ломо^в^	560		
Буи	390	Верхотурье	2110	Галичь	420
Болохна	475	Володимеръ	180	Гороховецъ	28
Бѣлъ горо^д^	600	Вязники	230	Гремячеи	230
Бѣлополье	510	Василь	500	Глуховъ	560
Борзна	645	Венева	140	Гурьевъ горо^д^	
Белевъ	240	Воронежъ	460	Гъдовъ	

Д	
Доброи	400
Дедиловъ	180
Донковъ	220
Дорогобуж	210
Дмитровъ	60
Дмїтрїевскъ	
Дубковъ	
Е	
Еренскъ	1145
Елатьма	295
Еранскъ	500
Еѳремовъ	250
Епиѳань	210
Елецъ	280
З	
Заранскъ	120
Зубцовъ	165
Заволочье	
Звенїгород	,50
Землянскъ	
И	
Инсара	110
Изюмъ	700
Изборскъ	
К	
Кострома	300
Кадуи	380
Кинешма	370
Кевроль	1700
Каргаполь	780
Кан городок	2590
Кунгуръ	1680
Касимовъ	280
Кадомъ	355
Керенскъ	500
Курмыжъ	500
Кузмодемянскъ	650
Какъшанскъ	680
Казань	680
Коломна	90
Кашира	90
Козловъ	360
Кропивна	200
Кромы	340
Курескъ	480
Краснополе	510
Калуга	180
Казелскъ	210
Карачевъ	320
Каралевецъ	590
Кневъ	960
Клинъ	85
Кашинъ	150
Колскоп острогъ	
Котелничь	
Карсунь	
Костенскъ	
Коротоякъ	
Крепость с: анны	
Красна слобода	
Краснянскъ	
Кобылскъ	
Кологривъ	
Краснои	
Кїзлямска крепост	
Карповъ	
Корочи	
Каменнои	
Краснояръ	
Л	
Любимъ	370
Лухъ	280
Лебядинъ	250
Ливны	350
Лихви(н)ъ	210
Луки велїкїе	577
Ладога	
Лалскои посад	
М	
Молога	310
Мезень	1770
Мурамъ	260
Михаиловъ	180
Мценскъ	260
Медынь	220
Мещовскъ	240
Мосалскъ	210
Можанскъ	90
Н	
Нїжнеи новъ град	380
Нижнеї ломов'	560
Новосиль	280
Нижеголскої	580
Новобогородцкои	600
Нежикъ	675
Нерехта	
Нарва	880
Норская	
Норбечезъ	
Новоï овдырь	
Новоï осколъ	
Недрыгалов'	
О	
Оболенскъ	210
Орелъ	300
Оренъ бургъ	1800
Осколъ старои	430
Одоевъ	210
Осташковъ	300
Олонецъ	540
Обоянь	
Орловъ	
Олшанскъ	
Острого(ж)скъ	
Орловъ	
Островъ	
Опочка	
П	
Переславльзалес:	120
Пошехонье	280
Плесо	230
Парѳеньевъ	420
Пустозерскои остров	600
Пенза	660
Переславлрезан	180
Пронескъ	230
Печеринки	250

Перемышль.	950
Путивль	800
Переяслав ль. . . .	795
Погорелое город: .	150
Псковъ	685
Пермь.	
Петровскої.	
Павловскъ.	
Полатовъ.	
Порховъ	
Р	
Ростовъ	180
Романовъ	270
Ря(ж)скои.	270
Романов встені. . .	430
Рылескъ	540
Ржева володїме:. .	180
Ржева пустая. . .	510
Руза	75
Рыбная.	
Раи городок	
Рославль.	
С	
Сан ктъ пїтер бур.	735
Сол вычюгуцкая. .	1060
Соль камская. . .	1790
Суздаль.	160
Свияжскъ	660
Саранскъ	1500
Синбирскъ.	750
Самара.	1000
Саратовъ.	1700
Скопинъ	250
Сопожокъ	300
Серпуховъ.	90
Салтовъ.	580
Сумы.	569
Серпѣискъ.	250
Севескъ.	500
Смоленскъ	500
Старица	180
Старая руза. . . .	540

Соколескъ.	
Сол галїцкая.	490
Судисловль.	
Судаи.	
Сухаревъ.	
Старои авдырь . .	
Слоб(о)цкои. . . .	
Сызрань	
Т	
Тула.	160
Темниковъ	430
Терекъ.	3000
Танъовъ.	460
Таруса	70
Трупчевскъ.	430
Торопецъ	467
Тверь.	175
Торжокъ.	235
Тихвинъ	
Тара.	
Троицкои острог. .	
Талецкои острог.	
Тополь.	
У	
Унжа.	540
Устюгъ велїкіи. .	1000
Уѳа.	1600
Угличь.	180
Устужна железо: польская.	340
Уржумъ.	
Урыѳъ.	
Усмань	
Усердъ	
Х	
Харковъ.	590
Хотмыжскъ.	590
Хлыновъ.	
Хоперская. крепость	

Ц	
Црво щан чюр . . .	700
Црво сан чюрск. .	700
Црво кокшанск . .	600
Цывилскъ.	590
Царицынъ.	2000
Црво борїсов . . .	97
Црво сан гурск . .	
Ч	
Чохлома	460
Черанда	570
Чебоксары	580
Чернои яръ	2200
Чернь.	240
Чугуевъ	630
Черниговъ	
Чердынь	
Чернавскъ	
Ш	
Шуя.	
Шацкъ.	360
Шлюсен бургъ. . .	790
Ю	
Юрев'новол скои. .	430
Юревъ пол скои. .	130
Юрв лївонскої	
Я	
Ярославль.	240
Ядринъ.	520
Яикъ.	3260
Ярославецъ малои	105
Яранскъ.	
Яренскъ.	
Ямполь.	

«Таблица трактамъ Ксанктъ питербурху Кнарве к'риге Кревелю, и плюс'вы в'кітайское Гдрво и дощностранныхъ знатныхъ градовъ, також российско империи доза'ны митре и дощмператорскихъ дворцо сель іволостеи верстъ ікольское число вовсе российско империи соборо митре црвеі.

Ксанкт оітербурху	верстъ
черная	30
пешки	60
клинъ	90
завідоно	120
городня	150
тверь	180
мѣдное	210
горжевъ	240
выдропускъ	275
вышней волочекъ	300
хотелово	338
село едрово	364
зимне горъ	398
валдаи	401
ажелбицы	421
кресцы	458
подлитовье	492
бронницы	522
новъ градъ	558
плотичка	591
сосніпка	625
грецкой	659
любань	666
тосна	680
ижора	705
ямская слобо:	730
с.петеръ бург	735
всанктпітербурхе знатны островітриморски домов.	
1. Санктъпітербурской.	
2. Васильевской.	
3. Адміралітейской	
4. Малоадміралітей	
5. Аптекарской.	
6. Петровской	
7. Крестовской	
8. Каменноя	
9. Екатерінгоѳанвгор:	
10. Каменской.	
11. Доцманской	
12. Мишинъ	
13. Стариковъ.	
разстояниемъ приморские домы.	
Стрелинъго	15
Питеръгоѳъ	30
Раннбомъ	40
Сарская мыза	40
Село красное	30
Сестрорецкие заводы:	60
Невской Мнстырь	5

путы пределовъ Кнарве.	верстъ
Городовъ кабачекъ	24
Кипіна мыза	45
Свокона	65
Чирковічи	85
Ополье	107
жабина	127
Нарва	145
Криге	
Ванвары	20
Ѳокина	47
Пурозна	63
Екова	83
Каускъ	100
Тормовскъ	131
Леппискъ	141
Вигерскъ	155
Дерптъ	171
Нопая	183
Мудрона	194
Куганцы	216
Платоръ	226
Гулбинъ	246
Крацынъ	268
Рубинъ	291
Строны	315
Парманы	335
Гавья	355
Рига	376
Носовка	116
Кревелю	
Ѳоквна	
Вартела	
Готенъ крецъ	
Подеруса	
Лоупа	
Кахала	
Гелехта	
Ревель	

в'кітайское гдрво чрез сібірские грады	верстъ
Тріицъсергиев митр.	60
Переславль зал.	120
Ростовъ	160
Ярославль	240
Вологда	420
Тотьма	700
Устюгъ	1000
Сольвычугодская	1135
Кайгородок	1435
Солькамская	1635
Утка	2085
Невьянской	2335
Тюмень	2485
Тобольскъ бывша століца сібірская	2785
Демьяновской	3035
Самарскъ	3260
Сартутъ	3610
Нарымъ	3960
Кецкой	4600
Маковской	4660
Енисейской	4735
Каменка	4985
Илемской	5285
Каменка	5435
Иркуцкой	5635
Николской	5685
Удінской	5935
Еровинской	6060
Тербинской	6160
Нерчінской	6460
Аргунской	6635
Корокатой кітай	8065
Пекин століца кітайская	11815
Верхоленской	5535
Якуцкой	6760
Острогъ колым:	6910
Нижней колым	7060
Ярманга	7360
Камчатка	12360
Селенгинской	6285

дощностранныхъ городовъ	верстъ		верстъ
Андріанополь	1800	Канарские островы	4500
Александрія во египте	3800	Кипрский островъ	3300
Антіохія сирская	4500	Кандійской островъ	2700
Амстердамъ	2100	Лондонъ аглінской	2800
Антверпія во обрітаніи	3000	Лиссабона португалская	4600
Измура во азии	1800	Любікъ волной	2100
Аѳонская гора в греціи	1900	Мадрить гишпанскій	3600
Бахчисарай столица крымская	1300	Мадзика цесарская	4100
Богдатъ градъ иже вавилонъ	3400	Перон. бургъ	2600
Белградъ воіталии ідѣже мощи святаго николая	3100	Паріжъ французской	4100
Берлинъ	1450	Прага чешская	2708
Варшава столица польская	2000	Пролив гибратерская ідѣже акіанъ море	7100
Венеция	2400	Рімъ воіталии	2900
Прага в'галандии	2920	Стекгольма шведская	2100
Гданес в'полше	1300	Толедо воішпании	4000
Генева на поморе граде прибалтийском море	6010	Олоренская земля воіталии охоревского Князя	2700
Готоргъ ідѣже Князь голстинской	1600		
Грузинская земля	3000		
Еденьбурхъ столица шкоцкая	2700		
Звірна віталии	230		
Зурихъ в'шкоции	2800		
Іерусалимъ	3300		
Псногинъ	3005		
Ісландский островъ	2900		
Константинополь	2000		
Краковъ впольской земле	1700		
Коппогасъ	2100		
Короловецъ в прусской земле	1200		

дмитрие дворцов сел і волостеи	верстъ
Троіцы сергиев митри.	60
Воскресенской	50
Саввинской	45
Утрежской	15
Перервинской	7
Спа сімновъ	5
Спасъ новой	4
Андроньевъ	4
Даниловъ	4
Донской	5
Андріевской	5
Новодевичь	4
Покровской	4
додворцов сел и волостей.	
Ан'иьгоѳъ	5
Преображенское	6
Семеновское	6
Измаилово	7
Покровское	5
Алексѣевское	7
Воробьево	6
Коломенское	7
Черкизово	7
Быково	30
Бронницы	50
Мытищи	15
Хорошево	8
Братовщина	30
Товпиское	13
вохонска волость	50
Вязьма	30
воздвиженское	50
Кжельское	40
Гвоздки	60
Гуслицкое	70
Замицкое	70
Яленское	60
Киржачи	70
Костянтіновское	90
Крылацкое	7
Митрополье	35
Молоди	50
Мачково	30
Малиновые луги	6
Рожественское	30
Острова	20
Озерецкое	40
Покровское	75
Пахры	30
Перохта	40
Юрьевецъ	190
Юхоцкая волость	60
Борисоглеб: слобода	30
Ворская слобода	10
Рыбная слобода	70
Пошехонье	70

количество соборов митрев прочеи пустыни приделовъ	соборов	прев	митрев	итого
В'Москвѣ	16	683	28	727
Во всем сінодалном оѣласти в'епархии	42	4234	168	4444
В'санктпітербурском	6	100	1	107
В'новогородской	8	1059	95	1162
В'нижегородской	14	921	65	1000
Врязанской	22	1165	37	1224
Иростовской	5	799	32	836
В'казанской	23	602	47	672
В'коломенской	8	774	14	796
В'киевской	21	1043	41	1105
В'вологодской	2	573	51	626
В'белогородской	34	932	34	1000
В'крутицкой	17	872	25	914
В'архангелогородской	3	241	27	241
В'тверской	6	464	20	490
В'тобольской	4	350	21	375
В'суздалской	3	491	18	512
Вьвяцкой	12	286	20	318
Вчерніговской	10	500	20	530
В'астраханской	4	30	7	41
В'воронежской	17	459	18	494
Вустюшской	9	299	31	339
В смоленской	3	267	8	278
В'переяславской	2	573	51	616
Воисковской	13	186	37	236
Выркуцкой			60	60
В'киевопечерской			30	30
Троицъсергиевской			20	20
В'киевомежигорской.				10
Воренбурхе	1	20	10	21
Всего	305	17923	1036	19264

Листъ 42-й (№ 30), двойной вдоль.

«Таблїца въ неїже опїсуется долгота и широта поградусомъ. градовъ знаменїтыхъ на земномъ крузѣ.»

Листъ 43-й (№ 31), двойной вдоль, и листъ 44-й (№ 32). Продолженіе тойже таблицы.

Листъ 45-й (№ 33), двойной вдоль.

«губернїя московская раздѣленная въ 9 провінцїи».

Вверху двуглавый орелъ, поддерживаемый четырьмя ангелами, съ надписью: «аг҃гломъ заповѣ гдь о тебѣ сохраніті тя во всѣх путехъ твоихъ на руках возму тя.»

Слѣва планъ, съ подписью: «москва».

Справа—«Муштабы: Или скалы разныхъ Гдарствъ Приведеные Ко единому Градусу (:) Версты Московския въ і гра по 75 верс (;) Версты общїя Московскія въ і гра по 80 (;) Мили Геометричсские въ і гра: по 60 (;) Мили цесарскїя въ і гра по 15 миль».

Вся страница занята картою Московской губерніи. Внизу подпись: «**1726** году мца Августа. тщан: в: к. (Василія Кипріянова) *).

Листъ 46-й (№ 34), двойной вдоль.

Карта Петербургской губерніи. Вверху двѣ женскія аллегогорическія фигуры держатъ медальонъ съ портретомъ наслѣдника престола, Петра III. Подъ портретомъ видъ Петербурга: Нева покрыта кораблями, съ которыхъ производятся выстрѣлы. Въ облакахъ лента, съ надписью: «Санктъ Петербургъ». Карта эта составляетъ часть большой карты; внизу видна часть герба, а съ боковъ однѣ надписи некончены, другія же представляютъ одни окончанія словъ **).

На лѣвомъ полѣ бумаги стоитъ подпись: «мартинъ нехорωшевски», и слова: «аминь—силенъ».

---

*) Въ календаряхъ, описанныхъ подъ слѣдующими двумя нумерами, подписи Кипріянова нѣтъ.

**) Въ календаряхъ, помѣщенныхъ подъ слѣдующими двумя нумерами, эта карта скопирована въ точности.

Листъ 47-й (№ 35), двойной вдоль. Въ самомъ верху — надпись: «бг҃ъ». Всрединѣ, подъ короной, обвитый андреевской цѣпью щитъ съ двуглавымъ орломъ, имѣющимъ на груди московскій гербъ. Внизу виды: слѣва «Москва градъ», справа «С҃. Петеръбурхъ».

Вверху — два клейма, изъ нихъ правое пустое, а въ лѣвомъ—вензель Императрицы Елизаветы Петровны.

По сторонамъ гербы: «сибірски, астраха^{н}скі, казански, киеввски, владїмер^{с}кі, новогоро̑ск^{и}, тверски, лѡляндіа, смоле^{н}ски, псковскі, естлянскі, корѣльски, черніго^{в}скі, болгарскі, пермски, югорски вятски, ніжегоро̑(с)кі^{и}, обдорски, белоезерски, ростовски, резанскі, яро^{с}лавскі, удорски, кезгол^{м}ски, мстіслав^{с}кі, иверски, кондіиски, карталі^{н}ски, грузинскиі, рижскиі, нарвскиі, іжерскиі, карбаді^{н}скі черкаскиі, волынскі, ігермола^{нс}кі, подольски».

Въ самомъ низу подпись:

«Всеаѵгустѣише^{и} бл҃говѣрно^{и} бл҃гочестивѣише^{и} ї хртолюбиво^{и} самодержавнѣйше^{и} великои гдрынѣ ншей бг҃овѣнча^{н}но^{и} ї превознесе^{н}но^{и} Елисаветѣ Петровнѣ Імператрице І самодержице всероссїйской ея цесарскому величеству Московскои. Киевскои. владимерскои Nовогородскои цр҃це Казанскои цр҃це астраханскои. цр҃це сибирскои гд҃рынѣ Псковско^{и} и великои Княинѣ Смоленскои. Княинѣ Естляндскои. Лифляндскои Корѣльскои. Тверскои. Югорскои Пермско^{и} Резанскои. Ростов҃ко^{и} Ярославскои. Бѣлоезерскои. Удорскои. Обдорскои. Кандїискои. и всея Сѣверныя Страны Повелительнице и Гд҃рынѣ Іверскія земли, Карталинскихъи Грузинскихъ Цр҃еи. и Кобардинския земли. Черкаскиъ и Горскихъ Кн҃зеи и иныхъ Nаслѣдно^{и} Гд҃рынѣ и ѡбладательницѣ.

---

663. Брюсовъ календарь на 47-ми листахъ, вдлину, Екатерининскій.

Въ этомъ календарѣ доски скопированы точь въ точь съ календаря описаннаго подъ предыдущимъ нумеромъ; на 35 листѣ помѣщено посвященіе Императрицѣ Екатеринѣ II.

Судя по бумагѣ первое изданіе (*а*) этого календаря сдѣлано послѣ 1780 года. Другое изданіе (*б*) напечатано на синей бумагѣ, съ бумажнымъ знакомъ: «1809» года. Есть еще третье изданіе (*в*) съ истертыхъ и подправленныхъ досокъ.

---

664. Еще Брюсовъ календарь на 47 листахъ, вдлинну.

Доски для этого календаря скопированы въ концѣ прошедшаго столѣтія, съ незначительными измѣненіями, съ досокъ календаря, описаннаго подъ № 662. Экземпляръ этого календаря находится въ моемъ собраніи; посвятительнаго листа въ немъ недостаетъ. Всѣ картинки скопированы въ этомъ календарѣ въ обратную сторону противъ двухъ предыдущихъ календарей.

---

665. Неисходимый календарь Ростовцева.

Большой листъ, гравированный на мѣди, рѣзцемъ. Въ четырехъ углахъ находятся аллегорическія изображенія: «весна—лѣто—есень—зима»; все остальное пространство листа занимаетъ огромный кругъ съ изображеніемъ двѣнадцати знаковъ зодіака и лунныхъ ущербленій.

Текстъ вверху:

«неисходимыи календарь на вся лѣта.

Внемже предложено имяна с҃вѣтыхъ: во весь годъ на всякїи день и вступленїе солнца взодїи или въ 12 знаковъ н҃бныхъ прибавленїе и убавленїе дневныхъ часовъ имяна вѣтровъ лѣта о҃ адама и р҃ождества хр҃това кругъ солнца и вруцѣлѣта. кругъ луны и основанїя кругъ инд. икта и ключевое слово. описанїе кру-

говъ планетныхъ и знаки планетъ, **указаніе.** на первомъ недвижимомъ кругѣ сверху. 1: имяна вѣтровъ: 2: часы дневные: 3: вруцелѣтіе: 4: имянованіе мцевъ. 5: мѣсечные числа: 6: имяна святыхъ: 7: 12 знаковъ небесныхъ: 8: оризонталные градусы: На второмъ кругѣ. 1. круги луны на 19: лѣтъ. 2: аспекть. 3: прибавленіе и умаленіе луны. 4: коликихъ днеи луны: 5: часы и минуты лунпаго свѣта. На третьемъ верхнемъ кругѣ. 1: мѣсечные числа обхожденія луны. Сеи кругъ надлежитъ на всякои годъ на настоящую луну передвигать. На четвертомъ верхнемъ кругѣ. 1: лѣта ѻадама. 2 лѣта ѻхриста. 3: круги солнца вруцелѣтія и ключевые слова. 4: круги луны. основанія и кругъ їндикта: 5: планетные все круги».

Подъ этимъ текстомъ подпись:

«всанкъ питербурхе инвентовалъ и штыковалъ алексѣй ростовцевъ».

Мнѣ извѣстенъ только одинъ экземпляръ этого календаря, находящійся въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII. 1318). Въ этомъ экземплярѣ подпись: «всанктъпетербурхе инвентовалъ и штыковалъ алексѣй ростовцевъ» затерта и едва видна; доска выправлена. Судя по бумагѣ, изданіе это относится ко второй половинѣ XVIII вѣка. Четвертый кругъ бѣлый, и лѣта отъ Адама и отъ рождества Христова на немъ непоказаны. Вѣроятно въ этомъ позднѣйшемъ изданіи года стерты, чтобы придать календарю видъ новизны.

---

666. Календарь Корвина Квасовскаго, 1730 года.

Онъ состоитъ изъ 44-хъ листковъ, въ малую восьмушку, отпечатанныхъ мѣдными, гравированными рѣзцемъ, досками. Здѣсь предлагается полная перепечатка всего текста.

(«) Календарь: насто. лѣтъ.

Поштилю иулианскому первое налѣто Гдне. 1730 потомъ ѿлѣта 1731: налѣтъ: 100:

Почину ипавлению седми планетъ паки наво^{з}кращися вкототоромъ кромѣ ра^{з}личныхъ курпозныхъ гражъданскиⷯ господарскихъ астроголическихъ вещеи краткое въведение. воарифметику спридаткомъ науки. оро^{б}лению ра^{з}личныхъ домашнихъ коштомъ маславъ

ра^{з}личны Болезни идеоектаучинены чрезъ мастѣра Василия. карьвена квасовскаго вызбо ѳплосоѳїи. иматематики учитѣля етѡ: ко: ве: пруⷣ

2

тайнаго секретаря ипривилегїваннаго типограоовано печатано вкоролевце прускомъ въего Власной дукарне

ясне

Велможному пану п: данилу. Апостолу

его імператорскаго величества

войскъ малороссїнскихъ запороскⷯі побоихъ странъ днепра Бг҃омъ данному Бг҃омъ хранимому Гетману Бодрому воѡтечествїи образъ заступнику храбро^{му} инеопрѣдаленному вобранехъ Ахиллесу второму мысленному лвовъ данїилу укротителю крепкому: самсону. Мира здравия Благополучия навраговъ победы отъ Бг҃а венца вѣчнаго автомъ усердно желаетъ василіи корьвѣнъ къвасовскіи:

3

	лѣта
Годъ сѣи отърождества Гд҃а нашего іисуса христа	1730
отъ сотворения мира погрѣческимъ Грамографомъ	7232
Поримскимъ	5679
Пожидовскимъ	5490
отъноева Потопа	4996
отъ разѕорѣния содома	3813
отначала 4ⷯ монархи	
Вавилонъския	2433
Персидския	2239

*

Грѣческия	2058
Римския	1803
о҃устава календаря Іулианскагѡ	1735
отъпоправы тогожъ калѣндаря чрезъ григория :13: папы римскаго	148
отвымышлѣния пороховаго дѣла	350
о҃печатанія книгъ	290
туба аптическаго опѣрпенъдикула дочесовъ	73
ѿнаидѣния новаго свѣта	239
о҃избежания махомѣтовъ	1142
отъначала ѳлота россіискагѡ	32

4

имена зодіамъ	овенъ мартъ	левъ іюль	стрелецъ ноябрь	○ Луна	☿ Меръкуріи	♀ Вѣнера	☉ Солнцѣ	♂ Марсъ	♃ Юпитеръ	♄ Сатурнъ	знаки планет
	телец' апрель	дева Авгу҃тъ	козерог декабрь								
	Блізнецш май	весы сентябрь	водолеи Генварь	☋ Хвостъ	☊ Головъ	☍ противъ	△ Трѣуголъ	П Четверть	✱ естеръ	♂ Савокъ	характиръ силá
	Ракъ іюнь	скорпія октябрь	Рыбы февраль								

Изъяснѣние Протчихъ характировъ и҃ловесъ ⚹ дн҃ь несчастия ⚹⚹ весма нестливъ ♀ дрова рубить ♋ садить Прививки ✠ кровь пускать ‡ еще лутче △ детеи о҃лучать ⚹ волосы стричь ☋ рошковую ⁘ проносисное впирюлехъ 7 ча҃ м мити Г граду҃ Р рано в' вполдень.

Граждански Господарски Колендарь Налѣтъ 100 учиненны ипаки напервое возвращающися.

Первая Планета Сатурнъ Содержащіи.

5

Изображеніе Сатурна, съ обозначеніемъ круга солнца и и вруцѣлѣтія, какъ и при послѣдующихъ изображеніяхъ. Далѣе текстъ:

(«) **сатурнъ**

лета	1735	1765	1791	1819	1740	1768	1796
1824	1746	1774	1802	1830	1757	1785	1013

Сатурнъ есть часть оартуны секты чл҃вк ъродившіися поднимъ Бываетъ Процовить лакомы завистны хитры меленхоликъ весма худы Правдъливы въ 16 вБогатство понуренны очи завидливы воръ п҃рядныи Гневливы памятозлоБныи невема къ БаБамъ охочи уБогъ скупъ. таинохранитель трудолюбивъ. среБролюБивъ идамы также правителствуютъ ухомъ правымъ костями великими селезенью. імелехоличю отътуду наноситъ інемощи. меленхоличныя Беспункъ иподагру кашель пухлину зарасъ квартану плевру ипротчая.

6

Годъ котораго онъ дѣиствуетъ Студены мокры неплодны.

Весна студена д҃рева по҃но цветутъ. трава нескоро градъ вредитъ.

Лето студѣное мокрое неплодное ветреное дождями вредителное однако июль теплъ ясенъ

осень студеная мокрая оБаче ноябрь теплеиши

зима вначале дождевная потомъ умеренна внезапу снежна даже доапреля навеснѣ удерживатца семена навлажнои земле доволно ячменя репы лну поросы ипречихи жнива мокрыя. Наярину худо наосень засѣдБою опо҃дать вина скудно свинцу доволну турсковъ такожде Громи имолніи нечастыя. наводнения великаго трижды надеятися рыБы летомъ поскудно весно҃ю много лвы британы вороны икор҃уны свирепеютъ млд҃нцы весною страдати имутъ воспою коремъ кашлемъ. Θербою апоплексиею поносомъ итемъ. подобными с҃растми.

Что дневная отмена во҃здх҃а вгодахъ Сотурновыхъ содер҃житъ Генварь до .3. 4. зима морозъ хмурно

7

8. о҃дается а .16. помешано о҃ 21 зимы множится по 23 помешаетъ снегъ 28. потеплѣетъ идале ненасье.

Ѳевраль .34. Полунощны ветръ. мокро. 5. хмурно ӧ.9. ветрено снежно. 14 мокрая погода. 15. тожъ 19. ск҃онно. кснегу иснесетъ 28. великъ ветръ Порушитъ имокро.

Мартъ .67. непостоянны ветръ зїм҃ы даже дождь обо. снегъ инепо^{сто}янно. ӧ. 12. погодно. 14. мокро ветръ 23. силны ветръ слотою кончитъ наперемену погодно мокрая светромъ.

Апрель зимою 5 помешаетъ. 8. зимою. снежно. 14 посмурно ветръ зимою ӧ. 17. надеятисъ громовъ. 20. зимныхъ нощеи и дождь ӧ. 23. погодно ночью роса конецъ дождевны.

Маи даже до. 4. посмурно идождь. 6. 8. ветръ зимни ӧ 9. 20. 15. помешано 19. буря. 23. темже коннитъ. 24 дождь. 27 такожь иветръ приконце облакомъ помешаетъ.

Іюнь Пасмурно Потомъ солнечное. сияние ветръ мокро. 12. тепло до. 19. Помешано Пасмурно мокро. 20. мало. ӧмѣнно. 21. 23. ветръ погодно. 29. Пѡзимнѣетъ.

8

Іюль Погодно Склонно кгрому дождю. 5. Пасмурно. 7. яснсно. 8. ветръ 11 и 12. непостоянно. Громъ молния Потомъ вѣтръ мокро Пасмурно и погодно. 28. наконецъ ночью дождь.

Августъ сухо ветрено тепло. 9. зимно. и волготно. 13. горяче. 19. тожъ небезмолніи і дождя Приветре. 22. Посмурно 23 буря. и градъ кончитъ ветромъ бурею небезграду. и тучь:

Сентября ӧ. 1. до. 8. заподны ветръ. 9. непостоянно. 11. 12. дождь ливны. 13. ветръ Потомъ страшитъ зимнымъ 25. намори буря намъ ветрено конѣцъ мало отъменныи.

Октябрь холодно мокро ненасно. 8. дӧдь 10. ясно погодно. 14. тепло. 17. непостоянно 18. пасмурно тожъ і 19. 21. слота Потомъ ветръ студенои даже 20. 26. скончитъ ветромъ ипомешаетъ.

Ноябрь. 1. Пасмурно. 3. слота. 5. мокры ветръ. 8. холодно мокро. 10. 11. холодно 12. заѕорни 13. пасмурно дождь или снегъ непостоянно 21. мокро 24. теплѣе імокро. 29. снегъ приконце помешаетъ.

Декабрь: 1. снегъ или дождь. 2. хорошо да^{ж} до 8. тихо. холодно 10. теплѣе 16. стены ветръ. 17 облачно исолночное сия-

ние ветръ мокро даже до. 20. 21. теплѣе непостоянно. 28. погодно. 29. снегъ иветръ отзападу. (»)

9

Изображеніе Юпитера.

(«) **юпитеръ**

Граждански господарски. колендарь налетъ. 100. учиненны ипаки на. 1. е. возвращающіися, 2.я планета юпитеръ содеръжащіи:

лета	1733	1761	1789	1817	1739	1767	1795
1823	1744	1772	1800	1828	1750	1778	1806

Юпитеръ Есть велико Ѳартунны до ласки приводящіи кто поднимъ родится бываетъ справедливы истиненъ ласкавы веренъ смиренъ милосердъ богомысливы набожны стыдливы советникъ высокия мы͠ли лица малого весьма доброщас͠ивъ вовсемъ благополученъ невестолюбивъ зла ненавидивъ дамы. докавалеровъ клюбви с͠лонны. владеетъ

10

Плюцами зебрами утробою хре͠тками Прирождения мужескаго боле͠зни Приноситъ приконце зимы лихоратки вредятъ за͠жение утрбы ипротчимъ:

Годъ мокры обилны іплодоносы овощеи многа.

Весна студена мокрая Приятная когда затмения солнца случится. марта апреля маия. урождению нахлебъ надеятися

Лето сначала студеное мокрое пото͠ теплое зноино Привскомъ Громобитіи конецъ велми теплъ исухъ.

Осень. непостоянная мокрая водная частыя дожди.

Зима студена снегу много средина ветрена потомъ тиха и мерна вс͠егъ

Огородныхъ. доволно ячменю Гороху, овса лну, конопель нескудно пшеніцы ижита обильно, токмо ранѣе сеять грушъ яблокъ сливъ ореховъ хмелю. много вина мерно лозу ховки Позно ветры заподные иполуденные частые громы многи ноневредятъ рыбы на целои годъ мерно:

11

Присвояются Ему Главные Персоны духовныя ученыя искамени смарагдъ. сапфиръ наметинъ павы соловьи. и голуби ещежъ черемуха шаѳранъ. мигдаль алебра здревесъ Поднимъ благополучно миръ итрактъ заключитъ.

Что дневная отмена воздуха вгодахъ юпитера содержитъ:

Генварь. остры ветръ скрепкимъ морозомъ ночнымъ. 14. склонно сколь ночному сианию небе^{3}снегу потомъ мерна зима до. 20. окончитъ мрачно ветромъ туманно..

Ѳевраль жестока зима ветры буря погода иморозы мерные облачно. ивълажно 19. 20. тако конецъ меръная зимьняя. погода иострая

Мартъ облачно влажно солнечное сияние нечто туманно. 11. крепъко. морозъ сухо ветрено даже до. 19. 20 морозовъ. вълажно солночное сияние 27. погодно конецъ вредитъ погодною неприятною

Апрель склонны кбури градовъ 6. при(я)тно и плодоносная погода 12. дождь поутрамъ о͞ 22. 25. охолодятъ такожъ конецъ.

Маи Плодоносны воздухъ ночи хладныя до. 15. здождемъ чистымъ отъ. 15. до. 20. ветръ облачно. малодожья потомъ летни воздухъ

12

28. Переменитъ солнечнымъ сияниемъ идожди.

Іюнь ветрена Градъ облачно ненаи̑но. до: 9: сухо ме^{р}но облачно ясно Летняя. Погода 22. 23. 24. дождевныя оБлаки. 26. солнечное сияние 29. 30 тучи. Градовыя.

Іюль о͞запада ветръ жаркои. 3. 5. 9. солнечное сияни^{е} громъ ветръ 10. Приятно. 16. прохладно здождевымъ облаки. 17. поГода 22. 23. ветръ идождь 26. 27. ветръ идождь кончитъ сухо. Августъ 1. знои. солнечное сияние. 5. тучи гро^{м}. 10. жаръ охлаждае͞ 14. ветръ. 15. 16. 17. ливны дождь небе^{з}граду 22 мерны Погода. 24. жарко иветръ. 28. непогода.

Сентябрь бурно ветръ. 3. лутчи. во^{з}духъ. ссолнечны^{м} сияниемъ идождь. 7. яко ветръ. 11. дождь. Іхъладъны воздухъ потомъ хладные ночи 24 25. 26. 27. холодно 28. ветръ итепло кончитъ

Октябрь солнечно. 4: мрачно. 6. 17. дождь 10 морозъ ночью исухо. 15. 22. неприятно 23 умеренно іоблачно 27. 28. дождь или снегъ 30. 31. переменяютъ облаки. снеговыя. Ноябрь хладъ. ненаⷭ҇но ветеръ морозъ. 7. мяхчее моро^{з} иветръ 19. ѿ запада ветеръ снегомъ. 24. солнечное сияние ветръ туманъ хладно. мокро скончитъ.

Декабрь. 1. 9. мяхко облачно ясно тума^{н} 15. тихо ясно потомъ морозъ Іветръ. 18 холодно. Існежно. 21. мяхче. 25. холодно. такъ Ікончитъ (»)

13

Изображеніе Марса.

(«)**марсъ.**

Граждански Господарски Калѣндарь налетъ 100 учинѣнны Іпаки напервое возвращающияся 3 Планета Марсъ Содеръжащіи

лета	1737	1765	1793	1821	1748	1776	1824
1754	1782	1810	1743	1771	1769	1827	

Марсъ есть Панъ хорелы Гневу неѲартуны вина бранемъ противъникъ огнедѣлщикомъ неприятенъ родивыся Подни^{м} Гневенъ убіица кровопіица безструда Поносникъ Лстецъ лживы ябедникъ сухотиды нетерпеливы непостояненъ. часто напрасно умираетъ здобрыми. не товарищъ неохочи кженамъ.

Годъ болше сухїи теплы івелми зноіны весна хороша суха хладна влажна

14

Сеять хорошо ѡднако лозамъ інасажъдению противна лето теплое ивелми жаркое сухое вода поисточникамъ. и рекамъ скудѣетъ Грады частые іогни.

Осѣнь мокра истудена.

Сима такожъ суха истудена Непостоянно ветрено ипотомъ снегу доволнѡ.

Сѣвы весенныя временно сеять ѡднако ярины исѣну непомешаетъ крѡме. Пшеницы иовса.

Овощеи садовыхъ ихмелю мало соломы. много вина доволно однакожъ рожъ весною Повредитъ. Гаду много ветры Громы тяжкие Пожары вихри Грады инадолъ некия Повредитъ.

Болезни лихоратки жестокие дисѣртерія маленхоліи главныя болезни апотомъ повреженіи ума зараза воздуха. Владеетъ левымъ ухомъ желнью жила холерою. и протчими сухими членами. Что дневная. о҃мена воздуха вгода҃ марсовыхъ. содержитъ. Генварь сначала жестокія. морозы дние несколко ветрено сухозима Потомъ даже до.20. 3. 21. Помешаетъ ветро҃ студено снегу довольно Приконцѣ 15

Ѳевраль жестокие ветры Ісухо досамои Половины апотомъ мерно іпогодно зимою. подержитъ 28 лехче исухо.

Мартъ. 1:2: 3. 4. ипротчие облачно студено 9. несколко туманно. 10. 11. жестоки морозъ 19. ветрено 20. сухо Потомъ морозы иконецъ Помешаетъ,

Апрель 1.2.3.4. холодно Покажетъ Іветръ о҃востока. 5. Помешае҃т.8.11.студено.14.ветръ 17. местамизагремитъ неболшеи дождь 19. ионыя морозы 23. умеренно ироса велікая поночамъ. 30. воздухъ дождевны.

Маи. 12. ночью мокро. 3. вихорь.4: о҃полудни. ісполночи ветръ имокра 15. помешае҃т 18.до.20. бу҃ритъ 21.22.непогода 23. наглая слота 24. Погоднѣе конецъ непостояненъ Іюнь Погодно имрачно. 6. слота. 8. будетъ мокро жниво сухо тихо. 9. дождемъ прашитъ Потомъ Помешаетъ тако Ікончитъ Іюль 2. мокро 4 мокро нездорово. 8. Погоднее 10. непостоянно. 20. тихо 21. ветръ о҃запада. 25.26. о҃полуночи 28 неболшеи дождь конецъ отменны Погоды

Августъ 1. мокро інездорово 3. Горячѣ ипомешано. 7. холодно. 9. мокро имолния 16

13 Парно. 19. ночью ветръ молния 20 21. 23 ожидать грому Приконце боятися тучи вихровъ імолніи.

Сентябрь о҃запада ветрено инесколько облачно 11. непостоянно 12.23. силны ветръ 15 17. 19. зимою страшитъ иветрами. 20 непостоянная Погода мало солнечнаго сияния Приконце.

Октябрь. 1. 2. Непостоянно. 3. мокро студено. 4. ненасно. 8. склонно склѡте. 10. 15. Погодна 18. Ненасно «19» Пасмурно 21. кдождю. 25» 28» снегъ идождь ветромъ кончитъ

Ноябрь третияго мокро пятаго холодно дождь вторагонадесять Пасмурно Пятагонадесять тожъ шестагонадесять ветрено дватъцатьседмаго непостоянно ипасъмурно доконца.

Декабрь склонно кснегу. 2. погодно 6. дождь «8» тугая зима. «10» теплѣе. Пятагонадесять ветръ 17. пасмурно мокро «19» 20» облачно дватцатьосьмаго. Погоднѣе потомъ снегъ иветръ.»

17

Изображеніе солнца.

(«)**солнце**

Граждански Господарски колендарь налетъ «100» учиненны іпаки наперьвое возвращающися «4» планета сл҃нце содержаще

	лета	1730	1758	1786	1814	1741	1769
1797	1825	1747	1775	1803	1752	1780	1808

Солнце есть Ѳартуны великои. надпотентами и҃кн҃жатами велікаго. чина людми господствуетъ. над птицами. орълами соколами кречеты зверми надлвами греѳами правит ѡкомъ серд҃цемъ мозгомъ нер҃вамі правым҃ бокомъ родившся поднимъ ласковъ клюдемъ умерно управляетъ вделахъ великои мысли много речистъ дагадливъ остороженъ сътанамъ высокъ справедливъ веселъ поважен зла ненавидитъ.

18

Свеликими людми Конверсуетъ дамы томужъ Подобны.

Годъ сухіи. мерны теплы Плодоносныи гаду пало гусенникъ много. иповредитъ овощи. рыбы мерно іраковъ. сливъ вишен҃ много грушъ яблокъ мерно громы частые. севы осенние хороши яровова много горохъ овесъ сеи навлажно земле огородъныхъ мало сена доволно вина много.

Вес(н)а надеятся мокрои Пасмурнои. вапреле непостоянно маи студ҃ны сначала неѡчень, ѡн҃ако плодоно҃ны конецъ совершитъ снѣгомъ

Лето сначала непогоⷣное потомъ ясно тиха ненадѣжное помешаетъ дождемъ вдѣнь Горечо ночⷪ студено Іюля весма ѡхолодиⷮ

Ѿсень суха. неочень студена ясна погодна снегъ роно выпадаетъ небеˢсоˡнычныхъ сияниї

Зима сухая неочень студена почнетъ Боˡшими морозами средина влажно схончитъ морозомъ

Что дневная ѿмена воˢдуха вгодахъ соˡнца содержитъ

19

Генварь «1» ветръ «4» 5» мокро снегъ «10» холодно» іумеренно «13» 15» погода «19» 20» інеи 22» мокро «27» морозъ ветръ конецъ тожъ

Ѳевраль снегъ ясно «6» 7» холодно иветръ 10» облачно «11» дождь інеи. снегъ. ветръ. 18» хороши морозъ иветръ. 21» ясно ветрено снегъ попеременамъ тако икончиᵀ

Мартъ до «7» ветръ имало Погоды потоᵐ холодная ияснѡ. 11» 12» пасмурно ідождь 13» лутче. 15» 20» неприятно тако икончитъ непогодно спомешателствомъ

Апрель «1» непостоянно ветръ «3» 4» сухо яснѡ «5» дождь попеременамъ «9» ясно «11» ветръ «12» морозъ «16» дождь «19» погодно 20» холодно идождь «25» сухо паходно солнце холодно кончитъ.

Маи «2» ветръ погодно тепло дождь 8»9» мокро «10» тѣплѣе Погоднее іветръ 17» 18» склонно кограду грому «21» 23. лутче «24» тепло сухо «26» помешаеᵀ доконъца.

Іюнь горячо ясно погодно склонно кдождю иветру «6» 7» 8» 10» холодно «11» 12» мокроясно «17» 19» холодно ветръ. 22» 27» теплѣе погодно игромъ «29» «30» дождь игромъ.

20

Іюль вⷭ҇ръ: «5» ясно «7» дождь «10» дождь «11 холодно. 14. тожъ погода «15» 18» солнечное сияние «19» 20» хмурно мокро холоднеетъ 21»25»26»29»погода«30»31» ливны дождь.

Августъ ясно «2» помешаетъ. 10» кгрому склонно «11» горячо «15» ясно» 16» ветръ велики «19» непостоянно. 21» туманъ «24» ненаснѡ «28»29» дождь мало ѿменнѡ.

Сентября «2» погодно потомъ холоднее ночи имерна погода

«13»15» ненасно «16» холодно пасмурно «19» сухо «20»22» умеренно «23» помешано «29» снегъ іли дождь.

Октябрь «1» 2» 3» тепло ясно: 4.5:: туманъ Буря «11» ночью морозъ ветръ 16» туманъ «17» погодно «19» склонно кснегу «20» мокро «24» помешано ночи. ясные ветръ. кончитъ морозомъ.

Ноябрь «1» ветръ мокро «2» пасмурно. непостоянно «7» тепло. 8. снегъ инепостоянно «10» 14» 16 морозъ 19» туманъ тепло. 22» снегъ. или дождь «28» помешаетъ конецъ холодно.

Декабрь до.5. восточны ветръ холодно. пасмурно «18» мокро «19»20» тожъ 21» 22» и дале сухо конецъ склонны кморозу иснегу («)

21

Изображеніе Венеры.

(«) венѣра

Гражданскі Господарскі Календарь налетъ «100» учи(не)нны ипаки на первое во[в]вращающися « 5 я планета вѣн(ер)а содержащя

ЛЕТА	1734	1762	1790	1818	1745	1773	1801
	1829	1751	1779	1807	1756	1784	1812

Венусъ есть натуры хладнои и влажнои чтемъ порованы благопріятны. называется меншимъ сщастиемъ приятно женамъ. родивыся поднимъ пригожи благолепны ракошны милосерды невестолюбивы неплодны обычая добра веселы домузыки охочі Годъ холодны туманны идовольно теплы бываетъ

22

Весна овощамъ івино Градамъ угодно подзатменнемъ солнечнымъ хладно. идождевно сеять хорошо.

Лето умеренно жатве поспешно. мало студена иневетрива.

Осень. теплая ясная досредины. Пото[м] холодно надобно сеять зараніе.

Зима сначала сухая потомъ мокрая воды надеятся много яроваго пшеницы доволно. новощеи садовы[х] хмелю вина изобилно непогоды частыя. игромы. великия наводнения. часто гаду мышеи гусеницъ доволно рыбъ множество болезни приносятъ обле-

жение Өранцузіи дисертерия. вовнутренностяхъ разныя боле^{з}ни гдрства ея. на̑женскимъ гобле^{м} хребто^{м}

Что. дневная отмена воздуха вгодахъ венуса содержитъ.

Генварь сухо «4» нечто ветрено «7» мо^{к}ры ветръ «12» снегъ «13» хмурно холоднѡ 14» снегъ непостоянно «16» 17» 18» 19» ветръ 20» холодно» 23» облачисто» 27» снегъ холодно морозъ:

Өевраль еще холоднои «4» вер̑енно

23

7» мокры воздухъ «12» Пасмуръно 16» 17» непостоянно «18» ветръ «23» пасмурно ихолодно «25» 26» 27» ветръ дождь наконецъ знои»

Мартъ сухо холодно сътеплымъ помешано «15» 16» тожъ «18» 19» 20» дѡждь «21» хоршо ветръ. 23» морозъ кончитъ стуже иветромъ.

Апрель ненасно холодно «3»6» ясъно холодно «7» 10» помешаетъ «16» плодѡносно «23» приемно «24» тожъ ипомешаетъ «27» облачисто кончитъ посътоянно.

Маи до «6» непостоянно «7» студено иветрено «13» тепло и дождь «16» холодно. неприятно «22» горечо истрашны громъ около «25» потомъ сухо «29 штурмъ конецъ кгромобитию склонъны:

Іюнь почне^{т} дожде^{м} инеприятъно «6»7»8. умеренно «12» тепло идождь «19» помешаетъ дождемъ иветромъ холоднымъ «20» ненасно студено «22» дождь 23» тожъ конецъ погода»

Іюль погодно «9» дождь холодно «15» теплее «17» дождь «20» хорошо тепло «24» вер̑ъ конецъ облачистъ

24

Августъ склонно квихру изною. 6» ненасно «10» помешано мокро «15» 17» непогода» громъ «20» облачно погода «24» студено «29» ветръ ипасмурно»

Сентябрь сначала холодно иночи. ясные холодные «8» ветръ «14» неприятно кгрому імолніи склонно «16» 17» 18» 19» заБерется «24» студено «25» мокро «26» сътудено «28» ночью иясно звезды.

Октябр дождевита ясно тепло «12. 13» 14» 15» пасмурно «17»

19» слота «20» солнечное сияние ветръ іожидать снегу. 26» облачисто кончит поперемена

Ноябрь «1» снежно облачно «3» ветрено истудено инесколко светлыхъ днеі 10» студено иморозъ «17» тише идождь или снегъ «24» тихо поночамъ морозы тако икончитъ.

Декабрь. 1. небольшая. стужа «8» пасмурно иморозъ попеременамъ 15» тихо «22» ясно» морозъ иветръ «29» тихо» ипоночамъ морозы доконца»

25

Изображеніе Меркурія.

(«) **меркуріи:**

Гражданскі ігосподарскїи Каленъдарь учиненныи налетъ «100» инаки напервое Возвращающіся 6» планета Меркурїи содержащїи [лета.]

1732	1760	1788	1816	1738	1766	1794
1822	1749	1777	1805	1755	1783	1811

Меркуріи есть своиства инатуры непостоянноі родившіися поднимъ бываютъ остроумы вспекулаціи. мудрствованияхъ упражняющіся. мамематикіи Филосоѳіи пнити купцы ивсякия художникі владеетъ ѳа(н)тазнею памятию желчию руками. іинымі членами причитаются

26

ему ртуть всякие менералы. и драгие каменье болезни наноситъ тесноту сердца меленхолию утрату разума кашель тугу исмутокъ напаче въвесне. иосенью часто скотъ заражаетъ. ивреках рыбы откуду мало ирыбъ состоянию года сухо ихолодно ветрено того ради необилное урождение. потешитъ.

Весна вначале студена снежна. помалу потомъ суха тепла ветрена дале приятно»

Лето хотя имокрое обаче веселое ітеплое овощи ісено собирать вскоре» Осень до половины октября снежна студено дале весела солнечное сияние зачастыми хмурностми дождями дакончитъ»

Зима нестудена навихру. ветры. частыя непогоды изимни во[3]-

духъ студенымъ морозомъ. овощеи доволно хмелю мерно в^{и}на скудно идругова яроваго невесма много Приконце лета дождь много.

Что дневная о҃мена воздуха вгодахъ меркурия содержитъ

27

Генварь начнетъ крепкимъ морозо^{м} 10» вихровато «12» кснегу склонно «15» мягче «20» 21» 23» небезсолнечнаго сияния «29» 30» мерна погода»

Февраль непостоянно «3»4» мерно 5» 6» морозъ иотполуночи ветъръ 10» пасмурно непостоянно «17» мяхко 26» склонно кснегу сконъчитъ мокърымъ воздухомъ

Мартъ до «14 невесело ветрено «15» холоднѣе «18» 24» теплые почи холодные «24 кдождю склоняетъ. 28» весепнаго воздуха надеятся»

Апрель «1» невесело «2» 3» 4» страшитъ градомъ дождемъ. потомъ холо҃но ветръ туманъ иневесело «17» тепло 23» ветры вночи студеные исухо конецъ невеселъ»

Маи «1» 2» 3» ясны дождь иприемъно скрпитъ «13» 14» ясно тепло. непоянно 17» студеные нощи пс^{к}лонно кдождю ветръ стужа «24» хмурно «27» дождь 28» ясно конецъ отменны

Іюнь до «5» хорошо дале склонно кдождю игрому «8» студено ненасно «10» хорошо «12» о҃менно «13» теплее «17» ливны дождь «22» ненасно «24» иконецъ дожьдь» хмурно громъ имолния»

28

Іюль «I» подзории веселее. «12» ветрива. сухо «28» неприятно дождь слота громъ. пасмурно крнецъ веселию.

Августъ еще. сносно искоро о҃мена громъ дождь «3» 4» 5» дождь громъ «10» 12» ненасно громъ «14» 19» дождь непогода «20» вѣтрино «22» 23» ясно. нощи студены «25» ненасно «28» солнечное сияніе такъ икончитъ.

Сентябрь. холодно. туманно. кдождю склонно «7» множится. ветръ «14» 15» 16» ясно инагромъ. склонно потомъ тепло «17» 19» 20» 23» холодные нощи «24» доконца непостоянно нхолодънн ветръ»

Октябрь поночамъ морозъ «7» мокро 11» тепло сухо. ветрено

«18» 19» дождь нощи студены «20» морозъ. малои. дале тепло «27» 28» кдождю. склонно тридесятаго.«31» мокро ветръ непостоянно»

Ноябрь мокро. дождь ветръ силны. 6» непогдда «10» 11» снегъ или дожьдь 12» погода. 19» дождь. или снегъ «20» холодно отдаетъ наслоту «27» морозъ туманомъ скончитъ

Декабрь моро[3] снегъ «8» дождь ненасно

29

10» очень мокро «19» морозъ. 20. морозъ ветръ. кончитъ непостоянно инеболшимъ морозомъ иветр°мъ.(»)

Изображеніе луны.

(») луна.

Гражданскі Господарски календарь учиненны налетъ «100» и паки напервое возвращающися «7» планета луна содержащіи

лета	1731	1759	1787	1815	1736	1764	1792
1820	1742	1770	1798	1826	(1)753	1781	1809

Луна есть глава водамъ іисточникамъ ирекамъ великимъ правитъ. мозгомъ головою левымъ бокомъ «иокомъ» желуткомъ брюхомъ исмысломъ смакомъ всемъ планетамъ присудствуетъ силу деиствия ізнуряе[т] 30

Люди поднею родившіися стану худова непостоянные лживы. напрасно умираютъ рыбъ ловить охочия впуть шествующия. непослушныя смиренно лукавыя сребролюбцы. мало сщасливые волокиты непостоянные брехливые. идамы тому подобны иб...и безстыдныя.

Годъ мокры иснежны.

Весна сначала студена потомъ тепла мокра непостоянна приконъце слотиста.

Лето болше студеное тепло или мокро неностоянно пременяющѣе.

Осень студена мокра. непостоянно зима ненадежна мокра снежъна ветрива іиаводнения исправляетъ Болезни весною пара-

29

лижъ пухлина желутка сухота вбокахъ закладываетъ наскотъ падежъ»

Гусеницы мыши червь повреди[т] мало вполи погороды рыбъ раковъ мерно остри[т] доволно наводнения надеятся оеръ хотя непостоянъны. однако людемъ здравы овощеі доволно исена обилно вина мало.

Что дневная отмена воздуха вгодахъ луны содержитъ»

31

Генварь неболшая стужа иснежно 5» вихровато «7» дождь «15» неприятно. ветръ «20» 27» снежно морозъ доконца»

Θевраль «3» ветръ тумапно «6» нена҃но 12» студено. ясно «19» 20» мокро «23» снегъ «26» ясно «28» ненасно»

Мартъ ненасно «4» мокро ветръ 5» дождь ливны «7» 8» студено «11» 15» слота «19» 20» пасмурно ветръ «22» 25» снегъ дождь мокро ненасно ветръ такъ иконъчитъ»

Апрель ясно мокро «13» хмурнѡ. и погода попеременамъ «18» кдождю склѡнѡ «20» студенѡ ветръ слота «25» ясно хконцꙋ дождь.

Маи ясно «5» 6» горячо «8» ветръ 10» мерно «17» ливны дождь «18» 19» солнечное сияние дожьдь такъ икончитъ»

Іюнь «5» тепло ясно «9» непостоянно «12» отменно «13» погодно. 18» ненасно «27» кончитъ мало отменно»

Іюль кончитъ первую маневую «7» ясно «23» ненасно «28» пасмурно кончитъ сносно» 32

Августъ погодно отъменно дождь Громъ «11» 12» такожъ «15» хуже «16» дождь «23» ясно студено» поночамъ мокро скончитъ такожъде.

Сентябрь вихръ холодно «3» ветръ дождь или снегъ «7 8» непостоянно 14» умеренно «24» 25» 26» слота гра҃ 28» студены полунощны ветръ 29» 30» дождь или снегъ»

Октябрь стужа «6» 7» дождь ветръ 14» неприятно «17» 18» дождь или снегъ «21» непостоянно «22» 23» 26» мокро. весма непогодно пасмурно «30» тожъ:

Ноябрь. 1» студено хмꙋрно «3» 4» студено ненасно «6» 7»

дождь солнечное сияние «9» морозъ потомъ теплее «20» морозъно «27» непостоянно»

Декабрь «3» помешаетъ о҃менно «13 студеная погода «16» мокро «18» пасмурно «19» 20» густои ветръ 23. еще ветръ потомъ мало о҃менно ізима.

33

осѣяніи:

Когда луна пребываетъ сеять твердое жито на сухихъ пашняхъ

Когда убываетъ сеять мяхкое жито на влажнои земле»

Ленъ позно ирано сеи сконоплями придалномъ ☽ сияніи бываетъ долги пополнея обилны хотя коротки наозимъ насеи наилутшие дни августа «5» 6» 7» 8» 12» 14» 20» 21» 29» сентября «3» 4» 12» 22» 26» 27» октября вни҃ ростущіи вкорень. сеи ісади когда ☽ подземлею Что приметить. можно ізахождения ивосхождения ☽ Августа исентября ноября декабря настроение надрова. рубить хорошо чтобъ и҃пнеи паки выросло впервои четверти

Волосы чтобъ паки вскоре выросли. когда ☽ прибавляется хорошо стричь ачтобъ нескоро росли когда ☽ умаляется:

Детеи отгруден отъимать маия Августа ноября генваря пред полномъ ипополненіи лунномъ»

34

окровопусканіи:

Первои четверти да «7» дня пущаи кровь людемъ молодымъ. комплеѯіи кровистои Апреля Августа декабря которымъ господствуетъ холера второи четверти маия сентября генваря. даже дополна которымъ пануетъ мелен҃олия людемъ лѣтнимъ отполна до .3. кварды месеца»

1. Октября февраля которымъ флегма пануетъ людемъ старымъ остатнои кварды» досамаго настатия общее правилно нужда законъ переменяетъ однако малодымъ должно хранить квад.ры: аяснее изображено напоследнемъ листе

Прогъносътикъ Госъподаръскіи Докалендаря на сътъ Летъ

35

Генъваря «8» солнце входитъ въ водолея а «3» день ясны значитъ годъ обилны. Генваря «съ 7 до «12» днеи какая внихъ Погода такая и въ 12 Месецахъ»

Генваря .8» дня кто Родитъся Памяти доброи смутны меленхоликъ инаукою бавящися ичрезъ науку добогатъства Пріидетъ. дочери хитрые всеи часъ родящіися. отъчеръnаго зверя шкоду узнаютъ. надобно отводы беречися мужа вернаго збудутъ»

Дня «14» когда ясно Годъ добрыи будетъ когдажъ день худъ Будетъ годъ недобрыи воину ветривы паскотъ тяжело пасмурно снегъ или дѡждь дороги часъ значитъ. Ѳевраль «7» дни солнце входи̅ врыбы.

Всеи часъ родящіися самѡхвалящіися величавы смелы хитры донаукъ склонны 36

д» гневливы сворливы. ковсе^м любовны икурвы добры перваго мужа утратятъ запѡжитокъ:

Естли загрѣми^т громъ упадокъ пашнямъ когда сеи мц̅ъ нестудены. великъ д̅нь конечно студен^е я будетъ каковъ «11» дн̅ь такожъ и впостъ великои»

Марта дня «9» Солнце вході^т воѡвны втотъ Часъ р^о дящіися. смелы стыдливы жигливы умонарховъ приемля ранги. великия получаютъ поношение игневъ терпитъ

Мартъ сухои апрель мокрои маи. холодно много паше^н вина и сена приносятъ когъда загремитъ будетъ го̅ обилны» 37

Колико росы толко попасхе морозовъ Ававгусте днеи пасмурны^х «25» марта естли того дня солнце ясно входитъ іночь ясна была Годъ обилны естли великои пятокъ будетъ дождь еще лутче какова. среда и четвертокъ после. заговенья таковаго весна іле то каковы пятокъ исуббота таковы осень изима.

Апреля дня «9» солнце входитъ втелца для констеляціи певныхъ часто непостоя^н но мокро дорогость исухость погодны обидны исухои годъ значитъ:

Когда наво̅нение тепло то. цъветоносна зима «3» дня естли поле неземлено неурожаи ка̅ вишни цветутъ то надеется инавине Громъ сего месеца вредитъ рожъ иячмень»

38

Когда Солнце входитъ. Х.. кто родится бываетъ Господарски донаукъ велики охотникъ. богатыи скупые к духовымъ склонны»

Мая «10» дня солнце входит вблизнецы. подсимъ родившіися охочи донаукъ праделны гневливы ислезливы инатурою некрепки іконецъ мая мокры. скудость хлеба ивина. значитъ частые Громы надходящіи Годъ обилныи значи зеленые свята мокрые лихие знакъ великие Громы шкодя тяшко скоту. какъ нетакъ ωсень будетъ.

Іюня «10» дня Солнце врака. в'ходитъ начало лета счисления Родящіися Быстроумны Памятливы благонравны. мало Гневливыи щастливыи нонедолго щастие трезвыи: 39

Частымъ дождемъ Маи последуетъ Іюнь дожди неи бытные Веселятъ гумнω Господа какои «8» дни такие «4» недели Потомъ «24» Естли будетъ дождь заненастиця «49» днеи. Іюля «12» Солнце входитъ вова Часъ наиспособнеиши достроения Іюля «19» начало каннули Августа 12» конецъ деревье купи заводы строи»

Родящіися втомъ знаменіи добродетели справедливыи ковсемъ охочи бываютъ правду простосердечие любящия какъ погода «3» дня такъ чрезъ две недели вкоторыхъ каникулы холодитъ этизинъ иумножение» плодовъ приносятъ ибо «40» днеи влажно веютъ когда солнце волва входитъ. а загремитъ убытокъ жита иячменю.

40

Августа входитъ солнце «12 дня вдеву родящіися ласъковы расторопни вписарстве купю. дховенстве щасливые двору ипанства имеютъ. с. 3. чтися частые громы знакъ слоты аподлинно «5» дня «21. ясны «4» недели погода іосень обилно подлинно будетъ осень погодна зима ветрена»

Сентября .12. Солнце входитъ ввесы женясъ поезжаи вдорогу кто родится всеи часъ. любомудры зависть терпящі засвое добро ковсему щасливъ о. 4. до .7» деревье настроеніе готовь о .11. до «18» сеи всячину сколько па дубахъ ореховъ «18» столко снегу предрожество оворп одинъ орехъ естли полны лето обилно будеж гнилы. лето моро знаиде муху мерное паука голоное червь обилное праны мо сухи значитъ годъ

41

Октября «12» дня сол҃це: входи^{т} вскорпию. нелечися люди. непослушны памуры глупы скупы лакомы бываютъ. родящіися поднимъ сими знаменми. присвояются когда громъ вте час^{ы} неродъ хлебу иголодъ скотине упадокъ. имасло мало когда листъ нескоро. опадетъ здрева сколко желутковъ столко снег^{ꙋ} отперваго снега щитаи до новаго. месеца днеи толко. слоты иснегу взиме надѣе^{т}-ся 31» дн҃я квока сходитъ изаходитъ даже призаходе годъ. мерны позаходе лето позно предзаходомъ лето ране обилно будетъ»

Ноября .30. сл҃нце входи^{т} встрелца. родящися подни^{м} промысле^{н}ни інабожни небеспечали бываютъ. му҆ри боле^{з}нь вголове терпя^{т} когда загреми^{т} жито нагорахъ обилно. наниски^{х} местахъ скупо»

42

Декабря «11» солнце входитъ Вкозерога Случитца рождение Предпол҃нѣмъ Годъ обилныи. загремитъ Годъ ветривы

ирожество ясные дни хлеба. вина мясъ рыбы доволно ветръ дождь значитъ тяшко люде^{м} родящимся всемъ знаменіи. меленхолики рѡбята огнисты^{е} воры понырые монахи лякливые. дрова достроения готовъ 30»31» генваря:

О планѣтахъ дняхъ ичасахъ которыми дни ичасы владею^{т}

☉ солнце	воскресеніе: Н
☽ луна	понеделикъ: П
♂ марсъ.	вторникъ: В
☿ меркурїи	среда. . . . Р
♃ юпїтеръ.	четверто^{к}: Ч
♀ венера	пятокъ. .: Т
♄ сатурнъ	суббота. .: С

43

о кровопусканїи жилномъ ирожечномъ икогда лекарствопріма^{т}(»)

Всрединѣ представленъ человѣкъ съ вскрытымъ животомъ; кругомъ двѣнадцать знаковъ зодіака. Внизу текстъ:

(«)**въ генварѣ** кровь пускать жилную ирожечнꙋю въ 2. 3. 10. 17. 25. 29:

Лекарство принимать въ 2. 3. 8. 10. 17. 25. 29. 31. числехъ
въ февралѣ: к: въ 1. 6. 9. 16. 18. 22. 24. 29:
Л: въ 1. 6. 9. 16. 18. 22. 24. 29 числех

44

въмартѣ: к: въ 2. 10. 15. 17. 23. 29. 31. . . . . :
л: въ 2. 10. 15. 17. 23. 29. 31 числехъ
въ апрѣлѣ: к: въ 7. 14. 20. 22. 27.
л: въ 7. 14. 20. 22. 27. числѣх
въ маѣ. к: въ 1. 5. 7. 8. 13. 15. 19. 22. 23. 29. 30
л: въ 1. 5. 7. 8. 13. 15. 22. 23. 29 числехъ
въ іунѣ. к: въ 4. 5. 11. 12. 19. 21. 29.
л: въ 4. 11. 12. 16. 20. 21. 26 числехъ
въ іулѣ. к: въ 3. 10. 18. 21.
л: въ 3: 10. 19. 21. числехъ
въ августѣ. к: въ 11. 17. 19. 25. 26.
л: въ 11. 17. 19. 25. 26 числехъ
въ сентябрѣ к: въ 1. 14. 15. 18. 19. 23. 25. 29. 30:
Л: въ 1. 14. 15. 18. 19. 23. 25. 29. 30. числехъ
въ октябрѣ к: въ 2. 7. 15. 22. 28.
л: въ 2. 9. 15. 22. 28 числехъ:
въ ноябрѣ к: въ 5. 8. 9. 15. 21. 29. 30.
л: въ 5. 8. 9. 15. 21. 29. 30 числехъ.
въ декабрѣ. кровь пускать и лекарство принимат въ 15» числѣ. (»)

---

667. Календарь (первой половины XVIII в.).

«Кругъ имеяй всебѣ часы дневныя и нощныя. скотораго числа. прибываютъ и убываютъ.. годъ держи[т] всебе к҃і мцовъ. втомъ числе. д мц҃а по[л]дне а се[м] мц҃о[в] по. л҃а дню а февра[л] ки днеи аще высокосъ то к҃ю҃, днеи а недель по четыре неделипо к҃і по г дни вмце. кроме оевраля мца понеже въ оеврале іметъся ровно д недели (.) аще высоко(с) то д неделі і л҃ день і того въ

году тѯѕ днеи аще высокосъ то ѕ днеи а часовъ иѱѯ высо(к)о^{c} то кд прибавить и въ ки ле^{т} ввысокосны^{х} дняхъ вкладная неделя прибываетъ».

Всредин҃ѣ изображено солнце, кругомъ обозначеніе прибыли и убыли дня; внизу подробная таблица по днямъ каждаго мѣсяца.

Листовая картинка гравирована, хотя и грубо но очень чисто, на деревѣ. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (XI, 2264.)

---

668. Календарь 1749 г.

Отпечатанъ на листѣ, двухлистоваго размѣра, гравированъ на мѣди. Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VIII 1441).

Въ верхней части находятся святцы, начиная съ Сентября мѣсяца; внизу помѣщена: «Пасхалия, зрячая вкратце по ключевымъ словамъ» начиная съ 1749 и кончая 1778-мъ годомъ.

Кругомъ всего листа рамка съ мелкими изображеніями святыхъ и праздниковъ.

---

669. Календарь 1774 г.

Гравированъ въ поллиста на мѣди. Вверху въ срединѣ изображено солнце (лице), кругомъ, лучами, расположены двѣнадцать мѣсяцевъ и нѣкоторые праздники. Подпись: «кругъ їмѣяи всебе часы дневъныя и нощныя скотораго числа прибываютъ ї убываю^{т}. годъ держитъ всебе к҃і мц҃овъ втомъ числѣ д месецъ по л҃ дней а з҃ мц҃овъ по л҃а дню а февраль к҃и днеи. аще высокостъ то к҃ѳ҃ днеи, а недель вкаждомъ мц҃е по д недели по в и по

три дни кроме ѳевраля мц҃а понеже въ ѳевралѣ имеется, ровно недели аще высокос^{т} то дн҃ь прибывае^{т} и того вгоду т҃ѯ҃є днеи. аще высоко^{с} то дн҃ь прибываетъ и часовъ ѧ҃ѱ҃ѯ҃ аще высоко^{с} то к҃д прибави^{т}. и в' к҃и ле^{т}. высокосны^{х} дня^{х} вкладывая неделя прібываe^{т}.»

Внизу таблица, изображающая: «рождение» и «ущербленіе луны. на годы ѧѱод—ѧѱчи» (1774—1798).

Подлинникъ находится въ Олсуфьевскомъ собраніи (VII, 1314).

---

670. Мѣсяцословъ 1787 года.

Отпечатанъ на восьми склеенныхъ листкахъ; изданіе Ахметьевской фабрики.—Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

Вверху, всредин҃ѣ, надпись:

«Мѣсяцословъ съ богомъ святымъ всего лѣта.»

Подъ нею находится тридцать одинъ кругъ съ обозначеніемъ праздниковъ: дванадесятыхъ, богородичныхъ и прочихъ.

Внизу **«пасхалия зрячая»** на годы: 1787 — 1793.

Въ боковыхъ полосахъ, слѣва и справа помѣщено въ кружкахъ—родословіе русскихъ царей, съ надписью:

«Родословие россійскихъ великихъ князеи Государеи цареи императоровъ и годъ ихъ о҃ рюрика идущихъ пон(ы)нѣ Царствующую Ея Императорское Величество Благочестивѣишую и самодержавнѣишую Великую Госд҃рыню императрицу Екатерину алексѣевну самодержицу Всероссіискую».

«Лѣто отъ Сотворѣнїя мира 6370 отъ рождества хр҃тва 861 по прошенію россианъ прїидоша їзварягъ отъ немецъ отколена августа кесаря римскаго на россїиское кн҃яжние три брата—**Рюрикъ. Синеусъ. і Труворъ.—**

1. Рюрикъ княжилъ вновеграде а столицу свою на стране ладоги езера заложилъ — Синеусъ. княжилъ на^{д} белымъ езеромъ над нимже градъ и столицу созда — Труворъ княжилъ во пскове и столица его бысть во избор(с)ку.—

2 степень сынъ его Игорь рюриковичь по смерти отца своего здядкою своимъ Олегомъ княжилъ вкиеве. Супруга его Ольга жена Игорева посмерти мужа своего игоря ссыно^{м} своимъ Святославо^{м} княжила вкиеве.

3. Сынъ его Святославъ Игоревичь по отце сматерію Олгою княжилъ вкиеве. Сынъ его Олегъ убитъ отбрата Ярополка влето 6481 княжилъ во древляна^{х}. Сынъ его Ярополкъ убитъ отбрата Владимера влето 6488 княжилъ вкиеве.

4. Сынъ его Владимеръ Святославичь княжилъ по смерти братеи свои^{х} Олега и Ярополка въ киеве. Первы сынъ его Вышеславъ княжилъ п(с)ковѣ граде. Вторы сынъ его Изъяславъ княжилъ въ полоцке. Третїи сынъ его Святопол^{к} княжил вкиеве и убилъ Борїса иглеба свои^{х} братие^{в}. Четверты сынъ его

5. Ярославъ владимеровичь по Святополке брате княжїлъ вкиеве. Пяты сы^{н} его Бори$\overset{\frown}{с}$ сты княжи^{л} вростове и убитъ о^{т} святополка. шесты сы^{н} его Глебъ сты княжи^{л} вмуромѣ и убитъ о^{т} святополка. Седмы сынъ его Святославъ княжилъ во древлянехъ. Осмы сынъ его всеволо^{д} кнжилъ во древлянехъ. Девяты сынъ его Мстисла^{в} княжи^{л} вотмутараканахъ что нне в страха^{н}. Десяты сы^{н} его Станиславъ княжилъ в москве. 11 сынъ его Судиславъ кнжи^{л} во пскове. 12 сын его Подиславъ кнжилъ вполоске^{х} и влѣху.

6. Сынъ его (Ярослава). всеволо^{д} Ярославичь поотце къняжилъ вкиевѣ. Сынъ его Святославъ всеволодовичь Сынъ его (Святослава всеволод.) Олегъ Святославичь. Сынъ его (Всеволода Ярослав.) изъяславъ поотце книжилъ вкиевѣ. Сынъ его (изъяслава) Михаилъ святополкъ изъяславичь книжилъ вѣвасїлеве. Сынъ его (всеволода Ярославича) вячиславъ всеволодовичь. Сы^{н} его (Всеволода Ярославича) Игорь всеволовичь).

7. Сынъ его (Всеволода Ярославича) владимеръ всеволодо-

вичь мономахъ княжилъ вкиеве. Сынъ его Мстїсла[в] кн҃жилъ по отце вькиеве. Сынъ его (Владимера) Ярополкъ княжилъ по брате мстиславе вкіеве. Сынъ его (Владимера) Андреи преставися влѣто 6649.

8. Сынъ его (Владимера) Юрїи владимеровичь княжилъ вкиеве. Сынъ его андреи юрьевичь боголюбскїи. Сынъ его (Юрія владиміровича) василіи княжи[л] впорусье ідеже нн҃Ѣ белая цр҃квь.

9. Сынъ его (Юрія Владимір.) всеволо[д] Юрьевичь кн҃яжилъ вовладимере.

10. Сынъ его (Юрія Владимір.) всеволодъ юрьевичь пріде искїева во владїмеръ навеликое кн҃жніе. Сынъ его Юрїи всеволодовичь кн҃жилъ во владимере. Насего кн҃зя Юрия всеволодовича было нашествіе царя татарскаго батыя влето 6745 іюны кн҃зь убитъ. Сынъ его (Юрія всеволодов.) всеволодъ убитъ батыемъ. Сынъ его (Юрія Всеволод.) владимеръ убитъ батыемъ. Сынъ его (Юрія Всеволодов.) Мстиславъ убитъ батыемъ. Сынъ его (Всеволода Юрьевича) Светосла[в] кн҃жилъ вовладимере. Сынъ его (Светослава всеволодов.) Дімітрїи сохраненъ отъ батыя. Сы[н] его (Всеволода Юрьевича) іоаннъ остался отъ батыя. Сынъ его (Всеволода Юрьевича) василеи остался отъ батыя. Сынъ его (Всеволода Юрьевича) Кст҃антинъ кн҃жилъ вростове и ярославле. Сынъ его (Константина всеволодовича) Владимеръ остался отбатыева нашествія. Сы[н] его (Константина всеволодовича) василко убитъ на бою батыемъ. Сы[н] его (Василка) Борисъ остался отъ батыя. Сынъ его (Василко) Глебъ остался отъ батыя.

11. Сы[н] его (6$\frac{a}{=}$, Всеволода Юрьевича) Ярославъ Всеволодовичъ поубїені брата Юрья кн҃жилъ вовладимере. Сынъ его Ярославъ наалександре наста. Сынъ его (Ярослава Всеволодовича) Афонасеи Ярославичь. Сынъ его (Ярослава Всеволодовича) Данїилъ Ярославичь. Сынъ его (Ярослава Всеволодовича) Костантинъ Ярославичь. Сынъ его (Ярослава Всеволодовича) Андреи отсего роду суздальскихъ кнзеи Кн҃зь василеи шуїски.

12. Сынъ его (Ярослава Всеволодовича) Алеѯандръ Ярославич невски кн҃жілъ вовладимерѣ. Сынъ его андреи преставися

влето 6872. Сынъ его (Александра Ярославича) димитрїи повасилїи на кн҃женіе сиде[т]. Сынъ его (Александра Ярослав.) василїи кн҃жилъ во владимере. Сынъ его (Александра Ярослав.) андреи кн҃жилъ вовладимере. Сынъ его (Александра Ярослав.) Дмитрїи княжи[т] вовладимере исо андреемъ братомъ. Сынъ его (Александра Ярославича) василїи кн҃жилъ вовладимере и Ярославле. Сынъ его (Александра Ярославича) Данїилъ александровичь зри наоборотe=на другой стороне степень 13.

во 2 разъ 13. Данїилъ алекѯндровичь княжилъ на москве. Сынъ его Борисъ даниловичь. Сынъ его (Данїила александр.) Алеѯандръ данїиловичъ. Сынъ его (Данїила Александр.) Юрїи даниловичь. Сынъ его (Данїила Александр.) Афонасїи даниловичь.

14. Сынъ его (Данїила Александр.) Иоаннъ даниловїчь калита сеи прс̑тлъ отца дїмера вмоскву прен. Сы[н] его димитрїи иоанновичь.

15. Иоаннъ иоанновичь поотце нача кнежити вмоскве. Сынъ его дими

16. трїи иоанновичь донскои поотце нача княжити вмоскве. На сего кн҃зя димїтриа иоанновича приходилъ нечестивы цр̑ь татарски мамаи влѣто 6888. Сеи кружокъ лишней. Сынъ его Петръ княжилъ во дмитрове. Сынъ его (Димитрїя Донскаго) Юріи княжилъ вувличе извенигороде. Сынъ его (Димитрїя Донскаго) Андреи княжилъ вможаиске.

17. Сынъ его (Димитрїя Донскаго) Василїи Димитриевичь по отце княжилъ в москве. Сы[н] его Георгїи Васильевичь. Сынъ его (Василїя Дмитрїевича) Андреи Васильевичь. Сынъ его (Василїя Дмитрїевича) Иоаннъ Васильевичь.

18. Сынъ его (Василїя Дмитрїевича) Василїи Васильевичь по отце княжилъ на москве. Сынъ его Андреи кн҃жилъ на вологде. Сынъ его (Василїя Васил.) Борисъ княжилъ въ волаколамско[м]. Сынъ его (Василїя Васильев.) Георгїи княжилъ во дмитрове. Сынъ его (Василїя Васильевича) Андреи княжилъ вугличе.

19. Сынъ его (Василїя Васильевича) Иоаннъ Васильевїчь

первыи нача поотце кн҃жїті на мкве. Сынъ его Димитріи Иоанновичь. Сынъ его (Иоанна Васильевича) Иоаннъ Иоанновичь.

20. Сынъ его (Иоанна Васильевича) Василїи Иоанновичь по отцѣ нача цр҃ствовати на москве.

21. Сынъ его Иоаннъ Васильевичь ц҃рствовалъ на москвѣ. Сынъ его Иоаннъ Иоанновичь умре влето 7090. Сынъ его (Иоанна Васильев.) Димитріи Иоанновичъ ст҃ъ убие҃ ноже҃ наугліче лет. 7090. Сынъ

22 его (Иоанна Васильевича) Федоръ Иоанновичъ поотце ц҃рствовалъ намоскве. Супруга его (Иоанна Васильевича (Ц҃рица Настасїа Романовна, дщерь его (Романа великаго князя) Рома҃ великїи князь Сынъ его Никїта Романовичь дядя царю Федору Іоанновїчу. Сынъ его Филаретъ Никитичь что былъ патриар҃. Сынъ его Ц҃рь Михаилъ Феодоровичь. Сынъ его Ц҃рь Алеѯѣи міхаіловічь. Сынъ его ц҃рвчь Алексѣи алексѣевичь. Сынъ его (Алексѣя Михаил.) ц҃рь Феодоръ Алексѣевичь. Сынъ его ц҃рвчь Илья Феодоровичь. Сынъ его (Алексѣя Михаиловича) ц҃рвчь димитріи алексѣевичь. Сынъ его (Алексѣя Михаиловича) ц҃рвчь Симеонъ алексѣевичь. Сынъ его (Алексѣя Михаиловича) ц҃рь Іоаннъ алексѣевичь. Дщерь его Г҃дрня імператрица Анна іоанновна. Сынъ его (Алексѣя Михаиловича) Петръ Алексѣевичь пѣрвыи Императоръ. Супруга его Г҃дрня Императрица Екатерина Алексѣевна. Сынъ его ц҃рвчь павелъ петровичь. Сынъ его (Петра I) ц҃рвчь петръ петровичь. Сынъ его (Петра I) ц҃рвчь Александръ Петровічь. Сынъ его (Петра I) ц҃рвчь Алексѣи петровичь. Сынъ его Петръ Алексѣевічь Императоръ вторыи. Дщерь его (Петра I) Г҃рня Імператрица Елисаветъ Петровъна. Дщерь его (Петра I) Ц҃рвна Анна Петровна что была загерцого҃ голштейнски҃. Сынъ Ея Петръ Феодоровичь Императоръ третїи. Дщерь его Великая княжьна Анна Петровна. Супруга его (Петра Федоров.) Г҃дрня Имнератрица Екатерина Алексѣевна. Родися 1729 апреля 21 восприяла престолъ 1762 июня 28 дня. Сынъ его (Петра Федоров.) Г҃дрь цесаревичь и Великіи Князь Павелъ Петровичь. 1 Супруга его Г҃дрня великая кн҃гня наталия але-

ксѣевна. 2 Супруга его Гдрня великая кнгня Мария Феодоровна 1. Сынъ его Гдрь великїи кнзь Александръ Павловичь. 2 Сынъ его Гдрь великіи князь Константинъ Павловичь. 3 Дщерь его Гсдрыня Великая кнжна Александра Павловна. 4 Дщерь его Гсдрня Великая кнжна Елена Павловна. 5. Дщерь его Гсдрня Великая кнжна Марія Павловна.

---

671. Всегдашній календарь (конца XVIII в.).

Листовой; состоитъ изъ круговъ, въ которыхъ вычерчены шестилучевыя звѣздочки съ обозначеніемъ въ нихъ именъ святыхъ и праздниковъ.

Вверху два ангела держатъ ленту съ надписью:

«благословиши венецъ летъ благости твоеи господи.»

Внизу подпись:

«Црь нѣкїи богатъ велми и славенъ зѣло свѣтелъ и великъ надъ всею вселенною егоже нѣкогда и мы знакомъ добрѣ имѣяше же той великїй црь подсобою иныˣ нѣкіˣ д̃ цри емуже они служаху вѣрно и бяху строители и правители цртву его и подъ тѣмиже д цри устрои тои великїи црь в̃і князеи иже управляху строино и вѣрно въ помощь д̃ мъ царемъ во времена своя добрѣ подъ тѣмиже в̃і князми постави той великїй црь и̃в епарха да помогаютъ д̃ мъ царемъ и в̃і княземъ добре. тѣмже предаде той великій црь ѿ дому своего т̃ѯє мужей свѣтлыхъ и красныхъ да служатъ тѣмъ епархомъ каждому епарху з̃ мь рабовъ симже тѯє мужемъ даде той великій црь каждому рабу по к̃д серебреника ,иѱѯ.»

Изданіе конца прошедшаго столѣтія. Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

---

672. Календарь 1830 года.

Полуторалистовый, гравированъ рѣзцомъ. Вверху находится изображеніе Спасителя и двухъ ангеловъ, а посторонамъ надпись: «твоï есть день твоя есть ночь».

«Календарь или месецословъ вкоторомъ первои рятъ литеръ являетъ число мц̃а второе вруце лето посемуже познаваете день недельныи такоже вкоторомъ днї каковы празнїкъ и память всякого ст̃го чресъ весь годъ получается починну пр̃ковному явствуетъ коеже вруце лето въ которомъ году быти имать цыюирное же число прївсякомъ месеце и восхождение и захожденіе солнечнаго на всякъ день часы мїноты їзвещаетъ пасхалїа зрячїя по ключивымъ словамъ.»

Пасхалія приведена съ 1831 по 1842-й годъ; подъ нею помѣщена: «такса сбора весовыхъ денегъ изъ Москвы во все города губерни и области за писмы съ лота а за посылки съ фунта.» Въ Пуб. Биб., Собр. Даля. II, 144.

---

673. Пасхальныя руки.

Ахметьевское изданіе, отпечатано на листѣ склееномъ изъ двухъ листовъ и двухъ полулистовъ. Гравировано на мѣдной доскѣ.

Весь листъ раздѣленъ на 36 четыреугольниковъ; въ каждомъ изъ нихъ по двѣ руки съ гласами на суставахъ, для узпанія въ какой день въ году приходится какой праздникъ.

Надписи на рукахъ слѣдующія:

(1) «к Рука рж̃ства хр̃ства
в Рука марї египіцкои
(2) д Рука ст̃ое богоявленїе
г Рука треоди цветноі

(3) ѕ Рука мясопустия. аі Рука Алеѯея чл҃ка бж҃ія
(4) и Рука вруцелѣто (.) ѳ Рука евдокіи мчьницы.
(5) іи Рука столпа еваг҃глскаго.
ал Рука вознесенія гд҃ня:
(6) к Рука сошествія ст҃аго д҃ха.
кѳ Рука столпа Евангельскаго. ѕ:
(7) кв Рука третіе обретеніе главы Іоанна.
кз Рука столпъ ев҃лскої
(8) кд Рука петра ї павла
кв Рука петрова поста
(9) лд Рука круга солнїчнога
мз Рука триехъ ст҃ыи васїлїя г҃рія Іоанна ми.
(10) лѕ Рука основаніе ме Рука прибылымъ часамъ м*ѕ
(11) ли Рука перваго начала пт҃а ждескаго
мг Рука р҃жденіе мцовъ м*д
(12) м Рука фасха жидомъ мв Рука златаго чина.
(13) н Рука великомученика антипы
ѯг Рука. іоанна зл҃тоустаго
(14) нв Рука. казанскоі Бц҃ы. ѯа Рука молитвенная
(15) нд Рука смоленскої Бц҃ы нѳ Рука Симеона стол(п)нїка.
(16) нѕ Рука преображения гд҃ня нз Рука Маттіа архіепї-ск(оп)а антїохїскаго н*и
(17) ѯѕ Рука успенїя прс҃тыя Бд҃цы ол Рука блженнаго їси-дора ѯ*
(18) ѯи Рука зачатія стыя анны
ѯѳ Рука указание мц҃емъ:
(19) л Рука архістратига Михаїла
ѳі Рука їоанна богослова.
(20) лв їсправа алѳы о Рука георгія великомученика зі.
(21) ї Рука м҃ мучениковъ з Рука сыропустъ.
(22) ві Рука благовѣщенїя пресвятыя Бц҃ы є Рука пасха хр҃тва.
(23) ді Рука. треодь мытаря ї фарисея
г Рука Хр҃тва рождества мясоястія недель и днїи.

(24) ѕа Рука преполовенїя гд҃ня а Рука пермудра никиїскаго собора.
(25) мв Рука златаго числа мцовъ
аю Рука по҃тъ жидамъ.
(26) мд Рука ушербленїя м҃ца.
аз Рука н҃бснои епакты
(27) мѕ Рука великомученицы варвары
ае Рука индіктова.
(28) ми Рука стретеніе гд҃не аг Рука Θомі ап. лунил.
(29) кѕ Рука столпа евангілскаго. кг Рука петровъ мясопустъ к*ѕ
(30) ки Рука столпа евангелскаго ка Рука и҃ря константина.
(31) о Рука мр҃ка евг҃листа ѯз Рука ст҃аго Николы.
(32) ов Рука петра мітрополита московскаго ѯе Рука введеніе вц҃кви прест҃ыя Бц҃ы.
(33) ни Рука усекновеніе главы іоанна прдо҃течи иѕ Рука происхожденіе честнаго кр҃та гд҃ня
(34) ѯ Рука р҃жество Бц҃ы нг Рука пророка илїи
(35) ѯв Рука покрова пр҃стыя бц҃ы
на Рука рожества Іоанна кр҃стля
(36) ѯд Рука евангелиста луки мю Рука обретеніе главы Іоанновы.

---

674. Четыре времени года, работы А. Трукменскаго.

Четыре картинки, копіи съ голландскихъ образцевъ, гравированы на мѣди рѣзцомъ и водкой, въ полълиста каждая. Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

Времена года представлены въ видѣ женщинъ, окруженныхъ соотвѣтствующими принадлежностями, и съ очень недурными ландшафтами въ фонѣ.

Кругомъ картинокъ, сверху и съ боковъ, рамки изъ цвѣтовъ,

плодовъ, птицъ и разныхъ украшеній, на манеръ тѣхъ, которыя встрѣчаются на заглавныхъ листахъ синодика, гравированнаго Трукменскимъ съ другими граверами серебрениками. Подпись Трукменскаго «аѳанаѕеі» находится на послѣдней картинкѣ (зима). Подписи:

«Весна первое время года а вней г҃і н҃дль и ѕ часовъ а дней ч҃а и ѕ часовъ а часовъ ,врч (.) а починается марта зъ к҃є числа июня к҃є (.) весна оубо наричется яко д҃ва преукрашена красотою и добротою сѣяюще яко всѣмъ зрящимъ дивитіе добротѣ ея чюдна и преславна любима и сладка всѣмъ родитѣся внеи всяко животно радости и веселия исполнена сицево есть весна.

Инде пишетъ подобно веснѣ ц҃рю іону ѕѣло ѡболчено вц҃ркие одежды и вѣнецъ златыи на главѣ его (;) сѣдящуже ему на пр҃толѣ цр҃кіимъ обычне нозѣжъ бяху ему наги единыи имуще ремень саногу его (.) имѣя тежь вправою руцѣ ключь висящь и свѣтилники держащь на немже двѣ свѣщи обѣ равны едина возжена а втора не горитъ (.) влѣвои руце свитокъ а внемъ написано два слова (?) веселящижеся ему и радующесь и богатство много собирающе.»

«Лѣто второе время года июня ѿ кв г. числа сентября по к҃г число (;) нарицается мужь тихъ и богатъ и красенъ велми смотряя. и пекися о своемъ дому и питая многи члвки любя дѣло безлѣности воставая за оутра идо вѣчера дѣлая безпокоя.

Индѣже пишетъ лѣто подобно ц҃рю мужу совершенну и вспять зрящу и оболчену вц҃ркую свѣтлую багряницу и на главѣ ему вѣнецъ цр҃кіи златъ (.) сѣдящужь ему на пр҃тлѣ. цр҃комъ златѣ и превысоцѣ вправой руцѣ содержа многоцѣнныи скиѳетръ влѣвои златыи сосудъ (.) сущуже ц҃рю тому богату и праведну млтивужь и щедру и веселящуся со всѣмъ торжественно.»

«Осѣнь третие время года сентября съ к҃с г. числа декабря по к҃є тое. число (.) осѣнь подобно женѣ старой и богатои и многочадной и пекущуе о своемъ дому овогда дряхлующеся и веселящеся рекше иногда скудость плодомъ земны^{м} и гла^{д} чл҃вко^{м} овогдажь ведрено изобилно тихо и безмятежно. внюже жизнь чл҃вко^{м}.

Индѣже пишетъ осѣнь подобно мужу средовѣчну обнажену отъ цр҃кихъ ризъ и оболченну врязу. свѣтлу и не цр҃кн но токмо единъ цр҃кіи вѣнецъ имѣя на главѣ своеи (.) сѣдящужъ ему на пр҃толе обычнѣ в(п)равой руцѣ держащь ключь влѣвоже вѣсы (;) скорбноже бы ему плачюще и рыдающе своея ради наготы и погибели и своего цр҃кого богатаго лишения.»

«Зима четвертое время года декабря зъ к҃є г. числа марта по к҃ д҃нь (.) подобно мачехе злѣй и ярѣй и немл҃тивеи и нестроннеи и нежалоснѣи когда и добра и тогда знобитъ да и милуетъ иногда казнитъ гладомъ и мразомъ моритъ грихъ ради нашихъ (;) сицева есть зима аки мачеха.

а индѣже пишетъ зима подобно цр҃ю зѣло. стару мужу ноубогу и нагу оболчену во вретище сѣдящуже на нижнеи степени пр҃тола и зрящу выспрь кверди (;) токмо вѣнецъ единъ на главѣ его (;) вправои руцѣ мечь держащь влѣвои же плащеницу золбо бяше цр҃ь тои немл҃тивъ ко всѣмъ и напрасно гнѣвенъ и никоже кого милуя таковъ оубо есть.»

---

675. Предсказанія Мартына Задеки.

Двухлистовая картинка, разрѣзанная на восемь изображеній, перенумерованныхъ арабскими цифрами: «1—8».

Подлинникъ, гравированный на мѣди въ концѣ прошедшаго столѣтія, находится въ моемъ собраніи.

Содержаніе картинокъ слѣдующее:

1. Городъ Золотурнъ.
2. Задека со своими учениками.
3. Уничтоженіе вдоловъ.
4. Три корабля въ морѣ.
5. Разрушеніе города въ Азіи.

6. Бомбардированіе города.

7. Смерть Задеки.

8. Задека, бесѣдующій съ учениками послѣ своего воскресенія.

Текстъ:

«Примечанія достославнаго Мартына. Задека которое онъ на сто шестомъ году ѿ рожденія **въ швейцаріи при золотурне пріятелѣмъ своимъ ѿ крылъ 20 декабря 1769 году на немецкомъ языке печатано противъ базельскаго экземпляра 1770 году: снемецкаго на россійскои перевелъ КП.»**

1. благосклонныи читатель Мы имѣемъ здѣсь.....
предсказаніе учиненное сто шестилетнимъ стари.....
задекъ родился въ залатурне въ швейцаріи переселился.....
Алинскія въ 1739-мъ году и жилъ въ горахъ 30-ть лѣтъ пустынникомъ удалялся онъ общества слюдми и питался токмо травами и кореньями предъудивителиною своею кончиною прошедшаго 1769-го года 20-го декабря онъ слѣдующее говорилъ предстоящимъ и для посещенія ево пришедшимъ друзьямъ своим послушаите друзья мои я разскажу вамъ что въ будущихъ временахъ происходить будетъ чему весь светъ соужасамъ удивьлятся станетъ вовсей немецкои земле ившвейцаріи будетъ голодъное время. целые пять летъ торги все остановятся по попрошествіи сего времени комерція придетъ паки въ цветущее время целые пять летъ тогда будетъ противъ преживи совсемъ отменная тогда люди утвердятся во мненіи что земля обращается а солнце неподвижно но отменная сія погода произойдетъ ответровъ которые отсовсемъ неизвестныхъ странъ появятся въ 10 летъ светъ совсемъ воинои видъ променится потомъ до окончанія сего столетія будетъ наплутчее время которое потомки хвалить будутъ тогда богатство и сокровище заничто почитать станутъ пещися будутъ токмо о мілосердіи божіи соізволеніемъ всевышняго земля вновъ оживлена будетъ истинная вера часъ отъ часу будетъ

распропятся и слово божіе между человеками утвердится все онаго препятствія исчезнутъ правосудіе будетъ наблюдаемо и тишина и миръ въ европе царствовать будутъ тогда начнутся времена изобилные комерція процвететъ турки въ короткое время въ азіи и африке земель своихъ лишатся Константинополь столица Султана турецкаго взята будетъ безнаималеишаго кровопролитія внутреннія мятежи междуусобіи и непрестанные безпокоиства турецкое государство въ конецъ разорятъ гладъ и моръ будетъ окончаніемъ спхъ бедствіи они сами отъ себя погибнутъ жалостнѣишимъ образомъ въ 1770[м] году потеряютъ они все свои земли въ европе и потомъ принуждены будутъ удалятся втунисъ фецъ и морокку татары совсемъ совсемъ истребятся такои голодъ у нихъ будетъ что сами себя пожирать станутъ республика венеціанская овладае[т] знатною частію греціи и получитъ обратно королевство кандію безпокоиные поляки совсемъ усмирены будутъ востанетъ на нихъ буря которои они никогда неожидали королевство нолское получитъ новои видъ для того что пятилетнее время много Немѣцкихъ жителѣи въ оныхъ поселятся огданскъ градъ достохвалныи почитающіи бога и пребывающіи веренъ своему государю ты взойдешь на высокую степень знатности которои вся европа удивлятся будетъ новы нещастъные турки греческои веисенбургъ (и) всю венгрію доброволно оставите наималеишая вещь приводитъ васъ втренетъ жизнь ваша во всякои опасности будетъ на несколко времени вы отвзоровъ всехъ скроетеся мечети ваши раззорены будутъ а идолы ваши и алкаранъ вовсе истреблены буду махометъ ты восточны пантихристъ время твое минновалось гробница твоя созжена икости твои внепелъ обращены будутъ воина возгорится втакихъ земляхъ где отнее совсемъ безопаснымиі чаютъ лилія я говорю о франціи распространитъ ветви и листья свое надъ болшею частію галліи духовное правленіе придетъ во изнеможеніе какое время какои предель разсуждаите о томъ сами когда я умолкъ духовные ордены которые болѣе тысячи летъ пребывали истребятся часть галліи присоединится къ французамъ а другая къ гишпанцамъ швеція зделается вели-

кимъ государствомъ ивнеи найдутъ множество золотои руды правленіе ее процвететъ и народъ ихъ будетъ въ довольствіи но данїя будетъ еще силнее и утвердитъ владеніе свое въ азіи и америке множество идолопоклонниковъ подвладеніемъ ее обратятся на путъ истинны икполуденной странѣ въ целыхъ областяхъ распространится законъ христіанскои три народа и съ севера появятся съ силными флотами на африканскихъ берегахъ и вскоромъ времени всю африку приведутъ въ подданство римъ будетъ взятъ французами но лилия нераспространитъ тамо корень свои идолжна будетъ уступить другои силе вся немецкая земля радуися господь определяетъ твое благоденьствіе росеія данія и швеція получатъ великое сокровище ивсѣ восточныхъ странъ богатство всихъ земляхъ будутъ находится они еще столже славны будутъ какъ прежде бывали тогда могутъ они хвалиться что турецкие сокровища ихъ обогатили завладѣютъ многими американскими островами и славная ихъ комерція еще болѣе распространится республика швеицарская чрезъ то получитъ немалои прибытокъ но чрезпять летъ великая часть америки погибнетъ отземлетрясенія и наводненія погибнетъ вся персія пріиметъ христианскую веру великіи государь въ европе почти всю азію покоритъ подсвое владение и никакая сила непріятелеи удержатъ неможетъ Неверныя магометанцы совсемъ истребятся въ азіи возсіяетъ лучь истинны и после толикои темноты будетъ просвѣщѣніе земли невѣрныхъ будутъ взяты христіанами въ ерусалимѣ на нѣкоторомъ местѣ къ восточнои стороне подле турецкои мечети въ маломъ рве найдѣнъ будетъ четвероуголнои плоскои камѣнь икакъ его поднять никто не будетъ въ состоянїи то подорвутъ ево порохомъ иподонымъ найдутъ пространнои погребъ а внемъ сокровище премудраго царя соломона которое будѣтъ стоить осмнадцати тысячи милліоновъ богатство и редкостеи древнихъ будетъ неизчетное множество турки предъ погибелью своею будутъ въ несказанномъ бешенстве такъ что всячески старатся станутъ о искорененіи всехъ христїанъ но господь пріуготовляетъ уже имъ достоиное наказаніе кровожаждущія враги хрістіанъ весма ма-

лымъ числомъ оныхъ поражены ичрезъ нѣсколко лѣтъ совсемъ истреблены будутъ повзятіи константинополя въ погребе одного отдалѣннаго зданія наидѣнъ будѣтъ плоскои белои мраморнои камень накоемъ вырезанъ крестъ съ надъписью Sophia imperatrix а подъонымъ болшои серебренои сундукъ съ золотомъ и драгоцѣнными каменьями напятдесятъ милионовъ римская имперія помощію всевышняго взоидѣтъ тогда на высочаишую степень благодѣнствія которое предпочітать можно будетъ тому какое при карлѣ пятомъ было она пребудетъ въ вѣличестве своемъ доскончанія свѣта въ назарете въ обѣтованнои землѣ посъстроятъ хрістіане знатнои градъ которои по окружности иметь будетъ четыре немецкія мили христіане потомъ еще чрезъ двести лѣтъ пребудутъ въ совершенномъ благоденствіи и вся азія пріиметъ христіанскои законъ но послѣ того будутъ великіе чудеса явленіи возъстанутъ многія ереіи истинна закона понемалу затмевается и все доказывать будѣтъ что страшны судъ прближается я восхищаюся духомъ ибо кости мои чрезъ столко вековъ не будутъ преданы земли какъ праотцѣвъ моихъ яже нынѣ отъхожю къ вѣчному покою чтобъ возстать при концѣ света прошу васъ друзья мои чтобы вы всемъ открыли сіе предсказаніе котораго я утаить немогъ между темъ всякъ пзвасъ сыскать истинное сокровище отъ котораго происходитъ вѣчное блаженство а чтобы вы несумневались въпредсказаніи семъ то подтвержду вамъ оное чрезъ два дни после моеи смерти сепстарикъ окончивъ свое предсказаніе сталъ забывается ипробывъ счасъ времени всемъ состояніи въ десятомъ часу лишплъся жизни онъ лѣжалъ тогда вбеднои хпжине чрездвое сутокъ то есть 22 декабря въвечеру въдевять часовъ онъ опять ожилъ вставъ съ одра пришелъ вгорницу къ своимъ пріятелямъ псевъ между имп расказалъ имъ еще провсе своѣ предсказаніе въ одиннадцатъ часовъ изпустя не сколко вздоховъ ипрочтя короткую молитву сталъ забыватца плишась чуствъ скончалъ жизнь.

Благосклонныи читателю остановися здѣсь нѣсколко и разсмотримъ сіе редкое ипримечанія достопное оно имѣетъ всебе

много удивительнаго иестли соображать прошедшее времена сна-стоящимъ то ясно окажется что предсказаніе его сто шестилет-няго старика доволно вероятно.»

---

676. Еще предсказанія Мартына Задеки.

Другое изданіе тогоже предсказанія. Картинка листовая, ско-пированная на мѣди, съ нѣмецкаго оригинала, на Ахметьевской фабрикѣ.

Вверху представленъ полунагой Задека, сидящій около своей хижины; слѣва стоятъ опершись на свои палки три гражданина города Золотурна, въ нѣмецкихъ кафтанахъ и длинныхъ зави-тыхъ парикахъ.

Текстъ въ три столбца, вполнѣ сходный съ текстомъ пред-сказанія восьми картинокъ предыдущаго изданія (№ 675).

Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

---

677. Гадательная книжка царя Соломона.

Гравирована на мѣди, на шести полулистахъ, въ началѣ ны-нѣшняго столѣтія.

На первой страницѣ представленъ человѣкъ несущій на ра-менахъ своихъ солнце; въ солнечныхъ лучахъ размѣщены ну-мера: «1—100» для гаданія; подпись:

«гадательная книжка

Сие гадание глаголетъ быти отъ премудрости царя Соломона изрученїе зерна пшеничнаго въ руки взявши кругъ числъ и на средину круга спустить какое число падетъ зерно по числу твоего

гаданїе съ того числа смотри въ строкахъ нїже сего означенаго ичти что тебѣ выдетъ

2

1 Послѣ сонца мѣсецъ свѣтилъ амысль твоя человѣче на двое неимеи надежды на свою силу о томъ Пророкъ рече избави мя Господи отъ человѣка лукава и неправедна тако и тебя избавитъ Богъ будети имѣть добра много яко ты хощеши пожеланию твоему

2 Скорбь имѣетъ ты человѣче лучше подожди мало радъ ты будешъ Богъ орудие твое совершитъ о томъ Пророкъ рече Богъ заступникъ мои иты человѣче неужасаися твори волю его исполнитъ Богъ желание твое съ радостию

3 Много ты ммеешъ человѣче враговъ у себя берегися ты ихъ о томъ Пророкъ рече избави мя отъ враговъ и оть востающихъ на мя тако иты человѣче глаголи Господу Богу твоему избавитъ тя Богъ

4 Надежда твоя добра тебѣ будетъ человѣче и вельми прибыльна сотвори Богъ руку твою даватї милостыню о томъ Пророкъ рече праведенъ мужъ весь день милуетъ ивзаимъ даетъ иты человѣче твори тако узриши благая отъ Бога

5 Съ трудомъ великимъ человѣче будетъ дѣло твое отомъ Пророкъ рече милостивъ Богъ ивсяку правду возлюби тако и ты человѣче желанїе свое получишъ

6 Великую ты радость человѣче получишъ токмо ты неходи пользы тебѣ нѣтъ великъ грѣхъ если думаешъ о томъ Пророкъ рече праведенъ Господь и правду возлюби тако и ты человѣче уклонисъ отъ зла исотвори благо добро тебѣ будетъ

7 Человѣкъ злыи тебя проводитъ ипрельщаетъ тя неверь ты ему о томъ пророкъ рече обыдоша мя врази мои и имя Господне прїзову тако иты человѣче преложи печаль твою на радость добро тебѣ будетъ

8 Воістїнну востаетъ натя злобо иоскорбя тя вельми сїя рѣчь

твоя жалка оскорбишъ ты отомъ Пророкъ рече преклони ухо твое тако иты человѣче молися всегда чтобъ тебѣ непришло

9 Веруи Богу твоему всѣмъ серцемъ твоимъ то и избавитъ тя нѣдуги твои о томъ Пророкъ рече услышї Господї молїтву мою тако и ты человѣче прїимешъ желаніе твое

10 Неходи въ путь твои человѣче много враговъ имаши усебя берег^{и}ся ты ихъ хощеши оленя поимат^{и} зарога аонъ давно въ поле ушелъ отомъ Пророкъ рече имѣи надежду на Бога ане начеловѣка тако иты человѣче ненадеися на ся и насилу свою утолисъ въ семъ дѣлѣ печаль имѣть будеши

11 На радость инабогатство жїтие твое будетъ тебѣ пожившеши суетно вомладости своеи авъ старости прїимешъ велїкую честь

12 Помысловъ много имѣешъ ты человѣче злыхъ къ людямъ токмо нетвори ихъ яко ладия плаваетъ на мори тако человѣче мысль твоя надвое апослѣ сбудется самымъ дѣломъ

13 Благодать Божия постигнетъ тя ивозвеселишся ты человѣче судъ твои великъ всегда будетъ иречми сладкими совѣтуютъ а творятъ надъ тобою лихо молися Богу непремогутъ лукавыя тя азлыя дапостыдятся

14 Яко изведетъ Богъ отъ злыхъ тако итебѣ человѣче избавитъ отомъ Пророкъ рече спасетъ Господь ипомилуетъ и ты человѣче милось Богу добро тебѣ будетъ аназлыя дела не ходи берегись ты всегда

15 Услышитъ Богъ Господь молїтву твою и возвеселишися радостию велиею что еси думаешъ то тебѣ

3

недано нынѣ пожди мало даст^{ъ} тебѣ Богъ толко покорися сердцемъ накого гнѣвъ имѣешъ аонъ о тебѣ весма печалится

16 Смутишися ты человѣче много отомъ и возвеселишися молитва твоя услышана предъ Богомъ идело твое доброе будетъ только молисъ Богу радость прїидетъ человѣку доброму

17 Отъ печали нарадость ты человѣче прiидешъ всѣмъ мыс-

лить добро то все утебя будетъ будешь иметь добра много стану кланятися враги твои отомъ Пророкъ рече спасетъ Богъ отъ враговъ твоїхъ гонящїхъ

18 Нѣсть дѣло твое на него же ты хощеши итти человѣче зло есть о томъ Пророкъ рече уклонися отъ зла и сотвори благо тако и тебѣ человѣче отъ таковаго злаго дѣла лучше уклонїтїся

19 Явно приїдетъ дело твое и вельми поепѣшно будетъ тебѣ врази твои падутъ претобою о томъ Пророкъ рече спаси Господи мои Боже тако итебя спасетъ Богъ отъ всѣхъ враговъ твоихъ и побѣдиши ихъ

20 Моли Господа Бора твоего будетъ тебѣ человѣче хотенїе твое о томъ Пророкъ рече кипитъ сердце попервои жїзнї добр° будетъ тебѣ прадость

21 Всѣмъ сердцемъ покаися Господу Богу твоему тои услышитъ тя человѣче небоися враговъ твоихъ ближнихъ о томъ Пророкъ рече укрепися сердце мое тако иты человѣче крѣпись а не сварися соврагомъ лучше тебѣ будетъ

22 Возвратится дѣло твое на другое токмо не твори ты сегго о томъ Пророкъ рече спасимя Господи Боже мои отъ человѣка лукава и неправедна тако и тебя спасетъ Богъ ижив будеши а отъ недруговъ неуидешъ печаль твоя и убытокъ отъ своихъ

23 Съ трудомъ великимъ скончаешъ человѣче дѣло твое грѣха много самъ ты человѣче повїненъ признаися чтобъ тебѣ къ убытку непришло

24 Тревогу и срамоту многу наведутъ натя человѣче накого гнѣвъ° имѣешъ берегись его отъ власти или отъ кого нибудь оклеветанъ будеши напр°сно

25 Надобро и набогатство ты человѣче обратишися токмо не подобаетъ мѣшати съ медию довлѣе такъ имѣти о томъ Пророкъ рече посмотри добро ли напрасно радоватися тако иты человѣче мысли сея и не думаи ее впредь

26 Господь помощникъ твои есть ты непечися человѣче ни очемъ небоися дорога твоя добрая будетъ отъ враговъ спасенъ

будешъ о томъ Пророкъ рече на тя Господи унова спаси мя тако итебя спасетъ Богъ

27 Престань ты человѣче зло творити людемъ да не внидешъ въ напасть о томъ Пророкъ речѳ оболгаша мя врази мои тако иты человѣче оболганъ будетъ отъ враговъ своихъ претерпи до конца силенъ будеши

28 Будетъ тебе человѣче яко же ты хощеши по желанию твоему усебя имѣть животное но не вскорѣ узриши о томъ Пророкъ рече тако возвеселится сердце мое о Господѣ Бозѣ моемъ тако и тебѣ Богъ даетъ радость великую

29 Моли Господа Бога твоего и обряшеши вскорѣ будетъ утебя отомъ Пророкъ рече радуитеся Богу помощнику нашемѵ тако иты человѣче радуися будешъ имѣть добра много добрыи нуть твои иродостенъ

30 Отъ болезни на здравие отъ

4

печали нарадость обратитъ тя Господь Богъ твои о томъ Пророкъ рече утверди Господи сердце мое иты человѣче обрящеши радость и покои въ жизни твоеи

31 Не будетъ ти желания твоего человѣче чего ты желаешъ отомъ Пророкъ рече ненадѣися на Князя и па сына человѣческия тако иты человѣче на него надѣетися нѣтъ ти пользы

32 Несуетисъ небудетъ ти человѣче чего ты боишися о томъ Пророкъ рече исправи Господи путь мои тако и тебя направитъ напуть твои о томъ думалъ еси онъ неживъ въ пути и не возвратится къ тебѣ

33 Суть печали твоя нарадость прїидутъ тебѣ человѣче направитъ Богъ путь твои правыи съ корыстию адругои съ радостию третїи честенъ будешъ Богъ тебѣ помощникъ

34 Трудъ твои безъ помощи и вотще будетъ тебѣ сотвори обѣщание Богу подать тебѣ милость о томъ Пророкъ рече и призри на мя и помилуи мя тако и тебя спасетъ Богъ и помилуетъ отъ всякаго зла

35 Аще покоришися обидящимъ тебя человѣче то не постигнѣтъ тя зло аще несотвориши людемъ зла то и самъ злѣ не постраждеши пузриши во всѣ дни благая

36 Не пріимешъ ты человѣче чего ты хощеши но и ному дано будетъ а не тебѣ зане вѣдаешъ Бога а ты забываешъ лучше бы съ правдою молиться а въ злая дѣла не вступати

37 Дастъ ти Господь даръ великъ, отколѣ ты ожидаешъ о томъ Пророкъ рече много добра сотворилъ человѣче Богъ даруетъ вся благая

38 Сопротився ты человѣче востанутъ на тя и не одолѣютъ тя небойся человѣче Богъ тебѣ помощникъ и наставитъ тя на путь правды пойди на враговъ своихъ будешъ силенъ и начнеши ими владѣть поможетъ тебѣ Богъ їпокорїтъ

39 Не печися ты человѣче ни очемъ будетъ тебѣ яко же то хощеши уже корабль наморѣ наряженъ отдаетъ тишину о томъ Пророкъ рече Боже Боже мои на тя упова спаси мя тако и ты человѣче положисъ на волю Божию корысть тебѣ будетъ иродники жївьї суть желаютъ видѣть лице твое сърадостию

40 Что же ты хощеши человѣче того не получишъ чего ради плаваешъ противъ воды добываетъ корысти и ты человѣче берегися отъ всякаго злаго нападения

41 Враговъ твоихъ небойся ты человѣче неучинятъ ти зла отомъ Пророкъ рече избави мя отъ гонящихъ Господи тако иты человѣче молися Богу то и тя помилуетъ и избавитъ отъ враговъ твоїхъ и отъ востающихъ на тя

42 Возрадуется всѣмъ сердцемъ твоимъ о добромъ дѣлѣ твоемъ имѣешъ ты у себя великаго благодѣтеля о чемъ ты его станешъ просить ни въчемъ не откажетъ

43 Измепится дѣло твое другъ твои лукавствуетъ тебѣ о томъ Пророкъ рече уклоняющагося отъ меня лукаваго не познахъ тако и ты человѣче незрї на льстящихъ тя опасно съ ними вступать вразговоръ

44 Суть злое на доброе отъ смерти на животъ обратитъ тя

Господь Богъ твои очемъ мїлости Божия желаешъ и ты дѣло свое узрїшъ съ радостїю

5

не унывай но на Бога уповаи

45 Добро ты мыслишъ человѣче Господь Богъ поспѣшїтъ тебѣ о томъ Пророкъ рече Боже заступникъ мои кого убоюся тако и тебя Богъ заступїтъ и будеши имѣть добра много и радости

46 Яко же послалъ Господь Богъ Петра тако и тебѣ человѣче исполнитъ Богъ желание тво^{е} съ великою радостию только молисъ Богу

47 Не будетъ тебѣ человѣче желание твоего никогда отомъ Пророкъ рече суетние сыновѣ человѣческие и лживые въ мерілѣлъ своихъ еже лукавити

48 На работу твою всякая лѣнь нападетъ и несовершитъ дѣло свое вскорѣ

49 Сокровище твое человѣче явно будетъ тебѣ аще чести желаешъ отомъ Пророкъ рече молиса Богу скоро получишъ желание свое

50 Помыслами добрыми исполненъ ты человѣче къ добрым^{ъ} людемъ азлымъ ты творишъ великую радость

51 Готовъ путь твои и врата отверсты и устне твое спѣшитъ толко молисъ Богу о томъ Пророкъ рече посла Господь мїлость свою имысль твоя збудется съ великою радостию

52 Покои здравие и радость ты человѣче себѣ обрящеши радуися околе тебя добра м нога корысть тебѣ будетъ о томъ Пророкъ рече даетъ тебѣ Господь животъ и побѣдиши враговъ своихъ

53 Опасаїся ты человѣче стерегися и трезвися яко многимъ людемъ чиниши зло о томъ Пророкъ рече уклонисъ отъ зла исотвори благо тако и ты человѣче нетвори зла и самъ взлѣ непостраждешъ

54 Добра много будетъ тебѣ человѣче токмо молисъ Богу

за недругъ твоихъ недруга слушаетъ а оба подъ твоею рукою аще согласиши ихъ добро тебѣ будетъ

55 Хощеши съ высоты упась въ яму глубоку иты мыслишъ идти въ путь свои токмо не ходи зло вовремя есть пожди мало о томъ Пророкъ рече спаси господи люди твоя тако человѣче самъ спаси душу свою имолисъ Богу

56 Аще же ты хощеши человѣче несть дано будетъ тебѣ но иному дается

57 Надежда твоя не тверда будетъ тебѣ зане надѣялся еси на себя а не на помощь вышняго Бога

58 Неуть чисто человѣче въ правдѣ правление твое будетъ тебѣ

59 Воистинну въ нихъ имѣть будетъ крѣпкую и великую надежду

60 Совѣтъ зришъ и имѣешъ ты человѣче къ людемъ токмо не твори сего зла

61 Ина мысль человѣческую не прїидетъ яко Господь тебѣ обѣща человѣче вся благая

62 Моли Господа Бога твоего чего ты желаешъ то узрїшъ въ виденїи твоемъ желаемое

53 Вѣру имя дастъ тебѣ Господь яко ты хощети и просилъ Его если самъ

64 Много скорби и печали имѣть будетъ человѣче пока дѣло твое не совершится

65 Не сумнѣваися помолисъ Господу Богу твоему и исполнитъ Господь все хотѣние твое

66 Стараися человѣче возноситися Божїимъ ты повелениемъ кротости

67 Правда твоя въдѣланїи твоемъ сего ради дерзаи уповая на помощь Божию 6

68 На совѣтъ еси иди вскоре потомъ ты знать будешъ

69 Помощь имѣешъ ты человѣче отъ Бога твори ежели же ты мыслишъ доброе

70 Что ты желаешъ человѣче то прїидетъ къ тебѣ на совѣтъ твои

71 Много враговъ востаютъ на тя хранися ты ихъ всегда опасно

72 Иди въ путь свои поспѣшно то поможетъ тебѣ Богъ да всякое время

73 Не превозносися человѣче да не погубиши даннаго тебѣ отъ Бога таланта

74 Моли Господа Бога твоего небойся вся яже ты унего просити дается тебѣ

75 Проходитъ упование твое человѣче добро тебѣ будетъ

76 Совѣршенною и теплою вѣрою ищи единаго Бога тои силенъ есть помощникъ всѣмъ творящимъ волю его

77 Много имѣешъ покою ты человѣче по устрашись его отъ злыхъ и намѣренныхъ твоихъ дѣлъ

78 Желаешъ здравие твори людямъ словомъ Богъ же совершитъ дѣломъ

79 Въ томъ много славы видитъ и сомнѣния престать тебѣ отъ того дано

80 На двое ты мыслишъ человѣче Богъ же поможетъ тебѣ лучше двухъ друзеи

81 Не согрѣшап ты человѣче своею мыслию не отъ Бога имѣешъ хотение

82 Время доброе человѣче ты себѣ получишъ.

83 Благодать и долгота будетъ днеи человѣче понеже и ты

84 Богу угодныя дѣла творишъ и людямъ

84 Жестокои путь повѣдаютъ тебѣ мысли твои человѣче положи на Бога упованїе твое добро тебѣ будетъ

85 Прежде времени аще загадаешъ то не получишъ желаемое тебѣ отъ Бога

86 Истинно будетъ тебѣ человѣче что ты желаешъ

87 Пожди мало еже совершится хотѣние твое

88 Забудетъ сихъ онъ яже ты скрылъ еси пожди мало твое будетъ

89 Нѣтъ тебѣ добра человѣче но поношение великое будетъ

90 Небойся ты человѣче добрая твоя надежда будетъ тебѣ

91 Аще твориши ты человѣче добро людямъ и неосуждаи вскорѣ лучше тебѣ будетъ

92 Покаися и воздержись отъ злаго необличенъ ты будешъ и отъ Бога

93 Отъ недуга сего скончаетъ онъ или она животъ свои

94 Посмуткѣ еси радость великая будетъ тебѣ человѣче

95 Скоро совершится дѣло твое потвоему желанию

96 Благодать данная ти отъ Бога будетъ тебѣ человѣче вскорѣ

97 Трудъ безъ корысти ты человѣче будешъ себѣ имѣть

98 Дерзаи и небойся ты человѣче поможетъ тебѣ Богъ по прошению твоему

99 Гадание твое еже статочное скажутъ враговъ твоихъ борение быти

100 Не сомненно о Бозѣ начинаи помощь узришъ попрошению своему очемъ ты просилъ еси

конецъ гаданіямъ

Мнѣ извѣстно другое изданіе *(б)* этой книжки, скопированное точь въ точь съ предыдущаго; подпись на первой страницѣ: «гадательная книжка | сие гадание глаголетъ быти о премудрости ц̑ря соломона изруки зерна пшеничнаго вру|ку взявши кругъ числъ насредину спусти | какое число. паде зёрно почислу твоего | гадания стого чїсла. смотри нїже сего означенаго». На 6-й страницѣ послѣднія слова «конецъ гаданїямъ» выпущены.

Оба изданія находятся въ моемъ собраніи.

---

678. «Гадательная книжка царя Соломона».

Текстъ перепечатанъ дословно съ предыдущихъ изданій, но на первой страницѣ изображено одно солнце, съ нумерами кру-

гомъ; по угламъ представлены четыре времени года въ образѣ живыхъ фигуръ. Кругомъ солнца гадательные нумера: «1—100»

Подпись на первой страницѣ:

«Гадательная книшка.

Сие гадание глаголетъ быти отъ премудрости царя соломона изъ вручения зерна пшеничнаго кое въ руки взявши въ кругъ числъ насредину сего круга спустить на которое число падетъ зерно почислу твоего гадания съ того чїсла смотри въ строкахъ и чти что тебе будетъ.

Печатать позволяется Іюля 20. 1830 года. Ценсоръ С. Глинка.» (въ Московскомъ Музеѣ.)

Позднѣйшія многочисленныя изданія этой книжки печатались типографскимъ шрифтомъ, при чемъ изображеніе солнца на первой страницѣ тискалось деревянной доской.

БУКВАРИ.

679. Букварь Каріона Истомина 1692 года.

Книга, состоящая изъ 43 страницъ, отпечатанныхъ мѣдными досками, гравированными извѣстнымъ граверомъ Леонтіемъ Бунинымъ, въ книжный листъ.

Полные и хорошо сохранившіеся экземпляры этого художественно выполненнаго букваря очень рѣдки.

Листъ 1-й. Вверху картинка: Христосъ, сидящій на престолѣ съ развернутою книгою на колѣняхъ; въ книгѣ написано: «Азъ премр҃оть вселихъ совѣт'».

По бокамъ по три ученика со свитками, на которыхъ находятся надписи:

«астрономїа—ѳеологїа—рїторика—философїа—граматїка—геѡметрїа».

Кругомъ листа: съ боковъ — горшки съ цвѣтами и букеты, внизу—заставка изъ акантовыхъ листьевъ.

Текстъ:

«Всетворцу Бг҃у,
Онъ бо людем всѣмъ,
Писменъ Когда ли,
бг҃у моляся,
Буди честь и слава,
В' дѣла Вся управа.
Кто хощетъ учися,
За дѣло имися.

*

Еллински Граммата,
славенски писма та.
Здѣ ся образуютъ,
званство си сказуютъ.

Какѡ пишутся, Тыя скорописнѡ,
добрѣ уставомъ, Зри Всякъ очевиснѡ.
Писмена сложны, дадутъ Реченіе,
изъ оныхъ слово, Во все ученїе.
Іеромонахъ, Счини се Карїѡнъ,
Желающь Въ вышнь всѣм, успѣти Градъ сїѡнъ,
Пріяти Разумъ, Въ букварѣ успѣшный,
посемъ Въ нбѣ Вѣк, Всладости утѣшный.

Мїрозданїя ,зрчю. Лѣта, Ѡвоплощенїя же Бга Слова, ,ахчв. Мца марта. вцрквующемъ градѣ москвѣ.»

Листъ 2-й. Вверху заставка съ крестомъ въ срединѣ.

Текстъ:

«**букварь.**

славенорѡссійскихъ писменъ уставныхъ и скоропіcныхъ, Греческиx же Латинскихъ и полскихъ, со ѡбразованми Вещей, и со нравоучителными стихами: Во славу всетворца Гда Бга, и вчесть престыя двы Бцы **Мріи**, и всѣx стыхъ. Изобразися надщицахъ Ваянїемъ, имущимъ учитися отрокѡмъ, и отроковицамъ мужеи и женамъ писати. Видитъ бо славенская Греческагѡ же и Латінскагѡ и полскагѡ языка писмена или слова внемъ напечаташася.

По всякимъ же писменемъ, ради Любезнагѡ созерцанїя отрочатѡмъ учащыся предложены виды во удобное званїе вскладѣ: дачто видитъ, сїе и назоветъ слогомъ писмене Долголѣпнаго начертанїя тѣхъ.

Яко А адамъ, алекторъ, Аспидъ, и про: Б брань, Брада, бпчь. В вѣнецъ, виноградъ, воинъ. Градъ, гробъ. И весь букварь такѡ изявленъ. Зане Сими писмены вещеи вскла или слогъ имутъ начало.»

Листъ 3-й. Текстъ:

«Инїи же, яко Ъ, и Ь, инїи, не начинаютъ вещи названія, но припрягаются к'другимъ писменемъ. И тѣхъ словъ всякъ смотри в'срединѣ, или в'концѣ реченїй в' своемъ ихъ порядкѣ, по Азбуки славенской, Яко сїе Бабръ, багоръ, Вервь, селдь, лебедь, и прочее. И натѣ видообразныя вещы, приличны юнымъ людемъ метафорично сіесть преноснѣ, Еже ѿ вещей слово к'дѣлу потребну вземлется, стїхи нравоучителны суть.

Да в'ползу свою всякая Дша во имени Гдни пишущи оная и чтущи спасенїе угорстить, и получитъ Блгословенїе бжїе в' заповѣданномъ дѣланїи своемъ наземли и на небеси. Сегоо бо ради и дѣлаемо есть сіе. А идѣже в' вещехъ и словахъ букваря сегоо недосталость узрится, яко в' перводѣланіи, блгоразумнѣ, неосуднѣ же, изволь кождый в'приличество исправити. Ибо в'новости с'трудомъ, и пждивенїемъ собирася и издася. Всякъ же пиши и чти сїе в'ползѣ, буди здравъ испасенъ в'лѣтѣ долзѣ, желаю, ѡ всемъ славу возсылая человѣколюбивому Бгу ннѣ и прно и во вѣки вѣковъ амнъ. Писавый, исправленїя и прощенїя просит кланяяся худо Карїонъ Іеромонахъ Истоминъ».

Далѣе слѣдуетъ на листахъ 4 — 41 самая азбука. На каждомъ листѣ въ верхнемъ лѣвомъ углу находится лицевое изображеніе одной изъ буквъ азбуки въ видѣ одного или двухъ людей въ разныхъ позахъ и затѣмъ таже буква—уставнаго и скорописнаго почерка, по-славянски, по-гречески и по-латыни; ниже помѣщены изображенія различныхъ предметовъ, названія которыхъ начинаются съ той буквы, а въ самомъ низу—стихи.

Листъ 4, буква А. Изображенія: «Апрілїй мцъ (въ видѣ солнца въ облакѣ, изъ котораго дуетъ вѣтеръ).—Афродита. ♀ —Арея планета. ♂ —Анераѯъ камень.—Алекторъ (пѣтухъ).—Адамъ.—Аналогїй. — Араната коза (обезьяна). — Аспидъ (въ видѣ крыла таго дракона). — Ареометика (раскрытая книга съ шыфрами). — Часть а земли асіа. — Часть е: африка. — г. америка. — Агкура (якорь).»

Внизу вирши:

«Начало аза, писмене долгъ знати,
бытность в҃ адамѣ, Людей всѣхъ смотряти.
Земля есть в частѣ[х], в҃мѣсяцахъ измѣна,
отроча зрѣти, сладцѣ в҃смыслъ ѡдѣнна.
вся в҃мірѣ вещи, всякъ да назираетъ,
в҃ бг҃у же мысль всю, присно ѡбращаетъ.
во время свое, всяко дѣло проситъ,
вещи потребны, во ползу приноситъ.
Из҃начала лѣтъ, юнъ в҃семъ ѡбучайся,
вездѣ ѡ жизни, мудрѣй утѣшайся.»

Листъ 5-й, буква Б. Изображенія: «брань или воина. — боранъ. — буйволъ. — бритва. — брада. — бараба҃н — бердо. — бичь.»

Подъ изображеніями вирши:

«Бытность из бг҃а, Стихіи пр҃яша,
учащымъ буквы, Знакъ скла҃ ѡбѣщаша.
Из҃начала брань, в҃мір҃ѣ ѡбитаетъ,
юныя люди, Жити ѡбучаетъ.
барабанъ в҃ полкѣхъ, в҃ремя даетъ знати,
Животна умнымъ, могутъ помогати.
Человѣкомъ Есть, брада совершенство,
млады[м] слушати, старыхъ людей де҃йство.
Ткати поставъ добръ, юныхъ наказати,
бичем҃, не умрутъ, имутъ успѣвати.

Листъ 6-й, буква В. Изображенія: «воронъ. — вѣтр҃. — врабій. — вѣнецъ. — ведро. — вретено. — виногра[д]. — воинъ. — врата. — вериги. — вѣтвь. — вилы. — весло. — вервь.»

Стихи подъ изображеніями:

«Вѣди писмено, в҃ слозѣ преизряд[н]о,
изъученому, писать недосадно.
виды сіи вси, человѣкѡмъ требны,

смотрѣти должнѡ, что[б] не были вредны.
вїн°градъ ясти, людемъ Есть полезенъ,
вїна пить многѡ, невсякъ будь любезенъ.
Гулякамъ юнымъ, несладка наука,
За своеволю, в' веригахъ имъ мука.
Войну имѣти, всегда человѣку,
Какѡ прейдетъ, путь к' ѻ̑бному вѣку.»

Листъ 7-й, буква Г. Изображенія: «голубь.—гамаюнъ (ежъ).—градъ.—гора.—гусли.—гробъ.—грабли.—гребень.—грибъ.»

Внизу вирши:

«Глаголь писмено, добрѣ изучай,
Явстви[т] в'слозѣхъ рѣчь, всяку извѣщаяй.
Разумѣй юный, Ѡ всякомъ Глаголѣ,
в'нравдѣ небудешъ, в'грѣховно[м] ты долѣ.
Съ Глаголя вещи, Комули смотрѣти,
в' приклада[х] ползу, возможетъ имѣти.
Лети в' Бл̑женство, восходи на Гору,
причтешися ты, Небесну собору.
Никомуже здѣ, Смерть и Гробъ не страше[н],
аще кто добрымъ, Жителствомъ оукрашенъ.»

Листъ 8, буква Д. Изображенія: «дверь.—древо.—длань.—долото.—дїадима.—делва.—вогра̑ дорога.—дуброва.—дуга.»

Стихи подъ изображеніями:

«Добра учитися, Кому Есть охота,
постигнетъ того, Райская Доброта.
И въ Дїадимахъ, в' бл̑гой жизни славни,
Раз'смотрителствомъ, Аще благонравни.
Домомъ ли жити, требнѡ домостройство,
всякому знати, свои[х] вещей свойство.
Сегѡ бо ради, Люди разумъ стяжутъ,
да лести в' мірѣ, Злобою не свяжутъ.

Дороги спрашай, Обычаемъ внемли,
ходяй по всюду, всякъ никогда дремли.»

Листъ 9-й, буква Е. Изображенія: «е҃вл҃іе.—епитрахиль.—единорогъ.—елень.—еоїѡпъ.—елей.—ехидна (змѣя).»

Внизу вирши:

«Что вещей в' мирѣ, Есть бытность ѿ бг҃а,
и есть писмяно, потребно до слога.
въ есть добродѣтель, кому воз'имѣти,
в' е҃вл҃іе, долгъ тому смотрѣти.
Добродѣтель же, юна в' десных' ставитъ,
с'старыми л҃юми, в' бесѣдахъ прославит'.
В'комъ доброта есть, вся вещы не в'диво,
яко оуспѣетъ, всякъ в' небесно жниво.
Юнымъ и старым', ѡ ести тщатися,
ѕло⁶ грѣхѡв' всегда, тѣмъ ѡпасатися.»

Листъ 10-й, буква Ж. Изображенія: «женихъ.—жена.—жила.—жужелица.—жаворонокъ.—жезлъ.—жребій.—житница.—журавль.—жаба.—жолудь.—жукъ.»

Стихи подъ изображеніями:

«Женихъ и жена, животно словесно,
спрягшися бл҃зѣ, да водяᵀ жизнь десно.
Родяще чада, люди оумножаютъ,
на хвалу бг҃у, землю населяютъ.
Съ бл҃гими л҃юми, бе³бѣ҃но есть жити,
ѕлыя же многѡ, имѣютъ вредити.
Оусердно жилу, натягай в' благое,
жеѕлоᴹ прогоняй, все в' мірѣ семъ ѕлое.
Прїимешь блгій, жребїй тебѣ всюду,
прейдешь в' житницу, небесну ѿсюду.»

Листъ 11-й, буква З. Изображенія: «ѕвѣздозаконникъ.—ѕвѣзда.—ѕѣница.—заецъ.—ѕмій.—ѕелвы.—ѕелїе.»

Стихи подъ изображеніями:

«Ѕѣло писмено, в' слога^{х} земля полнитъ,
в' числѣ знамя шесть, онаго не волнитъ.
Число шесть требно, во вещехъ и лѣтѣхъ,
за ѕлобу в' казни, на старыхъ и дѣтехъ.
Ѕвѣзда блистаетъ, в' своей мѣрѣ всяка,
ѕвѣздозаконникъ, смотри^{т} в' небѣ знака.
Когда что будетъ, в' бж̃іей то воли,
задѣла всяка, намѣряетъ доли.
Ѕелїе ясти, ѕмій тебе невредитъ,
ѕѣница воду, в' мѣру пить да бѣдит'.»

Листъ 12-й, буква З. Изображенія: «земленица.—замо̀къ.—звонецъ.—златица.—знамя.—забрало.—завѣса.—земля.»

Стихи подъ изображеніями:

«Земля вещь крѣпка, Бг̃омъ сотворена,
ниначемъ словомъ, егѡ оукрѣплена.
Забрало людемъ, в' потребахъ оуго̀но,
ап гдѣ замокъ, не всякому входно.
Звонецъ глашаетъ, двпжимь вещь и время,
златица легчитъ, в' случаяхъ ѕлы^{х} бремя.
Знамя в' пол'ка^{х}, свойство даетъ знати,
завѣса ѿ глазъ, чуждъ вещь заслоняти.
Орати землю, въ покорѣ оучися,
людемъ служити, в' должнствѣ нелѣнися.»

Листъ 13-й, буква И. Изображенія: «иготь.—игла.—икона.—исхнилатъ.—идолъ.—икра.—изба.—источникъ.»

Стихи подъ изображеніями:

«Писмяпоиже, в' слозѣ подчинися,
чью икону зрѣвъ, памятиѡ ведися.
Из'млада иго, в' добромъ всяк' понеси,
чистоту храни, в' твоемъ тѣлеси.

Иготь потребна, идолъ попираемь,
источникомъ бла҃, буди напаяемь.
Во избѣ живутъ, иглою же шїютъ,
в' ползѣ людїе, вездѣ воспочіютъ.
В' мѣстѡ имене, прїемлется иже,
стрегися ѕлобы, не свергнетъ тя ниже.»

Листъ 14-й, буква І. Изображенія: «Іппокентавръ.—Історіографъ.—іота.—Іе҃рлимъ гра҃.—Іѡрданъ рѣка.»

Стихи подъ изображеніями:

«Правѡ писати, писмяно ї нуждно,
повѣстописцевъ, слушай неутруждно.
Іѡрданъ рѣка, градъ іерусалімъ,
ѡписаны суть, и ты будь хвалимъ.
Добродѣтель бо, хвалы всѣхъ доводитъ,
в' чл҃цѣхъ смыслъ, чистъ в' вещехъ породи[т].
Звѣрь іппокентавръ, созданно животно,
҃ твари творца, слави всякъ ѡхотно.
Новое лѣто, індіктъ ѡбрящеши,
в' н҃вѣ по смерти, здѣшни[х] не взалчеши.»

Листъ 15-й, буква К. Изображенія: «кипарисъ.—клобукъ.—китъ.—колоколъ.—ключь.—куши[н].—кокошь (птица).—конь.—корабль.—колесница.—кречетъ.—корова.—копїе.—кладезь.»

Стихи подъ изображеніями:

«Какѡ кто хощетъ, видомъ си познати,
в' первыхъ вещей си[х], будешъ то писати.
Киты суть в' морях', кипарисъ насуши,
юный ҃верзай, в' разумъ твоя уши.
В' колесницу сядь, копїемъ борися,
конемъ поѣ[з]жай, ключемъ ѡтоприся.
Корабль на водѣ, а в' дому корова,
и кокошь в' требу, и людемъ здорова.
҃ложи присно, тщеты недосуги,
колокѡлъ слушай, твори в небѣ други.»

Листъ 16-й, буква Л. Изображенія: «Левъ. — лентїонъ. — ладїа. — ложка. — лукъ. — лещъ. — ложе. — лилїа. — лѣствица. — лагвица. — лукъ (растеніе). — лопата.»

Стихи подъ изображеніями:

«Люди в' согласствѣ, добрыя бываютъ,
в' любви жителство, в' людехъ оустрояютъ.
Ладїю прави, и себе самаго,
лву не являйся, без' ѡруженъ наго.
Лещъ и лукъ ясти, из'лука стрѣляти,
лѣствицею же, бл҃гъ ходъ сотворяти.
Лошка, лентїонъ, в' надобье творятся,
лагвицы полны, пити пригодятся.
Лилїа трава, цвѣто[м] презрядна,
юноше недѣй, грѣхо[в] дѣла смрадна.»

Листъ 17-й, буква М. Изображенія: «мечь. — митра. — медвѣдь. — мошна. — мохоръ. — монисто. — мѣра. — мрежа. — мышъ. — мравій.»

Стихи подъ изображеніями:

«Мысли юноше, ипиши мыслѣте,
какѡ бы жити, в' бл҃гомъ тебѣ лѣтѣ.
Митру здѣ носят', чести достойнїи,
меча боятся, в' мѣрилѣхъ ѕлобнїи.
Нетолкѡ медвѣдь, но в' мрежи и люди,
грѣхомъ ловимы, ты ѡпасенъ буди.
Мравїй в' трудѣ си, денегъ полнитъ мошны,
мышь да непроѣстъ, ѡкрадутъ все нощны.
Мониста мохоръ, людемъ во оукрасу,
слѣдуй оучащымъ, тебе добру гласу.»

Листъ 18-й, буква Н. Изображенія: «носило. — носъ. — ножъ. — ночвы. — нога. — натопырь.»

Стихи подъ изображеніями:

«Нашъ напише[т] кто, и в' прїятствѣ зна[п]ство,
душа в' небесно, спѣшися гражданство.

Бг҃ъ нашъ вездѣ сый, всѣхъ бл҃гъ исполняетъ,
человѣкъ оумомъ, чрезъ носъ ѡбоняетъ.
Здравъ кто ногама, будь болну носило,
ножемъ н҃дерзай, в' требу онъ есть дѣло.
Ночвы в' домъ во҃ми, в' требствѣ пригодятся,
но топыри же, слобъ да истребятся.
Гдѣли идеши, смотри гдѣ суть нашы,
люди в' бл҃женствѣ, рая села вашы.»

Листъ 19-й, буква О. Изображенія: «ово҃.—осва.—овца.—орелъ.—око.—окунь.—околяры (очки).—оселъ.—органы.—овощникъ.—орало.»

Внизу вирши:

«Онъ зри око҆м тѣлесным', инъ вѣ҆ онъ мысль умным',
очки оча҆м, книги же в' ползѣ суть разумнымъ.
Орлово зрѣнство емли, овцы смиренїе,
умъ твой на ослу стирай в' книжно ученїе.
Яко оселъ здѣ всяка душа не лѣнися,
вземши орало в' дѣлѣ из'млада трудися.
Окунь в' водѣ поимаешь, на одрѣ посниши,
по трудѣ слаⷭкѡ с'плоды овощникъ узриши.
Окна чувствъ стреш, ово҃ осва недокучит',
уменъ чл҃къ всѣмъ бл҃гъ якѡ органъ звучит҃.»

Листъ 20-й, буква П. Изображенія: «палата.—перо.—перстень.—потиръ.—парусъ.—пищаль.—поясъ.—пугвица.—птицы.—пелынь.—плинѳа.—праща.—пиѳїкъ (обезьяна).»

Стихи подъ изображеніями:

«Покой ѿ труда, всякому есть знати,
егда будеши, и перомъ писати.
Парусъ желанный, людемъ в' добро пущай,
палату серц҃а, в' постъ тѣло усушай.
Стрѣляй ко бг҃у, мыслїю твоею,
онъ ѡпояшетъ, силою своею.
Чистому в' любви, пугвица застегнет',

аще плинѳъ грѣха, кто свободъ ѿбѣгнет'.
Пращею молитвъ, враги побѣждати,
пиѳ҃ки бѣси, неимутъ стужати.»

Листъ 21-й, буква Р. Изображенія: «ракъ.—риза.—рипида.—рыба.—рукавица.—рогъ.—рука.—рубаха.—рѣпа.—ретка.—розга.—рогатина.—решето.»

Стихи подъ изображеніями:

«Рцы писмено се, и г҃лъ рцы творит',
рука щедрая, добро всѣмъ говорит'.
Ризу в'здень, рыбу яждь, рогъ не во҃носи,
смиренны[х] бл҃женствъ, оу бг҃а си проси.
Рубаха бѣла, праздникъ есть младо[му],
душевна бѣлость, небоится грому.
Врешето потребъ, с' бери ретку рѣпу,
сѣй в' наро҃ мл҃ть, богату и слѣпу.
Въ правдѣ походишь, и безрукавицы,
вездѣ бо в' любви, оусрѣтятъ тя лицы.»

Листъ 22-й, буква С. Изображенія: «серце. — сапогъ. — свѣщникъ.— соловей.— слонъ.— стручецъ.—сабля.—сосецъ.—сковрада.—стопа.—стклянница.—спурида.—свирѣль.—снопъ.»

Стихи подъ изображеніями:

«Во всякомъ словѣ, юнъ зри твое ср҃це,
да в' двоедушствѣ, не будетъ в'немъ дверце.
Сапоги босый, в' крѣпость обувает',
в' сѣть грѣховную, ногъ да не вплутаетъ.
Сосцемъ оученьемъ, в' словесѣхъ питайся,
стклянницы сковра҃, в' излишествѣ ѡшайся.
Свирѣль чрезъ людей, славїй самъ в'спѣваетъ,
а слонъ бе[з] дѣла, в' гулбѣ оунываетъ.
Свѣщникъ поставль, снопъ дай рукояти,
небудешь стручца, в' старость занимати.»

Листъ 23-й, буква Т. Изображенія: «труба.—торѣль.—тарель.—токмакъ.—тыква.—топоръ.—тетеревъ.—томаръ.—тесла.—тазъ.»

Стихи подъ изображеніями:

«Твердое слово, дѣетъ постоянство,
труба гла҃ даетъ, людем' вѣсть и зна҃ство.
Торѣль на столѣ, тарель пред' тобою,
топоръ и теслу, юнъ имѣй с' собою.
Въ дому потребенъ, то҆макъ томарь стрѣлный,
не буди в' людехъ, тетеревъ бездѣлный.
Пристары҆ твердѡ, научишся жити,
такѡ и иныхъ, имаши оучити.
Небесны кровли, присмотряй тверди,
гдѣ а҃гли ти, в' прїязнь мл҃рди.»

Листъ 24-й буква У. Изображенія: «оухо.—оусерязь (серьга).— узда.— устиѣ.— удила. — оужище (веревка).— узолъ. — убрусецъ.—удица.»

Внизу вирши:

«В'слозѣ икъ и оу, ѡднакѡ гласуютъ,
чиномъ и видом', в'писмѣ разликуют'.
Оусерязь женамъ, оузда и языку,
кто невоздержѐ, престанеши крику.
Оудицы грѣха, ѡ душе стрегися,
оужемъ соблазнѡ҆в, прошу не свяжися.
Слово закона, стави в твоемъ оусѣ,
держи вся оуды, в'мудростно҆м оубрусѣ.
Бг҃ъ человѣки, таковыя любитъ,
терпящы҆м в' правдѣ, вездѣ мзду сугубит'.»

Листъ 25-й буква Ф. Изображенія: «фінїзъ.—фелонь.—фонарь.—фіалки.»

Стихи подъ изображеніями:

«Фертъ пишемь есть, в' языку славенском',
знать строителство, в' дѣлѣ деревенскомъ.
фертомъ неходятъ, землю ѡрющїи,
г҃пднъ зри гдѣ, кормлю пасущїи.
фінїѯъ есть древо, фінїѯъ же и птица,
в' разумъ сотвори, господня десница.
Въ філософїи, назирай вся вещи,
свободишися, гордостныя пещи.
фонарь добрый смы҃лъ, носи в' дни и нощи,
фелѡнь, фїялки, фїалъ, в' радость мощи.»

Листъ 26-й, буква Х. Изображенія: «хоруговь.—херувимъ.—хартїа.—хлѣбъ.—холстъ.—холмъ.—хомутъ.—хо̇ртъ.»

Стихи подъ изображеніями:

«Хѣръ в' писменахъ знай, херувімъ нисати,
посемъ оузриши, и хлѣбъ гдѣ собрати.
При хлѣбѣ и холстъ, людемъ ѡдѣянїе,
хомутъ конемъ, хвостъ въ употребленїе.
Холмъ добродѣтель, в' полку ставь хоруговь,
поморю земли, ищи си всякъ другѡвъ.
Животны разный, видъ, хортъ есть собака,
в' досужствѣ своемъ, и та не однака.
Вся вещи в' тре^{б}ство, далъ б҃гъ человѣку.
да в' семъ и славит', течя к' сущу вѣку».

Листъ 27-й, буква Ѿ. Изображенія: «ѡкрінъ.—ожерелїе.—ости.—обручь.—обязало.—остенъ.»

Стихи подъ изображеніями:

«Ѿ с' твердомъ в' рѣчи, ра^{з}ность межь имѣют',
Ѿ кого и охъ, печаль в' людехъ дѣют'.
Ѿ б҃га милость, ѡ ней благодари,
какѡ пре^{д}ни^{м} жить, гдѣ, всегда говори.
Обручь готовъ, любве нетерзанны,

ѡжерелья ти, честь слава избранны.
Вѣчна бл҃женства, ѿ юнъ да чаеши,
пр҃іятство гдѣ взе^{м}, да величаеши.
Остенъ лѣниву, ослу содѣлася,
оумну в' станливу, тобъ не годилося.»

Листъ 28-й, буква Ц. Изображенія: «цвѣты.—церковь.—дата.—цѣвница-—цепъ.»

Стихи подъ изображеніями:

«Каковы суть цы, в' писмяномъ зри слозѣ,
в' бл҃годарствѣ вся^{к}, буди бг҃у мнозѣ.
Въ пр҃ковь оучащай, та небо земное,
в' цвѣта^{х} жителство, ра^{з}смотряй травное.
Какова есть цепь, с'цѣпляй добродѣтель,
будеши небомъ. с' ст҃ыми владѣтель.
Въ цѣвницу д҃ха, мощно ти играти,
аще мудру пѣснь, имаши слагати.
Не красны пѣсни, ѿ чл҃къ грѣшныхъ,
егда не имутъ, оученїй оутѣшныхъ.»

Листъ 29-й, буква Ч. Изображенія: «черемха. — чванъ — чернилница. — часы. — чаша. — чпагъ. — черенъ. — черта. — чеснокъ. — челнъ.—черпало.—чешуя.»

Стихи подъ изображеніями:

«И человѣкъ червь, ѵаломски назвася,
червь пиша мысли, гдѣ быти создася.
Чашу оученїй, юнымъ почерпати,
словесъ бл҃ги^{х} долгъ, черту соблюдати.
Въ челну разума, в' книгахъ проѣ^{з}жайся,
людемъ избранным', вездѣ пр҃ѡбщайся.
Чеснока грѣховъ, всякъ не вкушай смрада,
чпагъ полнъ добра^{гѡ}, свободитъ ѿ глада.
Черемха древо, ягоды раждаетъ,
пр҃ійме^{т} в' ястїе, кто въ смыслъ успѣва$^{е т}$.»

Листъ 30-й, буква Ш. Изображенія: «ширинка—шишакъ—шапка—шуба—шило—шаръ—шахматы».

Стихи подъ изображеніями:

«В' славенорѡскомъ, писмя ша языцѣ,
имѣетъ дѣло, писатися в' лицѣ.
Шапка потребна, и женѣ и мужу,
ширинка всяку, ѡтирати нужу.
Шило в' домоствѣ, шишакъ в' полка[х] нуженъ,
юноше бывай, людем' всѣмъ услуженъ.
Яко шаръ вездѣ, в' службѣ ти катайся,
в' игрѣ шахматѡ[в], не велми считайся.
Без'того мощно, имѣти забаву,
токмѡ все твори на бжію славу.»

Листъ 31-й, буква Щ. Изображенія: «щипцы—щегленокъ—щитъ—щеть—щука».

Стихи подъ изображеніями:

«Кромѣ щ щита, нѣсть мощно вѣщати,
оученьем' можетъ, всякъ ся защищати.
Шипцами свѣщы, в' ясность ѡтираютъ,
юніи свѣтли, в' чистотѣ бываютъ.
При оумны[х] людех', прищитахъ сѣдѣти,
не велятъ щети, в' гордости имѣти.
Словеса мудрыхъ, и старыхъ смиряют',
на всяка дѣла, в' мѣрность поучаютъ.
Всѣмъ оумны[м] дша[м], требенъ ши[т] законный,
цвѣтъ иму[т] быти, в' рай сладковонный.»

Листъ 32-й, буква Ъ. Изображенія. «стрелецъ—козелъ—багоръ—коробъ—котелъ—бабръ».

Стихи подъ изображеніями:

«Писмяно здѣ еръ, такѡ образъ носитъ,
в' слогахъ реченїй, в' писмѣ мѣста проси[т].

Гдѣ бг҃ъ в' началѣ, кую вещь оустроилъ,
ты бо юноше, все смотрство^{м} ѡкроилъ.
Всякой бо вещи, и время дастся,
но какѡ кому, добрѣ поведется.
Поведется же, якѡ еръ в' присяжны^{х},
по^{д} начало^{м} бывъ, в' дѣлахъ непродажны^{х}.
Еръ в' словѣ дебелъ, мѣсто занимаетъ,
смиренъ чл҃къ, в' небо поступаетъ.»

Листъ 33-й, буква Ы. Изображенія: «вѣсы — часы — власы — крыло — выдра — тынъ».

Стихи подъ изображеніями:

«Ерь с' Іѡтою, в' слозѣ, еры творитъ,
тру^{д}нѡ бе^{з} еры, многихъ словъ говорить.
Ѡ человѣче, смотри вездѣ мѣры,
исполнишися, чесности и вѣры.
Вѣра наслѣ^{д}ство, дастъ небесны горы,
воистиннѣ ти, вси люди подпоры.
Въ началѣ еры, в' рѣчи неставаетъ,
ѡбаче в' требствѣ, с^{к}лада словъ бывастъ.
Въ небо хотѣти, буди всякъ во^{з}держенъ,
небудеши бо, мѣста си Ѡверженъ.»

Листъ 34-й, буква Ь. Изображенія: «лебедь — купѣль — рукоять — корень — линь».

Стихи подъ изображеніями:

«Ерь тонкословитъ, в' произносѣ гласа,
въ реченїяхъ же, знанство и оукраса.
Въ преди не стоитъ, в' концѣ послѣдствуе^{т},
ѡбаче в' мѣстѣ, своемъ та дѣйствуе^{т}.
Тѣмъ млада д҃ша, егда ерь пишеши,
тонкости в' смыслѣ, всегда да взыщеши.
Будеши вездѣ, мѣсто си имѣти,
с' умомъ и в' преди, не стыдно сѣдѣти.

Точїю носи, трудъ твой в' науцѣ,
частѡ возноси, в' м҃литва^х^ти руцѣ.»

Листъ 35-й, буква Ѣ. Изображенія: «лѣсъ — пѣна — ѣду в' саняхъ—сѣно—слѣдъ—хрѣнъ».

Стихи подъ изображеніями:

«Ѣхати кому, по жизни сей полю,
размышляй пр҃но, здѣ б҃жїю волю.
Въ началѣ ли кто, иныхъ потребуетъ,
в' сре^д^ствѣли, в' концѣ, начала взыскуетъ.
Въ купность б҃гъ связа, оуды во тѣлеси,
распри не быти, и писмянъ в' словеси.
Сама ять гласитъ, и в' глаголѣ ѣду,
гдѣ и в' по^д^чинствѣ, нетеряетъ слѣду.
Въ лѣпотѣ вездѣ, человѣче буди,
возвеселится, сердце ти и груди.»

Листъ 36-й, буква Ю. Изображенія: «юноша,—юнотка.—юзы—юнона богиня поганская».

Стихи подъ изображеніями:

«Юности труды, лѣпѡ есть давати,
в' старости буде^т^, всякъ ѡпочивати.
Пре^д^чинно ю в' слог', и в' по^д^чинствѣ служи^т^,
юный бы^в^ празден', во вѣки потужитъ.
Что ли потребно, онъ препебрегаетъ,
добра быти в' нем', никто оуповаетъ.
О юный старыхъ, людей ты держися,
в' забава^х^ вездѣ, с' ними быти тщися.
В'по^д^чи^н^ствѣ бы^в^ юнъ, в'преди засѣдаетъ,
притчи словеса, вещь и время знаетъ.»

Листъ 37-й, буква Я. Изображенія: «яблоко.—яблонь.—яицо.—ягоды—ястребъ—яхонтъ—языкъ—язь—ящурка».

Стихи подъ изображеніями:

«Кто ѿзовется, я в' каковомъ дѣлѣ,
и писмя зрѣвъ я, познаютъ вси смѣлѣ.

*

Языкъ удъ в' слово, созданъ, умъ носити,
языцы разны, въ странахъ говорити.
Держати языкъ, ѿ ѕлобныя страсти,
яблоко, яицо, в' требу добро ясти.
Ястребъ воздухом', язь водою ходитъ,
ящурки в' дому, да никто же плодитъ.
Оубо пишай я, всякъ вѣренъ скажися,
чл҃къ здѣ сущь, рая не лишися.»

Листъ 38-й, буква Ѯ. Изображенія: «ѯенїа.—ѯенофонтъ.—алеѯандръ.—алеѯій.—ѯанфъ фїлософъ.»

Стихи подъ изображеніями:

«С' еллїногрецка, ѯи писмя славенѡмъ,
в' правописанствѣ, то онѣхъ именѡмъ.
ѯенофонтъ ст҃ый, ѯенія святая,
и алеѯій святъ, ѯи в' слоги в'мѣщая.
Юный писати, ѯи не ѿрицайся,
в' па^{м}яте^{х} ст҃ых', в' небо оуправляйся.
Зане в' житїе, свято ты оустроенъ,
ходи разумнѡ, в' мудрости оузброенъ.
Сущо надежды, в' вѣкъ не ѿпадеши,
еще и другихъ, къ бг҃у приведеши.»

Листъ 39-й, буква Ѱ. Изображенія: «ѱалтирь.—ѱалмы.—мусика пѣніе сладкое».

Стихи подъ изображеніями:

«Видъ писмено ѱи, сицевъ показуютъ,
греческихъ именъ, в' слозѣ ѡбразуютъ.
Славяне пишутъ, и греки то в' счетѣ,
с'бирай с'читай вся^{к}, ползы в'твоемъ лѣтѣ.
Душа съ плотїю, всякѡ разлучится,
и паки имать, навѣкъ единится.
Въ добродѣтелныхъ, вещехъ искусися,
ѿ случаявъ ѕлыхъ, в' молитвѣ крѣпися.

Бг҃ъ же благая, готовъ есть давати,
молящыяся, скорбей из'имати.»

Листъ 40-й, буква Θ. Изображенія: «Θеона.—Θеопентъ.—Θеофілактъ.—Θеодѡръ.»

Внизу вирши:

«Θиту потребнѡ, с'фертомъ в' писмѣ знати,
гдѣ во именахъ, и числахъ писати.
Сиплива θита, въ произносѣ гласа,
а юный оуменъ, любезна оукраса.
Навыкнетъ ли кто, жити здѣ в' покорствѣ,
всякія вещи, хощет быть в'дозорствѣ.
Паче самъ себе, восхощи смотрѣти,
чегѡ хощет бг҃ъ, ѿ тебе имѣти.
Сотворенъ еси, ты оумнословесенъ,
прославляй творца, врай буде несенъ.»

Листъ 41-й, буква V. Изображенія: «Evтіхъ.—vакїнфъ.—іпполvтъ.—vпатій.—vмїней.—Evдокіа.»

Стихи подъ изображеніями:

«В' писменахъ славянъ, vжица держится,
в' греческихъ разумъ, того разнъ явится.
Vѱилонъ оунихъ, предчинѡ по҃чинѡ,
в' слозѣ реченїй, и въ числѣ истинѡ.
Вся писмена кто, из'учитъ писати,
разумѣй какѡ, во изря҃ствѣ стати.
Потребы тѣми, все добрыя пиши,
в' соблази' же и вре҃, тѣ всегда лиши.
Будеши честенъ, за тру҃ твой и слу҃бу,
вездѣ возмеши, даръ тебѣ и дружбу.»

Листъ 42-й. Вверху заставка съ изображеніемъ благословляшаго Спаса, у котораго въ лѣвой рукѣ евангеліе съ надписью:

«рече г҃ди иже аще исповѣ҃с.»

Текстъ:

«бл҃годаренїе: бг҃у,

Бж҃е единый, в' трїехъ ѵпостасѣхъ,
буди честь слава, приснѡ ти во гласѣхъ.
Ѿ всея твари, еси поклоняемь,
оч҃е и с҃не, с' дх҃омъ прославляемь.
Дѣло се в'ползу, людемъ, тебѣ ношу,
даждь сп҃сенїе, всѣмъ желаннѣ прошу.
Азъ земля пепелъ, рабъ твой припадаю,
помилуй ц҃рю, датя в' вѣкъ в'спѣваю.

аллилуіа.

Бг҃ородице, Ѡ дѣва святая,
Мр҃іе мати, помощь всѣмъ бл҃гая.
Бл҃женнѡ люди, оуправляй ты жити,
еже бы б҃га, и тя в' вѣкъ хвалити.

Радуйся невѣсто неневѣстная.

Небесны чины, вы намъ помогайте,
Ѿ бѣд напастей, вездѣ сохраняйте.
Ѡ вси ст҃іи, в' м҃лтвѣ вы мнозѣ,
за вся хртїаны, радуйтеся в' б҃зѣ.

аллилуїа.

Сій Букварь счини, Іеромонахъ Карїѡнъ,
азнамени и рѣзалъ, Леоптей Бунинъ ,зсв҃.»

Листъ 43-й. Посвященіе:

«Блаженнѣйшїй о҃че и Гд҃ине мой Пречестнѣйшїй,
Во Гд҃ѣ бз҃ѣ здравствуй, и Радуйся.

Извѣстная знаменїя В' человѣцѣхъ б҃жїя любве, В'нихже премудрость домъ себѣ устрои, и Витаетъ бл҃годатнѣ. Еюже всякїя

добродѣтели непрестанно, яко премудріи архїтектоны, бгоизбранніи люди, и сотворяютъ милостивω отеческω В'Господствѣ своемъ прїятство всякому чл҃ку. Чесогω ради многая бл҃годаренїя ѿ многи[х] устъ, повсюду всетворцу бг҃у В'прославленїе ст҃агω имене Егω воздаются. И таковое бл҃годати гд҃ни знаменїе и достоянїе, В'боголюбивѣй д҃ши твоей всесовершеннѣ зрится умнословоглаголивыми. И бл҃годѣянїя ѿческихъ твоихъ исправленїй бгоугодныхъ вездѣ, не токмω на кровѣхъ круга земнагω проповѣдаются, нои аг҃гльскими чины В' премірномъ ωрїзонѣ восхваляются пре[д] спсителемъ паши[м] бг҃омъ. Тѣмже мздовоздатель Гд҃ь, мзду твоему ѿческому труду, и д҃шеспасителному В'Бодрости подвигу, стократными мѣрами воздарствитъ. Азъже меншїй за твое Господское ко мнѣ прїятство, и любезное во хр҃тѣ бз҃ѣ бл҃годѣянїе всегда Гд҃у бг҃у бл҃годаренъ премногу. и тебѣ Гд҃рю моему Во бл҃говременствѣ здѣ на премногая лѣта пребыванїя, и полученїя В' пресвѣтлыхъ н҃бсѣхъ присносущныя неконча́емыя радости со Всѣми ст҃ыми прїискренно жалаю

Твоегω бл҃гословенїя и мл҃твъ
ст҃ыхъ всегда требующій.»

---

680. Азбука 1801 года

Гравирована на мѣди, на восьми полулистовыхъ перенумерованныхъ страницахъ. Подлинникъ, единственно извѣстный экземпляръ, находится къ Московскомъ публичномъ музеѣ.

Страница 1-я. Всредине картинка, на которой представленъ столъ. Застоломъ сидятъ и пишутъ два учителя; изъ нихъ одинъ въ шлянѣ. Подлѣ два ученика: одинъ стоитъ передъ учителемъ въ шлянѣ, другой сидитъ за столомъ. По бокамъ картинки подпись:

«**азбука скорописная** для малолѣтныхъ дѣтеи 1801 года.»

За тѣмъ слѣдуютъ: ряды буквъ разнаго письма и послѣ каждаго изъ нихъ—нравоученія, слѣдующимъ образомъ:

буква «А (восемь разъ) — Азъ — А» (еще два раза), «Азъ Есмь богъ прежде всехъ векъ»

«Б (восемь разъ)—Буки—Б» (одинъ разъ), «богъ Есть прежде всехъ векъ и всему Миру Светъ»

«В (7 разъ)—Вѣди—В», «видитъ господь всю таину человеческую и твореніе Его»

«Г (8 разъ)—глаголь—г», «глаголетъ господь сыновамъ человѣческимъ»

«Д (7 разъ)—Добро—Д», «Добро есть верующимъ во имя мое»

«Е (9 разъ)—Есть—Е» Ежели чего себе нежелаешь то инымъ не твори»

«Ж (6 разъ)—Живетѣ—Ж», «Житіе стежи благочестно»

«З (9 разъ)—Земля—З», «заступи при старости отца своего и не опечали Его»

Страница 2-я. «И (6 разъ)—Иже—И», «Иже имать усердіе ко господу и дастся»

«І» (11 разъ), «Імеи Покаяніе Чистое и вдаль неоткладываю»

«К (7 разъ)—Како—К», «Книги божественныя чести прилежно»

«Л (7 разъ)—Люди—Л», «Летитъ время часами водни и вощи яко крылами»

«М (6 разъ)—Мыслете—М», «Мзду чюжую не моги удерживать отдавай снагражденіемъ»

«Н (5 разъ)—Нашъ—Н», «Никакому человеку обиды не чини а будь своимъ доволенъ что богъ тебе далъ»

«О (8 разъ)—Онъ—О», «Отбрани отссоръ и отпрочихъ непотребныхъ делъ отступаи прочь»

«П (7 разъ)—покой—п», «помышляи О томъ Еже есть праведно»

«Р (6 разъ)—Рцы—Р», «Радость Пренебрегаи а впечали не ослабеваи»

«С (8 разъ)—Слово—С», «Собою ничемъ Не хвалисъ и непревозносисъ»

«Т (7 разъ)—Твердо—Т»

3-я Страница:

«Твори милостыню нищимъ по силѣ своеи»
«У (6 разъ)—Ф (4 раза)—фертъ—ф»
«Х (3 раза)—Херъ—Х—Ц (4 раза)—Цы—Ц»
«Ч (4 раза)—Червь—Ч—Ш (3 раза)—Ша—Ш»
«Щ (3 раза)—Ща—Ъ (6 разъ)—Еръ—Ъ»
«Ы (4 раза)—Еры—Ы—Ь (6 разъ)—Ерь—Ь»
«Ѣ (5 разъ)—Я то Ь—Ю (6 разъ)»
«Я (6 разъ)—Ѳ (3 раза)—Ѳита—Ѳ»

«Краткое правоученіе.

Начало всякои премудрости страхъ господень
бога бои ся государя своего почитаи
Имѣи попеченіе не окрасотѣ своеи но одобротѣ своего сердца
вѣдаи что одѣяніе души твоеи Есть тѣло твое того ради береги его отъ сквѣрности

Лѣнивые никогда не нажываются а непроворные сидятъ часто голодныи

Страница 4-я.

«За великое важное дело принимаися рачително
зло есть господни заповѣди нетворити за что повѣлѣваетъ и воадъ затворити.
Непосягаи на нещастливыи ибо щастїе всемъ общее
Неищи человече мудрости ищи крѣпости аще об(р)ящеши крѣпость тогда одолееши мудрость
При упаденіи древа всякои человекъ дровами доволствуется
Кто сплутами водится и самъ таковъ же будетъ.

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10

Таблица умножительная

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
2	4	6	8	10	12	14	16	18	20
3		9	12	15	18	21	24	27	30
4			16	20	24	28	32	36	40
5				25	30	35	40	45	50
6					36	42	48	54	60
7						49	56	63	70
8							64	72	80
9								81	90
10									100

Сложеніе

4214
6735
2369
1331(8)

вычитаніе

68442 *7 (?)
54230
24512

Дѣленіе

10|6482547|64824|10
60
48
40
82
80
24
20
47
40
7
10

Умноженіе

6245
2
12490

Ащѣ кто сію таблицу твердо знаетъ тотъ человекъ въ щетѣ твердъ умомъ бываетъ».

Здѣсь сдѣланъ однимъ непрерывнымъ почеркомъ соколъ.

Страница 5-я. Картинка, представляющая компату. Справа стоитъ столъ и стулъ; настолѣ бумага, чернильница и песочница, перья и угольникъ. Слѣва ученикъ молится богу на колѣняхъ. Вверху изъ облаковъ простираетъ къ нему руки Саваоѳъ, отъ котораго исходитъ голубь въ сіяніи.

«Молитва предъ начинаніемъ всякаго дѣла

Господе ісусе христе сыне единородныи безначалнаго твоего отца реклъ еси пречистыми усты твоими яко безъ мене не можете творити ничтоже господи мои. господи верою объемъ въ души моеи и сердце тобою реченная приподаю твоеи благости помози мнѣ грешному сіе дело мною начинающееся о тебе самомъ совершити воимя отца и сына и святаго духа аминь.

боися бога почитай родителеи скроменъ буть къ друзьямъ и живи какъ законы велятъ.»

Страница 6-я.

«Наставленіе какъ писать писма къ разнымъ особамъ.

Къ архіепископу

Щедраго и великаго бога призывателю и его не постижнымъ милосѣрдіемъ почтенному и страшному престола божія достоиному предстоятелю и во всехъ и во вся трісвятую песнь приносителю имрокъ

Къ архимандриту

во много славящую и тверде именистую богомо построенную ко спасенію идущему и желателю не изъ глаголанныя радости вышняго Іерусалима имрокъ

Къ игумену

О христе собраннымъ иноческаго пребыванія евангельскаго гласа ревнителя и пространнаго пути уклонителю молитвою своею яки копіемъ дьявола побеждавши имрок

Къ игуменіи

божественная и бгомъ снабдивыя равноангелская небесе подобныя старицы имрокъ

Къ священнику

Господня престола со страхомъ предстоятелю пастырю I учителю словеснаго стада христа и бога нашего и народа на хвалу божію возъбудителю имрокъ»

Страница 7-я.

«Къ дьякону

Приходящему непрестанно ко престолу божію и просящему молитвами своими за вся христіаны господа нашего и послушному въ повеленіяхъ пресвитерскихъ имрокъ.

Къ старцу

Горняго Іерусалима и пустыннаго житія подражателю ангелскихъ силъ ревнителю имрокъ

Къ генералу фелдмаршалу аншефу

ваше высокопревосходительство милостивыи государь имрокъ (.) на конце (:) вашего высокопревосходительства покорны слуга имрокъ

Къ генералъ маіору

ваше превосходителство милостивыи государь имрокъ (:) на концѣ (:) вашего превосходителства покорныи слуга имрокъ.

Къ полковнику и подполковнику

ваше высокоблагородіе милостивы государь имрокъ

Къ графу

ваше сіятелство милостивыи государь имрокъ (.) на конце (:) вашего графскаго сіятельства покорныи слугм имрокъ

Къ князю

ваше сіятелство милостивыи государь имрокъ (.) на конце (:) вашего сіятелства покорныи слуга имрокъ

Къ капитану и порутчику и къ прапорщику»

Страница 8-я.

«ваше благородіе милостивыи государь имрокъ(.) на конце (:) вашего благородія покорныи слуга имрокъ

Къ отцу и къ матери

Милостивыи государь имрокъ(,) также матери (,) вмилости божескои и вчистливомъ пребываніи здравствовать вамъ желаю (.)

на конце (:) сынъ или дочь имрокъ прошу вашего заочнаго родителскаго благословенія и нижаише кланіюсъ

Къ брату и сестре

Любезному моему имрокъ такожь и ксестре здравіе ваше да сохранитъ десница вышняго бога на лета многа

Къ пріятелю

Государю моему имрокъ желаю я вамъ всякаго благополучія

Отжены кмужу

Любезному моему имрокъ желаю я тебе всякаго благополучія и щастія на векъ твоя нерушима

Отъ мужа кжене

Любезнеишеи моеи имрокъ желаю я тебе всякаго благополучія и щастія на векъ твои не рушимъ

Царь видитъ редко а мы видимъ завсегда а богъ невидитъ никогда

Ответъ

Царь царя видитъ редко а мы другъ друга завсегда а богъ равнаго себе невидитъ никогда»

---

681. Азбука

На шести листахъ, отпечатанныхъ мѣдными досками съ одной стороны. Изданіе начала XIX вѣка. На первой страницѣ представленъ молящійся богу ученикъ и молитва, скопированная съ 5-й страницы азбуки 1801 года. За тѣмъ три страницы буквъ, съ наставленіями, двѣ страницы съ примѣрами писемъ и послѣдняя страница съ таблицей ариѳметики. Все скопировано точь въ точь съ азбуки 1801 года.

682. «Новая Россійская Азбука

следующая для научения дѣтей правильному чистописанію 1809 года».

На этой первой страницѣ представлено: три ученика занимаются чистописаніемъ подъ руководствомъ учителя. Затѣмъ буквы прописи и все прочее повторено точь въ точь съ изданія 1801 года, описаннаго подъ № 680.

(а) Копія точь въ точь, изданіе 1824 года.

(б) Точная копія съ азбуки 1801 года, изданія 1809 года, у П. А. Ефремова.

---

683. Русскія и польскія прописи почаевской работы.

РУССКІЯ ПРОПИСИ.

Въ листъ, гравированы на мѣди въ концѣ прошедшаго столѣтія.

Подлинникъ находится въ моемъ собраніи.

Вверху четыре строки большихъ буквъ—далѣе двѣ строки малыхъ. Внизу: «Наставленія Віаса были: старыхъ и честныхъ людей почитай; дерзости, обиды и досады никому не причиняй. Безумная есть вещь невозможно хотѣть. Мудрость есть лучшая вещь. Двѣ вещи размышленію суть препоною: скорость и гнѣвъ.»

ПОЛЬСКІЯ ПРОПИСИ.

Дружка предыдущему листу. Вверху двѣ строки прописныхъ буквъ и двѣ малыхъ.

Далѣе текстъ:

«Cnota skarb wiecznu, cnota kleynot drogi
Tegóc niewydrze nieprzyiaciel strogi,
Niespoli ogien, niezabierze woda:
Nad wszystkim inszym pannie przygoda».

Въ 1820 году обѣ доски находились еще въ типографіи Почаевской Лавры.

---

684. Ариѳметика

Картинка шестилистоваго размѣра, гравированная на мѣди въ 1703 году. Подлинникъ находится въ Императорскомъ Эрмитажѣ (*).

Въ верхней части изображенъ св. Духъ, въ видѣ голубя, съ подписями: «Дх҃ъ мудрости—Дх҃ъ разума»; пониже, въ лучахъ, имя бога по евренски, а еще ниже двуглавый орелъ; на груди его Московской гербъ, на крыльяхъ два моря, а въ когтяхъ еще два моря съ крѣпостями.

Кругомъ орла буквы: Б. М. П. Д. В. Г. Ц. И. В. К. П. А. В. В. М. Б. Р. С. (божіею милостію пресвѣтлѣйшей державнѣйшей, великій государь царь и великій князь Петръ Алексѣевичъ, вся великія, малыя, бѣлыя Россіи самодержецъ).

Пониже храмъ на двѣнадцати колонахъ, въ которомъ на тронѣ о пяти ступеняхъ, сидитъ ариѳметика, въ видѣ женщины. На колоннахъ надписи: «геометрія—стереометрія—астрономія—оптика—меркаторія—географія—фортификація—архитектура». У подножія каждой изъ колоннъ эмблематическія изображенія наукъ. На двухъ среднихъ колоннахъ изображены: глобусъ, съ ариѳметическими числами и надписью: «сими возлетаютъ», и цыркуль: «до звѣздъ достигаютъ».

Вирши надъ фронтономъ и подъ нимъ:

«Нынѣ державнѣйшій сей монархъ тщаніемъ,
ученіемъ ее удовольлъ знаніемъ:
Ариѳметика дѣйствы наукъ отверзаетъ:
внемли убо, то все на столпахъ изъявляетъ».

Надписи на ступеняхъ трона: «счисленіе—сложеніе—вычитаніе—умноженіе—дѣленіе».

(*) Въ собраніи Олсуфьева есть экземпляръ этой ариѳметики безъ верхней полосы и позднѣйшаго изданія.

Вирши побокамъ: справа —

«Ариѳметика сїя ѳеорика,
также политика и логистика,
Въ началѣ бо отъ оныхъ издателей,
по ихъ же, и чрезъ иныхъ писателеи».

Слѣва —

«Но понеже Архимедъ и Пиѳагоръ
ону пустыню, яко рѣки отъ горъ:
за толикую пользу и благодать
должно велію честь Богу воздать»

Текстъ всрединѣ: **«Новый способъ арїѳметїки ѳеорїки или зрителныя.**

Сочиненъ вопросами ради удобнѣйшаго поятїя. Что есть арїѳметїка; ариѳметїка есть сирѣчь числителница, сочиненна в'толикомъ удобномъ образѣ; яко кїйждо можетъ исчислити велїе впродажахъ, и купляхъ, мѣрахъ и вѣсахъ во всякой цѣнѣ, И во всякихъ денгахъ, во вся цр̃ства всегѡ мїра. И служитъ еще во еже раздѣлити кому всякую вещь въ многия части. и доли раздѣляти втоварыществахъ, и вкратцѣ рещи; служитъ бо еже исчислити всякое велїе исчисленїе, что любо аще помыслитъ чл̃вкъ. Вколицы части предѣляется сїя числителнипа; на четырѣ части, кій суть четырѣ части; Первая часть ѡ числахъ цѣлыхъ. Вторая ѡ числахъ ломаныхъ, или частныхъ. Третїя ѡ числахъ подобныхъ, сирѣчь втрехъ, впяти, и вседми перечняхъ, вцѣлыхъ и частныхъ. числахъ. внейже ѡ правилѣ фалшивомъ или ложномъ. Четвертая ѡ числахъ начертанныхъ, которыя вначертанїяхъ плоских и толстыхъ геѡметрическихъ ѡписуются. Первая часть ѡ чесомъ; и колику предѣленїи имѣетъ; часть первая ѡ числахъ цѣлыхъ, имѣетъ предѣленїи пять. Первое ѡ начертанїй писменъ, внемже и нумераціо: или численїе. Второе аддиціо: или сложенїе. Третїе субитракціо, или вычитаніе. Четвертое мултихликаціо: или умноженіе. Пятое дивизїо: или дѣленїе. Вторая часть придана децїмалная, во всякихъ убо частныхъ числахъ случайная. Имѣетъ же оныхъ предѣленїи пять. На сихъ

бо двухъ частѣхъ и прочїи тїи двѣ части ѡснованїе имѣютъ, и имиже дѣйство разными образы втѣхъ частѣхъ и предѣлѣхъ бываетъ. Сегѡ ради убо г҃діе мои, кратко ихъ предложихъ вамъ на преддверїе прочимъ частемъ. И вы аще бл҃го оныя вразумите, можете ими и прочїи тїй двѣ части трудолюбїемъ внимати и всякое число исчисляти.»

За тѣмъ, въ пяти столбцахъ, слѣдуетъ изъявленіе пяти предѣленій съ примѣрами; вверху и внизу столбцевъ помѣщены вирши:

1) «Ѡ начертанїи литеръ предѣлы начахомъ,
внихже и сочисленїй тѣхъ литеръ кончахомъ.
Числа цѣлыя счастными счинились,
оныя всихъ предѣлехъ и кончились.»

2) «Во оныхъ предѣлѣхъ число счисломъ слогати,
или многи ведину сумму собирати.
Слоганія предѣлы изъявихомъ,
вцѣлыхъ и частныхъ числахъ ѡкончихомъ.»

3) «Число малое ѿ велика вычитати,
еще и разнство впревышенїй ѡбрѣтати.
Здѣ н҃нѣ кончилося субтракціе
изцѣлыхъ и частныхъ числъ изятїе.»

4) «Два числа едино чрезъ друга умножати
или единымъ во иное привождати.
Ѡ еже довлѣетъ что умножати
разумѣхъ тѣ предѣлы ѡкончати.»

5) «Число едино чрезъ другое раздѣляти,
или единымъ во иное вревращати.
Раздѣленїе всякое кончися
ѿ сего и прочимъ внятно оучися.»

Кругомъ этого текста сдѣланъ бордюръ, въ которомъ сверху, въ одинадцати клеймахъ, находятся слѣдующія надписи:

«ѡглавленїе вещей яже изображенныя на листѣ семъ.

Вся выше изображенныя четыре моря орломъ содержимыя

его величества державы стяжанныя ѿ всего земнаго глобуса иже подгербомъ изображенъ.

Во первыхъ в' верху въ ѡблацѣхъ, изѡображеніе дха ст҃аго, ѿ его же бо благодати, изліятся всякая премудрость ч҃лвкѡмъ.

Егѡже дарованіемъ самодержавнѣйшему нашему монарху изъданы проблемы на гербъ его ц҃рскагѡ пресвѣтлѣйшаго величества.

Вначалѣ оубѡ изображенные на крылѣхъ орліихъ два моря то знаменуетъ державы егѡ пресвѣтлѣйшагѡ величества древлее.

Аяже вногтяхъ орліихъ идѣже держава сіе трудомъ полученное чрезъ благодать сіяющаго паднимъ б҃га, воеже побѣдою притяжа азовъское море.

А идѣже скипетръ и мечъ ту знаменованіе егѡже пресвѣтлѣйшагѡ величества трудами притяжонное море балтийское или варяжское.

Прочее на кзымзѣ писано, како его вел҃чество сію науку любомудріемъ оудоволи[1] здѣ знаніемъ, но понеже до его тщанія аще сія наоука и оудобна, но прежде не бысть свободна.

Зри оубо оная наоука разныя дѣйствы во изображенныхъ наоукахъ ѡтверзаетъ: паки и воиныхъ художествахъ велми помощь подаваетъ.

Ѡныя бо науки всединѣ двѣ нужнѣишія части изобра(же)ны, яже вцѣлыхъ и частныхъ числахъ вползу оучащимся изданы.

А окрестъ ея древніи философы поставлѣны понеже онїи ея издревле издатели, и за оно имъ надними ѿваїй короны сплетены. за ихъ тщаніе въ наоукахъ почтены. На славу и честь его ц҃рскагѡ пресвѣтлѣйшагѡ величества подтой наоукой кремль и петрополисъ изобразися. понеже въ его державѣ сіе сочинися.

Сочинися в҃ц҃рствующемъ великомъ градѣ Москвѣ. лѣта гдня 1703 (5 ?) чрезъ труды василія кипріянова штыковалъ Федоръ никитинъ, съ ученикомъ смаркомъ петровымъ»

Въ боковыхъ бордюрахъ находятся слѣдующія изображенія:

Слѣва:

«Гиппархъ — Hipparchus.

Птоломей—Ptolomeus.
Коперникъ—Kopernicus.»

Справа:

«Цр̃ь алфонскій—Rex alfonsis.
Тухо брахїй—Tycho Brahe.
Іѡгъ Фоцилїдъ—Ioh. Phocylides.»

Въ нижнемъ бордюрѣ, всредиѣ, въ кругломъ клеймѣ, надпись:

«Непобѣдимѣйшему и августѣйшему п̃рю гдр̃рю и великому кн̃зю **петру алеѯіевичу** всея великія и малыя и бѣлыя рѡссій самодержцу и бл̃гродному гдр̃рю цр̃вичю и великому кн̃зю **алеѯею петровичу** на величайшую славу и честь пресвѣтлѣйшаго в̃шего цр̃ьскаго величества.»

По сторонамъ, въ двухъ четыреугольныхъ клеймахъ, посвятительныя вирши:

«1 Тѣмже мою ѡ самодержче,
кчести б̃гу ревный радѣлче:

2 Дабы трудъ сей вчесть б̃гупрїялъ,
и пользу людемъ вмиръ излїялъ:

3 Тѣмъ оубѡ труждшїйся оубогїй,
подлагаю главу подноги:

4 И желаю да будетъ сей трудъ,
добрѣ ползовать рѡскій весь людъ.

5 Н̃нѣ же и всякъ лучшїй воинъ,
ону знать наоуку достоинъ:

6 Иже да поемъ б̃гу сл̃ву,
и величитъ твою державу:

7 За толикую ползу и даръ,
Юже бо весь мїръ нн̃ѣ издалъ:

8 Мнѣжъ мл̃ть твоя да прїидѣтъ,
и мл̃тивно трудъ сей прїиметъ.»

*

По сторонамъ этихъ клеймъ два вида: слѣва—«кремль прьствующаго града Москвы»; справа: «ѕ петрополісъ 1703» (одна голая крѣпость съ шестью выступающими углами и церковью въ серединѣ).

Въ углахъ, подъ философами еще вирши: слѣва —

«Двѣ части нн҃ѣ предложивше,
вцѣлы^{х} и частны^{х} изявивше.
Внихже ѡбщая вся гражданства
коегѡ любо гд҃рства.
Ихже впамяти твердо держи^{м},
и за сїя вся бг҃а блажимъ.
Что даде на^{м} оныя знати
и во бл҃гости ѡкончати».

Справа —

«Ѡ читателю мой любезный.
прїими трудъ сей полезный
ѡнаго наука свободна.
во всѣхъ художеста^{х} удобна.
Хощу да вся^{к} ону взыскуе^{т}
за кую да^{р} велїй прїймуетъ.
Аще воныхъ погрѣшенія
молю оубѡ вто^{м} прощенїя».

---

685. «Изъясненіе Алфы (и) омеги

Господь вседержитель называетъ себя въ Апокалипсисѣ первоначальною и послѣднею буквами Греческой Азбуки: Азъ есмь Алфа и омега, начатокъ и конецъ, то есть, вѣчный. Почему здѣсь 1) изображена греческая азбука изъ 24 буквъ состоящая, въ видѣ круга, изображающаго вѣчность, ибо по кольцу вокругъ сколькобы ниходить, конца достигнуть не можно. А посему Богъ изо-

браженный въ кругу, разумѣется быть въ вѣчности такъ, какъ и древнїе язычники подъ видомъ Сатурна изображаемаго съ кольцомъ, понимали вѣчное нѣкое существо, вся создавшее. А какъ всякая тварь обязана хвалить своего создателя; букважъ не есть тварь, А выдумка человѣческая, или нѣкоторый гласоударятельный знакъ для произношенїя слова; Слѣдовательно буква сама собою хвалить господа не можетъ, того для 2) въ видѣ и количествѣ сихъ 24-^{x} буквъ изображены вокругъ Господа 24 Ангелы, которые по силѣ церковной пѣсни: тебе вси Ангели и проч. непрестанно и единогласно взывоютъ: **святъ:** прославляя тѣмъ величїе Божїе. Они сверхъ того означаютъ 24 старпевъ въ Апокалипсисѣ упоминаемыхъ, то есть 12 патрїарховъ дѣтей Іаковлевыхъ и 12 апостоловъ, иже возсядутъ съ Господомъ на престолѣхъ судити всей вселеннѣй 3) подъ числомъ же 24-^{x} буквъ разумѣются 24 часа а чрезъ оные: сутки, недѣли, мѣсяцы, годы, безчисленные вѣки и слѣдовательно, безконечная вѣчность, въ которой сей присносущій Богъ искони пребываетъ. Онъ есть творецъ неба, земли, солнца, луны и прочихъ планетъ и тварей, то 4) **Солнце**, сотворенное имъ тѣло огнѣнное, для освѣщенїя и согрѣянїя всея вселенныя имѣетъ чрезъ себя полосу темную, А въ ней згорѣвшїя и курящїяся пятна и звѣзды, видимыя при его затмѣнїи чрезъ Астрономическїя трубы, и сквозь копченаго стекла съ прочищеннымъ пятнушкомъ, наведеннаго на солнце и бумагу послѣ грому и молнїи въ ясной день 5) **Луна** изображена въ тотномъ ея видѣ, посредствомъ трубъ Астрономическихъ; но что такая въ ней за смѣсь, непостигаютъ Физики. Она занимаетъ свѣтъ отъ солнца и оной сообщаетъ земному шару, на подобїе зеркала; А потому свѣтитъ только, но не грѣетъ; что доказываетъ освѣщенный ея бокъ отъ солнца, А другой темный, 6) **Радуга** по показанїю камеры обскуры имѣетъ въ себѣ отъ преломленїя лучей солнечныхъ, ударяемыхъ въ густую и не прозрачную въ Атмосферѣ тучу на горизонтѣ, семь лучей естественныхъ; первые два снизу и сверху желтые вторые алые третїй снизу дикой на подобїе железнаго, четвертый синей, А пятой зѣленый, она означаетъ

завѣтъ Божій съ Ноемъ, что еще всеобщаго на земли потопа не будетъ. 7) въ сходство Г-на Державина стиховъ: кто все собою наполняетъ, объемлетъ, зиждетъ, сохраняетъ и проч. изображенъ Господь Саваоѳъ въ кругу съ распростертыми руками, какбы объемлющій оными всю вселенную; наполняющій небо и воздухъ; стоящій правою ногою на земли А лѣвою на моряхъ, почему и назюється вездѣ сущій. 8) Здѣсь по правую сторону сего Саваофа видимы на небѣ звѣзды и въ сферѣ три планеты, А прочія подразумѣваются сокрытыми во мрачности неба и густотѣ воздуха, кратко сказать: 9) картина сія представляетъ всемогущаго Творца, вѣчнаго и вездѣ-сущаго Бога.»

Стихи

«Здѣсь солнца и луны Давидъ творца поетъ;
Державинъ **Существо**, сколь можно описуетъ;
А Ломоносовъ россъ во радугѣ завѣтъ;
Тодорскій вещь съ того на картѣ образуетъ.»

Подъ рамкой:

«1802 года соч. Иванъ Тодорскій.»

Этотъ текстъ вырѣзанъ на мѣдной доскѣ въ листъ.

Изображеній при немъ нѣтъ. Доска находилась во второй половинѣ прошедшаго столѣтія на Ахметьевской фабрикѣ. Подлинникъ, изданія этой фабрики, находится въ моемъ собраніи.

ОГЛАВЛЕНІЕ ВТОРОЙ КНИГИ.

Листы историческіе:

№		стран.
293.	Монархическій колоссъ	1
294.	Славное побоище Царя Александра Македонскаго съ Поромъ Царемъ Индійскимъ	8
295.	Царь Александръ Македонскій	9
296.	Поръ Царь Индійскій	9
297.	Бой Царя Александра Македонскаго съ Поромъ Царемъ Индійскимъ	10
298.	Люди дивія, найденныя Царемъ Александромъ Македонскимъ.	12
299.	Смотрины Греческихъ Царевенъ	14
300.	Изображенія четырехъ Царей	—
301.	Освобожденіе Бѣлграда отъ осады Печенеговъ	15
302.	Русскія сказанія	16
303.	Мамаево побоище	23
304.	Исторія о походѣ В. К. Димитрія Іоанновича	52
305.	Описаніе Россійской Имперіи	54
306.	Картины или краткое изображеніе Россійской Имперіи, 1831 года	54
307.	«Анегдотъ Петра Великаго»	55
308.	Изображеніе мужика съ птичьей головой, пойманнаго въ Испаніи, въ 1721 году	55
309.	Извѣстіе 1739 года о двухъ чудахъ, морскомъ и лѣсномъ, пойманныхъ въ Испаніи	56
310.	О рожденіи урода въ Нижнемъ Новгородѣ, въ 1730 году	57
311.	О знаменіи, бывшемъ подъ градомъ Шлонскимъ, въ 1736 году	58
312.	Явленіе, видѣнное въ Картагенѣ, 6 Января 1744 года	58

№ стран.
313. Разговоръ Прускаго Короля съ фельдмаршаломъ Венделемъ, 30-го Іюля 1759 года..... 59
314. Тотже разговоръ, другой переводъ..... 62
315. Побѣда Генералъ фельдмаршала Графа Солтыкова надъ Пруссаками при Франкфуртѣ, 12-го Августа 1759 года..... 63
316. Пруссаки дерутся съ русскими казаками..... 65
317. «Грусной драгунъ»..... 65
318. Стычка прусскихъ драгунъ съ русскими казаками..... 66
319. Еще стычка прусскихъ драгунъ съ русскими казаками..... —
320. Извѣстіе о пойманіи кита въ Бѣломъ морѣ, въ Іюнѣ 1760 года..... —
321. Изображеніе Сатира, показывавшагося въ Испаніи, въ 1760 году. 67
322. Извѣстіе о бѣдствіяхъ, постигшихъ Македонію, въ 1761 году. 68
323. Извѣстіе о землетрясеніи, бывшемъ на островѣ Терцерѣ, 9 Октября 1761 года..... 69
324. Великанъ Бернардъ Жили..... 70
325. Объявленіе о прибытіи англійской компаніи комедіантовъ.... 72
326. Англійскій мясникъ Бернардъ..... 73
327. Изверженіе огнедышащей горы близь города Тукстлы, въ Америкѣ, въ 1765 году..... 74
328. Тоже изверженіе; другой переводъ..... 75
329. Небесное явленіе въ Вейсенбургѣ, 20-го Іюня 1765 года..... 76
330. Извѣстіе объ изверженіи Везувія, 4 Апрѣля 1766 года..... —
331. О томъ же изверженіи Везувія, другой переводъ..... 77
332. Изображеніе обряда народнаго покаянія, приносимаго убійцами Жуковыми (въ маѣ 1766)..... 78
333. Явленіе на небѣ, бывшее въ Турціи, въ 1768 году..... 80
334. Отвѣтъ Турецкаго дивана Султану относительно объявленія войны Россіи, въ 1768 году..... 80
335. Изображеніе кометы, 16 Августа 1769 года..... 81
336. Воскресшій Бонневаль..... 82
337. Описаніе торжественныхъ процессій, бывшихъ въ Турціи, 9 Іюня 1770 года..... 82
338. Конечное истребленіе Турецкаго флота при Чесмѣ..... 85
339. Реляція о взятіи Бендеръ..... 90
340. Извѣстіе о бунтѣ янычаръ въ Турціи и о постановленіи дивана. 93
341. Взятіе крѣпости Журжи..... 96
342. Извѣстіе о взятіи Перекопской крѣпости..... 99
343. Побѣды Графа Румянцева надъ Турками.....106

№ стран.
344. Животное, найденное въ Испаніи, 27 Января 1775 года.....110
345. Народный праздникъ, бывшій на Ходынкѣ, 19 Іюля 1775 года..111
346. Заключеніе мира съ Турціею, 13 Января 1775 года.....114
347. Описаніе торжественнаго въѣзда въ Москву турецкаго посла Беглербея, въ 1775 году.....116
348. Дивная птица, прилетавшая въ Парижъ, 6-го апрѣля 1776 года.120
349—352. Описаніе Путешествія В. К. Павла Петровича.....121
353. Поступокъ дровосѣка съ докторомъ.....127
354. Изверженіе Везувія, 8-го Августа 1779 года.....129
355. Взятіе Очакова и солдатская пѣсня на этотъ случай.....129
356. Слонъ персидскій.....133
357. Персидскій слонъ, приведенный въ Москву, въ 1796 году.....133
358. Подвигъ гренадера фанагорійскаго полка, въ 1805 году.....136
359. Поединокъ волонтера Веделя съ англійскимъ офицеромъ, 11-го Января 1808 года.....137
360. Взятіе крѣпости Свеаборга.....138
361. Битва подъ мѣстечкомъ Либштадтъ и дер. Лангеніе.....140
362. Битва у мѣстечка Пултускъ.....142
363. Сраженіе при Бородинѣ.....144
364. Сраженіе при Кульмѣ.....145
365. Пѣсня (солдатская во время отечественной войны).....145
366. Землякъ съ дядею, отецъ съ матерью, Терентій съ женою....147
367. Торжественный въѣздъ въ Парижъ 150
368. Торжественное шествіе Всеавгустѣйшаго государя Императора Александра Павловича въ Парижъ.....150
369. Взятіе Полоцка.....151
370. Побѣда при маломъ Ярославцѣ ..... —
371. Разбитіе Маршала Виктора..... —
372. Принцъ Шварценбергъ рапортуетъ побѣду подъ Лейпцигомъ.. —
373. Разбитіе Наполеона при Парижѣ..... —
374. Въѣздъ Императора Александра въ Лондонъ ..... —
375 Кончина Государя Императора Александра Благословеннаго...152

Карикатуры 1812 года (работы Теребенева):

376. Казакъ вручаетъ Наполеону визитный билетъ на взаимное посѣщеніе.....153
377. Наполеонъ съ С..... послѣ созженія Москвы..... —
378. Угощеніе Наполеону въ Россіи.....154

№ стран.
379. Полезная операція....154
380. Русская баня....155
381. Попляши подъ нашу дудку.... —
382. Наполеонова пляска....156
383. Пастухъ и волкъ.... —
384. Обратный путь, или дѣйствіе русскаго слабительнаго порошка.157
385. Проѣздъ высокаго путешественника отъ Варшавы до Парижа.. —
386. Французскій вояжоръ въ 1812 году....158
387. Ретирада французскихъ генераловъ.... —
388. Ретирада французской конницы, которая съѣла своихъ лошадей въ Россіи.... —
389. Чѣмъ онъ побѣдилъ врага своего? нагайкой....159
390. Крестьянинъ увозитъ у французовъ пушку.... —
391. Французскіе мародеры, испугавшіеся козы.... —
392. Русскій геркулесъ города Сычовки....160
393. Русскій Сцевола.... —
394. Твердость русскаго крестьянина.... —
395. Французскій вороній сунъ.... —
396. Торжественный въѣздъ въ Парижъ непобѣдимой французской арміи....161
397. Носъ, привезенный Н—мъ съ собою изъ Россіи въ Парижъ...162
398. Карантинъ для Н-на по возвращеніи его изъ Россіи....163
399. Консиліумъ.... —
400. Н-нъ занимается прожектами снарядовъ для будущей компаніи своей противу Русскихъ....164
401. Мыльные пузыри.... —
402. Наполеонъ, въ намѣреніи своемъ уничтожить Пруссію, грибъ съѣлъ....165
403. Наполеонъ спускаетъ змѣя....166
404. Усердная и добровольная поставка рекрутъ отъ французскаго народа.... —
405. Наполеонъ продаетъ съ молотка похищенные имъ антики...167
406. Наполеонъ посреди приближенныхъ своихъ Маршаловъ и Принцовъ учитъ сына своего бѣгать.... —
407. Наполеонъ убаюкиваетъ Францію....168
408. Карнавалъ или Парижское игрище на маслянцѣ.... —
409. Кукольная комедія....169
410. Собранная на Эльбѣ обсерваціонная армія французская, къ которой главнокомандующій ея говоритъ рѣчь.... —

№ стран.
411. Наполеонъ, разбитый при Лютценѣ прикладываетъ себѣ пластырь 170
412. Вывозъ рѣдкостей изъ Парижскаго Музея, по случаю приближенія союзныхъ армій ..... —
413. Наполеонова слава 171
414. Наполеонъ претерпѣваетъ кораблекрушеніе ..... —
415. Разрушеніе всемірной монархіи 172
416. Освобожденіе Европы 173
417. Изображеніе человѣколюбивыхъ дѣйствій Наполеона ..... —
418. Казацкая шутка 175

Карикатуры 1812 года (работы другихъ мастеровъ):

419. Французское воспитаніе 175
420. Еще французское воспитаніе 176
421. Жидъ обманываетъ вещами, цыганъ лошадями, французъ воспитаніемъ; который вреднѣе? ..... —
422. Французскій парикмахеръ ..... —
423. Дѣятельность француженки въ магазинѣ 177
424. Мадамовъ изъ Москвы вить выгнали ..... —
425. Учителя и артисты французскіе оставляютъ Москву ..... —
426. Изгнаніе изъ Москвы французскихъ актрисъ 178
427. Ополченіе 1812 года ..... —
428. Возвращеніе изъ ополченія въ 1815 году ..... —
429. Наполеонъ, размышляющій послѣ сраженія при Красномъ 179
430. Наполеонъ послѣ сраженія подъ Малоярославцемъ ..... —
431. Русская старуха, объясняющая Наполеону сонъ 180
432. Духъ неустрашимости русскихъ ..... —
433. Наполеонъ занимается въ Москвѣ выжигою 181
434. Кухня главной квартиры, въ послѣднее время, въ Москвѣ ..... —
435. Бонапартъ валяется въ снѣгу 183
436. Смотръ французскимъ войскамъ на обратномъ ихъ проходѣ черезъ Смоленскъ 184
437. Бѣгство Наполеона ..... —
438. Рыцарская поѣздка Наполеона изъ Варшавы ..... —
439. «Побѣдитель мира выѣзжаетъ въ лубковомъ ящикѣ» 185
440. «Благоразумная ретирада доставляетъ мнѣ спокойствіе» ..... —
441. Отступленіе въ полномъ порядкѣ 186
442. «Чтожъ батюшка, бѣжишъ—вотъ хлѣбъ, соль» 187

№ стран.
443. Наполеонова ретирада изъ Россіи 187
444. Когорты и Наполеоново бѣгство изъ Россіи, со славою ..... —
445. Не все коту масляница 188
446. «И на нашей улицѣ праздникъ, кричитъ Прусакъ» ..... —
447. Бѣгство Наполеона ..... —
448. Зимнія Наполеоновы квартиры 189
449. Зимнія квартиры ..... —
450. Зимнія квартиры французской арміи 190
451. Ретирада Наполеона изъ Москвы на зимнія квартиры ..... —
452. Ночной кошемаръ ..... —
453. Неправильная ретирада 191
454. Обратный проходъ Наполеоновой гвардіи чрезъ Вильну ..... —
455. Ретирада французской арміи 192
456. Французы въ Россіи ..... —
457. Переодѣтые французы катаются на рѣкѣ Днѣпрѣ ..... —
458. Чрезвычайная французская почта въ Парижъ 193
459. Завтракъ воиновъ французской побѣдоносной арміи ..... —
460. Незнали мы мыслей французскихъ 194
461. Французы —голодные волки терзаютъ барана ..... —
462. Хлѣбосольство, отличительная черта въ характерѣ народа русскаго ..... —
463. Французы, испугавшіеся козы 195
464. Еще Французы, испугавшіеся козы ..... —
465. Худо въ карты играть, а козырей не знать ..... —
466. Французская атака русской бани 196
467. Сѣверный Амуръ ..... —
468. Чѣмъ побѣдилъ его? нагайкой ..... —
469. Чѣмъ побѣдилъ онъ врага, нагайкой ..... —
470. Русская пѣхота и французская конница 197
471. Французы въ Россіи ..... —
472. Казаки прокатываютъ французскихъ офицеровъ ..... —
473. Казаки, настигшіе французскихъ кавалеристовъ 198
474. Казаки на бивуакѣ 199
475. Казачья аттака ..... —
476. Казаки, истребляющіе французовъ 200
477. Освобожденіе Винцингероде и Нарышкина ..... —
478. Казаки непріятеля побѣждаютъ ..... —
479. Бабы бьютъ французскихъ мародеровъ ..... —

№ стран.
480. Французы — голодныя крысы въ командѣ у старостихи Василисы 201
481. Наполеонова гвардія подъ конвоемъ старостихи Василисы 202
482. Еслибы французы не скакали какъ крысы, то не попались бы въ мышеловку къ Василисѣ ..... —
483. Русская героиня, дѣвица, дочь старостихи Василисы ..... —
484. Терентьевна доколачиваетъ башмакомъ безнардоннаго французскаго солдата 203
485. Французскіе гвардейцы подъ конвоемъ бабушки Спиридоновны ..... —
486. Бабушка Кузминишна угощаетъ французскихъ мародеровъ щами ..... —
487. Твердость русскаго крестьянина 204
488. Уральскій казакъ Сила Вихревъ ..... —
489. «Русскій ратникъ домой возвращаясь» 205
490. Русскій мужикъ Вавила морозъ на заячьей охотѣ ..... —
491. Владимірцы 206
492. Русскій ратникъ Гвоздила и милицейскій Долбила ..... —
493. Русскій ратникъ Иванъ Гвоздила 207
494. Русскій милиціонный мужикъ Долбила ..... —
495. Крестьянинъ Иванъ Долбила ..... —
496. Вологодскій ратникъ 208
497. С.-Петербургскій ратникъ Храбровъ ..... —
498. Русскій Сцевола ..... —
499. Русскій Курцій ..... —
500. Подмосковный крестьянинъ Сила Богатыревъ 209
501. Бронницкій крестьянинъ Сила ..... —
502. Крестьянинъ Павелъ Прохоровъ ..... —
503. Кириловецъ 210
504. Сычевцы ..... —
505. Корнюшка Чихиринъ ..... —
506. Тріумфальное прибытіе Наполеона въ Парижъ 212
507. Торжественный въѣздъ его съ бирюльками 212
508. Конскрипты великой французской націи 213
509. Оправданія Наполеона передъ Парижемъ ..... —
510. Наполеонъ уже въ Сенатѣ ..... —
511. Наполеонъ формируетъ новую армію изъ разныхъ калѣкъ и уродовъ 214
512. Большая французская армія, или задача по Галлевой системѣ . —

№ стран.
513. Наполеонова дерзость завладѣть цѣлымъ свѣтомъ.....214
514. Наполеонъ и Мюнхгаузенъ.....215
515. Торжественное шествіе Наполеона въ храмъ славы.....216
516. Вѣсы правосудія..... —
517. Время, показывающее Наполеону всѣ его злодѣянія въ мірѣ.. —
518. Скрытное бѣгство Наполеона изъ парижскаго театра.....217
519. Сокрушеніе Наполеонова могущества..... —
520. Портретъ Наполеона..... —
521. Профиль Наполеона.....218
522. Видно коршуна по взгляду..... —
523. Другой профиль Наполеона.....220
524. Подарокъ дѣтямъ въ память 1812 года.....221

Портреты русскіе:

525. Великіе князья, Цари и Императоры.....225
526. Поклоненіе Царей Іоанна и Петра Алексѣевичей новорожденному Спасителю..... —
527. Петръ I, раб. Кипріянова.....227
528. Петръ I, съ Хубракена.....228
529. Екатерина I, тоже..... —
530. Петръ I, раб. Артемьева.....229
531. Петръ I, раб. А. Зубова 1734 г..... —
532. Екатерина I, раб. А. Зубова 1735 г.....230
533. Поздравительная картина Царевичу Алексѣю Петровичу..... —
534. Петръ II, раб. И. Зубова, 1728 г.....233
535. Петръ II, раб. А. Зубова, 1734 г.....235
536. Анна Ивановна, раб. А. Зубова..... —
537. Анна Ивановна, раб. А. Зубова 1734 г.....236
538. Елисавета Петровна..... —
539. Екатерина II съ В. К. Павломъ Петровичемъ и русскими царями.....237
540. Екатерина II, типъ Ротари.....243
541. Екатерина II, типъ Рокотова.....244
542. Екатерина II, типъ Ериксена..... —
543. Екатерина II, тотъ же типъ..... —
544. Павелъ Петровичъ, типъ Ротари.....245
545. Павелъ Петровичъ, тотъ же типъ..... —
546. Павелъ Петровичъ, типъ Делапіера..... —

№ стран.
547. Павелъ Петровичъ, тотъ же типъ....246
548. Павелъ Петровичъ, съ грав. Гласбаха.... —
549. Князъ Италійскій Суворовъ.... —
550. Ѳед. Ив. Дмитріевъ Мамоновъ....247
551. Александръ I, типъ Аткинсона.... —
552. Александръ I, типъ Кюгельхена....248
553. Александръ I, тотъ же типъ.... —
554. Александръ I, одинъ для всѣхъ.... —
555. Александръ I, тоже: одинъ для всѣхъ....249
556. Александръ I, типъ Волкова.... —
557. Елисавета Алексѣевна, грав. Грачовъ.... —
558. Александръ I съ Елисаветой Алексѣевной.... —
559. Александръ I возстановляетъ миръ въ Европѣ.... —
560. Александръ I возстановляетъ Францію....250
561. Союзъ государей для спасенія Европы.... —
562. Александръ I и Карлъ Саксенъ-Веймарскій Герцогъ.... —
563. Александръ I и В. К. Константинъ Павловичъ.... —
564. Александръ I съ Великими Князьями.... —
565. Портреты нѣкоторыхъ героевъ 1812—15 годовъ....251
566. Князь Кутузовъ Смоленскій съ Витгинштейномъ и Платовымъ.252
567. Ген. Адм. Раевскій.... —
568. Иловайскій четвертый.... —
569. Князь Багратіонъ....253
570. Графъ Матвѣй Ивановичъ Платовъ.... —

Портреты иностранные:

571. Антоній Черноуцъ Черноуцкихъ.... —
572. Фридрихъ Король Прусскій....256
573. Елисавета Королева Прусская....257
574. Еще Фридрихъ Король Прусскій.... —
575. Еще Елисавета Королева Прусская.... —
576. Густавъ III Король Шведскій.... —
577. Людовикъ Герцогъ Бургонскій....258
578. Карлъ Эммануилъ Король Сардинскій.... —
579. «Доротея Гамбургская вольнодомка».... —
580. Султанъ Мустафъ....259
581. Богатырь Амуратъ.... —
582. Турецкіе паши Ага и Муралей.... —

№ стран.
583. Богатыри Позорскій и Пеше Шиширъ....260
584. Князь Блюхеръ....261
585. Еще Князь Блюхеръ.... —
586. Бобелина.... —
587. Бобелина героиня Греціи....262
588. Еще Бобелина.... —
589. Еще Бобелина.... —

Карты и виды:

590. Космографія....263
591. Глобусъ небесный....276
592. Глобусъ географическій....280
593. Карта земли и неба 1717 г....282
594. Система Ѳ. И. Дмитріева Мамонова....283
595. Четыре части свѣта....284
596. Россійскій гербъ....285
597. Еще россійскій гербъ.... —
598. Тоже россійскій гербъ....286
599. Планъ Москвы съ гербами областей....287
600. Видъ Москвы съ монастырями....288
601. Еще видъ Москвы съ монастырями....289
602. Московскій Успенскій Соборъ.... —
603. Иванъ Великій....294
604. Еще Иванъ Великій.... —
605. Видъ Троицкой Сергіевой Лавры....295
606. Еще видъ Троицкой Сергіевой Лавры.... —
607. Видъ Воскресенскаго монастыря....296
608. Николаевскій Угрѣшскій монастырь.... —
609. Видъ Выборга....297
610. Видъ Спасопреображенскаго Валаамскаго монастыря.... —
611. Видъ Великоезерской пустыни.... —
612. Видъ Арзамасской Великоезерской пустыни....298
613. Пещеры преподобныхъ Ѳеодосія и Антонія.... —
614. Видъ Кіево-печерской Лавры....299
615. Еще видъ Кіево-печерской Лавры.... —
616. Видъ Кирилова Бѣлозерскаго монастыря.... —
617. Изображеніе Коневской пустыни....300
618. Видъ Креховскаго монастыря.... —
619. Видъ Новгорода съ монастырями....300

№ стран.
620. Новгородскій Сковородскій монастырь 304
621. Соловецкій монастырь 305
622. Соловецкій монастырь ..... —
623. Соловецкій монастырь ..... —
624. Соловецкій монастырь 307
625. Соловецкій монастырь ..... —
626. Видъ Анзерскаго скита ..... —
627. Видъ Анзерскаго скита ..... —
628. Видъ Соловецкаго монастыря и Анзерскаго скита ..... —
629. Планъ острову Анзерскому и пр 308
630. Тихвинскій Введенскій монастырь ..... —
631. Тотъ же монастырь ..... —
632. Видъ Тихвинскаго монастыря ..... —
633. Распятіе съ видомъ города Ярославля 309
634. Видъ города Ярославля 311

Чужеземные города и обители:

635. Изображеніе обителей Терновской метрополіи 313
636. Изображеніе Успенской Студенической Лавры 314
637. Видъ Синайской, Аѳонской и Сіонской горъ 315
638. Изображеніе Синайской горы 316
639. Изображеніе Аѳонской горы 318
640. Планъ Іерусалима и горы Аѳонской 319
641. Описаніе Іерусалима 320
642. Видъ Іерусалима, раб. А. Гошемскаго 323
643. Изображеніе Іерусалима, раб. А. Ростовцева 324
644. Планъ Іерусалима 326
645. Описаніе Іерусалима 327
646. Вѣрное изображеніе города Виѳлеема 345
647. Разстояніе знатнѣйшихъ городовъ въ Европѣ ..... —
648. Таблица разстоянія столицъ и разныхъ городовъ отъ Москвы. 346
649. Видъ Константинополя, раб. Гошемскаго 351
650. Изображеніе Константинополя ..... —
651. Видъ Константинополя 353
652. Изображеніе града Рима ..... —
653. Городъ Тунксъ 355
654. Гербъ черной горы 356
655. Листъ сошнаго письма табл. А ..... —
656. Другой листъ сошнаго письма ..... —

Календари и предсказанія:

№ стран.
657. Всегдашній календарь Фосбейна..... 357
658. Брюсовъ календарь, шестилистовой..... 360
659. «Календарь повсемственный»..... 391
660. Предзнаменованіе времени по планетамъ..... —
661. Еще предзнаменованіе времени по планстамъ..... 392
662. Брюсовъ календарь на 47 листахъ (Елисаветинскій)..... —
663. Брюсовъ календарь на 47 листахъ (Екатерининскій)..... 432
664. Еще Брюсовъ календарь на 47 листахъ..... 433
665. Неисходный календарь А. Ростовцева..... —
666. Календарь Корвина Квасовскаго 1734 года..... 434
667. Календарь первой половины XVIII вѣка..... 455
668. Календарь 1749 года..... 456
669. Календарь 1774 года..... —
670. Мѣсяцословъ 1787 года..... 457
671. Всегдашній календарь конца XVIII вѣка..... 462
672. Календарь 1830 года..... 463
673. Пасхальныя рукн..... —
674. Четыре времени года, работы А. Трухменскаго..... 465
675. Предсказанія Мартына Задекн..... 467
676. Еще предсказанія Мартына Задеки..... 472
677. Гададельная книжка Царя Соломона..... —
678. Еще гадательная книжка Царя Соломона..... 481

Буквари и таблицы:

679. Букварь Каріона Истомина 1692 года..... 483
680. Азбука 1801 года..... 503
681. Азбука..... 509
682. Новая россійская азбука..... 510
683. Русскія и польскія прописи почаевской работы..... —
684. Ариѳметика 1703 года..... 511
685. Альфа и Омега, Тодорскаго..... 516

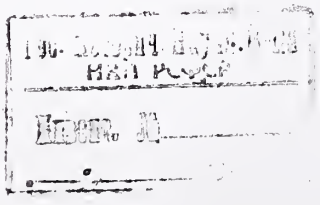

ОПЕЧАТКИ ВО II-Й КНИГѢ.

Стран.	*Стр.*	*Напечатано.*	*Читать.*
23	12	Мамаево побоище.	303. Мамаево побоище.
54	21	Черковской	Чертковской.
313	31	VII. 1514.	VIII. 1514.

GETTY CENTER LIBRARY
3 3125 00139 5165